मुब्तलाए ग़म (مبتلائے غم) अ. वि.–शोक में गिरिफ़्तार, शोकग्रस्त, शोकपीड़ित; प्रेमाबद्ध, प्रेमदुःखग्रस्त।

मुब्तलाए मुसीबत (مبتلائے مصیبت) अ. वि.–दे. 'मुब्तलाए आफ़त'।

मुब्तली (مبتلی) अ. वि.–आज़माइश के लिए आपत्तियों में फँसानेवाला।

मुब्तसिम (مبتسم) अ. वि.–मुस्कुरानेवाला; खिलनेवाला।

मुब्तहिज (مبتہج) अ. वि.–प्रसन्न, आनंदित, हर्षित, मसरूर।

मुब्तिल (مبطل) अ. वि.–खंडन करनेवाला, काट करनेवाला, झूठा ठहरानेवाला।

मुब्दल (مبدل) अ. वि.–बदला हुआ, परिवर्तित; वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द से बदला गया हो।

मुब्दलमिन्हु (مبدل منہ) अ. पुं.–जिस शब्द से बदला गया, वह शब्द।

मुब्दा (مبدء) अ. पुं.–प्रकट करने का स्थान; आरम्भ करने का स्थान, ईश्वर।

मुब्दिए फ़ैयाज़ (مبدءٔ فیاض) अ. पुं.–बहुत अधिक फ़ैज़ पहुँचानेवाला अर्थात् ईश्वर।

मुब्दे (مبدع) अ. वि.–अपने मन से कोई निकालनेवाला।

मुब्दे (مبدء) अ. वि.–आरम्भ करनेवाला; प्रकट करनेवाला; सृष्टि करनेवाला, ईश्वर।

मुब्रम (مبرم) अ. वि.–दृढ़, मज़बूत; अटल, अवश्यंभावी।

मुब्लग़ (مبلغ) अ. वि.–भेजा हुआ, प्रेष्य; खरा, जो खोटा न हो; रुपये के साथ लगाया जानेवाला शब्द जिसका अर्थ यह है कि भेजनेवाला खरा रुपया भेज रहा है।

मुब्लिग़ (مبلغ) अ. वि.–भेजनेवाला।

मुब्हम (مبہم) अ. वि.–गैरवाज़ेह, अस्फुट, अस्पष्ट; निगूढ़, मुग़्लक़।

मुमक्कन (ممکن) अ. वि.–ठहराया हुआ, स्थिर किया हुआ।

मुमक्किन (ممکن) अ. वि.–ठहरानेवाला, स्थिर करनेवाला।

मुमज्जद (ممجد) अ. वि.–प्रतिष्ठित, संमानित, पूजित, बुज़ुर्ग।

मुमद्दद (ممدد) अ. वि.–जो खींचा गया हो।

मुमद्दिद (ممدد) अ. वि.–खींचनेवाला; एक दर्द जिसमें शरीर खिंचता है।

मुमय्यज़ (ممیز) अ. वि.–दूसरे से पृथक् किया गया, छाँटकर अलग किया गया, अच्छा जानकर छाँटा गया।

मुमय्यिज़ (ممیز) अ. वि.–छाँटकर अलग करनेवाला, बुरे-भले में अंतर और भेद करनेवाला।

मुमस्सिलः (ممثلہ) अ. स्त्री.–अभिनेत्री, ऐक्ट्रेस, अदाकार स्त्री।

मुमस्सिल (ممثل) अ. पुं.–अभिनेता, ऐक्टर, अदाकार।

मुमानअत (ممانعت) अ. स्त्री.–निषेध, प्रतिषेध, मनाही, रोक।

मुमारसत (ممارست) अ. स्त्री.–अभ्यास, मश्क़; अनुभव, तज्रिबः; काम में कोशिश और मेहनत।

मुमारात (ممارات) अ. स्त्री.–किसी के साथ जाना; शत्रुता करना; युद्ध करना।

मुमारिस (ممارس) अ. वि.–काम में कोशिश करनेवाला; अभ्यस्त, मश्शाक़; अनुभवी, तज्रिबाकार।

मुमास (مماس) अ. वि.–घिसा हुआ; घिसनेवाला; घिसने की जगह।

मुमासख़त (مماسخت) अ. स्त्री.–अच्छी सूरत को बुरी सूरत में परिवर्तित कर देना।

मुमासलत (مماثلت) अ. स्त्री.–एक-जैसा होना; सदृशता, एकरूपता, हमशक्ली; समानता, बराबरी।

मुमासिख़ (ممسخ) अ. वि.–अच्छे रूप को कुरूपता में परिवर्तित कर देनेवाला।

मुमासिल (مماثل) अ. वि.–सदृश, एकरूप, हमशक्ल; समान, बराबर।

मुमिद [द्द] (ممد) अ. वि.–सहायक, मददगार; पक्षपाती, हिमायती, आश्रयदाता, सहारा देनेवाला।

मुमिर [र्र] (ممر) अ. वि.–गुज़रनेवाला, जानेवाला।

मुम्किन (ممکن) अ. वि.–हो सकनेवाली बात, संभव, शक्य, संभाव्य; शक्ति, ताक़त; सामर्थ्य, मक़्दूर।

मुम्किनात (ممکنات) अ. पुं.–'मुम्किन' का बहु., वे बातें जिनका होना संभव हो।

मुम्किनुलअमल (ممکن العمل) अ. वि.–जिस पर अमल करना संभव हो।

मुम्किनुलइलाज (ممکن العلاج) अ. वि.–जिसकी चिकित्सा (इलाज) संभव हो।

मुम्किनुलवजूद (ممکن الوجود) अ. वि.–जिसका होना और न होना दोनों अनावश्यक हों, अर्थात् मानवजाति।

मुम्किनुलहुसूल (ممکن الحصول) अ. वि.–जिसका मिलना संभव हो, प्राप्य।

मुम्तद (ممتد) अ. वि.–खींचा हुआ; लम्बा, दराज़।

मुम्तने (ممتنع) अ. वि.–निषेधक, रोकनेवाला।

मुम्तली (ممتلی) अ. वि.–भरा हुआ, पूर्ण।

मुम्तहन (ممتحن) अ. वि.–जिसकी परीक्षा ली जाय, परीक्षित, आज़माया हुआ।

मुम्तहन (ممتہن) अ. वि.–तिरस्कृत, अपमानित, निंदित, बेइज़्ज़त।

मुम्तहिन (ممتحن) अ. वि.–इम्तिहान लेनेवाला, परीक्षक।
मुम्ताज़ (ممتاز) अ. वि.–बहुतों में से चुनकर अलग किया हुआ; प्रतिष्ठित, संमानित, मुअज़्ज़ज़; मुख्य, विशिष्ट, ख़ास।
मुम्तिर (ممطر) अ. वि.–बरसनेवाला बादल।
मुम्सिक (ممسک) निकलने से रोकनेवाला; कृपण, कंजूस, बख़ील।
मुर [र्र] (مر) अ. वि.–कड़वा, कटु, तल्ख़; मुरमक्की, एक गोंद जो दवा में चलता है।
मुरक्कब (مرکب) अ. वि.–मिश्रित, मिला हुआ; वह दवा जो कई दवाओं से मिलकर बनी हो।
मुरक्कबात (مرکبات) अ. पुं.–'मुरक्कब' का बहु., मुरक्कब दवाएँ।
मुरक़्क़म (مرقم) अ. वि.–लिखित, लिखा हुआ।
मुरक़्क़ा (مرقع) अ. पुं.–चित्र, तस्वीर; तस्वीरों का अल्बम, चित्रावली।
मुरख़्ख़म (مرخم) अ. वि.–मुलाइम किया हुआ; वह शब्द जिसका अंतिम अक्षर हटा दिया गया हो।
मुरख़्ख़स (مرخص) अ. वि.–रुख़सत किया गया, जिसे जाने की आज्ञा दे दी गयी हो, जो विदा कर दिया गया हो।
मुरग़्ग़न (مرغن) फ़ा. वि.–तेल या घी में तरतराता हुआ, घी में तरबतर।
मुरज्जज़ (مرجز) अ. वि.–वह गद्य जिसके वाक्य परस्पर संतुलित और सानुप्रास हों।
मुरज्जब (مرجب) अ. वि.–प्रतिष्ठित, संमानित।
मुरत्तब (مرتب) अ. वि.–क्रमबद्ध किया हुआ, सिलसिले से लगाया हुआ क्रमागत; संपादित, समाहृत, संगृहीत।
मुरत्तब (مرطب) अ. वि.–जिसको तर किया हो, जिसे तरी पहुँचायी गयी हो।
मुरत्तिब (مرتب) अ. वि.–क्रमबद्ध करनेवाला; संग्रह करनेवाला।
मुरत्तिब (مرطب) अ. वि.–ठंड पहुँचानेवाला, तरी पहुँचानेवाला।
मुरद्दद (مردد) अ. वि.–जिसका खंडन किया गया हो।
मुरद्दफ़ (مردف) अ. वि.–रदीफ़ के हिसाब बनाया हुआ, रदीफ़वार किया हुआ।
मुरद्दिद (مردد) अ. वि.–खंडन करनेवाला, तर्दीद करनेवाला।
मुरफ़्फ़ह (مرفه) अ. वि–सम्पन्न, समृद्ध, आसूदा।
मुरफ़्फ़हहाल (مرفه‌حال) अ. वि.–धनाढ्य, मालदार, धनी, सम्पन्न।
मुरब्बा (مربی) अ. वि.–वह मेवा जो विशेष रूप से गलाकर शक्कर के क़िवाम में रखा गया हो।
मुरब्बा' (مربع) अ. वि.–वह समकोण चतुर्भुज जिसकी सब रेखाएँ बराबर हों, वर्गाकार, चौखूंटा।
मुरब्बी (مربی) अ. वि.–पालनेवाला, सरपरस्त, अभिभावक।
मुरमक्की (مرمکی) अ. स्त्री.–एक गोंद जो दवा के काम आता है।
मुरम्ममः (مرممہ) अ. वि.–संशोधित, तर्मीम किया हुआ।
मुरम्मम (مرمم) अ. वि.–दे. 'मुरम्ममः'।
मुरम्मिम (مرمم) अ. वि.–संशोधनकर्ता, तर्मीम करनेवाला।
मुरव्वक़ (مروق) अ. वि.–किसी वनस्पति के पत्तों आदि का कोट का निकाला हुआ अरक जिसे आग पर पकाकर उसकी हरियाली दूर कर दी गयी हो।
मुरव्वजः (مروجہ) अ. वि.–प्रचलित, राइज, जिसका रवाज या चलन हो।
मुरव्वज (مروج) अ. वि.–दे. 'मुरव्वजः'।
मुरव्वत (مروت) अ. स्त्री.–शुद्ध उच्चारण 'मुरुव्वत' है, परन्तु उर्दू में 'मुरव्वत' ही बोलते हैं; शील संकोच, लिहाज़; रिआयत।
मुरव्वतकेश (مروت‌کیش) अ. फ़ा. वि.–जिसमें मुरव्वत बहुत हो।
मुरव्वतन (مروتاً) अ. वि.–मुरव्वत के ख़याल से, मुरव्वत में।
मुरव्वतशिआर (مروت‌شعار) अ. वि.–जिसके स्वभाव में मुरव्वत हो।
मुरव्विज (مروج) अ. वि.–रवाज देनेवाला, प्रचार करनेवाला, राइज करनेवाला।
मुरव्विह् (مروح) अ. वि.–आनन्द देनेवाला, रत्नजटित; सुगंध फैलानेवाला।
मुरस्सा (مرصع) अ. वि.–जड़ाऊ, जटित; सुसज्जित, आरास्त; संस्कृत, शुस्तः।
मुरस्साकार (مرصع‌کار) अ. फ़ा. वि.–ज़ेवर में नगीने और जवाहिर जड़नेवाला, जड़िया; नगीने जड़ा हुआ, रत्नजटित, जटित, खचित।
मुरस्साकारी (مرصع‌کاری) अ. फ़ा. स्त्री.–ज़ेवरों में नगीने जड़ने का काम।
मुरस्सा ग़ज़ल (مرصع‌غزل) अ. फ़ा.–सुसज्जिता ग़ज़ल, संपूर्ण अलंकृता ग़ज़ल।
मुरस्सा'निगार (مرصع‌نگار) अ. फ़ा. वि.–जिसका लिखना बहुत अच्छा हो, जो लिखने में नगीने से जड़ता हो; जड़ाऊ, जटित।

मुरस्सा'निगारी (مرصع نگاری) अ. फा. स्त्री.—खुशनवीसी।
मुरस्सासाज़ (مرصع ساز) अ. फा. वि.—दे. 'मुरस्साकार'।
मुराआत (مراعات) अ. स्त्री.—रक्षा, देख-रेख; रिआयत, मुरव्वत; कनखियों से देखना।
मुराआतुन्नज़ीर (مراعات النظیر) अ. स्त्री.—एक शब्दालंकार जिसमें एक चीज़ के वर्णन में उससे संबद्ध और चीज़ों को भी लाया जाय, जैसे—धनुष के साथ बाण, निषंग अथवा प्रत्यंचा आदि का उल्लेख हो।
मुराई (مراعی) अ. वि.—रिआयत करनेवाला; देख-रेख करनेवाला; चरानेवाला।
मुराक़बः (مراقبہ) अ. पुं.—संसार से हटकर ईश्वर में ध्यान लगाना, समाधि, अवधान, योग, धारणा।
मुराक़िब (مراقب) अ. वि.—समाधिस्थ, मुराक़बे में गया हुआ, अंतर्लीन।
मुराख़्तः (مراختہ) फा. पुं.—परस्पर रेख़्ता में कलाम सुनाना, रेख़्ते का मुशाअरा।
मुराग़बत (مراغبت) अ. स्त्री.—इच्छा, अभिलाषा, ख्वाहिश; रुचि, रग़्बत।
मुराजअत (مراجعت) अ. स्त्री.—वापस आना, प्रत्यागमन।
मुराज़अत (مراضعت) अ. स्त्री.—दूसरे के बालक को दूध पिलाना।
मुराजे' (مراجع) अ. वि.—वापस आनेवाला, लौटनेवाला, प्रत्यागामी।
मुराद (مراد) अ. स्त्री.—इच्छा, कामना, अभिलाषा, आर्ज़ू; आशय, उद्देश्य, मक़्सद; मन्नत, मानता।
मुरादिफ़ (مرادف) अ. वि.—किसी के पीछे बैठनेवाला; वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द का समानार्थक हो।
मुरादिफ़ुल्मा'ना (مرادف المعنی) अ. वि.—पर्यायवाची, समानार्थक।
मुरादी (مرادی) अ. वि.—आशय के अनुकूल; काल्पनिक, क़ियासी; आनों के साथ लगनेवाला शब्द, जैसे—'मुरादी आठ आना'।
मुराफ़अः (مرافعہ) अ. पुं.—अपील, पुर्नविचार-प्रार्थना, पुनर्न्याय-प्रार्थना।
मुराफ़क़त (مرافقت) अ. स्त्री.—सहचारिता, हमराही; मैत्री, दोस्ती।
मुराफ़िक़ (مرافق) अ. वि.—सहचर, साथी; मित्र, दोस्त।
मुराफ़े' (مرافع) अ. वि.—अपील करनेवाला, पुनर्वादी, पुनरावेदक।
मुराबहत (مرابحت) अ. स्त्री.—लाभ उठाकर किसी वस्तु को बेचना।

मुरासलः (مراسلہ) अ. पुं.—पत्र, चिट्ठी, ख़त।
मुरासलत (مراسلت) अ. स्त्री.—पत्र-व्यवहार, ख़तोकिताबत।
मुरासलात (مراسلات) अ. पुं.—'मुरासलत' का बहु., आपसी पत्र-व्यवहार के काग़ज़ात।
मुराहिक़ (مراہق) अ. पुं.—वह लड़का जो बालिग़ होने के क़रीब हो, अंकुरित यौवन।
मुरुव्वत (مروت) अ. स्त्री.—शील संकोच, लिहाज़; रिआयत; आदर, इज़्ज़त, शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू में 'मुरव्वत' अधिक बोलते हैं।
मुरीद (مرید) अ. वि.—शिष्य, चेला, धर्मगुरु का अनुयायी।
मुरीदी (مریدی) अ. स्त्री.—मुरीद का पद; मुरीद का कर्तव्य।
मुरूर (مرور) अ. पुं.—जाना, गमन करना; व्यतीत होना, बीतना।
मुरूरे ऐयाम (مرور ایام) अ. पुं.—समय बीतना, वक़्त गुज़रना।
मुर्ग़ (مرغ) फा. पुं.—पक्षी, खग, विहग, शकुंत, अंडज, चिड़िया; कुक्कुट, मुर्ग़ा।
मुर्ग़अंदाज़ (مرغ انداز) फा. पुं.—वह निवाला (कौर) जिसे बिना चबाये निगल लिया जाय।
मुर्ग़बाज़ (مرغ باز) अ. फा. वि.—जो मुर्ग़ों की पाली बदकर उन्हें लड़ाता है।
मुर्ग़बाज़ी (مرغ بازی) फा. स्त्री.—मुर्ग़ों की पाली, मुर्ग़ लड़ाना।
मुर्ग़े आतशख़्वार (مرغ آتش خوار) फा. पुं.—आग खानेवाली चिड़िया; चकोर; समंदर।
मुर्ग़े क़फ़स (مرغ قفس) फा. पुं.—वह चिड़िया जो पिंजड़े में बंद हो।
मुर्ग़े क़िब्लःनुमा (مرغ قبلہ نما) फा. अ. पं.—क़ुतुबनुमा की सुई।
मुर्ग़े गिरिफ़्तार (مرغ گرفتار) फा. पुं.—वह चिड़िया जिसके पाँव में डोरा बँधा हो या जो पिंजड़े में क़ैद हो।
मुर्ग़े दस्तआमोज़ (مرغ دست آموز) फा. वि.—वह चिड़िया जो हाथ पर सधायी जाती है।
मुर्ग़े नामःबर (مرغ نامہبر) फा. पुं.—ख़त ले जानेवाली चिड़िया; कबूतर; हुदहुद।
मुर्ग़े शानःसर (مرغ شانہسر) फा. पुं.—सर पर कँलगी रखनेवाली चिड़िया, हुदहुद।
मुर्ग़े सहर (مرغ سحر) फा. अ. पुं.—सवेरे बोलनेवाली चिड़िया, कुक्कुट; बुलबुल।

मुर्जिअः (مرضعہ) अ. स्त्री.—दूध पिलानेवाली स्त्री, धाय, धात्री।

मुर्तइश (مرتعش) अ. वि.—कंपायमान, हिलता हुआ, स्पन्दमाना।

मुर्तकिब (مرتکب) अ. वि.—पाप या दोष का करनेवाला।

मुर्तजवी (مرتضوی) अ. वि.—मुर्तजा अर्थात् हज़्रतअली से सम्बन्धित; हज़्रतअली का।

मुर्तजा (مرتضیٰ) अ. वि.—रोचक, मनोवांछित, पसंदीदः; हज़्रत अली की उपाधि, हज़्रतअली।

मुर्तद [द्द] (مرتد) अ. वि.—जो अपना धर्म छोड़कर दूसरे के धर्म में चला जाय, विधर्मी।

मुर्तफ़ा' (مرتفع) अ. वि.—उच्च, उत्तुंग, ऊँचा, बलंद।

मुर्तशी (مرتشی) अ. वि.—रिशवत लेनेवाला, उत्कोचक।

मुर्तसम (مرتسم) अ. वि.—अंकित, नक़्श।

मुर्तसिम (مرتسم) अ. वि.—नक़्श क़बूल करनेवाला।

मुर्ताज़ (مرتاض) अ. वि.—तपस्वी, इबादत करनेवाला; इंद्रियनिग्रही, नफ़्सकुश।

मुर्दः (مردہ) फा. पुं.—मृत, निष्प्राण, मरा हुआ; मृतक, मरा हुआ आदमी या प्राणी; दुर्बल, अशक्त, कमज़ोर, मरयल; बहुत अधिक बूढ़ा; बुझी हुई आग या चिराग़; खिन्न, अफ़्सुर्दः; शव, लाश।

मुर्दःख़ोर (مردہخور) फा. वि.—मुर्दारख़्वार, मृताशी, मृतभोजी।

मुर्दःदिल (مردہدل) जिसका मन बहुत ही उचाट और नीरस हो, मृतहृदय, हतमानस, हतचित्र।

मुर्दःदिली (مردہدلی) फा. स्त्री.—मन का खिन्न और मलिन होना।

मुर्दःशो (مردہشو) फा. वि.—मृतक शरीर को स्नान करानेवाला, मृतस्नापक।

मुर्दःसंग (مردہسنگ) फा. पुं.—एक पत्थर जो दवा के काम आता है, मुर्दासंख।

मुर्दगाँ (مردگاں) फा. पुं.—'मुर्दः' का बहु., मरे हुए लोग।

मुर्दनी (مردنی) फा. वि.—मृत्यु के चिह्न जो मरते समय मनुष्य के मुख पर प्रकट होते हैं; मृत्यु, मरण, मौत।

मुर्दाद (مرداد) फा. पुं.—ईरानी पाँचवाँ महीना, जो हिंदी के भादों से मिलता है।

मुर्दार (مردار) फा. वि.—वह पशु जो अपनी मौत से मर गया हो, मृत पशु; अपवित्र, नापाक; मृतक, निष्प्राण (पशु आदि); कुलटा, व्यभिचारिणी, फ़ाहिशा; एक तिरस्कार का शब्द जो क्रोध के समय स्त्री के लिए बोला जाता है।

मुर्दारख़्वार (مردارخوار) फा. वि.—मरे हुए जीव को खानेवाला, मृताशी।

मुर्दारसंग (مردارسنگ) फा. पुं.—एक पत्थर-जैसा पदार्थ जो दवा में काम आता है, मुर्दासंख, लघुतिक्त।

मुर्शिद (مرشد) अ. वि.—धर्म-गुरु, पीर; (व्यंग) धूर्त, वंचक, चालाक।

मुर्शिदज़ादः (مرشدزادہ) अ. फा. पुं.—धर्मगुरु का पुत्र, पीर का बेटा।

मुर्शिदे कामिल (مرشد کامل) अ. पुं.—पहुँचा हुआ पीर, बहुत बड़ा वली, महायोगी।

मुर्सलः (مرسلہ) अ. वि.—भेजी हुई वस्तु, प्रेषित।

मुर्सल (مرسل) अ. वि.—भीजा हुआ; वह पैग़ंबर जिस पर कोई इलहामी किताब उतरी हो।

मुर्सलइलैह (مرسل الیہ) अ. वि.—जिसको भेजा जाय, जिसको कोई चीज भेजी गयी हो।

मुर्सलीन (مرسلین) अ. पुं.—'मुर्सल' का बहु., वह रसूल जिन पर दिव्य ग्रंथ उतरे हों।

मुर्सिल (مرسل) अ. वि.—भेजनेवाला, प्रेषक, इर्साल (प्रेषण) करनेवाला।

मुल (مل) फा. स्त्री.—मदिरा, सुरा, शराब।

मुलक़्क़ब (ملقب) अ. वि.—उपाधित, लक़ब दिया गया।

मुलख़्ख़स (ملخص) अ. वि.—संक्षिप्त, ख़ुलासा, तत्त्व, सार।

मुलज़्ज़िज़ (ملذذ) अ. वि.—आनंद देनेवाला; वह दवा जो लिंगेंद्रिय पर लगा लेने से सहवास का आनंद बढ़ा दे।

मुलत्तिफ़ (ملطف) अ. वि.—वह औषध जो दूषित धातुओं को पतला कर दे।

मुलम्मा' (ملمع) अ. पुं.—गिलिट किया हुआ; चाँदी या सोने का पानी चढ़ाया हुआ; क़लई।

मुलम्मा'कार (ملمع کار) अ. फा. वि.—मुलम्मों का काम करनेवाला, जिसके मुँह पर कुछ हो और पेट में कुछ, चापलूस, चाटुकार।

मुलम्माकारी (ملمع کاری) अ. फा. स्त्री.—मुलम्मे का काम बनाना; चाटुकारी, चापलूसी।

मुलम्मागर (ملماگر) अ. फा. वि.—मुलम्मे का काम बनानेवाला।

मुलम्मा'साज़ (ملماساز) अ. फा. वि.—दे. 'मुलम्मागर'।

मुलम्मा'साज़ी (ملمع سازی) अ. फा. स्त्री.—मुलम्मे का काम बनाना।

मुलय्यिन (ملین) अ. वि.—नर्मी पैदा करनेवाला; वह दवा जो पेट को नर्म करके असानी से पाख़ाना लाये, हलकी रेचक दवा।

मुलव्वन (ملون) अ. वि.–रंग किया हुआ, रंजित; रंग-विरंगी, चित्र-विचित्रि।

मुलव्वस (ملوث) अ. वि.–लिपड़ा हुआ, सना हुआ; किसी पाप या अपराध में भागीदार।

मुलव्विन (ملون) अ. वि.–रंगनेवाला, रंजक।

मुलाअबत (ملاعبت) अ. स्त्री.–खेल-कूद, क्रीड़ा; मनोविनोद, आमोद-प्रमोद, तफ़रीह; चूमा-चाटी, प्यार का खेल।

मुलाअमत (ملاءمت) अ. स्त्री.–नर्मी, कोमलता; दो चीज़ों का इकट्ठा करना; दे. 'मुलायमत'।

मुलाइब (ملاعب) अ. वि.–खेलनेवाला, क्रीड़ा करनेवाला।

मुलाइम (ملائم) अ. वि.–नर्म, कोमल; नाज़ुक, मृदुल; लतीफ़, सूक्ष्म; मधुर, शीरीं; धीमा, ठंडा।

मुलाक़ात (ملاقات) अ. स्त्री.–एक दूसरे से मिलना, भेंट, साक्षात्कार; परिचय, जान-पहचान; मेल-मिलाप, मैत्री, प्रेम-व्यवहार; सहवास, हमबिस्तरी।

मुलाक़ाती (ملاقاتی) अ. वि.–मेल-जोल का व्यक्ति, मित्र; जो प्रायः मिलने आता रहता हो।

मुलाक़ाते बाज़दीद (ملاقات بازدید) अ. फ़ा. स्त्री.–किसी के मिलने के लिए आने पर उस के घर मिलने जाना।

मुलाक़ी (ملاقی) अ. वि.–मिलनेवाला, संयुक्त; मित्र, दोस्त, मुलाक़ाती।

मुलाज़मत (ملازمت) अ. स्त्री.–किसी के पास बराबर रहना; सेवा, नौकरी; बड़े व्यक्ति की मुलाक़ात।

मुलाज़मतपेशः (ملازمت پیشہ) अ. फ़ा. वि.–जिसकी गुज़र-बसर का सहारा नौकरी हो।

मुलाज़िमः (ملازمہ) अ. स्त्री.–नौकरानी, दासी, परिचारिका।

मुलाज़िम (ملازم) अ. पुं.–दास, खिदमतगार; सेवक, नौकर।

मुलातफ़ः (ملاطفہ) अ. पुं.–कृपा, दया, अनुग्रह; नम्रता, विनीति, खाकसारी; कोमलता, नर्मी; कृपापत्र, इनायतनामा।

मुलातफ़त (ملاطفت) अ. स्त्री.–कृपा, दया; नम्रता, आजिज़ी; कोमलता, नर्मी।

मुलाबसत (ملابست) अ. स्त्री.–एक दूसरे के सदृश होना, एकरूपता।

मुलायमत (ملایمت) अ. स्त्री.–कोमलता, नर्मी; दो चीज़ों का एक जगह करना।

मुलाहज़ः (ملاحظہ) अ. पुं.–देखना, गौर करना; अनुशीलन, लिहाज़; सम्मुख, सामने।

मुलूक (ملوک) अ. पुं.–'मलिक' का बहु., बादशाह लोग।

मुलूकानः (ملوکانہ) अ. फ़ा. वि.–बादशाहों-जैसा, शाही।

मुलैयिन (ملین) अ. वि.–दे. 'मुलय्यिन'।

मुल्क (ملک) अ. पुं.–देश; राष्ट्र, सल्तनत; जन्मभूमि, वतन; क्षेत्र, इलाक़ा।

मुल्कगीरी (ملک گیری) अ. फ़ा. स्त्री.–दूसरे देशों को जीतना, दूसरे देशों को अपने अधीन करना।

मुल्करानी (ملک رانی) अ. फ़ा. स्त्री.–राज करना, शासन करना, हुकूमत करना।

मुल्कसितानी (ملک ستانی) अ. फ़ा. स्त्री.–दे. 'मुल्कगीरी'।

मुल्की (ملکی) अ. वि.–देशीय, देश का; देशनिवासी; देश का रहनेवाला; देशी, नेटिव।

मुल्के अदम (ملک عدم) अ. पुं.–यमलोक, परलोक, जहाँ मरकर जाते हैं।

मुल्के ख़मोशाँ (ملک خموشاں) अ. फ़ा. पुं.–मुर्दों का देश, श्मशान भूमि, क़ब्रिस्तान।

मुल्के फ़ना (ملک فنا) अ. पुं.–नश्वर जगत्, संसार, दुनिया।

मुल्के बक़ा (ملک بقا) अ. पुं.–वह जगत् जहाँ हमेशा रहना है, परलोक।

मुल्ज़मः (ملزمہ) अ. स्त्री.–अपराधिनी, जुर्म करनेवाली स्त्री।

मुल्ज़म (ملزم) अ. पुं.–अपराधी, अभियोगी, क़ुसूरवार जिस पर अपराध लगाया गया हो।

मुल्ज़िम (ملزم) अ. वि.–इल्ज़ाम या अपराध लगानेवाला; किसी चीज़ को अपने ऊपर लाज़िम करनेवाला।

मुल्तक़त (ملتقط) अ. वि.–बीना हुआ, चुना हुआ, उठाया हुआ, रफ़ू किया हुआ।

मुल्तक़ित (ملتقط) अ. वि.–चुननेवाला, रफ़ू करनेवाला, उठानेवाला।

मुल्तज़िम (ملتزم) अ. वि.–अपने ऊपर लाज़िम या ज़ुरूरी करनेवाला।

मुल्तजी (ملتجی) अ. वि.–प्रार्थना करनेवाला, निवेदक, प्रार्थी; कहनेवाला, अर्ज़ करनेवाला; इच्छुक, ख़ाहिशमंद।

मुल्तफ़ित (ملتفت) अ. वि.–आकृष्ट, प्रवृत्त, रुजूअ।

मुल्तबस (ملتبس) अ. वि.–जो छिपाया गया हो; जिस पर शुबहा किया गया हो।

मुल्तमिस (ملتمس) अ. वि.–प्रार्थना करनेवाला, निवेदक, कहनेवाला।

मुल्तवी (ملتوی) अ. वि.–रुकनेवाला, रुका हुआ, स्थगित।

मुल्तहब (ملتہب) अ. वि.–भड़का हुआ।

मुल्तहम (ملتحم) अ. वि.–भरा हुआ घाव, वह ज़ख़्म जो अच्छा हो गया हो।

मुल्तहिब (ملتہب) अ. वि.–लपटें देनेवाली आग, वह आग जिसमें से लपटें निकल रही हों।

मुल्तहिमः (ملتحمہ) अ. स्त्री.–आँख का एक पर्दा, चक्षुः-पटल।

मुल्ला (ملا) अ. पुं.–मौलवी, फ़ाज़िल; मस्जिद में अज़ान देनेवाला; मक्तब में छोटे बच्चों को पढ़ानेवाला।

मुल्लाए मक्तबी (ملاے مکتبی) अ. पुं.–मक्तब में छोटे-छोटे बच्चों को पढ़ानेवाला अर्थात् कम इल्म।

मुल्हक़ (ملحق) अ. वि.–चिपका हुआ, जुड़ा हुआ; मिला हुआ।

मुल्हिक़ (ملحق) अ. वि.–जुड़नेवाला; मिलनेवाला; वह चीज़ जो किसी चीज़ के आखिर में जोड़ दी जाय।

मुल्हिक़ात (ملحقات) अ. पुं.–'मुल्हिक़' का बहु., आख़ीर में जोड़ी हुई चीज़ें।

मुल्हिद (ملحد) अ. वि.–नास्तिक, विधर्मी, अनीश्वर-वादी, ख़ुदा पर यक़ीन न रखनेवाला।

मुल्हिदानः (ملحدانہ) अ. वि.–मुल्हिदों-जैसा, विधर्मियों-जैसा, धर्म के विरुद्ध।

मुल्हिम (ملہم) अ. वि.–हृदय में बात डालनेवाला; वह दैवी शक्ति जो मन को सचेत करती है, कान्शेन्स।

मुल्हिमेग़ैब (ملہم غیب) अ. पुं.–हृदय में ग़ैब से बात डालने-बोलनेवाला, भविष्य की बात से सूचित करनेवाला।

मुवक़्क़र (موقر) अ. वि.–प्रतिष्ठित, मान्य, मुअज़्ज़ज।

मुवक्किल (موکل) अ. पुं.–देवता, हर काम के लिए नियुक्त एक फ़िरिश्ता; वकील का असामी, जो अपना मुक़द्दमा वकील को देता है; वह रूह जिसे आमिल वश में करता है।

मुवज्जल (موجل) अ. वि.–वह मह्र जो तुरंत न अदा किया जाय।

मुवज्जह (موجہ) अ. वि.–उचित, मुनासिब; यथार्थ, ठीक; प्रमाणित, तर्क संगत, मुदल्लल।

मुवद्दत (مودت) अ. स्त्री.–दे. शुद्ध उच्चारण 'मवद्दत' यह उच्चारण बिलकुल ग़लत है।

मुवस्सा (موصیٰ) अ. वि.–जिसे वसीयत की गयी हो।

मुवस्सी (موصی) ग. वि.–वसीयत करनेवाला, रिक्थ पत्र-कर्ता, उत्तर साधक।

मुवह्हिद [मुवहिद] (موحد) अ. वि.–ईश्वर को एक माननेवाला; एक सम्प्रदाय जो केवल ईश्वर को मानता है, उसके सब अवतारों को या किताबों आदि को नहीं मानता।

मुवह्हिदानः (موحدانہ) अ. फा. वि.–मुवह्हिदों-जैसा।

मुवह्हिश (موحش) अ. वि.–भगानेवाला।

मुवाख़ज़ः (مواخذہ) अ. पुं.–दे. 'मुआख़ज़ः', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवाख़ात (مواخات) अ. स्त्री.–दे. 'मुआमुख़ात', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवाज़नः (موازنہ) अ. पुं.–दे. 'मुआज़नः', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवाज़बत (مواظبت) अ. स्त्री.–काम में लगा रहना, किसी काम को नित्यप्रति करते रहना।

मुवाज़रत (موازرت) अ. स्त्री.–मंत्री का पद ग्रहण करना, मंत्री बनना, मंत्री का काम करना, वज़ीरी।

मुवाजहः (مواجہہ) अ. पुं.–संमुख होना, आमने-सामने होना।

मुवाज़ात (موازات) अ. स्त्री.–मुक़ाबला, बराबरी, समानता।

मुवाज़ी (موازی) अ. वि.–मुक़ाबिल, बराबर, बराबर-बराबर।

मुवातात (مواطات) अ. स्त्री.–अनुकूलता, मुआफ़क़त।

मुवादअत (موادعت) अ. स्त्री.–एक-दूसरे से विदा होना; विदा करना।

मुवानसत (موانست) अ. स्त्री.–दे. 'मुआनसत', वही उच्चारण शुद्ध है।

मुवाफ़क़त (موافقت) अ. स्त्री.–दे. 'मुआफ़क़त', वही उच्चारण शुद्ध है।

मुवाफ़िक़ (موافق) अ. वि.–दे. 'मुआफ़िक़', वही उच्चारण शुद्ध है।

मुवामरत (موامرت) अ. स्त्री.–दे. 'मुआमरत', वही उच्चारण शुद्ध है।

मुवाला (موالا) अ. पुं.–'मुवालात' का लघु., दे. 'मुवालात'।

मुवालात (موالات) अ. स्त्री.–परस्पर मैत्री; परस्पर सहयोग, दे. 'मुआलात', दोनों शुद्ध हैं।

मुवासलत (مواصلت) अ. स्त्री.–मुलाक़ात, मेल; सहवास, हमबिस्तरी।

मुवासा (مواسا) अ. पुं.–दे. 'मुआसा', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवासात (مواسات) अ. स्त्री.–दे. 'मुआसात', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवाहनत (مواهنت) अ. स्त्री.–आलस्य, सुस्ती, काहिली।

मुवाहबत (مواهبت) अ. स्त्री.–दान, प्रदान, बख़्शिश।

मुवाहिन (مواهن) अ. वि.–आलसी, काहिल, सुस्त।

मुवाहिब (مواهب) अ. वि.–प्रदाता, बख़्शिश करनेवाला।

मुशंग (مشنگ) फा. पुं.–डाकू, लुटेरा, दस्यु; एक अनाज।

मुशक्कल (مشکل) अ. वि.–साकार, साक्षात, किसी विशेष शक्ल में आया हुआ।

मुशख़्ख़स (مشخص) अ. वि.—परीक्षित, जांचा हुआ; अनुमानित, अंदाजा किया हुआ; तश्ख़ीस अर्थात् रोग निदान किया हुआ।

मुशज्जर (مشجر) अ. वि.—बेल-बूटे बना हुआ; एक बेल-बूटेदार कपड़ा; एक पत्थर जिस पर प्रायः वृक्षों के चिन्ह बने होते हैं।

मुशत्तत (مشتت) अ. वि.—अस्त-व्यस्त, परागंदः; चिंतित, फ़िक्रमंद; उद्विग्न, परेशान।

मुशद्दद (مشدد) अ. वि.—वह अक्षर जिस पर तश्दीद हो, जो दो बार पढ़ा जाय।

मुशब्बक (مشبک) अ. वि.—जालीदार, जिसमें बहुत से छेद हों।

मुशब्बह (مشبه) अ. पुं.—वह वस्तु जिसे किसी दूसरी वस्तु से उपमा दी जाय, उपमेय। जैसे—मुख की उपमा चंद्र से दी जाय तो मुख 'मुशब्बह' अर्थात् उपमेय है।

मुशब्बहबिही (مشبه به) अ. पुं.—वह वस्तु जिससे किसी वस्तु की उपमा की जाय, उपमान; उपमित, जैसे—मुख की उपमा चंद्र से दी जाय तो चंद्र 'मुशब्बहबिही' अर्थात् उपमान है।

मुशब्बेह (مشبه) अ. वि.—उपमा देनेवाला।

मुशय्यन (مشین) अ. वि.—शानदार, रोब-दाबवाला; रूपवान, सुंदर।

मुशर्रफ़ (مشرف) अ. वि.—प्रतिष्ठित, संमानित, इज़्ज़त दिया गया।

मुशर्रह (مشرح) अ. वि.—जिसकी व्याख्या हो गयी हो, व्याख्यात, विस्तृत, भाष्य।

मुशर्रेह (مشرح) अ. वि.—व्याख्या करनेवाला, व्याख्याता, भाष्यकार।

मुशव्वश (مشوش) अ. वि.—घबराया हुआ, उद्विगन, परेशान।

मुशव्वा (مشوی) अ. वि.—भुना हुआ, भृष्ट।

मुशव्विश (مشوش) अ. वि.—घबरा देनेवाला, परेशान करनेवाला।

मुशशदर (مششدر) फा. वि.—चकित, निस्तब्ध, शश्दर।

मुशह्हर (مشهر) अ. वि.—जिसकी शोहरत हो, कीर्तिवान्, यशस्वी, नेकनाम; जो बहुत प्रसिद्ध हो, सुप्रसिद्ध, विख्यात।

मुशह्ही (مشهی) अ. वि.—भूख लगानेवाली दवा।

मुशाअरः (مشاعره) अ. पुं.—बहुत-से कवियों का एक जगह बैठकर परस्पर कविता सुनाना, कवि-गोष्ठी, कवि-सम्मेलन, बहुत-से आदमियों के संमुख कविता सुनाना।

मुशाकलत (مشاکلت) अ. स्त्री.—एक रूपता, सदृशता, एक-जैसी शक्ल होना।

मुशाकिल (مشاکل) अ. वि.—सहरूप, सदृश, हम शक्ल; दे. 'बह्रे मुशाकिल'।

मुशाजरः (مشاجره) अ. पुं.—दे. 'मुशाजरत'।

मुशाजरत (مشاجرت) अ. स्त्री.—प्रतिकूलता, मुख़ालफ़त, विरोध।

मुशातमत (مشاتمت) अ. स्त्री.—एक दूसरे को गाली-गलौज करना।

मुशाफ़हः (مشافهه) अ. पुं.—संमुखता, आमना-सामना।

मुशा'बद (مشعبد) अ. वि.—जिस चीज का शोबदा दिखाया जाय।

मुशाबहत (مشابهت) अ. वि.—एक रूपता, हमशक्ली; समानता, बराबरी।

मुशा'बिद (مشعبد) अ. वि.—बाज़ीगर, मायावी; छली, फ़िरेबी; लीलाकार, कौतुकी।

मुशाबेह (مشابه) अ. वि.—एकरूप, सदृश, हम शक्ल; तुल्य, समान, बराबर।

मुशायअत (مشایعت) अ. स्त्री.—किसी की विदा के समय थोड़ी दूर उसके साथ चलना; जनाजे के साथ जाना।

मुशार (مشار) अ. वि.—जिसकी ओर संकेत किया जाय, संकेतित।

मुशारकत (مشارکت) अ. स्त्री.—साझा, भागीदारी, शिर्कत।

मुशारुन इलैह (مشار الیه) अ. वि.—जिसकी ओर संकेत किया जाय, उक्त, कथित, उपलक्षित, मश्हूरः।

मुशावरत (مشاورت) अ. स्त्री.—परस्पर परामर्श और विचार विनिमय करना; परामर्श, मश्वुरः।

मुशाविर (مشاور) अ. वि.—परामर्शकर्ता, मश्वुरः करनेवाला।

मुशा'शा (مشعشع) अ. वि.—दीप्त, ज्योतिर्मय, रौशन।

मुशाहदः (مشاهده) अ. पुं.—निरीक्षण, दर्शन, देखना; अनुभव, तज्रिबा।

मुशाहदात (مشاهدات) अ. पुं.—'मुशाहदः' का बहु., देखी हुई वस्तुएँ, तज्रिबात।

मुशाहरः (مشاهره) अ. पुं.—माहवारी तनख़्वाह, मासिक वेतन।

मुशाहिद (مشاهد) अ. पुं.—मुशाहदा करनेवाला, देनेवाला; किसी विशेष कार्य का देखने और उसके सम्बन्ध में गवाही देनेवाला व्यक्ति, आबज़र्वर।

मुशाहिदीन (مشاهدین) अ. पुं. मुशाहदः करनेवालों की जमाअत, आबज़र्वर्स।

मुशीर (مشیر) अ. वि.—परामर्शदाता, मश्वुरा देनेवाला, सलाहकार।

मुशैयन (مشین) अ. वि.—दे. 'मुशय्यन'।

मुश्क (مشک) फ़ा. पुं.—कस्तूरी, कस्तूरिका, मिश्क।

मुश्कअफ़्शाँ (مشک افشاں) फ़ा. वि.—मुश्क छिड़कनेवाला अर्थात् अत्यंत सुगंधित।

मुश्कआहू (مشک آهو) फ़ा. पुं.—वह हिरन जिसकी नाभि से कस्तूरी निकलती है, कस्तूरी मृग, पुष्कलक।

मुश्कनाफ़ः (مشک نافه) फ़ा. पुं.—कस्तूरी की थैली, मृग-नाभि।

मुश्कपाश (مشک پاش) फ़ा. वि.—दे. 'मुश्कबार'।

मुश्कफ़ाम (مشک فام) फ़ा. वि.—कृष्ण वर्ण, काले रंग का।

मुश्कफ़िशाँ (مشک فشاں) फ़ा. वि.—दे. 'मुश्कअफ़्शाँ'।

मुश्कबार (مشک بار) फ़ा. वि.—सुगंध वर्षक, मुश्क—जैसी सुगंध फैलानेवाला, अर्थात् बहुत खुशबूदार।

मुश्कबू (مشک بو) फ़ा. वि.—कस्तूरी-जैसी सुगंध रखने-वाला।

मुश्कबेज़ (مشک بیز) फ़ा. वि.—दे—'मुश्कबार'।

मुश्कबेद (مشک بید) फ़ा. पुं.—बेद की एक जाति जो बहुत सुगंधित होता है और जिसके पत्तों का अरक़ 'बेद मुश्क' कहलाता है।

मुश्करंग (مشک رنگ) फ़ा. वि.—मुश्क-जैसे रंग का।

मुश्कसा (مشک سا) फ़ा. वि.—मुश्क-जैसा खुशबूदार।

मुश्कसार (مشک سار) फ़ा. वि.—दे. 'मुश्कसा'।

मुश्क़ाब (مشقاب) तु. स्त्री.—बड़ी रिकाबी, क़ाब, दे. 'बुशक़ाब'।

मुश्किल (مشکل) अ. स्त्री.—कठिनता, कठिनाई; जटिलता, पेचीदगी; गूढ़ता, दक़ीक़पन; सूक्ष्मता, बारीकी, (वि.) कठिन, दुष्कर; जटिल, पेचीदा; गूढ़, दक़ीक़; सूक्ष्म, बारीक।

मुश्कीं (مشکیں) फ़ा. वि.—मुश्क-जैसा सियाह; मुश्क-जैसा सुगंधित।

मुश्कींइज़ार (مشکیں عزار) फ़ा. अ. वि.—जिसके गाल पर काला तिल हो।

मुश्कींकमंद (مشکیں کمند) फ़ा. वि.—काली और सुगंधित ज़ुल्फ़ों वाला (वाली)।

मुश्कींकुलाह (مشکیں کلاه) फ़ा. वि.—काली टोपी लगाने वाला।

मुश्कींख़त (مشکیں خط) फ़ा. वि.—सब्ज़ः आग़ाज़, वह सुंदर लड़का जिसकी मूँछ दाढ़ी के बाल निकलने शुरू हो गये हों।

मुश्कींमू (مشکیں مو) फ़ा. वि.—काले और सुगंधित बालों-वाला (वाली)।

मुश्कींमोह्रः (مشکیں مهره) फ़ा. वि.—धरती, पृथ्वी, ज़मीन।

मुश्कींरंग (مشکیں رنگ) फ़ा. वि.—मुश्क के रंग का, काला, कृष्ण।

मुश्कींसमंद (مشکیں سمند) फ़ा. वि.—काले घोड़े पर चढ़नेवाला, मा'शूक़।

मुश्की (مشکی) फ़ा. वि.—मुश्क-जैसा काला; काले रंग का घोड़ा।

मुश्के अज़्फ़र (مشک اذفر) फ़ा. अ. पुं.—तेज़ बूवाला मुश्क।

मुश्के ख़ता (مشک خطا) फ़ा. पुं.—दे. 'मुश्केचीं'।

मुश्के ख़ुतन (مشک ختن) फ़ा. पुं.—चीन या तिब्बत का मुश्क जो सबसे अच्छा होता है।

मुश्के चीं (مشک چیں) फ़ा. पुं.—चीन की कस्तूरी, ख़ालिस मुश्क।

मुश्के तर (مشک تر) फ़ा. पुं.—ताज़ी और निर्मल कस्तूरी।

मुश्के नाब (مشک ناب) फ़ा. पुं.—शुद्ध और बेमेल की कस्तूरी।

मुश्के सारा (مشک سارا) फ़ा. पुं.—ख़ालिस मुश्क।

मुश्कोए (مشکوے) फ़ा. पुं.—अंतःपुर, हरमसरा, रनवास; गृह उद्यान, पाइँबाग़; बड़े व्यक्तियों का निवासस्थान, प्रासाद, महल।

मुश्कोए मुअल्ला (مشکوے معلی) अ. पुं.—शाही जनान-ख़ाना, रनवास।

मुश्त (مشت) फ़ा. स्त्री.—मुट्ठी, मुष्टिका; घूसा, मुष्टी; मुट्ठी भर चीज़।

मुश्तइल (مشتعل) अ. वि.—उत्तेजित, गुस्से में आया हुआ; प्रज्वलित, भड़कता हुआ।

मुश्तग़िल (مشتغل) अ. वि.—लग्न, तन्मय, लीन, मुनहमिक।

मुश्तक़ [क़्क़] (مشتق) अ. पुं.—वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द से बना हो; वह शब्द जो मस्दर से निकलता हो।

मुश्तज़न (مشت زن) फ़ा. वि.—पहलवान, मल्ल; हस्त मैथुन करनेवाला।

मुश्तज़नी (مشت زنی) फ़ा. स्त्री.—पहलवानी; हस्तमैथुन, हथलस, हैंडप्रेक्टिस।

मुश्तपर (مشت پر) फ़ा. पुं.—एक मुट्ठी पर, बहुत ज़रा-सी जानवाला पक्षी।

मुश्तब्ह (مشتبه) अ. वि.—संदिग्ध, संदेहयुक्त, मश्कूक; अनिश्चित, ग़ैर यक़ीनी।

मुश्तबेह (مشتبه) अ. वि.—संदेह में डालनेवाला।

मुश्तमाल (مشت مال) फा. वि.—मलना-दलना, मसलना; पहलवानों का एक-दूसरे के शरीर को जोर-जोर से मलना ताकि पुष्ट और कठोर हो।

मुश्तमाली (مشت مالی) फा. स्त्री.—दे. 'मुश्तमाल'।

मुश्तमिल (مشتمل) अ. वि.—सम्मिलित, शामिल; व्यापक, हावी।

मुश्तरकः (مشترکہ) अ. वि.—साझे का, मिला हुआ।

मुश्तरक (مشترک) अ. वि.—दे. 'मुश्तरकः'।

मुश्तरकन (مشترکاً) अ. वि.—साझे में।

मुश्तरी (مشتری) अ. वि.—खरीदार, क्रेता; बृहस्पति, बिर्जीस।

मुश्तवारः (مشتواره) फा. पुं.—मुट्ठी भर, मुट्ठी भर जौ या गेहूँ की बालें।

मुश्तरस (مشت رس) फा. वि.—चुरायी हुई चीज़; मुट्ठी में आयी हुई वस्तु; मुट्ठी भर वस्तु।

मुश्तहर (مشتهر) अ. वि.—जिसका इश्तिहार हो, प्रसिद्ध।

मुश्तहरी (مشتهری) अ. वि.—इश्तिहार द्वारा प्रचार।

मुश्तहिर (مشتهر) अ. वि.—इश्तिहार देनेवाला, विज्ञापक।

मुश्तही (مشتهی) अ. वि.—इच्छा करनेवाला, इच्छुक, यह शब्द भूख बढ़ानेवाले के अर्थ में अशुद्ध है।

मुश्ताक़ (مشتاق) अ. वि.—उत्कंठित, अभिलाषी, उत्सुक, आर्जूमंद।

मुश्ताक़ानः (مشتاقانہ) अ. फा. वि.—अभिलाषापूर्ण, शौक़ के साथ।

मुश्ताक़े जमाल (مشتاق جمال) अ. वि.—दे. 'मुश्ताक़े दीद'।

मुश्ताक़े दीद (مشتاق دید) अ. फा. वि.—दर्शनाभिलाषी, देखने का आर्जूमंद।

मुश्ते उस्तुख्वाँ (مشت استخواں) फा. पुं.—मुट्ठी भर हड्डियाँ, अर्थात् बहुत ही दुबला-पतला और कमज़ोर व्यक्ति।

मुश्ते खाक (مشت خاک) फा. स्त्री.—मुट्ठीभर खाक; मनुष्य, आदमी।

मुश्ते खाकिस्तर (مشت خاکستر) फा. स्त्री.—वह मुट्ठी भर राख जो आदमी के जलने पर बाक़ी रहती है।

मुश्ते गिल (مشت گل) फा. स्त्री.—दे. 'मुश्ते खाक'।

मुश्ते गुब्बार (مشت غبار) फा. वि.—दे. 'मुश्ते खाक'; वह एक मुट्ठी धूल जो हवा में उड़ा दी जाय; मरे हुए व्यक्ति की खाक।

मुश्ते पर (مشت پر) फा. पुं.—मुट्ठी भर पर, जो किसी पक्षी को मारकर मिलते हैं।

मुशफ़िक़ (مشفق) अ. वि.—कृपा करनेवाला, दयालु; मित्र, दोस्त; डरानेवाला, त्रासक।

मुश्फ़िक़ानः (مشفقانہ) अ. वि.—मित्रतापूर्ण, कृपापूर्ण, दोस्ताना।

मुश्रफ़ (مشرف) अ. वि.—ऊँचा-स्थान, बलंद जगह।

मुश्रिकः (مشرکہ) अ. स्त्री.—वह स्त्री जो मुश्रिक हो, जो बहुत-से ईश्वर मानती हो।

मुश्रिक़ (مشرق) अ. वि.—चमकनेवाला, ज्योतिर्मय; तारा, तारिका, उडु।

मुश्रिक (مشرک) अ. वि.—वह व्यक्ति जो ईश्वर को एक नहीं मानता, बल्कि उसके गुणों में औरों को भी सम्मिलित करता है।

मुश्रिक़ात (مشرقات) अ. पुं.—'मुश्रिक़' का बहु., तारे, उडुगण।

मुश्रिकात (مشرکات) अ. स्त्री.—'मुश्रिकः' का बहु., मुश्रिक स्त्रियाँ, जो ईश्वर को एक न मानती हों।

मुश्रिकानः (مشرکانہ) अ. फा. वि.—मुश्रिकों-जैसा, नास्तिकों-जैसा।

मुश्रिकीन (مشرکین) अ. पुं.—'मुश्रिक' का बहु., मुश्रिक लोग, बहुत से ईश्वर माननेवाले।

मुश्रिफ़ (مشرف) अ. वि.—उत्तुंग, ऊँचा, बलंद; ज्ञाता, जानकार; बड़ा मुनीम; बड़ा मुंशी, हेड मुहर्रिर; किसी अच्छी या बुरी घटना का आनेवाले निकट समय में घटित होना।

मुसंदल (مصندل) अ. वि.—चंदन की सुगंध में बसा हुआ।

मुसअ़द (مصعد) अ. वि.—दो हाँडियों या सकोरों में विधि अनुसार उड़ाया हुआ दवा का जौहर।

मुसक़्क़फ़ (مسقف) अ. वि.—पटी हुई छत, छतवाला, जिसकी छत पटी हो।

मुसक्किन (مسکن) अ. वि.—आराम देनेवाला, शांति पहुँचानेवाला; वह दवा जो रोग विशेष में शांति पहुँचाये।

मुसक्किनात (مسکنات) अ. पुं.—'मुसक्किन' का बहु., वे औषधियाँ जो किसी रोग विशेष में शांति पहुँचायें।

मुसख़्ख़र (مسخر) अ. वि.—विजित, जीता हुआ; वशीभूत, क़ाबू में आया हुआ; मुग्ध, फ़िरेफ़्तः।

मुसख़्ख़िर (مسخر) अ. वि.—विजेता, फ़ातेह; वश में करनेवाला; मुग्ध करनेवाला।

मुसग़्ग़र (مصغر) अ. वि.—छोटा किया हुआ, लघूकृत।

मुसज्जल (مسجل) अ. वि.—सुसज्जित, आरास्ता; मोहर किया हुआ, मुद्रांकित; रजिस्ट्री किया हुआ, पंजीयित।

मुसज्जा' (مسجع) अ. वि.—वह बात जो क़ाफ़ियों में हो, सानुप्रास, मुक़फ़्फ़ा, (पु.) एक शब्दालंकार जिसमें शेर के चार टुकड़े करके, तीन टुकड़े सानुप्रास कर दिये जाते हैं।

जैसे—"जब वह जमाले दिल फ़रोज, सूरते मेहेनीमरोज, आप ही हो नजारः सोज, पर्दे में मुँह छुपाये क्यों"—ग़ालिब। इसमें फ़रोज़, रोज और सोज के क़ाफ़िए हैं।

मुसत्तर (مسطر) अ. वि.–लकीरें किया हुआ, सत्रोंदार।

मुसत्तर (مستر) अ. वि.–गुप्त, गुह्य, छिपा हुआ, पोशीदा।

मुसत्तह (مسطح) अ. वि.–समतल, चौरस, हमवार।

मुसद्दक़ः (مصدقہ) अ. वि.–प्रमाणित।

मुसद्दक़ (مصدق) अ. वि.–तस्दीक किया गया, तज्रिबा किया गया।

मुसद्दस (مسدس) अ. वि.–छः पहलूवाला, (पुं.) छः फ़ाइर का तमंचा; नज़्म की एक क़िस्म जिसमें चार मिस्रे एक क़ाफ़ियों में और दो मिस्रे अलग दूसरे क़ाफ़िए में होते हैं, और यह छः मिस्रों का एक बंद कहलाता है। ऐसे बहुत-से बंदों का समूह मुसद्दस होता है। प्रायः मुसद्दस में कोई उपदेश या किसी घटना का वर्णन होता है, अगर इस मुसद्दस में करबला की शहादत का वर्णन हो तो 'मरसियः' कहलाता है, अगर अपने प्रेम के त्याग का वर्णन हो तो 'वासोख़्त' होता है और नायिका के नखशिख का वर्णन हो तो 'सारापा' होता है, मुसद्दस के किसी बंद का अंतिम अर्थात तीसरा शेर 'टीप' कही जाती है।

मुसद्दिक़ (مصدق) अ. वि.–प्रमाणित करनेवाला, तस्दीक़ करनेवाला।

मुसन्नफ़ः (مصنفہ) अ.व्रि.–संपादित पुस्तक, रचित, प्रणीत।

मुसन्नफ़ (مصنف) अ. वि.–संपादित, रचित, प्रणीत।

मुसन्नफ़ात (مصنفات) अ. वि.–'मुसन्नफ़ः' का बहु., रचित पुस्तकें।

मुसन्ना (مثنیٰ) अ. वि.–दो किया हुआ, दो टुकड़े किया हुआ; दो परत का काग़ज़, जैसे—रसीद; प्रतिलिपि, नक़्ल।

मुसन्ना बिही (مثنیٰ بہ) अ. वि.–जिससे प्रतिलिपित हो, मूल, अस्ल।

मुसन्निफ़ः (مصنفہ) अ. स्त्री.–किसी पुस्तक आदि की लेखिका, प्रणेत्री।

मुसन्निफ़ (مصنف) अ. पुं.–ग्रंथकार, लेखक, रचयिता, तस्नीफ़ करनेवाला।

मुसफ़्फ़ा (مصفیٰ) अ. वि.–साफ़ किया हुआ, शुद्ध; उज्ज्वल, चमकदार; निथरा हुआ; क़लई किया हुआ; विधिपूर्वक शुद्ध की हुई दवा।

मुसफ़्फ़िए ख़ून (مصفی خون) अ. पुं.–दूषित ख़ून को साफ़ करनेवाली दवा, रक्तशोधक।

मुसफ़्फ़ियात (مصفیات) अ. पुं.–'मुसफ़्फ़ी' का बहु., वे ओषधियाँ जो ख़ून को शुद्ध करती हैं।

मुसफ़्फ़ी (مصفی) अ. वि.–साफ़ करनेवाला, शोधक।

मुसब्बब (مسبب) अ. वि.–कारण किया गया; कारण, सबब।

मुसब्बर (مصبر) अ. पुं.–एक ओषधि, एलुवा।

मुसब्बा' (مسبع) अ. पुं.–सात भाग किया हुआ; सात भुजाओं का क्षेत्र; वह नज़्म जिसमें सात मिस्रे हों, अर्थात् हर तीन शे'र के बाद एक मिस्रा आया करे, चाहे वह मिस्रा एक ही हो, या हर बार नया मिस्रा हो।

मुसब्बिब (مسبب) अ. वि.–कारण पैदा करनेवाला, साधन उपस्थित करनेवाला।

मुसब्बिबुलअस्बाब (مسبب الاسباب) अ. वि.–कारण और साधन उत्पन्न करनेवाला, ईश्वर।

मुसब्बिबे हक़ीक़ी (مسبب حقیقی) अ. वि.–सच्चा साधन उत्पन्न करनेवाला, ईश्वर।

मुसब्बिहः (مسبحہ) अ. स्त्री.–अँगूठे के पासवाली उँगली, तर्जनी; ईश्वर का नाम जपनेवाली स्त्री।

मुसब्बेह (مسبح) अ. वि.–तस्बीह पढ़नेवाला, ईश्वर का गुणगान करनेवाला।

मुसम्मत (مسمط) अ. पुं.–लड़ी में पिरोया हुआ; मोतियों की लड़ी, मुक्तावली; नज़्म की एक क़िस्म, जिसमें चंद मिस्रे एक क़ाफ़िए में कहकर, एक या दो मिस्रे दूसरे क़ाफ़िए के लाये जाते हैं, 'मुख़म्मस' और 'मुसद्दस' आदि इसी की क़िस्में हैं।

मुसम्मन (مثمن) अ. वि.–आठ पहलूवाला, जिसमें आठ कोने हों, अष्टकोण।

मुसम्मन (مسمن) अ. वि.–चर्बीला किया हुआ, मोटा ताज़ा बनाया हुआ, खिला-पिलाकर चर्बी चढ़ाया हुआ।

मुसम्मम (مصمم) अ. वि.–दृढ़, मज़बूत; निश्चित, यक़ीनी।

मुसम्मर (مسمر) अ. वि.–कीलों से जड़ा हुआ, कीलें ठोंका हुआ, कीलित।

मुसम्मा (مسمیٰ) अ. वि.–नाम रखा हुआ, नामधारी; पुरुषों के नाम के पहले लगाया जानेवाला शब्द जो विशेषतः सरकारी काग़ज़ों में लगाया जाता है।

मुसम्मात (مسماۃ) अ. स्त्री.–नाम रखी हुई, नामधारिणी; स्त्रियों के नाम से पहले लगाया जानेवाला शब्द, जो प्रायः सरकारी और अदालती काग़ज़ों में लगाया जाता है; श्रीमती।

मुसम्मिम (مصمم) अ. वि.–निश्चय करनेवाला।

मुसर्रह (مصرح) अ. वि.–स्पष्ट कहा हुआ, व्याख्यात।

मुसर्रेह (مصرح) अ. वि.–स्पष्ट वक्ता, साफ़गो; व्याख्या करनेवाला, तस्रीह करनेवाला।

मुसल्मान (مسلمان) अ. पुं.–इस्लाम धर्म का अनुयायी, मुस्लिम।

मुसल्मानी (مسلمانی) अ. स्त्री.—मुसल्मान का धर्म; मुसल्मान का कर्तव्य; ख़त्ना, सुन्नत।

मुसल्लत (مسلط) अ. वि.—चारों ओर से छाया हुआ, आच्छादित; विवश किया हुआ।

मुसल्लमः (مسلمہ) अ. वि.—जो बात सब को तस्लीम हो, सर्वमान्य; जो साबित हो, प्रमाणित; अखण्ड, संपूर्ण।

मुसल्लम (مسلم) अ. वि.—सर्वमान्य, तस्लीम शुदा; समग्र, सपूर्ण, समूचा; प्रमाणित, मुसद्दक़।

मुसल्लमात (مسلمات) अ. पुं.—'मुसल्लमः' का बहु., वे बातें जो सर्वमान्य हों।

मुसल्लमुश्शहादत (مسلم الشہادت) अ. वि.—वह व्यक्ति जिसकी साक्षी मान्य हो; जो साक्षी द्वारा प्रमाणित हो।

मुसल्लमुस्सुबूत (مسلم الثبوت) अ. वि.—जो सुबूत से साबित हो, प्रमाणसिद्ध, साधनक्षम, प्रत्यक्षसिद्ध।

मुसल्लह (مسلح) अ. वि.— हथियार बंद, सशस्त्र, अस्त्र-सज्ज, सज्जित।

मुसल्ला (مصلا) अ. पुं.—नमाज़ पढ़ने की चटाई अथवा दरी।

मुसल्ली (مصلی) अ. वि.—नमाज़ पढ़नेवाला।

मुसल्सल (مسلسل) अ. वि.—लगातार, निरंतर, अनवरत; ज़ंजीर में बँधा हुआ, क़ैद, शृंखलित; क्रमबद्ध, क्रमागत, बातरतीब; बारंबार, बारबार।

मुसव्वदः (مسودہ) अ. पुं.—किसी लेख का प्रारंभिक रूप, पांडुलिपि, प्रारूप।

मुसव्वदात (مسودات) अ. पुं.—'मुसव्वदः' का बहु., मुसव्वदे, पांडुलिपियाँ।

मुसव्वरः (مصورہ) अ. वि.—दे. 'मुसव्वर'।

मुसव्वर (مصور) अ. वि.—सचित्र, तस्वीरदार; चित्रित, नक़्शीन, तस्वीर बना हुआ।

मुसव्विद (مسود) अ. वि.—मुसव्वदा लिखनेवाला, पांडुलिपिक।

मुसव्विरः (مصورہ) अ. वि.—तस्वीर बनानेवाली स्त्री, चित्रकारिणी।

मुसव्विर (مصور) अ. वि.—तस्वीर बनानेवाला, चित्रकार, चित्रशिल्पी, चितेरा।

मुसव्विरी (مصوری) अ. स्त्री.—तस्वीरें बनाने का काम, चित्र कर्म; तस्वीर बनाने का फ़न, चित्रकला।

मुसह्हब (مسهب) अ. वि.—जगाया हुआ, जाग्रत किया हुआ।

मुसह्हेह (مصحح) अ. वि.—दुरुस्त करनेवाला, शुद्ध करनेवाला; वह व्यक्ति जो प्रेस के पत्थर की किताबत को ठीक करता है।

मुसाअदत (مساعدت) अ. स्त्री.—सहायता करना, मदद करना; सहायता, मदद।

मुसाइद (مساعد) अ. वि.—सहायक, मददगार; अनुकूल, मुआफ़िक़।

मुसादमत (مصادمت) अ. स्त्री.—एक दूसरे को कष्ट देना।

मुसादरत (مصادرت) अ. स्त्री.—प्रत्यागमन, वापस लौटना।

मुसाफ़रत (مسافرت) अ. स्त्री.—यात्रा करना, सफ़र करना; यात्रा, सफ़र; यात्रा की अवस्था, सफ़र की हालत।

मुसाफ़ह: (مصافحہ) अ. पुं.—मुलाक़ात के समय हाथ मिलाना।

मुसाफ़ह: (مسافحہ) अ. पुं.—व्यभिचार, दुराचार, पाप कर्म।

मुसाफ़ात (مصافات) अ. स्त्री.—मैत्री, दोस्ती: निष्कपटता, इख़्लास।

मुसाफ़िर (مسافر) अ. पुं.—यात्री, पथिक, राहगीर, बटोही; ग़रीब मुसाफिर।

मुसाफ़िरख़ानः (مسافرخانہ) अ. फा. पुं.—मुसाफ़िरों के ठहरने का स्थान, पथिकाश्रम, धर्मशाला।

मुसाफिरानः (مسافرانہ) अ. फा. वि.—मुसाफ़िरों-जैसा; सफ़र की अवस्था में।

मुसाब (مصاب) अ. वि.—दुःखित, क्लेषित, रंजीदा।

मुसाबक़त (مسابقت) अ. स्त्री.—पहले करना; आगे बढ़ जाना।

मुसाबरत (مصابرت) अ. स्त्री.—धीरज धरना, संतोष करना, सब्र करना।

मुसामरत (مسامرت) अ. स्त्री.—एक दूसरे को क़िस्से सुनाना।

मुसामहत (مسامحت) अ. स्त्री.—किसी काम को आसान समझकर उसकी ओर ध्यान न देना; मैत्री, दोस्ती।

मुसारअत (مصارعت) अ. स्त्री.—एक दूसरे को ज़मीन पर डाल कर रगड़ना, परस्पर कुश्ती लड़ना।

मुसालमत (مسالمت) अ. स्त्री.—परस्पर संधि करना; मित्रता, दोस्ती।

मुसालहत (مصالحت) अ. स्त्री.—परस्पर संधि करना, संधि; समझौता, तस्फ़िय:; राज़ीनामा, फ़ैसला।

मुसालहतनामः (مصالحت نامہ) अ. फा. पुं.—राज़ीनामा, समझौते का काग़ज़।

मुसावमत (مساومت) अ. स्त्री.—किसी चीज़ के बेचने में देर करना इस विचार से कि दाम बढ़ जायेंगे।

मुसावात (مساوات) अ. स्त्री.—समानता, बराबरी; सबको एक-जैसे अधिकार मिलने का सिद्धांत।

मुसावियुज़्ज़वाया (مساوی الزوایا) अ. पुं.—वह त्रिभुज या चतुर्भुज जिसके आमने-सामने के कोण बराबर हों।

मुसावियुलअज़्लाअ (مساوی الاضلاع) अ. पुं.—वह शक्ल जिसकी सब भुजाएँ बराबर हों, समभुज क्षेत्र।

मुसावियानः (مساویانہ) अ. फा. वि.—बराबर बराबर; एक-जैसा।

मुसावी (مساوی) अ. वि.—समान, तुल्य, बराबर।

मुसाहक़ः (مساحقہ) अ. पुं.—चपटी, स्त्रियों का आपस में चपटी लड़ाना।

मुसाहबत (مصاحبت) अ. स्त्री.—किसी बड़े व्यक्ति के यहाँ हाज़िर बाशी, बड़े व्यक्ति के यहाँ सोहबत बरतना, उठना-बैठना।

मुसाहमत (مساھمت) अ. स्त्री.—भागीदारी, साझा, शिर्कत।

मुसाहलत (مساھلت) अ. स्त्री.—आलस्य, ढील, सुस्ती।

मुसाहिब (مصاحب) अ. पुं.—किसी बड़े आदमी के पास उठने-बैठनेवाला, पार्षद।

मुसाहिम (مساھم) अ. वि.—भागीदार, साझीदार, शरीक।

मुसीन [स्न] (مسن) अ. वि.—बूढ़ा, वयोवृद्ध।

मुसिर [र्र] (مصر) अ. वि.—ज़िद करनेवाला, बारबार किसी काम के लिए कहनेवाला।

मुसीब (مصیب) अ. वि.—किसी बात की तह को पहुँचने वाला; ठीक पानेवाला, तलस्पर्शी।

मुसीबत (مصیبت) अ. स्त्री.—दुःख, क्लेश, कष्ट, तक्लीफ़; खेद, संताप, विषाद, ग़म; दुर्घटना, सानिहः; कठिनता, मुश्किल; दुर्दशा, नुहूसत; कालचक्र, गर्दिश; विपत्ति, आफ़त।

मुसीबतअंगेज़ (مصیبت انگیز) अ. फा. वि.—कष्टजनक, दुःखदायी, मुसीबत देनेवाला।

मुसीबतज़दः (مصیبت زدہ) अ. फा. वि.—मुसीबत में मुब्तला, कष्टग्रस्त, विपन्न, दुरागत।

मुसीबतनाक (مصیبت ناک) अ.फा. वि.—दे. 'मुसीबतज़दः'।

मुसीबते नागहानी (مصیبت ناگہانی) अ. फा. स्त्री.—आकस्मिक विपत्ति, अचानक आनेवाली आफ़त।

मुसैक़ल (مصیقل) अ. वि.—सैक़ल किया हुआ, चमकदार, शफ़्फ़ाफ़।

मुसैतिर (مسیطر) अ. वि.—नियुक्त, मुक़र्रर।

मुस्क़ित (مسقط) अ. वि.—गिरानेवाला; बात में त्रुटि करनेवाला।

मुस्कित (مسکت) अ. वि.—चुप कर देनावाला, क़ाइल कर देनेवाला।

मुस्किर (مسکر) अ. वि.—नशा पैदा करनेवाली चीज़, मादक।

मुस्किरात (مسکرات) अ. वि.—'मुस्किर' का बहु., नशे की चीज़ें।

मुस्तंजिम (مستنجم) अ. वि.—प्रकाशमान, प्रज्वलित, दीप्त, रौशन; प्रकाश चाहनेवाला।

मुस्तंबत (مستنبط) अ. वि.—निकाला हुआ; नतीजा निकाला हुआ।

मुस्तंबित (مستنبط) अ. वि.—नतीजा निकालनेवाला।

मुस्तंसर (مستنصر) अ. वि.—जिसकी मदद की गयी हो।

मुस्तंसिर (مستنصر) अ. वि.—मदद माँगनेवाला।

मुस्तआन (مستعان) अ. वि.—जिससे सहायता माँगी जाय।

मुस्तआर (مستعار) अ. वि.—माँगी हुई चीज़, थोड़े दिनों के लिए माँगा हुआ।

मुस्तइद [द्द] (مستعد) अ. वि.—तत्पर, सन्नद्ध, कटिबद्ध, तैयार; निरालस, सचेष्ट, जिसमें सुस्ती और काहिली न हो, तेज़; फ़ुर्तीला, चाबुकदस्त।

मुस्तइद्दी (مستعدی) अ. स्त्री.—तत्परता, तैयारी; निरालस्य, तेज़ी; फ़ुर्ती।

मुस्तईन (مستعین) अ. वि.—सहायता चाहनेवाला, मदद माँगनेवाला।

मुस्तईर (مستعیر) अ. वि.—रिआयत चाहनेवाला।

मुस्तक़र [र्र] (مستقر) अ. पुं.—ठहरने का स्थान, ठिकाना।

मुस्तक़र्रुलख़िलाफ़त (مستقر الخلافت) अ. पुं.—राजधानी, शासन-केंद्र।

मुस्तक़र्रुलहुकूमत (مستقر الحکومت) अ. पुं.—दे. 'मुस्तक़र्रुल ख़िलाफ़त'।

मुस्तक़िल [ल्ल] (مستقل) अ.वि.—अटल, दृढ़, मुस्तहकम; दृढ़, निश्चिय, साबित क़दम; चिरस्थायी, पाइदार; वह मुलाज़िम जो अस्थायी न हो, स्थायी; निरंतर, लगातार।

मुस्तक़िल मिज़ाज (مستقل مزاج) अ. वि.—जो एक बात तै करके उस पर जमा रहे, दृढ़ चित्त, स्थिरनिश्चयी।

मुस्तक़िल मिज़ाजी (مستقل مزاجی) अ. स्त्री.—एक बात तै करके उस पर डटा रहना, निश्चय की स्थिरता।

मुस्तक़िल्लन (مستقلاً) अ. वि.—स्थिर रूप में, अटल तौर पर; निरंतर, बराबर।

मुस्तक़ीम (مستقیم) अ. वि.—सीधा, सरल, ऋजु, जो टेढ़ा न हो।

मुस्तक़ीमुलअज़्लाअ (مستقیم الاضلاع) अ. पुं.—वह शक्ल जिसकी सब रेखाएँ सीधी हों, सरल रेखाओंवाला।

मुस्तक्बिर (مستکبر) अ. वि.—अहंकारी, अभिमानी, घमंडी, मग़्रूर।

मुस्तक़्बिल (مستقبل) अ. पुं.–आगे आनेवाला, आगामी; भविष्य, आइंदा ज़माना।

मुस्तख़ीफ़ (مستخیف) अ. वि.–भयभीत, त्रस्त, डरा हुआ; भीषण, भयानक, ख़ौफ़नाक।

मुस्तख़्दिम (مستخدم) अ. वि.–दूसरों से ख़िदमत चाहनेवाला।

मुस्तख़्लिस (مستخلص) अ. वि.–आज़ादी चाहनेवाला, बंधन मुक्ति का इच्छुक; निर्मल करनेवाला।

मुस्तग़ास (مستغاث) अ. वि.–जिसके पास इस्तिग़ासा ले जायें, जिससे न्याय याचना करें, दंडाधिकारी मेजिस्ट्रेट।

मुस्तग़ीसः (مستغیثہ) अ. वि.–इस्तिग़ासा करनेवाली स्त्री, न्याय चाहनेवाली, फ़ौजदारी में दावा करनेवाली।

मुस्तग़ीस (مستغیث) अ. वि.–इस्तिग़ासः करनेवाला, अभियोक्ता, फ़ौजदारी में दावा दाइर करनेवाला।

मुस्तग़नी (مستغنی) अ. वि.–जिसे किसी बात की इच्छा न हो, निःस्पृह, अनीह, अनपेक्ष्य, निरीह।

मुस्तग़नी मिज़ाज (مستغنی مزاج) अ. वि.–जिसके मन में कोई लालच या इच्छा न हो, निवृत्तचित्त।

मुस्तग़्फ़िर (مستغفر) अ. वि.–ईश्वर से पापों की क्षमा चाहनेवाला, मुक्ति चाहनेवाला।

मुस्तग़्रक़ (مستغرق) अ. वि.–डूबा हुआ, मग्न, मज्जित, निमज्जित; मुनहमिक, तल्लीन, तन्मय, दत्तचित्त।

मुस्तज़ाद (مستزاد) अ. वि.–बढ़ाया हुआ; अतिरिक्त, फ़ाल्तू; नज़्म की एक क़िस्म जिसमें किसी ग़ज़ल में उसके हर मिस्रे के अंत में एक टुकड़ा बढ़ा देते हैं।

मुस्तजाब (مستجاب) अ. वि.–स्वीकृत, मंज़ूर किया हुआ, क़बूल किया हुआ।

मुस्तजाबुद्दा'वात (مستجاب الدعوات) अ. वि.–वह सिद्ध व्यक्ति जिसकी हर बात ईश्वर के यहाँ क़बूल हो जाय, वाक्सिद्ध।

मुस्तजाबुद्दुआ (مستجاب الدعا) अ. वि.–दे. 'मुस्तजाबुद्दा'वात'।

मुस्तजार (مستجار) अ. वि.–जिससे रक्षा की प्रार्थना की जाय, जिससे बचाने को कहा जाय, पनाह देनेवाला, त्राणदाता, रक्षक।

मुस्तजीब (مستجیب) अ. वि.–क़बूल करनेवाला, स्वीकार करनेवाला, प्रार्थना स्वीकार करनेवाला।

मुस्तजीर (مستجیر) अ. वि.–पनाह चाहनेवाला, रक्षा का इच्छुक, रक्षा का स्थान ढूँढ़नेवाला; कहीं-कहीं पनाह देनेवाले के अर्थ में भी आया है।

मुस्तज्मउस्सिफ़ात (مستجمع الصفات) अ. वि.–जिसमें बहुत-सी सिफ़तें एकत्र हों, बहुगुणसंपन्न।

मुस्तज्मा' (مستجمع) अ. वि.–एकत्र, इकट्ठा।

मुस्तज्मे' (مستجمع) अ. वि.–एकत्र करनेवाला, इकट्ठी करनेवाला।

मुस्तताअ' (مستطاع) अ. वि.–आज्ञाकारी, फ़र्माबरदार।

मुस्तताब (مستطاب) अ. वि.–शुभान्वित, कल्याणकारी, मुबारक; स्वादिष्ठ, बामज़ः।

मुस्ततिर (مستتر) अ. वि.–गुप्त, छिपा हुआ, पोशीदा।

मुस्ततीअ' (مستطیع) अ. वि.–समृद्ध, धनाढ्य, मालदार; समर्थ, क़ादिर।

मुस्ततील (مستطیل) अ. पुं.–वह शक्ल जो लंबाई-चौड़ाई में बराबर न हो और उसके चारों कोण बराबर हों, समकोण चतुर्भुज, आयत।

मुस्तदाम (مستدام) अ. वि.–नित्यता, हमेशगी, चाहनेवाला; नित्य, हमेशा, सर्वदा, सदा।

मुस्तदीर (مستدیر) अ. वि.–गोलाकार, वर्तुलाकार, गोल, मुदव्वर।

मुस्तदई (مستدعی) अ. वि.–प्रार्थना करनेवाला, दरख़्वास्त करनेवाला, कहनेवाला।

मुस्तनद (مستند) अ. वि.–प्रमाणित, तस्दीक़शुदा; विश्वस्त, मोतबर; जिसने किसी चीज़ की सनद पायी हो।

मुस्तनीर (مستنیر) अ. वि.–प्रकाशमान, दीप्त, रौशन।

मुस्तन्किर (مستنکر) अ. वि.–निकृष्ट, दूषित, बद; कुरूप, अप्रियदर्शन, ज़िश्तरू।

मुस्तफ़वी (مصطفوی) अ. वि.–मुस्तफ़ा से सम्बन्ध रखनेवाला; मुस्तफ़ा का।

मुस्तफ़ा (مصطفیٰ) अ. वि.–पवित्र, पुनीत, बरगुज़ीदा; निर्मल, शुद्ध, स्वच्छ, साफ़ोशफ़्फ़ाफ़; हज़्रत महम्मद साहिब का ख़िताब।

मुस्तफ़ाई (مصطفائی) अ. वि.–'मुस्तफ़ा' का; मुस्तफ़ा से सम्बन्ध रखनेवाला।

मुस्तफ़ाद (مستفاد) अ. वि.–प्राप्त, लब्ध, हासिल।

मुस्तफ़ीज़ (مستفیض) अ. वि.–फ़ैज़ चाहनेवाला, नफ़ा उठानेवाला, लाभप्राप्तकर्त्ता।

मुस्तफ़ीद (مستفید) अ. वि.–फ़ाइदा चाहनेवाला, लाभ उठानेवाला, लाभान्वित, लाभेच्छुक।

मुस्तफ़्ती (مستفتی) अ. वि.–फ़त्वा पूछनेवाला, फ़तवे का जवाब चाहनेवाला।

मुस्तफ़्सिर (مستفسر) अ. पुं.–पूछनेवाला, पृच्छक, प्रश्नकर्ता।

मुस्तबिद [द] (مستبد) अ. वि.–किसी काम पर अकेला

खड़ा हो जानेवाला; किसी चीज़ पर अकेला हक़ जतानेवाला; अनीति और अन्याय करनेवाला; अत्याचारी, ज़ालिम।

मुस्तब्अद (مستبعد) अ. वि.–जो बात क़ियास में न आ सके, कल्पनातीत; दुष्कर, कठिन, दुशवार; दूर, बईद।

मुस्तबइद (مستبعد) अ. वि.–पृथक्ता चाहनेवाला, दूरी का इच्छुक।

मुस्तब्सिर (مستبصر) अ. पुं.–दिव्य दृष्टि रखनेवाला, रौशन ज़मीर।

मुस्तमंद (مستمند) फा. वि.–इच्छुक, अभिलाषी, ख़्वाहिशमंद; दुःखित, ग़मगीन; जिसे किसी बात की आवश्यकता हो, ज़रूरतमंद।

मुस्तमा' (مستمع) अ. वि.–सुना हुआ, श्रुत।

मुस्तमिद [द्द] (مستمد) अ. वि.–मदद चाहनेवाला, सहायेच्छु।

मुस्तमिर [र्र] (مستمر) अ. वि.–हमेशा रहनेवाला, स्थिर, नित्य, अनश्वर; स्थायी, चिरस्थायी, पायदार।

मुस्तमिर्रः (مستمره) अ. वि.–दे. 'मुस्तमिर', स्त्री लिंग शब्दों के साथ, सदैव रहनेवाली।

मुस्तमे' (مستمع) अ. वि.–सुननेवाला, श्रोता।

मुस्तरक़ (مسترق) अ. वि.–चुराया हुआ, चुराया हुआ माल।

मुस्तरक़ [क़्क़] (مسترق) अ. वि.–बंदी बनाया हुआ, क़ैद किया हुआ।

मुस्तरद [द्द] (مسترد) अ. वि.–लौटा हुआ, वापस दिया हुआ, ख़ारिज किया हुआ, रद्द किया हुआ।

मुस्तराह (مستراح) अ. पुं.–आराम करने की जगह, विश्राम स्थान; शौचगृह, संडास, पाख़ाना।

मुस्तर्ख़ी (مسترخی) अ. वि.–ढीला, शिथिल।

मुस्तर्शिद (مسترشد) अ. वि.–सच्चा रास्ता चाहनेवाला, सन्मार्गेच्छुक; चेला, धर्मशिष्य, मुरीद।

मुस्तलहः (مصطلحه) अ. वि.–वह शब्द जो पारिभाषिक रूप में आ गया हो, पारिभाषिक।

मुस्तलह (مصطلح) अ. वि.–दे. 'मुस्तलहः'।

मुस्तलहात (مصطلحات) अ. पुं.–पारिभाषिक शब्दावली।

मुस्तलिज़ [ज़्ज़] (مستلذ) अ. वि.–स्वाद लेनेवाला, मज़ा चखनेवाला; आनंदित, लज़्ज़तयाब।

मुस्तल्क़ी (مستلقی) अ. वि.–चित्त लेटा हुआ, जिसकी पीठ ज़मीन पर हो और पेट ऊपर।

मुस्तल्ज़िम (مستلزم) अ. वि.–कोई चीज़ अपने ऊपर लाज़िम कर लेनेवाला; योग्य, पात्र।

मुस्तल्ज़िमुस्सज़ा (مستلزم السزا) अ. वि.–दे. 'मुस्तलज़िमे सज़ा'।

मुस्तल्ज़िमे सज़ा (مستلزم سزا) अ. वि.–सज़ा के योग्य, दंडनीय।

मुस्तवी (مستوی) अ. वि.–समतल, हमवार; सम, समान, बराबर।

मुस्तशार (مستشار) अ. वि.–जिससे सलाह ली जाय परामर्शदाता; सलाह ली हुई बात, परामर्शित।

मुस्तशीर (مستشیر) अ. वि.–सलाह लेनेवाला, परामर्शकर्ता।

मुस्तश्फ़ा (مستشفی) अ. वि.–अस्पताल, चिकित्सालय, रुग्णालय, शिफ़ाख़ाना।

मुस्तश्फ़ी (مستشفی) अ. वि.–रोग मुक्ति चाहनेवाला।

मुस्तश्रिक़ (مستشرق) अ. वि.–दीप्त, ज्वलंत, प्रकाशित, रौशन; वह ग़ैर एशियाई व्यक्ति जिसे एशियाई भाषाओं अथवा विद्याओं का पूरा-पूरा ज्ञान हो और उसने इन विषयों पर काफ़ी अनुसंधान और गवेषणा की हो।

मुस्तश्रिक़ीन (مستشرقین) अ. पुं.–'मुस्तश्रिक़' का बहु., वह ग़ैरएशियाई लोग जिन्होंने एशियाई भाषा, विद्या अथवा दूसरी विद्याओं में पूरी जानकारी प्राप्त की हो।

मुस्तस्क़ी (مستسقی) अ. वि.–जिसे जलोदर का रोग हो, जलोदरी; बहुत अधिक पानी माँगनेवाला।

मुस्तसनयात (مستثنیات) अ. पुं.–'मुस्तस्ना' का बहु., वे चीज़ें या व्यक्ति जो मुस्तस्ना हों।

मुस्तस्ना (مستثنی) अ. वि.–जिस पर से कोई शर्त, क़ानून या पाबंदी उठा ली गयी हो, मुक्त; जिस पर कोई क़ानून-विशेष लागू न होता हो; जो किसी शर्त या पाबंदी के भीतर न आता हो; चुना हुआ, प्रतिष्ठित; अपवादित, एक्ज़ेम्प्टेड।

मुस्तस्नामिनहू (مستثنی منہ) अ. वि.–वे चीज़ें या व्यक्ति जिनमें से 'मुस्तस्ना' को अलग किया गया हो।

मुस्तहक़ [क़्क़] (مستحق) अ. वि.–हक़ रखनेवाला, स्वत्वाधिकारी; योग्य, पात्र, लाइक़; सहायता के योग्य, ज़रूरतमंद।

मुस्तहक़्क़ीन (مستحقین) अ. वि.–'मुस्तहक़' का बहु., मुस्तहक़ लोग; हक़दार लोग, योग्य लोग; ज़रूरतमंद लोग।

मुस्तहक़्क़ेतरिकः (مستحق ترکه) अ. पुं.–जो तरिके का हक़दार हो, दायाधिकारी, दायबंधु।

मुस्तहक़्क़े नवाज़िश (مستحق نوازش) अ. फा. पु.–कृपा का पात्र, दया के योग्य।

मुस्तहक़्क़े रहम (مستحق رحم) अ. पुं.–दया किये जाने का हक़दार, जो दया का सच्चा पात्र हो, करुणापात्र।

मुस्तहक़्क़े सहीह (مستحق صحیح) अ. पुं.—सबसे उचित हक़दार, सत्पात्र।

मुस्तहब [ब्ब] (مستحب) अ. वि.—अच्छा जाना हुआ, प्रिय, पुनीत; वह कृत्य जिसके करने से पुण्य की प्राप्ति हो और न करने पर कोई दोष न लगे; वह इबादत जिसे हज़रत मुहम्मद साहब ने स्वयं किया हो, उसकी अच्छाइयाँ बतायी हों, परंतु उसके करने को स्पष्ट रूप से न कहा हो।

मुस्तहान (مستہان) अ. वि.—अपमानित, तिरस्कृत, ज़लील; दूसरों की दृष्टि में निंदित और गर्हित।

मुस्तहाम (مستہام) अ. वि.—उद्विग्न, व्यग्र, परेशान; चकित, निस्तब्ध, हैरान।

मुस्तहील (مستحیل) अ. वि.—असंभव, अशक्य, नामुम्किन; बहानाबाज़, छली; एक अवस्था से दूसरी अवस्था में परिवर्तित।

मुस्तह्कम (مستحکم) अ. वि.—निश्चल, अटल, लाज़ुंब; दृढ़, मज़्बूत; चिरस्थायी, पाइदार; निश्चित, अटल, यक़ीनी।

मुस्तह्कमतरीन (مستحکم ترین) अ. फा. वि.—बहुत अधिक मज़्बूत, सुदृढ़तम।

मुस्तह्कमुलअक़ीदः (مستحکم العقیدہ) अ. वि.—जिसका धर्मविश्वास अटल हो।

मुस्तह्कमुलअदावत (مستحکم العداوت) अ. वि.—जिसके चित्त में किसी की शत्रुता घर कर गयी हो, बद्धवैर।

मुस्तह्कमुलअह्द (مستحکم العہد) अ. वि.—अपने वादे का पक्का, सत्यप्रतिज्ञ, दृढ़संकल्प, वचनबद्ध।

मुस्तह्कमुलइरादः (مستحکم الارادہ) अ. वि.—जो अपने इरादे में अटल हो, बद्ध निश्चय, सत्य संकल्प।

मुस्तह्ज़र (مستحضر) अ. वि.—जो दिमाग़ में हर समय सुरक्षित रहे, जो हर समय याद रहे।

मुस्तह्ज़ी (مستہزی) अ. वि.—हँसी उड़ानेवाला, उपहासकर्ता।

मुस्तह्फ़ज़ (مستحفظ) अ. वि.—सुरक्षित, महफ़ूज़; जिसकी देख-रेख और निगरानी की गयी हो।

मुस्तह्लक (مستہلک) अ. वि.—हत, वधित, मारा हुआ; नष्ट, बरबाद।

मुस्तह्सन (مستحسن) अ. वि.—उत्तम, श्रेष्ठ, उम्दा; पुनीत, पवित्र, नेक।

मुस्ताजिर (مستاجر) अ. वि.—ठेकेदार, एकाधिकारी।

मुस्ताजिरानः (مستاجرانہ) अ. फा. वि.—ठेकेदारों-जैसा।

मुस्ताजिरी (مستاجری) अ. वि.—ठेकेदारी, एकाधिकार।

मुस्ता'जिल (مستعجل) अ. वि.—अधीर, आतुर, जल्दबाज़, उतावला।

मुस्तानिस (مستانس) अ.वि.—प्रेम रखनेवाला, रुचि रखनेवाला; अभ्यस्त, व्यसनी, आदी।

मुस्ता'फ़ी (مستعفی) अ. वि.—त्यागपत्र देनेवाला, इस्ते'फ़ा देनवाला।

मुस्ता'मन (مستامن) अ. वि.—रक्षा या पनाह चाहा हुआ, रक्षित।

मुस्ता'मरः (مستعمرہ) अ. वि.—नौआबादी, उपनिवेश।

मुस्ता'मर (مستعمر) अ. वि.—नया बसा हुआ, नौआबाद, नववसित।

मुस्ता'मरात (مستعمرات) अ. पुं.—'मुस्ता'मरः' का बहु., नौआबादियाँ, उपनिवेश-समूह।

मुस्ता'मल (مستعمل) अ. वि.—काम में लाया हुआ, प्रयुक्त, व्यवहृत; प्रचलित, व्यवहृत, मुरव्वज।

मुस्तामिन (مستامن) अ. वि.—अमन और रक्षा चाहनेवाला, शान्तीच्छु।

मुस्तासल (مستاصل) अ. वि.—उन्मूलित, जड़ से उखाड़ फेंका हुआ, समूल विनष्ट।

मुस्तासिल (مستاصل) अ. वि.—उन्मूलन करनेवाला, जड़ से उखाड़ फेंकनेवाला।

मुस्तैक़िज़ (مستیقظ) अ. वि.—जागता हुआ, सजग, जाग्रत, जागरूक, सजागर, बेदार।

मुस्तैसिर (مستیسر) अ. वि.—तत्पर और कटिबद्ध होनेवाला, तैयार होनेवाला।

मुस्तौक़िद (مستوقد) अ. वि.—आग भड़कानेवाला।

मुस्तौजिब (مستوجب) अ. वि.—योग्यपात्र, लाइक़।

मुस्तौजिबे सज़ा (مستوجب سزا) अ. वि.—सज़ा के लाइक़, दंडनीय।

मुस्तौफ़ी (مستوفی) अ. वि.—व्यापक, गृहीत; हेड मुनीम, हेड एकाउंटेंट।

मुस्तौली (مستولی) अ. वि.—छा जानेवाला, ढाँक लेनेवाला, आच्छादक; किसी पर विजय पा लेनेवाला, क़ाबू में कर लेनेवाला।

मुस्तौसा' (مستوسع) अ. वि.—विस्तृत, विशाल, फ़राख़, कुशादा।

मुस्दे' (مصدع) अ. वि.—पृथक्-पृथक् करनेवाला; सर में पीड़ा उत्पन्न करनेवाला।

मुस्नद (مسند) अ. वि.—काल, समय; दत्तक पुत्र, लेपालक; जारज, दोग़ला; वह चीज़ जिस पर सहारा लें; (व्यां.) ख़बर।

मुस्नदइलैह (مسند الیہ) अ. वि—(व्या.) मुब्तदा, जैसे—

'राम अच्छा है' में 'राम' मुस्नदइलैह है और 'अच्छा', 'मुस्नद'।

मुस्बतः (مثبتہ) अ. वि.—साबित की हुई चीज़।

मुस्बत (مثبت) अ. वि.—साबित किया हुआ, प्रमाणित; जो मन्फ़ी न हो।

मुस्मिन (مسمن) अ. वि.—पैदाइशी मोटा-ताज़ा।

मुस्रिफ़ (مسرف) अ. वि.—बहुत अधिक ख़र्च करनेवाला, बहुव्ययी; फ़ुज़ूल ख़र्च करनेवाला, अपव्ययी।

मुस्रिफ़ (مصرف) अ. वि.—व्यय करनेवाला।

मुस्रिफ़ीन (مسرفین) अ. पुं.—'मुस्रिफ़' का बहु., फ़ुज़ूल ख़र्च करनेवाले।

मुस्रे' (مسرع) अ. वि.—जल्दी काम करनेवाला, शीघ्रकारी; तेज़ चलनेवाला पत्रवाहक।

मुस्लिमः (مسلمہ) अ. स्त्री.—मुसलमान स्त्री।

मुस्लिम (مسلم) अ. पुं.—मुसलमान पुरुष, मुसलमान।

मुस्लिमात (مسلمات) अ. स्त्री.—'मुस्लिमः' का बहु., 'मुसलमान स्त्रियाँ।

मुस्लिमीन (مسلمین) अ. पुं.—'मुस्लिम' का बहु., मुसलमान मर्द।

मुस्लिहीन (مصلحین) अ. पुं.—'मुस्लेह' का बहु., सुधार करनेवाले, सुधारक, रिफ़ार्मर्स।

मुस्लेह (مصلح) अ. वि.—राजनीतिक, आर्थिक या सामाजिक आदि सुधार करनेवाला, सुधारक; शरीर की धातुओं का दोष दूर करनेवाली दवा, शोधक।

मुस्लेहे क़ौम (مصلح قوم) अ. पुं.—जातीय सुधार करनेवाला, जाति-विशेष का सुधारक; राष्ट्र का सुधारक, देश सुधारक।

मुस्हिल (مسہل) अ. पुं.—दस्त लानेवाली औषध, रेचक, विरेचक, मलभेदक।

मुस्हिलात (مسہلات) अ. पुं.—'मुस्हिल' का बहु., रेचक ओषधियाँ।

मुहंदिस (مہندس) अ. पुं.—गणितज्ञ, रियाज़ीदाँ; इंजिनियर।

मुहक़्क़क़ (محقق) अ. वि.—प्रमाणित, मुसल्लम; गवेषित, जाँचा हुआ।

मुहक़्क़र (محقر) अ. वि.—तुच्छ, अधम, ज़लील; कम क़ीमत, हक़ीर।

मुहक़्क़िक़ (محقق) अ. वि.—किसी बात की वैज्ञानिक जाँच-पड़ताल करनेवाला, गवेषी, अन्वेषक, अनुसंधाता; वैज्ञानिक, फ़िलास्फ़र; वह व्यक्ति जो किसी बात को प्रमाण से सिद्ध करे।

मुहक़्क़िक़ीन (محققین) अ. पुं.—'मुहक़्क़िक़' का बहु., गवेषणा और अनुसंधान करनेवाले।

मुहज़्ज़ब (مہذب) अ. वि.—सभ्य, शिष्ट, तमीज़दार; नागरिक, शह्री; शिक्षित, ता'लीमयाफ़्ता; अदब क़ाइदे का ख़याल रखनेवाला, शाइस्ता, शिष्ट; सुशील, विनीत, ख़ुशख़ुल्क़; संस्कृत, आरास्ता।

मुहद्दिस (محدث) अ. पुं.—हदीस का विद्वान्, हदीसों की पूरी जानकारी रखनेवाला, यह जाननेवाला कि कौन-सी हदीस सहीह और कौन-सी ग़लत, किस हदीस को किसने बयान किया है और बयान करनेवाला किस श्रेणी का है, आदि आदि।

मुहद्दिसीन (محدثین) अ. पुं.—'मुहद्दिस' का बहु., हदीस के आलिम।

मुहन्नद (مہند) अ. वि.—वह शब्द जो किसी दूसरी भाषा का हो, परन्तु उसे हिंदी कर लिया गया हो जैसे—'जारूब' से झाड़ू; 'आबख़ोरह' का अमख़ोरा आदि; हिंद के लोहे की बनी हुई तलवार जो काट में प्रसिद्ध होती थी।

मुहम्मद (محمد) अ. वि.—प्रशंसित, स्तुत, सराहा हुआ; हज़्रत पैग़ंबर साहब का शुभ नाम।

मुहम्दी (محمدی) अ. पुं.—मुहम्मद का; मुहम्मद से सम्बन्ध रखनेवाला; मुसलमान।

मुहर्रफ़ (محرف) अ. वि.—टेढ़ा किया हुआ, वक्रित, वक्र; फेरी हुई बात या इबारत, मूल अर्थ से हटाया हुआ।

मुहर्रम (محرم) अ. वि.—हराम अर्थात् निषिद्ध किया हुआ; पहला इस्लामी महीना, चूँकि इस्लाम से पहले अरब में इस महीने में रक्तपात धार्मिक रूप में हराम था, इसलिए इस महीने का यह नाम पड़ा।

मुहर्रा (مہرا) अ. वि.—अच्छी तरह पकाया हुआ: वह चीज़ जो आग पर अच्छी तरह गला ली जाय।

मुहर्रिक (محرک) अ. वि.—गति देनेवाला, चलानेवाला; उत्तेजना देनेवाला, उभारनेवाला, उत्तेजक; सभा या कमेटी में कोई सुझाव रखनेवाला, प्रस्तावक।

मुहर्रिफ़ (محرف) अ. वि.—टेढ़ा करनेवाला; बात को कुछ का कुछ बनानेवाला।

मुहर्रिर (محرر) अ. वि.—लेखक, लिखनेवाला; लिपिक, क्लर्क; वकील आदि का मुंशी।

मुहर्रिरी (محرری) अ. वि.—मुहर्रिर का पेशा; मुहर्रिर का काम।

मुहर्रिरीन (محررین) अ. पुं.—'मुहर्रिर' का बहु., मुहर्रिर लोग।

मुहल्लल (محلل) अ. वि.—तहलील किया हुआ।

मुहल्लिल (محلل) अ. वि.—तहलीन करनेवाला।

मुहल्लिलात (محللات) अ. पुं.–'मुहल्लिल' का बहु., तहलील करनेवाली दवाएँ।

मुहव्वत: (محوطه) अ. पुं.–कोई चीज सुरक्षित रखने का स्थान; घेरने का स्थान; एकत्र करन का स्थान।

मुहव्वल: (محوله) अ. वि.–सिपुर्द की गयी चीज; हवाला दी गयी वस्तु।

मुहव्वल (محول) अ. वि.–सिपुर्द किया गया; हवाला दिया गया।

मुहव्वलए बाला (محولۂ بالا) अ. फा. वि.–जिसका हवाला ऊपर दिया गया हो, जिसका उल्लेख ऊपर हो चुका हो।

मुहव्वलए हाशिय: (محولۂ حاشیه) अ. वि.–जिसका हवाला हाशिए पर दिया गया हो, जो फुटनोट या टिप्पणी में लिखा गया हो, टिप्पणाङ्कित, मार्जिनली नोटेड।

मुहव्विस (مہوس) फा. वि.–कीमियागर, रसायनविद्, रसायनी।

मुहव्विसी (مہوسی) फा. स्त्री.–कीमियागरी, रसायन विद्या, धातुवाद।

मुहव्विसीन (مہوسین) फा. पुं.–'मुहव्विस' का बहु., कीमियागर लोग।

मुहश्शा (محشیٰ) अ. वि.–हाशिया बनाया हुआ; हाशिए पर लिखा हुआ, टिप्पणी-सहित।

मुहश्शी (محشی) अ. वि.–हाशिया बनानेवाला; टिप्पणी लिखनेवाला।

मुहाकम: (محاکمه) अ. पुं.–हाकिम के पास न्याय को जाना; बीच में पड़कर न्याय करना; निर्णय, फ़ैसला।

मुहाका (محاکا) अ. पुं.–'मुहाकात' का लघु., दे. 'मुहाकात'।

मुहाकात (محاکات) अ. स्त्री.–वार्तालाप, बातचीत; एक-दूसरे को कहानी सुनाना; कथनोपकथन।

मुहाजरत (مہاجرت) अ. स्त्री.–देश छोड़कर विदेश में रहना, घरबार छोड़कर परदेस में रहना।

मुहाज़ात (محاذات) अ. स्त्री.–एक-दूसरे के आमने-सामने होना; एक चीज़ का दूसरी चीज़ के बराबर होना।

मुहाजात (مہاجات) अ. स्त्री.–एक-दूसरे की निन्दा करना; एक दूसरे की हजो में कविता लिखना।

मुहाजिर: (مہاجره) अ. स्त्री.–घरबार छोड़कर परदेस में रहनेवाली स्त्री, शरणार्थिनी।

मुहाजिर (مہاجر) अ. पुं.–घरबार त्याग कर परदेस में रहनेवाला, पुरुषार्थी, शरणार्थी।

मुहाजिरात (مہاجرات) अ. स्त्री.–'मुहाजिर:' का बहु., मुहाजिर औरतें।

मुहाजिरीन (مہاجرین) अ. पुं.–'मुहाजिर' का बहु., शरणार्थी लोग।

मुहाज़ी (محاذی) अ. वि.–सम्मुख, सामने, बराबर।

मुहाफ़: (محافه) फा. वि.–बड़ी पर्देदार डोली; अरबी में 'महफ़्फ़:' था, फ़ारसी में 'मुहाफ़:' हो गया।

मुहाफ़ज़त (محافظت) अ. स्त्री.–रक्षा हिफ़ाजत; देख-रेख, निगरानी; पालन-पोषण, पर्वरिश।

मुहाफ़िज़ (محافظ) अ. वि.–रक्षक, हिफ़ाजत करनेवाला; निरीक्षक, निगराँ; अभिभावक, सरपरस्त।

मुहाफ़िज़ीन (محافظین) अ. पुं.–'मुहाफ़िज़' का बहु., हिफ़ाजत करनेवाले।

मुहाबा (محابا) अ. पुं.–'मुहाबात' का लघु., भय, त्रास, डर; संकोच, पसोपेश; चिन्ता, फ़िक्र,उर्दू में प्राय: 'बेमहाबा' बोला जाता है।

मुहाबात (محابات) अ. स्त्री.–दे. 'मुहाबा'।

मुहारब: (محاربه) अ. पुं.–परस्पर युद्ध; युद्ध, संग्राम, लड़ाई।

मुहारबात (محاربات) अ. पुं.–'मुहारब:' का बहु., लड़ाइयाँ, जंगें।

मुहारिब (محارب) अ. वि.–लड़नेवाला, योद्धा।

मुहाल (محال) अ. वि.–असंभव, नामुमकिन; दुष्कर, कठिन।

मुहालफ़: (محالفه) अ. पुं.–आपस में क़स्माक़स्मी, परस्पर किसी बात के लिए शपथ लेना।

मुहालबिज़्ज़ात (محال بالذات) अ. वि.–जिसका जैसा होना असंभव हो।

मुहालिफ़ (محالف) अ. वि.–किसी के साथ किसी प्रतिज्ञा पर शपथ लेनेवाला।

मुहाले क़तई (محال قطعی) अ. वि.–जो बिलकुल असंभव हो।

मुहाले मुत्लक़ (محال مطلق) अ. वि.–दे.'मुहाले क़तई'।

मुहावर: (محاوره) अ. पुं.–रोजमर्र:, बोलचाल, किसी भाषा के वाक्यों का वह प्रयोग जो उस भाषा के बोलनेवाले करते हैं और जिसका अर्थ अभिधेय अर्थ से पृथक् होता है, जैसे–'लात खाना', या 'आँख आना', क्योंकि लात रोटी की तरह खाया नहीं जाता, और आँख सफ़र नहीं करती, इनका अर्थ है, लात की मार सहना और आँखों में पीड़ा होना, यही मुहावरा है।

मुहावरत (محاورت) अ. स्त्री.–आपस में बातचीत करना।

मुहावरात (محاورات) अ. पुं.–'मुहावर:' का बहु., मुहावरे।

मुहासद: (محاسده) अ. पुं.–एक-दूसरे से हसद या ईर्ष्या करना; ईर्ष्या, डाह, हसद।

मुहासब: (محاسبہ) अ. पुं.–हिसाब समझना, हिसाब-किताब; पूछ-गछ, पूछ-ताछ, बाजपुर्स।

मुहासर: (محاصرہ) अ. पुं.–घेरा डालना, चारों ओर से घेरना; हदबंदी, सीमित करना; घेरा, हल्क़ा।

मुहासिद (محاسد) अ. वि.–हसद करनेवाला, ईर्षालु, डाही।

मुहासिब (محاسب) अ. वि.–हिसाब करनेवाला; हिसाबदाँ, गणितज्ञ; पूछ-गाँछ करनेवाला।

मुहासिर (محاصر) अ. वि.–घेरा डालनेवाला, किसी को घेरे में लेनेवाला।

मुहासिरीन (محاصرین) अ. वि.–'मुहासिर' का बहु., घेरे डालनेवाले लोग।

मुहिब [ब्ब] (محب) अ. वि.–मित्र, सखा, दोस्त; प्रेमी, आशिक़।

मुहिब्बीन (محبین) अ. पुं.–'मुहिब' का बहु., मित्रगण, दोस्त अहबाब।

मुहिम [म्म] (مہم) अ. स्त्री.–कोई बड़ा काम, कठिन काम; युद्ध, संग्राम, लड़ाई।

मुहिम्मात (مہمات) अ. स्त्री.–'मुहिम' का बहु., बड़े-बड़े काम; युद्ध, लड़ाइयाँ।

मुही (محی) अ. वि.–ज़िंदा करनेवाला, जिलानेवाला, प्राणदाता।

मुहीज (مہیج) अ. वि.–उठानेवाला; बढ़ानेवाला; गर्द उड़ानेवाला।

मुहीत (محیط) अ. वि.–आच्छादित, छाया हुआ; व्यापक, फैला हुआ; नदी, दरया।

मुहीन (مہین) अ. वि.–तिरस्कार करनेवाला, अपमानी, तिरस्कर्ता, ज़लील करनेवाला।

मुहीब (مہیب) अ. वि.–दे. शुद्ध उच्चारण 'महीब'।

मुहील: (محیلہ) अ. स्त्री.–छली, स्त्री, मायाविनी, धूर्ता, वंचिका।

मुहील (محیل) अ. वि.–धोखेबाज, छली, कपटी, धूर्त, वंचक।

मुहे (محی) अ. वि.–जीवित करनवाला, ज़िंदा करनेवाला, पुनः प्राण देनेवाला।

मुहैया (مہیا) अ. वि.–एकत्र, इकट्ठा, फ़राहम; उपस्थित, मौजूद; उपार्जित, ज़खीरा; तत्पर, तैयार; उपलब्ध।

मुहैयाकुन (مہیاکن) अ. फा. वि.–एकत्र करनेवाला, फ़राहम करनेवाला; देनवाला, दाता।

मुहैयिर (محیر) अ. वि.–अचंभे में डाल देनेवाला।

मुहैयिरुलउक़ूल (محیرالعقول) अ. वि.–अक़्लों को अचंभे में डाल देनेवाला, ऐसी बात जो अचंभे में डाल दे, आश्चर्यजनक, चित्रमति।

मुहैयिरेउक़ूल (محیرعقول) अ. वि.–दे. 'मुहैयिरुल उक़ूल'।

मुह्कम (محکم) अ. वि.–दृढ़, मज़बूत; चिरस्थायी, पाएदार, टिकाऊ; निश्चित, अटल, यक़ीनी; निःसंदेह, ग़ैर मुश्तबह।

मुह्कमतरीन (محکم‌ترین) अ. फा. वि.–बहुत अधिक मज़बूत, सुदृढ़।

मुह्कमात (محکمات) अ. स्त्री.–क़ुरान के वे वाक्य जिनका अर्थ स्पष्ट हो, 'प्रत्युत', 'मुतशाबिहात'।

मुह्तक़िन (محتقن) अ. वि.–अनीमा देनेवाला।

मुह्तकिर (محتکر) अ. वि.–इस आशा पर अन्न संचित करनेवाला कि भाव तेज़ होने पर बेचेगा।

मुह्तजिब (محتجب) अ. वि.–छिपनेवाला; छिपा हुआ, गुप्त।

मुह्तदा (مہتدی) अ. वि.–जिसे हिदायत या सदुपदेश मिला हो, दीक्षित।

मुह्तदी (مہتدی) अ. वि.–हिदायत या सदुपदेश देनेवाला।

मुह्तम [म्म] (مہتم) अ. वि.–जिसका एहतिमाम किया गया हो, व्यवस्थित, क्रमागत।

मुह्तमबिश्शान (مہتم بالشان) अ. वि.–जिसका प्रबंध बहुत शान से किया गया हो, शानदार, भव्य, विशाल, बृहत्।

मुह्तमल (محتمل) अ. वि.–जिसमें संदेह हो, संदिग्ध, शंकित, मुशाबह।

मुह्तमिम (مہتمم) अ. वि.–प्रबंधकर्ता, संचालनकर्ता, संचालक, व्यवस्थापक।

मुह्तरम: (محترمہ) अ. स्त्री.–श्रीमती, महोदया, देवी, मान्या, श्रद्धेया, वरिष्ठा, भट्टारिका।

मुह्तरम (محترم) अ. वि.–श्रीमान्, महोदय, पूज्य, श्रद्धेय, प्रतिष्ठित, महानुभाव, मुअज़्ज़ज़; मान्य, पूज्य, श्रेष्ठ बुज़ुर्ग।

मुह्तरमात (محترمات) अ. स्त्री.–'मुहतरम:' का बहु., देवियाँ।

मुह्तरमीन (محترمین) अ. पुं.–'मुहतरम' का बहु., प्रतिष्ठित जन।

मुह्तरिक़ (محترق) अ. वि.–जलनेवाला; जला हुआ, दग्ध, तप्त, ज्वलित।

मुह्तरिज़ (محترز) अ. वि.–बचनेवाला, दूर रहनेवाला, परहेज करनेवाला।

मुह्तरिफ़ (محترف) अ. वि.–एक-सा पेशा करनेवाला, सहव्यवसायी।

मुहतलिम (محتلم) अ. वि.–जिसको स्वप्नदोष हो जाय, (एहतलाम, स्वप्नदोष) से बना शब्द।

मुहतवी (محتوی) अ. वि.–व्यापी, घेरे हुए आच्छादित, ढके हुए।

मुहतशिम (محتشم) अ. वि.–नौकर-चाकरवाला; शानो-शौकतवाला।

मुहतसिब (محتسب) अ. वि.–हिसाब लेनेवाला, पूछ-ताछ करनेवाला; वह कर्मचारी जो लोगों को शराब पीने से रोके और शराबखानों की निगरानी करे।

मुह्मलः (مهملہ) अ. पुं.–वह उर्दू अक्षर जिस पर बिंदी न हो, जैसे—सीन, हे, दाल, आदि।

मुह्मल (مہمل) अ. वि.–अर्थहीन, बेईमानी; व्यर्थ, बेकार; वह व्यक्ति जिसका कोई एतिबार न हो।

मुह्मल गो (مہمل گو) अ. फा. वि.–अनर्गलवादी, बकवासी, फ़ुज़ूल की बातें बनानेवाला।

मुह्मलात (مہملات) अ. पुं.–'मुह्मल' का बहु., फ़ुज़ूल बातें, फ़ुज़ूल काम।

मुह्मलीयत (مہملیت) अ. स्त्री.–अर्थहीनता; अनर्गलता; बकवाद; फ़ुज़ूलपन।

मुह्रः (مہرہ) फा. पुं.–एक पत्थर जिससे साँप का विष दूर करते हैं; साँप का मन, मणि; शत्रंज की गोट; कौड़ी, सीप या घोंघा; पीठ या गर्दन का गुरिया।

मुह्रःचीं (مہرہ چیں) फा. वि.–छली, धूर्त, ठग।

मुह्रःबाज़ (مہرہ باز) फा. वि.–धूर्त, छली, धोखेबाज़।

मुह्रबाज़ी (مہرہ بازی) फा. स्त्री.–छल, धूर्तता, ठगी।

मुह्र (مہر) फा. स्त्री.–मुद्रिका, अँगूठी; ठप्पा; अशरफ़ी, स्वर्णमुद्रा; अंकक, सील, मोहर।

मुह्रए जांदार (مہرۂ جاندار) फा. पुं.–साँप का मन, मणि।

मुह्रए मार (مہرۂ مار) फा. पुं.–साँप का मन, मणि।

मुह्रए सफ़ेद (مہرۂ سفید) फा. पुं.–संख, दर, शंख।

मुह्रिक़ः (محرقہ) अ. वि.–जलानेवाली; टाईफ़ाइड ज्वर।

मुह्रक़ (محرق) अ. वि.–जला हुआ, भस्म, भस्मीभूत।

मुह्रकन (مہرکن) फा. वि.–मुह्र खोदनेवाला।

मुह्रबलब (مہر بہ لب) फा. वि.–मौन धारण किये हुए, चुप, मौन, खामोश।

मुह्रे खामोशी (مہر خاموشی) फा. स्त्री.–मौन, चुप्पी, खामोशी।

मुह्रे सुकूत (مہر سکوت) फा. अ. स्त्री.–दे. 'मुह्रे खामोशी'।

मुह्लत (مہلت) अ. स्त्री.–अवकाश, छुट्टी, फ़ुर्सत; विलंब, ढील, देर; समय, काला।

मुह्लततलब (مہلت طلب) अ. वि.–छुट्टी चाहनेवाला; ऐसा काम जिसके लिए समय और फ़ुर्सत की आवश्यकता हो।

मुह्लिकः (مہلکہ) अ. स्त्री.–मार डालनेवाली, घातिका, जानलेवा।

मुह्लिक (مہلک) अ. वि.–घातक, प्राणघातक, जानलेवा।

मुह्सिनः (محسنہ) अ. स्त्री.–उपकार करनेवाली स्त्री।

मुह्सिन (محسن) अ. वि.–उपकार करनेवाला, उपकारी, भलाई करनेवाला; आड़े वक़्त पर काम आनेवाला; सहायक, हामी।

मुह्सिनकुश (محسن کش) अ. फा. वि.–कृतघ्न, अकृतज्ञ, नमकहराम।

मुह्सिनकुशी (محسن کشی) अ. फा. स्त्री.–कृतघ्नता, नमकहरामी।

मुह्सिनात (محسنات) अ. स्त्री.–'मुह्सिनः' का बहु., उपकार करनेवाली स्त्रियाँ।

मुह्सिनीन (محسنین) अ. पुं.–'मुह्सिन' का बहु., उपकारी लोग।

मू

मू (مو) फा. पुं.–बाल, कच, कुंतल; लोम, रोम, रोआँ; सर के बाल, केश।

मूईनः (موئینہ) फा. पुं.–बालोंदार खाल का पहनने का वस्त्र, पोस्तीन, चर्मचेल।

मूए आतशदीदः (موے آتش دیدہ) फा. वि.–आग में तपाया हुआ बाल, जो टेढ़ा पड़ जाता है।

मूए जिहार (موے زہار) फा. अ. पुं.–नाभि के नीचे के बाल, पेड़ू के बाल।

मूक़लम (موقلم) फा. अ. पुं.–चित्रकार की कूँची, कूर्चिका।

मूकशाँ (موکشاں) फा. वि.–बाल खींचते हुए।

मूचीनः (موچینہ) फा. पुं.–बाल उखाड़ने की चिमटी, मोचना।

मूजज़ (موجز) अ. वि.–सार रूप, खुलासा; संक्षिप्त, मुख्तसर।

मूजिद (موجد) अ. वि.–ईजाद करनेवाला, आविष्कारक।

मूजिबः (موجبہ) अ. स्त्री.–आवश्यक वस्तु; वह कृत्य जिसका बदला परलोक में मिले।

मूजिब (موجب) अ. पुं.–कारण, हेतु, सबब; द्वारा, ज़रिये।

मूजिबात (موجبات) अ. पुं.–'मूजिब' का बहु., कारण समूह, वुजूह।

मूजिबे क़लक़ (موجب قلق) अ. पुं.–खेद का कारण।

मूज़ी (موذی) अ. वि.–कष्ट देनेवाला, दुःख देनेवाला; अत्याचारी, जालिम; खबीस, शरीर।

मूजे' (موجع) अ. वि.—पीड़ा उत्पन्न करनेवाला, दर्द पैदा करनेवाला।

मूज़ेह (موضح) अ. वि.—स्पष्ट करनेवाला, साफ़ करनेवाला।

मूतमिन (موتمن) अ. वि.—जिसके पास धरोहर रखी जाय, अमानतदार।

मूतमिर (موتمر) अ. वि.—आज्ञाकारी, फ़र्मांबरदार; परामर्श करनेवाला।

मूतराश (موتراش) फ़ा. वि.—बाल बनाने का उस्तुरा, छुरा, क्षुर।

मूदे' (مودع) अ. वि.—रुख़सत करनेवाला।

मूनिस (مونس) अ. वि.—मित्र, दोस्त; साथी, रफ़ीक़।

मूपरीशाँ (موپریشاں) फ़ा. वि.—जिसके बाल बिखरे हुए हों, बाल बिखेरे हुए।

मूबद (موبد) फ़ा. पुं.—दे. 'मूबिद', दोनों शुद्ध हैं।

मूबमू (موبمو) फ़ा. वि.—अक्षरशः, हर्फ़ ब हर्फ़, ज़रा-ज़रा, ज़र्रा ज़र्रा।

मूबाफ़ (موباف) फ़ा. पुं.—चोटी गूँधने का फ़ीता।

मूबिद (موبد) फ़ा. पुं.—अग्नि पूजकों का पुरोहित, अग्निहोत्री, पारसियों का मुल्ला; वैज्ञानिक, फ़लास्फ़र; बुद्धिमान्, दाना; ज्ञानी, पंडित, आलिम; शराब बेचनेवाला, दे. 'मूबद' दोनों शुद्ध हैं।

मूमा (مومی) अ. वि.—जिसकी ओर संकेत किया जाय, सांकेतिक।

मूमा इलैह (مومی الیہ) अ. वि.—जिसकी ओर संकेत किया जाय; उपलक्षित।

मूमी (مومی) अ. वि.—संकेत करनेवाला, संकेतक।

मूरिस (مورث) अ. वि.—पूर्वज, बापदादा; वंश प्रवर्तक, बानिए ख़ानदान; उत्पन्न करनेवाला।

मूरिसे अव्वल (مورث اول) अ. वि.—ख़ानदान का सबसे पहला आदमी, जिससे वंश चला हो, वंश प्रवर्तक, मूल पुरुष।

मूरिसे आ'ला (مورث اعلی) अ. पुं.—दे. 'मूरिसे अव्वल'।

मूरिसे जुज़ाम (مورث جزام) अ. पुं.—कोढ़ पैदा करनेवाला, कुष्ठोत्पादक।

मूरिसे फ़ासिद (مورث فاسد) अ. पुं.—नाना, मातामह।

मूलिम (مولم) अ. वि.—पीड़ा पैदा करनेवाला, दर्द उत्पन्न करनेवाला।

मूश (موش) फ़ा. पुं.—मूषक, चूहा, उंदुर, आखु।

मूशक (موشک) फ़ा. स्त्री.—चुहिया, छोटा चूहा; छछूंदर।

मूशकदवानी (موشک دوانی) फ़ा. स्त्री.—लगाई-बुझाई, लुतरापन।

मूशिगाफ़ (موشگاف) फ़ा. वि.—बाल की खाल निकालनेवाला, दीदःरेज़ी करनेवाला, बाल चीरनेवाला, सूक्ष्मदर्शी, आलोचक।

मूशिगाफ़ी (موشگافی) फ़ा. स्त्री.—बाल की खाल निकालना, दीदःरेज़ी करना, छिद्रान्वेषण, सूक्ष्मालोचना।

मूशे कोर (موش کور) फ़ा. पुं.—छछूंदर, पूति मूषिका, वेश्म-नकुल।

मूशे ख़ुर्मा (موش خرما) फ़ा. स्त्री.—गिलहरी।

मूशे दश्ती (موش دشتی) फ़ा. पुं.—जंगली चूहा जो खेत खा जाता है।

मूशे पर्रां (موش پراں) फ़ा. पुं.—चमगादड़, चर्मचटक, जन्तु।

मूशे सहराई (موش صحرائی) फ़ा. पुं.—दे. 'मूशे दश्ती'; गिलहरी।

मूसवी (موسوی) फ़ा. वि.—हज़्रत मूसा से सम्बन्ध रखनेवाला; हज़्रत मूसा का।

मूसा (موسی) अ. पुं.—एक पैग़ंबर जिन्होंने फ़िरऔन को मारा था।

मूसा (موصی) अ. वि.—वसीयत किया गया, जिसके नाम रिक्थपत्र लिखा गया हो।

मूसा इलैह (موصی الیہ) अ. वि.—जिसके नाम वसीयत लिखी गयी हो।

मूसाई (موسائی) अ. वि.—हज़्रत मूसा का अनुयायी यहूदी।

मूसाबिहि (موصی بہ) अ. वि.—दे. 'मूसाइलैह'।

मूसालहू (موصی لہ) अ. वि.—दे. 'मूसाइलैह'।

मूसियः (موصیہ) अ. स्त्री.—वसीयत लिखनेवाली स्त्री।

मूसिर (موثر) अ. पुं.—स्वार्थ त्याग करनेवाला, ईसार करनेवाला।

मूसिर (موسر) अ. वि.—शक्तिशाली, ताक़तवर; धनाढ्य, दौलतमंद।

मूसिल (موصل) अ. वि.—पहुँचानेवाला, भेजनेवाला, प्रेषक।

मूसी (موصی) अ. वि.—वसीयत करनेवाला, रिक्थ पत्र कर्ता।

मूसीक़ार (موسیقار) अ. वि.—गान विद्या का अच्छा जाननेवाला, संगीतज्ञ, संगीत कलाकार।

मूसीक़ी (موسیقی) अ. स्त्री.—गानविद्या, संगीतकला, गाने का फ़न; गाना, नग़्मः।

मूहिन (موہن) अ. पुं.—अपमान करनेवाला, तिरस्कर्ता, बेइज़्ज़ती करनेवाला, तौहीन करनेवाला।

मूहिम (موہم) अ. वि.—भ्रम में डालनेवाला, भ्रम उत्पन्न करनेवाला, भ्रमजनक।

मूहिश (موحش) अ. वि.—दुःख पहुँचानेवाला, खेदजनक।

मे

मेख़ (میخ) फ़ा. स्त्री.–कील, शंकु; खूँटी।

मेख़कोब (میخ‌کوب) फ़ा. स्त्री.–खूँटी ठोंकने की मुंगरी।

मेख़चू (میخ‌چو) उ. स्त्री.–खूँटी ठोंकने की मुंगरी।

मेख़दोज़ (میخ‌دوز) फ़ा. वि.–जो चल-फिर न सके, एक जगह बैठा रहे; जो निकम्मा हो, बस बैठा रहना जानता हो।

मेग़ (میغ) फ़ा. पुं.–मेघ, बादल; काला बादल, घटा; काला।

मेज़ (میز) फ़ा. स्त्री.–दावत का सामान, भोज-सामग्री; वह चौकी जिस पर रखकर खाना खाते हैं। (टेबिल के अर्थ में यह शब्द पुर्तगाली है)।

मेज़बान (میزبان) फ़ा. वि.–मेहमानी करनेवाला, अतिथि-पूजक; दावत या भोज करानेवाला; आतिथेय।

मेज़बानी (میزبانی) फ़ा. स्त्री.–मेहमानदारी, आतिथ्य; भोज, दावत।

मेवः (میوہ) फ़ा. पुं.–फल, प्रायः सूखे फल, जैसे—बादाम, पिस्ता आदि।

मेवःख़ोर (میوہ‌خور) फ़ा. वि.–मेवा खानेवाला, फलाहारी।

मेवःजात (میوہ‌جات) फ़ा. पुं.–'मेवः' का बहु., मेवे, फल।

मेवःदार (میوہ‌دار) फ़ा. वि.–वह पेड़ जिसमें मेवा लगा हो, फलदार; फला हुआ, फलित।

मेवःफ़रोश (میوہ‌فروش) फ़ा. वि.–मेवा बेचनेवाला, फल-विक्रेता; सब्ज़ी बेचनेवाला, कूँजड़ा, शाकविक्रेता।

मेश (میش) फ़ा. स्त्री.–भेड़, मेष।

मेशचश्म (میش‌چشم) फ़ा. वि.–जिसकी आँखें भेड़-जैसी काली हों, बहुत काली आँखोंवाला।

मेह्माँ (مہماں) फ़ा. पुं.–अतिथि, आगन्तुक, गृहागत, मिहमान।

मेह्माँदार (مہماں‌دار) फ़ा. वि.–जिसके यहाँ कोई मेह-मान हो; अतिथिपूजक, मेहमाननवाज़।

मेह्माँदारी (مہماں‌داری) फ़ा. स्त्री.–अतिथिपूजा, आतिथ्य, मेहमाननवाज़ी।

मेह्माँनवाज़ (مہماں‌نواز) फ़ा. वि.–जो मेहमानों की आवभगत बहुत करता हो, अतिथिपूजक, आतिथेय।

मेह्माँनवाज़ी (مہماں‌نوازی) फ़ा. स्त्री.–मेह्मानदारी, अतिथिपूजा, आतिथ्य।

मेह्मान (مہمان) फ़ा. पुं.–दे. 'मेह्माँ' दोनों प्रकार से शुद्ध है, अकेला बोलने में 'मेहमान' अधिक शुद्ध है।

मेह्मानी (مہمانی) फ़ा. स्त्री.–दे. 'मेहमानदारी'।

मेह्मेज़ (مہمیز) फ़ा. स्त्री.–एड़, वह लोहे की कील जो सवार अपने जूते की एड़ी में लगाते हैं।

मेह्‌र (مہر) फ़ा. स्त्री.–प्रेम, मुहब्बत, प्यार; ममता, मामता; दया, शफ़क़त, रहम; करुणा, तरस।

मेह्‌रबाँ (مہرباں) फ़ा. वि.–मेह्‌रबान का लघु., दे. 'मेह्‌रबान'।

मेह्‌रबान (مہربان) फ़ा. वि.–दया करनेवाला, दयालु; करुणा करनेवाला, सकरुण; मित्र, दोस्त।

मेह्‌रबानी (مہربانی) फ़ा. स्त्री.–कृपा, दया; करुणा, तरस; ममता, शफ़क़त।

मै

मै (مے) फ़ा. स्त्री.–सुरा, हाला, इरा, वारुणी, कादम्बरी, माधुरी, मदिरा, मद्य, शराब।

मैआशाम (مے‌آشام) फ़ा. वि.–शराब पीनेवाला, मद्यप, रसाशी, सुराद।

मैकदः (مےکدہ) फ़ा. पुं.–दे. 'मैख़ानः'

मैकश (میکش) फ़ा. वि.–मै पीनेवाला, मद्यप, सुराशी, शराबी।

मैख़ानः (مےخانہ) फ़ा. पुं.–जहाँ शराब बिकती है, मधु-शाला, मदिरालय।

मैख़ुश (مےخوش) फ़ा. वि.–खटमिट्ठा।

मैख़्वार (مےخوار) फ़ा. वि.–दे, 'मैकश'।

मैगुसार (مےگسار) फ़ा. वि.–दे. 'मैकश'।

मैगूँ (مےگوں) फ़ा. वि.–शराब–जैसा लाल रंग लिये हुए, सुर्ख़ी माइल, रक्ताभ, पियाज़ी।

मैतः (میتہ) अ. पुं.–मरा हुआ, मृतक, मुर्दः।

मैदः (میدہ) फ़ा. पुं.–बारीक छना हुआ आटा, समिता।

मैदान (میدان) फ़ा. पुं.–काफ़ी खुली हुई और लंबी चौड़ी जगह, जहाँ पेड़ आदि न हों; घोड़ा दौड़ाने का स्थान। काम करने का हल्क़ा, कार्यक्षेत्र; समतल भूमि, चौरस जगह; युद्धक्षेत्र, लड़ाई का मैदान।

मैदानी (میدانی) फ़ा. वि.–मैदान का; मैदान से सम्बद्ध; चोबदार; मकान में लगायी जानेवाली बड़ी लालटेन।

मैदाने अमल (میدان‌عمل) फ़ा. अ. पुं.–काम का हल्क़ः, कार्य-क्षेत्र।

मैदाने क़लम (میدان‌قلم) फ़ा. पुं.–क़लम का उतना हिस्सा जो तराशा जाता है।

मैदाने कारज़ार (میدان‌کارزار) फ़ा. पुं.–दे. 'मैदाने जंग'।

मैदाने जंग (میدان‌جنگ) फ़ा. पुं.–युद्धक्षेत्र, रणभूमि, समरांगण, रंगमंच, रणस्थल, युद्धाजिर, संडिका, समरक्षेत्र, रणाजिर, लड़ाई का मैदान।

मैदाने हश्र (میدان حشر) फा. अ. पुं.—क़ियामत का मैदान जहाँ मुसलमानों के मतानुसार सबका हिसाब-किताब होगा।
मैनोश (مے نوش) फा. वि.—शराब पीनेवाला, मद्यप।
मैनोशी (مے نوشی) फा. स्त्री.—शराबख़ोरी, मदिरापान।
मैपरस्त (مے پرست) फा. वि.—बहुत अधिक शराब पीनेवाला, मदिराभक्त, मद्य सर्वस्व।
मैपरस्ती (مے پرستی) फा. स्त्री.—बहुत शराब पीना।
मैफ़रोश (مے فروش) फा. वि.—शराब बेचनेवाला, मद्यव्यवसायी, शौंडिक, पानिक।
मैफ़रोशी (مے فروشی) फा. स्त्री.—शराब का कारोबार, मद्यव्यवसाय, कल्यपाल।
मैमनः (میمنہ) अ. पुं.—वह सेना जो दाएँ ओर रहती है।
मैमन्त (میمنت) अ. स्त्री.—कल्याण, भलाई, बरकत।
मैमनतलुज़ूम (میمنت لزوم) अ. वि.—कल्याणकर, शुभान्वित।
मैमिन (میمن) अ. वि.—वह स्थान जहाँ बरकत और कल्याण मिले।
मैमून (میمون) अ. वि.—शुभ, कल्याण, मुबारक।
मैमूनः (میمونہ) फा. पुं.—बंदर, वानर, कपि।
मैयित (میت) अ. स्त्री.—मृतक, मरा हुआ आदमी।
मैल (میل) अ. पुं.—रुचि, .रग़बत; आकर्षण, तवज्जुह; प्रवृत्ति, रूजहान।
मैलान (میلان) अ. पुं.—दे. 'मैल'।
मैलाने तब्अ (میلان طبع) अ. पुं.—अभिरुचि, दिली ख्वाहिश, तबीअत का झुकाव।
मैले ख़ातिर (میل خاطر) अ. पुं—दे. 'मैलानेतब्अ'।
मैसरः (میسرہ) अ. पुं.—वह सेना जो उलटे हाथ को रहे।
मैसाज़ (مے ساز) फा. वि.—शराब खींचनेवाला, सुराकार।
मैसाज़ी (مے سازی) फा. स्त्री.—शराब बनाना, सुरा-कर्म।
मैसूर (میسور) अ. वि.—सुगम, सरल, आसान; सम्पन्न, भरापुरा; हराभरा, सरसब्ज़।
मैवः (میوہ) फा॰ पुं.—दे. 'मेवः', दोनों उच्चारण शुद्ध हैं।

मो

मोज़ः (موزہ) फा. पुं.—पाँव में पहनने का जुर्राब।
मोज़ःगीर (موزہ گیر) फा. पुं.—वह घोड़ा जो सवार के पाँव को पकड़े या काटे।
मो'जमः (معجمہ) अ. वि.—वह उर्दू अक्षर जिस पर बिंदी हो, जैसे—जीम, शीन, ये, आदि।
मो'जिज़ः (معجزہ) अ. पुं.—वह चमत्कार जो पैग़ंबर दिखाये; वह काम जो मानव-शक्ति से परे हो।
मो'जिज़ (معجز) अ. वि.—अक़्ल को आश्चर्य में डालनेवाला; मोजिज़ः।
मो'जिज़निगार (معجزنگار) अ. फा. वि.—ऐसा अच्छा लेखक जो आश्चर्य में डाल दे।
मो'जिज़नुमा (معجزنما) अ. फा. वि.—मो'जिज़ः दिखाने वाला, चमत्कारी।
मो'जिज़नुमाई (معجزنمائی) अ. फा. स्त्री.—मो'जिज़ः दिखाना।
मो'जिज़बयाँ (معجزبیاں) अ. फा. वि.—बहुत अच्छा बोलनेवाला।
मो'जिज़ बयानी (معجزبیانی) अ. फा. स्त्री.—बहुत अच्छी तक़रीर या भाषण।
मो'जिज़ात (معجزات) अ. पुं.—'मो'जिज़ः' का लघु., मो'जिज़े।
मो'जिब (معجب) अ. वि.—आभिमानी, घमंडी।
मो'तक़द (معتقد) अ. वि.—एतिक़ाद रखा हुआ, वह बात जिसका एतिक़ाद या विश्वास हो।
मो'तक़दात (معتقدات) अ. पुं.—'मो'तक़द' का बहु., वे बातें जिनका विश्वास हो, अक़ीदे।
मो'तक़िद (معتقد) अ. वि.—धर्म विश्वास या एतिक़ाद रखनेवाला, श्रद्धालु, श्रद्धावान्।
मो'तकिफ़ (معتکف) अ. वि.—एक कोने में बैठकर ईश्वराधना करनेवाला; सबसे अलग होकर एकान्तवासी हो जानेवाला।
मो'तज़लः (معتزلہ) अ. पुं.—एक संप्रदाय जो कहता है कि ईश्वर दिखाई नहीं दे सकता, और आदमी जो कुछ करता है स्वयं करता है ईश्वर कुछ नहीं कराता।
मो'तज़िली (معتزلی) अ. वि.—मो'तज़लः संप्रदाय का अनुयायी।
मो'तद [द्द] (معتد) अ. वि.—गिना हुआ, शुमार किया हुआ।
मो'तदबिहि (معتدبہ) अ. वि.—काफ़ी, पर्याप्त; अत्यधिक. बहुत।
मो'तदिल (معتدل) अ. वि.—जिसमें गर्मी-सर्दी बराबर हो, समशीतोष्ण; जिसमें कोई बात आवश्यकता से कम या अधिक न हो, संतुलित; दरमियानी, मध्यम।
मो'तबर (معتبر) अ. वि.—जिसका एतिबार हो, विश्वस्त।
मो'तमद (معتمد) अ. वि.—जिस पर भरोसा हो, विश्वासपात्र, विश्वासी।
मो'तमद अलैह (معتمد علیہ) अ. वि.—जिस पर भरोसा हो, विश्वासी, विश्वस्त।

मो'तरज़ात (معترضات) अ. पुं.—एतिराज़ की बातें।

मो'तरिज़ (معترض) अ. वि.—एतिराज़ करनेवाला, आपत्ति-कर्ता।

मो'तरिफ़ (معترف) अ. वि.—एतिराफ़ करनेवाला, स्वीकार करनेवाला, इक़रार करनेवाला।

मो'ताद (معتاد) अ. वि.—मात्रा, मिक़्दार; पूरी ख़ुराक, पूरी मात्रा; आदी, व्यसनी।

मो'ती (معطی) अ. वि.—अता करनेवाला, दाता, प्रदाता, अनुदाता; ईश्वर का एक नाम।

मोम (موم) फ़ा. पुं.—सिक्थ, मधुशिष्ट, माक्षिज।

मोमजामः (موم‌جامہ) फ़ा. पुं.—वह कपड़ा जो मोम में तर कर लिया गया हो, मोम चढ़ाया हुआ कपड़ा।

मोमरौग़न (موم‌روغن) फ़ा. पुं.—तेल में मोम मिलाकर बनाया हुआ तेल।

मोमिनः (مومنہ) अ. स्त्री.—मुसल्मान स्त्री।

मोमिन (مومن) अ. पुं.—मुसल्मान मर्द।

मोमिनात (مومنات) अ. स्त्री.—'मोमिनः' का बहु., मुसल्मान स्त्रियाँ।

मोमियायी (مومیائی) अ. स्त्री.—पत्थर से टपकनेवाला एक मद, औषध, शिलाजतु, सलाजीत, शिलाजीत।

मोर (مور) फ़ा. स्त्री.—पिपीलिका, च्यूँटी; च्यूँटा, चींटा।

मोरचः (مورچہ) फ़ा. पुं.—जंग; मैल, मल।

मोरचाल (مورچال) फ़ा. पुं.—वह गढ़ा जिसमें बैठकर शत्रु पर गोली चलाते हैं, मोरचा।

मोरे ज़ईफ़ (مورِ ضعیف) फ़ा. अ. स्त्री.—कमज़ोर च्यूँटी अर्थात् असमर्थ और दीन व्यक्ति।

मोरे नातुवाँ (مورِ ناتواں) फ़ा. स्त्री.—दे. 'मोरे ज़ईफ़'।

मोरोमलख़ (مورومَلخ) फ़ा. पुं.—चींटी और टिड्डी, अर्थात् छोटे-छोटे प्राणी।

मोहमल (مہمل) अ. वि.—निरर्थक, बेमानी; व्यर्थ, बेकार; लफ़ंगा, बेएतिबार; बकवास।

मोहमलगो (مہمل‌گو) अ. वि—बकवासी, फ़ुज़ूल की बातें करनेवाला।

मोहमलगोई (مہمل‌گوئی) अ. फ़ा. स्त्री.—बकवास, फ़ुज़ूल की बातें करना।

मोहलत (مہلت) अ. स्त्री.—अवकाश, फ़ुर्सत; छुट्टी, ता'तील; समय, वक़्त, विलंब, ढ़ील, देर।

मौ

मौइज़त (موعظت) अ. स्त्री.—सदुपदेश, हितोपदेश, पंद, नसीहत।

मौइदत (موعدت) अ. स्त्री.—प्रतिज्ञा, वचन, वादा, अह्द।

मौऊद (موعود) अ. वि.—वह चीज़ जिसका वादा किया गया हो, जिसका वचन दिया गया हो।

मौक़ा' (موقع) अ. पुं.—अवसर, ठीक समय; समय, वक़्त; घटनास्थल, जाए वुक़ूअः; स्थान, जगह।

मौक़िफ़ (موقف) अ. पुं.—खड़े होने की जगह; स्थान, जगह; निश्चय, तहैयः।

मौकिब (موکب) अ. पुं.—सेना, फ़ौज; सवारों का समूह।

मौक़ूफ़ (موقوف) अ. वि.—स्थगित, मुल्तवी; पदच्युत, बरख़ास्त; त्यक्त, छोड़ा हुआ; निर्भर, मुनहसिर, वह हल् अक्षर जिससे पहलेवाला अक्षर भी हल् हो।

मौजः (موجہ) अ. पुं.—दे. 'मौज', लहर, उमंग, तरंग।

मौज (موج) अ. स्त्री.—तरंग, वीचि, हिल्लोल, लह्र; उत्साह, उमंग, वल्वलः; धुन, ख़याल; आनंद, ख़ुशी।

मौज़ (موز) अ. पुं.—केला, कदली, रम्भा।

मौजए तबस्सुम (موجۂ تبسم) अ. पुं.—मुस्कुराहट की लहर।

मौजख़ेज़ (موج‌خیز) अ. फ़ा. वि.—नदी, दर्या।

मौजज़न (موج‌زن) अ. फ़ा. वि.—मौजें मारता हुआ, तरंगित, हिल्लोलित।

मौज़ा' (موضع) अ. पुं.—स्थान, जगह; ग्राम, गाँव।

मौज़ूँ (موزوں) अ. वि.—उचित, मुनासिब; योग्य, लाइक़; पात्र, अह्ल; यथोचित, वाजिब, तुला हुआ, संतुलित; वह शेर जिसका वज़्न ठीक हो; जँचा-तुला, ठीक-ठीक।

मौज़ूँतब्अ (موزوں‌طبع) अ. वि.—जो कविता कर लेता हो, जो शेर वज़्न के अंदर कहता हो।

मौज़ूअ (موضوع) अ. वि.—रखा हुआ; विषय, सबजेक्ट।

मौजूदः (موجودہ) अ. वि.—आधुनिक, हाल का; उपस्थित, हाज़िर; जो इस समय मौजूद है, वर्तमान।

मौजूद (موجود) अ. वि.—उपस्थित, हाज़िर; सम्मुख, सामने; जीवित, ज़िंदा; तत्पर, तैयार; कटिबद्ध, मुस्तइद; उपलब्ध, दस्तयाब।

मौजूदफ़िलख़ारिज (موجود فی الخارج) अ. पुं.—जो संसार में होता हो, काल्पनिक न हो।

मौजूदात (موجودات) अ. स्त्री.—'मौजूदः' का बहु., संसार की सब चीज़ें: सारा सामान,; शुमार, गिनती, हाज़िरी।

मौज़ून (موزون) अ. वि.—दे. 'मौज़ूँ'।

मौज़ूनियत (موزونیت) अ. स्त्री.—मौज़ूँ होने का भाव; औचित्य, मुनासबत; तबीअत का ठीक होना; शेर का वज़्न के अंदर होना, योग्यता, क़ाबिलीयत।

मौज़ूनी (موزونی) अ. वि.—दे. "मौज़ूनियत'।

मौजे आब (موج آب) अ. फा. स्त्री.—नदी की तरंग, पानी की लह्र।

मौजे कौसर (موج کوثر) अ. स्त्री.—स्वर्ग के पानी की लह्र।

मौजे तबस्सुम (موج تبسم) अ. स्त्री.—मुस्कुराहट की लह्र।

मौजे नसीम (موج نسیم) अ. स्त्री.—सबेरे की हवा का झोंका, समीर की लह्र।

मौजे बला (موج بلا) अ. फा. स्त्री.—आपत्तियों की लहरों के थपेड़े।

मौजे बोरया (موج بوریا) अ. फा. स्त्री.—चटाई बिछाने से बनी हुई लकीरें, लकीरों की चटाई।

मौजे रेग (موج ریگ) अ. फा. स्त्री.—दे. 'मौजे सराब'।

मौजे सब्ज़ः (موج سبزہ) अ. फा. स्त्री.—वह लह्र जो हवा चलने से सब्ज़े में पैदा होती है।

मौजे सराब (موج سراب) अ. फा. स्त्री.—रेत की लह्रें जो दूर से पानी जान पड़ती हैं, मृग मरीचका।

मौजे हवा (موج هوا) अ. स्त्री.—हवा की लह्र, हवा का सर्द झोंका।

मौत (موت) अ. स्त्री.—मृत्यु, निधन, मरण, वफ़ात; विनाश, बरबादी; शामत, दुर्दशा।

मौता (موتی) अ. पु.—'मैयित' का बहु., मरे हुए लोग।

मौतिन (موطن) अ. पुं.—जन्मभूमि, वतन।

मौफ़ूर (موفور) अ. वि.—प्रचुर, अधिक, बहुत।

मौरिद (مورد) अ. वि.—उतरने का स्थान, ठहरने का स्थान; योग्य, पात्र, अह्ल।

मौरिदे इनायत (مورد عنایت) अ. पुं.—कृपापात्र, जिस पर कृपा हो।

मौरिदे इन्आम (مورد انعام) अ. पुं.—पुरस्कार के योग्य, इन्आम का मुस्तहक़।

मौलवी (مولوی) अ. पुं.—इस्लाम धर्म का विद्वान्; बच्चों को पढ़ानेवाला; विद्वान्, आलिम।

मौला (مولا) अ. पुं.—स्वामी, मालिक; ईश्वर, परमेश्वर; वह दास जिसे मुक्ति मिल गयी हो।

मौलाई (مولائی) अ. वि.—सरदारी, अध्यक्षता; प्रतिष्ठा, बुज़ुर्गों को लिखने का एक शब्द।

मौलाना (مولانا) अ. पुं.—आलिमों का एज़ाज़ी खिताब।

मौलिद (مولد) अ. वि.—जन्मभूमि, पैदा होने का स्थान, वतन।

मौलूद (مولود) अ. पुं.—बालक, शिशु, नवजात बच्चा; मीलाद।

मौसम (موسم) अ. पुं.—शुद्ध उच्चारण 'मौसिम' है, परन्तु उर्दू में दोनों प्रकार से बोला जाता है।

मौसिम (موسم) अ. पुं.—ऋतु, फ़स्ल; समय, वक़्त।

मौसिमे गर्मा (موسم گرما) अ. फा. पुं.—गर्मी का मौसिम, ग्रीष्म ऋतु।

मौसिमे ख़ज़ा (موسم خزاں) अ. फा. पुं.—पतझड़ की ऋतु, शिशिर ऋतु।

मौसिमे गुल (موسم گل) अ. फा. पुं.—वसंत ऋतु, बहार का समय।

मौसिमे बहार (موسم بہار) अ. फा. पुं.—वसंत ऋतु।

मौसिमे बारां (موسم باراں) अ. फा. पुं.—बरसात का मौसिम, वर्षाकाल।

मौसिमे सर्मा (موسم سرما) अ. फा. पुं.—ठंढी ऋतु, जाड़े का समय।

मौसूफ़ (موصوف) अ. वि.—जिसकी प्रशंसा की जाय, प्रशंसित; (व्या.) विशेष्य, जिस शब्द के साथ कोई विशेषण हो।

मौसूमः (موسومہ) अ. वि.—नाम रखा हुआ।

मौसूम (موسوم) अ. वि.—नाम रखा हुआ, नामधारी।

मौहूबः (موهوبہ) अ. वि.—बख़्शिश की गयी चीज़, दी हुई चीज़।

मौहूब (موهوب) अ. वि.—हिबा किया गया, बख़्शा गया।

मौहूबइलैह (موهوب الیہ) अ. वि.—जिसके नाम हिबा हो।

मौहूबलहू (موهوب لہ) अ. वि.—जिसके नाम हिबा किया जाय।

मौहूम (موهوم) अ. वि.—भ्रममूलक, भ्रमात्मक, जो केवल भ्रम ही भ्रम हो, उसका अस्तित्व न हो।

य

यंग (یلگ) फा. पुं.—विधान, क़ानून; परंपरा, रिवाज (वि.) प्रकाशमान्, रौशन; समान, तुल्य।

यंगा (یلگا) फा. स्त्री.—भाई की पत्नी, भाभी; चचा की पत्नी, चची; विवाहिता, गृहस्वामिनी; नाइन, मश्शातः।

यंबूअ (ینبوع) अ. पुं.—नदी, दर्या; सरिता, चश्मा; स्रोत, सोता।

यआफ़ीर (یعافیر) अ. पुं.—'या'फ़ूर' का बहु., बहुत-से हिरन।

यआबीब (یعابیب) अ. पुं.—'या'बूब' का बहु., तेज़ चलनेवाले घोड़े; तेज़ बहनेवाली नदियों के धारे।

यआमिल (یعامل) अ. पुं.—'या'मल' का बहु., ख़ूब काम करनेवाले ऊँट।

यआमीर (یعامیر) अ. पुं.—'या'मूर' का बहु., बकरी के बच्चे।

यआलील (یعالیل) अ. पुं.—'या'लूल' का बहु., पानी के बुलबुले; मनुष्यों के लिंग।

यआसीब (يعاسيب) अ. पुं.–'या'सूब' का बहु., शहद की मक्खियों के राजा; जाति के सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति।

यऊक़ (يعوق) अ. पुं.–घोड़े के आकार की एक मूर्ति, जिसे हज़रत 'नूह' के अनुयायियों ने पूजा था।

यऊस (يئوس) अ. वि.–निराश, हताश, नाउम्मीद।

यक (يک) फ़ा. वि.–एक की संख्या; एक वस्तु।

यकअस्पः (يک اسپه) फ़ा. वि.–दे. 'यकस्पः', वह उच्चारण अधिक शुद्ध है, एक घोड़ा।

यकआतशः (يک آتشه) फ़ा. वि.–दे. 'यकातशः', वह उच्चारण अधिक फ़सीह है, एक आग।

यक़क़ (يقق) अ. वि.–बहुत अधिक सफ़ेद।

यकक़लम (يک قلم) अ. फ़ा. वि.–सिरे से, नितांत, बिलकुल।

यकगूनः (يک گونه) फ़ा.अ.वि.–किंचित्, किसी क़दर, थोड़ा।

यकचन्द (يک چند) फ़ा. वि.–किंचित्, थोड़ा।

यकचश्म (يک چشم) फ़ा. वि.–काण, काना; सूर्य, सूरज: सबको एक आँख से देखनेवाला, समदर्शी।

यकचश्मी (يک چشمی) फ़ा. स्त्री.–कानापन; समदर्शिता।

यकचोबः (يک چوبه) फ़ा. पुं.–वह छोटा शामियाना जो एक लकड़ी पर खड़ा होता है।

यक़ज़ः (يقظه) अ. पुं.–जाग्रति, जागरण, बेदारी; नींद न आने का रोग, अनिद्रा।

यक़ज़ (يقظ) अ. वि.–दे. 'यक़िज़', दोनों शुद्ध हैं; एक-से।

यकजदी (يک جدی) फ़ा. अ. वि.–एक दादा का; एक दादा की संतान।

यकज़बाँ (يک زباں) फ़ा. वि.–सहमत, एक राय।

यकज़बानी (يک زبانی) फ़ा. स्त्री.–सहमति, इत्तिफ़ाक़।

यकजाँ (يک جاں) फ़ा. वि.–घनिष्ठ, दिली।

यकजा (يک جا) फ़ा. वि.–एक जगह; एकत्र, इकट्ठा; सम्मिलित, शामिल।

यकजाई (يک جائی) फ़ा. स्त्री.–इकट्ठापन, एकत्रता।

यकजिंसी (يک جنسی) फ़ा. स्त्री.–एक ही वंश या नस्ल का होना; एक उम्र का होना; एक प्रकृति का होना।

यकजिलौ (يک جلو) फ़ा. वि.–तेज़ चलनेवाला घोड़ा।

यकजिहत (يک جهت) फ़ा. अ. वि.–सहमत, मुत्तफ़िक़; मित्र, दोस्त।

यकजिहती (يک جهتی) फ़ा. अ. स्त्री.–सहमति, इत्तिफ़ाक़; मित्रता, दोस्ती।

यकतनः (يک تنه) फ़ा. स्त्री.–अकेला, एकाकी, तन्हा।

यकतन (يک تن) फ़ा. वि.–एक व्यक्ति, एक मनुष्य।

यकतरफ़ः (يک طرفه) फ़ा. अ. वि.–एक ओर का; एक क़तार का दाहिना या बायाँ; एक ओर का पक्षपात लिये हुए।

यकतही (يکتہی) फ़ा. वि.–जिसमें एक परत हो; गरमियों का हलका लिबास।

यकता (يکتا) फ़ा. वि.–अद्वितीय, अनुपम, बेमिस्ल।

यकताई (يکتائی) फ़ा. स्त्री.–अद्वैत, अकेलापन, बेमिस्ली– "रंगे-यकताई भला इतना तो पैदा करते, अपनी तस्वीर में हरदम तुम्हें देखा करते।"

यकताए अस्र (يکتاۓ عصر) फ़ा. अ. वि.–अपने समय का सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति, (किसी कला या विद्या में)।

यकताए अह्द (يکتاۓ عهد) फ़ा. अ. वि.–दे. 'यकताए अस्र'।

यकताए फ़न (يکتاۓ فن) फ़ा. अ. वि.–किसी कला विशेष में अद्वितीय और अनुपम।

यकताज़ (يکتاز) फ़ा. वि.–दे. 'यक्कः ताज़'।

यकतारः (يکتاره) फ़ा. पुं.–एक तारवाला बाजा, इकतारा।

यकतार (يکتار) फ़ा. वि.–किंचित्, ईषत्, थोड़ा।

यकदंदानः (يکدندانه) फ़ा. वि.–एक-सा, समान, बराबर।

यकदक (يکدکی) फ़ा. वि.–कदुष्ण, गुनगुना।

यकदस्त (يکدست) फ़ा. वि.–समस्त, संपूर्ण, सब; समान, यकसाँ।

यकदस्ती (يکدستی) फ़ा. स्त्री.–संपूर्णता, समस्तता; समानता, एकसानियत।

यकदिगर (يکدگر) फ़ा. वि.–परस्पर आपस में, बाहम।

यकदिलः (يکدله) फ़ा. वि.–शूर, वीर, बहादुर; सहमत, मुत्तफ़िक़।

यकदिल (يکدل) फ़ा. वि.–संयुक्त, संघटित, मुत्तहद; मित्र, दोस्त; सहमत, मत्तफ़िक़।

यकदिली (يکدلی) फ़ा. स्त्री.–एकता, इत्तिहाद; मित्रता, दोस्ती; सहमति, इत्तिफ़ाक़।

यकदिश (يکدش) फ़ा. वि.–संकर, जारज, दोग़ला।

यकदीगर (يکدیگر) फ़ा. वि.–परस्पर, आपस में, बाहम।

यकनफ़स (يک نفس) अ. फ़ा. वि.–क्षण भर, थोड़ी देर; सहचर, साथी; मित्र, दोस्त।

यकनफ़सी (يک نفسی) फ़ा. अ. स्त्री.–मित्रता, दोस्ती, सहचरता, साथ।

यकना'ल (يک نعل) फ़ा. अ. वि.–बड़ी मात्रा में, बहुत अधिक, बइफ़रात।

यकनिशस्त (يک نشست) फ़ा. वि.–साथ उठने-बैठनेवाला, हमनशीं।

यकपा (يکپا) फ़ा. वि.–एक पाँववाला, एक पद।

यकपायः (يکپایه) फ़ा. वि.–जिसमें केवल एक खंभा हो; एक-जैसे पदवाले, समपद, समान पद।

यकपिदरी (یک‌پدری) फा. वि.—एक पिता की संतान; एक पिता की संपत्ति आदि।

यकफ़नी (یک‌فنی) फा. वि.—किसी कला विशेष में निपुण; अनुपम, बेनज़ीर।

यकफ़र्दी (یک‌فردی) फा. वि.—एक व्यक्तिवाला, जिसे एक व्यक्ति कर सके, जो एक व्यक्ति के योग्य हो।

यकफ़स्ली (یک‌فصلی) फा. अ. वि.—वह भूमि जिसमें केवल एक फ़स्ल पैदा होती हो।

यकफ़ीसदी (یک‌فیصدی) फा. अ. वि.—सौ में एक, सौ में एक के अनुपात से, एक प्रतिशत।

यकबग़ल (یک‌بغل) फा. वि.—बहुत बड़ी मात्रा में, बहुत अधिक।

यक ब यक (یک‌بیک) फा. वि.—सहसा, अचानक, अनायास, अकस्मात्।

यकबार: (یکبارہ) फा. वि.—अचानक, सहसा, आकस्मिक।

यकबार (یک‌بار) फा. वि.—दे. 'यकबार:'।

यकबारगी (یکبارگی) फा. वि.—अचानक, अकस्मात्, बे शानोगुमान।

यकमंज़िल: (یک‌منزلہ) फा. अ. वि.—वह मकान जिसमें केवल एक ही माला हो, अर्थात् उस पर इमारत न हो।

यकमनी (یک‌منی) फा. वि.—एक-से ख़ुदी पसंद, एक-से तकब्बुरवाले, एक-से ग़ुरूरवाले; एक नुत्फ़े के; एक बीज के।

यकमर्तब: (یک‌مرتبہ) फा. अ. वि.—एक-जैसा श्रेणी और पदवाले, समानपद, समवर्ग।

यकमादरी (یک‌مادری) फा. वि.—एक माता की संतान।

यकमुश्त (یک‌مشت) फा. वि.—इकट्ठा, सब का सब; जो थोड़ा-थोड़ा अथवा क़िस्तों में न हो, बल्कि सब हो।

यकरंग (یکرنگ) फा. अ. वि.—एक-जैसे रंगवाले; निश्छल, मुख़्लिस; जो सदा एक-जैसा रहे।

यकरंगी (یک‌رنگی) फा. स्त्री.—एक रंग का होना; निश्छलता, ख़ुलूस; सदा एक-जैसा रहना।

यकरक़ीब (یک‌رقیب) फा. पुं.—ईश्वर, ख़ुदा।

यकरह (یکرہ) फा. वि.—समस्त, समग्र, सब; एक बार, एक दफ़ा; निश्चल, देरिया।

यकराँ (یکراں) फा. पुं.—अस्ली और कुलीन घोड़ा।

यकराई (یکرائی) फा. स्त्री.—एक मत होना, मक्तैय, सहमति।

यकराए (یک‌رائے) फा. वि.—सहमत, एकमत, मुत्तफ़िक़।

यकरिकाबी (یک‌رکابی) फा. स्त्री.—कार्य में संलग्नता; शीघ्रता, जल्दी; कोतल घोड़ा; कार्यतत्परता, कार्यसंलग्नता, मुस्तइद्दी।

यकरिश्त: (یک‌رشتہ) फा. वि.—अनुकूल, मुआफ़िक़।

यकरुख़ी (یک‌رخی) फा. वि.—एक पक्षीय, एक तरफ़ का; जिसमें किसी पक्ष की तरफ़दारी हो; जैसे—'यकरुख़ी फ़ैसल:'।

यकरू (یک‌رو) फा. वि.—एक दिल, घनिष्ठ, सच्चा दोस्त।

यकरूई (یک‌روئی) फा. स्त्री.—घनिष्ठता, सच्ची दोस्ती।

यकरोज़: (یک‌روزہ) फा. वि.—वह कार्य जो एक दिन में समाप्त हो जाय; जो एक दिन के लिए हो।

यकलख़्त (یک‌لخت) फा. वि.—सिरे से, नितांत, बिलकुल; आकस्मिक, अचानक।

यकवरक़: (یک‌ورقہ) फा. अ. वि.—जिसमें केवल एक पन्ना हो; एक वरक़ का लेख।

यकशंब: (یک‌شنبہ) फा. पुं.—रविवार, इतवार।

यकशब: (یک‌شبہ) फा. वि.—जो रातभर में समाप्त हो जाय; जो रात भर का हो।

यकशिस्त (یک‌شست) फा. वि.—सहचर, साथी; सभासद, मुसाहिब।

यकसर: (یک‌سرہ) फा. वि.—सिरे से, सब; नितांत, बिलकुल।

यकसर (یکسر) फा. वि.—नितांत, बिलकुल; समग्र, समस्त, सब; एक सिरे से दूसरे सिरे तक।

यकसवार: (یک‌سوارہ) फा. वि.—अकेला, एकाकी, तन्हा।

यकसाँ (یکساں) फा. वि.—समान, बराबर; सदृश, मिस्ल; चौरस, समतल।

यकसानियत (یکسانیت) फा. स्त्री.—समता, साम्य, मुसावात; सदृशता, तुल्यता, बराबरी; चौरसपन।

यकसाल: (یک‌سالہ) फा. वि.—एक साल की आयुवाला; एक वर्ष में एक बार होनेवाला; एक वर्ष में समाप्त होनेवाला।

यकसू (یک‌سو) फा. वि.—एक ओर, एक तरफ़; निश्चिंत, बेफ़िक्र; एकाग्रचित्त, मुन्हमिक; अवकाश प्राप्त, फ़ारिग़।

यकसूई (یکسوئی) फा. स्त्री.—निश्चिंतता, बेफ़िक्री; अवकाश, फ़ुर्सत; सारे झंझटों से निवृत्ति; एकांत, तन्हाई।

यकस्प: (یک‌اسپہ) फा. वि.—धीरे-धीरे साधारण चाल से चलने वाला सवार; एक-एक मंज़िल पर रुकनेवाला सवार; अकेला, एकाकी।

यकातश: (یک‌آتشہ) फा. वि.—वह मदिरा अथवा अरक़ जो एक बार खींचा गया हो।

यकायक (یکایک) फा. वि.—आकस्मिक, अचानक, सहसा; तुरंत, शीघ्र, फ़ौरन।

यक़्क़ (یقق) अ. पुं.—बहुत अधिक सफ़ेद; दे. 'यक़क़', दोनों शुद्ध हैं।

यक़िज़ (يقظ) अ. वि.—सजग, जागरूक, सावधान, जाग्रत, जागता हुआ, बेदार।

यकीता (يكيتا) फ़ा. पुं.—शिक्षक, अध्यापक, पढ़ानेवाला।

यक़ीन (يقين) अ.पुं.—विश्वास, एतिबार; श्रद्धा, एतिक़ाद; संदेह का अभाव, शुबहा न होना।

यक़ीनन (يقيناً) अ. वि.—संभवतः, अवश्यमेव, यक़ीनी; निःसंदेह, बिला शुबहा।

यक़ीनी (يقينی) अ. वि.—दे. 'यक़ीनन'।

यक़ीने कामिल (يقينِ كامل) अ. पुं.—दृढ़ विश्वास, पूरा भरोसा, पूरा यक़ीन; अटल धर्म विश्वास, पूरा ईमान।

यक़ीने मोहकम (يقينِ محكم) अ. पुं.—दे. 'यक़ीने कामिल'।

यक़ीने वासिक़ (يقينِ واثق) अ. पुं.—दे. 'यक़ीने कामिल'।

यक़ुज़ (يقظ) अ. वि.—दे. 'यक़िज़' दोनों शुद्ध हैं; सजग; सचेष्ट, सावधान।

यकुम (يكم) फ़ा. वि.—प्रथम, पहला; पहली तारीख़।

यके (يكے) फ़ा. वि.—एक, एक व्यक्ति; कोई एक, कोई एक व्यक्ति।

यके बा'दे दीगरे (يكے بعدِ ديگرے) फ़ा. अ. वि.—एक के पश्चात् दूसरा, उत्तरोत्तर।

यक्कः (يكّہ) फ़ा. वि.—अकेला, तन्हा; अनुपम, बे मिस्ल; एक्का, एक घोड़े से चलनेवाली गाड़ी विशेष, इक्का।

यक्कःताज़ (يكّہ تاز) फ़ा. वि.—अकेला बहुतों-से लड़नेवाला, महारथी।

यक्कःताज़ी (يكّہ تازی) फ़ा. स्त्री.—अकेले बहुतों-से लड़ना।

यक्कःबान (يكّہ بان) फ़ा. पुं.—इक्का हाँकनेवाला।

यक्कओतन्हा (يكّہ و تنہا) फ़ा. वि.—बिलकुल अकेला।

यक़्ज़ान (يقظان) अ. वि.—जाग्रत, जागरूक, जागता हुआ, बेदार।

यक़्तीन (يقطين) अ. स्त्री.—हर वह बेल जो ज़मीन पर फैलती है, जैसे—लौकी, कद्दू आदि की।

यख़ (يخ) फ़ा. पुं.—ठंड से जमा हुआ पानी, बर्फ़, हिम।

यख़ख़ुरिंदः (يخ خورنده) फ़ा. वि.—उपेक्षा करनेवाला, बे तवज्जुही बरतनेवाला।

यख़ख़ुर्दः (يخ خورده) फ़ा. वि.—उपेक्षित, जिसके साथ बे तवज्जुही की गयी हो।

यख़चः (يخچہ) फ़ा. पुं.—ओला, हिमोपल।

यख़दरबिहिश्त (يخ در بہشت) फ़ा. अ. पुं.—एक प्रकार का हलवा।

यख़दान (يخدان) फ़ा. पुं.—खाना रखने की अलमारी; बर्फ़ का खाना रखने का संदूक़, रेफ़्रीजेटर।

यख़परवर्दः (يخ پرورده) फ़ा. वि.—जो बर्फ़ में लगाकर ठंडा किया गया हो।

यख़बस्तः (يخ بستہ) फ़ा. वि.—जो ठंड से जम गया हो।

यख़ाज (يخاج) अ. पुं.—हज़रत ईसा का चित्र जो गिरजा में रखा जाता है।

यख़्त (يخت) फ़ा. पुं.—वह नाव जिस पर नदी में सैर करते हैं और अपनी निजी होती है।

यख़्नी (يخنی) फ़ा. स्त्री.—अन्न या धन जो आवश्यकता पड़ने पर काम आने के लिए संचित किया जाय, ज़ख़ीरा; गोश्त का शोर्बा जिसमें मसाला न डाला गया हो, और जो रोगियों को दिया जाता है।

यख़्शी (يخشی) तु. वि.—सुंदर, प्रियदर्शन, ख़ुशनुमा; शुभ, कल्याण कर, मुबारक; उत्तम, उम्दा।

यगाँ (يگاں) फ़ा. वि.—अकेला, एकाकी; अनोखा, अनुपम; मनुष्य लोग, सामान्य जन, आम लोग।

यगाँ यगाँ (يگاں يگاں) फ़ा. वि.—एक-एक करके, एक के बाद दूसरा।

यगानः (يگانہ) फ़ा.वि.—स्वजन, आत्मीय, अज़ीज़; अद्वितीय, ला जवाब; एकाकी, अकेला।

यगानःगो (يگانہ گو) फ़ा. वि.—सत्यवादी, सच्चा, सच बोलनेवाला।

यगानःगोई (يگانہ گوئی) फ़ा. स्त्री.—सत्य बोलना, सच्चाई।

यगानगत (يگانگت) उ. स्त्री.—दे. 'यगानगी'।

यगानगी (يگانگی) फ़ा. स्त्री.—स्वजनता, रिश्तेदारी; सहमति, इत्तिफ़ाक़ेराय; अकेलापन।

यग़ाम (يغام) फ़ा. पुं.—ग़ूले बियाबानी, जंगल में फिरनेवाले भूत-प्रेत।

यग़ूस (يغوث) अ. पुं.—सिंह के आकार की एक मूर्ति जिसकी पूजा इस्लाम से पूर्व अरब में होती थी।

यग़्मा (يغما) तु. पुं.— लूटमार, लुंठन; उचकना, झपटना, छीनना; लूट में प्राप्त माल।

यग़्माई (يغمائی) तु. वि.—जो लूटा गया हो।

यज़क (يزک) तु. पुं.—सेना का अग्र भाग जो आगे चलता और शत्रु की सेना के समाचार देता है, सेनाग्र; सेना, फ़ौज।

यज़कदार (يزكدار) तु. फ़ा. पुं.—आगे चलनेवाली सेना का सेनापति।

यज़ीद (يزيد) अ. पुं.—अमीर मुआवियः का लड़का जो बड़ा ही बदचलन, शराबी और अत्याचारी था, और जिसने हज़रत इमाम हुसैन को शहीद कराया था, क्योंकि वह इसके शासन के विरुद्ध था।

यज़ीदी (يزيدی) अ. वि.—वह व्यक्ति जो यज़ीद-जैसा निष्ठुर, अत्याचारी और अभिमानी हो; यज़ीद सम्बन्धी; यज़ीद का।

यज़ीदे वक़्त (یزید وقت) अ. पुं.—अपने समय का बहुत ही अत्याचारी, अभिमानी और अनीति पर चलनेवाला शासक।

यज़्द (یزد) फा. पुं.—शीराज़ के प्रांत का एक नगर।

यज़्दाँ (یزداں) फा. पुं.—'यज़्दान' का लघु., दे. 'यज़्दान'।

यज़्दाँपरस्त (یزداں پرست) फा. वि.—ईश्वरवादी, आस्तिक, ख़ुदा को माननेवाला।

यज़्दाँपरस्ती (یزداں پرستی) फा. स्त्री.—ईश्वर को मानना, आस्तिकता।

यज़्दाँशनास (یزداں شناس) फा. वि.—दे. 'यज़्दाँपरस्त'; ईश्वर को पहचान कर सत्य और सन्मार्ग पर चलनेवाला।

यज़्दाँशनासी (یزداں شناسی) फा. स्त्री.—दे. 'यज़्दाँ-परस्ती' सत्य और सन्मार्ग पर चलना, धर्मनिष्ठा।

यज़्दान (یزدان) फा. पुं.—आतशपरस्तों (ईरान के पुराने अग्निपूजक जो ज़रदुश्त के अनुयायी थे) के मतानुसार, नेकी का ख़ुदा, वे लोग दो ख़ुदा मानते हैं, एक नेकी का दूसरा बदी का जिसे 'अह्‌रमन' कहते हैं।

यज़्दानी (یزدانی) फा. वि.—ईश्वरीय, ख़ुदाई।

यज़्दी (یزدی) फा. वि.—'यज़्द' का निवासी।

यज़्न: (یزنہ) फा. पुं.—बहन का पति, बहनोई।

यताक़ (یتاق) तु. पुं.—पहरा, चौकी, देखभाल, निगरानी।

यताक़ी (یتاقی) तु. वि.—पहरेदार, चौकीदार।

यतामा (یتامی) अ. पुं.—'यतीम' का बहु., वे बच्चे जिनके पिता मर गये हों, अनाथ।

यतीम (یتیم) अ. वि.—वह बालक जिसका पिता मर गया हो, अनाथ।

यतीमख़ान: (یتیم خانہ) अ. फा. पुं.—यतीम बालकों के पालन-पोषण का स्थान जो किसी संस्था की देख-रेख में हों, अनाथालय।

यतीमी (یتیمی) अ. स्त्री.—अनाथपन, बे बाप का हो जाना।

यतीमोयसीर (یتیم و یسیر) अ. पुं.—वह बालक जिसके माता-पिता दोनों मर गये हों, यह शब्द उर्दूवालों ने बनाया है।

यतूअ (یتوع) अ. पुं.—दे. 'यत्तूअ'।

यत्तूअ (یتّوع) अ. पुं.—वह पेड़ जिसमें दूध होता है, जैसे—आक, थूहड़ आदि।

यत्न (یتن) अ. पुं.—वह बालक जो उलटा उत्पन्न हुआ हो, जिसके पाँव पहले निकले हों।

यद (ید) अ. पुं.—हाथ, कर, हस्त।

यदक (یدک) फा. पुं.—कोतल घोड़ा।

यदुल्लाह (یداللہ) अ. पुं.—ईश्वर का हाथ, अर्थात् ईश्वर की सहायता।

यदे क़ुद्रत (ید قدرت) अ. पुं.—क़ुद्रत का हाथ अर्थात् दैवी माया, दैवी शक्ति।

यदे तूला (ید طولی) अ. पुं.—बड़ा लंबा हाथ, अर्थात् किसी कार्य विशेष में बहुत अधिक कुशलता।

यदे बैज़ा (ید بیضا) अ. पुं.—चमकता हुआ हाथ, हज़्रत मूसा का हाथ, जिसे खोल देने से प्रकाश फैल जाता था।

यदैन (یدین) अ. पुं.—दोनों हाथ।

यनप्लू (ینپلو) फा. स्त्री.—मंडी, जहाँ चारों ओर से माल बिकने आता है; यात्रीदल, क़ाफ़िला।

यनाबीअ (ینابیع) अ. पुं.—'यंबूअ' का बहु., नदियाँ; चश्मे; सोते।

यनूफ़ (ینوف) अ. पुं.—ऊँचा-नीचा टीला।

यपन्लू (یپنلو) फा. स्त्री.—दे. 'यन्पल्', दोनों शुद्ध हैं।

यफ़न (یفن) अ. पुं.—बहुत बूढ़ा व्यक्ति जो सठ्या गया हो, पीरे फ़र्तूत।

यफ़ाअ (یفاع) अ. पुं.—ऊँचा टीला, टीकरा, पहाड़ी।

यफ़्त: (یفتہ) फा. पुं.—साइनबोर्ड, नाम-पट्टिका।

यब (یب) फा. वि.—बूढ़ा, वृद्ध।

यबस (یبس) अ. पुं.—सूखना, शुष्क होना।

यबाब (یباب) अ. वि.—ध्वस्त, बरबाद।

यब्रूह (یبروح) अ. स्त्री.—दे. 'यब्रूहुस्सनम'।

यब्रूहुस्सनम (یبروح الصنم) अ. स्त्री.—एक वनौषधि, लक्ष्मी, लखमनी, ग़र्दुमगिया।

यब्स (یبس) अ. पुं.—सूखना, ख़ुश्क होना।

यम: (یمہ) फा. पुं.—वह ख़ुराक या धन जो किसी को रोज़ दिया जाय।

यम (یم) फा. पुं.—नदी, तरंगिणी, दर्या।

यमक (یمک) फा. पुं.—एक नगर जहाँ का सौंदर्य प्रसिद्ध है।

यमन (یمن) अ. पुं.—अरब का एक देश, जहाँ का ला'ल और याक़ूत सारे संसार से अच्छा होता है।

यमनी (یمنی) अ. वि.—यमन का निवासी; यमन सम्बन्धी; यमन की वस्तु।

यमान (یمان) अ. वि.—यमन से सम्बन्ध रखनेवाला।

यमानी (یمانی) अ. वि.—यमन का; यमन-सम्बन्धी।

यमाम: (یمامہ) अ. पुं.—कबूतर; जंगली कबूतर; कबूतरी; अरब की एक नीली आँखोंवाली स्त्री जो मैदान में ४०-५० मील तक की वस्तु देख लेती थी।

यमाम (یمام) अ. पुं.—जंगली कबूतर, वनकपोत।

यमीन: (یمینہ) अ. पुं.—आमाशय, पक्वाशय, मेदा।

यमीन (یمین) अ. वि.—दाहनी ओर; दाहना; शपथ, सौगन्ध; बल, शक्ति; श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी।

यमीनोयसार (یمین ویسار) अ. पुं.–दाहनी और बायीं ओर, दोनों ओर।

यमूम (یموم) अ. पुं.–'यम' का बहु., नदियाँ।

यम्नः (یمنہ) अ. पुं.–सीधे हाथ की ओर।

यम्सू (یمسو) तु. पुं.– बारूद, अग्निचूर्ण।

यरः (یره) तु. पुं.–पृथ्वी, जमीन, भूमि।

यरक़ाँ (یرقاں) अ. पुं.–'यरक़ान' का लघु., दे. 'यरक़ान'।

यरक़ाँजदः (یرقاں زده) अ. फ़ा. वि.–जिसे यरक़ान का रोग हो, कमलरोगी।

यरक़ान (یرقان) अ. पुं.–एक रोग जिसमें सारा शरीर, विशेषतः आँखें पीली पड़ जाती हैं, कमलरोग।

यरक़ानी (یرقانی) अ. वि.–यरक़ान का मरीज़, कमल रोग-ग्रस्त, कमलरोगी।

यरा (یرا) फ़ा. स्त्री.–झुर्री, बल, सिलवट, शिकन।

यराअः (یراعہ) अ. पुं.–कलम बनाने का नरकट; बजाने की बाँसुरी; जुगनू; खद्योत।

यराअ (یراع) अ. पुं.–दे. 'यराअः'।

यराक़ (یراق) तु. पुं.–अस्त्र-शस्त्र, अस्लिहः, हथियार; उपकरण, सामान; युद्ध-सामग्री, सामाने जंग।

यराग़ (یراغ) तु. पुं.–डाक का घोड़ा।

यराबीअ (یرابیع) अ. पुं.–'यर्बूअ' का बहु; 'जंगली चूहे'; दो पाँववाले चूहे।

यर्ग़माल (یرغمال) तु. पुं.–वह राजवंश का व्यक्ति जो किसी राज की ओर से दूसरे राज को ज़मानत में दिया जाय, ताकि वह राज अपनी प्रतिज्ञा भंग न कर सके।

यर्ग़ा (یرغا) तु. पुं.–तेज़ घोड़ा; तेज़ चलनेवाला व्यक्ति; आक्रमण, हमला।

यर्ग़ू (یرغو) तु. स्त्री.–राजनीति, सियासत; दंड, सज़ा।

यर्निश (یرنش) फ़ा. वि.–एक गाँव या नगर के रहनेवाले।

यर्बूअ (یربوع) अ. पुं.–जंगली चूहा; एक चूहा जो दो पाँव का होता है।

यर्मलून (یرملون) अ. पुं.–अरबी के छः अक्षरों का समाहार, जब हल् न (न्) के बाद इनमें से कोई अक्षर आता है तो वह 'न्' वही अक्षर बन जाता है, जैसे – 'मिन् रब्बी' का मिर्रब्बी, 'मिन्लबन' का मिल्लबन, हो गया।

यर्मा' (یرمع) अ. पुं.–सफ़ेद और चमकदार पत्थर।

यर्मुग़ाँ (یرمغاں) तु. पुं.–दे. 'अर्मुग़ाँ'।

यलः (یلہ) फ़ा. पुं.–मुक्त किया हुआ, रहा शुदा; छोड़ा हुआ, त्यक्त; बंदूक या तोप छोड़ी हुई; दौड़ता हुआ; आक्रमण करता हुआ, (स्त्री.) व्यभिचारिणी, फ़ाहिशा।

यल (یل) फ़ा. पुं.–शूर, वीर, बहादुर; मल्ल, पहलवान।

यलक़ (یلق) अ. पुं.–हर वह वस्तु जो सफ़ेद हो।

यलदग़ज़ (یلدغز) फ़ा. पुं.–क़िज़िल अर्सलाँ के पित ।

यलबः (یلبہ) अ. पुं.–चमड़े की ढाल; चमड़े का कवच।

यलब (یلب) अ. पुं.–दे. 'यलबः'।

यलबुज (یلبوج) तु. पुं.– ईश-दूत, पैग़ंबर।

यलाक़ (یلاق) तु. पुं.– एक तुर्की बादशाह का नाम; मट्टी का टूटा हुआ बरतन।

यलामिक़ (یلامق) अ. पुं.–'यल्मक़' का बहु., कंगन।

यलूज (یلوج) तु. पुं.– दे. शुद्ध उच्चारण 'यलबुज'।

यल्अ (یلع) अ. पुं.–वह जंगल जिसमें दूर-दूर तक वृक्ष और पानी न हो, बियाबान; मृगतृष्णा, मरीचिका, सराब।

यल्ग़ार (یلغر) तु. स्त्री.–दे. 'यल्ग़ार', दोनों शुद्ध हैं, परंतु इसका उच्चारण अधिक शुद्ध है।

यल्ग़ार (یلغار) तु. स्त्री.–आक्रमण, चढ़ाई, धावा, शुद्ध उच्चारण 'यल्ग़र' है।

यल्ग़ुर (یلغر) तु. वि.–अकेला, एकाकी, तन्हा।

यल्दा (یلدا) फ़ा. स्त्री.–एक रात जो साल में सब रातों से अधिक लंबी होती है, जब सूर्य धनुराशि के ११ वें अंश पर पहुँचता है (पूस में) तो यह रात पड़ती है और उस रोज़ सबसे छोटा दिन होता है, यह रात अशुभ मानी जाती है।

यल्मः (یلمہ) फ़ा. पुं.–क़बा, दोहरे कपड़े का लंबा चुग़ा।

यल्मक़ (یلمق) अ. पुं.–दे॰ 'यल्मः'।

यल्मान (یلمان) फ़ा. पुं.–तलवार, खड्ग।

यल्सब (یلسب) अ. पुं.–वह व्यक्ति जो विवाह-सम्बन्धी सारे संस्कार की पूर्ति करे।

यल्लले (یل للے) फ़ा. अव्य.–वह शब्द जो मस्ती और खुशी के समय बोलते हैं, जैसे—अहाहा, उहो हो।

यवाक़ीत (یواقیت) अ. पुं.–याक़ूत का बहु., बहुत-से याक़ूत।

यश्क (یشک) फ़ा. पुं.–नुकीले और बड़े दाँत, हाथी के बाहर निकले हुए दाँत, शेर आदि के लंबे दाँत, कुत्ते के नुकीले दाँत।

यश्कुर (یشکر) अ. पुं.–एक पैग़ंबर का नाम।

यश्ब (یشب) अ. पुं.–एक हरा और कठोर पत्थर जो दवा में चलता है और दिल धड़कने की बीमारी में लाभ देता है।

यश्मः (یشمہ) अ. पुं.–कच्चा चमड़ा, कच्ची खाल।

यश्म (یشم) फ़ा. पुं.–दे. 'यश्ब', दोनों शुद्ध हैं।

यश्माक़ (یشماق) तु. पुं.–स्त्रियों के सर का रूमाल।

यसरः (یسره) अ. पुं.–वे लिपियाँ जो उलटे हाथ की ओर से लिखी जाती हैं, जैसे—हिंदी, अंग्रेज़ी आदि।

यसल (یسل) अ. पुं.–सेना की पंक्ति, फ़ौज की क़तार।

यसाक़ (یساق) तु. पुं.–लड़ाई की तैयारी, सैन्य-सज्जा; दरबार, राजसभा।

यसार (یسار) अ. वि.–बायीं ओर, वामपक्ष; धनाढ्यता, अमीरी; उलटा हाथ।

यसारत (یسارت) अ. स्त्री.–धनाढ्यता, मालदारी।

यसाल (یسال) अ. पुं.–दे. 'यसल', दोनों शुद्ध हैं।

यसावुल (یساول) तु. पुं.–चोबदार, दंडधारी; दरबार, सेना अथवा सभा का प्रबंध करनेवाला; बंदी, नक़ीब।

यसिर (یسر) अ. वि.–सुगम, सरल, आसान, सहज।

यसीर (یسیر) अ. वि.–सुगम, सरल, सहज; न्यून, थोड़ा; वह बालक जिसकी माँ न हो, (इस अर्थ में उर्दू है)।

यस्रः (یسرہ) अ. पुं.–उलटी ओर, बायीं तरफ़, वामपक्ष।

यस्र (یسر) अ. पुं.–ऊँट हलाल करना; दान देना, बख़्शना।

यस्रिब (یثرب) अ. पुं.–मदीनः, अरब का एक प्रसिद्ध नगर।

यहूद (یہود) अ. पुं.–'यहूदी' का बहु., यहूदी लोग।

यहूदा (یہودا) अ. पुं.–हज़रत यूसुफ़ के बड़े भाई।

यहूदी (یہودی) अ. पुं.–हज़रत मूसा के धर्म का अनुयायी, इस्राईली; ज़लील क़िस्म का सरमायादार, धन पिशाच।

यहफ़ूफ़ (یہفوف) अ. वि.–दक्ष, प्रवीण, ज़ीरक; तीव्र बुद्धि, तेज़ अक़्ल; उदास, मलिन, बद दिल।

यहमूम (یحموم) अ. पुं.–काला धुंवाँ; काली रात; रस्सी बटना।

यह्मूर (یحمور) अ. पुं.–जंगली गधा, वनगर्दभ, गोरख़र।

यह्या (یحیی) अ. पुं.–एक पैग़ंबर।

या

या (یا) फा. अव्य.–संबोधन का शब्द, हे, ऐ, ओ, अरे; अथवा, ख़्वाह।

यामसफ़ा (یااسفی) अ. वा.–हाए अफ़सोस।

याए तहतानी (یاے تحتانی) अ. स्त्री.–वह 'ये' जिसके नीचे नुक़्ते हों, चूंकि फ़ार्सी में 'ता' और 'या' एक से लिखे जाते हैं, केवल ऊपर और नीचे के नुक़्तों का फ़र्क़ है, इसलिए तहतानी लिखने से 'ये' ही समझा जायगा, यह उस समय के लिए था जब किताबें क़लमी लिखी जाती थीं और बहुत ग़लतियाँ होती थीं।

याए फ़ार्सी (یاےفارسی) अ. फा. स्त्री.–दे. 'याए मजहूल'।

याए मजहूल (یاے مجہول) अ. स्त्री.–वह 'ये' जो लंबी लिखी जाती है, और 'ए' की आवाज़ देती है।

याए मा'कूस (یاے معکوس) अ. स्त्री.–दे. 'याए मजहूल'।

याए मा'रूफ़ (یاے معروف) अ. स्त्री.–वह 'ये' जो गोल लिखी जाती है और 'ई' की आवाज़ देती है।

याक़ः (یاقہ) तु. पुं.–क़मीस का कालर; कुर्ते का गला।

याक़ (یاق) अ. पुं.–कंगन।

याक़िस्मत (یاقسمت) फा. अ. वा.–हाए रे बुरे भाग्य।

याक़ूत (یاقوت) अ. पुं.–एक प्रसिद्ध रत्न, पुलक; एक बहुत बड़ा ख़ुशनवीस।

याक़ूत रक़म (یاقوت رقم) अ. वि.–याक़ूत ख़ुशनवीस-जैसा लिखनेवाला, अर्थात् बहुत अच्छा लिपिकार।

याक़ूती (یاقوتی) अ. स्त्री.–एक यूनानी दवा जिसमें याक़ूत पड़ता है।

याक़ूते जिगरी (یاقوت جگری) अ. फा. पुं.–कलेजी के रंग का याक़ूत।

याक़ूते रवाँ (یاقوت رواں) अ. फा. पुं.–तरल और बहता हुआ याक़ूत अर्थात् लाल मदिरा।

याक़ूते रुम्मानी (یاقوت رمانی) अ. पुं.–अनार के दानों-जैसा गुलाबी याक़ूत।

याक़ूते सय्याल (یاقوت سیال) अ. पुं.–बहता हुआ याक़ूत, अर्थात् लाल शराब।

या'क़ूब (یعقوب) अ. पुं.–हज़रत यूसुफ़ के पूज्य पिता जो उनके विरह में अंधे हो गये थे; चकोर।

याख़्तः (یاختہ) फा. वि.–ज़ाहिर किया हुआ, प्रकटित; बाहर निकाला हुआ, बहिष्कृत; किसी काम के करने के लिए बढ़ा हुआ।

याख़्तनी (یاختنی) फा. वि.–प्रकट करने योग्य; बाहर निकालने योग्य; काम के लिए बढ़ने योग्य।

याग़ (یاغ) तु. पुं.–तेल, स्नेह, तैल, रौग़न।

याग़िस्तान (یاغستان) फा. पुं.–अफ़ग़ानिस्तान का एक इलाक़ा।

याग़ी (یاغی) तु. वि.–विद्रोही, राजद्रोही, बाग़ी।

याज़ः (یازہ) फा. पुं.–कँपकँपी, थरथरी, कंप, लर्ज़ः।

याज़ (یاز) फा. पुं.–इच्छा, ख़्वाहिश; संकल्प, इरादा।

याज़दः (یازدہ) फा. वि.–दे. 'याज़्दः'।

याज़ाँ (یازاں) फा. वि.–आक्रमण करता हुआ; हाथ बढ़ाता हुआ।

याज़िंदः (یازندہ) फा. वि.–इच्छा करनेवाला, इच्छुक; किसी काम के लिए हाथ बढ़ानेवाला।

याज़िश (یازش) फा. स्त्री.–इच्छा, इरादा; काम के लिए बढ़ना; हस्तक्षेप, दस्तंदाज़ी।

याज़ीदः (یازیدہ) फा. वि.–जिस वस्तु की इच्छा की गयी हो; जिस कार्य के लिए हाथ बढ़ाया गया हो।

याजूज (یاجوج) अ. पुं.–एक प्राचीन जाति जिसका वर्णन क़ुरान में है।

याजूजोमाजूज (ياجوج و ماجوج) अ.पुं.—याजूज और माजूज दो प्राचीन जातियाँ, जिनके आक्रमण से बचने के लिए दीवारें चीन में बनी थीं।

याज़दः (يازده) फा. वि.—ग्यारह, एकादश।

याज़दहुम (يازدهم) फा. वि.—ग्यारहवाँ, एकादश।

यादः (يادہ) फा. पुं.—स्मरण शक्ति, क़ुव्वते हाफ़िज़ा।

याद (ياد) फा. स्त्री.—स्मृति, याददाश्त; स्मरण शक्ति, हाफ़िज़ा; ध्यान, ख़याल; ज़ेह्न, प्रतिभा; चित्त, मन; अनुधान, तसव्वुर; स्मारक, यादगार।

यादआवरी (یاد آوری) फा. स्त्री.—दे. 'यादावरी', वह अधिक फ़सीह है।

यादगार (یادگار) फा. स्त्री.—निशानी, स्मृति-चिह्न; स्मारक, यादगारी का कोई विशेष चिह्न, जैसे—मीनार आदि; पुत्र, बेटा।

यादगारी (یادگاری) फा. स्त्री.—दे. 'यादगार'।

यादगारे ज़माना (یادگار زمانہ) फा. स्त्री.—ऐसा व्यक्ति, जो सबके लिए स्मृति का कारण हो।

याददाश्त (یادداشت) फा. स्त्री.—स्मरण शक्ति, हाफ़िज़ा; ज्ञापन, मेमोरॅन्डम।

याददेहानी (یاددهانی) फा. स्त्री.—भूली हुई बात को स्मृति में लाना, याद दिलाना, स्मरण कराना।

यादफ़रामोश (یادفراموش) फा. वि.—जिसे बात याद न रहती हो, जो किसी व्यक्ति को याद न रखता हो, स्मृति-विस्मारक।

यादफ़र्माई (یادفرمائی) फा. स्त्री.—याद करना; पास बुलाना।

यादबूद (یادبود) फा. स्त्री.—स्मृति-चिह्न, निशानी।

यादर (یادر) फा. पुं.—हर ईरानी महीने की बारहवीं तारीख़।

यादश बख़ैर (یادش بخیر) फा. अ. वा.—किसी व्यक्ति की चर्चा चलने पर उसके लिए बोलते हैं, उसकी याद अच्छी रहे।

यादावरी (یادآوری) फा. स्त्री.—याद करना; पास बुलाना।

यादे ऐयाम (یاد ایام) फा. अ. स्त्री.—पिछले अच्छे दिनों का स्मरण।

यानः (یانہ) तु. पुं.—ओर, तरफ़; दिशा, जानिब।

यान (یان) फा. पुं.—बकवास, मिथ्यावाद; बीमारी की बकवास, हज़यान।

यानसीब (یانصیب) फा. अ. वा.—दे. 'याक़िस्मत'।

या'नी (یعنی) अ. अव्य.—मत्लब यह कि, अर्थात्।

या'नीचे (یعنی چہ) अ. फा. अव्य.—इसका क्या अर्थ है, ऐसा क्यों है, इसके क्या मा'नी ?

याने' (یانع) अ. पुं.—वह फल अथवा मेवा जो पक गया हो और खाने के योग्य हो।

याफ़ः (یافہ) फा. वि.—दे. 'याव:', दोनों शुद्ध हैं।

याफ़ःदिरा (یافہ درا) फा. वि.—अनर्थवादी, झूठा; बक-वासी, वाचाल; डींगिया, शेख़ीख़ोरा।

याफ़ःदिराई (یافہ درائی) फा. स्त्री.—झूठ बोलना; बकवास करना; डींग मारना।

याफ़र (یافر) फा. पुं.—कौतुकी, बाज़ीगर; चित्रकार, मुसव्विर।

याफ़ूख़ (یافوخ) अ. पुं.—तालू, तालव।

या'फ़ूर (یعفور) अ. पुं.—मृग, हरिण, हरिन।

याफ़े' (یافع) अ. पुं.—लंबे डील-डौल का जवान।

याफ़्तः (یافتہ) फा. वि.—पाया हुआ, जिसे मिला हो, दूसरे शब्द के साथ मिलकर आता है, अकेला नहीं बोला जाता, जैसे—ख़िताबयाफ़्त:, सनदयाफ़्त: आदि।

याफ़्त (یافت) फा. स्त्री.—लाभ, प्राप्ति, नफ़ा'; आय, आमदनी; उत्कोच, रिश्वत।

याफ़्तनी (یافتنی) फा. वि.—पाने योग्य, मिलने योग्य; जो किसी से मिलना हो (धन)।

याब (یاب) फा. प्रत्य.—प्राप्त होनेवाला, मिलनेवाला जैसे—'कमयाब' कम प्राप्त होनेवाला।

याबान (یابان) अ. पुं.—जापान, एक प्रसिद्ध देश।

याबिंदः (یابندہ) फा. वि.—पानेवाला, प्राप्त करनेवाला।

याबिंदगी (یابندگی) फा. स्त्री.—पाना, प्राप्ति।

याबिस (یابس) अ. वि.—ख़ुश्क, सूखा हुआ, शुष्क; मिज़ाज में ख़ुश्की पैदा करनेवाला।

याबू (یابو) तु. पुं.—टट्टू, छोटा घोड़ा; लद्दू घोड़ा, जिस पर बोझ लादते हैं।

या'बूब (یعبوب) अ. पुं.—तेज चलनेवाला घोड़ा; तेज बहनेवाली नदी की धारा।

यामः (یامہ) फा. पुं.—डाक की चौकी, मह्ला।

याम (یام) अ. पुं.— नूह का एक पुत्र।

या'मरः (یعمرہ) अ. पुं.—बकरा जो सिंह के शिकार के लिए बाँधा जाय।

या'मलः (یعملہ) अ. स्त्री.—तगड़ी और लद्दू ऊँटनी।

या'मल (یعمل) अ. पुं.—तगड़ा और लद्दू ऊँट।

यामिन (یامن) अ. पुं.—सीधी ओर, दायीं तरफ़।

यामी (یامی) फा. वि.—रोगी, बीमार।

या'मूर (یعمور) अ. पुं.—बकरी या भेड़ का बच्चा।

या या (یایا) फा. अव्य.—शिकारी चिड़िया।

यारः (یارہ) फा. पुं.—कंगन, कंकण; घाव, ज़ख़्म; कर, महसूल।

यार (یار) फा. पुं.–मित्र, दोस्त; सहायक, मददगार; प्रेमपात्र, मा'शूक़; शब्द के अंत में 'वाला' का अर्थ देता है, जैसे—'होशयार'।

यारक़ंद (یارقند) तु. पुं.–चीनी तुर्किस्तान का एक प्राचीन नगर।

यारक (یارک) फा. स्त्री.–बच्चादानी, गर्भाशय, रहिम।

यारक़ (یارق) अ. पुं.–कंगन, कलाई में पहनने का एक आभूषण, कंकण।

यारगी (یارگی) फा. स्त्री.–बल, शक्ति, ज़ोर; सामर्थ्य, मक़्दूर।

यारनामः (یارنامہ) फा. पुं.–पुण्य और यश का काम, नेकनामी का काम।

यारफ़रोश (یارفروش) फा. वि.–मित्र की प्रशंसा करनेवाला।

यारफ़रोशी (یارفروشی) फा. स्त्री.–मित्र की प्रशंसा करना।

यारबाज़ (یارباز) फा. वि.–दे. 'यारबाश'।

यारबाश (یارباش) फा. वि.–मित्रों में घुल-मिलकर रहने वाला, मित्रों में अधिक समय व्यतीत करनेवाला।

यारबाशी (یارباشی) फा. स्त्री.–मित्रों में खूब घुल-मिलकर रहना।

यारमंद (یارمند) फा. वि.–दोस्ती निबाहनेवाला, सच्चा दोस्त; सहायक, मददगार।

यारमंदी (یارمندی) फा. स्त्री.–दोस्ती मैत्री; सहायता, मदद।

यारस (یارس) फा. वि.–सहायक, मददगार।

यारस्तः (یارستہ) फा. पुं.–शक्तिशाली, ताक़तवर।

यारां (یاراں) फा. पुं.–'यार' का बहु., मित्रगण, मित्रमंडली।

यारा (یارا) फा. पुं.–बल, शक्ति, ज़ोर; सामर्थ्य, मक़्दूर; सहनशीलता, तहम्मुल।

याराई (یارائی) फा. स्त्री.–सहायता, मदद; उपचार, इलाज।

याराए ज़ब्त (یارائے ضبط) फा. अ. पुं.–सहन करने की शक्ति, सहनशीलता।

याराए सब्र (یارائے صبر) फा. अ. पुं.–धैर्यशक्ति, धीरज धरने की शक्ति।

यारानः (یارانہ) फा. पुं.–मित्रता, मैत्री, दोस्ती।

याराने अदम (یاران عدم) फा. अ. पुं.–मरे हुए मित्र; यमलोक निवासी, मरनेवाले।

याराने क़दीम (یاران قدیم) फा. अ. पुं.–पुराने मित्र, लँगोटिया यार।

याराने रफ़्तः (یاران رفتہ) फा. पुं.- दे. 'याराने अदम'।

यारी (یاری) फा. स्त्री.–मित्रता, दोस्ती; सहायता, मदद।

यारीगर (یاری گر) फा. वि.–सहायक, मददगार।

यारीगरी (یاری گری) फा. स्त्री.–सहायता, मदद।

यारे अज़ीज़ (یار عزیز) फा. अ. पुं.–बहुत ही घनिष्ठ मित्र; बहुत ही प्यारा माशूक़।

यारे ग़ार (یار غار) फा. अ. पुं.–सच्चा और घनिष्ठ मित्र, यह हज़रत अबूबक्र सिद्दीक़ की ओर संकेत है, जो हज़रत मुहम्मद साहब के ग़ार में छिपने के समय उनके साथ थे।

यारे जानी (یار جانی) फा. पुं.–प्राणों की भाँति प्यारा मित्र, बहुत ही घनिष्ठ मित्र।

यारे शातिर (یار شاطر) फा. अ. पुं.–ऐसा मित्र जो दुःख और चिंता में मन बहलाए।

यालः (یالہ) फा. पुं.–विषाण, शृंग, सींग।

याल (یال) तु. पुं.–गला, गर्दन; घोड़े के गले के बाल।

यालगूपाल (یال گوپال) फा. पुं.–स्थूलता, मुटापा; वैभव, शानोशौकत।

या'लूल (یعلول) अ. पुं.–पानी का बुलबुला; शिश्न, लिंग।

यावः (یاوہ) तु. वि.–अनर्थ, अनर्गल, बेहूदा; अप्राप्य, नापैद।

यावःकार (یاوہ کار) तु. फा. वि.–अनर्थ के कार्य करनेवाला, ऐसे काम करनेवाला जिनका कोई फल न हो, मिथ्याकार।

यावःकारी (یاوہ کاری) तु. फा. स्त्री.–व्यर्थ के कार्य करना, मिथ्या कर्म।

यावःगो (یاوہ گو) तु. फा. वि.–अनर्थवादी, झूठा; वाचाल, बकबासी; डींगिया, शेख़ीख़ोर।

यावःगोई (یاوہ گوئی) तु. फा. स्त्री.–अनर्थवाद, झूठ बोलना; वाचालता, बकवास करना; डींग मारना।

यावःदिरा (یاوہ درا) तु. फा. वि.–दे. 'यावःगो'।

यावःदिराई (یاوہ درائی) तु फा. स्त्री.–दे. 'यावःगोई'।

यावःसरा (یاوہ سرا) तु. फा. वि.–दे. 'यावःगो'।

यावःसराई (یاوہ سرائی) तु. फा. स्त्री.–दे. 'यावःगोई'।

यावंद (یاوند) फा. पुं.–राजा, बादशाह; प्राप्तकाम, सफल मनोरथ।

यावर (یاور) फा. वि.–सहायक, पोषक, मददगार।

यावरी (یاوری) फा. स्त्री.–सहायता, मदद।

यासः (یاسہ) फा. पुं.–इच्छा, अभिलाषा, आर्ज़ू; आदेश, हुक्म; राजनीति, सियासत; विधान, क़ानून।

यास (یاس) फा. स्त्री.–चमेली, नव मल्लिका।

यास (یاس) अ. स्त्री.–निराशा, नैराश्य, नाउम्मेदी।

यासअंगेज़ (یاس انگیز) अ. फा. वि.–निराशा उत्पन्न करनेवाला, निराशाजनक।

यासआमेज़ (یاس آمیز) अ. फा. वि.—निराशापूर्ण, जिसमें नाउम्मेदी हो।

यासज (یاسج) फा. पुं.—वह बाण जिसमें फल हो; बाण का फल जिसमें दुहरी धार हो; भाला, बरछा; दुःखी की हाय।

यासमन (یاسمن) अ. स्त्री.—दे. 'यासमीन'।

यासमीं (یاسمیں) अ. स्त्री.—'यासमीन' का लघु., दे. 'यासमीन'।

यासमींइज़ार (یاسمیں عذار) अ. वि.—जिसके गाल फूल-जैसे कोमल, मृदुल और सफ़ेद हों।

यासमींबू (یاسمیں بو) अ. फा. वि.—चमेली-जैसी सुगंध रखनेवाला (वाली)।

यासमींरुख़ (یاسمیں رخ) अ. फा. वि.—दे. 'यासमीं इज़ार'

यासमींरू (یاسمیں رو) अ. फा. वि.—दे. 'यासमीं इज़ार'।

यासमीन (یاسمین) अ. स्त्री.—चमेली का फूल, नवमल्लिका।

यासमून (یاسمون) अ. स्त्री.—दे. 'यासमीन'।

यासा (یاسا) तु. पुं.—मृतशोक, मातम; वध, हिंसा, क़त्ल; लूटमार; प्रतिहिंसा, ख़ून का बदला।

यासान (یاسان) फा. पुं.—योग्य, पात्र, लाइक़।

यासिम (یاسم) अ. स्त्री.—दे. 'यासमीन'।

यासीन (یاسین) अ. स्त्री.—क़ुरान की एक सूरत, जो मरते समय मुसलमान को सुनायी जाती है।

यासीनख़्वाँ (یاسین خواں) अ. फा. वि.—यासीन पढ़नेवाला, मरते समय यासीन सुनाने वाला।

या'सूब (یعسوب) अ. पुं.—शहद की मक्खियों का राजा, अपनी जाति का सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति, जिसकी आज्ञा का पालन सब करें।

याह याह (یاہ یاہ) अ. अव्य.—ऊँट हाँकते समय बोला जानेवाला शब्द।

याहू (یاہو) फा. पुं.—एक कबूतर, जो 'याहू याहू' बोलता है।

यि

यिग़: (یغہ) तु. स्त्री.—भोजन, ख़ूराक।

यिर्लीग़ (یرلیغ) तु. पुं.—राजादेश, राजाज्ञा, फ़र्मान।

यी

यील (ییل) तु. पुं.—वर्ष, वत्सर, साल।

यीलाक़ (ییلاق) तु. पुं.—ग्रीष्म काल में रहने का ठंडा स्थान

यीलान (ییلان) तु. पुं.—सर्प, साँप।

यु

युक़ (یوق) तु. वि.—समीप, निकट, नज़दीक।

युग़ला (یغلا) अ. पुं.—तलने की छोटी कड़ाही, फ़ाईपैन।

युबूसत (یبوست) अ. स्त्री.—शुष्कता, ख़ुश्की, सूखापन; मिज़ाज की ख़ुश्की; तासीर की ख़ुश्की।

युब्स (یبس) अ. पुं.—दे. 'युबूसत'।

युब्सेबत्न (یبس بطن) अ. पुं.—पेट की ख़ुश्की, अर्थात् कोष्ठ-बद्धता, क़ब्ज़।

युम्किन (یمکن) अ. वि.—संभव है, मुम्किन है।

युम्न (یمن) अ. पुं.—कल्याण, शुभ कारिता, सआदत।

युम्ना (یمنیٰ) अ. स्त्री.—सीधे ओर की, सीधे पक्ष की।

युराश (یراش) फा. पुं.—प्रस्थान, कूच, खानगी; ध्यान, ख़याल, तवज्जोह।

युरुश (یورش) तु. स्त्री.—आक्रमण, धावा, चढ़ाई; युद्ध में जाने के लिए घोड़े पर चढ़ना; शीघ्रता करना।

युर्त (یرت) तु. स्त्री.—पड़ाव, ठहराव, मंज़िल; आवास, क़ियामगाह; गृह, घर, मकान।

युर्तग: (یرتگہ) तु. पुं.—घर, गेह, मकान; चौकी, पड़ाव, महल्ला।

युल (یول) तु. पुं.—पथ, मार्ग, राह, रस्ता।

युलची (یول چی) तु. वि.—पथप्रदर्शक, राहबर; पथिक, मुसाफ़िर; हरकारा, क़ासिद; रस्ते में बैठकर भीख माँगनेवाला।

युल्म: (یلمہ) तु. पुं.—पशुओं को नाँद में खिलायी जानेवाली वस्तु, सानी।

युवाश (یواش) तु. पुं.—सधाया हुआ मृदु चाल चलनेवाला घोड़ा, जो बड़े लोगों की सवारी के योग्य हो।

युसुर (یسر) अ. पुं.—सुगम होना, आसान होना; जुआ खेलना, द्यूत-कर्म।

युस्र (یسر) अ. पुं.—सुगमता, सरलता, आसानी; जुआ खेलना, क़िमारबाज़ी।

यू

यूक (یوک) फा. स्त्री.—वह पोटली, जिस पर नान रखकर तनूर में लगाते हैं।

यूज: (یوجہ) फा. पुं.—बूँद, बिंदु, क़त्रा।

यूज़: (یوزہ) फा. पुं.—पेड़ का तना, पेड़ी, स्कंध।

यूज़ (یوز) फा. पुं.—चीता, एक प्रसिद्ध हिंसक जंतु; खोज, जिज्ञासा, तलाश।

यूज़ (یوز) तु. वि.—एक सौ, शत।

यूज़क (یوزک) फा. पुं.–छोटा चीता, चीते का बच्चा; एक शिकारी कुत्ता जो शिकार की बू पाकर उसका पीछा करता है।

यूज़बाशी (یوزباشی) तु. पुं.–सौ सवारों का अध्यक्ष।

यूज़ीदः (یوزیدہ) फा. वि.–ढूँढ़ा हुआ, तलाश किया हुआ, जिज्ञासित; बुलाया हुआ, आहूत।

यूनान (یونان), अ. पुं.–यूरोप का एक प्रसिद्ध देश जहाँ के वैज्ञानिक लोग सारे संसार के मान्य हुए हैं, और आज साइंस की जितनी उन्नति है, इसकी पहली ज्योति वहीं जगी थी, अब से तीन हज़ार वर्ष पूर्व यह स्थान विद्या का घर था।

यूनानी (یونانی) अ. वि.–यूनान का निवासी; यूनान की भाषा; एक चिकित्सा पद्धति।

यूनुस (یونس) अ. पुं.–एक पैग़म्बर, यह शब्द 'यूनस' और 'यूनिस' भी है।

यूफ़ी (یوفی) फा. वि.–बकवासी, वाचाल, मुखर।

यूसुफ़ (یوسف) अ. पुं.–एक पैग़म्बर जो अत्यंत सुन्दर थे।

यूसुफ़जबीं (یوسف جبیں) अ. वि.–युसूफ़-जैसा माथा रखनेवाला (वाली) अर्थात् बहुत ही सुंदर।

यूसुफ़जमाल (یوسف جمال) अ. वि.–युसुफ़-जैसा सौन्दर्य रखनेवाला (वाली)।

यूसुफ़तल्अत (یوسف طلعت) अ. वि.–दे. 'यूसुफ़जमाल'।

यूसुफ़तिम्साल (یوسف تمثال) अ. वि.–दे. 'यूसुफ़जमाल'।

यूसुफ़शमाइल (یوسف شمائل) अ. वि.–यूसुफ़-जैसे स्वभाव-वाला

यूसुफ़सिफ़ात (یوسف صفات) अ. वि.–युसुफ़-जैसे गुणोंवाला।

यूसुफ़े सानी (یوسف ثانی) अ. पुं.–जो देखने में बिलकुल यूसुफ़ जान पड़े, अत्यंत सुन्दर, यूसुफ़ का जोड़।

यूह (یوح) अ. पुं.–सूर्य, रवि, सूरज।

यो

योग़ (یوغ) फा. पुं.–बैल की गर्दन पर रखा जानेवाला जुआ।

योयः (یویہ) फा. पुं.–इच्छा, इरादा; संकल्प, अज़्म।

यौ

यौम (یوم) अ. पुं.–दिन, दिवस, दिवा।

यौमन फ़ यौमन (یوماً فیوماً) अ. अव्य.–दिन प्रतिदिन, रोज़ब रोज़; धीरे-धीरे, क्रमशः

यौमियः (یومیہ) अ. वि.–दैनिक, रोज़ाना; हररोज़, प्रतिदिन; रोज़ीना, रोज मिलनेवाला धन या खुराक़।

यौमीयः (یومیہ) अ. वि.–दे. 'यौमियः', शुद्ध उच्चारण यही है, परंतु बहुत कम बोला जाता है।

यौमुत्तनाद (یوم التناد) अ. पुं.– दे. 'यौमुलक़ियामत'।

यौमुन्नुशूर (یوم النشور) अ. पुं.–दे. 'यौमुलक़ियामत'।

यौमुलउर्बआ (یوم الاربعا) अ. पुं.–बुधवार।

यौमुलअहद (یوم الاحد) अ. पुं.–रविवार, इतवार।

यौमुल इस्नैन (یوم الاثنین) अ. पुं.–सोमवार, पीर।

यौमुलक़ियामत (یوم القیامت) अ. पुं.–क़ियामत का दिन, जब मुर्दे क़ब्रों से निकलकर उठ खड़े होंगे, वह सब एक बड़े मैदान में एकत्र होंगे और उनके कर्मों का हिसाब-किताब होगा, और दंड अथवा पुरस्कार दिया जायगा।

यौमुलख़मीस (یوم الخمیس) अ. पुं.–बृहस्पतिवार, जुमेरात।

यौमुलजज़ा (یوم الجزا) अ. पुं.–दे. 'यौमुलक़ियामत'।

यौमुलबाहूर (یوم الباحور) अ. पु.–'बोहरान' का दिन, यूनानी चिकित्सा में इस सिद्धांत के अनुसार युद्धवाला दिन। इस दिन प्रकृति और रोग में युद्ध होता है, जब प्रकृति जीत जाती है तो रोग नष्ट हो जाता है और रोग जीत जाता है तो मृत्यु हो जाती है। इस युद्ध को 'बोहरान' कहते हैं।

यौमुलहश्र (یوم الحشر) अ. पुं.–दे. 'यौमुलक़ियामत'।

यौमुलहिसाब (یوم الحساب) अ. पुं.–दे. 'यौमुल-क़ियामत'।

यौमुस्सब्त (یوم السبت) अ. पुं.–शनिवार, शनीश्चर।

यौमुस्सलसा (یوم الثلثا) अ. पुं.–मंगलवार, मंगल।

यौमे आज़ादी (یوم آزادی) अ. फा. पुं.–स्वतंत्रता दिवस।

यौमे वफ़ात (یوم وفات) अ. पुं.–मरने का दिन।

यौमे विलादत (یوم ولادت) अ. पुं.–जन्म लेने का दिन, जिस दिन जन्म हो, जन्म-दिन।

यौमे हुसैन (یوم حسین) अ. पुं.–हज़रत इमाम हुसैन की शहादत के दिन का उत्सव।

र

रंग (رنگ) फा. पुं.–चीज़ों का रंग, वर्ण; रंगने का मसाला, रंग; आनंद, लुत्फ़; हर्ष, ख़ुशी; शोभा, रौनक़; पद्धति, तर्ज़; भोग-विलास, ऐश; आचार व्यवहार, रंग-ढंग; होली का अबीर और गुलाल आदि; बदन या चेहरे की रंगत, वर्ण; विचित्र स्थिति या हालत,—"वह रंग होगा हश्र को मुश्ताक़े यार का, जैसे कि ईद को हो रुख़े रोज़ा-दार सुर्ख़।

रंगअंदाज़ (رنگ انداز) फा. वि.–रंग डालनेवाला, रंग छिड़कनेवाला (वाली)।

रंगअंदाज़ी (رنگ اندازی) फा. स्त्री.–रंग छिड़कना।

रंगअफ़्शां (رنگ افشاں) फा. वि.–रंग फैलानेवाला (वाली)

रंगअफ़शानी (رنگ افشانی) फा. स्त्री.–रंग बिखेरना, रंग फैलाना।

रंगआमेज़ (رنگ آمیز) फा. वि.–रंग भरनेवाला, अर्थात् चित्रकार, नक़्क़ाश।

रंगआमेज़ी (رنگ آمیزی) फा. स्त्री.–चित्र-कर्म, नक़्क़ाशी; अतिरंजन, अत्युक्ति, मुबालग़ः।

रंगत (رنگت) अ. स्त्री.–रंग, वर्ण; दशा, हालत; तौर तरीक़ा, रंग-ढंग; शोभा, रौनक़; आनंद, लुत्फ़, मज़ा; बदन या चेहरे का रंग, वर्ण।

रंगतरः (رنگترہ) फा. पुं.–संतरा, मीठी नारंगी।

रंगदार (رنگ دار) फा. वि.–रंगा हुआ, रंजित।

रंगपरीदः (رنگ پریدہ) फा. वि.–उड़े हुए रंगवाला, फीके रंगवाला; जिसका रंग भय या लज्जा से उड़ गया हो।

रंगपरीदगी (رنگ پریدگی) फा. स्त्री.–रंग का फीका पड़ जाना; लज्जा या भय से चेहरे का रंग उड़ जाना।

रंगपाश (رنگ پاش) फा. वि.–रंग छिड़कनेवाला (वाली)।

रंगपाशी (رنگ پاشی) फा. स्त्री.–रंग छिड़कना; होली आदि खुशी के अवसर पर एक-दूसरे पर रंग डालना।

रंगफ़रोश (رنگ فروش) फा. वि.–रंग बेचनेवाला।

रंगफ़रोशी (رنگ فروشی) फा. स्त्री.–रंग बेचने का काम।

रंगफ़िशाँ (رنگ فشاں) फा. वि.–'रंगअफ़शाँ' का लघु., दे. 'रंगअफ़शाँ'।

रंगफ़िशानी (رنگ فشانی) फा. स्त्री.–'रंग अफ़शानी' का लघु., दे. 'रंगअफ़शानी'।

रंगबरंग (رنگ برنگ) फा. वि.–चित्र-विचित्र, रंगारंग।

रंगबस्त (رنگ بست) फा. वि.–पक्का रंग।

रंगबार (رنگ بار) फा. वि.–दे. 'रंगपाश'।

रंगबारी (رنگ باری) फा. स्त्री.–दे. 'रंगपाशी'।

रंगमहल (رنگ محل) फा. अ. पुं.–बड़े लोगों के भोग-विलास का स्थान, ऐशगाह।

रंगरज़ (رنگرز) फा. वि.–रंगनेवाला, कपड़े रँगनेवाला, रँगरेज़।

रंगरेज़ (رنگریز) फा. वि.–चित्रकार, चितेरा, रँगनेवाला, रँगरेज, कपड़े रँगनेवाला।

रंगशिकस्तः (رنگ شکستہ) फा. वि.–जिसका रंग फीका पड़ गया हो, उतरे हुए रंगवाला।

रंगसाज़ (رنگ ساز) फा. वि.–रंग बनानेवाला; रँगनेवाला, पेंटर।

रंगसाज़ी (رنگ سازی) फा. स्त्री.–रंग बनाने का काम; रँगने का काम, पेंटरी।

रंगारंग (رنگارنگ) फा. वि.–रंग-बरंगी, चित्र-विचित्र।

रंगीं (رنگیں) फा. वि.–'रंगीन' का लघु., दे. 'रंगीन'।

रंगींअंदाम (رنگیں اندام) फा. वि.–गोरे शरीरवाला, गौरवर्ण।

रंगींअदा (رنگیں ادا) फा. वि.–सुंदर अदाओंवाला (वाली)।

रंगींअदाई (رنگیں ادائی) फा. स्त्री.–प्रेमिका की सुंदर अदाओं का भाव।

रंगींइज़ार (رنگیں عذار) फा. अ. वि.–सुर्ख़ गालोंवाला, (वाली)।

रंगींइज़ारी (رنگیں عذاری) फा. अ. स्त्री.–गोरापन, गालों की सुर्ख़ी।

रंगींक़ामत (رنگیں قامت) फा. वि.–दे. 'रंगींअंदाम'।

रंगींचेह्रः (رنگیں چہرہ) फा. अ. वि.–रूपवान्, सुन्दर मुखवाला (वाली)।

रंगींजमाल (رنگیں جمال) फा. अ. वि.–गोरे रंगवाला, गौरवपूर्ण।

रंगींतकल्लुम (رنگیں تکلم) फा. अ. वि.–जिसकी बातचीत बहुत ही सुन्दर और श्रुतिप्रिय हो।

रंगींतबस्सुम (رنگیں تبسم) फा. अ. वि.–जिसकी मुस्कुराहट में मुँह से फूल झड़ते हों।

रंगींतब्अ (رنگیں طبع) फा. अ. वि.–खुशमिज़ाज, जिंदःदिल, विनोद रसिक; ऐयाश या शराबी।

रंगींतरन्नुम (رنگیں ترنم) फा. अ. वि.–जिसका गला बहुत ही सुन्दर हो।

रंगींनग़्मः (رنگیں نغمہ) फा. वि.–मधुर स्वरवाला (वाली) कलकंठ।

रंगींनज़र (رنگیں نظر) फा. अ. वि.–जिसकी दृष्टि केवल अच्छी चीज़ों पर पड़े, जो सौंदर्य को देखता हो।

रंगींनज़री (رنگیں نظری) फा. अ. स्त्री.–सौंदर्य को देखना, अच्छी चीज़ों पर नज़र डालना।

रंगींनवा (رنگیں نوا) फा. वि.–अच्छी आवाज़वाला (वाली) कलकंठ, मधुरस्वर।

रंगींनवाई (رنگیں نوائی) फा. स्त्री.–आवाज़ अच्छी होना, कलकंठता, स्वरमाधुर्य।

रंगींनिगाह (رنگیں نگاہ) फा. वि.–दे. 'रंगींनज़र'।

रंगींनिगाही (رنگیں نگاهی) फा. स्त्री.–दे. 'रंगीनज़री'।

रंगींमश्रब (رنگیں مشرب) फा. अ. वि.–ऐयाशी और शराबनोशी करनेवाला, रंगीला, रसिया।

रंगींमिज़ाज (رنگیں مزاج) फा. अ. वि.–हुस्नपरस्त, अच्छी सूरतों का क़द्रदान; शराबनोश, रसाशी।

रंगींमिज़ाजी (رنگیں مزاجی) फा. अ. स्त्री.—हुस्नपरस्ती; शराबनोशी।

रंगींरुख़ (رنگیں رخ) फा. वि.—रूपवान्, सुंदर, हसीन (पुरुष अथवा स्त्री)।

रंगींलब (رنگیں لب) फा. वि.—लाल होंठोंवाली, सुंदर होठोंवाली नायिका।

रंगींला'ल (رنگیں لال) फा. वि.—दे. 'रंगींलब'।

रंगींलिबास (رنگیں لباس) फा. अ. वि.—रंग-बरंगी कपड़े पहननेवाला (वाली)।

रंगींलिबासी (رنگیں لباسی) फा. अ. स्त्री.—रंग-बरंगी कपड़ों का शौक़।

रंगीन (رنگین) फा. वि.—रँगा हुआ, रंजित; विनोदप्रिय, ख़ुशमिज़ाज; चित्रित, मुनक़्क़श; शोभित, ख़ुशनुमा; चपल, चुलबुला, शोख़; शराब-कबाब और भोग विलास का शौक़ीन, विलासप्रिय।

रंगीनिए अदा (رنگینئی ادا) फा. स्त्री.—अदाओं का सौंदर्य।

रंगीनिए ग़ाज़ः (رنگینئی غازہ) फा. स्त्री.—मुख पर मलने के पाउडर का रंग।

रंगीनिए जमाल (رنگینئی جمال) फा. अ. स्त्री.—सुंदरता की विचित्रता रूप का सौंदर्य।

रंगीनिए तकल्लुम (رنگینئی تکلم) फा. अ. स्त्री.—बातचीत का माधुर्य, वार्तालाप का रस।

रंगीनिए तख़ातुब (رنگینئی تخاطب) फा. अ. स्त्री.—संबोधन का माधुर्य, प्रेयसी का प्रेमी की ओर मुख़ातब होने का माधुर्य।

रंगीनिए तबस्सुम (رنگینئی تبسم) फा. अ. स्त्री.—मुस्कान का माधुर्य और सौंदर्य।

रंगीनिए नज़र (رنگینئی نظر) फा. अ. स्त्री.—दृष्टि का अच्छी चीज़ पर पड़ने का भाव।

रंगीनिए निगाह (رنگینئی نگاہ) फा. स्त्री.—दे. 'रंगीनिए नज़र'।

रंगीनिए बहार (رنگینئی بہار) फा. स्त्री.—वसंत ऋतु की छटा और शोभा, बहार की रंगारंगी।

रंगीनिए माहौल (رنگینئی ماحول) फा. अ. स्त्री.—वातावरण का सौंदर्य, आस-पास का रूप और सुंदरता का वातावरण।

रंगीनिए रुख़ (رنگینئی رخ) फा. स्त्री.—मुखच्छटा, चेहरे का सौंदर्य और गुलाबीपन।

रंगीनिए लब (رنگینئی لب) फा. स्त्री.—होंठों की लाली, होंठों का रस।

रंगीनिए लिबास (رنگینئی لباس) फा. अ. स्त्री.—कपड़ों की रंगीनी और सुंदरता।

रंगीनिए शबाब (رنگینئی شباب) फा. अ. स्त्री.—यौवन का सौंदर्य, यौवन का निखार, यौवन का जोश।

रंगीनिए शराब (رنگینئی شراب) फा. अ. स्त्री.—शराब की रंगीनी; शराब का नशा; शराब की मस्ती।

रंगीनिए सहबा (رنگینئی صہبا) फा. स्त्री.—दे. 'रंगीनिए शराब'।

रंगीनिए हया (رنگینئی حیا) फा. अ. स्त्री.—लज्जा का सौंदर्य, प्रेमिका के मुँह छिपाने या आँखें नीची करने की छटा।

रंगीनिए हयात (رنگینئی حیات) फा. अ. स्त्री.—जीवन का रूप और सौंदर्य या भोग-विलास के बीच में गुज़रना।

रंगीनिए हुस्न (رنگینئی حسن) फा. अ. स्त्री.—सुंदरता की विचित्रता और रंगीनी।

रंगीनी (رنگینی) फा. वि.—रंगा हुआ होना; मस्ती, उन्माद; शोभा, छटा; ऐश, भोग-विलास।

रंगे गुल (رنگ گل) फा. पुं.—फूल का रंग; गुलाब की लाली; फूल की ताज़गी और हरा-भरापन; वसंत ऋतु की रंगीनी।

रंगे परीदः (رنگ پریدہ) फा. पुं.—उड़ा हुआ रंग, उतरा हुआ रंग, फीका रंग।

रंगे बहार (رنگ بہار) फा. पुं.—वसंत ऋतु की छटा, हर तरफ़ फूलों की शोभा।

रंगे बादः (رنگ بادہ) फा. पुं.—दे. 'रंगे शराब'।

रंगे मीना (رنگ مینا) फा. पुं.—शराब के शीशे का सुंदर रंग जो शराब के कारण हो जाता है।

रंगे मै (رنگ مے) फा. पुं.—दे. 'रंगे शराब'।

रंगे शिकस्तः (رنگ شکستہ) फ़ा. पुं.—हलका रंग, उतरा हुआ रंग, फीका रंग।

रंगे शीशः (رنگ شیشہ) फा. पुं.—शराब की बोतल का रंग जो शराब के कारण हो जाता है।

रंगे हुस्न (رنگ حسن) फा. अ. पुं.—हुस्न की शोभा और छटा।

रंगो बू (رنگ و بو) फा. पुं.—फूलों का रंग और उनकी सुगंध।

रंगोरोग़न (رنگ و روغن) फा. पुं.—रूप और छटा, हुस्न और आबोताब; लकड़ी आदि का रंग और वारनिश।

रंजः (رنجہ) फा. पुं.—कष्ट, क्लेश, तकलीफ़; दुःख, शोक, ग़म।

रंजःख़ातिर (رنجہ خاطر) फा. अ. वि.—दुःखित हृदय, मनस्तप्त, खिन्न, रंजीदा दिल।

रंज (رنج) फा. पुं.—कष्ट, तकलीफ़, दुःख, रंज, विपत्ति, मुसीबत; आघात, सद्मः; पीड़ा, दर्द; शोक, ग़म; मृत-शोक, मातम।

रंजे उल्फ़त (رنج الفت) फा. स्त्री.—प्रेम-वेदना, प्रणय-पीड़ा।

उदा.—"रंजे उल्फ़त में भी हँस-हँस के सहर करते हैं; हम हैं वह फूल जो कांटों में बसर करते हैं।"

रंजअफ़्ज़ा (رنج افزا) फा. वि.—दुःख बढ़ानेवाला, कष्टवर्द्धक।

रंजआगीं (رنج آگیں) फा. वि.—दुःख से भरा हुआ, दुःखपूर्ण।

रंजआश्ना (رنج آشنا) फा. वि.—दे. 'रंजाश्ना'।

रंजकशीदः (رنج کشیدہ) फा. वि.—जिसने दुःख उठाया हो, जो दुःख उठा चुका हो।

रंजज़ा (رنج زا) फा. वि.—दुःख पैदा करनेवाला, कष्टजनक, दुःखोत्पादक।

रंजदिहिंदः (رنج دہندہ) फा. वि.—कष्ट देनेवाला, कष्टदायक, दुःखदायी।

रंजदीदः (رنج دیدہ) फा. वि.—जिसने कष्ट और दुःख उठाया हो, उत्तप्त।

रंजदेह (رنج دہ) फा. वि.—कष्टदायक, दुःखदायी, रंज देनेवाला।

रंजफ़िज़ा (رنج فزا) फा. वि.—'रंजअफ़्ज़ा' का लघु., दे. 'रंजअफ़्ज़ा'।

रंजाश्ना (رنج آشنا) फा. वि.—दे. 'रंजदीदः'।

रंजिश (رنجش) फा. स्त्री.—वैमनस्य, मनोमालिन्य, मनमुटाव; नाराज़ी, अप्रसन्नता, ख़फ़गी।

रंजिशे बेजा (رنجش بیجا) फा. स्त्री.—बिना कारण का वैमनस्य, अकारण क्रोध, फ़ुज़ूल की ख़फ़गी।

रंजीदः (رنجیدہ) फा. वि.—दुःखित, संतप्त, ग़मगीन।

रंजीदःख़ातिर (رنجیدہ خاطر) फा. अ. वि.—दुःखित हृदय, मनस्तप्त, ग़मगीन।

रंजीदःदिल (رنجیدہ دل) फा. वि.—दुःखित हृदय, ग़मगीन।

रंजीदःदिली (رنجیدہ دلی) फा. स्त्री.—हृदय का दुःखित होना, ग़मगीनी।

रंजीदगी (رنجیدگی) फा. स्त्री.—संताप, दुःख, रंज, ग़म।

रंजीदनी (رنجیدنی) फा. वि.—दुःख मनाने योग्य, दुःखित होने योग्य।

रंजूर (رنجور) फा. वि.—दुःखित, ग़मगीन; रुग्ण, रोगी, बीमार।

रंजूरी (رنجوری) फा. स्त्री.—दुःख, कष्ट, ग़म; आमय, रोग, बीमारी।

रंजोअलम (رنج والم) फा. अ. पुं.—शोक और दुःख, बहुत अधिक शोक।

रंजोग़म (رنج وغم) फा. अ. पुं.—कष्ट और दुःख, हर प्रकार के कष्ट।

रंजोतअब (رنج وتعب) फा. अ. पुं.—कष्ट और थकन, परिश्रम और थकावट।

रंजोमिहन (رنج ومحن) फा. अ. पुं.—कष्ट और प्रयास, मेहनत और रंज।

रंदः (رندہ) फा. पुं.—बढ़ई का लकड़ी पर रंदा करने का यंत्र।

रआया (رعایا) अ. स्त्री.—'रईयत' का बहु., प्रजा, जनता, पब्लिक।

रआयापर्वर (رعایاپرور) अ. फा. वि.—रईयत को पालनेवाला, प्रजापालक, अर्थात् राजा, नरेश।

रईयत (رعیت) अ. स्त्री.—प्रजा, रिआया; जनता, अवाम।

रईयतनवाज़ (رعیت نواز) अ. फा. वि.—प्रजा पर दया करनेवाला, प्रजाप्रोषक।

रईयतपर्वर (رعیت پرور) अ. फा. वि.—प्रजा को पालने और परवरिश करनेवाला, प्रजापाल।

रईस (رئیس) अ. वि.—अध्यक्ष, सरदार; शासक, फ़र्मांरवा; धनाढ्य, मालदार।

रईसज़ादः (رئیس زادہ) अ. फा. पुं.—रईस का लड़का।

रईसे आ'ज़म (رئیس اعظم) अ. पुं.—सबसे बड़ा रईस।

रऊफ़ (رؤف) अ. वि.—बहुत अधिक दया और अनुकंपा करनेवाला, (पुं.) ईश्वर का एक नाम।

रक़बः (رقبہ) अ. पुं.—गर्दन, ग्रीवा।

रक़म (رقم) अ. स्त्री.—लिखना, मदद, अंक; रुपया-पैसा, धन, माल, (प्रत्य.) लिखनेवाला, जैसे—'ज़ूदरक़म' अर्थात् तेज़ लिखनेवाला।

रक़मज़न (رقم زن) लेखक, लिखनेवाला, लिपिक।

रक़मतराज़ (رقم طراز) अ. फा. वि.—दे. 'रक़मज़न'।

रक़मपिज़ीर (رقم پزیر) अ. फा. वि.—लिखित, लिखा हुआ।

रक़मसंज (رقم سنج) अ. फा. वि.—'दे. 'रक़मज़न'।

रक़मी (رقمی) अ. वि.—लिखित, लिखा हुआ; अंकित, निशान किया हुआ।

रक़ाइम (رقائم) अ. पुं.—'रक़ीमः' का बहु., लिखित पत्र।

रकाकत (رکاکت) अ. स्त्री.—अधमता, तुच्छता, कमीनगी; तिरस्कार, बेइज़्ज़ती।

रक़ाबत (رقابت) अ. स्त्री.—एक नायिका के दो प्रेमियों की परस्पर लाग-डांट; एक पुरुष की दो चाहनेवालियों में परस्पर डाह।

रक़ीक़ (رقیق) अ. वि.—पतला, तरल; कोमल, मुलाइम; द्रवीभूत, पिघला हुआ।

रकीक (رکیک) अ. वि.—अधम, तुच्छ, कमीना।

रक़ीक़ुलक़ल्ब (رقیق القلب) अ. वि.—जिसका हृदय बहुत ही कोमल हो, जो दूसरों के दुःख पर तुरंत ही पिघल जाय।

रकीकुलहरकात (رکیک الحرکات) अ. वि.—जो बहुत तुच्छ प्रकृति का हो और ओछे काम करे।

रकीन (رکین) अ. वि.–दृढ़, मज़बूत।

रक़ीबः (رقیبہ) अ. स्त्री.–वह स्त्री जो किसी पुरुष से प्रेम रखने के सम्बन्ध में दूसरी स्त्री से डाह रखती हो।

रक़ीब (رقیب) अ. पुं.–किसी स्त्री से प्रेम करनेवाले दो व्यक्ति परस्पर रक़ीब होते हैं।

रक़ीमः (رقیمہ) अ. वि.–लिखित काग़ज़, पत्र, ख़त।

रक़ीम (رقیم) अ. वि.–लिखित, लिखा हुआ।

रक़ीमए नियाज़ (رقیمۂ نیاز) अ. फ़ा. वि.–आवेदनपत्र, विनयपत्र, आजिज़ानाख़त।

रक्अत (رکعت) अ. स्त्री.–नमाज़ में एक क़याम (खड़ा होना) एक रुकूअ (झुकना) और दो सज्दों (ज़मीन पर माथा टेकना) का मज्मूअः।

रक़्क़ासः (رقاصہ) अ. स्त्री.–नर्तकी, लासिका, नाचनेवाली।

रक़्क़ास (رقاص) अ. पुं.–नर्तक, नाचनेवाला, तांडवी।

रक़्क़ासे फ़लक (رقاص فلک) अ. पुं.–शुक्र ग्रह, ज़ोहरा।

रक़्बः (رقبہ) अ. पुं.–ज़मीन की नाप, क्षेत्रफल; क्षेत्र, इलाक़ा।

रक़्स (رقص) अ. पुं.–तांडव, मर्द का नाच; लास्य, स्त्री का नाच; नृत्य, नर्तन, आम नाच।

रक़्सकुनाँ (رقص کناں) अ. फ़ा. वि.–नाचता हुआ।

रक़्सख़ानः (رقص خانہ) अ. फ़ा. पुं.–दे. 'रक़्सगाह'।

रक़्सगाह (رقص گاہ) अ. फ़ा. स्त्री.–नाट्यशाला, नाचघर।

रक़्सपसंद (رقص پسند) अ. फ़ा. वि.–जिसे नाचना पसंद हो; जिसे नाच देखना पसंद हो।

रक़्साँ (رقصاں) अ. फ़ा. वि.–नाचता हुआ, नृत्य करता हुआ।

रक़्सिंदः (رقصندہ) अ. फ़ा. वि.–नाचनेवाला, नर्तन-कर्ता।

रक़्सीदः (رقصیدہ) अ. फ़ा. वि.–नाचा हुआ, जिसने नाच किया हो, जो नाचा हो।

रक़्सीदनी (رقصیدنی) अ. फ़ा. वि.–नाचने के लाइक़, जिसका नाचना अच्छा हो।

रक़्से ताऊस (رقص طاؤس) अ. फ़ा. पु.–एक नाच, मोर-नाच।

रक़्से पैहम (رقص پیہم) अ. फ़ा. पुं.–बराबर नाच, ऐसा नाच जो ख़त्म न हो।

रक़्से फ़ानूस (رقص فانوس) अ. फ़ा. पुं.–क़ंदील के अंदर तस्वीरों का नाच।

रक़्से बिस्मिल (رقص بسمل) अ. फ़ा. पुं.–आधा वध किया हुआ प्राणी का ज़मीन पर तड़पना और लोटना।

रक़्से मुसलसल (رقص مسلسل) अ. पुं.–दे. 'रक़्से पैहम'।

रक़्सोसुरोद (رقص وسرود) अ. फ़ा. पु.–नाचगाना, नाचरंग।

रख़ावत (رخاوت) अ. स्त्री.–शिथिलता, ढीलापन; मंदता सुस्ती।

रख़ीम (رخیم) अ. वि.–जिसका स्वर धीमा हो, नर्म आवाज़वाला; संयमी, निग्रही, ज़ाहिद।

रख़ीस (رخیص) अ. वि.–मंदा, सस्ता, कम दामों का।

रख़्त (رخت) फ़ा. पुं.–अस्बाब, उपकरण, सामान; वसन, वस्त्र, लिबास।

रख़्तकश (رخت کش) फ़ा. वि.–अस्बाब उठानेवाला, अस्बाब लेकर चलनेवाला, अर्थात् मुसाफ़िर, पथिक।

रख़्ते सफ़र (رخت سفر) फ़ा. अ. पुं.–यात्रा के लिए आवश्यक सामान और अस्बाब।

रख़्नः (رخنہ) फ़ा. पुं.–छिद्र, सूराख़; दोष, ऐब; हस्तक्षेप, मुज़ाहमत; बाधा, रोक; झगड़ा, टंटा, कलह; उपद्रव, फ़साद।

रख़्नःअंदाज़ (رخنہ انداز) फ़ा. वि.–हस्तक्षेप करनेवाला, बाधा डालनेवाला।

रख़्नःअंदाज़ी (رخنہ اندازی) फ़ा. स्त्री.–हस्तक्षेप करना, बाधा डालना, अड़चन पैदा करना।

रख़्नःबंदी (رخنہ بندی) फ़ा. स्त्री.–छेद बंद करना; झगड़ा ख़त्म करना; बाधा हटाना।

रख़्शः (رخشہ) फ़ा. पुं.–आग की लपट, अग्निवाला, अग्निशिखा।

रख़्श (رخش) फ़ा. पुं.–घोड़ा, अश्व; किरण, शुआअ; प्रभा, चमक।

रख़्शाँ (رخشاں) फ़ा. वि.–चमकता हुआ, दीप्त, प्रकाशमान।

रख़्शिंदः (رخشندہ) फ़ा. वि.–चमकनेवाला।

रख़्शिंदगी (رخشندگی) फ़ा. स्त्री.–चमक, आभा, प्रभा, प्रकाश।

रख़्शीदः (رخشیدہ) फ़ा. वि.–दीप्त, प्रकाशित, प्रज्ज्वलित, चमका हुआ।

रग (رگ) फ़ा. स्त्री.–स्नायु, नस; नाड़ी, शिरा, ख़ून की नाली।

रगज़न (رگ زن) फ़ा. पुं.–फ़स्द खोलनेवाला, निश्तर से ख़ून निकालनेवाला, फ़स्साद, रक्तमोचक।

रगज़नी (رگ زنی) फ़ा. स्त्री.–फ़स्द खोलना, रगों से ख़ून निकालना, रक्तमोक्षण।

रगबंद (رگ بند) फ़ा. वि.–पट्टी, ज़ख़्म पर बाँधने का कपड़ा आदि।

रग़ीफ़ (رغیف) अ. स्त्री.–बटी, टिकिया; रोटी, रोटिका।

रग़ीब (رغیب) अ. वि.–लोभी, लोलुप, लालची; इच्छुक, ख़्वाहिशमंद।

रगे अब्र (رگ ابر) फ़ा. स्त्री.–बादल की स्याह धारी।
रगे गर्दन (رگ گردن) फ़ा. स्त्री.–गर्दनवाली ख़ून की रग; अहंकार, अभिमान, घमंड।
रगे ग़ैरत (رگ غیرت) फ़ा. अ. स्त्री.–स्वाभिमान, ख़ुद्दारी।
रगे जाँ (رگ جاں) फ़ा. स्त्री.–सबसे बड़ी ख़ून की रग जो दिल में जाती है।
रगे तंबूर (رگ تنبور) फ़ा. स्त्री.–सितार का तार।
रगोपै (رگ وپے) फ़ा. पुं.–सारा शरीर, नस और पट्ठे।
रगोरेशः (رگ وریشہ) फ़ा. पुं.–स्वभाव, प्रकृति; भीतरी हालात।
रग़्बत (رغبت) अ. स्त्री.–इच्छा, अभिलाषा, चाह; रुचि, अभिरुचि, दिलचस्पी।
रग़्म (رغم) अ. पुं.–विपरीत, उलटा।
रजः (رجہ-رزہ) फ़ा. स्त्री.–अलगनी, कपड़े आदि टाँगने की रस्सी।
रज़ (رز) फ़ा. पुं.–दाखा, अंगूर (प्रत्य.) रँगनेवाला जैसे–'रंगरज़'।
रजज़ (رجز) अ. स्त्री.–युद्ध-क्षेत्र में अपने कुल की शूरता और श्रेष्ठता का वर्णन; दे. 'बह्रे रजज़'।
रजब (رجب) अ. पुं.–इस्लामी सातवाँ महीना।
रजा (رجا) अ. स्त्री.–आशा, आस, उम्मेद।
रज़ाअत (رضاعت) अ. स्त्री.–बच्चे के दूध पीने की अवस्था।
रजाई (رجائی) अ. वि.–आशावादी, जिसके धर्म में निराश होना पाप हो।
रज़ालः (رذالہ) अ. पुं.–अधम, नीच, लंपट, लोफ़र, रज़ील।
रज़ालत (رذالت) अ. स्त्री.–अधमता, नीचता, कमीनापन।
रज़िंदः (رزندہ) फ़ा. वि.–रँगनेवाला, रजक।
रज़ी (رضی) अ. वि.–रुचिकर, मनोनीत, मनोवांछित, पसंदीदः।
रज़ीअः (رضیعہ) अ. स्त्री.–दूध शरीक़ बहिन।
रज़ीअ (رضیع) अ. पुं.–दूध शरीक़ भाई।
रजीअ (رجیع) अ. पुं.–फेंकी हुई चीज़, हटायी हुई वस्तु; विष्टा, मल, गू.।
रज़ीदः (رزیدہ) फ़ा. वि.–रँगाहुआ, रंजित।
रज़ीदनी (رزیدنی) फ़ा. वि.–रँगने के लाइक़, रंजनीय।
रजीम (رجیم) अ. वि.–जिसे पत्थर मारे गये हों, जो भगाया गया हो, जो धिक्कृत हो।
रज़ीयः (رضیہ) अ. स्त्री.–राज़ी की गयी, प्रसन्न की गयी।
रज़ीयः (رزیہ) अ. स्त्री.–विपत्ति, आपत्ति, मुसीबत।
रज़ील (رذیل) अ. वि.–अधम, नीच, कमीना।
रजुल (رجل) अ. पुं.–मनुष्य, मनुज, मानव, आदमी।
रजूम (رجوم) अ. वि.–पत्थर मारकर भगानेवाला।
रज्अत (رجعت) अ. स्त्री.–वापस लौटना, प्रत्यागमन।
रज्अतपरस्त (رجعت پرست) अ. फ़ा. वि.–दे. 'रज्अत पसंद'।
रज्अतपरस्ती (رجعت پرستی) अ. फ़ा. स्त्री.–दे. 'रज्अत-पसंदी'।
रज्अतपसंद (رجعت پسند) अ. फ़ा. वि.–प्रतिक्रियावादी, जिसे तरक़्क़ी पसंद विचार न भाते हों।
रज्अतपसंदी (رجعت پسندی) अ. फ़ा. स्त्री.–प्रतिक्रिया-वाद, विचारों में प्रगतिशीलता का अभाव।
रज्अते क़हक़री (رجعت قہقری) अ. स्त्री.–उलटे पाँव वापस लौटना, जहाँ से चले थे वहीं लौट आना, अवनति।
रज़्ज़ाक़ (رزاق) अ. वि.–खाना देनेवाला, अन्नदाता, पेट भरनेवाला।
रज़्ज़ाक़ी (رزاقی) अ. स्त्री.–खाना देना, अन्न दान करना, भूखों का पेट भरना।
रज़्ज़ाक़े मुत्लक़ (رزاق مطلق) अ. पुं.–वास्तविक में सबका पेट भरनेवाला, ईश्वर।
रज्फ़ः (رجفہ) अ. पुं.–भूकंप, भूचाल, ज़लज़लः।
रज्फ़ (رجف) अ. पुं.–दे. 'रज्फ़ः'।
रज़्मः (رزمہ) फ़ा. पुं.–गठरी, पोटली, बुक़्चः।
रज्म (رجم) अ. पुं.–पत्थराव करना, पत्थर मारना, पत्थरों से मार-मारकर मार डालना।
रज़्म (رزم) फ़ा. स्त्री.–युद्ध, समर, रण, जंग, लड़ाई।
रज़्मआरा (رزم آرا) फ़ा. वि.–युद्धकर्ता, लड़नेवाला।
रज़्मआराई (رزم آرائی) फ़ा. स्त्री.–युद्धकर्म, लड़ना।
रज़्मख़्वाह (رزم خواہ) फ़ा. वि.–युद्ध चाहनेवाला, लड़ाई का इच्छुक।
रज़्मगाह (رزم گاہ) फ़ा. स्त्री.–लड़ाई का मैदान, युद्धक्षेत्र रंगभूमि, रणस्थल, समरांगण।
रज़्मपसंद (رزم پسند) फ़ा. वि.–जिसे लड़ाई अच्छी लगे, जो चाहता हो कि जंग रहे।
रज्मन बिल ग़ैब (رجما بالغیب) अ. अव्य.–तीर का तुक्का, अक़्ल के गद्दे, अटकलपच्चू।
रज़्मियः (رزمیہ) फ़ा. वि.–युद्ध सम्बन्धी।
रज़्मी (رزمی) फ़ा. वि.–युद्ध सम्बन्धी।
रज्मे शयातीन (رجم شیاطین) अ. पुं.–शैतानों को पत्थर मारना, हज का एक संस्कार।
रतीब (رطیب) अ. पुं.–ताज़ा खजूर।
रतूबत (رطوبت) अ. स्त्री.–तरी, आर्द्रता, गीलापन; शरीर की कोई धातु; शरीर के भीतर की तरी, लसीका।

रतूबते अस्लीयः (رطوبت اصلیه) अ. स्त्री.—शरीर के भीतर की अस्ली तरी।
रत्क़ (رتق) अ. पुं.—बाँधना, बंधन।
रत्ब (رطب) अ. वि.—ताज़ः, तर।
रत्बुल्लिसान (رطب اللسان) अ. वि.—प्रशंसक, श्लाघी, तारीफ़ करनेवाला।
रत्बोयाबिस (رطب و یابس) अ. पुं.—तर और ख़ुश्क, गीला और सूखा, अर्थात्, सब, समस्त।
रत्ल (رطل) अ. पुं.—एक पौंड का भार; शराब पीने का प्याला।
रत्ले गराँ (رطل گراں) अ. फा. पुं.—बड़ा प्याला जिसमें बहुत शराब आती है।
रदः (رده) फा. पुं.—दीवार पर रखा जानेवाला रद्दा।
रद(द्द) (رد) अ. पुं.—फेरना, वापस करना; ख़ारिज करना; नापसंद करना।
रदाअ (رداع) अ. पुं.—कीचड़, कर्दम, जलकल्क, जबाल।
रदाअत (رداعت) अ. स्त्री.—ख़राबी, विकार, दोष।
रदी (ردی) अ. वि.—विकृत, दूषित।
रदीउलकैमूस (ردی الکیموس) अ. पुं.—वह अन्न जिससे आमाशय में अच्छा रस न बने।
रदीउलहाल (ردی الحال) अ. पुं.—दुर्दशाग्रस्त, जिसकी दशा बड़ी रद्दी हो।
रदीफ़ (ردیف) अ. वि—पीछे चलनेवाली; (स्त्री.) ग़ज़ल में क़ाफ़िए के बाद आनेवाला शब्द या शब्द-समूह।
रदीफ़वार (ردیف وار) अ. फा. वि.—वह दीवान जो रदीफ़ के हिसाब से क्रमबद्ध किया गया हो।
रदीफ़ोक़ाफ़ियः (ردیف و قافیه) अ. पुं.—ग़ज़ल का काफ़ियः और उसके बाद की रदीफ़।
रद्दः (رده) अ. पुं.—दीवार का रद्दा।
रद्दे अमल (رد عمل) अ. पुं.—प्रतिक्रिया, किसी कार्य के फलस्वरूप दूसरी ओर से होनेवाला जवाबी कार्य।
रद्दे क़दह (رد قدح) अ. पुं.—शराब का पियाला न लेना, लौटा देना।
रद्दे ख़ल्क़ (رد خلق) अ. वि.—तमाम संसार का ठुकराया और रद किया हुआ।
रद्दे दा'वत (رد دعوت) अ. स्त्री.—किसी का भोज निमंत्रण स्वीकार न करना।
रद्दे बला (رد بلا) अ. पुं.—आपत्ति का निवारण, आयी हुई बला का टल जाना।
रद्दे सलाम (رد سلام) अ. पुं.—सलाम का उत्तर न देना।
रद्दे सवाल (رد سوال) अ. पुं.—किसी की माँग ठुकरा देना, भिक्षुक के सवाल पर कुछ न देना।
रद्दोकद (رد و کد) अ. उभ.—वाद-विवाद, कहा-सुनी, बहस-मुबाहसा।
रद्दोक़द्ह (رد و قدح) अ. उभ.—दे. 'रद्दोकद'।
रद्दोक़बूल (رد و قبول) अ. उभ.—स्वीकार करना या अस्वीकार करना, लेना या लौटा देना।
रद्दोबदल (ردوبدل) अ. उभ.—परिवर्तन, तब्दीली।
रफ़ (رف) अ. पुं.—मचान, मंच; दरवाज़े का बड़ा ताक़।
रफ़ाक़त (رفاقت) अ. स्त्री.—मैत्री, दोस्ती; सहचरता, साथ; संगत, सोहबत; सहकारिता, एक साथ मिलकर काम करना।
रफ़ाक़ते सफ़र (رفاقت سفر) अ. स्त्री.—यात्रा या पर्यटन में साथ रहना।
रफ़ाहत (رفاهت) अ. स्त्री.—सुख, चैन, आराम; कल्याण, बहबूद।
रफ़ाहीयत (رفاهیت) अ. स्त्री.—दे. 'रफ़ाहत'।
रफ़ीअ' (رفیع) अ. वि.—उच्च, उत्तुंग, बलंद; श्रेष्ठ, विशिष्ट, उत्तम, शरीफ़।
रफ़ीउद्दरजात (رفیع الدرجات) अ. वि.—दे. 'रफ़ीउश्शान'।
रफ़ीउलक़द्र (رفیع القدر) अ. वि.—दे. 'रफ़ीउश्शान'।
रफ़ीउलमंज़लत (رفیع المنزلت) अ. वि.—दे. 'रफ़ीउश्शान'।
रफ़ीउश्शान (رفیع الشان) अ. वि.—बहुत बड़ी शान, प्रतिष्ठा और इज़्ज़त वाला।
रफ़ीक़ः (رفیقه) अ. स्त्री.—मित्र स्त्री, सहचरी, सखी।
रफ़ीक़ (رفیق) अ. पुं.—मित्र, सखा, दोस्त; सहचर, हमराही।
रफ़ीक़ए ज़ीस्त (رفیقهٔ زیست) दे. 'रफ़ीक़ए हयात'।
रफ़ीक़ए हयात (رفیقهٔ حیات) अ. स्त्री.—जीवन-संगिनी, अर्धांगिनी, भार्या, पत्नी, बीबी।
रफ़ीक़े राह (رفیق راه) अ. फा. पुं.—दे. 'रफ़ीक़े सफ़र'।
रफ़ीक़े सफ़र (رفیق سفر) अ. पुं.—यात्रा का साथी, सहयात्री, सहचर।
रफ़ू (رفو) फा. उभ.—एक प्रकार की सिलाई, जिसमें कटा हुआ कपड़ा बेजोड़ हो जाता है; सिलाई।
रफ़ूगर (رفوگر) फा. पुं.—रफ़ू का काम करनेवाला।
रफ़्अः (رفعه) अ. पुं.—'उ' की मात्रा, 'पेश' की हरकत।
रफ़्अ (رفع) अ. पुं.—उठाना, ऊँचा करना; 'उ' की मात्रा, पेश।
रफ़्ए क़लम (رفع قلم) अ. पुं.—किसी पर से क़लम उठा लेना, अर्थात् उसके सम्बन्ध में कुछ न लिखना, उसका इस

क़ाबिल न रहना जिसके विषय में कुछ लिखा जाय, ऐसा व्यक्ति 'मर्फ़ूउल क़लम' कहलाता है।

रफ़ए निज़ाअ (رفع نزاع) अ. पुं.—झगड़ा तै हो जाना, परस्पर विरोध मिट जाना।

रफ़ए फ़साद (رفع فساد) अ. पुं.—लड़ाई ख़त्म हो जाना, झगड़ा तय हो जाना।

रफ़ए यदैन (رفع يدين) अ. पुं.—दोनों हाथ उठाना, इमाम शाफ़िई के अनुयायियों का नमाज पढ़ते समय, हर तक्बीर पर दोनों हाथ कानों तक उठाना, जिसे अन्य मुसलमान जाइज़ नहीं समझते।

रफ़ए शक (رفع شک) अ. पुं.—शंका-समाधान, शक दूर होना।

रफ़ए शर (رفع شر) अ. पुं.—लड़ाई-झगड़ा ख़त्म होना, विरोध का दूर होना।

रफ़ओजर (رفع و جر) अ. पुं.—पेश और ज़ेर 'उ' और 'ई' की मात्राएँ।

रफ़्ज़ (رفض) अ. पुं.—अपने स्वामी का परित्याग, जान-जोखिम के समय स्वामी को छोड़ कर भाग जाना।

रफ़्तः (رفته) फ़ा. वि.—गया हुआ, गत, विगत; मरा हुआ, मृत।

रफ़्तः रफ़्तः (رفته رفته) फ़ा. वि.—शनैः-शनैः, धीरे-धीरे, आहिस्तः-आहिस्तः।

रफ़्तःहोश (رفته هوش) फ़ा. वि.—जिसके होश जाते रहे हों, हतसंज्ञ, बेहोश, निश्चेष्ट, संज्ञाहीन।

रफ़्तगाँ (رفتگان) फ़ा. पुं.—'रफ़्तः' का बहु, गये हुए लोग, अर्थात् मरे हुए व्यक्ति।

रफ़्तगाने ख़ाक (رفتگان خاک) फ़ा. पुं.—ज़मीन के अंदर गये हुए लोग, अर्थात् मुर्दे।

रफ़्तनी (رفتنی) फ़ा. वि.—जाने के योग्य, जिसका जाना उचित हो, जो जानेवाला हो।

रफ़्तार (رفتار) फ़ा. पुं.—चाल, गति; ढंग, तरीक़ा; आचरण, अमल; आचार-व्यवहार, तर्ज़े अमल; प्रगति (तरक़्क़ी) या अवनति (तनज़्ज़ुल) की ओर गमन; दशा, हालत।

रफ़्तारे क़दीम (رفتار قديم) फ़ा. अ. स्त्री.—पुरानी चाल, पुरानी रविश, पुराना तरीक़ा।

रफ़्तारे ज़मानः (رفتار زمانه) फ़ा. अ. स्त्री.—सांसारिक दशा, दुनिया की हालत।

रफ़्तारे वक़्त (رفتار وقت) फ़ा. अ. स्त्री.—समय की गति; समय की दशा; वर्तमान समय की माँग।

रफ़्तारे हालात (رفتار حالات) फ़ा. अ. स्त्री.—अपने हालात का रुख़ अथवा सांसारिक दशाओं की परिस्थिति।

रफ़्तारो करदार (رفتار و کردار) फ़ा. पुं.—आचार और व्यवहार, चाल-ढाल।

रफ़्तारो गुफ़्तार (رفتار و گفتار) फ़ा. स्त्री.—चाल-ढाल और बातचीत।

रफ़्तो गुज़श्त (رفت و گذشت) फ़ा. वि.—गया-बीता हुआ, गया-गुज़रा, समाप्त, ख़त्म।

रफ़्रफ़ (رفرف) अ. पुं.—एक बहुत तेज़ चाल का घोड़ा, बुराक़।

रफ़्राफ़ (رفراف) अ. पुं.—शुतुरमुर्ग़, उष्ट्र पक्षी।

रफ़्ह (رفه) अ. पुं.—हित, भलाई; सुख, आराम, दे. 'रिफ़्ह', दोनों शुद्ध हैं।

रब [रब्ब] (رب) अ. पुं.—स्वामी, पति, मालिक; बड़ा भाई; अभिभावक, सरपरस्त; ईश्वर, परमात्मा, ख़ुदा।

रबात (رباط) अ. स्त्री.—मुसाफ़िरख़ानः, सराय, पथिकाश्रय।

रबाब (رباب) फ़ा. पुं.—सितार के प्रकार का एक बाजा।

रबाबी (ربابی) फ़ा. वि.—'रबाब' बजानेवाला।

रबीअ (ربيع) अ. स्त्री.—वसंत ऋतु, बहार का मौसिम।

रबीई (ربيعی) अ. वि.—वसंत ऋतु सम्बन्धी, बहार का।

रबीउल अव्वल (ربيع الاول) अ. पुं.—इस्लामी तीसरा महीना।

रबीउल आख़िर (ربيع الآخر) अ. पुं.—इस्लामी चौथा महीना।

रबीउस्सानी (ربيع الثانی) अ. पुं.—दे. 'रबीउल आख़िर'।

रबीबः (ربيبه) अ. स्त्री.—सौतेली लड़की, वह लड़की जो दूसरे बाप से हो, पहले ब्याह की लड़की।

रबीब (ربيب) अ. पुं.—सौतेला लड़का, वह लड़का जो दूसरे बाप से हो, पहले ब्याह का लड़का।

रबून (ربون) अ. पुं.—बैआना, अग्रिम धन, बियाना।

रबूबीयत (ربوبيت) अ. स्त्री.—स्वामित्व, मालिकीयत; ईश्वरत्व, ख़ुदावंदी।

रब्त (ربط) अ. पुं.—लगाव, सम्बन्ध, तअल्लुक़; मेल-जोल, मैत्री, दोस्ती।

रब्ते बाहम (ربط باهم) अ. फ़ा. पुं.—परस्पर मेल-जोल और दोस्ती।

रब्तो ज़ब्त (ربط و ضبط) अ. पुं.—आपस का मेल-मिलाप, बैठना-उठना, मित्रता, दोस्ती।

रब्बानियत (ربانيت) अ. स्त्री.—ईश्वरत्व, ख़ुदाई।

रब्बानी (ربانی) अ. वि.—ईश्वरीय, दैवी, ख़ुदा की तरफ़ से। ग़ैबी, आस्मानी, आकस्मिक।

रब्बी (ربی) अ. वि.—ईश्वरीय, ईश्वर का, ख़ुदा की तरफ़ से।

रब्बुन्नौअ (رب النوع) अ. पुं.—देवता, फ़िरिश्तः।

रब्बुलअर्बाब (رب الارباب) अ. पुं.—सारे स्वामियों का स्वामी, अर्थात् ईश्वर।

रब्बुलआलमीन (رب العالمین) अ. पुं.—सारे ब्रह्मांड का (जिसमें बहुत-से जगत् हैं) स्वामी, ईश्वर।

रब्बुलमलाइकः (رب الملائکہ) अ. पुं.—सारे फ़िरिश्तों का स्वामी, ईश्वर।

रब्बुस्समावात (رب السماوات) अ. पुं.—सारे आकाशों का स्वामी, ईश्वर।

रब्व (ربو) अ. पुं.—वामन, ठिगना, छोटे डील-डौल का आदमी।

रमः (رمہ) फ़ा. पुं.—भेड़-बकरी का गल्लः, रेवड़।

रम (رم) फ़ा. पुं.—भगदड़, भागना।

रमक़ (رمق) अ. स्त्री.—अत्यल्प, बहुत थोड़ा; अंतिम प्राण, थोड़ी-सी जान।

रमकर्दः (رم کردہ) फ़ा. वि.—भागा हुआ, पलायित'

रमक़े (رمقے) अ. फ़ा. वि.—बहुत थोड़ी मात्रा में, ज़रा-सा।

रमख़ुर्दः (رم خوردہ) फ़ा. वि.—भागा हुआ, पलायित।

रमज़ान (رمضان) अ. पुं.—इस्लामी नवाँ महीना जिसमें मुसलमान दिन भर रोज़ा रखते और रात में तरावीह पढ़ते हैं, जिसमें महीने भर में पूरा क़ुरान सुनते हैं।

रमद (رمد) अ. पुं.—आँख आना, आयी हुई आँख, आशोबे चश्म, नेत्राभिष्यंद।

रमदीदः (رم دیدہ) फ़ा. वि.—भागा हुआ, पलायित, रमख़ुर्दः।

रमदे चश्म (رمد چشم) अ. फ़ा. पुं.—आशोबे चश्म, नेत्राभिष्यंद, आयी हुई आँख।

रमल (رمل) अ. स्त्री.—एक विद्या जिससे भविष्य में होनेवाली घटनाएँ बता दी जाती हैं, इस विद्या का मूलाधार नुक़्ते (शून्य) या बिंदियाँ हैं।

रमाद (رماد) अ. स्त्री.—राख, चूल्हे की राख, जले हुए इंधन की राख, भस्म।

रमानीदः (رمانیدہ) फ़ा. वि.—भगाया हुआ।

रमिंदः (رمندہ) फ़ा. वि.—भागनेवाला, पलायक।

रमिश (رمش) फ़ा. स्त्री.—भागने का अमल, भगदड़।

रमीदः (رمیدہ) फ़ा. वि.—भागा हुआ, पलायित।

रमीदगी (رمیدگی) फ़ा. स्त्री.—भगदड़, पलायन।

रमीम (رمیم) अ. वि.—पुराना, पुरातन; जीर्ण, शीर्ण, कोहनः।

रम्कः (رمکہ) अ. स्त्री.—घोड़ी, अश्विनी।

रम्ज़ (رمز) अ. पुं.—संकेत, इशारा; रहस्य, भेद, राज़।

रम्ज़आगाह (رمزآگاہ) अ. फ़ा. वि.—दे. 'रम्ज़आश्ना'।

रम्ज़आश्ना (رمزآشنا) अ. फ़ा. वि.—भेद जाननेवाला, भेद से वाक़िफ़, मर्मज्ञ, रहस्यवेत्ता।

रम्ज़शनास (رمزشناس) अ. फ़ा. वि.—दे. 'रम्ज़आश्ना'।

रम्नः (رمنہ) फ़ा. पुं.—गल्लः चराने का मैदान, चरागाह, गोचर।

रम्माज़ (رماز) अ. वि.—गुप्तचर, भेदिया, भेद जाननेवाला, भेद बतानेवाला।

रम्माल (رمال) अ. वि.—'रमल' का इल्म जाननेवाला, रमलवेत्ता।

रम्माह (رماح) अ. वि.—बरछा चलानेवाला, बरछेबाज़।

रम्ल (رمل) अ. पुं.—रेत, बालुका, बालू, रेग।

रवाँ (رواں) फ़ा. वि.—प्रवाहित, बहता हुआ; तीक्ष्ण, धारदार, (स्त्री.) प्राण, प्राण वायु, जान, रूह।

रवाँ दवाँ (رواں دواں) फ़ा. वि.—ज़ोर से बहता हुआ; तेज़ी से जाता हुआ।

रवा (روا) फ़ा. वि.—उचित, वाजिब; विहित, हलाल, (प्रत्य.) पूरा करनेवाला, जैसे—'हाजतरवा' इच्छा पूरी करनेवाला।

रवाई (روائی) फ़ा. स्त्री.—पूरी होना (आशा); रौनक़, शोभा; चलन, रवाज, प्रथा, परंपरा।

रवाएह (روائح) अ. पुं.—'राइहः' का बहु., सुगंधियाँ, ख़ुशबूएँ।

रवाक़ (رواق) अ. पुं.—मकान के ऊपर बना हुआ मकान, अट्टालिका, दे. 'रुवाक़', और 'रिवाक़'।

रवाज (رواج) अ. पुं.—प्रथा, रूढ़ि, परंपरा, परिपाटी, तरीक़ा, दस्तूर, दे. 'रिवाज', दोनों शुद्ध हैं।

रवाज़िन (روازن) अ. पुं.—'रौज़न' का बहु., सूराख़, छेद।

रवाजे ख़ानदानी (رواج خاندانی) अ. फ़ा. पुं.—वंश-परंपरा से चला आनेवाला दस्तूर, वंश-परम्परा, पुरुषानुक्रम, रूढ़ि।

रवादार (روادار) फ़ा. वि.—जो इस बात का बहुत ख़याल रखता हो कि इसकी बात से किसी का दिल न दुखे, उदारचेता; सहन करनेवाला, बरदाश्त करनेवाला।

रवादारी (رواداری) फ़ा. स्त्री.—किसी का दिल न दुखे यह भावना, सहृदयता, उदारता।

रवादाराना (روادارانہ) फ़ा. वि.—रवादारों-जैसा, रवादारी का।

रवानः (روانہ) फ़ा. वि.—जो कहीं से चल पड़ा हो, प्रस्थित, प्रयात; भेजा हुआ, प्रेषित।

रवानःकुनिंदः (روانہ کنندہ) फ़ा. वि.—भेजनेवाला, प्रेषक।

रवानगी (روانگی) फ़ा. स्त्री.—प्रस्थान, प्रयाण, कूच; प्रेषण, भेजना।

रवानी (روانی) फ़ा. स्त्री.—प्रवाह, बहाव; तीक्ष्णता, धार, तेज़ी; किताब आदि के पढ़ने में कहीं न अटकना; भाषण

देने या बात करने में कहीं न रुकना और शुद्ध और ठीक बोलना।

रवाफ़िज़ (روافض) अ. पुं.–'राफ़िज़ी' का बहु., समय पड़ने पर अपने स्वामी को छोड़ भागनेवाले।

रवाबित (روابط) अ. पुं.–'राबितः' का बहु., मेल-जोल, मेल-मिलाप।

रवारवी (رواروی) फा. स्त्री.–सरसरी, जल्दी, शीघ्रता; चल-चलाव, कूच की जल्दी।

रवारौ (روارو) फा. स्त्री.–यातायात, आना-जाना, चला-फिरी।

रवाहिल (رواحل) अ. पुं.–'राहिलः' का बहु., सवारी के जानवर, ऊँट घोड़े आदि।

रवाहाल (رواحال) अ. पुं.–तेज़ चलनेवाली सवारी, तेज़ ऊँट या घोड़ा।

रविंदः (روندہ) फा. वि.–जानेवाला, प्रस्थान करनेवाला।

रविश (روش) फा. स्त्री.–आचार-व्यवहार, तर्ज़ोतरीक़ा; पद्धति, शैली, तर्ज़; आचरण, चाल-चलन; बाग़ के अन्दर के पतले रास्ते।

रविशे आम (روش عام) फा. अ. स्त्री.–आम लोगों का तरीक़ा।

रविशे ख़ास (روش خاص) फा. अ. स्त्री.–ख़ास लोगों का तरीक़ा।

रवी (روی) अ. स्त्री.–क़ाफ़िए का अस्ली हर्फ़, जिससे पहले हर्फ़ की मात्रा का एक होना आवश्यक है। जैसे—'नज़र' और 'क़मर' में 'र' हर्फ़ रवी है और 'म' और 'ज़' दोनों अकार हैं।

रवीयः (رویہ) अ. पुं.–आचार-व्यवहार, तर्ज़े अमल; आचरण, रविश; सुलूक, व्यवहार; नियम, क़ाइदा, दस्तूर।

रशद (رشد) अ. क्रि.–दीक्षा, पीर की हिदायत; सन्मार्ग, सीधा और अच्छा रास्ता, दे. 'रुश्द', दोनों शुद्ध हैं।

रशाक़त (رشاقت) अ. स्त्री.–शरीर का सुडौल और सुन्दर-पन, खुशक़ामती।

रशाद (رشاد) अ. पुं.–एक दवा, तरातेजक़, हालीन; सन्मार्ग, सदाचार, नेकदिली।

रशादत (رشادت) अ. स्त्री.–धर्मदीक्षा, मुर्शिद की तल्क़ीन; सन्मार्ग, राहे रास्त; सदाचार, नेक कर्दारी।

रशाशः (رشاشہ) अ. पुं.–फुहार, छींट, स्राव, बहाव।

रशाश (رشاش) अ. पुं.–दे. 'रशाशः'।

रशीद (رشید) अ. वि.–सन्मार्ग-प्रदर्शक, सीधा रास्ता दिखानेवाला; सन्मार्गप्राप्त, सीधा रास्ता पानेवाला; जिसने गुरु की सेवा और उसके प्रसाद से किसी विद्या या कला-विशेष में पूरी कुशलता प्राप्त कर ली हो।

रश्क़ (رشق) अ. पुं.–तीर चलाना, बाण चलाना, धनुर्विद्या।

रश्क (رشک) फा. पुं.–किसी को हानि पहुँचाये बिना उस जैसा बनने की भावना, यह जज्बः कि अमुक व्यक्ति ऐसा है हम क्यों नहीं हैं, हमें भी वैसा होना चाहिए, 'रश्क' और 'हसद' में यही फ़र्क़ है, 'हसद' में केवल व्यक्ति अपने लिए चाहता है दूसरे को नहीं देख सकता।

रश्कआमेज़ (رشک آمیز) फा. वि.–रश्क से भरा हुआ, जिसमें रश्क हो।

रश्कीं (رشکیں) फा. वि.–रश्क करनेवाला।

रश्के परी (رشک پری) फा. वि.–परी के सौन्दर्य को लज्जित करनेवाली नायिका।

रश्के माह (رشک ماہ) फा. स्त्री.–चाँद की प्रभा को मन्द कर देनेवाले मुखवाली नायिका।

रश्के मेह्र (رشک مہر) फा. स्त्री.–सूर्य की चमक-दमक को फीका कर देनेवाले मुखवाली प्रेयसी।

रश्के यूसुफ़ (رشک یوسف) फा. अ. स्त्री.–यूसुफ़ की सुन्दरता को लजानेवाली सुन्दरी।

रश्के रिज़वाँ (رشک رضواں) अ. पुं.–स्वर्ग के अध्यक्ष को लज्जित करनेवाला मकान, अर्थात् बहुत ही सुसज्जित और शृंगारित भवन।

रश्के हूर (رشک حور) अ. फा. स्त्री.–स्वर्गांगनाओं के सौन्दर्य को लज्जित करनेवाली प्रेमिका।

रश्फ़ (رشف) अ. पुं.–चूसना, चूषण।

रश्मीज़ (رشمیز) फा. स्त्री.–दीमक, वम्री, वल्मी, उत्पादिका।

रश्ह़ः (رشحہ) अ. पुं.–बिंदु, बूंद, क़त्रः; स्राव, टपकना, टपकन, रिसाव।

रश्ह़ (رشح) अ. पुं.–प्रतिश्याय, शीत, ज़ुकाम; रिसाव, रेज़िश।

रश्ह़ए क़लम (رشحۂ قلم) अ. पुं.–लेखनी की टपकन अर्थात् लेख, निबंध, अथवा कविता।

रश्ह़ए फ़िक्र (رشحۂ فکر) अ. पुं.–विचार का स्राव अर्थात् लेख आदि, विशेषतः कविता।

रश्ह़ात (رشحات) अ. पुं.–'रश्ह़ः' का बहु; टपकनें, रेज़िशें।

रस (رس) फा. प्रत्य.–पहुँचनेवाला, जैसे—'फ़लक रस' आकाश तक पहुँचनेवाला।

रसद (رسد) अ. स्त्री.–अंश, हिस्सा; खाद्य सामग्री, खाने-पीने का सामान।

रसद (رصد) अ. स्त्री.–देख-भाल का स्थान, जहाँ किसी चीज़ को ताका जाय।

रसदगाह (رصدگاه) अ. फा. स्त्री.—वह स्थान जहाँ से ग्रहों और तारों की गति आदि का निरीक्षण किया जाता है, वेधशाला, मानशाला, यंत्रशाला।
रसदी (رسدی) अ. वि.—भाग के अनुसार, हिस्से के मुताबिक़।
रसन (رسن) फा. स्त्री.—रज्जु, पाश, रस्सी।
रसनबाज़ (رسن‌باز) फा. वि.—रस्सी पर क़लाबाज़ियाँ खानेवाला, नट; वंचक, छली, मक्कार।
रसनबाज़ी (رسن‌بازی) फा. स्त्री.—नट का काम; छल, फ़िरेब, धूर्तता।
रसनबाफ़ (رسن‌باف) फा. वि.—रस्सी बटनेवाला, रज्जुकार।
रसनबाफ़ी (رسن‌بافی) फा. स्त्री.—रस्सी बटने का काम, या पेशा।
रसाँ (رساں) फा. प्रत्य.—पहुँचानेवाला, जैसे—'नामः रसाँ' ख़त पहुचानेवाला।
रसा (رسا) फा. वि.—पहुँचनेवाला; जिसकी किसी जगह पहुँच हो; जो हर जगह पहुँच जाता हो या पहुँचने की राह निकाल लेता हो।
रसाइल (رسائل) अ. पुं.—'रिसालः' का बहु., पत्रिकाएँ, रिसाले।
रसाई (رسائی) फा. स्त्री.—पहुँच, प्रवेश।
रसानत (رصانت) अ. स्त्री.—दृढ़ता, मज़बूती।
रसाँनिदः (رسانندہ) फा. वि.—पहुँचानेवाला, भेजनेवाला।
रसास (رصاص) अ. पुं.—सीसा, सीसक, एक प्रसिद्ध धातु जिसके बंदूक़ की गोलियाँ बनती हैं; राँग, राँगा।
रसिंदः (رسندہ) फा. वि.—पहुँचनेवाला।
रसीदः (رسیدہ) फा. वि.—पहुँचा हुआ।
रसीद (رسید) फा. स्त्री.—रुपये आदि की वसूली का काग़ज़, प्राप्तिपत्र; पहुँच, प्राप्ति, वसूली।
रसीदगी (رسیدگی) फा. स्त्री.—पहुँच।
रसीदनी (رسیدنی) फा. वि.—पहुँचने योग्य।
रसूम (رسوم) अ. पुं.—कर, शुल्क, फ़ीस।
रसूल (رسول) अ. पुं.—ईशदूत, ईश्वरावतार, नबी।
रसूलुल्लाह (رسول اللہ) अ. पुं.—ईशदूत, ईश्वर की ओर से सर्वसाधारण के सुधार के लिए भेजा हुआ व्यक्ति।
रस्तः (رستہ) फा. वि.—बंधनमुक्त, छूटा हुआ; पंक्ति, क़तार; दुकानों की क़तार; पथ, राह।
रस्तगार (رستگار) फा. वि.—बंधनमुक्त, छूटा हुआ, आज़ाद।
रस्तगारी (رستگاری) फा. स्त्री.—मुक्ति, छुटकारा, रिहाई।
रस्ताख़ेज़ (رستاخیز) फा. स्त्री.—महाप्रलय, क़ियामत।
रस्तोख़ेज़ (رست وخیز) फा. स्त्री.—दे. 'रस्ताख़ेज़'।
रस्ख़ेज़ (رستخیز) फा. स्त्री.—दे. 'रस्ताख़ेज़'।
रस्त्गार (رستگار) फा. वि.—बंधनमुक्त, आज़ाद, छुटकारा पाया हुआ।
रस्त्गारी (رستگاری) फा. स्त्री.—बंधन-मुक्ति, रिहाई, छुटकारा।
रस्म (رسم) अ. स्त्री.—परम्परा, रूढ़ि, रवाज; नियम, दस्तूर; कर, महसूल; वेतन, तनख़्वाह; कोई क़ाइदा जो बहुत दिनों से किसी ख़ानदान, बस्ती या देश में चला आता हो; संस्कार, तक़्रीब।
रस्मन (رسماً) अ. वि.—परंपरानुसार, रिवाज की मुताबिक़; रस्मी तौर पर, छुछा उतारने को, यूँ ही।
रस्मी (رسمی) अ. वि.—परंपरा सम्बन्धी; जो बाक़ाइदा न हो, प्राईवेट; मामूली, साधारण।
रस्मुलख़त (رسم الخط) अ. पुं.—लिपि, अक्षर लिखने की प्रणाली, जैसे—'उर्दू रस्मुलख़त' या 'हिंदी रस्मुलख़त'।
रस्मे निकाह (رسم نکاح) अ. स्त्री.—विवाह-संस्कार, ब्याह की तरकीब।
रस्मे बद (رسم بد) अ. स्त्री.—बुरी परंपरा, बुरा दस्तूर।
रस्मे मुल्क (رسم ملک) अ. स्त्री.—किसी देश की परंपरा, किसी मुल्क का रिवाज।
रस्मोराह (رسم وراہ) अ. फा. स्त्री.—मेल-जोल, मेल-मिलाप।
रस्मोरिवाज (رسم ورواج) अ. स्त्री.—रूढ़ि और परंपरा, दस्तूर और क़ाइदे।
रस्ल (رسل) अ. पुं.—ख़बर भेजना, सूचना पहुँचाना; धीमी चाल।
रस्साम (رسام) अ. वि.—चित्रकार, चितेरा, नक़्क़ाश, मुसव्विर।
रह (رہ) फा. स्त्री.—'राह' का लघु., रस्ता, रास्ता, मार्ग, पथ।
रहआवर्द (رہ‌آورد) फा. पुं.—दे. 'रहावर्द'।
रहगीर (رہگیر) फा. वि.—दे. 'रहरौ'।
रहगुज़र (رہگزر) फा. स्त्री.—'राहगुज़र' का लघु., आम रास्ता, राजमार्ग, सड़क।
रहज़न (رہزن) फा. पुं.—'राहज़न' का लघु., बटमार, लुटेरा।
रहज़नी (رہزنی) फा. स्त्री.—'राहज़नी' का लघु., लुटेरापन, रास्ते में पथिकों को लूटने का काम।
रहनशीं (رہ‌نشیں) फा. वि.—'राहनशीं' का लघु. पथस्थ, मार्गस्थ, रास्ते में बैठा हुआ।
रहनुमा (رہنما) फा. वि.—'राहनुमा' का लघु., पथ-प्रदर्शक, रस्ता बतानेवाला, आगे-आगे चलनेवाला।

रहनुमाई (رهنمائی) फा. स्त्री.–'राहनुमाई' का लघु., पथ-प्रदर्शन, रास्ता बताना, आगे-आगे चलना।

रहनुमू (رهنمو) फा. वि.–दे. 'रहनुमा'।

रहबर (رهبر) फा. वि.–'राहबर' का लघु., दे. 'रहनुमा'।

रहबरी (رهبری) फा. स्त्री.–दे. 'रहनुमाई'।

रहरवी (رهروی) फा. स्त्री.–'राहरवी' का लघु., रस्ता चलना, यात्रा करना, मुसाफ़िरत।

रहरौ (رهرو) फा. वि.–'राहरौ' का लघु., रस्ता चलनेवाला, पथिक, बटोही, मुसाफ़िर।

रहवार (رهوار) फा. पुं.–अश्व, हय, घोड़ा।

रहा (رحی) अ. पुं.–चक्की का एक पाट।

रहा (رها) फा. वि.–मुक्त, बंधन-मुक्त, छूटा हुआ, खलास।

रहाई (رهائی) फा. स्त्री.–बंधन मुक्ति, छुटकारा, खलासी।

रहावर्द (رهاورد) फा. पुं.–वह उपहार जो यात्रा में जानेवाला व्यक्ति बाहर से लाकर दे।

रहिम (رحم) अ. पुं.–गर्भाशय, जरायु, बच्चादानी।

रही (رهی) फा. पुं.–दास, सेवक, ग़ुलाम, दे. 'रिही', दोनों शुद्ध हैं।

रहीक़ (رحیق) अ. स्त्री.–मदिरा, सुरा, शराब।

रहीज़ादः (رهی زاده) फा. पुं.–दासी-पुत्र, गुलाम-बच्चा।

रहीन (رهین) अ. वि.–गिरौं रखी हुई वस्तु, बंधक।

रहीने ग़म (رهین غم) अ. वि.–शोकग्रस्त, दुःखग्रस्त, पीड़ाग्रस्त, रंज या मुसीबत में फँसा हुआ।

रहीने मिन्नत (رهین منت) अ. वि.–कृतज्ञ, आभारी, मम्नून।

रहीने सितम (رهین ستم) अ. वि.–अत्याचारपीड़ित, जो किसी के अत्याचारों से दुःखित हो।

रहीब (رحیب) अ. वि.–बहुत खानेवाला, पेटू, बहुभक्षी, अमिताशी, घस्मर।

रहीम (رحیم) अ. वि.–दयालु, कृपालु, महादयालु; ईश्वर का एक नाम।

रहील (رحیل) अ. वि.–प्रस्थान, प्रमाण, कूच, चलाव।

रह्त (رهط) अ. पुं.–जनसमूह, भीड़; समुदाय, यूथ, गिरोह।

रह्न (رهن) अ. पुं.–बंधक, गिरवी।

रह्न दर रह्न (رهن در رهن) अ. फा. पुं.–ऐसी जायदाद जो दो जगह रेहन हो, जिसे मुर्तहिन ने किसी और के पास रेहन रख दिया हो।

रह्ननामः (رهن نامه) अ. फा. पुं.–बंधकपत्र, रेहन की तह्रीर।

रह्नबिलक़ब्ज़ (رهن بالقبض) अ. पुं.–ऐसा रेहन जिसमें मुर्तहिन को बंधक पर क़ब्ज़ा दिला दिया गया हो और वह उससे लाभ उठाता हो, भोग-बंधक।

रह्नबिलबैअ (رهن بالبیع) अ. पुं.–वह रेहन जिसमें नियत समय पर रुपया न अदा होने पर वह बंधक मुर्तहिन का हो जाय।

रह्नबिलाक़ब्ज़ (رهن بلاقبض) अ. पुं.–वह रेहन जिस पर मुर्तहिन का क़ब्ज़ा न हो, दृष्टबंधक।

रह्ने दख्ली (رهن دخلی) अ. पुं.–ऐसा रेहन जिस पर मुर्तहिन का क़ब्ज़ा हो और वह ज़मीन या जायदाद का नफ़ा अपने सूद में वसूल करता हो।

रह्ने बिलादख्ल (رهن بلادخل) अ. पुं.–ऐसा रेहन जिसमें मुर्तहिन को ज़मीन या जायदाद पर क़ब्ज़ा न हासिल हो, केवल उसके पास रेहन हो।

रह्बानियत (رهبانیت) अ. स्त्री.–सारी उम्र ब्रह्मचारी रहना और अच्छे खाने छोड़ देना, कामवासना से बचने के लिए लिंग कटवा देना और सबसे अलग-अलग रहना।

रह्म (رحم) अ. पुं.–करुणा, तरस; दया, मह्मत; कृपा, मेह्रबानी।

रह्मआगीं (رحم آگیں) अ. फा. वि.–करुणा और दया से भरा हुआ, करुणापूर्ण।

रह्मत (رحمت) अ. स्त्री.–दया, कृपा, रह्म; करुणा, तरस।

रह्मते आलम (رحمت عالم) अ. स्त्री.–संसार के लिए साक्षात् कृपा और दया; हज़्रत मुहम्मद साहिब की उपाधि।

रह्मदिल (رحم دل) अ. फा. वि.–जिसका हृदय बहुत ही दयामय और करुणापूर्ण हो, सदय।

रह्मदिली (رحم دلی) अ. फा. स्त्री.–हृदय में दया और करुणा का भाव होना।

रह्मान (رحمٰن-رحمان) अ. वि.–दयालु, कृपालु, मेह्रबान; ईश्वर का एक नाम।

रह्मानी (رحمانی) अ. वि.–ईश्वरीय, ईश्वर का; ईश्वर-सम्बन्धी।

रा

रां (ران) फा. प्रत्य.–चलानेवाला, जैसे–'हुक्मरां' शासन चलानेवाला।

रांदः (رانده) फा. वि.–हाँका हुआ, भगाया हुआ; निकाला हुआ, बहिष्कृत।

रांदए दरगाह (راندهٔ درگاه) फा. वि.–किसी बड़ी जगह, सरकार या दरबार से बहिष्कृत।

रा (را) फा. अव्य.–लिए, वास्ते; को।

राइक़ (رائق) अ. वि.–अनाहार, अनशन, नहार मुँह; साफ़ और स्वच्छ वस्तु।

राइज (رائج) अ. वि.–प्रचलित, चालू, जिसका चलन हो।
राइज़ (رائض) अ. वि.–चाबुक सवार, घोड़ा फेरनेवाला।
राइजुलवक़्त (رائج الوقت) अ. वि.–समय के चलन के अनुसार; जो किसी समय विशेष में प्रचलित हो।
राइद (رائد) अ. वि.–जिसके ज़िम्मे मकानों का प्रबंध हो, मीरमंज़िल।
राइलइबाद (راعی العباد) अ. पुं.–प्रजापाल, जनता की देखरेख करनेवाला।
राई (راعی) अ. वि.–चरवाहा, गड़रिया; शासक, नरेश, बादशाह।
राए (رائے) अ. स्त्री.–विचार, ख़याल; मत, वोट; परामर्श, मश्वरः।
राएआम्मः (رائے عامہ) अ. स्त्री.–सारी जनता की राय।
राएगाँ (رائگاں) फा. वि.–नष्ट, बरबाद; निष्फल, बेनतीजा; बेकार, व्यर्थ।
राएज़नः (رائےزن) अ. फा. वि.–विचार प्रकट करनेवाला; परामर्शदाता।
राएज़नी (رائےزنی) अ. फा. स्त्री.–अपने विचार प्रकट करना; परामर्श देना।
राएतलबी (رائے طلبی) अ. स्त्री.–राय लेना, सलाह चाहना; वोट माँगना।
राएदिहिंदः (رائےدہندہ) अ. फा. वि.–राए देनेवाला; वोट देनेवाला, मतदाता।
राएदिहिंदगी (رائےدہندگی) अ. फा. स्त्री.–राय देना; वोट देना, मतदान।
राएदिही (رائےدہی) अ. फा. स्त्री.–दे. 'राएदिहिंदगी'।
राएशुमारी (رائے شماری) अ. फा. स्त्री.–वोटों की गिनती, मत-गणना।
राएहः (رائحہ) अ. पुं.–बू, बास, गंध।
राएह (رائح) अ. वि.–बूदार, बासवाली वस्तु।
राक़िद (راقد) अ. वि.–सोनेवाला, स्वापक।
राकिद (راکد) अ. वि.–बंद पानी, वह पानी जो ठहरा हुआ हो, प्रवाहित न हो।
राक़िब (راقب) अ. वि.–प्रतीक्षक, मुंतज़िर; आशान्वित, पुरउम्मीद।
राकिब (راکب) अ. वि.–सवार होनेवाला, सवार, घुड़सवार, अश्वारोही।
राक़िमः (راقمہ) अ. स्त्री.–लिखनेवाली; चिट्ठी लिखनेवाली।
राक़िम (راقم) अ. पुं.–लेखक, लिखनेवाला; पत्र लिखनेवाला।
राक़िमुलहुरूफ़ (راقم الحروف) अ. वि.–पत्र-लेखक, चिट्ठी लिखनेवाला।
राक़ी (راقی) अ. पुं.–अभिचारक, जंत्र-मंत्र करनेवाला।
राके' (راکع) अ. वि.–नमाज़ में झुकनेवाला, नमाज पढ़नेवाला।
राक़े' (راقع) अ. वि.–कपड़ों में थिगली सीनेवाला, पैवंद सीनेवाला, चकती लगानेवाला।
राग़ (راغ) फा. पुं.–वन, जंगल; सब्ज़ःज़ार, हरा-भरा मैदान; पहाड़ की तराई।
राग़िब (راغب) अ. वि.–आकर्षित, मुतवज्जेह, दिलचस्पी रखने या लेनेवाला।
राज़ (راز) फा. पुं.–रहस्य, भेद, मर्म; मूल, तत्त्व, सार।
राज़आगाह (رازآگاہ) फा. वि.–दे. 'राज़आश्ना'।
राज़आश्ना (رازآشنا) फा. वि.–जो किसी भेद से वाक़िफ़ हो, रहस्यवेत्ता।
राज़दाँ (رازداں) फा. वि.–भेद जाननेवाला, मर्मज्ञ, रहस्यज्ञ।
राज़दार (رازدار) फा. वि.–दे. 'राज़दाँ'।
राज़ियानः (رازیانہ) फा. स्त्री.–सौंफ़, शतपुष्पा, बादियान।
राज़िअः (راضعہ) अ. स्त्री.–दूध पीनेवाली बच्ची, स्तनपायिनी।
राज़िक़ः (رازقہ) अ. पुं.–अन्नदात्री, अन्नपूर्णा; जीविका, वृत्ति, रोज़ी।
राज़िक़ः (رازق) अ. वि.–अन्नदाता, खाना देनेवाला, पालन-पोषण करनेवाला।
राजी (راجی) अ. वि.–आशान्वित, पुरउम्मीद।
राज़ी (راضی) अ. वि.–प्रसन्न, हर्षित, ख़ुश; संतुष्ट, मुत्मइन; अंगीकृत, रिज़ामंद।
राज़ी (رازی) फा. वि.–'रै' नगर का निवासी, 'रै' ईरान में ख़ुरासान प्रान्त का एक प्राचीन नगर है।
राज़ीनामः (راضی نامہ) अ. फा. पुं.–संधिपत्र, सुलहनामा, मुक़दमे के दोनों पक्षों में संधि का लिखित पत्र।
राज़ीबरज़ा (راضی برضا) अ. फा. वि.–किसी की मरज़ी पर राज़ी, अमुक व्यक्ति जो कर दे उसी पर संतुष्ट।
राजे' (راجع) अ. वि.–आकर्षित, मुल्तफ़ित; प्रत्यागामी, वापस लौटनेवाला।
राज़े' (راضع) अ. वि.–दूध पीनेवाला बालक, स्तनपायी।
राज़े सरबस्तः (راز سربستہ) फा. पुं.–ऐसा भेद जो किसी को तनिक भी मालूम न हो।
राजेह (راجح) अ. वि.–आकर्षित, राग़िब; उत्तम, बेहतर; प्रधान, तर्जीहवाला।

राज़े हयात (راز حیات) फा. अ. पुं.–ज़िंदगी का भेद, जीवन-मर्म।

राज़ोनियाज़ (راز و نیاز) फा. पुं.–प्रेम की गुप्त बातें।

रातिब (راتب) अ. पुं.–रोज़ की ख़ुराक; तनख़्वाह; कुत्ते या घोड़े की ख़ुराक।

रातिबख़ोर (راتب خور) अ. फा. वि.–रातिब खानेवाला, रोज़ की ख़ुराक पानेवाला।

रा'द (رعد) अ. पुं.–बिजली की कड़क।

राद [इ] (راد) अ. वि.–रद करनेवाला, लौटानेवाला।

रा'दआसा (رعد آسا) अ. फा. वि.–बिजली की कड़क-जैसा।

रादिआत (رادعات) अ. स्त्री.–'रादे' का बहु., वे दवाएँ जो ख़राब माद्दे को हटा दें।

रादे' (رادع) अ. वि.–हटानेवाला; रोकनेवाला; वह दवा जो विकृत माद्दे को अंग विशेष से हटा दे।

रान (ران) फा. स्त्री.–जंघा, जाँघ।

रा'ना (رعنا) फा. वि.–सुन्दर, रूपवान्, हसीन; डील-डौल का बहुत सुन्दर।

रा'नाइए ख़याल (رعنائی خیال) फा. अ. स्त्री.–विचारों का सौन्दर्य, ख़यालों की विचित्रता।

रा'नाई (رعنائی) फा. स्त्री.–सुन्दरता, छटा, हुस्न।

राफ़त (رافت) अ. स्त्री.–कृपा, दया, अनुकंपा, मेहरबानी।

राफ़िज़ः (رافضہ) अ. पुं.–वे लोग जो अपने स्वामी को विपत्ति पड़ने पर छोड़ भागें।

राफ़िज़ (رافض) अ. वि.–वह व्यक्ति जो अपने स्वामी को कष्ट पीड़ित देखकर भाग जाय।

राफ़िज़ी (رافضی) अ. वि.–'राफ़िज़ः' से सम्बन्धित व्यक्ति।

राफ़िद (رافد) अ. वि.–दाता, प्रदाता, देनेवाला; सहायक, मदद करनेवाला।

राफ़े' (رافع) अ. वि.–ऊपर उठानेवाला, उन्नायक, ऊँचा करनेवाला; 'उ'की मात्रा (पेश) देनेवाला।

राफ़ेह (رافہ) अ. वि.–सुख का जीवन व्यतीत करनेवाला।

राबिअः (رابعہ) अ. स्त्री.–चौथी; एक बहुत ही तपस्विनी और साध्वी स्त्री।

राबितः (رابطہ) अ. पुं.–सम्बन्ध, लगाव; संपर्क, वासिता; मेल-जोल, प्रेम-व्यवहार।

राबित (رابط) अ. वि.–मिलानेवाला, संयोजक।

राबियः (رابیہ) अ. स्त्री.–ऊँची भूमि।

राबे' (رابع) अ. वि.–चौथा, चतुर्थ।

राबेह (رابح) अ. वि.–ब्याज खानेवाला, कुसीदजीवी, ब्याजख़ोर।

राम (رام) फा. वि.–वशीभूत, अधीन, ताबे'।

रामिक़ (رامق) अ. वि.–जाल में बँधा हुआ।

रामिश (رامش) फा. स्त्री.–गान, गाना, नग़मा।

रामिशगर (رامش گر) फा. वि.–गायक, गवैया, गानेवाला।

रामिशगाह (رامش گاہ) फा. स्त्री.–गाने का स्थान, नाट्यशाला।

रामिशी (رامشی) फा. वि.–दे. 'रामिशगर'।

रामीं (رامیں) फा. वि.–एक आशिक़ का नाम; एक चंग बजानेवाले का नाम।

रामी (رامی) अ. वि.–धनुर्धर, तीरअंदाज़; आरोप लगानेवाला।

रामेह (رامح) अ. वि.–बरछा चलानेवाला, बरछाबाज़।

राय (رائے) अ. स्त्री.–दे. 'राए'।

रायगाँ (رایگاں) फा. वि.–दे. 'राएगाँ'।

रायज़न (رائے زن) अ. फा. वि.–दे. 'राएज़न'।

रायत (رایت) अ. पुं.–पताका, ध्वजा, झंडा, पर्चम।

रायात (رایات) अ. पुं.–'रायत' का बहु; झंडे।

रायुल ऐन (رائی العین) अ. क्रि.–आँखों से देखना, प्रत्यक्ष दर्शन करना।

रावंद (راوند) फा. स्त्री.–एक जड़, रेवंद चीनी।

रावक़ (راوق) फा. स्त्री.–शराब छानने की साफ़ी; मदिरा, मद्य, शराब।

रावी (راوی) अ. वि.–किसी से कोई बात सुनकर ज्यों की त्यों दूसरे से कहनेवाला; इस्लामी परिभाषा में हज़रत मुहम्मद साहिब से सुने हुए प्रवचनों को उन्हीं के शब्दों में दूसरे से कहनेवाला।

रा'शः (رعشہ) अ. पुं.–शरीर के अंगों के काँपने का रोग, कंपरोग, कँपकपी।

राश (راش) फा. अ.–अन्न का ढेर, रास, राशि।

राशिद (راشد) अ. वि.–जिसने गुरु से दीक्षा प्राप्त की हो, मुर्शिद से हिदायत पानेवाला।

राशी (راشی) अ. वि.–रिश्वत देनेवाला, बहुत-से लोग रिश्वत लेनेवाले के लिए बोलते हैं, यह अशुद्ध है।

राशेह (راشح) अ. वि.–रिसनेवाला, धीरे-धीरे टपकनेवाला।

रास (راس) अ. पुं.–शिर, सर; मवेशी की तादाद के लिए, जैसे—'एक रास बैल' अर्थात् एक बैल; राहु ग्रह।

रास (راس) फा. स्त्री.–मार्ग, पथ, रास्ता, राह।

रासिख़ (راسخ) अ. वि.–अटल, दृढ़, पक्का।

रासिख़ुलअक़ीदः (راسخ العقیدہ) अ. वि.–जिसका धर्म-विश्वास अटल हो।

रासिख़ुलएतिक़ाद (راسخ الاعتقاد) अ. वि.–दे. 'रासिख़ुल-अक़ीदः'।

रासिद (راصد) अ. वि.–ज्योतिषी, नुजूमी; प्रहरी, चौकीदार, पहरेदार।

रासिब (راسب) अ. वि.–नीचे बैठ जानेवाला; गाद, तलछट।

रासियः (راسیه) अ. वि.–मज़बूत पहाड़।

रासियात (راسیات) अ. पुं.–'रासियः' का बहु., मज़बूत पहाड़ों का समूह।

रासुलजदी (راس الجدی) अ. पुं.–राशिचक्र में मकर राशि पर वह बिन्दु जहाँ बाईस दिसंबर को सूर्य पहुँचता है और सबसे छोटा दिन होता है।

रासुलमाल (راس المال) अ. पुं.–मूलधन, अस्ल ज़र।

रासुस्सर्तान (راس السرطان) अ. पुं.–राशिचक्र में कर्क राशि पर वह बिंदु जहाँ २१ जून को सूर्य पहुँचता है, और साल में सबसे बड़ा दिन होता है।

रासू (راسو) फा. पुं.–नेवला, नकुल, क्लीक।

रासोज़नब (راس وذنب) अ. पुं.–राहु और केतु।

रास्तः (راسته) फा. पुं.–मार्ग, पथ, राह, रास्ता।

रास्त (راست) फा. वि.–दाहिना, सीधी तरफ़ का दक्षिण; सरल, सीधा; सत्य, सच।

रास्तकिर्दार (راست کردار) फा. वि.–सरलाचारी, सदाचारी, नेकचलन, सद्वृत्त।

रास्तकिर्दारी (راست کرداری) फा. स्त्री.–सरलाचार, सदाचार, नेकचलनी।

रास्तगुफ़्तार (راست گفتار) फा. वि.–दे. 'रास्तगो'।

रास्तगुफ़्तारी (راست گفتاری) फा. स्त्री.–दे. 'रास्तगोई'।

रास्तगो (راست گو) फा. वि.–सच बोलनेवाला, सत्यवादी, यथार्थवादी, अनृतभाषी।

रास्तगोई (راست گوئی) फा. स्त्री.–सच बोलना, सत्यवाद।

रास्तबाज़ (راست باز) फा. वि.–सच्चा, सत्यनिष्ठ; व्यवहार-कुशल, लेन-देन में साफ़, ईमानदार; सदाचारी, नेकचलन।

रास्तबाज़ी (راست بازی) फा. स्त्री.–सच्चाई; ईमानदारी; सदाचार।

रास्तमिज़ाज (راست مزاج) फा. अ. वि.–सरल स्वभाव, नेकदिल; सत्यनिष्ठ, ईमानदार।

रास्तमिज़ाजी (راست مزاجی) फा. अ. स्त्री.–स्वभाव की सरलता; सत्यनिष्ठता, ईमानदारी।

रास्तमुआमलः (راست معامله) फा. अ. वि.–लेन-देन और आचार-व्यवहार में ईमानदार।

रास्तमुआमलगी (راست معاملگی) फा. अ. स्त्री.–लेन-देन और आचार-व्यवहार में ईमानदारी।

रास्तरवी (راست روی) फा. स्त्री.–सीधी राह चलना, सदाचार, धर्मनिष्ठा।

रास्तरौ (راست رو) फा. वि.–सीधी राह चलनेवाला, सन्मार्गी, सदाचारी, धर्मनिष्ठ।

रास्तशिआर (راست شعار) फा. अ. वि.–दे. 'रास्तमुआमलः'।

रास्ती (راستی) फा. स्त्री.–सरलता, सीधापन; सत्यता, सच्चाई; सदाचार, नेककिर्दारी।

रास्तीआश्ना (راستی آشنا) फा. वि.–धर्मनिष्ठ, सदाचारी, नेक आ'माल।

रास्तीपसंद (راستی پسند) फा. वि.–जिसे सत्यता और धर्मनिष्ठा पसंद हो।

रास्तीपसंदी (راستی پسندی) फा. स्त्री.–सत्यता और धर्मनिष्ठा को पसंद करना।

रास्तीशिआर (راستی شعار) फा. अ. वि.–जिसका आचरण सत्यता और धर्मनिष्ठा पर निर्भर हो।

रास्तीशिआरी (راستی شعاری) फा. अ. स्त्री.–सत्यता और धर्मनिष्ठा को ग्रहण करना और उसी पर चलना।

राहः (راحه) अ. स्त्री.–हथेली, करतल।

राह (راه) फा. स्त्री.–मार्ग, पथ, रास्ता; ढंग, तरीक़ा; युक्ति, तर्कीब, यत्न; प्रतीक्षा, इंतिज़ार; आशा, आस, उम्मीद।

राह (راح) अ. स्त्री.–हर्ष, ख़ुशी; मदिरा, शराब।

राहख़र्च (راه خرچ) फा. पुं.–रास्ते में होनेवाला ख़र्च, मार्ग-व्यय।

राहगीर (راهگیر) फा. वि.–बटोही, पथिक, मुसाफ़िर।

राहगुज़र (راهگزر) फा. स्त्री.–मार्ग, पथ, रास्ता।

राहज़न (راهزن) फा. वि.–बाटमार, रास्ते में लूटनेवाला, पथघ्न।

राहज़नी (راهزنی) फा. स्त्री.–बाटमारी, रास्ते में लूटना, यात्री का धन छीनना।

राहत (راحت) अ. स्त्री.–सुख, चैन, आराम; सुगमता, आसानी; शान्ति, सुकून; रोग या पीड़ा में कमी।

राहतअंजाम (راحت انجام) अ. फा. वि.–जिस कार्य का परिणाम शान्ति अथवा सुख हो।

राहतअफ़्ज़ा (راحت افزا) अ. फा. वि.–शान्ति और सुख बढ़ानेवाला।

राहतकदः (راحت کده) अ. फा. पुं.–राहत और सुख का घर, जहाँ सुख और शान्ति प्राप्त हो; शयनागार, ख़्वाबगाह।

राहतगाह (راحت گاه) अ. फा. स्त्री.–दे. 'राहतकदः'।

राहततलब (راحت‌طلب) अ. वि.–जो सुख चाहता हो, जो काम आदि करने से घबराता हो, आरामतलब, कामचोर।

राहततलबी (راحت‌طلبی) अ. स्त्री.–सुख चाहना, काम-धंधा न करना, केवल बैठे-बैठे खाने की इच्छा।

राहतपरस्त (راحت‌پرست) अ. फा. वि.–पलंग पर पड़ा रहनेवाला, काम से जी चुरानेवाला, निकम्मा।

राहतपरस्ती (راحت‌پرستی) अ. फा. स्त्री.–काम से जी चुराना, निकम्मापन, कामचोरी।

राहतफ़ज़ा (راحت‌فزا) अ. फा. वि.–'राहतअफ़्ज़ा' का लघु., दे. 'राहतअफ़्ज़ा'।

राहतरसाँ (راحت‌رساں) अ. फा. वि.–सुख देनेवाला, आराम पहुँचानेवाला, सुखदायी।

राहतरसानी (راحت‌رسانی) अ. फा. स्त्री.–सुख देना, आराम पहुँचाना।

राहती (راحتی) अ. स्त्री.–वह चौकी जो बीमार के पलँग के पास शौचादि के लिए लगा देते हैं।

राहते जाँ (راحت جاں) अ. फा. स्त्री.–प्राणों का सुख, प्राणाधार, विशेषतः लड़के के लिए और साहित्य में प्रेमिका के लिए आता है।

राहते दिल (راحت دل) अ. फा. स्त्री.–दे. 'राहते जाँ'।

राहते रूह (راحت روح) अ. स्त्री.–प्राणों का सुख, आत्मा का चैन, अर्थात् नायिका, प्रेयसी।

राहदार (راهدار) फा. वि.–प्रहरी, चौकीदार; धारीदार कपड़ा।

राहदारी (راهداری) फा. स्त्री.–पारपत्र, पासपोर्ट; चौकीदारी।

राहनशीं (راهنشیں) फा. वि.–रास्ते में बैठा हुआ, पथस्थ, मार्गस्थ।

राहनवर्द (راهنورد) फा. वि.–राहगीर, पथिक, मुसाफ़िर।

राहनवर्दी (راهنوردی) फा. स्त्री.–राहगीरी, राह चलना।

राहनुमा (راهنما) फा. वि.–पथ-प्रदर्शक, मार्ग-दर्शक, रास्ता बतानेवाला; नायक, नेता, लीडर।

राहनुमाई (راهنمائی) फा. स्त्री.–पथ-प्रदर्शन, रास्ता बताना; नेतृत्व, नेतापन, लीडरी।

राहपैमा (راه پیما) फा. वि.–रास्ता नापनेवाला, राह चलनेवाला, पथिक, यात्री।

राहपैमाई (راه‌پیمائی) फा. स्त्री.–रास्ता नापना अर्थात् चलना, यात्रा, सफ़र।

राहबर (راهبر) फा. वि.–दे. 'राहनुमा'।

राहबरी (راهبری) फा. स्त्री.–दे. 'राहनुमाई'।

राहरवी (راهروی) फा. स्त्री.–दे. 'राहनवर्दी'।

राहरौ (راهرو) फा. वि.–दे. 'राहनवर्दी'।

राहवार (راهوار) फा. पुं.–अश्व, घोड़ा; क़दम चाल चलनेवाला घोड़ा।

राहवारी (راهواری) फा. स्त्री.–घोड़े की कदम चाल।

राहिन (راهن) अ. वि.–किसी के पास अपनी चीज गिरी रखनेवाला, बंधककर्ता, आधायक।

राहिबः (راهبه) अ. स्त्री.–वह ईसाई स्त्री जो सांसारिक वासनाओं को छोड़ चुकी हो।

राहिब (راهب) अ. पुं.–वह ईसाई पुरुष जो सांसारिक सुखों से निवृत्त हो चुका हो।

राहिम (راحم) अ. वि.–दया करनेवाला, दयालु।

राहिलः (راحله) अ. पुं.–सवारी का जानवर, वाहन।

राहिल (راجل) अ. वि.–पैदल चलनेवाला, पदातिग, पदचर।

राही (راهی) फा. वि.–पथिक, बटोही, राहगीर, मुसाफ़िर।

राहे जहन्नम (راه جهنم) फा. अ. पुं.–नरक का मार्ग, कदाचार, दुराचार, बदचलनी।

राहे नजात (راه نجات) फा. अ. पुं.–मुक्तिपथ, मोक्षमार्ग, बख्शिश का जरिया, मुक्ति-साधन।

राहे बुरीदः (راه بریده) फा. पुं.–वह मार्ग जिस पर चलना बंद हो, जिस पर लूटमार का भय हो।

राहे रास्त (راه راست) फा. पुं.–सीधा रास्ता; धर्म का मार्ग; सत्य का मार्ग।

राहे सख़्त (راه سخت) फा. पुं.–कठिन और दुष्कर मार्ग; वह रास्ता जिस पर चलना कठिन हो अर्थात् धर्म का मार्ग; वह रास्ता जिस पर जान जोखिम या लुटने का डर हो।

राहोरब्त (راه‌وربط) फा. अ. पुं.–मेल-जोल, मेल-मिलाप, प्रेम-व्यवहार।

राहोरविश (راه‌وروش) फा. स्त्री.–आचार-व्यवहार, चाल-ढाल, रंग-ढंग।

राहोरस्म (راه‌ورسم) फा. अ. स्त्री.–दे. 'राहोरब्त'।

रि

रिंद (رند) फा. पुं.–मद्यप, शराबी; रसिया, रँगीला; निश्चिन्त, बेफ़िक्रा; लंपट, औबाश; मस्त, उन्मत्त; धार्मिक बंधनों से मुक्त।

रिंदतब्अ़ (رندطبع) फा. अ. वि.–जो बहुत ही बेफ़िक्र, खुशमिजाज और मनमौजी हो।

रिंदपेशः (رندپیشه) फा. वि.–बहुत अधिक शराबी, शराबी, मद्यप, रसाघी।

रिंदमशूरब (رندمشرب) फा. अ. वि.–दे. 'रिंदपेशः'।

रिंदमशरब (رندمشرب) फा. अ. वि.—दे. 'रिंदपेशः'।
रिंदशिआर (رندشعار) फा. अ. वि.—दे. 'रिंदपेशः'।
रिंदशेवः (رندشیوه) फा. वि.—दे. 'रिंदपेशः'।
रिंदानः (رندانہ) फा. वि.—रिंदों-जैसा, मतवालों-जैसा, आज़ादों-जैसा।
रिंदी (رندی) फा. स्त्री.—शराबीपन; लंपटता; रँगीलापन; मनमौजीपन; मस्ती।
रिंदे खुशऔक़ात (رند خوش اوقات) फा. अ. पुं.—वह शराबी जिसका अधिक समय पीने-पिलाने में गुज़रे।
रिंदे पार्सा (رند پارسا) फा. पुं.—वह शराबी जो रिंद होने के साथ-साथ संयमी और निग्रही हो।
रिंदे बलानोश (رند بلانوش) फा. पुं.—बहुत अधिक और हर प्रकार की शराब पीनेवाला।
रिंदे बासफ़ा (رند باصفا) फा. अ. पुं.—वह शराबी जो बहुत ही सदाचारी और स्वच्छहृदय हो।
रिंदे लाउबाली (رند لاابالی) फा. अ. पुं.—वह शराबी जो बहुत ही बेफ़िक्रा और मनमौजी हो।
रिंदे शाहिदबाज़ (رند شاھدباز) फा. अ. पुं.—वह शराबी जो अच्छी स्त्रियों का भक्त भी हो।
रिंदे सालेह (رند صالح) फा. अ. पुं.—दे. 'रिंदे पार्सा'।
रिआयत (رعایت) अ. स्त्री.—व्यवहार में कोमलता; मूल्य आदि में कमी; विचार, ध्यान, ख़याल।
रिआयती (رعائتی) अ. वि.—रिआयतवाला, रिआयती दामोंवाला।
रिआयते बेजा (رعایت بےجا) अ. फा. स्त्री.—ग़लत रिआयत, ऐसी रिआयत जो उचित न हो।
रिआयते मा'नवी (رعایت معنوی) अ. स्त्री.—वह अर्थालंकार जिसमें किसी शे'र आदि में किसी एक अर्थ से सम्बन्धित और भी समानार्थक शब्द लाये जायें।
रियायते लफ़्ज़ी (رعایت لفظی) अ. स्त्री.—वह शब्दालंकार जिसमें किसी शे'र आदि में एक शब्द के अनुकूल और भी शब्द लाये जायें, जैसे—नदी के साथ, नाव, कर्णधार, पंतवार आदि के शब्द।
रिक़ [क़्क़] (رق) अ. स्त्री.—दासता, परिचर्या, सेवा गुलामी, खिदमत।
रिक़ाअ (رقاع) अ. पुं.—रुक़्अः (रुक्क़ः) का बहु., 'चिट्ठियाँ।
रिकाज़ (رکاز) अ. पुं.—दफ़ीना, भूगर्भित धन, भूनिहित धन-संपत्ति।
रिक़ाब (رقاب) अ. पुं.—'रक़बः' का बहु.; गले, गरदनें; दासगण, लौंडी गुलाम।
रिकाब (رکاب) अ. स्त्री.—घोड़े की काठी का पायदान जिसमें पाँव रखकर चढ़ते हैं; सवारी के ऊँट।
रिकाब (رکاب) फा. स्त्री.—नौका, नाव, क़िश्ती; आठ पहलू का प्याला।
रिकाबदार (رکابدار) फा. वि.—घोड़े पर सवार करानेवाला नौकर; खाना उतारनेवाला, खानसामाँ; मिठाई और हलवे बनानेवाला।
रिकाबी (رکابی) फा. स्त्री.—प्लेट, तश्तरी, रकाबी।
रिकेब (رکیب) फा. स्त्री.—दे. 'रिकाब'।
रिक़्क़त (رقت) अ. स्त्री.—आर्द्रता, गीलापन; नम्रता, नर्मी; रोदन, रोना।
रिक़्क़ते क़ल्ब (رقت قلب) अ. स्त्री.—हृदय की आर्द्रता, चित्त की कोमलता, दयाभाव, दिल की नर्मी।
रिक़्क़ते मनी (رقت منی) अ. स्त्री.—वीर्य का पतलापन जो किसी विकार के कारण होता है।
रिक्वः (رکوه) अ. पुं.—छागल, बहुत छोटी मशक।
रिख़्वः (رخوه) अ. पुं.—ढीलापन, शिथिलता, रिख़्वत; एक दर्द।
रिख़्व (رخو) अ. पुं.—ढीला, शिथिल।
रिख़्वत (رخوت) अ. स्त्री.—ढीलापन, शिथिलता।
रिग़्वः (رغوه) अ. पुं.—झाग, फेन, कफ।
रिग़्व (رغو) अ. वि.—झाग, फेन।
रिज़ा (رضا) अ. स्त्री.—स्वीकृति, मंज़ूरी; आज्ञा, इजाज़त; प्रसन्नता, खुशनूदी; इमाम अली मूसा रिज़ा।
रिज़ाअ (رضاع) अ. स्त्री.—बालक के दूध पीने की अवस्था।
रिज़ाई (رضاعی) अ. वि.—जो किसी दूसरी स्त्री के दूध पीने में शरीक हो, जैसे—'रिज़ाई भाई' या 'रिज़ाई बहन'।
रिज़ाकार (رضاکار) अ. फा. पुं.—स्वयंसेवक, स्वेच्छासेवक, बिना वेतन के किसी कार्य-विशेष में सेवाभाव से भाग लेनेवाला।
रिज़ाकारानः (رضاکارانہ) अ. फा. वि.—स्वयंसेवकों-जैसा, बिना वेतन के कार्यसिद्धि में सहायता।
रिज़ामंद (رضامند) अ. फा. वि.—अंगीकृत, राज़ी; सहमत, हम ख़याल।
रिज़ामंदी (رضامندی) अ. फा. स्त्री.—अंगीकार, क़बूलियत; सहमति, आज्ञा।
रिजाल (رجال) अ. पुं.—'रजुल' का बहु., मनुष्य-समूह, बहुत-से आदमी।
रिजालुलग़ैब (رجال الغیب) अ. पुं.—ग़ैब के आदमी, देवता, फ़रिश्ते; अलौकिक शक्तियाँ।
रिजाले मईयत (رجال معیت) अ. पुं.—पर्मनल स्टाफ़।
रिज़्क़ (رزق) अ. पुं.—अन्न, ग़िज़ा; जीविका, रोज़ी।

रिस्मः (رسمه) अ. स्त्री.–अलगनी, कपड़े टाँगने की रस्सी।
रिज्ल (رجل) अ. पुं.–पाँव, पाद, पद, चरण, पैर।
रिज्लैन (رجلین) अ. पुं.–दोनों पाँव, उभय पद।
रिज़्वाँ (رضواں) अ. पुं.–'रिज़्वान' का लघु., दे. 'रिज़्वान'।
रिज़्वान् (رضوان) अ. पुं.–जन्नत का दारोग़ा, स्वर्गाध्यक्ष।
रिज़्वी (رضوی) अ. वि.–इमाम 'अली मूसा रिज़ा' का अनुयायी या उनका वंशज।
रिज्स (رجس) अ. पुं.–अपवित्रता, अशुद्धता, अशौच, गंदगी, नापाकी।
रित्ल (رطل) अ. पुं.–दे. 'रत्ल', उर्दू में 'रत्ल' ही बोलते हैं, शुद्ध दोनों हैं।
रिदा (ردا) अ. स्त्री.–ओढ़ने की चादर, प्रच्छादन।
रिदाए कुह्नः (ردائے کہنہ) अ. फा. स्त्री.–फटी पुरानी चादर, गूदड़।
रिदापोश (ردا پوش) अ. वि.–चादर ओढ़नेवाला।
रिफ़ाक़ (رفاق) अ. पुं.–'रफ़ीक़' का बहु.; मित्रगण, दोस्त लोग; सहचरगण, साथी लोग।
रिफ़ादः (رفادہ) अ. पुं.–घाव पर बाँधने की पट्टी।
रिफ़ाह (رفاہ) अ. स्त्री.–'रफ़्ह' या 'रिफ़्ह' का बहु., हित, भलाइयाँ; सुख, आराम।
रिफ़ाहे आम (رفاہ عام) अ. स्त्री.–लोकहित, जनहित, जनता की भलाई और सुख।
रिफ़ाहे आम्मः (رفاہ عامہ) अ. स्त्री.–दे. 'रिफ़ाहे आम'।
रिफ़ाहे ख़लाइक़ (رفاہ خلائق) अ. स्त्री.–दे. 'रिफ़ाहे आम'।
रिफ़ाहे ख़ल्क़ (رفاہ خلق) अ. स्त्री.–दे. 'रिफ़ाहे आम'।
रिफ़्अत (رفعت) अ. स्त्री.–उच्चता, उत्तुंगता, बलंदी; उन्नति, तरक़्क़ी।
रिफ़्क़ (رفق) अ. स्त्री.–नम्रता, मृदुलता, कोमलता, नर्मी।
रिफ़्ह (رفہ) अ. पुं.–हित, भलाई; सुख, आराम, दे. 'रफ़्ह', दोनों शुद्ध हैं।
रिबा (ربوا) अ. पुं.–ब्याज, कुसीद, सूद।
रिब्अ (ربع) अ. पुं.–चौथे दिन आनेवाला ज्वर, चौथिया।
रिब्तः (ربطہ) अ. पुं.–नेक्टाई।
रिब्ह (ربح) अ. पुं.–तिजारती सूद या तिजारती लाभ।
रिमायः (رمایہ) अ. पुं.–धनुर्विद्या, तीरअंदाज़ी; तीर चलाना, बाण मारना।
रिमाल (رمال) अ. पुं.–'रम्ल' का बहु., रेत के ज़र्रे, बालू के कण।
रिमाह (رماح) अ. पुं.–'रुम्ह' का बहु., बरछे, शक्तियाँ, नेज़े।
रियः (ریہ) अ. पुं.–फेफड़ा, फुप्फुस, शुश।

रिया (ریا) अ. स्त्री.–पाखंड, आडंबर, दिखावा, नुमाइश।
रियाई (ریائی) अ. फा. स्त्री.–नुमाइशी, दिखावे का, पाखंडवाला।
रियाकार (ریاکار) अ. फा. वि.–पाखंडी, आडंबरी, धर्मध्वजी, आर्यरूप; छली, वंचक, ठग।
रियाकारी (ریاکاری) अ. फा. स्त्री.–पाखंड, ढोंग, धर्मध्वजता।
रियाज़ (ریاض) अ. पुं.–'रौज़' का बहु., बहुत से बाग़; कष्ट, परिश्रम, मेहनत; अभ्यास, मश्क़; तपस्या, इबादत।
रियाज़त (ریاضت) अ. स्त्री.–परिश्रम, उद्यम, प्रयास, मेहनत; व्यायाम, वरज़िश, कस्रत; तपस्या, जप-तप, इबादत; व्रत आदि के द्वारा इंद्रियों का दमन, नफ़्सकुशी; अभ्यास, मश्क़।
रियाज़तकश (ریاضت کش) अ. फा. वि.–जप, तप और व्रत आदि के द्वारा इंद्रिय-निग्रह करनेवाला; कठोर तपस्या करनेवाला।
रियाज़तकशी (ریاضت کشی) अ. फा. स्त्री.–जप-तप और व्रत आदि; कठोर तपस्या।
रियाज़तगाह (ریاضت گاہ) अ. फा. स्त्री.–तपोवन, जप-तप करने का स्थान।
रियाज़ती (ریاضتی) अ. वि.–कसरती, वरज़िशी; संयमी, जप-तप करनेवाला।
रियाज़ते शाक़्क़ः (ریاضت شاقہ) अ. स्त्री.–बहुत कड़ा परिश्रम; बहुत बड़ी तपस्या।
रियाज़ी (ریاضی) अ. स्त्री.–गणित, बीजगणित, गणित विद्या, इल्मुल हिसाब, मैथमैटिक्स।
रियाज़ीदाँ (ریاضی داں) अ. फा. वि.–बीजगणित जाननेवाला, गणितज्ञ।
रियाज़ीदानी (ریاضی دانی) अ. फा. स्त्री.–गणित विद्या जानना, हिसाब जानना।
रियाल (ریال) अ. पुं.–एक सिक्का।
रियासत (ریاست) अ. स्त्री.–अध्यक्षता, स्वामित्व, सरदारी; सत्ता, शासन, हुकूमत; बड़ी ज़मींदारी, जागीरदारी; जागीर, इलाक़ा।
रियाह (ریاح) अ. पुं.–'रीह' का बहु., हवाएँ; अपान वायु, अधोवायु, गोज़।
रियाही (ریاحی) अ. वि.–रियाह अर्थात् वायु-सम्बन्धी; वात के विकार से उत्पन्न रोग आदि।
रिवाक़ (رواق) अ. पुं.–मकान के ऊपर बना हुआ मकान, अट्टालिका; गैलरी, दे. 'रवाक़' और 'रुवाक़'।
रिवाज (رواج) अ. पुं.–प्रथा, रूढ़ि, परंपरा, चलन; दे. 'रवाज', दोनों शुद्ध हैं।

रिवायत (روایت) अ. स्त्री.–किसी के मुंह से सुनी हुई बात ज्यों की त्यों किसी से कहना; इस्लामी परिभाषा में हज़रत पैग़म्बर साहब के मुख से सुनी हुई बात दूसरे को उन्हीं के शब्दों में सुनाना, हदीस बयान करना।

रिवायतन (روایتاً) अ. वि.–किसी दूसरे से सुनने के तौर पर।

रिवायात (روایات) अ. स्त्री.–'रिवायत' का बहु., रिवायतें।

रिवायाती (روایاتی) अ. वि.–रिवायात सम्बन्धी, दूसरों से सुने हुए।

रिशा (رشا) अ. स्त्री.–छब्बीसवाँ नक्षत्र, उत्तरा भाद्रपद।

रिश्तः (رشتہ) फा. पुं.–काता हुआ; डोरा, तागा; सम्बन्ध, नाता, क़राबत; नारू रोग, वह कीड़ा जो डोरे की तरह विशेषतः पाँव से निकलता है।

रिश्तःदार (رشتہدار) फा. पुं.–सम्बन्धी, स्वजन, नातेदार, वंशज, परिजन।

रिश्तःदारी (رشتہداری) फा. स्त्री.–अज़ीज़दारी, नातेदारी, स्वजनता, सजातीयता।

रिश्तःबपा (رشتہبپا) फा. वि.–दे. 'रिश्तःबरपा'।

रिश्तःबरपा (رشتہبرپا) फा. वि.–वह पक्षी जिसके पाँव में डोरा बँधा हो और उड़ न सकता हो।

रिश्तए आवाज़ (رشتۂ آواز) फा. पुं.–आवाज़ का डोरा।

रिश्तए उम्र (رشتۂ عمر) अ. पुं.–सालगिरह की गाँठ जो डोरे में दी जाती है।

रिश्तए ख़ूँ (رشتۂ خوں) अ. फा. पुं.–ख़ून का सिलसिला रक्त-सम्बन्ध, एक वंश या खानदान का होना।

रिश्तए जाँ (رشتۂ جاں) फा. पुं.–प्राणसूत्र, जीवन-सूत्र; श्वासा, साँस।

रिश्तए पेचाँ (رشتۂ پیچاں) फा. पुं.–बल खानेवाला साँप।

रिश्तए हल्वा (رشتۂ حلوا) फा. अ. पुं.–सिवैयाँ।

रिश्तनी (رشتنی) फा. वि.–कातने योग्य, जो काता जा सके।

रिश्वत (رشوت) अ. स्त्री.–उत्कोच, उपदान, कौशलिक, अभ्युपायन, उपदा, घूस।

रिश्वतख़ोर (رشوتخور) अ. फा. वि.–रिश्वत खानेवाला, उत्कोचभुक्, उत्कोचग्राही।

रिश्वतख़ोरी (رشوتخوری) अ. फा. स्त्री.–रिश्वत खाना, उत्कोच लेना, घूसख़ोरी।

रिश्वतदिहिंद: (رشوتدہندہ) अ. फा. वि.–रिश्वत देनेवाला, उत्कोचदाता।

रिश्वतदिही (رشوتدہی) अ. फा. स्त्री.–रिश्वत देना, उत्कोच दान।

रिश्वतसितानी (رشوتستانی) अ.फा. स्त्री.–रिशवत लेना, उत्कोच ग्रहण।

रिसालः (رسالہ) अ. पुं.–वह पत्रिका जो पुस्तक के रूप में किसी नियत समय पर प्रकाशित हो; किसी विषय पर छोटी-सी पुस्तक; सैनिकों की टुकड़ी, सवारों का दस्ता।

रिसालःदार (رسالہدار) अ. फा. पुं.–सवारों के एक रिसाले का नायक।

रिसालःदारी (رسالہداری) अ. फा. स्त्री.–सवारों के एक रिसाले की अध्यक्षता।

रिसालत (رسالت) अ. स्त्री.–संदेश, सँदेसा, ख़बर; दूतकर्म, सिफ़ारत; ईशदूतता, पैग़ंबरी।

रिसालत पनाह (رسالت پناہ) अ. फा. वि.–रसूल, पैग़ंबर, ईश दूत।

रिसालतमआब (رسالت مآب) अ. वि.–ईशदूत, पैग़ंबर।

रिहान (رہان) अ. पुं.–गिरौ करना, बंधक रखना; घुड़-दौड़ में शर्त लगाना; 'रह्न' का बहु., शर्तें।

रिहाल (رحال) अ. पुं.–'रह्ल' का बहु., कूच, प्रस्थान।

रिही (رہی) फा. पुं.–दास, ग़ुलाम, दे. 'रही', दोनों शुद्ध हैं।

रिह्मः (رہمہ) अ. पुं.–हलकी वर्षा, फुहार।

रिह्ल (رحل) अ. स्त्री.–किताब रखने का विशेष प्रकार का लकड़ी का यंत्र।

री

रीक़ (ریق) अ. पुं.–थूक, मुखस्राव।

रीख़ (ریخ) फा. स्त्री.–पक्षियों की बीट; पतला पाख़ानः, दस्त।

रीचार (ریچار) फा. पुं.–अचार; मुरब्बा, जाम।

रीचाल (ریچال) फा. पुं.–दे. 'रीचार', दो. शु. हैं।

रीबः (ریبہ) अ. पुं.–संदेह में डालनेवाली वस्तु; आरोप, लांछन, तुह्मत।

रीम (ریم) फा. स्त्री.–घाव में से निकला हुआ मवाद, पीप; धातुओं का मैल।

रीमगीं (ریمگیں) फा. वि.–पीप से भरा हुआ।

रीमिया (ریمیا) अ. स्त्री.–एक विद्या जिसके द्वारा मनुष्य जहाँ भी चाहे क्षण भर में पहुँच सकता है।

रीमियादाँ (ریمیاداں) अ. फा. वि.–रीमिया की विद्या जाननेवाला।

रीमे आहन (ریم آہن) फा. पुं.–लोहे का मैल, मंडूर, ख़ुब्सुल हदीद।

रीवाज (ریواج) फा. पुं.–दे. 'रीवास'

रीवास (ریواس) फा. पुं.–एक खटमिट्ठा मेवा।

रीश (ریش) फ़ा. स्त्री.–आस्यलोम, श्मश्रु, डाढ़ी।

रीशख़ंद (ریش خند) फ़ा. पुं.–ठठोल, मस्खरापन।

रीशगाव (ریش گاو) फ़ा. वि.–मूर्ख, मूढ़, अहमक़, गावदी।

रीशचग़ज़ (ریش چغز) फ़ा. पुं.–वह फोड़ा जो आपरेशन से अच्छा न हो।

रीशपुरबाद (ریش پرباد) फ़ा. पुं.–अहंकार, अभिमान, घमंड, ग़ुरूर।

रीशबाबा (ریش بابا) फ़ा. पुं.–अंगूर की एक क़िस्म।

रीशमाल (ریش مال) फ़ा. वि.–वह व्यक्ति जो अपनी स्त्री की कमाई खाता हो, भार्याट, भगभक्षी, दैयूस।

रीशमाली (ریش مالی) फ़ा. स्त्री.–दैयूसी, अपनी स्त्री को दूसरों के पास भेजकर उसकी कमाई खाना।

रीशे क़ाज़ी (ریش قاضی) फ़ा. अ. स्त्री.–शराब छानने की छन्नी।

रीशे मुर्सल (ریش مرسل) फ़ा. अ. स्त्री.–लंबी डाढ़ी।

रीह (ریح) अ. स्त्री.–वायु, हवा; गंध, बास; अपानवायु, अधोवायु, गोज़।

रीही (ریحی) अ. वि.–वात के कोप से होनेवाला रोग, बादी।

रीहुल बवासीर (ریح البواسیر) अ. स्त्री.–बादी बवासीर।

रु

रुअसा (رؤسا) अ. पुं.–'रईस' का बहु., रईस लोग।

रुआत (رعاة) अ. पुं.–'राई' का बहु., चरवाहे।

रुआफ़ (رعاف) अ. स्त्री.–नक्सीर, नाक से ख़ून आने की बीमारी।

रुऊनत (رعونت) अ. स्त्री.–अहंकार, अभिमान, घमंड; उद्दंडता, सरकशी।

रुऊनतपसंद (رعونت پسند) अ. फ़ा. वि.–अहंकारी, अभिमानी, घमंडी।

रुऊस (رؤس) अ. पुं.–'रास' का बहु., सर।

रुक़बा (رقبا) अ. पुं.–'रक़ीब' का बहु., रक़ीब लोग, प्रतिद्वंद्वी जन।

रुक़ाद (رقاد) अ. स्त्री.–निद्रा, नींद।

रुकूअ (رکوع) अ. पुं.–नमाज़ में झुकने की अवस्था।

रुक़ूद (رقود) अ. पुं.–सोना, नींद लेना।

रुकूब (رکوب) अ. पुं.–सवार होना, चढ़ना।

रुक़्अः (رقعہ) अ. पुं.–पर्चा, काग़ज़ का टुकड़ा; चिट्ठी, पत्री, ख़त।

रुक़्क़ा (رقعہ) अ. पुं.–दे. 'रुक़्अः' परंतु उर्दू में 'रुक़्क़ा', ही बोलते हैं।

रुक्न (رکن) अ. पुं.–स्तंभ, खंभा, स्थूण; सदस्य, मेम्बर।

रुक्नाबाद (رکن آباد) फ़ा. पुं.–ईरान में शीराज़ के पास बहनेवाली नदी।

रुक्ने आ'ज़म (رکن اعظم) अ. पुं.–सबसे बड़ा खंभा जिस पर इमारत का अधिक बोझ रहता है; ख़ास सदस्य।

रुक्ने मज्लिस (رکن مجلس) अ. पुं.–किसी सभा या संस्था का सदस्य।

रुक्ने रकीन (رکن رکین) अ. पुं.–मुख्य सदस्य, ख़ास मेम्बर।

रुक्ने सल्तनत (رکن سلطنت) अ. पुं.–राष्ट्र का प्रमुख अधिकारी।

रुक्ने हुकूमत (رکن حکومت) अ. पुं.–दे. 'रुक्ने सल्तनत'।

रुक्बः (رکبہ) अ. पुं.–जानु, घुटना।

रुख़ (رخ) फ़ा. पुं.–कपोल, गाल; आकृति, शक्ल; मुखाकृति, चेहरा; पक्ष, तरफ़; पार्श्व, पहलू; शत्रंज का एक मोहरा।

रुख़ाम (رخام) अ. पुं.–संगे मरमर, स्फटिक, श्वेत प्रस्तर।

रुख़्शाँ (رخشاں) फ़ा. वि.–दीप्त, प्रकाशमान, रौशन; चमकदार, उज्ज्वल।

रुख़्शिंदः (رخشندہ) फ़ा. वि.–चमकनेवाला, ज्वलंत; प्रकाशित, रौशन।

रुख़्शिंदगी (رخشندگی) फ़ा. स्त्री.–दीप्ति, प्रकाश, नूर; चमक-दमक, उज्ज्वलता।

रुख़्सत (رخصت) अ. स्त्री.–विदा, विदाई; आज्ञा, इजाज़त, अवकाश, फ़ुर्सत; विश्रामावकाश, ता'तील; दुल्हन का दूल्हा के घर जाना।

रुख़्सततलब (رخصت طلب) अ. वि.–जाने की आज्ञा माँगनेवाला।

रुख़्सतानः (رخصتانہ) अ. फ़ा. पुं.–रुख़्सत के समय दिया जानेवाला हक़, दस्तूर या पुरस्कार आदि।

रुख़्सती (رخصتی) अ. स्त्री.–दुल्हन का दूल्हा के घर जाने का संस्कार, विदाई।

रुख़्सारः (رخسارہ) फ़ा. पुं.–कपोल, गंडस्थल, गाल, आरिज़।

रुख़्सार (رخسار) फ़ा. पुं.–कपोल, गाल।

रुजूअ (رجوع) अ. स्त्री.–आकर्षण, प्रवृत्ति, रुजूआत; आकृष्ट, प्रवृत्त, राजे'।

रुजूअइलल्लाह (رجوع الی اللہ) अ. स्त्री.–ईश्वर की ओर प्रवृत्ति अर्थात् मन का लगाव, जप-तप आदि की ओर चित्त का आकर्षण।

रुजूआत (رجوعات) अ. स्त्री.–'रुजूअ' का बहु., परंतु एकवचन के अर्थ में व्यवहृत है, दे. 'रुजूअ'।

रुजूए क़ल्ब (رجوع قلب) अ. स्त्री.–हृदय का किसी ओर आकर्षण।

रुजूए ख़ल्क़ (رجوع خلق) अ.स्त्री.–जनता का किसी की ओर आकर्षण, जैसे–किसी साधु की ओर या किसी वैद्य की ओर।

रुजूम (رجوم) अ. पुं.–पथराव करना, किसी को पत्थर मारना।

रुजूलत (رجولت) अ. स्त्री.–पुंस्त्व, पौरुष, मर्दुमी, मर्दपन, कामशक्ति।

रुजूलियत (رجولیت) अ. स्त्री.–दे. 'रुजूलत'।

रुज्हान (رجحان) अ. पुं.–प्रवृत्ति, रुजूआत; रुचि, रग़्बत, आकर्षण, झुकाव; हृदय का किसी ओर विशेष रूप से आकर्षण।

रुतब (رطب) अ. पुं.–तर छुहारा, पिंड खजूर।

रुतूबत (رطوبت) अ. स्त्री.–तरी, आर्द्रता; शरीर में धातुओं की तरी, लसीका।

रुत्बः (رتبہ) अ. पुं.–पद, दर्जा; पदवी, उहदा; उपाधि, खिताब; श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी; महत्ता, बड़ाई।

रुत्बःदाँ (رتبہ داں) अ. फा. वि.–किसी के बड़प्पन को ठीक-ठीक समझनेवाला।

रुत्बःशनास (رتبہ شناس) अ. फा. वि.–किसी के पद और बड़प्पन को पहचानने और उसकी क़द्र करनेवाला।

रुत्बए बलंद (رتبۂ بلند) अ. फा. पुं.–बड़ा रुत्बा, बड़ी पदवी, बड़ा दरजा।

रुफ़क़ा (رفقا) अ. पुं.–'रफ़ीक़' का बहु., रफ़ीक़ लोग, साथी लोग।

रुफ़ात (رفات) अ. वि.–भग्न, खंडित, टूटा हुआ; टुकड़े-टुकड़े, चूर-चूर।

रुफ़्क़ः (رفقہ) अ. पुं.–साथ-साथ यात्रा करनेवाला, साथियों की टोली।

रुफ़्तः (رفتہ) फा. वि.–झाड़ा हुआ, झाड़ू से साफ़ किया हुआ।

रुफ़्त (رفت) फा. स्त्री.–झाड़-पोंछ, सफ़ाई।

रुफ़्तनी (رفتنی) फा. वि.–झाड़ने के क़ाबिल।

रुब (रुब्ब) (رب) अ. पुं.–फलों का पकाया हुआ रस जो गाढ़ा हो गया हो।

रुबा (ربا) फा. प्रत्य.–ले भागनेवाला, उड़ा ले जानेवाला, जैसे–'दिल रुबा' दिल उड़ा ले जानेवाला अर्थात् माशूक़।

रुबाइंदः (رباینده) फा. वि.–उड़ा ले जानेवाला, उचक ले जानेवाला, उचक्का।

रुबाई (رباعی) अ. स्त्री.–उर्दू और फ़ार्सी का एक छंद-विशेष जिसका मूल वज़्न १ तगण १ यगण एक सगण और एक मगण होता है (SSI, ISS, IIS, SSS), इसके पहले दूसरे और चौथे पद में क़ाफ़िया होता है, कभी-कभी चारों ही सानुप्रास होते हैं, परंतु अच्छा यही है कि चौथा सानुप्रास न हो।

रुबाईदः (ربائیده) फा. वि.–उचक ले जाया हुआ।

रुबाईयात (رباعیات) अ. स्त्री.–'रुबाई' का बहु., रुबाइयाँ।

रुबूदः (ربوده) फा. वि.–ले जाया हुआ, उचका हुआ।

रुबूदगी (ربودگی) फा. स्त्री.–उचक्कापन।

रुबूबीयत (ربوبیت) अ. स्त्री.–ईश्वरत्व, परवर्दगारी।

रुमूज़ (رموز) अ. पुं.–'रम्ज़' का बहु., बहुत से भेद।

रुमूज़े इश्क़ (رموز عشق) अ. पुं.–प्रेम के भेद, प्रेम की गहराइयाँ।

रुमूज़े मम्लुकत (رموز مملکت) अ. पुं.–राजनीति के भेद, उसकी गहराइयाँ।

रुम्मान (رمان) अ. पुं.–अनार, दाडिम।

रुम्मानी (رمانی) अ. वि.–अनार-जैसे रंग का, बहुत ही सुर्ख़ रंगवाला।

रुम्ह (رمح) अ. पुं.–बरछा, भाला।

रुवाक़ (رواق) अ. पुं.–मकान के ऊपर का खंड, अट्टा; गैलरी, दे. 'रिवाक़' और 'खाक़'।

रुवात (رواة) अ. पुं.–'रावी' का बहु., रावी लोग, रिवायत करनेवाले।

रुश्द (رشد) अ. पुं.–गुरु की शिक्षा और दीक्षा, पीर की हिदायत।

रुश्दोहिदायत (رشد وهدایت) अ. स्त्री.–दीक्षा और मंत्र आदि।

रुसुग़ (رسغ) अ. पुं.–कलाई, पहुँचा।

रुसुल (رسل) अ. पुं.–'रसूल' का बहु., रसूल और नबी।

रुसूख़ (رسوخ) अ. पुं.–प्रवेश, पहुँच, रसाई, पैठ; प्रेम-व्यवहार, मेल-जोल; जानकारी, दक्षता, कुशलता, महारत।

रुसूब (رسوب) अ. पुं.–नीचे बैठी हुई गाद; पेशाब में नीचे बैठा हुआ मल आदि (क़ारूरे की शीशी में)।

रुसूम (رسوم) अ. पुं.–'रस्म' का बहु., रस्में, रूढ़ियाँ, परम्पराएँ।

रुस्ग़ः (رسغہ) अ. पुं.–पहुँचा, क़लाई।

रुस्ग़ (رسغ) अ. पुं.–दे. 'रुस्ग़ः', दोनों शुद्ध हैं।

रुस्तः (رستہ) फा. वि.–उगा हुआ, अंकुरित।

रुस्तख़ेज़ (رستخیز) फा. स्त्री.–दे. 'रस्तख़ेज़' दोनों शुद्ध हैं।

रुस्तगार (رستگار) फा. वि.–दे. शुद्ध उच्चारण 'रस्तगार'।

रुस्तगी (رستگی) फा. स्त्री.–उगाव, उपज, रोईदगी।

रुस्तनी (رستنی) फा. स्त्री.–तरकारी, शाक, (वि.) उगने योग्य, उपज के क़ाबिल।

रुस्तम (رستم) फा. पुं.–ईरान का एक प्राचीन योद्धा

और पहलवान, जिसका उल्लेख 'फ़िरदौसी' ने 'शाहनामः' में किया है; बहुत बड़ा शूर और वीर।

रुस्तमे ज़माँ (رستم زماں) फ़ा. अ. पुं.–अपने समय का सबसे बड़ा योद्धा।

रुस्ताख़ेज़ (رستاخیز) फ़ा. स्त्री.–दे. 'रस्ताख़ेज़', दोनों शुद्ध हैं।

रुस्ती (رستی) फ़ा. स्त्री.–सुख, चैन, जीविका, रोज़ी; समृद्धि, ऐश।

रुस्तोख़ेज़ (رست وخیز) फ़ा. स्त्री.–दे. 'रस्तोख़ेज़', दोनों शुद्ध हैं।

रुस्ल (رسل) अ. पुं.–'रसूल' का बहु., पैग़ंबर लोग, दे. 'रुसुल', दोनों शुद्ध हैं।

रुस्वा (رسوا) फ़ा. वि.–जो बहुत बदनाम हो, निंदित, गर्हित।

रुस्वाई (رسوائی) फ़ा. स्त्री.–बदनामी, निंदा, अपयश, कुख्याति,—"यादे ऐयाम कि या तर्के शिकेबाई था। हर गली कूचा मुझे कूचए रुस्वाई था।"

रुस्वाए आम (رسوائے عام) फ़ा. अ. वि.–सारे में बदनाम, सर्वनिंदित।

रुहमा (رحما) अ. पुं.–'रहीम' का बहु., दयालु लोग।

रुहबान (رهبان) अ. पुं.–'राहिब' का बहु., वह ईसाई साधु जो सांसारिक विषय-वासनाओं का त्याग कर चुका हो।

रू

रू (رو) फ़ा. पुं.–मुखाकृति, चेहरा; मुख, मुँह; कारण, सबब।

रूअत (روعت) अ. स्त्री.–हृदय, दिल; बुद्धि, अक़्ल।

रूए किताबी (روۓ کتابی) फ़ा. अ. पुं.–किसी क़दर लंबोतरा चेहरा।

रूएज़मीं (روۓ زمیں) फ़ा. स्त्री.–धरातल, पृथ्वी की सतह।

रूएदाद (روئداد) फ़ा. स्त्री.–वृत्तांत, कथा; कार्यवाही, कारखाई।

रूए बंद (روۓ بند) फ़ा. पुं.–दे. 'रूबंद'।

रूए सुख़न (روۓ سخن) फ़ा. पुं.–बात का लक्ष्य, जिसे लक्ष्य करके बात की जाय; संबोधन, मुख़ातिब।

रूओरिआयत (رووعایت) फ़ा. अ. स्त्री.–मुरव्वत और लिहाज़, शील और संकोच।

रूकश (روکش) फ़ा. वि.–लज्जित, शर्मिंदा; संमुख, मुक़ाबिल; प्रतिद्वंद्वी, हरीफ़।

रूकशी (روکشی) फ़ा. स्त्री.–लज्जा, शर्म; संमुखता, सामना; प्रतिद्वंद्विता, रुकावत।

रूकार (روکار) फ़ा. स्त्री.–मकान के सामनेवाला भाग, सामने का रुख़।

रूगर्दां (روگرداں) फ़ा. वि.–परांमुख, विमुख, मुँह फेरे हुए; अवज्ञाकारी, हुक्म उदूल।

रूगर्दानी (روگردانی) फ़ा. स्त्री.–विमुखता, मुँह फेरना; आज्ञोल्लंघन, हुक्म उदूली।

रू दर रू (رو در رو) फ़ा. वि.–आमने-सामने, मुँह दर मुँह।

रूदाद (روداد) फ़ा. स्त्री.–वृत्तांत, हाल; कथा, कहानी; कार्यवाही, कारखाई।

रूदादे ग़म (روداد غم) फ़ा. अ. स्त्री.–प्रेमव्यथा का वृत्तांत, इश्क़ की कहानी।

रूदार (رودار) फ़ा. वि.–प्रतिष्ठित, संमानित, मुअज़्ज़ज़, पूज्य।

रूदारी (روداری) फ़ा. स्त्री.–प्रतिष्ठा, मान्यता, इज़्ज़त।

रूनास (روناس) फ़ा. स्त्री.–मजीठ, एक लकड़ी जो दवा में चलती और रंग के काम आती है।

रूनुमा (رونما) फ़ा. वि.–मुँह दिखानेवाला।

रूनुमाई (رونمائی) फ़ा. स्त्री.–मुँह दिखाई।

रूपाक (روپاک) फ़ा. पुं.–रूमाल, मुँह पोंछने का कपड़ा।

रूपोश (روپوش) फ़ा. वि.–जो मुँह छिपाये हो; जो भागा हुआ हो, मफ़रूर।

रूपोशी (روپوشی) आ. स्त्री.–मुँह छिपाना; फ़िरार होना, मफ़रूरी।

रूबंद (روبند) फ़ा. पुं.–मुँह पर डालने का कपड़ा, बुर्क़ा, मुखपट, घूँघट।

रूबआस्माँ (روبآسماں) आकाश की ओर मुँह किये हुए, ऊपर मुँह उठाये हुए।

रूबक़फ़ा (روبقفا) फ़ा. अ. वि.–पीछे मुँह किये हुए।

रूबकार (روبکار) फ़ा. वि.–काम में दिल लगाये हुए, दत्त-चित्त, दे. 'रोबकार'।

रूबज़वाल (روبزوال) फ़ा. अ. वि.–पतन की ओर प्रवृत्त, पतनोन्मुख।

रूबदीवार (روبدیوار) फ़ा. वि.–स्तब्ध, चकित, हैरान।

रूबराह (روبراه) फ़ा. वि.–ठीक रस्ते पर, ठीक-ठीक।

रूबरू (روبرو) फ़ा. वि.–संमुख, आमने-सामने; प्रत्यक्ष, मुक़ाबिल।

रूबसेहत (روبصحت) फ़ा. अ. वि.–वह रोगी जो स्वास्थ्य की ओर जा रहा हो।

रूबहवा (روبهوا) फ़ा. अ. वि.–हवा के रुख़ पर।

रूम (روم) अ. पुं.–एक देश।

रूमाल (رومال) फ़ा. पुं.–हाथ-मुँह पोंछने का जेब में रखने-वाला कपड़ा, करपट, रुमाल।

रूमी (رومی) अ. वि.–रूम का निवासी; रूम की भाषा।

रूयत (رویت) अ. स्त्री.–दर्शन, देखना।

रूयते हिलाल (رویت ہلال) अ. स्त्री.–चंद्रदर्शन, नव चंद्र-दर्शन, नया चाँद देखना।

रूया (رویا) अ. पुं.–स्वप्न, ख़्वाब; निद्रा, नींद।

रूयाए सादिक़: (رویاے صادقہ) अ. पुं.–सच्चा ख़्वाब, वह स्वप्न जिसका फल स्वप्न में देखी हुई बात के अनुकूल हो।

रूशनास (روشناس) फ़ा. वि.–सूरत भर पहचाननेवाला, बहुत कम परिचित; परिचित, वाफ़िक़।

रूशनासी (روشناسی) फ़ा. स्त्री.–केवल सूरत भर पहचानना, बहुत कम परिचय।

रूसख़्तज (روسختج) फ़ा. पुं.–जला हुआ ताँबा जो विशेषतः ख़िज़ाब में काम देता है।

रूसपी (روسپی) फ़ा. स्त्री.–असती, पुंश्चली, भ्रष्टा, फ़ाहिशा।

रूसफ़ेद (روسفید) फ़ा. वि.–नेकनाम, यशस्वी; शिष्टाचारी, नेक कर्दार।

रूसियाह (روسیاہ) फ़ा. वि.–कदाचारी, पापात्मा, बदचलन; पापी, गुनाहगार।

रूसियाही (روسیاہی) फ़ा. स्त्री.–कदाचार, बदचलनी; पाप, गुनाह।

रूस्ता (روستا) फ़ा. पुं.–ग्राम, गाँव, देहात।

रूस्ताई (روستائی) फ़ा. वि.–ग्राम निवासी, देहाती; कृषक, किसान; उजड्ड, अक्खड़, असभ्य, गँवार।

रूस्ताज़ाद: (روستازادہ) फ़ा. पुं.–गाँव का लड़का, देहाती लड़का।

रूह (روح) अ. स्त्री.–प्राण-वायु, जान; सत, जौहर; कई बार का खींचा हुआ अरक़; कई बार का बहुत अधिक फूलों से बनाया हुआ इत्र।

रूहअफ़ज़ा (روح افزا) अ. फ़ा. वि.–प्राणवर्द्धक, जीवन बढ़ानेवाला।

रूहपर्वर (روح پرور) अ. फ़ा. वि.–प्राणों को पालने और उनकी रक्षा करनेवाला।

रूहफ़र्सा (روح فرسا) अ. फ़ा. वि.–प्राणों को छीलनेवाला, अर्थात् हृदय को अत्यंत खेद पहुँचानेवाला।

रूहानियाँ (روحانیاں) अ. फ़ा. पुं.–देवतागण, फ़िरिश्ते।

रूहानियात (روحانیات) अ.फ़ा.स्त्री.–अध्यात्मवाद, इलाहीयात।

रूहानी (روحانی) अ. वि.–आत्मिक, रूह सम्बन्धी; हार्दिक, दिली।

रूहानियत (روحانیت) अ. स्त्री.–आत्मवाद, अध्यात्मवाद, तसव्वुफ़।

रूही (روحی) अ. वि.–हार्दिक, दिली; आत्मिक, रूहानी।

रूहुलअमीन (روح الامین) अ. पुं.–हज़रत जिब्रील।

रूहुलक़ुदुस (روح القدس) अ. पुं.–हज़रत जिब्रील।

रूहुल्लाह (روح اللہ) अ. पुं.–हज़रत ईसा।

रूहेआ'ज़म (روح اعظم) अ. पुं.–जिब्रील।

रूहे तबई (روح طبعی) अ. स्त्री.–प्राणवायु का वह अंश जो यकृत में रहकर खाद्य पदार्थों को पचाता और शरीर के सारे अंगों को गिज़ा पहुँचाता है, (यूनानी तिब)।

रूहे तूतिया (روح توتیا) अ. फ़ा. स्त्री.–जस्ता, एक धातु।

रूहे नफ़्सानी (روح نفسانی) अ. स्त्री.–प्राणवायु का वह अंश जो मस्तिष्क में रहता और इंद्रियों का संचालन करता तथा उन्हें शक्ति प्रदान करता है (यूनानी तिब)।

रूहे नबाती (روح نباتی) अ. स्त्री.–वनस्पति के अंदर संचार करनेवाला प्राणवायु या उसकी जीवन-शक्ति।

रूहे मुअज़्ज़म (روح معظم) अ. पुं.–हज़रत जिब्रील।

रूहे मुकर्रम (روح مکرم) अ. पुं.–हज़रत जिब्रील।

रूहे मुजर्रद (روح مجرد) अ. पुं.–दे. 'रूहे मुत्लक़'।

रूहे मुत्लक़ (روح مطلق) अ. पुं.–ईश्वर, परमात्मा।

रूहे रवाँ (روح رواں) अ. फ़ा. स्त्री.–प्राणवायु, वह रूह जो रगों में संचरित रहती है।

रूहे हैवानी (روح حیوانی) अ.स्त्री.–वह प्राणवायु जो शिराओं के द्वारा सारे शरीर में संचार करता है, और यकृत में जाकर अन्न पचाता और बाँटता और मस्तिष्क में जाकर इंद्रियों को शक्ति देता और सारे अंगों को जीवन प्रदान करता, उन्हें पालता और विकसित करता और उनकी शक्ति बढ़ाता है।

रे

रेग (ریگ) फ़ा. उभ.–बालुका, रेत, बालू।

रेगज़ार (ریگ زار) फ़ा. पुं.–मरुस्थल, रेगिस्तान।

रेगदान (ریگ دان) फ़ा. पुं.–रेत रखने का पात्र जो विशेषतः बही-खाते की स्याही सुखाने के काम आता है।

रेगबूम (ریگ بوم) फ़ा. स्त्री.–रेतेली ज़मीन जिसमें कुछ पैदा न हो; रेगिस्तान।

रेगमाल (ریگ مال) फ़ा. पुं.–एक प्रकार का खुरदरा काग़ज़, जो लकड़ी आदि को साफ़ करने के काम आता है।

रेगमाही (ریگ ماہی) फ़ा. स्त्री.–एक प्रकार की मछली जो रेत में पैदा होती है और दवा मे चलती है, सक़न्क़ूर।

रेगशो (ریگ شو) मिट्टी साफ़ करके उससे सोना निकालने वाला, न्यारिया।

रेगशोई (ریگ شوئی) फ़ा. स्त्री.–मट्टी से सोना-चाँदी निकालने का काम, न्यारा।

रेगिस्तान (ریگستان) फा. पुं.—मरुस्थल, मरुभूमि, रेगिस्तानी इलाक़ा।
रेगिस्तानी (ریگستانی) फा. वि.—रेगिस्तान का निवासी; रेगिस्तान में उत्पन्न होनेवाला।
रेगे गुर्दः (ریگ گردہ) फा. स्त्री.—गुर्दे में पड़नेवाली पथरी।
रेगे मसानः (ریگ مثانہ) फा. अ. स्त्री.—मूत्राशय में पड़नेवाली पथरी।
रेगे रवाँ (ریگ رواں) फा. स्त्री.—हमेशा गतिमान रहनेवाला रेत।
रेख़्तः (ریختہ) फा. पुं.—गिरा पड़ा, बिखरा हुआ; उर्दू भाषा का पुराना नाम जो उसे एक शताब्दी पहले प्राप्त था।
रेख़्तःगर (ریختہ گر) फा. वि.—धातु के बरतन ढालनेवाला।
रेख़्तःगरी (ریختہ گری) फा. स्त्री.—धातु के बरतन ढालना।
रेख़्तः गो (ریختہ گو) रेख़्ता की भाषा में कविता करनेवाला।
रेख़्तःगोई (ریختہ گوئی) फा. स्त्री.—रेख़्ता में कविता करना।
रेख़्तःदम (ریختہ دم) फा. वि.—धार उतरा हुआ, भोथरा।
रेख़्तःपा (ریختہ پا) फा. वि.—शीघ्र गति, तेज रफ़्तार, वायुवेग।
रेख़्तःपाई (ریختہ پائی) फा. स्त्री.—तेज चलना, शीघ्र गमन।
रेख़्तःमू (ریختہ مو) जिसके बाल झड़ गये हों।
रेख़्ती (ریختی) फा. स्त्री.—रेख़्ता की वह क़िस्म जिसमें स्त्रियों की भाषा में (स्त्रैण) कविता की जाती थी।
रेज़ः (ریزہ) फा. पुं.—कण, ज़र्रा; कतरन, किरच; बहुत छोटा टुकड़ा, रवा।
रेज़ःकार (ریزہ کار) फा. वि.—बहुत महीन काम करनेवाला।
रेज़ःकारी (ریزہ کاری) फा. स्त्री.—बहुत महीन काम बनाना।
रेज़ःख़्वाँ (ریزہ خواں) फा. वि.—गानेवाला, गायक; स्वर का उतार-चढ़ाव।
रेज़ःख़्वानी (ریزہ خوانی) फा. स्त्री.—गाना, नग़्मः सराई।
रेज़ःचीं (ریزہ چیں) फा. वि.—गिरी पड़ी चीज़ें बीननेवाला; दस्तरख़्वान की झूठन खानेवाला; विद्या आदि का लाभ प्राप्त करनेवाला।
रेज़ःचीनी (ریزہ چینی) फा. स्त्री.—गिरी पड़ी चीज़ें बीनना; झूठन खाना; विद्या आदि प्राप्त करना।
रेज़ःरेज़ः (ریزہ ریزہ) फा. वि.—चूर-चूर, खंड-खंड, ज़र्रा-ज़र्रा।
रेज़ःसरा (ریزہ سرا) फा. वि.—पक्का गाना गानेवाला।
रेज़ःसराई (ریزہ سرائی) फा. स्त्री.—पक्का गाना गाना।
रेज़ः (ریز) फा. प्रत्य.—बिखेरनेवाला, जैसे—'गुलरेज़' फूल बिखेरनेवाला।
रेज़गारी (ریزگاری) फा. स्त्री.—रुपये की ख़रीज, भरत, रेज़गी (ریزگی) फा. स्त्री.—छोटा सिक्का, रेज़गारी; कण, ज़र्रा, छोटा टुकड़ा।
रेज़ाँ (ریزاں) फा. वि.—बिखेरता हुआ, बरसाता हुआ, डालता हुआ।
रेज़िंदः (ریزندہ) फा. वि.—बिखेरनेवाला, बरसानेवाला, गिरानेवाला।
रेज़िंदःअश्क (ریزندہ اشک) फा. वि.—आँसू बहानेवाला, रोनेवाला।
रेज़िश (ریزش) फा. स्त्री.—बिखरन, फैलाव, बहाव; नज़्ले के कारण नाक बहना।
रेवंद (ریوند) फा. स्त्री.—एक दवा, रेवंदख़ताई।
रेवंदख़ताई (ریوندخطائی) फा. स्त्री.—एक जड़ जो जिगर के लिए बहुत अच्छी ओषधि है।
रेवंदचीनी (ریوند چینی) फा. स्त्री.—दे. 'रेवंदख़ताई', परंतु रेवंदचीनी के नाम से एक दूसरी दवा चलती है।
रेव (ریو) फा. पुं.—छल, कपट, मक्र, फ़िरेब।
रेवकार (ریوکار) फा. वि.—छली, कपटी, वंचक, मक्कार।
रेवफ़न (ریوفن) फा. वि.—जो छल में बड़ा निपुण हो, धूर्त, फ़ित्तीन।
रेशः (ریشہ) फा. पुं.—लकड़ी का पतला सूत, तंतु; क्षुथड़ा।
रेशःख़त्मी (ریشہ خطمی) फा. स्त्री.—एक दवा, ख़त्मी की जड़ (वि.) मुग्ध, लट, फ़िरेफ़्ता।
रेशःदवानी (ریشہ دوانی) फा. स्त्री.—सुआडोरा, किसी काम के लिए गुप्तरूप से कोशिश।
रेशःदार (ریشہ دار) फा. वि.—जिसमें रेशे हों।
रेश (ریش) फा. पुं.—क्षत, व्रण, घाव, ज़ख़्म।
रेशए क़लम (ریشۂ قلم) फा. अ. पुं.—क़लम के भीतर रहनेवाला सूत।
रेशए नै (ریشۂ نے) फा. पुं.—नरकट के भीतर का सूत।
रेशम (ریشم) फा. पुं.—पाट, एक प्रसिद्ध डोरा जो एक कीड़े से प्राप्त होता है और जिससे रेशमी कपड़ा बनता है।
रेशमीं (ریشمیں) फा. वि.—रेशम का; रेशम का बना हुआ; रेशम सम्बन्धी।
रेशमी (ریشمی) फा. वि.—दे. 'रेशमीं'।
रेसिंदः (ریسندہ) फा. वि.—कातनेवाला।
रेसीदः (ریسیدہ) फा. वि.—काता हुआ।
रेस्माँ (ریسماں) फा. स्त्री.—'रेस्मान' का लघु., दे. 'रेस्मान'।
रेस्माँबाज़ (ریسماں باز) फा. वि.—नट, बाज़ीगर।
रेस्माँबाज़ी (ریسماں بازی) फा. स्त्री.—नट का काम बाज़ीगरी।
रेस्मान (ریسمان) फा. स्त्री.—डोर, डोरी; रस्सी, रज्जु।

रै

रैआन (ریعان) अ. पुं.–अनुष्ठान, उठान; यौवनारंभ, उठती जवानी।

रैआने जवानी (ریعان جوانی) अ. फा. पुं.–जवानी की शुरूआत, यौवनारंभ।

रैआने शबाब (ریعان شباب) अ. पुं.–दे. 'रैआने जवानी'।

रैब (ریب) अ. पुं.–संदेह, आशंका, शक, शुबहा; दुर्घटना, हादिसा।

रैबुलमनून (ریب المنون) अ. पुं.–सांसारिक दुर्घटनाएँ, दुनयावी हादिसे।

रैहाँ (ریحاں) अ. पुं.–'रैहान' का लघु, दे. 'रैहान'।

रैहानः (ریحانہ) अ. स्त्री.–रैहान बोने की जमीन।

रैहान (ریحان) अ. पुं.–एक खुशबूदार घास।

रैहानी (ریحانی) अ. वि.–जिसमें रैहान की सुगंध हो; जो रैहान से बनी हो।

रो

रोइँ (روئیں) फा. वि.–काँसे का बना हुआ।

रोइँतन (روئیں تن) फा. वि.–जिसका शरीर धातु का बना हो, अर्थात् बहुत मज़बूत शरीरवाला, लौहपुरुष।

रोईदः (روئیدہ) फा. वि.–उगा हुआ, जमा हुआ, अंकुरित।

रोईदगी (روئیدگی) फा. स्त्री.–उगाव, उत्पत्ति जमावट; वनस्पति, घास आदि।

रोईदनी (روئیدنی) फा. वि.–उगने योग्य, अंकुरित होने योग।

रोजः (روزہ) फा. पुं.–व्रत, उपवास, उपोषण, (प्रत्य.) दिनोंवाला, जैसे—'हफ़्त रोज़:' सात दिनोंवाला।

रोजःकुशाई (روزہ کشائی) फा. स्त्री.–रोज़ेदारों को रोज़ा खोलने के लिए इफ़्तारी भेजना या अपने घर खिलाना।

रोज़ः खोर (روزہ خور) फा. वि.–जो रोज़ा न रखता हो, रोज़: खा जानेवाला।

रोजःदार (روزہ دار) फा. वि.–जो रोज़े से हो, व्रतधारी।

रोजःशिकनी (روزہ شکنی) फा. स्त्री.–रोज़ा समय से पहले तोड़ देना।

रोज (روز) फा. पुं.–दिवस, दिन, दिवा।

रोजःअफ़्ज़ूँ (روزافزوں) फा. वि.–जो हर दिन बढ़ता रहे, वृद्धिमान्।

रोज़कोर (روزکور) फा. वि.–वह व्यक्ति जिसे दिन में न दिखाई देने का रोग हो, दिनांध।

रोज़कोरी (روزکوری) फा. स्त्री.–दिन में न दिखाई देने का रोग।

रोज़गार (روزگار) फा. पुं.–उद्योग, व्यवसाय, पेशा; काल, समय, वक़्त; युग, अब्द।

रोज़गारपेशः (روزگارپیشہ) फा. वि.–उद्योगी, व्यवसायी, तिजारत करनेवाला।

रोज़न (روزن) फा. पुं.–छिद्र, विवर, सूराख़।

रोज़नामः (روزنامہ) फा. पुं.–दैनिक पत्र, रोज निकलनेवाला अख़्बार, डेली पेपर।

रोज़नामचः (روزنامچہ) फा. पुं.–रोज का हाल लिखने की किताब, दैनिकी, डाइरी; पुलिस की रोज़ की काररवाई का रजिस्टर; रोज़ के हिसाब की बही।

रोज़ ब रोज़ (روزبروز) फा. वि.–हर रोज़, दिन प्रतिदिन।

रोज़मर्रः (روزمرہ) अ. फा. पुं.–प्रतिदिन, हर रोज़, नित्य-प्रति।

रोज़ रोज़ (روزروز) फा. वि.–हर रोज़, बिला नाग़ा, नित्य प्रति, नित्यशः।

रोज़ानः (روزانہ) फा. वि.–हररोज़, प्रतिदिन, डेली, नित्यशः।

रोज़ी (روزی) फा. स्त्री.–जीविका, आजीविका, वृत्ति।

रोज़ीनः (روزینہ) फा. पुं.–हर रोज़ की तनख़्वाह; एक दिन के हिसाब से मज़्दूरी।

रोज़ीनःदार (روزینہ دار) फा. पुं.–हर रोज़ की तनख़्वाह पानेवाला, एक दिन के हिसाब से मज़्दूरी पानेवाला।

रोज़ीदेहिंद: (روزی دہندہ) फा. वि.–रिज़्क़ देनेवाला, अन्नदाता।

रोज़ीरसाँ (روزی رساں) फा. वि.–रोज़ी देनेवाला, अन्नदाता।

रोज़ीरसानी (روزی رسانی) फा. स्त्री.–रोज़ी देना, अन्नदान।

रोज़े क़ियामत (روز قیامت) फा. अ. पुं.–क़ियामत का दिन जब अच्छे और बुरे कर्मों का हिसाब-किताब होगा।

रोज़े जंग (روز جنگ) फा. पुं.–युद्ध का दिन, लड़ाई का दिन।

रोज़े जज़ा (روز جزا) फा. अ. पुं.–दे. 'रोज़े क़ियामत'।

रोज़े पर्सी (روز پرسش) फा. पुं.–पूछने का दिन।

रोज़े बद (روز بد) फा. पुं.–बुरा दिन, मनहूस और अशुभ दिन, जिस दिन कोई बुरी घटना हुई हो।

रोज़े बाज़ख़्वास्त (روز بازخواست) फा. पुं.–दे. 'रोज़े क़ियामत'।

रोज़े महशर (روز محشر) फा. अ. पुं.–दे. 'रोज़े क़ियामत'।

रोज़े मैदाँ (روز میداں) फा. पुं.–दे. 'रोज़े जंग'।

रोज़े विलादत (روز ولادت) फा. अ. पुं.–'पैदा होने का दिन'।

रोज़े रौशन (روز روشن) फा. पुं.–साफ और उज्ज्वल दिन, जिस दिन बादल या कोहरा आदि न हो।

रोज़े शुमार (روز شمار) फा. अ. पुं.–दे. 'रोज़े क़ियामत'।

रोज़े सियाह (روز سیاہ) फा. पुं.–दे. 'रोज़े बद'।

रोज़े हश्र (روز حشر) फा. अ. पुं.–दे. 'रोज़े क़ियामत'।

रोज़े हिसाब (روزحساب) फा. अ. पुं.—दे. 'रोज़े क़ियामत'।
रोज़ोशब (روزوشب) फा. पुं.—रातदिन, अहर्निश।
रोदः (رودہ) फा. पुं.—ताँत, तंतु; आँत, अंत्र।
रोद (رود) फा. पुं.—नदी, आपगा, तरंगिणी, तटिनी, दर्या।
रोदखानः (رودخانہ) फा. पुं.—नदी, दर्या; वह भूमि जो प्रायः नदी की बाढ़ से जलमग्न रहती हो।
रोदखेज़ (رودخیز) फा. स्त्री.—पानी की रौ।
रोदबार (رودبار) फा. पुं.—जहाँ बहुत-से नदी नाले हों।
रोबः (روبہ) फा. स्त्री.—'रोबाह' का लघु., लोमड़ी, लोमशा।
रोबःबाज़ी (روبہ‌بازی) फा. स्त्री.—मक्कारी, धूर्तता, छल, कपट, वंचना।
रोब (روب) फा. प्रत्य.—झाड़नेवाला, जैसे—'राक़रोब' मिट्टी झाड़नेवाला।
रो'ब (رعب) अ. पुं.—आतंक, दाब; प्रताप, तेज, इक़बाल; धाक, डर।
रोबकार (روبکار) फा. पुं.—सरकारी काग़ज़, आदेशपत्र; हुक्मनामा।
रोबकारी (روبکاری) फा. स्त्री.—कार्रवाई; मुक़दमे आदि की पेशी।
रो'बदार (رعب‌دار) अ. फा. वि.—जिसकी धाक बैठी हो; जिसका चेहरा रोबीला हो।
रोबरू (روبرو) फा. वि.—आमने-सामने, सम्मुख, प्रत्यक्ष।
रोबाह (روباہ) फा. स्त्री.—लोमड़ी, लोमशा, लोमशी, खिंकिर, लोमालिका, लुखड़या।
रोबाहखस्लत (روباہ‌خصلت) फा. अ. वि.—मक्कार, छली, धूर्त, वंचक, ठग।
रोबाहबाज़ी (روباہ‌بازی) फा. स्त्री.—मक्कारी, छल, कपट, धूर्तता।
रोबाहमिज़ाज (روباہ‌مزاج) फा. अ. वि.—जिसकी प्रकृति में छल और धूर्तता हो।
रोबाहसिफ़त (روباہ‌صفت) फा. अ. वि.—मक्कार, छली, ठग, धोखेबाज़।
रोबीदः (روبیدہ) फा. वि.—झाड़ा हुआ, मार्जित, साफ़।
रो'बोदाब (رعب‌وداب) अ. पुं.—धाक और आतंक, भय और त्रास।
रोयत (رویت) अ. स्त्री.—देखना, दर्शन।
रोयते हिलाल (رویت ھلال) अ. स्त्री.—नवचंद्र-दर्शन, नया चाँद देखना।
रोया (رویا) अ. पुं.—स्वप्न, ख्वाब।
रोयाए सादिक़ः (رویاے صادقہ) अ. पुं.—सच्चा स्वप्न, जिसका फल सच्चा निकले।
रोशन (روشن) फा. वि.—दीप्त, प्रकाशमान, मुनव्वर; स्पष्ट, वाज़ेह; उज्ज्वल, साफ़।
रोसपी (روسپی) फा. स्त्री.—व्यभिचारिणी, असती, कुलटा, फ़ाहिशा।

रौ

रौअत (روعت) अ. स्त्री.—भय, त्रास, डर।
रौग़न (روغن) अ. पुं.—तेल, तैल; स्नेह, चिकनाई; घी, घृत।
रौग़नगर (روغن‌گر) अ. फा. वि.—तेल पेरनेवाला, तेली, तैलकार, तैलिक।
रौग़न ज़बानी (روغن زبانی) अ. फा. स्त्री.—चाटुकारिता, ख़ुशामद; वाचालता, चपलता, चर्ब ज़बानी।
रौग़न जोश (روغن جوش) अ. फा. वि—एक प्रकार का पका हुआ गोश्त।
रौग़न दाग़ (روغن داغ) अ. फा. वि.—घी से बघारा हुआ, छौंका हुआ।
रौग़नफ़रोश (روغن‌فروش) अ. फा. पुं.—तेल बेचनेवाला।
रौग़नी (روغنی) फा. वि.—तेल में बना हुआ; तेल लगा हुआ; चिकना।
रौग़ने क़ाज़ (روغن قاز) अ. फा. पुं.—चापलूसी, चाटुकारिता, ख़ुशामद।
रौग़ने कुंजद (روغن کنجد) अ. फा. पुं.—तिल का तेल, तैल।
रौग़ने गाव (روغن گاو) अ. फा. पुं.—गाय का घी, गोघृत।
रौग़ने ज़र्द (روغن زرد) अ. फा. पुं.—घी, घृत।
रौग़ने तल्ख़ (روغن تلخ) अ. फा. पुं.—सरसों का तेल, कड़वा तेल, सर्षप तैल।
रौग़ने शीरीं (روغن شیریں) अ. फा. पुं.—तिल का तेल, तैल।
रौग़ने सर्शफ़ (روغن سرشف) अ. फा. पुं.—सरसों का तेल।
रौग़ने सियाह (روغن سیاہ) अ. फा. पुं.—सरसों का तेल।
रौज़ः (روضہ) अ. पुं.—उद्यान, आराम, वाटिका, बाग़; सब्ज़ःज़ार, शाद्वल, हरा-भरा मैदान; किसी बड़े दरवेश का मक़्बरा।
रौज़ःख्वाँ (روضہ‌خواں) अ. फा. वि.—मिम्बर पर बैठकर कर्बला की दुर्घटनाओं का व्याख्यान करनेवाला।
रौज़ःख्वानी (روضہ‌خوانی) अ. फा. स्त्री.—इमाम हुसैन की शहादत का हाल मिम्बर पर बैठकर बयान करना।
रौज़ (روض) अ. पुं.—'रौज़ः' का बहु., बहुत से बाग़, उद्यान-समूह।
रौज़ए जन्नत (روضۂ جنت) अ. पुं.—स्वर्गवाटिका, जन्नत का बाग़।
रौज़ए मुबारक (روضۂ مبارک) अ. पुं.—पवित्र और पुनीत रौज़ा।

रौज़ए रयाहीन (روضۂ ریاحین) अ. पुं.–स्वर्ग, जन्नत।
रौज़ए रिज़्वाँ (روضۂ رضواں) अ. पुं.–स्वर्ग, बहिश्त।
रौज़न (روزن) अ. पुं.–छिद्र, छेद, विवर, सूराख़।
रौज़ने दर (روزن در) अ. फा. पुं.–दीवार का छेद, दरवाज़ा।
रौज़ने दीवार (روزن دیوار) अ. फा. पुं.–दीवार का छेद।
रौज़ात (روضات) अ. पुं.–'रौज़ा' का बहु., उद्यान-समूह, बाग़ात।
रौनक़ (رونق) फा. स्त्री.–शोभा, छटा, सुहानापन; दीप्ति, प्रकाश, चमक-दमक, तड़क-भड़क; प्रसन्नता और हर्ष की लहर।
रौनक़अफ़्ज़ा (رونق افزا) फा. वि.–शोभा बढ़ानेवाला; उपस्थित, मौजूद, तशरीफ फ़र्मा।
रौनक़अफ़्ज़ाई (رونق افزائی) फा. स्त्री.–शोभा बढ़ाना; उपस्थित।
रौनक़अफ़्रोज़ (رونق افروز) फा. वि.–दे. 'रौनक़अफ़्ज़ा'।
रौनक़अफ़्रोज़ी (رونق افروزی) फा. स्त्री.–दे. 'रौनक़अफ़्ज़ाई'।
रौनक़आरा (رونق آرا) फा. वि.–दे. 'रौनक़अफ़्ज़ा'।
रौनक़फ़िज़ा (رونق فزا) फा. वि.–'रौनक़अफ़्ज़ा' का लघु., दे. 'रौनक़अफ़्ज़ा'।
रौनक़े ख़ाना (رونق خانہ) फा. स्त्री.–घर की रौनक़, गृह-दीप्ति; पत्नी, भार्या, बीबी।
रौनक़े चेहरः (رونق چہرہ) फा. स्त्री.–चेहरे की शोभा, मुखश्री, मुखरुचि, मुखकांति।
रौनक़े बज़्म (رونق بزم) फा. स्त्री.–सभा की रौनक़, सभा-भूषण।
रौनक़े मज्लिस (رونق مجلس) फा. अ. स्त्री.–दे. 'रौनक़े बज़्म'।
रौनक़े महफ़िल (رونق محفل) फा. अ. स्त्री.–दे. 'रौनक़े बज़्म'।
रौशन (روشن) अ. वि.–दीप्त, प्रकाशित, मुनव्वर; उज्ज्वल, धवल, शफ़्फ़ाफ़; स्पष्ट, ज्वलंत, वाज़ेह; चमकदार, ज्योतिर्मय, ताबाँ।
रौशनगुहर (روشن گہر) फा. वि.–कुलीन, वंशप्रदीप, आली-ख़ानदान।
रौशनजबीं (روشن جبیں) फा. वि.–चमकदार माथेवाला, उज्ज्वलललाट।
रौशनज़मीर (روشن ضمیر) फा. अ. वि.–जो दूसरों के हृदय की बात जानता हो, अन्तर्यामी।
रौशनज़मीरी (روشن ضمیری) फा. अ. स्त्री.–दूसरों के हृदय की बात जानना।
रौशनतब्अ (روشن طبع) अ. वि.–तीव्र बुद्धि, तेज़ फ़हम।
रौशनतर (روشن تر) अ. फा. वि.–बहुत अधिक चमकदार।
रौशनदान (روشندان) फा. पुं.–मकान में रौशनी आने का सूराख़।
रौशनदिमाग़ (روشن دماغ) अ. वि.–दीप्तप्रज्ञ, तीक्ष्ण-बुद्धि, तेज़ अक़्ल; नाक में सूंघने का हुलास।
रौशनदिमाग़ी (روشن دماغی) अ. फा. स्त्री.–बुद्धि की तेज़ी, ज़हानत, प्रतिभा।
रौशनदिल (روشن دل) अ. फा. वि.–दे. 'रौशनज़मीर'।
रौशनदिली (روشن دلی) अ. फा. स्त्री.–दे. 'रौशनज़मीरी'।
रौशननिगाह (روشن نگاہ) अ. फा. वि.–दूरदर्शी, तेज़ निगाह।
रौशननिहाद (روشن نہاد) अ. फा. वि.–दे. 'रौशनज़मीर'।
रौशनराए (روشن رائے) अ. वि.–जिसकी राय बहुत अच्छी हो; जिसकी सलाह बहुत बढ़िया हो; जो कूटनीति में निपुण हो।
रौशनसवाद (روشن سواد) अ. वि.–जो अच्छी तरह लिख-पढ़ सके, शिक्षित।
रौशनाई (روشنائی) फा. स्त्री.–उजाला, प्रकाश, आँख की तेज़ी, नज़र की दूरबीनी; सियाही, मसि।
रौशनी (روشنی) फा. स्त्री.–प्रकाश, नूर; आभा, चमक।
रौह (روح) अ. स्त्री.–सुगंध, ख़ुशबू; प्रफुल्लता, ताज़गी; सुख, आराम।
रौहात (روحات) अ. स्त्री.–'रौह' का बहु., सुगंधियाँ; सुख-चैन; ठंडी हवाएँ।

ल

लंग (لنگ) फा. पुं.–लँगड़ा, पंगुल, पंगु; लँगड़ापन, पंगुता; मेहन, शिश्न, लिंग।
लंगर (لنگر) फा. पुं.–अपाहिजों और कंगालों को दिया जानेवाला भोजन, जो प्रतिदिन दिया जाय, सदाव्रत; समुद्र में जहाज़ को ठहरानेवाला भारी बोझ।
लंगरअंदाख़्तः (لنگر انداختہ) फा. वि.–ठहरा हुआ, एक स्थान पर रुका हुआ।
लंगरअंदाज़ (لنگر انداز) फा. वि.–समुद्र में ठहरा हुआ जहाज़।
लंगरअंदाज़ी (لنگر اندازی) फा. स्त्री.–लंगर द्वारा समुद्र में जहाज़ का पड़ाव।
लंगरख़ानः (لنگر خانہ) फा. पुं.–वह स्थान जहाँ ग़रीबों को प्रतिदिन ख़ाना बाँटा जाता है, अन्न-सत्र।
लंगरगाह (لنگرگاہ) फा. स्त्री.–वह स्थान जहाँ जहाज़ लंगर से ठहरायें जाते हैं (बीच समुद्र में)।

लंगरपज़ीर (لنگرپزیر) फा. वि.–दे. 'लंगरअंदाज़'।

लंगरी (لنگری) फा. पुं.–लंगर से सम्बन्धित; एक प्रकार का बड़ा प्याला; बड़ी थाली, परात, तश्त।

लंगिंद: (لنگندہ) फा. वि.–लँगड़ाकर चलनेवाला।

लंगीद: (لنگیدہ) फा. वि.–लँगड़ाकर चला हुआ।

लंगोपा (لنگ پا) फा. पुं.–पाँव का लँगड़ापन, लँगड़ाहट।

लंज (لنج) फा. पुं.–अठलाकर चलना, चटक-मटक दिखाते हुए चलना।

लंदर: (لندرہ) तु. पुं.–लंदन, इंग्लैंड की राजधानी।

लंबक (لمبک) फा. अ.–बहराम गोर का भिश्ती, जो बड़ा अतिथि-पूजक और दानशील था।

लअल [लल] (لعل) अ. अव्य.–शायद, स्यात्, कदाचित्।

लअस (لعس) अ. पुं.–होठों की लालिमा।

लआली (لعالی) अ. पुं.–'लूलू' का बहु., मुक्तावली, बहुत से मोती।

लअ्आब (لعاب) अ. वि.–बाजीगर, मदारी, कौतुकी।

लइब (لعب) अ. पुं.–खेल, क्रीड़ा, खेल-कूद।

लईक़ (لئیق) अ. वि.–योग्य, क़ाबिल; शिष्ट, तमीज़दार।

लईन (لعین) अ. वि.–जिस पर ला'नत भेजी गयी हो, धिक्कृत।

लईम (لئیم) अ. वि.–वह कंजूस व्यक्ति जो न स्वयं खा सके न दूसरे को खिला सके।

लईमुत्तब्अ (لئیم الطبع) अ. वि.–जिसकी प्रकृति बहुत ही तुच्छ हो; जो स्वभाव से न स्वयं खा सके न किसी को खिला सके।

लउम्रुक (لعمری) अ. अव्य.–शपथ का एक प्रकार, तुम्हारे प्राणों की शपथ।

लऊक़ (لعوق) अ. पुं.–ऐसी औषध जो चाटकर खायी जाय, चटनी, अवलेह।

लक [लक्क] (لک) अ. पुं.–कूटना, चूरा करना; मारना, पीटना।

लक (لک) फा. पुं.–मूर्ख, बेवक़ूफ़; लाक्षा, लाख, एक प्रसिद्ध गोंद।

लक़ [लक़्क़] (لق) अ. पुं.–बे बालों का, सफाचट।

लक़त (لقط) अ. वि.–भूमि पर पड़ी हुई वस्तु, उठाई हुई; बीनी हुई, चुनी हुई।

लकद (لکد) फा. स्त्री.–लात, दुलत्ती।

लकद (لکد) अ. पुं.–मैल जमना, किसी स्थान का मैला होना।

लकदकोब (لکدکوب) फा. वि.–दुलत्ती मारनेवाला, लतयाव करनेवाला।

लकदकोबी (لکدکوبی) फा. स्त्री.–लतयाव करना, दुलत्ती झाड़ना।

लकदज़न (لکدزن) फा. वि.–दे. 'लकदकोब'।

लकदज़नी (لکدزنی) फा. स्त्री.–दे. 'लकदकोबी'।

लकन (لکن) अ. पुं.–हकलापन, हकलाकर बात करना।

लक़फ़ (لقف) अ. पुं.–दीवार का गिरना; हौज की दीवारों का गिर जाना, जिससे उसका मुँह चौड़ा हो जाय।

लक़ब (لقب) अ. पुं.–उपाधि, ख़िताब; ऐसा नाम जिसमें उस व्यक्ति के गुणों का पता चले।

लक़म (لقم) अ. पुं.–मार्ग का बीच।

लक़स (لقس) अ. पुं.–हृदय की व्याकुलता और घबड़ाहट; नाश, तबाही।

लक़ह (لقح) अ. पुं.–गर्भ होना, गर्भवती होना।

लक़ा (لقا) अ. पुं.–मैथुन, सहवास।

लक़िन (لقن) अ. वि.–किसी बात की तह को शीघ्र ही पहुँच जानेवाला, प्रतिभावान्।

लकिन (لکن) अ. वि.–हकलाकर बोलनेवाला।

लक़िस (لقس) अ. वि.–आपस में फूट डलवानेवाला।

लक़ीत: (لقیطہ) अ. वि.–वह बालक जो रास्ते में ज़मीन पर पड़ा हुआ मिले, और जिसे पाला जाय।

लक़ीत (لقیط) अ. पुं.–दे. 'लक़ीत:'।

लक़ोदक़ (لق ودق) फा. वि.–चटयल मैदान, ऐसा जंगल जिसमें कोसों न छाया हो न पानी, मूल शब्द 'लग़ोदग़' है।

लक़्अ (لقع) अ. पुं.–आँख झपकाना, पलक मारना, निमेष।

लक्ज़ (لکع) अ. पुं.–शरीर पर मैल जमना; साँप का डसना; पशु-शावक का दूध पीते समय थनों को सिर का हूरा देना।

लक़्क़ोदक़ (لق ودق) अ. पुं.–दे. 'लक़ोदक़'।

लक्ज़ (لکز) अ. पुं.–छाती पर लात मारना।

लक़्त (لقط) अ. पुं.–गिरी हुई वस्तु का भूमि से उठाना; बीनना, चुनना।

लक़्न (لقن) अ. पुं.–ताड़ना, परखना, समझना।

लक्म (لکم) अ. पुं.–घूँसा मारना, मुक्केबाज़ी करना।

लक़्म (لقم) अ. पुं.–मार्ग बंद कर देना, रास्ते का मुँह बंद कर देना।

लक़्लक़: (لقلقہ) अ. पुं.–लक़्लक़ पक्षी की ज़ोरदार आवाज़।

लक़्लक़ (لقلق) अ. पुं.–एक जलीय पक्षी जो साँप और मछली खाता है; सारस पक्षी; ज़बान, जिह्वा।

लकलक (لکلک) फा. पुं.–दे. 'लक़्लक़'।

लक़्लाक़ (لقلاق) अ. पुं.–लक़्लक़ पक्षी; लक़्लक़ पक्षी का स्वर।

लक़्वः (لقوه) अ. पुं.–एक रोग जिसमें मुँह एक ओर को फिर जाता है, भंजनक, वरुणग्रह।

लक़्वःज़दः (لقوه زده) अ. फ़ा. वि.–जिसे लक़्वा मार गया हो, वरुणग्रही।

लख़न (لخن) अ. पुं.–मैला होना, गंदा होना।

लख़्चः (لخچه) फ़ा. पुं.–स्फुलिंग, चिनगारी; अंगार, अंगारा; ज्वाला, शो'लः।

लख़्जः (لخجه) फ़ा. पुं.–दे. 'लख़्चः'।

लख़्तः (لخته) फ़ा. पुं.–दे. 'लख़्त'।

लख़्त (لخت) फ़ा. पुं.–खंड, टुकड़ा; अल्प, न्यून, थोड़ा; लोहे का गुर्ज़।

लख़्ते (لختے) फ़ा. वि.–थोड़ा-सा, ज़रा-सा।

लख़्ते जिगर (لخت جگر) फ़ा. पुं.–जिगर का टुकड़ा, पुत्र के लिए बोलते हैं।

लख़्ते दर (لخت در) फ़ा. पुं.–द्वारपट, दरवाज़े के किवाड़।

लख़्ते दिल (لخت دل) फ़ा. पुं.–दे. 'लख़्ते जिगर'।

लख़्लख़ः (لخلخه) अ. पुं.–सूँघने का एक सुगंधित मिश्रण।

लख़्शः (لخشه) फ़ा. पुं.–दे. 'लख़्चः'।

लख़्शाँ (لخشاں) फ़ा. वि.–रपटता हुआ, फिसलता हुआ, वह वस्तु जिस पर पाँव फिसले।

लख़्शिंदः (لخشنده) फ़ा. वि.–रपटनेवाला, फिसलनेवाला।

लख़्शीदः (لخشیده) फ़ा. अ. वि.–रपटा हुआ, फिसला हुआ।

लग़त (لغط) अ. पुं.–कोलाहल, शोर; आवाज़, पुकार।

लगन (لگن) फ़ा. स्त्री.–हाथ धोने का तश्त-विशेष; पीतल का दीवट, चौमुखा; अँगीठी।

लगाम (لگام) फ़ा. स्त्री.–कविका, दंतालिका।

लग़्नः (لغونه) फ़ा. पुं.–मुखचूर्ण, गुलगूनः।

लग़ोदग़ (لغودغ) फ़ा. पुं.–दे. 'लफ़ोदक़', शुद्ध शब्द यही है, परंतु प्रचलित नहीं है।

लग़्ज़ाँ (لغزاں) फ़ा. वि.–फिसलता हुआ, रपटता हुआ।

लग़्ज़िंदः (لغزنده) फ़ा. वि.–फिसलनेवाला, रपटनेवाला।

लग़्ज़िश (لغزش) फ़ा. स्त्री.–फिस्लन, रपट; त्रुटि, भूल, ग़लती; अपराध, क़ुसूर।

लग़्ज़िशे पा (لغزش پا) फ़ा. स्त्री.–पाँव फिसलना, डगमगा जाना, विचलित हो जाना, पदकंप।

लग़्ज़िशे बेजा (لغزش بےجا) फ़ा. स्त्री.–अनुचित भूल या ग़लती।

लग़्ज़ीदः (لغزیده) फ़ा. वि.–फिसला हुआ, रपटा हुआ।

लग़्म (لغم) अ. पुं.–किसी को ऐसी बात बताना, जिसका उसे विश्वास न हो।

लग़्व (لغو) अ. वि.–अनर्थ, फ़ुज़ूल; असत्य, झूठ।

लग़्वकार (لغوکار) अ. फ़ा. वि.–अनर्थकारी, व्यर्थ के काम करनेवाला, ऐसे काम करनेवाला जिनका कोई परिणाम न हो।

लग़्वकारी (لغوکاری) अ. फ़ा. स्त्री.–व्यर्थ के कार्य करना।

लग़्वगो (لغوگو) अ. फ़ा. वि.–अनर्गलवादी, बकवासी, मिथ्यावादी, अनृतभाषी, झूठा।

लग़्वगोई (لغوگوئی) अ. फ़ा. स्त्री.–मुखरता, वाचालता, बकवास; मिथ्या कथन, झूठ बोलना।

लग़्वबयाँ (لغوبیاں) अ. वि.–दे. 'लग़्वगो'।

लग़्वबयानी (لغوبیانی) अ. स्त्री.–दे 'लग़्वगोई'।

लग़्वियत (لغویت) अ स्त्री.–अनर्थता, फ़ुज़ूलपन; असत्यता, झूठपन; शरारत, शुहदपन।

लग़्वियतपसंद (لغویت پسند) अ. फ़ा. वि.–जिसे व्यर्थ की बातें पसंद हों।

लग़्वियात (لغویات) अ. स्त्री.–'लग़्वियत' का बहु., अनर्गल बातें, झूठ बातें, शरारत की बातें।

लचक (لچک) तु. पुं.–कामदार ओढ़नी या रूमाल।

लजन (لجن) अ. पुं.–बहुत-से व्यक्तियों का पानी भरने के लिए कुएँ पर इकट्ठा होना, किसी काम के लिए बहुत-से मनुष्यों का जुटना।

लज़न (لزن) फ़ा. स्त्री.–कीचड़।

लजफ़ (لجف) अ. पुं.–कुएँ के पास का गढ़ा जिसमें पशु पानी पीते हैं।

लज़म (لزم) अ. पुं.–किसी वस्तु के लिए किसी चीज़ का आवश्यक होना; किसी वस्तु का किसी व्यक्ति को अचंभे में डालना।

लज़ा (لظی) अ. स्त्री.–नरक, दोज़ख़; भड़कनेवाली अग्नि, अग्नि-ज्वाला।

लज़ाइज़ (لذائذ) अ. पुं.–'लज़्ज़त' का बहु., लज़्ज़तें, मज़े, स्वाद।

लज़ाइज़े दुनयावी (لذائذ دنیاوی) अ. पुं.–संसार के स्वाद, सांसारिक सुख।

लज़ाइज़े नफ़्सानी (لزائذ نفسانی) अ. पुं.–शारीरिक सुख, ऐंद्रिय स्वाद, भोग-विलास।

लज़ाइज़े रूहानी (لزائز روحانی) अ. पुं.–आत्मा को सुख देनेवाले स्वाद, जप-तप आदि से प्राप्त सुख, मानसिक सुख।

लजाज (لجاج) अ. पुं.–युद्ध, समर, लड़ाई, जंग।

लजाजत (لجاجت) अ. स्त्री.–युद्ध करना, लड़ना; बड़ा-

चढ़ाकर बात करना; गिड़गिड़ाना, हाहा खाना, ख़ुशामद के लिए दाँत निकालना; नम्रता, विनीति, आजिज़ी।

लजाजतआमेज़ (لجاجت آمیز) अ. फ़ा. वि.–गिड़गिड़ाहट और ख़ुशामद के साथ।

लज़िज (لزج) अ. वि.–चिपकनेवाली वस्तु।

लज़िब (لزب) अ. वि.–चिपकनेवाला।

लज़ीज़ (لذیذ) अ. वि.–स्वादिष्ठ, सुस्वाद, मज़ेदार।

लजूज (لجوج) अ. वि.–युद्ध करनेवाला, लड़नेवाला।

लज़्अ (لذع) अ. पुं.–चिनग, जलन, सोज़िश।

लह्जः (لہجہ) अ. पुं.–ध्वनि, शब्द, आवाज़; कोलाहल, शोरोग़ुल।

लज्ज़ (لجز) अ. पुं.–चिपकना; फिसलना।

लज़्ज़त (لذت) अ. स्त्री.–स्वाद, मज़ा; आनंद, लुत्फ़; मनोविनोद, तफ़रीह।

लज़्ज़तआमेज़ (لذت آمیز) अ. फ़ा. वि.–जिसमें स्वाद हो, स्वादयुक्त।

लज़्ज़तआश्ना (لذت آشنا) अ. फ़ा. वि.–जो किसी पदार्थ के स्वाद से परिचित हो, रसज्ञ; अनुभवी, मज़ा चखा हुआ।

लज़्ज़तचश (لذت چش) अ. फ़ा. वि.–स्वाद चखनेवाला; आनन्द लेनेवाला।

लज़्ज़तचशी (لذت چشی) अ. फ़ा. स्त्री.–स्वाद चखना; आनन्द लेना।

लज़्ज़तपसंद (لذت پسند) अ. फ़ा. वि.–जिसे स्वादिष्ठ भोजन पसंद हों, चटोरा, जिह्वा लोलुप

लज़्ज़तपसंदी (لذت پسندی) अ. फ़ा. स्त्री.–चटोरापन, स्वादिष्ठ भोजन प्रिय लगना।

लज़्ज़ते तक़रीर (لذت تقریر) अ. स्त्री.–बातचीत की मधुरता, वार्ता-माधुर्य।

लज़्ज़ाअ (لذاع) अ. वि.–जलन डालनेवाला, सोज़िश पैदा करनेवाला।

लज़्ज़ात (لذات) अ. वि.–'लज़्ज़त' का बहु., लज़्ज़तें, मज़े।

लज़्ज़ाब (لزاب) अ. वि.–बहुत चिपकनेवाला।

लज्लाज (لجلاج) अ. वि.–जो अटक-अटक कर बात करे, हकला।

लख़्लाज़ (لخلاض) अ. वि.–पथ-प्रदर्शन में निपुण।

लतंबान (لت انبان) फ़ा. वि.–लोभी, लालची; पेटू, बहुभक्षी।

लतंबार (لت انبار) फ़ा. वि.–दे. 'लतंबान'।

लत [त्त] (لط) अ. पुं.–चिपकना; किसी का हक़ न देना; कोई काम लगातार करना।

लत (لت) फ़ा. पुं.–लात, पाँव; उदर, पेट; टुकड़ा, खंड; अलसी के तार का कपड़ा।

लतअंबान (لت انبان) फ़ा. वि.–दे. 'लतंबान'।

लतअंबार (لت انبار) फ़ा. वि.–दे. 'लतंबार'।

लतत (لطط) अ. पुं.–दाँत गिरना; दाँतों का इतना घिस जाना कि जड़ें रह जायँ।

लत्फ़ (لطف) अ. पुं.–उपकार करना, भलाई करना; दान, बख़्शिश; पुरस्कार, तोहफ़ा।

लतमात (لطمات) अ. पुं.–'लत्मः' का बहु., तमाचे, थप्पड़।

लतह (لتح) अ. स्त्री.–भूख, क्षुधा, बुभुक्षा।

लताइफ़ (لطائف) अ. पुं.–'लतीफ़ः' का बहु., लतीफ़े, हँसी की बातें।

लताइफ़ुलहियल (لطائف الحیل) अ. पुं.–ऐसे बहाने जो बहाने न जान पड़ें।

लताइफ़े ग़ैबी (لطائف غیبی) अ. पुं.–वे दिव्य प्रकाश जो शुद्धात्माओं के हृदय-पटल पर पड़ते हैं।

लताइफ़ो ज़राइफ़ (لطائف و ظرائف) अ. पुं.–हँसानेवाली और दिल बहलानेवाली बातें।

लताफ़त (لطافت) अ. स्त्री.–कोमलता, नर्मी; मृदुलता, नज़ाकत; सूक्ष्मता, बारीकी; शुद्धता, पाकीज़गी; नवीनता, ताज़गी; भाव की गंभीरता।

लताफ़ते क़ल्ब (لطافت قلب) अ. स्त्री.–हृदय की कोमलता और मृदुलता।

लताफ़ते मिज़ाज (لطافت مزاج) अ. स्त्री.–स्वभाव की पवित्रता और कोमलता।

लतीफ़ः (لطیفہ) अ. पुं.–चुटकुला, हास्यक; अद्‌भुत और अनोखी बात।

लतीफ़ःगो (لطیفہ گو) अ. फ़ा. वि.–चुटकुले सुनानेवाला, चुटकुले सुनाकर हँसानेवाला।

लतीफ़ःगोई (لطیفہ گوئی) अ. फ़ा. स्त्री.–चुटकुले कहना, चुटकुले सुनाकर हँसाना।

लतीफ़ःसंज (لطیفہ سنج) अ. फ़ा. वि.–दे. 'लतीफ़ः गो'।

लतीफ़ःसंजी (لطیفہ سنجی) अ. फ़ा. स्त्री.–दे. 'लतीफ़ः-गोई'।

लतीफ़ (لطیف) अ. वि.–कोमल, नर्म; मृदुल, नाज़ुक; सूक्ष्म, बारीक; शुद्ध, पवित्र, पाकसाफ़; नवीन, नूतन, ताज़ा; बहुत ही हलका फुलका।

लतीफ़तब्अ (لطیف طبع) अ. वि.–दे. 'लतीफ़ मिज़ाज'।

लतीफ़मिज़ाज (لطیف مزاج) अ. वि.–कोमल और मृदुल स्वभाववाला, जिसके मिज़ाज में सफ़ाई और शुद्धता का ख़याल बहुत हो।

लतीफ़ुत्तब्अ (لطیف الطبع) अ. वि.–दे. 'लतीफ़तब्अ'।

लतीफ़ुलमिज़ाज (لطیف المزاج) अ. वि. – दे. 'लतीफ़मिज़ाज'।

लतीफ़ुस्सौत (لطیف الصوت) अ. वि.–जिसका स्वर मधुर, कोमल और मृदुल हो।

लतीम (لطیم) अ. वि.–थप्पड़ खाया हुआ, जिसे चाँटा मारा गया हो।

लतूख़ (لطوخ) अ. पुं.–मलनेवाली औषध, मालिश की दवा।

लत्अ (لطع) अ. पुं.–चाटना, लेहन; पीठ पर ठोकर मारना।

लत्ख़ (لطخ) अ. पुं.–लिप्त होना; बुराई में डालना; दोष लगाना।

लत्मः (لطمہ) अ. पुं.–थप्पड़, चाँटा, तलप्रहार।

लत्म (لطم) अ. पुं.–थप्पड़ मारना, चाँटा लगाना।

लत्म (لتم) अ. पुं.–छाती पर मारना।

लत्स (لطس) अ. पुं.–पाँव से ख़ूब मलना।

लत्ह (لطح) अ. पुं.–पीठ थपथपाना; किसी वस्तु को ज़मीन पर पटकना।

लद [द्द] (لد) अ. पुं.–युद्ध करना, लड़ना; शत्रुता करना, दुश्मनी करना।

लदद (لدد) अ. पुं.–बहुत अधिक शत्रुता होना।

लदम (لدم) अ. पुं.–'लादिम' का बहु., पैंद लगानेवाले; स्वजन, रिश्तेदार; वे व्यक्ति जिनसे स्त्रियाँ पर्दा नहीं करतीं।

लदीग़ (لدیغ) अ. वि.–जिसे साँप ने काटा हो, सर्पदंशित।

लदीद (لدید) अ. पुं.–घाटी का किनारा; मुँह और होंठों पर बुरकनेवाली औषध।

लदीम (لدیم) अ. पुं.–पैवंद लगा हुआ वस्त्र।

लदुन (لدن) अ. पुं.–हलका भाला; हर वह वस्तु जो कोमल हो; समीप, पास।

लदुन्नी (لدنی) अ. वि.–बिना प्रयास और साधन के मिली हुई वस्तु, ईश्वरदत्त।

लदूद (لدود) अ. वि.–झगड़ालू, बखेड़िया; लड़नेवाला, फ़सादी; मुँह पर छिड़कने की दवा, लदीद।

लद्ग़ः (لدغہ) अ. पुं.–डंक, दंश; डंक मारना।

लद्ग़ (لدغ) अ. पुं.–दे. 'लद्ग़ः'।

लद्म (لدم) अ. पुं.–धमाका, भारी वस्तु के गिरने का शब्द; कपड़े या जूते में पैवंद लगाना; स्त्री का किसी के शोक में छाती पीटना।

लनतरानी (لن ترانی) अ. वा.–'तू मुझे नहीं देख सकता', यह उस आकाशवाणी के शब्द हैं जब हज़रत मूसा ने ईश्वर का प्रकाश देखने की प्रार्थना की थी, अब डींग और शेख़ी के अर्थ में बोला जाता है।

लफ़ंग (لفنگ) फा. वि.–अधम, नीच, लफंगा।

लफ़ [फ़्फ़] (لف) अ. पुं.–लपेटना, तह करना।

लफ़ीफ़ (لفیف) अ. पुं.–लिपटी हुई वस्तु; मित्र, दोस्त; वह अरबी शब्द जिसमें दो हर्फ़े इल्लत हों।

लफ़्चः (لفچہ) फा. पुं.–बेहड्डी का मांस।

लफ़्च (لفچ) फा. पुं.–बेहड्डी का मांस; मोटा होंठ; होंठ, अधर।

लफ़्चन (لفچن) फा. पुं.–वह व्यक्ति जिसके होंठ बड़े-बड़े और मोटे हों।

लफ़्ज़ (لفظ) अ. पुं.–शब्द, बोल; बात, वचन।

लफ़्ज़न (لفظاً) अ. वि.–शब्द द्वारा, शब्दों से।

लफ़्ज़न लफ़्ज़न (لفظاً لفظاً) अ. वि.–एक-एक शब्द करके, अक्षरशः; सारा, सब।

लफ़्ज़फ़रोश (لفظ فروش) अ. फा.; वि.–बातूनी, वाचाल, मुखचपल।

लफ़्ज़ ब लफ़्ज़ (لفظ بلفظ) अ. वि.–दे. 'लफ़्ज़न लफ़्ज़न'।

लफ़्ज़ी (لفظی) अ. वि.–शब्द सम्बन्धी; शब्द का।

लफ़्ज़े इस्तिलाही (لفظ اصطلاحی) अ. पुं.–पारिभाषिक शब्द, टर्म।

लफ़्ज़े बामा'नी (لفظ بامعنی) अ. फा. पुं.–वह शब्द जो सार्थक हो, व्यक्त।

लफ़्ज़े बेमा'नी (لفظ بےمعنی) अ. फा. पुं–वह शब्द जो निरर्थक हो, अव्यक्त।

लफ़्ज़े मुफ़रद (لفظ مفرد) अ. पुं.–वह शब्द जो किसी शब्द से बना न हो, न उससे कोई शब्द बने।

लफ़्ज़े मुरक्कब (لفظ مرکب) अ. पुं.–वह शब्द जो दो या अधिक शब्दों से मिलकर बना हो, यौगिक।

लफ़्त (لفت) अ. पुं.–घुमाना और फिराना।

लफ़्तरः (لفترہ) फा. वि.–अधम, नीच, कमीना।

लफ़्फ़ाज़ (لفاظ) अ. वि.–बहुभाषी, मुखचपल, वावदूक, मुखर, बातूनी।

लफ़्फ़ाज़ी (لفاظی) अ. स्त्री.–वाचालता, मुखरता, लस्सानी।

लफ़्फ़ोनश्र (لف و نشر) अ. पुं.–एक शब्दालंकार जिसमें पहले कुछ वस्तुएँ उपमेय के रूप में कही जाती हैं, फिर उन वस्तुओं के लिए उनके उपमान लाते हैं, जैसे–पहले 'मुख' 'दाँत' और 'नेत्र' लायें फिर 'चाँद', मोती और 'कमल'।

लफ़्फ़ोनश्रे ग़ैर मुरत्तब (لف و نشر غیر مرتب) यदि लफ़्फ़ोनश्र में उपमेय और उपमान क्रम से न आयें तो वह ग़ैर

मुरत्तब अर्थात् क्रम विरुद्ध है, जैसे—'मुख' 'दाँत' और 'नेत्र' के साथ 'मोती' 'चंद्र' और 'कमल'।

लफ़्फ़ोनश्रे मुरत्तब (لف ونشر مرتب) अ. पुं.—यदि लफ़्फ़ो नश्र में उपमेय और उपमान क्रम से आयें तो वह 'मुरत्तब' अर्थात् क्रमबद्ध है, जैसे—मुख, दाँत और नेत्र के साथ, चाँद, मोती और कमल।

लफ़्ह (لفح) अ. पुं.—आग, लपट, या गर्मी से जलना; तलवार मारना।

लब (لب) फा. पुं.—अधर, ओष्ठ, होंठ; तट, कूल, किनारा।

लबकुशा (لب کشا) फा. वि.—बात करनेवाला, बात करता हुआ।

लबकुशाई (لب کشائی) फा. स्त्री.—बात करने के लिए ओंठ खोलना।

लबख़ा (لب خا) फा. वि.—चिड़चिड़ा, झल्ला।

लबख़ुश्क (لب خشک) फा. वि.—जिसके होंठ प्यास के कारण सूख गये हों, बहुत प्यासा।

लबगज़िद: (لب گزندہ) फा. वि.—पछतानेवाला; कुपित होनेवाला।

लबगज़ीद: (لب گزیدہ) फा. वि.—जो पछताया हो; जो कुपित हो।

लबगीर (لب گیر) फा. पु.—तम्बाकू पीने का पाइप।

लबचरा (لب چرا) फा. पुं.—वह मेवा और चने आदि जो मित्र लोग परस्पर बातें करते समय उठा-उठाकर खाते जाते हैं।

लबचश (لب چش) फा. पुं.—स्वाद, चखना; वह चाश्नी जो स्वाद के लिए चखी जाय।

लबज़द: (لب زدہ) फा. वि.—चुप, मौन, ख़ामोश; बोलनेवाला, बातें करनेवाला।

लबतश्न: (لب تشنہ) फा. वि.—दे. 'लबख़ुश्क'।

लबन (لبن) अ. पुं.—क्षीर दुग्ध, दूध।

लबनीय: (لبنیہ) अ. पुं.—खीर, शीर बिरंज।

लबबंद (لب بند) फा. वि.—चुप, मौन, ख़ामोश; बहुत अधिक मिठासवाली वस्तु।

लब ब लब (لب بہ لب) फा. वि.—होठों पर होंठ रखे हुए; एक-दूसरे के होंठ चूमते हुए।

लबबस्त: (لب بستہ) फा. वि.—मौन, चुप, ख़ामोश।

लबरेज़ (لبریز) फा. वि.—लबालब, मुहाँमुह, ऊपर तक भरा हुआ, परिपूर्ण।

लबरेज़े मय (لبریز مے) फा. वि.—शराब से भरा हुआ, मदिरा से लबालब।

लबाच: (لباچہ) फा पुं.—कुर्ते आदि के ऊपर पहनने का वस्त्र विशेष, अबा।

लबाद: (لبادہ) फा. पुं.—जाड़ों में पहनने का रूईदार चुग़ा, फर्गुल।

लबाद:पोश (لبادہ پوش) फा. वि.—लबादा पहने हुए; लबादा पहननेवाला।

लबाद (لباد) फा. पुं.—बरसाती, बरसात में पहनने का कोट।

लबान (لبان) अ. पुं.—वक्षःस्थल, सीना, छाती; कुंदर गोंद, लुबान।

लबाबत (لبابت) अ. स्त्री.—चतुर होना, दक्ष होना, बुद्धिमान् होना।

लबालब (لبالب) फा. वि.—लबरेज़, मुहाँमुंह।

लबाश: (لباشہ) फा. पुं.—दे. 'लबेश:'।

लबिन (لبن) अ. स्त्री.—कच्ची ईंट।

लबीक़ (لبیق) अ. वि.—बुद्धिमान्, अक़्लमंद; प्रतिभावान्, ज़हीन; वाचाल, लस्सान।

लबीद (لبید) अ. स्त्री.—छोटी गोन जिस पर नाज आदि भरकर टट्टू पर लादते हैं।

लबीन (لبین) अ. वि.—दूध पिलाकर पाला हुआ, पोषित, पर्वर्दा।

लबीब (لبیب) अ. वि.—बुद्धिमान्, मेधावी, अक़्लमंद; दक्ष, कुशल, होशियार।

लबून (لبون) अ. वि.—दूध देनेवाला, दुधार।

लबूस (لبوس) अ. पुं.—कवच, ज़िरिह; वस्त्र, लिबास।

लबे ख़ुश्क (لب خشک) फा. पुं.—सूखे हुए होंठ, प्यासे होंठ।

लबे गोया (لب گویا) फा. पुं.—बात करनेवाले होंठ, बोलते हुए होंठ।

लबे गोर (لب گور) फा. पुं.—क़ब्र का किनारा, क़ब्र के पास।

लबे जू (لب جو) फा. पुं.—नदी का किनारा, नदी-तट।

लबे तर (لب تر) फा. पुं.—गीले होंठ, पानी पिये हुए होंठ।

लबे नाँ (لب ناں) फा. पुं.—रोटी का किनारा, रोटी की कोर।

लबे नोशीं (لب نوشیں) फा. पुं.—वह होंठ जिनसे रस टपकता हो।

लबे फ़र्याद (لب فریاد) फा. पुं.—अत्याचार पर दुहाई देनेवाले होंठ।

लबे फ़र्श (لب فرش) फा. पुं.—सभा आदि में बिछे हुए फ़र्श का किनारा।

लबे ला'लीं (لب لعلیں) फा. अ. पुं.—दे. 'लबे नोशीं'।

लबेश: (لبیشہ) फा. पुं.—एक रस्सी का फंदा जो लकड़ी में

लगा होता है, शरीर घोड़ों के ऊपरवाले होंठ में डालकर उसे घुमाते हैं, जिससे घोड़ा घबड़ाकर शरारत भूल जाता है।
लबे शीरीं (لب شیریں) फा. पुं.–वह होंठ जिनसे रस (अधरामृत) टपकता हो।
लबोदंदाँ (لب ودنداں) फा. पुं.–योग्यता, क़ाबिलीयत, विद्वत्ता।
लबोलह्जः (لب ولہجہ) फा. अ. पुं.–बात करने का ढंग, टोन।
लब्क़ (لبق) अ. वि.–दे. 'लबीक़'।
लब्क (لبک) अ. पुं.–घोलना; मिलाना, मिश्रण।
लब्न (لبن) अ. पुं.–दूध पिलाना,; छड़ी से मारना।
लब्बान (لبان) अ. वि.–ईंटें पाथनेवाला।
लब्बैक (لبیک) अ. वा.–'मैं उपस्थित हूँ' मालिक के पुकारने पर दास की ओर से दिया जानेवाला उत्तर।
लब्स (لبس) अ. पुं.–कपड़े पहनना।
लब्स (لبث) अ. पुं.–देर करना, विलंब करना; देर, ढील, विलंब।
लमआत (لمعات) अ. पुं.–'लम्अः' का बहु., रौशनियाँ, प्रकाशपुंज।
लमहात (لمحات) अ. पुं.–'लम्हः' का बहु., बहुत-से क्षण।
लमाक़ (لماق) अ. वि.–थोड़ी वस्तु।
लमाज़ (لماظ) अ. वि.–थोड़ी-सी वस्तु।
लम्अः (لمعہ) अ. पुं.–प्रकाश, तेज, रौशनी, आलोक, ज्योति।
लम्अ (لمع) अ. पुं.–चमकना, प्रकाशित होना।
लम्आन (لمعان) अ. पुं.–चमकना, रौशन होना; चमक, प्रकाश, नूर।
लम्क़ (لمق) अ. पुं.–शुद्ध करना, साफ़ करना; आँखें मलना।
लम्ज़ (لمز) अ. पुं.–दोष करना, ऐब करना; आँख का संकेत करना; जलाना; मारना।
लम्तुर (لمتر) फा. वि.–मोटा-ताज़ा, हृष्ट-पुष्ट।
लम्मा (لما) अ. अव्य.–जब, चूंकि; परंतु, मगर।
लम्माज़ (لماز) अ. वि.–ऐब करनेवाला, अपराधक; आँख से संकेत करनेवाला।
लम्यज़ल (لم یزل) अ. वि.–अनश्वर, अविनाशी, लाज़वाल।
लम्स (لمس) अ. पुं.–स्पर्श, छूना; मैथुन, सहवास।
लम्हः (لمحہ) अ. पुं.–क्षण, पल, बहुत थोड़ा समय।
लम्हः ब लम्हः (لمحہ بلمحہ) अ. फा. वि.–क्षण प्रति क्षण, थोड़ी-थोड़ी देर बाद।
लयान (لیان) अ. पुं.–सुख, चैन, आराम; समृद्धि, वैभव, फ़राग़त।
लयाली (لیالی) अ. स्त्री.–'लैल' का बहु., रात्रियाँ, रातें।
लयूस (لیوس) अ. वि.–तिरस्कृत, अपमानित, बेइज़्ज़त।
लय्यान (لیان) अ. पुं.–लपेटना।
लय्यिन (لین) अ. वि.–नर्म, कोमल, मुलाइम।
लर (لر) तु. अव्य.–एक विभक्ति जो एक वचनवाली संज्ञा के अन्त में आकर उसे बहु वचन बना देती है।
लर्ज़ः (لرزہ) फा. पुं.–कँपकँपी, थरथरी, कंप; कँपकँपी के साथ ज़्वर, जूड़ी, कंपज्वर; हलचल, हौल, घबराहट। शरीर के रोंगटों का खड़ा होना, रोमांच।
लर्ज़ःअंगेज़ (لرزہ انگیز) फा. वि.–दे. 'लर्ज़ःख़ेज़'।
लर्ज़ःख़ेज़ (لرزہ خیز) फा. वि.–शरीर के रोंगटे खड़े कर देनेवाला, अर्थात् बहुत भीषण और भयानक।
लर्ज़ःबरंदाम (لرزہ براندام) फा. वि.–जिसका शरीर भय के कारण काँप रहा हो।
लर्ज़ः बर अंदामअफ़्गन (لرزہ بر اندام فگن) फा. वि.–शरीर में कँपकँपी उत्पन्न कर देनेवाला।
लर्ज़ां (لرزاں) फा. वि.–काँपता हुआ, थरथराता हुआ; भय के मारे काँपता हुआ।
लर्ज़िंदः (لرزندہ) फा. वि.–काँपनेवाला, थरथरानेवाला।
लर्ज़िश (لرزش) फा. स्त्री.–कँपकँपी, थरथराहट।
लर्ज़ीदः (لرزیدہ) फा. वि.–काँपा हुआ, थर्राया हुआ।
लर्ज़ीदनी (لرزیدنی) फा. वि.–काँपने योग्य, थर्राने योग्य।
लवाइज़ (لواعج) अ. पुं.–'लाइज़ः' का बहु., जलनें, टपकनें।
लवाएह (لوائح) अ. पुं.–'लाइहः' का बहु., रौशनियाँ, प्रकाशपुंज।
लवाक़ (لواق) अ. वि.–थोड़ी वस्तु, किंचिन्मात्र।
लवाक़ेह (لواقح) अ. स्त्री.–'लाक़ेह' का बहु., गर्भवती मादाएँ; 'मुल्क़ेह' का बहु., नर।
लवाज़िमः (لوازمہ) अ. पुं.–दे. 'लवाज़िम', यह शब्द अशुद्ध है, परन्तु उर्दू में बोलते हैं, बल्कि इसका बहु. 'लवाज़िमात' भी बना लेते हैं, जो बिलकुल ग़लत है।
लवाज़िम (لوازم) अ. पुं.–'लाज़िम' का बहु., किसी कार्य अथवा उद्योग से सम्बन्धित वस्तुएँ।
लवातत (لواطت) अ. स्त्री.–गुद-मैथुन, बाल-मैथुन, इग़लाम, दे. 'लिवातत', दोनों शुद्ध हैं।
लवामे (لوامع) अ. पुं.–'लामिअः, का बहु., चमकदार वस्तुएँ।
लवाश (لواش) तु. स्त्री.–गेहूँ की पतली रोटी, फुलका, चपाती।
लवास (لواس) अ. पुं.–चखने योग्य, आस्वाद्य।

लवास (لوات) अ. पुं.–पलेथन, खुश्की।

लवाहिक़ (لواحق) अ. पुं.–'लाहिक़:' का बहु., किसी मूल पदार्थ के अन्त में लगायी जानेवाली वस्तुएँ।

लवाहिक़ीन (لواحقین) अ. पुं.–'लाहिक़:' के बहु. का बहु., जो क़ाइदे से अशुद्ध है, परंतु उर्दू में बोलते हैं, लेकिन कम पढ़े लोग।

लवाहिज़ (لواحظ) अ. पुं.–'लाहिज़' का बहु., आँखों के किनारे; कनखियों से देखनेवाले।

लवाहिब (لواهب) अ. पुं.–'लाहिब' का बहु., भड़की हुई आग।

लवेश: (لویشه) फा. पुं.–दे. 'लबेश:', दोनों शुद्ध हैं।

लवूस (لووس) अ. वि.–चक्खा हुआ।

लवेद (لوید) फा. पुं.–खुले मुख का बड़ा पतीला, डेगचा देग।

लव्वाम: (لوامه) अ. पुं.–बुरी बातों पर डाँट-फटकार करने-वाला; एक मानसिक शक्ति जो बुरे कर्मों अथवा पापों पर मनुष्य की निन्दा करती और उनसे रोकती है।

लव्वाम (لوام) अ. वि.–निन्दा करनेवाला, भर्त्सना करनेवाला, मलामत करनेवाला।

लश्कर (لشکر) फा. पुं.–सेना, वाहिनी, वरूथिनी, अनीक, चमू, बल, फ़ौज; भीड़, बहुत से व्यक्तियों का समूह।

लश्करआरा (لشکرآرا) फा. वि.–सेना की सज्जा करने-वाला; सेना लेकर मुक़ाबिले पर आनेवाला।

लश्करआराई (لشکرآرائی) फा. स्त्री.–सेना को लड़ने के लिए सजाना; सेना लेकर मुक़ाबला करना।

लश्करकशी (لشکرکشی) फा. स्त्री.–चढ़ाई, धावा, सैन्य-यात्रा, आक्रमण।

लश्करगाह (لشکرگاه) फा. स्त्री.–सेनावास, छावनी।

लश्करी (لشکری) फा. वि.–सैनिक, असिजीवी, सिपाही।

लस [लस्स] (لس) अ. पुं.–घोड़े का घास खाना।

लसक़ (لثق) अ. पुं.–गीला होना; गीलापन, आर्द्रता।

लसक़ (لسق-لصق) अ. पुं.–चिपकना।

लसद (لسد) अ. पुं.–दूध चूसना, बच्चे का दूध पीना; शहद चाटना।

लसन (لسن) अ. पुं.–भाषानैपुण्य, ज़बानआवरी; कोम-लता, फ़साहत।

लसस (لصص) अ. पुं.–दाँतों का पास-पास होना; वृक्ष की डालियों का घना होना।

लसिक़: (لثقه) अ. पुं.–एक प्रकार का ज्वर।

लसिन (لسن) अ. वि.–भाषाविद्, भाषा-विज्ञान में निपुण; बहुत शुद्ध और सरल भाषा बोलनेवाला।

लस्अ: (لسعه) अ. पुं.–डसना, काटना, दंशन।

लस्अ (لسع) अ. पुं.–दे. 'लस्अ:'।

लस्उल हैय: (لسع الحیه) अ. पुं.–साँप का डसना, सर्प-दंशन।

लस्ग़ (لثغ) अ. पुं.–'र' को 'ल' और 'सीन' को 'से' कहना, तुतलाना।

लस्ग़ा (لثغا) अ. स्त्री.–तोतली स्त्री।

लस्द (لسد) अ. पुं.–दे. 'लसद'।

लस्म (لثم) अ. पुं.–चूमना, चुंबन; मुँह में मुसीका लगाना।

लस्स: (لثه) अ. पुं.–मसूढ़ा, दंतपाली, दे. 'लिस्स:' और 'लुस्स:', तीनों शुद्ध हैं।

लस्साअ (لساع) अ. वि.–डसनेवाला, काटनेवाला, विषैला कीड़ा।

लस्सान (لسان) अ. वि.–बातूनी, वावदूक, वाचाल, मुखचपल, लफ़्फ़ाज़।

लस्सानी (لسانی) अ. स्त्री.–मुखरता, मुखचपलता, वाचालता, लफ़्फ़ाज़ी।

लहक़: (لحقه) अ. पुं.–'लाहिक़' का बहु.; पीछे से पहुँचने-वाले; अंत में मिलाये जानेवाले।

लहक़ (لحق) अ. वि.–जो अपने पहलेवाले से मिले; जो किसी के अंत में जोड़ा जाय।

लहज (لهج) अ. पुं.–लालची होना; मुग्ध होना; वरग़लाना, भड़काना, बहकाना।

लहद (لحد) अ. स्त्री.–बग़लीवाली क़ब्र; क़ब्र, गोर, समाधि।

लहन (لحن) अ. पुं.–प्रतिभा, कुशलता, ज़हानत; चातुर्य, होशयारी।

लहफ़ (لهف) अ. पुं.–पछताना, अफ़्सोस करना; दुःखित होना, रंजीदा होना।

लहब (لهب) अ. पुं.–आग की लपट, अग्निशिखा, अग्नि-ज्वाला, शो'ला।

लहाक़ (لحاق) अ. पुं.–पहुँचना, जाना; ताड़ना, समझना।

लहाज़ (لحاظ) अ. पुं.–आँख का कोना।

लहाज़िम (لهازم) अ. पुं.–'लह्ज़म:' का बहु., जबड़े की हड्डियाँ; कनपटी की हड्डियाँ।

लहात (لهات) अ. पुं.–गले का कौआ।

लहास (لحاص) अ. पुं.–आपत्ति, आपदा, कष्ट, मुसीबत; दैवी आपत्ति, बला।

लहिम (لحم) अ. वि.–मांस-भक्षक, गोश्तखोर।

लहीद (لهید) अ. वि.–थका हुआ ऊँट।

लहीफ़ (لہیف) अ. वि.–पछतानेवाला, पश्चात्ताप करनेवाला; निःसहाय, दीन, बेचारा।

लहीब (لہیب) अ. पुं.–अग्नि-ज्वाला, लपट, शो'ला।

लहीम (لحیم) अ. वि.–जिसके शरीर में मांस बहुत हो, मांसल, पीन।

लहील (لہیل) अ. स्त्री.–आपत्ति, मुसीबत; दरिद्रता, ग़रीबी, कंगाली।

लहीमुलजुस्सः (لحیم الجثہ) अ. वि.–मोटा-ताज़ा, हृष्ट-पुष्ट, स्थूलकाय।

लहीमोशहीम (لحیم وشحیم) अ. वि.–जिसके शरीर में मांस और चर्बी दोनों अधिक हों।

लहीस (لحیص) अ. वि.–तंग, संकीर्ण।

लहूम (لہوم) अ. पुं.–बहुत बड़ी सेना।

लह्जः (لہجہ) अ. पुं.–बात करने का ढंग, टोन; पढ़ने का ढंग; स्वर, आवाज़ (गाने की)।

लह्ज़ः (لحظہ) अ. पुं.–क्षण, पल, लम्हः।

लह्ज़ः ब लह्ज़ः (لحظہ بہ لحظہ) अ. फ़ा. वि.–क्षण-क्षण, क्षण-प्रतिक्षण, हरलम्हः, ज़रा ज़रा-सी देर के बाद।

लह्ज़ (لحذ) अ. पुं.–एक बार मिली हुई वस्तु की फिर-फिर इच्छा; कुत्ते का बरतन चाटना।

लह्ज़ (لحظ) अ. पुं.–क़नखियों से देखना।

लह्ज़ (لہز) अ.पुं.–छाती पर घूंसा मारना; मिलाना; बछड़े का दूध पीते समय थनों को सिर का हूरा देना।

लह्जए तलख़ (لہجہ تلخ) अ. पुं.–पुं.–स्वर की कठोरता; कटुता से कही हुई बात।

लह्ज़मः (لہزمہ) अ. पुं.–कनपटी की हड्डी; जबड़े की हड्डी।

लह्न (لحن) अ. पुं.–स्वर, आवाज़; गानेवाला स्वर, धुन।

लह्ने दाऊदी (لحن داؤدی) अ. पुं.–हज़रत दाऊद पैग़म्बर-जैसी आवाज़, जो बहुत ही मधुर और मुग्धकर थी।

लह्मः (لحمہ) अ. पुं.–मांसपिंड, लोथड़ा; छोटा बच्चा, शिशु; मांस की बोटी।

लह्म (لحم) अ. पुं.–मांस, आमिष, गोश्त।

लह्मी (لحمی) अ. वि.–मांस सम्बन्धी; मांस का; एक प्रकार का जलंधर।

लह्व. (لحو) अ. पुं.–लकड़ी का वकला छुड़ाना; एक वस्तु से दूसरी वस्तु अलग करना।

लह्व (لہو) अ. पुं.–खेल-कूद, मनवहलाव, क्रीड़ा; वह बात जो धार्मिक कामों से रोके।

लह्वुल हदीस (لہو الحدیث) अ. पुं.–क़िस्सा-कहानी, नाचरंग।

लह्वो लइब (لہوو لعب) अ. पुं.–खेल-कूद।

लह्हाम (لحام) अ. वि.–मांस-विक्रेता, गोश्त बेचनेवाला, क़साई।

ला

ला (لا) अ. अव्य.–नहीं, न।

ला (لا) फ़ा. पुं.–तह, परत; दे. 'लाए'।

ला आ'लम (لااعلم) अ. वा.–मैं नहीं जानता, मुझे नहीं पता, मुझे ख़बर नहीं।

लाइंदः (لائندہ) फ़ा. वि.–बकवास करनेवाला, व्यर्थभाषी, व्यर्थवादी।

लाइक़ (لائق) अ. वि.–योग्य, विद्वान्; पात्र, मुस्तहक़।

लाइजः (لاعجہ) अ. वि.–जलानेवाला।

लाइब (لاعب) अ. वि.–खेलनेवाला, खिलाड़ी।

लाइमः (لائمہ) अ. वि.–निंदा, भर्त्सना, डाँट-फटकार।

लाइम (لائم) अ. वि.–बुरे कामों पर डाँट-फटकार करनेवाला, भर्त्सना करनेवाला।

लाइभः (لاعبہ) अ. पुं.–थूहड़ के प्रकार का एक वृक्ष जिसका दूध बहुत ही विषैला और घातक होता है।

लाइलाज (لاعلاج) अ. वि.–जिसकी चिकित्सा न हो सके, अचकित्स्य, असाध्य; जिसका कोई उपाय न हो, दुष्कर।

लाइल्म (لاعلم) अ. वि.–अपरिचित, नावाक़िफ़; अज्ञात, जाहिल; अशिक्षित, बेपढ़ा-लिखा।

लाइल्मी (لاعلمی) अ. स्त्री.–परचिय न होना, ना वाक़िफ़ीयत; अज्ञान, न जानना; भूल, त्रुटि।

लाइहः (لائحہ) अ. पुं.–दे. 'लाएहः'।

लाईदः (لائیدہ) फ़ा. वि.–डींग मारा हुआ, जिसने डींग मारी हो; जिसने व्यर्थ बात कही हो।

लाईदनी (لائیدنی) फ़ा. वि.–बात करने योग्य; डींग मारने योग्य।

लाउबाली (لاابالی) अ. वि.–निश्चिंत, बेफ़िक्र, बेपर्वा; निःस्पृह, अनीह, बेनियाज़।

लाए (لاے) फ़ा. स्त्री.–गाद, तलछट।

लाएहः (لائحہ) अ. पुं.–चमकनेवाली वस्तु; प्रोग्राम, कार्य-क्रम; सूची, फ़ेहरिस्त।

लाएह (لائح) अ. वि.–चमकनेवाला; उत्पन्न होनेवाला।

लाएहए अमल (لائحۂ عمل) अ. पुं.–किसी कार्य विशेष का प्रोग्राम (कार्यक्रम)।

लाओनअम (لاونعم) अ. स्त्री.–नहीं और हाँ, अस्वीकृति और स्वीकृति।

लाओहसी (لااحصی) अ. वा.–यह क़ुरान के एक पूरे वाक्य का टुकड़ा है, जिसका अर्थ है कि ईश्वर में तेरे गुणों को सीमित नहीं कर सकता।

लाक (لاک) फा. पुं.—लकड़ी का पियाला।

ला'क़ (لعق) अ. पुं.—चाटना, लेहन।

लाकपुश्त (لاک پشت) फा. पुं.—कच्छप, कूर्म, कछुआ।

लाकलाम (لاکلام) अ. वि.—निःसंदेह, निःशंक, बेशक; अवश्य, निश्चयपूर्ण, यक़ीनी।

लाकिन (لاکن) अ. अव्य.—लेकिन, परंतु, किन्तु।

लाक़िस (لاقس) अ. वि.—दोष करनेवाला, अपकर्ता।

लाक़ीस (لاقیس) अ. पुं.—एक पिशाच जो नमाज़ पढ़ते समय लोगों के हृदय में अनेक प्रकार के विचार उत्पन्न करता है।

लाक़ेह (لاقح) अ. वि.—गर्भ होना; मादा जिससे नर जुफ़्ती करे; वह खजूर जिससे दूसरे खजूर को गर्भ दें।

लाख़ः (لاخہ) फा. पुं.—धुनकी हुई रूई, रूई का गाला।

लाख़ (لاخ) फा. पुं.—स्थान, जगह, यह शब्द अकेला नहीं आता दूसरे शब्द से मिलकर आता है, जैसे—'संगलाख़', पथरीला स्थान।

लाख़राज (لاخراج) अ. वि.—वह भूमि जिसका लगान न देना पड़े।

लाग़ (لاغ) फा. पुं.—परिहास, ठठोल, मज़ाक़।

लाग़र (لاغر) फा. वि.—क्षीण, क्षाम, कृश, दुबला-पतला।

लाग़रअंदाम (لاغراندام) अ. वि.—जिसका शरीर दुबला-पतला हो, कृशांग, क्षीणकाय।

लाग़री (لاغری) फा. स्त्री.—क्षीणता, कृशता, दुबलापन।

लाग़ियः (لاغیہ) फा. पुं.—एक सूप जो बहुत गर्म और दूध वाला होता है।

लाग़ियः (لاغیہ) अ. स्त्री.—बक्की स्त्री, अनर्गल वादिनी; डींग मारनेवाली स्त्री, अहंवादिनी।

लाग़ी (لاغی) अ. वि.—मिथ्यावादी, झूठा; डींगिया, शेख़ीख़ोर।

लाचीन (لاچین) तु. पुं.—बाज पक्षी, श्येन।

लाजरम (لاجرم) अ. वि.—अवश्य, यक़ीनी; निःसंदेह, बेशुबह:; असाध्य, लाइलाज।

लाजवाब (لاجواب) अ. वि.—जो जवाब न दे सके, निरुत्तर; लज्जित, शर्मिंद:; संकुचित, नादिम; अद्वितीय, बेमिस्ल।

लाज़वाल (لازوال) अ. वि.—जिसका नाश न हो, अनश्वर, अविनाशी, शाश्वत।

लाज़िक़: (لازقہ) अ. वि.—चिपकने वाली वस्तु (स्त्री)।

लाज़िक़ (لازق) अ. वि.—चिपकनेवाला।

लाज़िब (لازب) अ. वि.—चिपकनेवाला; चिह्न छोड़ जानेवाला।

लाज़िम: (لازمہ) अ. वि.—आवश्यक वस्तु; गुण, ख़ास्स:; अनिवार्य, लाज़िमी।

लाज़िम (لازم) अ. वि.—आवश्यक, ज़रूरी; अनिवार्य, लाज़िमी; उचित, मुनासिब; निश्चित, यक़ीनी; सटा हुआ, मिला हुआ, अकर्मक क्रिया, फ़े'ले लाज़िम।

लाज़िमन (لازماً) अ. वि.—निश्चित रूप से, यक़ीनन।

लाज़िमी (لازمی) अ. वि.—आवश्यक, ज़रूरी; अनिवार्य, लाबुद; उचित, मुनासिब निश्चित, यक़ीनी।

लाज़िमो मल्ज़ूम (لازم و ملزوم) अ. वि.—एक की दूसरे के साथ अनिवार्यता, समवाय।

लाज़िल [ल्ल] (لاظل) अ. वि.—वह सोना जिसमें ज़रा भी खोट न हो।

लाजुर्अः (لاجرعہ) अ. वि.—जो घूँट-घूँट न पिया जाकर एक साथ पिया गया हो, डगडगाकर पिया हुआ।

लाज़े (لاذع) अ. वि.—जलन उत्पन्न करनेवाला, सोज़िश पैदा करनेवाला।

लाज्वर्द (لاجورد) फा. पुं.—एक बहुमूल्य पत्थर, लाजावर्त, आवर्त मणि।

लाज्वर्दी (لاجوردی) फा. वि.—लाज्वर्द के रंग का, नीला।

लात (لات) अ. पुं.—एक मूर्ति जिसे 'हज़रत 'शुऐब' के अनुयायियों ने पूजा था।

लातज़र (لاتذر) अ. क्रि.—न छोड़।

लाताइल (لاطائل) व्यर्थ, बेकार।

लाता'दाद (لاتعداد) अ. वि.—असंख्य, अगणित, असीम, अपरिमित, बेशुमार।

लातिब (لاتب) अ. वि.—चिपकनेवाला; एक स्थान पर टिका हुआ, डटा हुआ; दृढ़, मज़बूत।

लातीनी (لاطینی) अ. स्त्री.—रूमियों की प्राचीन भाषा, लैटिन।

लातुअद (لاتعد) अ. वि.—जो गिना न जा सके, अगणित, असंख्य।

लातोहसा (لاتحصیٰ) अ. वि.—जो घेरा न जा सके, जो सीमाबद्ध न हो सके, असीम।

लादः (لادہ) फा. पुं.—मूर्ख, अज्ञानी, बेअक़्ल।

लाद (لاد) फा. पुं.—दीवार की चुनाई का एक रद्दा।

लादनः (لادنہ) फा. पुं.—सन, शण; सन का पेड़; दे. 'लादिनः', दोनों शुद्ध हैं।

लादन (لادن) फा. पुं.—एक प्रकार की सुगंध, अफ़ीम का अर्क़।

लादवा (لادوا) अ. वि.—जिसका उपचार न हो सके, असाध्य, निरुपचार; जिसका प्रयत्न न हो सके।

लावा'दा (لاوعدہ) अ. वि.—जो वाद वापस ले ले, दस्त-बरदार।

लादिग़ (لادغ) अ. वि.–डसनेवाला; एक पीड़ा, जिसमें ऐसा अनुभव होता है कि त्वचा को कोई काट रहा है।

लादिनः (لادنہ) फा. पुं.–सन; सन का पेड़।

लादिम (لادم) अ. वि.–पैवंद लगाने वाला, थिगली लगानेवाला, चकती लगानेवाला।

लानः (لانہ) फा. पुं.–शहद का छत्ता जिसमें शहद न हो; घोंसला, कुलाय, झोंझ।

लान (لان) फा. पुं.–आज़र बाईजान का एक पहाड़, जहाँ के तुर्क बहुत ही सुंदर होते हैं।

ला'न (لعن) अ. स्त्री.–धिक्कार, ला'नत।

ला'नत (لعنت) अ. स्त्री.–धिक्कार, फटकार।

ला'नतज़दः (لعنت زدہ) अ. फा. वि.–जिस पर ला'नत की गयी हो, धिक्कृत।

लानुसल्लिम (لانسلم) अ. क्रि.–मैं नहीं मानता, यह मेरे लिए मान्य नहीं है।

लाफ़ (لاف) फा. स्त्री.–डींगें, शेख़ी; गप, जल्प, विकत्थ।

लाफ़गो (لاف گو) फा. वि.–डींगिया, अहंवादी; गप्पी, बकवादी, जल्पी।

लाफ़गोई (لاف گوئی) फा. स्त्री.–डींग मारना; गप उड़ाना, बकवास।

लाफ़ज़न (لاف زن) फा. वि.–दे. 'लाफ़गो'।

लाफ़ज़नी (لاف زنی) फा. स्त्री.–दे. 'लाफ़गोई'।

लाफ़ानी (لافانی) अ. वि.–अनश्वर, अविनाशी, जो कभी नष्ट न हो, शाश्वत।

लाफ़िंदः (لافندہ) फा. वि.–गप्पी, बकवासी; डींगिया, शेख़ीख़ोर।

लाफ़िज़ः (لافظہ) अ. स्त्री.–नदी, दर्या; बकरी, अजा; चक्की, पेषणी; कुक्कुटी, मुर्ग़ी।

लाफ़ीदः (لافیدہ) फा. वि.–गप हाँका हुआ, जो बात गप हो; डींग मारा हुआ, जो बात डींगें हो।

लाफ़ीदनी (لافیدنی) फा. वि.–गप मारने योग्य; डींग मारने योग्य।

लाफ़ेह (لافح) अ. वि.–आग, गर्मी या लपट से जलनेवाला।

लाफ़ोगुज़ाफ़ (لاف وگزاف) फा. स्त्री.–व्यर्थ की और इधर-उधर की गपबाज़ी, ख़ुराफ़ात, बकवास।

लाबः (لابہ) फा. पुं.–चाटुकारिता, ख़ुशामद; छल, कपट, वंचना, फ़रेब।

लाबः (لابہ) अ. पुं.–पहाड़ी भूमि, पथरीला स्थान।

लाबःकार (لابہ کار) फा. वि.–चापलूस, चाटुकार।

लाबःगो (لابہ گو) फा. वि.–चापलूस, चाटुकार।

ला'ब (لعب) अ. पुं.–राल बहना, राल टपकना।

ला बर ला (لابرلا) फा. वि.–तह पर तह, परत पर परत।

लाबिन (لابن) अ. वि.–दूध पिलानेवाला; दूधवाला।

लाबिस (لابث) अ. वि.–देर करनेवाला, ढील डालनेवाला।

लाबुद (द्द) (لابد) अ. वि.–आवश्यक, ज़रूरी; अनिवार्य, लाज़िमी।

लाबुदी (لابدی) अ. वि.–दे. 'लाबुद'।

लामः (لامہ) अ. पुं.–लोहे की कड़ियोंवाला कवच, ज़िरीह।

लाम (لام) अ. पुं.–'लामः' का बहु., कवच-समूह; एक अक्षर, 'ल'; अलक, ज़ुल्फ़।

लाम (لام) फा. पुं.–ऊन की एक मोटी टोपी जो विशेषतः माँगनेवाले ओढ़ते हैं।

लामकान (لامکان) अ. पुं.–वह स्थान जो घर न हो; वह जो मकान से परे हो, ईश्वर।

लाम काफ़ (لام کاف) अ. पुं.–गाली-गलौज, अपवाद।

लामज़्हब (لامذهب) अ. वि.–जिसका कोई धर्म न हो नास्तिक, धर्मविमुख।

लामज़्हबीयत (لامذهبیت) अ. स्त्री.–नस्तिकता, धर्मविमुखता।

लामहालः (لامحالہ) अ. वि.–अंततः, आख़िरकार; विवशतापूर्वक, लाचारी से।

लामहदूद (لامحدود) अ. वि.–जिसकी कोई हद न हो, असीमित; जो घेरा न जा सके, जिसकी सीमाएँ निश्चित न हों, बेहद।

लामान (لامان) फा. पुं.–छल, कपट, फ़रेब; कृतघ्नता, बेवफ़ाई; समूह, अंबोह; गढ़ा, गर्त।

लामानी (لامانی) फा. वि.–छलपूर्वक, पुरफ़रेब; मिथ्या, झूठ; कवच पहने हुए।

लामिसः (لامسہ) अ. स्त्री.–छूनेवाली; स्पर्शशक्ति, छूने की क़ुव्वत।

लामिस (لامس) अ. वि.–छूनेवाला, स्पर्शी; मैथुनकरनेवाला, संभोगकर्ता।

लामुतनाही (لامتناهی) अ. वि.–जिसका ओर-छोर न हो, अपार, असीम, बेहद।

लामे' (لامع) अ. वि.–चमकनेवाला, चमकीला; प्रकाशमान, रौशन।

लामेअः (لامعہ) अ. वि.–चमकनेवाली वस्तु (स्त्री.)।

लायः (لایہ) फा. पुं.–दीवार का रद्दा; कपड़े की तह; एक प्रकार का काग़ज़।

लायंबग़ी (لاینبغی) अ. वि.–अनावश्यक, ग़ैरज़ुरूरी; अनुचित, नामुनासिब।

लायकून (لایکون) अ. अव्य.–शायद, स्यात्।

लायज़ाल (لايزال) अ. वि.–जो नष्ट न हो, अनश्वर, अविनाशी, अर्थात् ईश्वर।

लायन्फ़क [फ़क] (لاينفك) अ.वि.–जो अलग न हो सके, अविच्छिन्न।

लायन्हल (لاينحل) अ. वि.–जो हल न हो, जो जटिल हो (समस्या)।

लायमूत (لايموت) अ. वि.–जो मरे नहीं, अमर।

लाया'क़िल (لايعقل) अ. वि.–जो कुछ न समझता हो, निर्बुद्ध, अज्ञानी, मूर्ख।

लाया'नी (لايعنى) अ. वि.–जिसका अर्थ न हो; अनर्थक, बेमतलब; व्यर्थ, फ़ुज़ूल।

लाया'लम (لايعلم) अ. वि.–जो कुछ नहीं जानता, अनभिज्ञ, अज्ञानी।

लायुम्किन (لايمكن) अ. वि.–जो मुम्किन न हो, असंभव।

लारैब (لاريب) अ. वि.–निःसंदेह, बेशुबहा।

लारैबफ़ीह (لاريب فيه) अ. वा.–इस बात में कोई संदेह नहीं है, ऐसा अवश्य है।

लाल: (لاله) फा. पुं.–एक लाल फूल, पोस्त का फूल, अहिपुष्प।

लाल:गूँ (لاله گوں) फा. वि.–लाला के फूल-जैसा, रक्तवर्ण, सुर्ख़।

लाल:ज़ार (لاله زار) फा. पुं.–लाला के फूलों का खेत, अफ़ीम का खेत।

लाल:फ़ाम (لاله فام) फा. वि.–दे. 'लाल:फ़ाम'।

लाल:रंग (لاله رنگ) फा. वि.–दे. 'लाल:गूँ'।

लाल:रुख़ (لاله رخ) फा. वि.–लाला के फूल-जैसे सुर्ख़ और कोमल गालोंवाला (वाली)।

लाल:साँ (لاله ساں) फा. वि.–लाला के फूल-जैसा, सुर्ख़, लाल।

लाल:सार (لاله سار) फा. वि.–दे. 'लाल:ज़ार'।

लालंग (لالنگ) फा. वि.–बचा हुआ खाना, उच्छिष्ट, भुक्तशेष।

लाल (لال) तु. वि.–मूक, गूंगा।

लाल (لال) फा. वि.–रक्त, सुर्ख़; एक रत्न, पद्म राग।

लॉ'ल (لعل) अ. पुं.–लाल (फा.) का अरबी रूप, पद्म राग, एक बहुमूल्य रत्न।

लालए सह्राई (لالۂ صحرائی) फा. अ. पुं.–जंगल में उत्पन्न होनेवाला लाला का फूल।

ला'लगूँ (لعل گوں) अ. फा. वि.–पद्मराग-जैसे रक्त वर्ण का, रक्तवर्ण।

ला'लफ़ाम (لعل فام) अ. फा. वि.–दे. 'ला'लगूँ'।

लाला (لالا) फा. पुं.–दास, गुलाम; सेवक, मुलाज़िम; चमकदार, उज्ज्वल (मोती)।

लालाए चश्म (لالۂ چشم) फा.पुं.–आँख की पुतली, कनीनी, कनीनिका।

ला'लीं (لعلیں) अ. फा. वि.–लाल-जैसे रंगवाला।

ला'लींलब (لعلیں لب) अ. फा. वि.–लाल और सुंदर होंठों वाली सुंदरी।

ला'ले बदख़्शानी (لعل بدخشانی) अ. फा. पुं.–बदख़्शाँ (अफ़ग़ानिस्तान) में पैदा होने वाला पद्मराग।

ला'ले मुज़ाब (لعل مذاب) अ. पुं.–पिघला हुआ पद्मराग अर्थात् लाल मदिरा।

ला'ले रुम्मानी (لعل رمانی) अ. पुं.–अनार के दानों-जैसा गुलाबी पद्मराग।

ला'ले लब (لعل لب) अ. फा. पुं.–पद्मराग-जैसे गुलाबी अधर, अधर रूपी पद्मराग।

ला'ले शकरबार (لعل شکربار) अ. फा. पुं.–मीठा अमृत-जल टपकानेवाले अधर।

ला'ले शब चिराग़ (لعل شب چراغ) अ. फा. पुं.–पद्मराग-विशेष, जो अँधेरे में दीपक की भाँति प्रकाश देता है।

लाव: (لاوه) फा. पुं.–बच्चों का एक खेल, गिल्ली-डंडा।

लाव (لاو) फा. पुं.–पंडोल मट्टी, जिससे घर पोता जाता है।

लावलद (لاولد) अ. वि.–जिसके कोई संतान न हो, निर्वंश, अनपत्य, निःसंतान।

लावारिस (لاوارث) अ. वि.–जिसका कोई उत्तराधिकारी न हो।

लाश: (لاشه) फा. वि.–बहुत ही दुर्बल और क्षीण; दुर्बल गधा अथवा घोड़ा; गधा, गर्दभ, (पुं.) लाश, शव।

लाश (لاش) तु. स्त्री.–मृतक देह, शव, लाश।

लाशए बेगोरोकफ़न (لاشۂ بےگوروکفن) फा. पुं.–ऐसा शव जिसे न कफ़न मिला हो न क़ब्र।

लास (لاس) फा.पुं.–बहुत ही ख़राब क़िस्म का रेशम।

लासानी (لاثانی) अ. वि.–अद्वितीय, बेमिस्ल, अनुपम।

लासिम (لاثم) अ. वि.–चूमनेवाला, चुंबक; वह व्यक्ति जो अपना मुँह बंद रखता हो, मितभाषी।

लाह (لاه) अ.पुं.–ईश्वर, अल्लाह।

लाह (لاه) फा. पुं.–कच्चा रेशम, ख़राब किस्म का रेशम।

लाहल [ल्ल] (لاحل) अ. वि.–जो हल न हो सके, जिस समस्या का समाधान न हो सके।

लाहासिल (لاحاصل) अ. वि.–निष्फल, व्यर्थ, बेकार; निःसार, बेनतीजा।

लाहिक़: (لاحقه) अ. पुं.–वह अक्षर या शब्द-विशेष जो

किसी शब्द के अंत में अर्थ-परिवर्तन के लिए लाया जाता है, प्रत्यय।

लाहिक़ (لاحق) अ. वि.—मिलनेवाला, युक्त होनेवाला।

लाहिज़ (لاحظ) अ. वि.—कनखियों से देखनेवाला।

लाहिब (لاهب) अ. वि.—लपट मारनेवाला, धधकनेवाला।

लाहिम (لاحم) अ. वि.—गोश्त (मांस) खिलानेवाला; गोश्त बेचनेवाला।

लाही (لاهی) अ. वि.—अचेत, बेसुध, बेहोश; जिसे ध्यान न रहे, असावधान, ग़ाफ़िल; खेलनेवाला, क्रीडक।

लाहूत (لاهوت) अ. पुं.—संसार, मर्त्यलोक, दुनिया; ब्रह्मलीनता की अवस्था।

लाहूती (لاهوتی) अ. वि.—संसार का निवासी, प्राणी; ब्रह्मलीन, फ़ना फ़िल्लाह्।

लाहोरः (لاهوره) फा. पुं.—फांक, क़ाश।

लाहौल (لاحول) अ. स्त्री.—घृणा और उपेक्षा-सूचक एक वाक्य।

लि

लिंगः (لنگہ) फा. पुं.—पूरी टाँग, पाँव की उँगलियों से रान की जड़ तक का अवयव।

लिंग (لنگ) फा. पुं.—पिंडली; पूरी टाँग; रान।

लिंगबरः (لنگبره) फा. पुं.—एक खाद्य, गेहूँ के आटे की रस्सी-सी बटकर उसके छोटे-छोटे टुकड़े करके घी में भूनकर गोश्त में पकाये जाते हैं।

लिआन (لعان) अ. पुं.—एक दूसरे को धिक्कारना, परस्पर ला'नत भेजना।

लिक़ा (لقا) अ. स्त्री.—दर्शन, दीदार; साक्षात्कार, भेंट, मुलाक़ात।

लिक़ाह (لقاح) अ. पुं.—गर्भ धारण करना, हामिलः होना।

लिख़ाफ़ (لخاف) अ. पुं.—सफ़ेद और पतले पत्थर।

लिग़ाम (لغام) अ. पुं.—पशुओं के मुँह बंद करने की जाली, मुसीका।

लिग्नः (لگنه) फा. पुं.—दे. 'लिंगः'।

लिजाम (لجام) अ. स्त्री.—लगाम, कविका।

लितास (لطام) अ. पुं.—एक दूसरे को तमाँचे मारना।

लिदाम (لدام) अ. पुं.—कपड़े में पैवंद लगाना; जूते में थिगली गाँठना।

लिफ़ [फ़्फ़] (لف) अ. पुं.—वह पेड़ जो दूसरे पेड़ में गुथा हो।

लिफ़ाअ (لفاع) अ. पुं.—चादर।

लिफ़ाफ़ः (لفافه) अ. पुं.—ऊपर लपेटने की वस्तु; ख़त भेजने का खोल, पत्रवेष्टम; मुर्दे का कफ़न।

लिफ़ाफ़ (لفاف) अ. पुं.—मुर्दे के सबसे ऊपरवाला कपड़ा, क़फ़न।

लिफ़्क़ (لفق) अ. पुं.—छोर, किनारा; दराज़, दरार, दर्ज़।

लिफ़्त (لفت) अ. पुं.—शलजम, एक शाक।

लिब [ब्ब] (لب) अ. पुं.—वह व्यक्ति जो कोई कार्य बराबर करता हो, किसी कार्य-विशेष का पाबंद।

लिबा (لبا) अ. स्त्री.—प्योसी, खीस।

लिबास (لباس) अ. पुं.—वस्त्र, वसन, पोशाक।

लिबासात (لباسات) अ. पुं.—चापलूसी, ख़ुशामद, चाटुकारिता।

लिबासे अरूसी (لباس عروسی) अ. पुं.—विवाह में दूल्हा और दुल्हन के पहनने के कपड़े।

लिबासे तक़्वा (لباس تقوی) अ. पुं.—लज्जा, व्रीडा, लाज, शर्म; साधुओं के पहनने के वस्त्र।

लिबासे रियाई (لباس ریائی) अ. पुं.—धोखा देनेवाले वस्त्र, धोखा देने वाला भेष, छद्मवेश।

लिबासे शबख़्वाबी (لباس شب‌خوابی) अ. पुं.—रात में सोते समय पहनने के कपड़े, नाइट ड्रेस, रात्रिवस्त्र।

लिब्नः (لبنه) अ. स्त्री.—कच्ची ईंट, वह ईंट जो पकायी न गयी हो, एक ईंट।

लिब्न (لبن) अ. स्त्री.—'लिब्नः' का बहु., कच्ची ईंटें।

लिब्लाब (لبلاب) अ. स्त्री.—एक बेल, इश्क पेचाँ।

लिब्स (لبس) अ. पुं.—वस्त्र, वसन, लिबास।

लिम [म्म] (لم) अ. स्त्री.—कारण, सबब, (अव्य.) क्यों, किस लिए।

लिम्मः (لمه) अ. पुं.—वे बाल जो कनपटी के नीचे लटक आयें।

लिम्मी (لمی) अ. वि.—न्याय-परिभाषा में एक तर्क, ऐसा किस कारण है।

लियाक़त (لیاقت) अ. स्त्री.—योग्यता, क़ाबिलीयत; पात्रता, इस्तेहक़ाक़; विद्वत्ता, इल्मीयत; उत्साह, हौसला; सामर्थ्य, मक़्दरत।

लियाज़ (لیاذ) अ. पुं.—आश्रय लेना, पनाह ढूंढ़ना।

लियाम (لیام) अ. पुं.—'लईम' का बहु., मक्खीचूस लोग।

लियामत (لیامت) अ. स्त्री.—भर्त्सना, निंदा, मलामत।

लियास (لیاس) अ. वि.—जो अपनी स्त्री की कमाई खाता हो, भार्याट, दय्यूस।

लियाह (لیاح) अ. वि.—सफ़ेद, धवल श्वेत; (स्त्री.) जंगली गाय।

लिल्लहिल हम्द (للہ الحمد) अ. वा.—सारी स्तुतियाँ केवल ईश्वर के लिए हैं; ईश्वर को धन्यवाद, ख़ुदा का शुक्र।

लिल्लाह (للہ) अ. अव्य.–ईश्वर के लिए, ईश्वर के नाम पर, ईश्वरार्पण।

लिवज्हिल्लाह (لوجہ اللہ) अ. अव्य.–ईश्वर के लिए।

लिवा (لوا) अ. पुं.–पताका, ध्वजा, झंडा।

लिवाए हक़ (لوائے حق) अ. पुं.–सत्यता का झंडा।

लिवाज़ (لواذ) अ. पुं.–एक दूसरे की रक्षा करना, एक दूसरे को पनाह देना।

लिवातत (لواطت) अ. स्त्री.–गुदमैथुन, पुरुष-मैथुन, इग़लाम, दे. 'लवातत', दोनों शुद्ध हैं।

लिस [**स्स**] (لص) अ. वि.–चोर, स्तेन, तस्कर।

लिसान (لسان) अ. स्त्री.–जिह्वा, रसना, जीभ; भाषा, बोली, ज़बान।

लिसानी (لسانی) अ. वि.–भाषा-सम्बन्धी।

लिसानीयात (لسانیات) अ. स्त्री.–भाषा-विज्ञान, भाषाओं का इल्म।

लिसानुलअस्र (لسان العصر) अ. पुं.–अपने समय का तर्जुमान।

लिसानुलक़ौम (لسان القوم) अ. पुं.–अपने राष्ट्र का तर्जुमान; अपनी जाति का तर्जुमान।

लिसानुलग़ैब (لسان الغیب) अ. पुं.–भविष्य की बातें जाननेवाला।

लिसानुलमुल्क (لسان الملک) अ. पुं.–अपने देश या राष्ट्र का तर्जुमान।

लिसानुलहमल (لسان الحمل) अ. स्त्री.–एक वनौषधि, बारतंग।

लिसाम (لثام) अ. पुं.–पशुओं के मुँह बाँधने की जाली, मुसीका।

लिस्सः (لثہ) अ. पुं.–मसूढ़ा, दंतमांस, दे. 'लस्सः' और 'लुस्सः', तीनों शुद्ध हैं।

लिहा (لحا) अ. स्त्री.–वल्कल, छाल, बकला।

लिहाज़ (لحاظ) अ. पुं.–आदर, ख़याल; शील, मुरव्वत; लज्जा, शर्म; स्वाभिमान, ग़ैरत; भय, डर; ध्यान, ख़याल; संकोच, नदामत।

लिहाज़ा (لہذا) अ. अव्य.–अतः, सुतराम्, इसलिए।

लिहाफ़ (لحاف) अ. पुं.–मोटी रज़ाई।

लिह्यः (لحیہ) अ. स्त्री.–दे. 'लेह्यः'।

लिह्यान (لحیان) अ. वि.–दे. 'लेह्यान'।

ली

लीक़ः (لیقہ) अ. पुं.–दवात में डालने का लत्ता।

लीक़ (لیق) अ. पुं.–दे. 'लीक़ः'।

लीग़ (لیغ) फ़ा. वि.–उदास, मलिन, बददिल।

लीनः (لینہ) अ. पुं.–खजूर के पेड़ का तना; खजूर की लंबी सोंट।

लीन (لین) अ. स्त्री.–कोमलता, नर्मी।

लीनत (لینت) अ. स्त्री.–कोमलता, नर्मी, मुलायमपन।

लीफ़ः (لیفہ) अ. पुं.–खजूर का बकला; रेशा, तंतु।

लीफ़ (لیف) अ. स्त्री.–दे. 'लीफ़ः'।

लीसुरग़ुस (لیثر غس) अ. पुं.–एक प्रकार का सन्निपात।

लु

लुंग (لنگ) फ़ा. पुं.–लुंगी, तहमद; जाँघिया, लँगोट।

लुंगक (لنگک) फ़ा. पुं.–छोटी-सी लुंगी, अँगोछा, जाँघिया।

लुंज (لنج) फ़ा. पुं.–होंठ, अधर, ओष्ठ।

लुआब (لعاب) अ. पुं.–चेप, लस; राल, लाला; लसदार दवाओं का गाढ़ा पानी।

लुआबदार (لعابدار) अ. फ़ा. वि.–वह वस्तु जिसमें चेप हो, लेसदार।

लुआबे दहन (لعاب دہن) अ. फ़ा. पुं.–थूक, मुखस्राव; राल, लाला।

लुक (لک) तु. वि.–मोटी भारी, और बेढंगी वस्तु।

लुक़ातः (لقاطہ) अ. वि.–बहुत ही घटिया वस्तु।

लुक्कः (لکہ) फ़ा. पुं.–धब्बा, दाग़; टुकड़ा, खंड।

लुक्कए अब्र (لکۂ ابر) फ़ा. पुं.–बादल का टुकड़ा, अभ्रखंड।

लुक्कहाए अब्र (لکہائے ابر) फ़ा. पुं.–बादलों के टुकड़े।

लुक़्क़ाअः (لقاعہ) अ. वि.–बहुत ही बातूनी, झक्की; हाज़िरजवाब, शीघ्रोत्तर, प्रत्युत्पन्नमति।

लुक़्तः (لقطہ) अ. पुं.–भूमि पर पड़ी हुई हुई वस्तु जो उठा ली गयी हो; पुराना लत्ता।

लुक्नत (لکنت) अ. स्त्री.–हकलापन, हकलाहट।

लुक्नतआमेज़ (لکنت آمیز) अ. फ़ा. वि.–हकलाहट के साथ; हकलाते हुए।

लुक़्मः (لقمہ) अ. पुं.–ग्रास, कवल, निवाला।

लुक़्मःख़ोर (لقمہ خور) अ. फ़ा. वि.–निवाला खानेवाला।

लुक़्मए अजल (لقمۂ اجل) अ. पुं.–मृत्यु के मुँह का निवाला, मृत्युकवल, मृत, मुर्दा।

लुक़्मए गोर (لقمۂ گور) अ. फ़ा. पुं.–क़ब्र के मुँह का निवाला, मृत, मुर्दा।

लुक़्मए चर्ब (لقمۂ چرب) अ. फ़ा. पुं.–तर निवाला, तरमाल, बढ़िया-बढ़िया खाने; अच्छी प्राप्ति, काफ़ी लाभ।

लुक़्मए तर (لقمۂ تر) अ. फ़ा. पुं.–दे. 'लुक़्मए चर्ब'।

लुक़्मए हराम (لقمۂ حرام) अ.पुं.—हराम की कमाई, दूसरे का माल जो बेईमानी से झटका जाय।

लुक़्मए हलाल (لقمۂ حلال) अ.पुं.—हलाल की कमाई, मेहनत से कमाया हुआ धन।

लुक़्मान (لقمان) अ.पुं.—एक बहुत बड़े वैद्य और वैज्ञानिक जिनकी चर्चा क़ुरान में है।

लुक़्माने वक़्त (لقمان وقت) अ.पुं.—अपने समय का बहुत बड़ा वैज्ञानिक और चिकित्सक।

लुक़्यः (لقیہ) अ.पुं.—साक्षात्कार, भेंट, मुलाक़ात; दर्शन, दीदार।

लुख (لخ) फा.पुं.—पानी के किनारे उत्पन्न होनेवाली एक घास जिसकी चटाइयाँ बनती हैं।

लुग़ज़ (لغز) अ.स्त्री.—प्रहेलिका, पहेली, मुअम्मा; जंगली चूहे का बिल जो बहुत टेढ़ा-मेढ़ा होता है।

लुग़त (لغت) अ.पुं.—शब्द, लफ़्ज़; शब्दकोश, लुग़ात।

लुग़त दाँ (لغت داں) अ.फा.वि.—किसी भाषा-विशेष के बहुत अधिक शब्द जाननेवाला।

लुग़तनवीस (لغت نویس) अ.फा.वि.—शब्दकोष लिखनेवाला।

लुग़वी (لغوی) अ.वि.—लुग़त सम्बन्धी; लुग़त के अनुसार।

लुग़ात (لغات) अ.पुं.—'लुग़त' का बहु., शब्दावली, ज़ख़ीरए अल्फ़ाज़; कोष-समूह, बहुत-से लुग़त; लुग़त इस अर्थ में एक वचन है।

लुग़ूब (لغوب) अ.पुं.—दुःख, क्लेश, तक्लीफ़; खेद, शोक, ग़म; रोग, बीमारी।

लुच (لچ) तु.वि.—नग्न, नंगा; भेंगा, ऐंचा ताना; लंपट, लोफ़र।

लुचन (لچن) तु.वि.—कुलटा व्यभिचारिणी, फ़ाहिशा।

लुजज (لجج) अ.पुं.—'लज्जः' का बहु., गहरी नदियाँ; नदियों की गहराइयाँ; भँवर, गिर्दाब।

लुज़ूक़ (لزوق) अ.पुं.—चिपकना।

लुज़ूजत (لزوجت) अ.स्त्री.—चिपक, लेस, चिपकाहट।

लुज़ूम (لزوم) अ.पुं.—अनिवार्यता, लाज़िम होना।

लुजैन (لجین) अ.स्त्री.—खरी चाँदी।

लुज्जः (لجہ) अ.पुं.—नदी का बीच; नदी का सबसे गहरा स्थान; भँवर, जलावर्त।

लुज्जी (لجی) अ.पुं.—बढ़ी-चढ़ी नदी, लबालब नदी।

लुतंबान (لت انبان) फा.वि.—दे. 'लतंबान', दोनों शुद्ध हैं पर वह अधिक प्रचलित है।

लुतंबार (لت انبار) फा.वि.—दे. 'लतंबार', दोनों शुद्ध हैं, परंतु वह अधिक व्यवहृत है।

लुत्फ़ (لطف) अ.पुं.—करुणा, तरस; दया, रह्म; अनुकंपा, मेह्रबानी; आनंद, मज़ा; मनोविनोद; तफ़्रीह; दानशीलता, फ़ैयाज़ी; अनुदान, बख़्शिश।

लुत्फ़ी (لطفی) अ.पुं.—दत्तक, लेपालक, मुतबन्ना।

लुत्मः (لطمہ) अ.पुं.—तमाँचा, थप्पड़, तल-प्रहार, थपेड़ा।

लुत्रः (لترہ) फा.वि.—इधर की उधर लगानेवाला, लगाई-बुझाई करनेवाला।

लुद [द्द] (لد) पुं.—'अलद' का बहु, युद्ध करनेवाले, लड़नेवाले, झगड़ा करनेवाले।

लुफ़ाज़ः (لفاظہ) अ.पुं.—वह वस्तु जो मुँह से उगली जाय, मुँह से निकली हुई वस्तु।

लुफ़्फ़ाह (لفاح) अ.स्त्री.—एक बूटी, यब्रूह, लक्ष्मण।

लुब [ब्ब] (لب) अ.पुं.—बुद्धि, अक़्ल; सार, तत्त्व; विशुद्ध, ख़ालिस; मींग, मग़्ज़।

लुबाद (لباد) अ.पुं.—बैल के कंधे पर रखने का जुआ।

लुबान (لبان) अ.पुं.—कुंदुर गोंद।

लुबाब (لباب) अ.पुं.—सार, तत्त्व, मग़्ज़।

लुबूब (لبوب) अ.पुं.—एक कामशक्तिवर्द्धक पाक जिसमें मींगें पड़ती हैं, और जो 'लबूब कबीर' और 'लबूब सग़ीर' के नाम से अत्तारों के यहाँ मिलता है।

लुब्नान (لبنان) अ.पुं.—शाम का एक पर्वत।

लुब्बे लुबाब (لب لباب) अ.पुं.—सार, तत्त्व, निचोड़, खुलासा।

लुब्स (لبس) अ.पुं.—कपड़े पहनना, वस्त्र धारण करना।

लुमास (لماس) अ.स्त्री.—कामना, इच्छा, हाजत।

लुमूअ (لموع) अ.पुं.—चमकना, प्रकाशित होना; 'लम्अः' का बहु., प्रकाशपुंज, रौशनियाँ।

लुम्अः (لمعہ) अ.पुं.—मनुष्यों का समूह; सिर की सफ़ेदी; किसी अंग का वह खंड जो वुज़ू में सूखा रह जाय।

लुर (لر) फा.वि.—मूर्ख, बुद्धू, घामड़।

लुसास (لساس) अ.पुं.—नयी उगी हुई घास।

लुसुन (لسن) अ.पुं.—'लसिन' का बहु.; भाषा-विशेष के विद्वान् लोग; बहुत ही मधुर, सुंदर और कोमल भाषा बोलनेवाले।

लुसूक़ (لصوق-لسوق) अ.पुं.—चिपकना।

लुसूस (لصوص) अ.पुं.—'लिस' का बहु., चोर लोग।

लुस्न (لسن) अ.पुं.—'अल्सन' का बहु., अर्थ के लिए दे. 'लुसुन'।

लुस्सः (لثہ) अ.पुं.—मसूढ़ा, दे. 'लस्सः' और 'लिस्सः', तीनों शुद्ध हैं।

लुहा (لحا) अ.स्त्री.—'लेह्यः' का बहु., डाढ़ियाँ।

लुहाम (لحام) अ.पुं.–'लह्म' का बहु., बहुत-से मांस।

लुहाम (لهام) अ.पुं.–बहुत बड़ी सेना।

लुहूक़ (لحوق) अ. पुं.–पीछे से मिलना या जड़ना; दो या अधिक वस्तुओं का परस्पर मिलना।

लुहून (لحون) अ.पुं.–'लहन' का बहु., आवाजें, स्वर-समूह।

लुहूम (لحوم) अ. पुं.–'लह्म' का बहु., मांसपिंड-समूह, बहुत-से गोश्त।

लुह्मान (لحمان) अ.पुं.–दे. 'लुहूम'।

लू

लूक़ः (لوقه) अ.पुं.–ताजा घी, ताजा मक्खन।

लूक़ा (لوقا) अ.पुं.–यूनान का एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक।

लूख (لوخ) फा. पुं.–पानी के किनारे उत्पन्न होनेवाली एक घास जिसकी चटाइयां बनती हैं; दे. 'लुख'।

लूच (لوچ) तु. वि.–नग्न, नंगा; भेंगा, दे. 'लुच'।

लूत (لوت) फा. वि.–नंगा, नग्न।

लूत (لوط) अ. पुं.–एक पैग़ंबर जिनके अनुयायियों ने गुद-मैथुन को धर्म-विहित मान लिया था, जिसके कारण उन पर अज़ाब (यातना) आया और वह सब नष्ट हो गये।

लूती (لوطی) अ. वि.–गुद-मैथुन करनेवाला; धृष्ट, ढीठ, बेहया; स्वच्छंद, जो धमाधर्म का ध्यान न रखता हो।

लूबः (لوبه) अ. पुं.–पथरीली भूमि, पहाड़ी इलाक़ा, वह पहाड़ी क्षेत्र जहां पानी का अभाव हो।

लूब (لوب) अ. पुं.–'लूबः' का बहु., ऐसे पहाड़ी क्षेत्र जहाँ पानी न मिलता हो।

लूलू (لولو) अ.पुं.–मुक्ता, मोती।

लूलूए लाला (لولوے لالا) अ. पुं.–बहुत बढ़िया और चमकदार मोती।

लूशा (لوشا) अ.पुं.–एक यूनानी वैज्ञानिक।

ले

लेक (لیک) फा. अव्य.–'लेकिन' का लघु., दे. 'लेकिन'।

लेकिन (لیکن) फा. अव्य.–'लाकिन' का फ़ार्सी रूप, परंतु।

लेज़म (لیزم) फा. स्त्री.–व्यायाम करने का एक विशेष प्रकार का धनुष।

लेमूं (لیموں) फा.पुं.–नीबू, निंबू, निंबूक, जंभीर।

लेमूनी (لیمونی) फा.वि.–जो नीबू के रस से बना हो; जिसमें नीबू का रस पड़ा हो; नीबू से सम्बन्धित।

लेस (لیس) फा. प्रत्य.–चाटनेवाला, जैसे—'कासःलेस' रिकाबी चाटनेवाला।

लेसां (لیساں) फा. वि.–चाटता हुआ।

लेसिंदः (لیسنده) फा. वि.–चाटनेवाला, लेहक।

लेसीदः (لسیده) फा. वि.–चाटा हुआ, लेहित।

लेसीदनी (لیسیدنی) फा. वि.–चाटने योग्य, लेहनीय, लेह्य।

लेह्यः (لحیه) अ. स्त्री.–डाढ़ी, श्मश्रु, रीश।

लेह्यान (لحیان) अ. वि.–लंबी डाढ़ीवाला, रीशाईल।

लेह्यानी (لحیانی) अ. वि.–रीशाईल, जिसकी डाढ़ी बहुत लंबी हो।

लै

लै (لے) अ. पुं.–बटना, रस्सी आदि बटना; लपेटना; जबान का लड़खड़ाना; जाल में फड़फड़ाना।

लैअ़ (لیع) अ. पुं.–डरना, भय खाना; जी उचाट होना, बद दिल होना।

लैत (لیت) अ. अव्य.–ईश्वर ऐसा करता।

लैतक (لیتک) फा.पुं.–दासी-पुत्र, लौंडी-बच्चा।

लैतोलअ़ल [ल्ल] (لیت ولعل) अ. स्त्री.–टालमटोल, हेराफेरी, आजकल, बहानाबाज़ी।

लैन (لین) अ. वि.–दे. 'लैयिन', दोनों शुद्ध हैं।

लैमून (لیمون) अ. पुं.–नीबू, निंबूक, लेमूं, जंभीर।

लैमूनी (لیمونی) अ. वि.–नीबू से बना हुआ; जिसमें नीबू पड़ा हो; नीबू-सम्बन्धी वस्तु।

लैयान (لیان) अ. पुं.–लपेटना।

लैयिन (لین) अ. वि.–मृदुल, कोमल, नर्म (पुं.) खजूर या छुहारे के पेड़ का तना।

लैलः (لیله) अ. स्त्री.–रात्रि, निशा, रात, शब।

लैल (لیل) अ. स्त्री.–रात्रि, यामिनी, निशीथिनी, क्षपा, शब,—"छाई हुई हैं ग़म की घटाएँ चहारसू, क्या फ़र्क़ रह गया मेरे लैलोनिहार में।"

लैलतुल अस्रा (لیلتہ الاسریٰ) अ. स्त्री.–दे. 'लैलतुल मे'राज'।

लैलतुलक़द्र (لیلتہ القدر) अ. स्त्री.–रमज़ान के महीने की एक रात्रि, जिसमें जप-तप करना बहुत अच्छा माना गया है।

लैलतुलबद्र (لیلتہ البدر) अ.स्त्री.–चाँद की चौदहवीं रात्रि, पूर्णिमा, पूर्णमासी।

लैलतुलबरात (لیلتہ البرات) अ. स्त्री.–शबेबरात, शबरात, शा'बान मास की चौदहवीं रात्रि।

लैलतुलमे'राज (لیلتہ المعراج) अ. स्त्री.–वह रात जिसमें मुसलमानों के मतानुसार हज़रत मुहम्मद साहिब अर्श पर गये।

लैला (لیلیٰ) अ. स्त्री.–क़ैस की प्रेमिका, जिसके इश्क़ में वह पागल हो गया था, और सब उसे 'मजनून' (पागल) कहने लगे थे।

लैली (لیلی) अ. स्त्री.–दे. 'लैला'।
लैले (لیلے) फा. स्त्री.–दे. 'लैला', यह शब्द केवल फ़ारसी पद्य में प्रयुक्त हुआ है।
लैस (لیث) अ. पुं.–सिंह, शेर।
लैह (لیہ) अ. पुं.–छिप कर जाना।

लो

लोक (لوک) फा. पुं.–लद्दू ऊँट; जो दुर्बलता और रोग के कारण घिसट-घिसटकर चले, जैसे—बच्चे चलते हैं; दीन, असहाय, लाचार।
लोका (لوکاں) फा. वि.–घुटनों के बल चलता हुआ; घुटनों के बल चलनेवाला।
लोकिदः (لوکندہ) फा. वि.–घुटनों के बल चलनेवाला।
लोकीदः (لوکیدہ) फा. वि.–जो घुटनों के बल चला हो।
लोकीदनी (لوکیدنی) फा. वि.–घुटनों के बल चलने योग्य।
लोत (لوت) फा. पुं.–अच्छे-अच्छे खाने; बिना दाढ़ी-मूँछ का लड़का।
लोतपोत (لوت پوت) फा. पुं.–अच्छे-अच्छे स्वादिष्ठ खाने।
लोदी (لودی) फा. पुं.–पठानों की एक जाति।
लो'बत (لعبت) अ. स्त्री.–खिलौना; गुड़िया, पुत्तलिका।
लो'बतेचीं (لعبت چیں) अ. फा. स्त्री.–चीनी गुड़िया; चीनी सुंदरी।
लोबान (لوبان) फा. पुं.–एक सुगंधित गोंद।
लोर (لور) फा. पुं.–धुनकने की कमान; वह भूमि जो बाढ़ के पानी से कट जाय; एक नाव-विशेष।
लोरकंद (لورکند) फा. पुं.–वह गढ़ा जो बाढ़ के पानी से बन जाय।
लोरा (لورا) फा. पुं.–पतली लपसी, दलिया; हर पतली वस्तु।
लोरियाँ (لوریاں) फा. पुं.–'लोरी' का बहु., कमीने और अधम लोग।
लोरी (لوری) फा. पुं.–एक जंगली और असभ्य जाति जो नाचने-गाने का पेशा करती है, कंजर; नीच, लोफ़र, कमीना।
लोलः (لولہ) फा. पुं.–भुने हुए अन्न का आटा, सत्तू।
लोलःपेच (لولہ پیچ) फा. पुं.–हर वह कपड़ा जिसका थान दफ़्ती में लपेटा जाय और ऊपर काग़ज़ चढ़ाया जाय।
लोल (لول) फा. वि.–चपल, चंचल, शोख; निर्लज्ज, धृष्ट, बेहया, ढीठ।
लोलए आबरेज (لولۂ آبریز) फा. पुं.–टोंटी, नलकी।
लोलियाँ (لولیاں) फा. स्त्री.–'लोली' का बहु., रंडियाँ।
लोली (لولی) फा. स्त्री.–रंडी, तवाइफ़।
लोश (لوش) फा. वि.–कीचड़, पंक, खाब; अचेत, बेख़बर; टेढ़े मुँहवाला; कोढ़ी।
लोशाक (لوشاک) फा. वि.–कीचड़ मिला हुआ, गदला।
लोस (لوس) फा. पुं.–चापलूसी, चाटुकारिता।
लोसानः (لوسانہ) फा. पुं.–चापलूसी, ख़ुशामद; विनीति, विनय, खाकसारी।
लोह्जः (لهجہ) अ. पुं.–प्रातराश, नाश्ता, सवेरे का जलपान।
लोह्नः (لهنہ) अ. पुं.–नाश्ता, प्रातराश; वह थोड़ा खाना जो मेहमान के सामने रख दिया जाय ताकि खाना तैयार होने तक का आधार हो जाय।
लोह्मः (لحمہ) अ. पुं.–बाज़ के शिकार का गोश्त; कपड़े की चौड़ाई का तार, बाना।
लोह्मान (لحمان) अ. पुं.–'लह्म' का बहु., मांस-पिंड-समूह।

लौ

लौ (لو) फा. पुं.–पुश्ता, उँचाई; पित्त, सफ़ा।
लौअ (لوع) अ. स्त्री.–प्रेम की व्याकुलता और जलन।
लौअत (لوعت) अ. स्त्री.–प्रेम की तपन, जलन और व्याकुलता, दे. 'लौअ'।
लौआत (لوعات) अ. स्त्री.–'लौअत' का बहु., प्रेम की जलनें।
लौक (لوک) अ. पुं.–चबाना, चर्वण; खाना, खान।
लौज़ः (لوزہ) अ. पुं.–बादाम, एक प्रसिद्ध मेवा; कौआ, गले का कौआ, कंठकाक।
लौज़ (لوز) अ. पुं.–'लौज़ः' का बहु., बहुत-से बादाम।
लौज़ (لوذ) अ. पुं.–बचाव के लिए पनाह ढूंढ़ना; घाटी का किनारा।
लौज़ई (لوذعی) अ. वि.–बुद्धिमान्, मेधावी, दाना; प्रतिभाशाली, ज़हीन।
लौज़नान (لوزنان) फा. पुं.–हल्क़ का कौआ, कंठकाक।
लौज़ियात (لوزیات) फा. पुं.–'लौज़ः' का बहु., परंतु एक वचन में व्यवहृत है।
लौज़ीनः (لوزینہ) फा. पुं.– बादाम का हल्वा।
लौनः (لونہ) अ. पुं.–मुँह पर मलने का पाउडर, मुखचूर्ण, ग़ाज़ा।
लौन (لون) अ. पुं.–रंग, वर्ण।
लौने ग़ामिक़ (لون غامق) अ. पुं.–गहरा रंग।
लौने फ़ातेह (لون فاتح) अ. पुं.–हलका रंग।
लौने मा'तम (لون معتم) अ. पुं.–शोख रंग, खुलता हुआ रंग, न बहुत गहरा न हलका।

लौम (لوم) अ. पुं.—भर्त्सना, निंदा, मलामत; कृपणता, कंजूसी।

लौमत (لومت) अ. स्त्री.—दे. 'लौम'।

लौमते लाइम (لومت لائم) अ. स्त्री.—निंदा करनेवाले की निंदा।

लौलौशम (لولوشم) फा. पुं.—एक फूल विशेष।

लौस (لوث) अ. पुं.—लगाव, संपर्क, तअल्लुक़; लथड़ा होना, भरा होना।

लौसे दुन्या (لوث دنیا) अ. पुं.—सांसारिक बंधन, मायाजाल, लिप्ति, अनुराग।

लौह (لوح) अ. स्त्री.—बच्चों के लिखने की पाटी, तख़्ती, पट्टिका; पत्थर का टुकड़ा जिस पर लिखकर क़ब्र आदि पर लगाते हैं।

लौहशल्लाह (لوحش الله) अ. बा.—'ला औहशल्लाह' का फ़ार्सी रूप, आदर प्रदर्शन या आश्चर्य प्रकटन के समय बोलते हैं।

लौहे क़ब्र (لوح قبر) अ. स्त्री.—दे. 'लौहे मज़ार'।

लौहे जबीं (لوح جبیں) अ. स्त्री.—दे. 'लौहे पेशानी'।

लौहे तिलिस्म (لوح طلسم) अ. स्त्री.—किसी जादू के मकान में रखी हुई वह तख़्ती जिस पर जादू तोड़ने की विधि लिखी होती है।

लौहे नाख़्वांदः (لوح ناخوانده) अ. स्त्री.—ईश्वरदत्त विद्या, इल्मे लदुन्नी, दे. 'लौहे महफ़ूज़'।

लौहे पेशानी (لوح پیشانی) अ. फा. स्त्री.—ललाटपटल, माथा; भाग्य, तक़्दीर।

लौहे मज़ार (لوح مزار) अ. स्त्री.—वह पत्थर की तख़्ती जो किसी मरनेवाले की क़ब्र पर लगाते हैं और उसमें उसके मरने की तारीख़ आदि लिखते हैं।

लौहे महफ़ूज़ (لوح محفوظ) अ. स्त्री.—अर्श पर एक स्थान, जहाँ संसार में होनेवाली सारी घटनाओं का उल्लेख है और जिसे कोई पढ़ नहीं सकता।

लौहोक़लम (لوح و قلم) अ. पुं.—तख़्ती और उस पर लिखने का क़लम, अर्थात् वह तख़्ती जिस पर भविष्य में होनेवाली सारी घटनाएँ लिखी हुई हैं और वह लेखनी जिसने यह सब कुछ ईश्वर की आज्ञा से लिखा है।

व

वइल्ला (والّا) अ. अव्य.—नहीं तो, अन्यथा, वर्ना।

वईद (وعید) अ. स्त्री.—सज़ा का वादा, दंड की धमकी।

वक़ाए' (وقائع) अ. पुं.—'वक़ीअः' का बहु., घटनाएँ; समाचार, ख़बरें।

वक़ाए' नवीस (وقائع نویس) अ. फा. वि.—इतिहासकार, मुअर्रिख़; समाचारलेखक, संवाददाता।

वक़ाए' नवीसी (وقائع نویسی) अ. फा. स्त्री.—इतिहास लिखना; संवाद देना।

वक़ाए' निगार (وقائع نگار) अ. फा. वि.—दे. 'वक़ाए नवीस'।

वक़ाए निगारी (وقائع نگاری) अ. फा. स्त्री.—दे. 'वक़ाए नवीसी'।

वक़ार (وقار) अ. पुं.—भारी भरकमपन, गुरुत्व; प्रतिष्ठा, इज़्ज़त; गंभीरता, मतानत; मान-मर्यादा, एहतिराम।

वकालत (وکالت) अ. स्त्री.—वकील का काम, अभिभाषण, अभिवचन।

वकालतन (وکالتاً) अ. फा. वि.—वकील के द्वारा, वकील के ज़रीये।

वकालतनामः (وکالت نامه) अ. फा. पुं.—वकील बनाने की तहरीर, अभिभाषण पत्र।

वकालतपेशः (وکالت پیشه) अ. फा. वि.—जो वकालत करता हो, अभिभाषण-व्यवसायी।

वक़ाह (وقاح) अ. वि.—निर्लज्ज, बेशर्म; धृष्ट, ढीठ; उद्दंड, उजड्ड।

वक़ाहत (وقاحت) अ. स्त्री.—निर्लज्जता, बेहयाई; धृष्टता, गुस्ताख़ी।

वकीअ (وکیع) अ. वि.—दृढ़, मज़बूत।

वक़ीअ (وقیع) अ. वि.—प्रतिष्ठित, श्रेष्ठ, इज़्ज़तदार; उच्च, ऊँचा, बलंद।

वक़ीअत (وقیعت) अ. स्त्री.—निंदा, कुत्सा, बदगोई; युद्ध, लड़ाई।

वक़ीद (وقید) अ. पुं.—पतला इंधन जिससे आग सुलगायी जाती है।

वकील (وکیل) अ. वि.—वकालत करनेवाला, अभिभाषक, अभिवक्ता।

वकीले मुत्लक़ (وکیل مطلق) अ. पुं.—ऐसा वकील जिसे मुअक्किल की ओर से पूरे अधिकार प्राप्त हों।

वकीले सरकार (وکیل سرکار) अ. फा. पुं.—सरकारी मुकद्दमों में पैरवी करनेवाला वकील।

वक़ीह (وقیح) अ. वि.—निर्लज्ज, बेहया; धृष्ट, ढीठ।

वक़ूद (وقود) अ. पुं.—इंधन, जलाने की लकड़ी आदि।

वक़ूर (وقور) अ. वि.—प्रतिष्ठित, ज़ीइज़्ज़त।

वकूल (وکول) अ. वि.—वह लाचार व्यक्ति जो अपना काम दूसरों पर छोड़ दे।

वक़ह (وقیح) अ. वि.—दे. 'वक़ीह'।

वक़्अ (وقع) अ. पुं.–प्रतिष्ठा, इज़्ज़त (स्त्री.) ऊँचा स्थान, ऊँची जगह।

वक़्अत (وقعت) अ. स्त्री.–प्रतिष्ठा, इज़्ज़त; महत्त्व, अहम्मीयत; आदर, एहतिराम; उच्चता, बलंदी।

वक़्ज़ (وكز) अ. पुं.–घूँसा मारना, मुक्केबाज़ी करना।

वक़्क़ाद (وقاد) अ. वि.–बहुत तेज़ जलनेवाला, शोले फेंकनेवाला; दीप्त, ज्वलंत, रौशन।

वक़्त (وقت) अ. पुं.–समय, काम, ज़माना; अवसर, मौक़ा; ऋतु, मौसिम; बिलंब, देर।

वक़्तगुज़ारी (وقت گزاری) अ. फ़ा. स्त्री.–समय काटना, कालयापन; बुरे-भले जीवन व्यतीत करना।

वक़्तन फ़ वक़्तन (وقتاً فوقتاً) अ. वि.–यदा कदा, कभी-कभी।

वक़्त ब वक़्त (وقت بوقت) अ. फ़ा. वि.–दे. 'वक़्तन फ़ वक़्तन'।

वक़्त बे वक़्त (وقت بےوقت) अ. फ़ा. वि.–अच्छे और बुरे समय पर, सुख-दुःख में, ज़रूरत के वक़्त।

वक़्ती (وقتی) अ. वि.–सामयिक, समय-सम्बन्धी; क्षण-स्थायी, थोड़ी देर का; अस्थायी, आरिज़ी; (प्रत्य.) समय का, जैसे—'पंजवक़्ती नमाज़' पाँच वक़्त की नमाज़।

वक़्ते अजल (وقت اجل) अ. पुं.–मृत्यु-समय, मरने का समय।

वक़्ते आख़िर (وقت آخر) अ. पुं.–अंतिम समय, मृत्यु-काल।

वक़्ते इआनत (وقت اعانت) अ. पुं.–सहायता का अवसर, मदद का समय।

वक़्ते इम्दाद (وقت امداد) अ. पुं.–दे. 'वक़्ते इआनत'।

वक़्ते एहसान (وقت احسان) अ. पुं.–उपकार का समय या अवसर।

वक़्ते ख़्वाब (وقت خواب) अ. फ़ा. पुं.–सोने का समय।

वक़्ते ज़ुरूरत (وقت ضرورت) अ. पुं.–आवश्यकता का अवसर; सहायता का अवसर।

वक़्ते नाज़ुक (وقت نازک) अ. फ़ा. पुं.–आपत्तिकाल, मुसीबत का समय; सावधान रहने और सँभलकर चलने का समय।

वक़्ते फ़राग़त (وقت فراغت) अ. पुं.–छुट्टी का समय; समृद्धि का समय; कार्यनिवृत्ति का समय।

वक़्ते फ़ुर्सत (وقت فرصت) अ. पुं.–दे. 'वक़्ते फ़राग़त'।

वक़्ते बद (وقت بد) अ. फ़ा. पुं.–आपत्तिकाल, मुसीबत का समय; गुंडागर्दी का समय।

वक़्ते मदद (وقت مدد) अ. पुं.–वक़्ते इम्दाद, सहायता का अवसर।

वक़्ते मर्दानगी (وقت مردانگی) अ. फ़ा. पुं.–साहस दिखाने का अवसर; युद्ध में कूद पड़ने का अवसर।

वक़्ते मुलाक़ात (وقت ملاقات) अ. पुं.–मिलने का समय; मिलने के समय।

वक़्ते मुसीबत (وقت مصیبت) अ. पुं.–आपत्तिकाल, विपत्ति-पड़ने के समय।

वक़्ते रवानगी (وقت روانگی) अ. फ़ा. पुं.–प्रस्थान के समय, चलते समय, रवाना होते समय।

वक़्ते रुख़्सत (وقت رخصت) अ. पुं.–विदा होते समय, जाते समय, चलते वक़्त।

वक़्ते वापसीं (وقت واپسیں) अ. फ़ा. पुं.–मरते समय, अंतिम समय।

वक़्ते शिकायत (وقت شکایت) अ. पुं.–शिकायत का समय; शिकायत करते समय।

वक़्ते हिम्मत (وقت همت) अ. पुं.–दे. 'वक़्ते मर्दानगी'।

वक़्फ़ः (وقفه) अ. पुं.–दो कामों के बीच में ठहराव का समय, विराम; इंटरवल टाइम, कालान्तर; देर, बिलंब; ठहराव, सुकून।

वक़्फ़ (وقف) अ. पुं.–ईश्वरार्पण, देवोत्तर, उत्सर्ग, ख़ुदा के नाम पर दान की हुई वस्तु या संपत्ति आदि; किसी पुरुष-विशेष के लिए रखी हुई या अलग की हुई वस्तु।

वक्फ़ (وكف) अ. पुं.–बरसात में छत आदि का टपकना; किसी चीज़ से पानी टपकना।

वक़्फ़ अलल औलाद (وقف على الاولاد) अ. पुं.–वह संपत्ति जो अपनी संतान के लिए वक़्फ़ हो।

वक़्फ़ अलल्लाह (وقف على الله) अ. पुं.–वह संपत्ति जो धार्मिक कार्यों के लिए वक़्फ़ हो।

वक़्फ़नामः (وقف نامه) अ. फ़ा. पुं.–वक़्फ़ की दस्तावेज़, उत्सर्गपत्र, दानपत्र।

वगर (وگر) फ़ा. अव्य.–अगर, यदि, अब उर्दू में नहीं बोलते।

वगरनः (وگرنه) फ़ा. अव्य.–अन्यथा, वर्ना, नहीं तो।

वग़ा (وغا) अ. स्त्री.–युद्ध, समर, जंग, लड़ाई।

वग़ैरः (وغیره) अ. अव्य.–आदि, इत्यादि, प्रभृति, प्रमुख।

वग़्द (وغد) अ. वि.–अधम, नीच, कुपात्र, कमीना; अयोग्य, नाक़ाबिल।

वज (وج) अ. स्त्री.–वचा, बच, एक लकड़ी जो दवा में चलती है।

वजउलक़ल्ब (وجع القلب) अ. पुं.–हृदय की पीड़ा, दिल का दर्द, हृत्पीडा।

वजउलमफ़ासिल (وجع المفاصل) अ. पुं.–जोड़ों का दर्द, संधिवात, अंगमर्प, गठिया।

वजउलमे'द: (وجع المعدہ) अ. पुं.—पेट का दर्द, उदर-पीड़ा।

वजउलवरिक (وجع الورک) अ. पुं.—चूतड़ का दर्द, श्रोण-पीड़ा।

वज़ग़: (وزغہ) अ. पुं.—मेंढक, मंडूक; कृकलास, गिरगट; गृहगोधिका, छिपकली।

वज़ग़ (وزغ) अ. पुं.—दे. 'वज़ग़:'।

वजब (وجب) अ. पुं.—बारह अंगुल की नाप, वितस्ति, बित्ती, बालिश्त।

वजर (وجر) अ. पुं.—भय, त्रास, डर।

वजा' (وجع) अ. पुं.—पीड़ा, व्यथा, वेदना, दर्द।

वजा (وجا) अ. पुं.—भय, त्रास, डर, ख़ौफ़।

वज़ाअत (وضاعت) अ. स्त्री.—पवित्रता, पाकीज़गी; सुन्दरता, ख़ूबसूरती; निर्दोष, बेऐबी।

वज़ाअत (ضاعت) अ. स्त्री.—अधमता, नीचता, लोफरपन।

वज़ाइफ़ (وظائف) अ. पुं.—'वज़ीफ़:' का बहु., छात्र-वृत्तियाँ; मंत्रजाप आदि।

वज़ाहत (وضاحت) अ. स्त्री.—विस्तार, फैलाव; स्पष्टता, विवरण, तफ़्सील।

वजाहत (وجاهت) अ. स्त्री.—मुखश्री, मुखकांति, चेहरे की आबोताब; प्रतिष्ठा, मान्यता, इज़्ज़त।

वज़ाहततलब (وضاحت طلب) अ. वि.—जिस बात का स्पष्टीकरण आवश्यक हो।

वजाहतपरस्त (وجاهت پرست) अ. वि.—जो बड़े लोगों की ही ओर आकृष्ट रहता हो।

वज़िंद: (وزندہ) फ़ा. वि.—बहनेवाली वायु, चलनेवाली हवा।

वजिर (وجر) अ. वि.—डरनेवाला, त्रस्त, भयभीत।

वजिल (وجل) अ. वि.—जो भ्रम के कारण डरे, डरने-वाला।

वज़िश (وزش) फ़ा. स्त्री.—हवा की सरसराहट, हवा चलने की हालत।

वजीअ (وجيع) अ. वि.—कष्टग्रस्त, पीड़ित, दर्दनाक।

वज़ीअ (وضيع) अ. वि.—अधम, नीच, कमीना।

वज़ीओशरीफ़ (وضيع و شريف) अ. पुं.—कमीने और भलेमानस लोग, अर्थात् अच्छे-बुरे सब।

वजीज़ (وجيز) अ. वि.—ह्रस्व, छोटा; संक्षिप्त, मुख़्तसर।

वज़ीद: (وزيدہ) फ़ा. वि.—चली हुई हवा, बही हुई वायु, चला हुआ पवन।

वज़ीदनी (وزيدنی) फ़ा. वि.—चलने के क़ाबिल हवा।

वज़ीफ़: (وظيفہ) अ. पुं.—छात्रवृत्ति, स्कॉलरशिप; वृत्ति, पर्वरिश अलाउंस; निवृत्तिवेतन, पेनशन; किसी मंत्र आदि या कुरान के वाक्यादि का जप।

वज़ीफ़:ख़्वाँ (وظيفہ خواں) अ. फ़ा. वि.—मंत्र आदि पढ़ने-वाला; यशोगान करनेवाला।

वज़ीफ़:ख़्वानी (وظيفہ خوانی) अ. फ़ा. स्त्री.—मंत्र आदि का उच्चारण; यशगान।

वज़ीफ़:ख़्वार (وظيفہ خوار) अ. फ़ा. वि.—पेनशन पाने-वाला, वृत्तिभोक्ता।

वज़ीफ़:ख़्वाह (وظيفہ خواہ) अ. फ़ा. वि.—वज़ीफ़ा चाहने-वाला।

वज़ीफ़:गो (وظيفہ گو) अ. फ़ा. वि.—वज़ीफ़ा पढ़नेवाला; यशोगान करनेवाला।

वज़ीफ़:गोई (وظيفہ گوئی) अ. फ़ा. स्त्री.—वज़ीफ़ा पढ़ना; गुणगान करना।

वज़ीफ़:दार (وظيفہ دار) अ. फ़ा. वि.—वज़ीफ़ा पानेवाला।

वज़ीफ़:याब (وظيفہ ياب) अ. फ़ा. वि.—वज़ीफ़ा पाया हुआ, जिसने वज़ीफ़ा पा लिया हो।

वज़ीफ़ए ज़ौजियत (وظيفۂ زوجيت) अ. पुं.—स्त्री-प्रसंग, सहवास, मैथुन।

वज़ीफ़ए ता'लीम (وظيفۂ تعليم) अ. पुं.—छात्रवृत्ति, स्कॉलरशिप।

वज़ीफ़ए माहान: (وظيفۂ ماهانہ) अ. फ़ा. पुं.—मासिक वृत्ति, हर महीने मिलनेवाला वज़ीफ़ा।

वज़ीस: (وزيسہ) अ. पुं.—पुरस्कार, उपहार, भेंट, हदिया।

वज़ीर (وزير) अ. पुं.—अमात्य, मंत्री, सचिव।

वज़ीरे अद्ल (وزير عدل) अ. पुं.—दे. 'वज़ीरे इंसाफ़'।

वज़ीरे आ'ज़म (وزير اعظم) अ. पुं.—प्रधानमंत्री, महामंत्री, महामात्य।

वज़ीरे आबकारी (وزير آبکاری) अ. फ़ा. पुं.—आबकारी मंत्री।

वज़ीरे आबपाशी (وزير آبپاشی) अ. फ़ा. पुं.—सिंचनमंत्री।

वज़ीरे आबादकारी (وزير آبادکاری) अ. फ़ा. पुं.—पुनर्वास-मंत्री।

वज़ीरे आ'ला (وزير اعلیٰ) अ. पुं.—मुख्यमंत्री।

वज़ीरे इंसाफ़ (وزير انصاف) अ. पुं.—न्यायमंत्री।

वज़ीरे इत्तिलाआत (وزير اطلاعات) अ. पुं.—सूचनामंत्री।

वज़ीरे उमूरे ख़ारिज: (وزير امور خارجہ) अ. पुं.—दे. 'वज़ीरे ख़ारिज:'।

वज़ीरे उमूरे दाख़िल: (وزير امور داخلہ) अ. पुं.—दे. 'वज़ीरे दाख़िल:'।

वज़ीरे उमूरे मज़हबी (وزير امور مذهبی) अ. पुं.—धर्म-मंत्री।

वज़ीरे क़ानून (وزیر قانون) अ. पुं.—दे. 'वज़ीरे इंसाफ़'।
वज़ीरे ख़ारिजः (وزیرخارجه) अ. पुं.—परराष्ट्र मंत्री।
वज़ीरे ग़िज़ा (وزیر غزا) अ. पुं.—खाद्यमंत्री।
वज़ीरे जंग (وزیر جنگ) अ. फा. पुं.—युद्धमंत्री।
वज़ीरे ज़िराअत (وزیر زراعت) अ. पुं.—कृषिमंत्री।
वज़ीरे तरक़्क़ीयात (وزیر ترقیات) अ. पुं.—विकासमंत्री।
वज़ीरे ता'मीरात (وزیر تعمیرات) अ. पुं.—निर्माणमंत्री।
वज़ीरे ता'लीम (وزیر تعلیم) अ. पुं.—शिक्षामंत्री।
वज़ीरे तिजारत (وزیر تجارت) अ. पुं.—व्यापारमंत्री।
वज़ीरे दाख़िलः (وزیر داخله) अ. पुं.—गृहमंत्री।
वज़ीरे दिफ़ाअ (وزیر دفاع) अ. पुं.—रक्षामंत्री।
वज़ीरे नौआ बादियात (وزیر نو آبادیات) अ. फा. पुं.—उपनिवेशमंत्री।
वज़ीरे फ़ौज (وزیر فوج) अ. पुं.—दे. 'वज़ीरे जंग'।
वज़ीरे बल्दीयात (وزیر بلدیات) अ. पुं.—स्थानीय स्वशासनमंत्री।
वज़ीरे बहालीयात (وزیر بحالیات) अ. पुं.—पुनर्वासमंत्री।
वज़ीरे मफ़ादे आम्मः (وزیر مفاد عامه) अ. पुं.—लोकहित मंत्री।
वज़ीरे माल (وزیر مال) अ. पुं.—अर्थमंत्री, मालमंत्री।
वज़ीरे मुवासलात (وزیر مواصلات) अ. पुं.—दे. 'वज़ीरे रस्लो रसाइल'।
वज़ीरे मेहनत (وزیر محنت) अ. पुं.—श्रममंत्री।
वज़ीरे रस्लो रसाइल (وزیر رسل ورسائل) अ. पुं.—यातायातमंत्री।
वज़ीरे सन्अतो हिर्फ़त (وزیر صنعت وحرفت) अ. पुं.—उद्योगमंत्री।
वज़ीरे सेहत (وزیر صحت) अ. पुं.—स्वास्थ्यमंत्री।
वज़ीरे हर्ब (وزیر حرب) अ. पुं.—दे. 'वज़ीरे जंग'।
वज़ीरे हुकूमत (وزیر حکومت) अ. पुं.—राज्यमंत्री।
वजीहः (وجیهه) अ. वि.—श्रीमुख, जिसका चेहरा रोबदार हो।
वजीह (وجیح) अ. वि.—दृढ़, मजबूत।
वज़ू (وضو) अ. पुं.—नमाज़ के लिए वुज़ू करने का पानी, यह शब्द वुज़ू करने के अर्थ में अशुद्ध है।
वजूर (وجور) अ. पुं.—गले के भीतर टपकानेवाली पतली दवा।
वज़्अ (وضع) अ. स्त्री.—रखना; बनाना; करना; जनना; दशा, हालत; वेशभूषा, वज़ाक़ता; पद्धति, शैली, ढंग; हिसाब में से किसी रक़म की कमी, कटौती, मिनहाई; सदैव एक प्रकार से रहना और जिससे जैसा व्यवहार हो, उसे आख़ीर तक वैसे ही निबाहना।
वज़्अदार (وضع دار) अ. फा. वि.—जो अपनी वज़ा का पाबंद हो, सदा एक-सा रहे, और जिससे जो व्यवहार हो आख़ीर तक निबाहे।
वज़्अदारी (وضع داری) अ. फा. स्त्री.—हमेशा अपनी वज़ा पर क़ायम रहना और जिस तरह जिससे मिलना या काम करना हो उसे उसी तरह निबाहना।
वज़्ई (وضعی) अ. वि.—बनाया हुआ, गढ़ा हुआ।
वज़्उलहम्ल (وضع الحمل) अ. पुं.—दे. 'वज़्ए हम्ल', बच्चा पैदा करना।
वज़्ए आज़ादानः (وضع آزادانه) अ. फा. स्त्री.—आज़ाद लोगों का-सा वेशभूषा।
वज़्ए आमियानः (وضع عامیانه) अ. फा. स्त्री.—साधारण लोगों-जैसी चाल-ढाल या वेशभूषा।
वज़्ए दरवेशानः (وضع درویشانه) अ. फा. स्त्री.—साधुओं-जैसी वेशभूषा।
वज़्ए शरीफ़ानः (وضع شریفانه) अ. फा. स्त्री.—सज्जन लोगों-जैसा आचरण और उन्हीं-जैसी वेशभूषा।
वज़्ए सादः (وضع ساده) अ. फा. स्त्री.—सादी वेशभूषा जिसमें कोई बनावट न हो, साधारण चाल-ढाल।
वज़्ए हम्ल (وضع حمل) अ. पुं.—बच्चा जनना, प्रसव, जनन, प्रसूति।
वज़्ओ क़त्अ (وضع قطع) अ. स्त्री.—वेशभूषा, आकार-प्रकार, सज-धज, वज़ाक़ता।
वज़्ज़ाअ (وضاع) अ. वि.—बनानेवाला, गढ़नेवाला।
वज़्ज़ान (وزان) अ. वि.—बहुत अधिक तोलनेवाला।
वज़्ज़ाह (وضاح) अ. वि.—सफ़ेद कोढ़ का रोगी; गोरा चट्टा, गौर वर्ण।
वज्द (وجد) अ. पुं.—आनंदाधिक्य से आत्म विस्मृति; काव्य या संगीत की रसानुभूति से होनेवाली आत्म-विस्मृति; आनंदातिरेक से झूमनेवाला।
वज्दअंगेज़ (وجدانگیز) अ. फा. वि.—दे. 'वज्दआफ़्रीं'।
वज्दआफ़्रीं (وجدآفریں) अ. फा. वि.—वज्द में लानेवाला, आनंदातिरेक से मुग्ध कर देनेवाला।
वज्दकुनां (وجدکناں) अ. फा. वि.—झूमता हुआ, आनंदबाहुल्य से वज्द करता हुआ।
वज्दे सिमाअ (وجدسماع) अ. पुं.—गाना सुनकर होनेवाला वज्द।
वज्दोहाल (وجدوحال) अ. पुं.—गाने में आनंदातिरेक से मस्त हो जाना और झूमना।
वज्नः (وجنه) अ. पुं.—कपोल, गाल, रुख़सार।

वज़नः (وزنہ) अ. पुं.—नापने का पैमाना, बारूद नापने का पैमाना।

वज़न (وزن) अ. पुं.—भार, बोझ; तोलने का बाँट; महत्त्व, अहम्मीयत; छंद, वृत्त, बह्र; तक़्तीअ, काव्य पद के अक्षरों को गणों की मात्राओं से मिलाकर बराबर करना।

वज़नकश (وزن کش) अ. फा. वि.—तोलनेवाला, तौला।

वज़नकशी (وزن کشی) अ. फा. स्त्री.—तोलना; तोलने का काम; तोलने का पेशा।

वज़नी (وزنی) अ. वि.—भारी, बोझल।

वज़ने शे'र (وزن شعر) अ. पुं.—शे'र की बह्र या वृत्त; शे'र की तक़्तीअ।

वजह (وجہ) अ. स्त्री.—कारण, हेतु, सबब, (पुं.) मुख, मुखाकृति, मुखमंडल, चेहरा।

वज्हे अदावत (وجہ عداوت) अ. स्त्री.—शत्रुता का कारण।

वज्हे अह्सन (وجہ احسن) अ. पुं.—सुन्दर, मुख, अच्छी सूरत (स्त्री.) अच्छा कारण, मा'क़ूल वजह।

वज्हे क़वी (وجہ قوی) अ. स्त्री.—बड़ी वजह, उचित कारण, मा'क़ूल सबब।

वज्हे काफ़ी (وجہ کافی) अ. स्त्री.—उचित कारण, बड़ा कारण।

वज्हे ख़ुसूमत (وجہ خصومت) अ. स्त्री.—द्वेष का कारण, रंजिश का सबब।

वज्हे ख़ुसूसी (وجہ خصوصی) अ. स्त्री.—मुख्य कारण, खास सबब।

वज्हे तस्मियः (وجہ تسمیہ) अ. स्त्री.—निरुक्ति, नाम होने का कारण, अमुक वस्तु का यह नाम क्यों पड़ा? इसका कारण।

वज्हे तह्रीक (وجہ تحریک) अ. स्त्री.—चर्चा चलाने या बात उठाने का कारण; प्रस्ताव रखने का कारण।

वज्हे मआश (وجہ معاش) अ. स्त्री.—जीवन-निर्वाह का साधन, जीविका।

वज्हे मईशत (وجہ معیشت) अ. स्त्री.—दे. 'वज्हे मआश'।

वज्हे मा'क़ूल (وجہ معقول) अ. स्त्री.—उचित कारण, ठीक सबब।

वज्हे मुख़ालफ़त (وجہ مخالفت) अ. स्त्री.—विरोध का कारण।

वज्हे मुख़ासमत (وجہ مخاصمت) अ. स्त्री.—शत्रुता का कारण, द्वेष का कारण।

वज्हे मुवज्जह (وجہ موجہ) अ. स्त्री.—युक्तियुक्त कारण, मा'क़ूल सबब।

वज्हे रंजिश (وجہ رنجش) अ. फा. स्त्री.—मनमुटाव और नाराज़ी का कारण।

वज्हे राहत (وجہ راحت) अ. स्त्री.—सुख का साधन, प्रसन्नता का कारण।

वज्हे वहशत (وجہ وحشت) अ. स्त्री.—भागने और अलग रहने अथवा घृणा करने का कारण।

वज्हे शक (وجہ شک) अ. स्त्री.—शंका करने का कारण।

वज्हे शिकायत (وجہ شکایت) अ. स्त्री.—उपालंभ का कारण, शक्वा करने का सबब।

वज्हे हलाल (وجہ حلال) अ. स्त्री.—विहित और उचित साधन (जीविका का)।

वज्हे हसन (وجہ حسن) अ. स्त्री.—मा'क़ूल सबब, उत्तम कारण (पुं.) सुन्दर मुख, अच्छी सूरत।

वज्हे हसीन (وجہ حسین) अ. स्त्री.—सुन्दर मुख, प्यारा चेहरा।

वतद (وتد) अ. पुं.—खूंटा, मेख; तीन अक्षरोंवाला शब्द।

वतदे मक़्रून (وتد مقرون) अ. पुं.—वह तीन अक्षरोंवाला शब्द जिसका अंतिम अक्षर हल् हो, जैसे—'चमन्'।

वतदे मज्मूअ (وتد مجموع) अ. पुं.—दे. 'वतदे मक़्रून'।

वतदे मफ़्रूक़ (وتد مفروق) अ. पुं.—वह तीन अक्षरवाला शब्द जिसके बीच का अक्षर हल् है, जैसे—'चश्मः'।

वतन (وطن) अ. पुं.—स्वदेश, जन्म-भूमि—"यह गोरे ग़रीबां पे कहती है हसरत, कि असली वतन है यही बेकसी का।"

वतनकुश (وطن کش) अ. फा. वि.—देशद्रोही, वतन के साथ ग़द्दारी करनेवाला।

वतनकुशी (وطن کشی) अ. फा. स्त्री.—देशद्रोह, वतन से ग़द्दारी।

वतनदोस्त (وطن دوست) अ. फा. वि.—देशप्रेमी, अपने वतन से स्नेह करनेवाला।

वतनदोस्ती (وطن دوستی) अ. फा. स्त्री.—देशप्रेम, वतन की मुहब्बत।

वतनपरस्त (وطن پرست) अ. फा. वि.—देशभक्त, वतन को सर्वोत्तम जाननेवाला।

वतनपरस्ती (وطن پرستی) अ. फा. स्त्री.—देशभक्ति, वतन का अत्यधिक प्रेम।

वतनफ़रोश (وطن فروش) अ. फा. वि.—देशविक्रेता, देशद्रोही, वतन का ग़द्दार।

वतनफ़रोशी (وطن فروشی) अ. फा. स्त्री.—देशद्रोह, वतन को दूसरों के हाथ बेच देना।

वतनी (وطنی) अ. वि.—वतन का; वतन-सम्बन्धी; वतन-वाला।

वतनीयत (وطنیت) अ. स्त्री.—देशभक्ति, वतनपरस्ती।
वतने आबाई (وطن آبائی) अ. पुं.—बाप-दादा का देश, पुराना वतन।
वतने क़दीम (وطن قدیم) अ. पुं.—पुराना वतन, पुरखों का देश, पूर्वजों का देश।
वतने जदीद (وطن جدید) अ. पुं.—नया वतन, जहाँ हाल में रहना आरंभ किया हो।
वतने मालूफ़ (وطن مالوف) अ. पुं.—वह वतन जिससे प्रेम हो।
वतर (وتر) अ. पुं.—प्रत्यंचा, धनुष की डोरी; बाजे का तार।
वती (وطی) अ. स्त्री.—सहवास, संभोग; मसलना, रौंदना, कुचलना।
वतीरः (وتیرہ) अ. पुं.—ढंग, पद्धति, तरीक़ा; आचरण, व्यवहार, तर्जेअमल।
वत्वात (وطواط) अ. स्त्री.—अबाबील, भांडीक।
वत्श़ (وتش) अ. वि.—विनाश, बरबादी; ध्वस्त, तबाह, ख़राब।
वत्ह (وتح) अ. वि.—कृपण, कंजूस; निकृष्ट, ख़राब।
वदा' (ودع) अ. पुं.—शंख, कंबु, संख।
वदाअ (وداع) अ. स्त्री.—रुख़्सत, विदा, गमन, जाना।
वदाए' (ودائع) अ. पुं.—'वदीअत' का बहु., अमानतें।
वदाए जाँ (وداع جاں) अ. फ़ा. स्त्री.—प्राणों का कूच, मरण, मरना।
वदाए रूह (وداع روح) अ. स्त्री.—आत्मा का गमन, मरण, मृत्यु, मरना।
वदाद (وداد) अ. पुं.—इच्छा, चाह, तलब; मनोकामना, आकांक्षा, मुराद।
वदीअ (ودیع) अ. वि.—रुख़्सत करनेवाला।
वदीअत (ودیعت) अ. स्त्री.—अमानत, धरोहर, थाती, न्यास, निक्षेप, आधान, प्राधि, आधि।
वदीद (ودید) अ. वि.—मित्र, सखा, दोस्त।
वदूद (ودود) अ. वि.—मित्र, दोस्त।
वफ़ा (وفا) अ. स्त्री.—प्रतिज्ञा पालन; भक्ति, वफ़ादारी; निर्वाह, निबाह; स्वामी या मित्र के साथ तन, मन, धन से निबाहना और कड़े से कड़े समय पर उसका साथ देना।
वफ़ाअंदेश (وفااندیش) अ. फ़ा. वि.—दे. 'वफ़ादार'।
वफ़ाआमोज़ (وفاآموز) अ. फ़ा. वि.—वफ़ा सिखानेवाला।
वफ़ाआश्ना (وفاآشنا) अ. फ़ा. वि—वफ़ा से परिचित अर्थात् वफ़ादार।
वफ़ाए अह्द (وفاے عہد) अ. स्त्री.—प्रतिज्ञा का पालन, वादा पूरा करना।
वफ़ाए इश्क़ (وفاےعشق) अ. स्त्री.—प्रेम करके उसे निबाहना, किसी अवस्था में भी प्रेम न छोड़ना।
वफ़ाए क़सम (وفاے قسم) अ. स्त्री.—खायी हुई क़सम का पालन करना, कही हुई बात निबाहना, शपथपालन।
वफ़ाए क़ौल (وفاے قول) अ. स्त्री.—कही हुई बात निबाहना, प्रतिज्ञा का पालन।
वफ़ाए वा'दः (وفاے وعدہ) अ. स्त्री.—दे. 'वफ़ाए अह्द'।
वफ़ाओजफ़ा (وفاوجفا) अ. स्त्री.—वफ़ादारी और अत्याचार, प्रेमिका की ओर से जुल्म और प्रेमी की ओर से वफ़ा अर्थात् प्रेम-निर्वाह।
वफ़ाकेश (وفاکیش) अ. फ़ा. वि.—दे. 'वफ़ादार'।
वफ़ाकेशी (وفاکیشی) अ. फ़ा. स्त्री.—दे. 'वफ़ादारी'।
वफ़ाकोश (وفاکوش) अ. फ़ा. वि.—प्रेम निर्वाह की कोशिश करनेवाला, वफ़ादार रहने की कोशिश करनेवाला, अर्थात् प्रेमी, आशिक।
वफ़ाकोशी (وفاکوشی) अ. फ़ा. स्त्री.—प्रेम-निर्वाह में कोशिश करना।
वफ़ाख़मीर (وفاخمیر) अ. वि.—जिसकी प्रकृति में वफ़ा का माद्दा हो, जो स्वभाव से वफ़ादार हो, प्रेमी।
वफ़ाख़ाम (وفاخام) अ. फ़ा. वि.—जो वफ़ा में कच्चा हो, जो समय पड़ने पर धोखा दे सके।
वफ़ागुस्तर (وفاگستر) अ. फ़ा. वि.—दे. 'वफ़ादार'।
वफ़ात (وفات) अ. स्त्री.—मृत्यु, मरण, मौत।
वफ़ातयाफ़्तः (وفات‌یافتہ) अ. फ़ा. वि.—मृत, मरा हुआ।
वफ़ादार (وفادار) अ. फ़ा. वि.—जो स्वामी या मित्र का तन, मन, धन से भक्त हो।
वफ़ादारी (وفاداری) अ. फ़ा. स्त्री.—स्वामी या मित्र का तन, मन, धन से साथ देना।
वफ़ादोस्त (وفادوست) अ. फ़ा. वि.—जो वफ़ा को अपना सर्वस्व समझता हो, अर्थात् आशिक़।
वफ़ादोस्ती (وفادوستی) अ. फ़ा. स्त्री.—वफ़ा को अपना सब कुछ जानना।
वफ़ादुश्मन (وفادشمن) अ. फ़ा. वि.—जो वफ़ा का बैरी हो अर्थात् जिसे वफ़ा से चिढ़ हो, बेवफ़ा, कृतघ्न; माशूक़, प्रेयसी।
वफ़ादुश्मनी (وفادشمنی) अ. फ़ा. स्त्री.—वफ़ा से चिढ़, वफ़ा से बैर।
वफ़ानाआश्ना (وفاناآشنا) अ. फ़ा. वि.—जो वफ़ा करना न जानता हो, अर्थात् माशूक़।
वफ़ानाकर्दः (وفاناکردہ) अ. फ़ा. वि.—जिसने कभी वफ़ा न की हो, अर्थात् मा'शूक़।

वज़्नः (وزنہ) अ. पुं.—नापने का पैमाना, बारूद नापने का पैमाना।

वज़्न (وزن) अ. पुं.—भार, बोझ; तोलने का बाँट; महत्त्व, अहम्मीयत; छंद, वृत्त, बह्र; तक़्तीअ, काव्य पद के अक्षरों को गणों की मात्राओं से मिलाकर बराबर करना।

वज़्नकश (وزن کش) अ. फा. वि.—तोलनेवाला, तौला।

वज़्नकशी (وزن کشی) अ. फा. स्त्री.—तोलना; तोलने का काम; तोलने का पेशा।

वज़्नी (وزنی) अ. वि.—भारी, बोझल।

वज़्ने शे'र (وزن شعر) अ. पुं.—शे'र की बह्र या वृत्त; शे'र की तक़्तीअ।

वजह (وجہ) अ. स्त्री.—कारण, हेतु, सबब, (पुं.) मुख, मुखाकृति, मुखमंडल, चेहरा।

वजहे अदावत (وجہ عداوت) अ. स्त्री.—शत्रुता का कारण।

वजहे अहसन (وجہ احسن) अ. पुं.—सुन्दर, मुख, अच्छी सूरत (स्त्री.) अच्छा कारण, मा'क़ूल वजह।

वजहे क़वी (وجہ قوی) अ. स्त्री.—बड़ी वजह, उचित कारण, मा'क़ूल सबब।

वजहे काफ़ी (وجہ کافی) अ. स्त्री.—उचित कारण, बड़ा कारण।

वजहे ख़ुसूमत (وجہ خصومت) अ. स्त्री.—द्वेष का कारण, रंजिश का सबब।

वजहे ख़ुसूसी (وجہ خصوصی) अ. स्त्री.—मुख्य कारण, ख़ास सबब।

वजहे तस्मियः (وجہ تسمیہ) अ. स्त्री.—निरुक्ति, नाम होने का कारण, अमुक वस्तु का यह नाम क्यों पड़ा? इसका कारण।

वजहे तह्रीक (وجہ تحریک) अ. स्त्री.—चर्चा चलाने या बात उठाने का कारण; प्रस्ताव रखने का कारण।

वजहे मआश (وجہ معاش) अ. स्त्री.—जीवन-निर्वाह का साधन, जीविका।

वजहे मईशत (وجہ معیشت) अ. स्त्री.—दे. 'वजहे मआश'।

वजहे मा'क़ूल (وجہ معقول) अ. स्त्री.—उचित कारण, ठीक सबब।

वजहे मुख़ालफ़त (وجہ مخالفت) अ. स्त्री.—विरोध का कारण।

वजहे मुख़ासमत (وجہ مخاصمت) अ. स्त्री.—शत्रुता का कारण, द्वेष का कारण।

वजहे मुवज्जह (وجہ موجہ) अ. स्त्री.—युक्तियुक्त कारण, मा'क़ूल सबब।

वजहे रंजिश (وجہ رنجش) अ. फा. स्त्री.—मनमुटाव और नाराज़ी का कारण।

वजहे राहत (وجہ راحت) अ. स्त्री.—सुख का साधन, प्रसन्नता का कारण।

वजहे वहशत (وجہ وحشت) अ. स्त्री.—भागने और अलग रहने अथवा घृणा करने का कारण।

वजहे शक (وجہ شک) अ. स्त्री.—शंका करने का कारण।

वजहे शिकायत (وجہ شکایت) अ. स्त्री.—उपालंभ का कारण, शक्वा करने का सबब।

वजहे हलाल (وجہ حلال) अ. स्त्री.—विहित और उचित साधन (जीविका का)।

वजहे हसन (وجہ حسن) अ. स्त्री.—मा'क़ूल सबब, उत्तम कारण (पुं.) सुन्दर मुख, अच्छी सूरत।

वजहे हसीन (وجہ حسین) अ. स्त्री.—सुन्दर मुख, प्यारा चेहरा।

वतद (وتد) अ. पुं.—खूंटा, मेख़; तीन अक्षरोंवाला शब्द।

वतदे मक़्रून (وتد مقرون) अ. पुं.—वह तीन अक्षरोंवाला शब्द जिसका अंतिम अक्षर हल् हो, जैसे—'चमन्'।

वतदे मज्मूअ (وتد مجموع) अ. पुं.—दे. 'वतदे मक़्रून'।

वतदे मफ़्रूक़ (وتد مفروق) अ. पुं.—वह तीन अक्षरवाला शब्द जिसके बीच का अक्षर हल् है, जैसे—'चश्मः'।

वतन (وطن) अ. पुं.—स्वदेश, जन्म-भूमि—"यह गोरे ग़रीबां पे कहती है हसरत, कि असली वतन है यही बेकसी का।"

वतनकुश (وطن کش) अ.फा. वि.—देशद्रोही, वतन के साथ ग़द्दारी करनेवाला।

वतनकुशी (وطن کشی) अ. फा. स्त्री.—देशद्रोह, वतन से ग़द्दारी।

वतनदोस्त (وطن دوست) अ. फा. वि.—देशप्रेमी, अपने वतन से स्नेह करनेवाला।

वतनदोस्ती (وطن دوستی) अ. फा. स्त्री.—देशप्रेम, वतन की मुहब्बत।

वतनपरस्त (وطن پرست) अ. फा. वि.—देशभक्त, वतन को सर्वोत्तम जाननेवाला।

वतनपरस्ती (وطن پرستی) अ. फा. स्त्री.—देशभक्ति, वतन का अत्यधिक प्रेम।

वतनफ़रोश (وطن فروش) अ. फा. वि.—देशविक्रेता, देशद्रोही, वतन का ग़द्दार।

वतनफ़रोशी (وطن فروشی) अ. फा. स्त्री.—देशद्रोह, वतन को दूसरों के हाथ बेच देना।

वतनी (وطنی) अ. वि.—वतन का; वतन-सम्बन्धी; वतन-वाला।

वतनीयत (وطنیت) अ. स्त्री.—देशभक्ति, वतनपरस्ती।
वतने आबाई (وطن آبائی) अ. पुं.—बाप-दादा का देश, पुराना वतन।
वतने क़दीम (وطن قدیم) अ. पुं.—पुराना वतन, पुरखों का देश, पूर्वजों का देश।
वतने जदीद (وطن جدید) अ. पुं.—नया वतन, जहाँ हाल में रहना आरंभ किया हो।
वतने मालूफ़ (وطن مالوف) अ. पुं.—वह वतन जिससे प्रेम हो।
वतर (وتر) अ. पुं.—प्रत्यंचा, धनुष की डोरी; बाजे का तार।
वती (وطی) अ. स्त्री.—सहवास, संभोग; मसलना, रौंदना, कुचलना।
वतीरः (وتیرہ) अ. पुं.—ढंग, पद्धति, तरीक़ा; आचरण, व्यवहार, तर्ज़अमल।
वत्वात (وطواط) अ. स्त्री.—अबाबील, भांडीक।
वत्श (وتش) अ. वि.—विनाश, बरबादी; ध्वस्त, तबाह, खराब।
वतह (وتح) अ. वि.—कृपण, कंजूस; निकृष्ट, खराब।
वदा' (ودع) अ. पुं.—शंख, कंबु, संख।
वदाअ (وداع) अ. स्त्री.—रुख़सत, विदा, गमन, जाना।
वदाए' (ودائع) अ. पुं.—'वदीअत' का बहु., अमानतें।
वदाए जाँ (وداع جاں) अ. फा. स्त्री.—प्राणों का कूच, मरण, मरना।
वदाए रूह (وداع روح) अ. स्त्री.—आत्मा का गमन, मरण, मृत्यु, मरना।
वदाद (وداد) अ. पुं.—इच्छा, चाह, तलब; मनोकामना, आकांक्षा, मुराद।
वदीअ (ودیع) अ. वि.—रुख़सत करनेवाला।
वदीअत (ودیعت) अ. स्त्री.—अमानत, धरोहर, थाती, न्यास, निक्षेप, आधान, प्राधि, आधि।
वदीद (ودید) अ. वि.—मित्र, सखा, दोस्त।
वदूद (ودود) अ. वि.—मित्र, दोस्त।
वफ़ा (وفا) अ. स्त्री.—प्रतिज्ञा पालन; भक्ति, वफ़ादारी; निर्वाह, निबाह; स्वामी या मित्र के साथ तन, मन, धन से निबाहना और कड़े से कड़े समय पर उसका साथ देना।
वफ़ाअंदेश (وفااندیش) अ. फा. वि.—दे. 'वफ़ादार'।
वफ़ाआमोज़ (وفاآموز) अ. फा. वि.—वफ़ा सिखानेवाला।
वफ़ाआश्ना (وفاآشنا) अ. फा. वि—वफ़ा से परिचित अर्थात् वफ़ादार।
वफ़ाए अह्द (وفاے عہد) अ. स्त्री.—प्रतिज्ञा का पालन, वादा पूरा करना।
वफ़ाए इश्क़ (وفاےعشق) अ. स्त्री.—प्रेम करके उसे निबाहना, किसी अवस्था में भी प्रेम न छोड़ना।
वफ़ाए क़सम (وفاے قسم) अ. स्त्री.—खायी हुई क़सम का पालन करना, कही हुई बात निबाहना, शपथपालन।
वफ़ाए क़ौल (وفاے قول) अ. स्त्री.—कही हुई बात निबाहना, प्रतिज्ञा का पालन।
वफ़ाए वा'दः (وفاے وعدہ) अ. स्त्री.—दे. 'वफ़ाए अह्द'।
वफ़ाओजफ़ा (وفاوجفا) अ. स्त्री.—वफ़ादारी और अत्याचार, प्रेमिका की ओर से जुल्म और प्रेमी की ओर से वफ़ा अर्थात् प्रेम-निर्वाह।
वफ़ाकेश (وفاکیش) अ. फा. वि.—दे. 'वफ़ादार'।
वफ़ाकेशी (وفاکیشی) अ. फा. स्त्री.—दे. 'वफ़ादारी'।
वफ़ाकोश (وفاکوش) अ. फा. वि.—प्रेम निर्वाह की कोशिश करनेवाला, वफ़ादार रहने की कोशिश करनेवाला, अर्थात् प्रेमी, आशिक़।
वफ़ाकोशी (وفاکوشی) अ. फा. स्त्री.—प्रेम-निर्वाह में कोशिश करना।
वफ़ाज़मीर (وفاضمیر) अ. वि.—जिसकी प्रकृति में वफ़ा का माद्दा हो, जो स्वभाव से वफ़ादार हो, प्रेमी।
वफ़ाख़ाम (وفاخام) अ. फा. वि.—जो वफ़ा में कच्चा हो, जो समय पड़ने पर धोखा दे सके।
वफ़ागुस्तर (وفاگستر) अ. फा. वि.—दे. 'वफ़ादार'।
वफ़ात (وفات) अ. स्त्री.—मृत्यु, मरण, मौत।
वफ़ातयाफ़्तः (وفات یافتہ) अ. फा. वि.—मृत, मरा हुआ।
वफ़ादार (وفادار) अ. फा. वि.—जो स्वामी या मित्र का तन, मन, धन से भक्त हो।
वफ़ादारी (وفاداری) अ. फा. स्त्री.—स्वामी या मित्र का तन, मन, धन से साथ देना।
वफ़ादोस्त (وفادوست) अ.. फा. वि.—जो वफ़ा को अपना सर्वस्व समझता हो, अर्थात् आशिक़।
वफ़ादोस्ती (وفادوستی) अ. फा. स्त्री.—वफ़ा को अपना सब कुछ जानना।
वफ़ादुश्मन (وفادشمن) अ. फा. वि—जो वफ़ा का बैरी हो अर्थात् जिसे वफ़ा से चिढ़ हो, बेवफ़ा, कृतघ्न; माशूक़, प्रेयसी।
वफ़ादुश्मनी (وفادشمنی) अ. फा. स्त्री.—वफ़ा से चिढ़, वफ़ा से बैर।
वफ़ानाआश्ना (وفاناآشنا) अ. फा. वि.—जो वफ़ा करना न जानता हो, अर्थात् माशूक़।
वफ़ानाकर्दः (وفاناکردہ) अ. फा. वि.—जिसने कभी वफ़ा न की हो, अर्थात् मा'शूक़।

वफ़ानाशनास (وفاناشناس) अ. फा. वि.–दे. 'वफ़ा-नाआश्ना'।

वफ़ापरस्त (وفاپرست) अ. फा. वि.–जो वफ़ा की क़द्र करता हो; जो बहुत ही वफ़ादार हो, अर्थात् आशिक़।

वफ़ापरस्ती (وفاپرستی) अ. फा. स्त्री.–वफ़ा की क़द्र करना; बहुत ही वफ़ादार होना।

वफ़ापुख्तः (وفاپخته) अ. फा. वि.–जो वफ़ा में बहुत ही पुख्ता हो, जिसकी ओर से कभी बेवफ़ाई न हो, अर्थात् आशिक़।

वफ़ापुख्तगी (وفاپختگی) अ. फा. स्त्री.–वफ़ा में दृढ़ और मज़बूत होना।

वफ़ापेशः (وفاپیشه) अ. फा. वि.–जिसका काम ही वफ़ा करना हो, अर्थात् प्रेमी।

वफ़ापेशगी (وفاپیشگی) अ. फा. स्त्री.–वफ़ा करने का काम।

वफ़ाबेगानः (وفابیگانه) अ. फा. वि.–दे. 'वफ़ा नाआश्ना'।

वफ़ाबेगानगी (وفابیگانگی) अ. फा. स्त्री.–वफ़ा करना न जानना।

वफ़ामज़्हब (وفامذهب) अ. वि.–जिसका धर्म वफ़ा करना हो, अर्थात् प्रेमी।

वफ़ामश्रब (وفامشرب) अ. वि.–जिसका धर्म-विश्वास वफ़ा पर हो।

वफ़ाशनास (وفاشناس) अ. फा. वि.–वफ़ा को पहचानने-वाला, अर्थात् प्रेमी।

वफ़ाशनासी (وفاشناسی) अ. फा. स्त्री.–वफ़ा को पह-चानना।

वफ़ाशिआर (وفاشعار) अ. वि.–दे. 'वफ़ापेशः'।

वफ़ाशिआरी (وفاشعاری) अ. स्त्री.–दे. 'वफ़ापेशगी'।

वफ़ाशिकन (وفاشکن) अ. फा. वि.–जो वफ़ा की प्रतिज्ञा करके तोड़ दे, बेवफ़ा।

वफ़ी (وفی) अ. वि.–संपूर्ण, समग्र, समस्त, सब।

वफ़्क़ (وفق) अ. पुं.–अनुकूल, मुआफ़िक़।

वफ़्द (وفد) अ. पुं.–प्रतिनिधि मंडल, डिपुटेशन।

वबर (وبر) अ. पुं.–बाल, ऊन।

वबा (وبا) अ. स्त्री.–महामरी, संस्पर्श, वह रोग जो मरी के रूप में फैला हो।

वबाई (وبائی) अ. वि.–वबा सम्बन्धी, वबा के रूप में फैला हुआ।

वबाए आम (وبائے عام) अ. स्त्री.–महामारी, सब में फैली हुई वबा।

वबाल (وبال) अ. पुं.–आपत्ति, विपदा, मुसीबत; दुःख, कष्ट, तकलीफ़; जंजाल, झंझट; वह मुसीबत जो दुर्निवार्य हो।

वबाले गर्दन (وبال گردن) अ. फा. पुं.–गर्दन के लिए बोझ, गर्दन पर रखा हुआ बोझ, अर्थात् पाप।

वबाले जाँ (وبال جاں) अ. फा. पुं.–प्राणों के लिए मुसीबत, जान का जंजाल।

वबाले दोश (وبال دوش) अ. फा. पुं.–दे. 'वबाले गर्दन'।

वब्र (وبر) अ. पुं.–बिल्ली के बराबर एक जन्तु जो शेर के आगे चलता है।

वया (ویا) फा. अव्य.–अथवा, या, अब उर्दू में नहीं बोला जाता।

वर (ور) फा. प्रत्य.–वाला, जैसे–'ताक़तवर' शक्तिवाला, (अव्य.) यदि, अगर, और अगर, (पुं.) वक्षःस्थल, सीना (स्त्री) ताप, गर्मी।

वरक़ः (ورقه) अ. पुं.–पत्र, दल, पत्ता; टिकिट, प्रवेश पत्र।

वरक़ (ورق) अ. पुं.–पृष्ठ, पन्ना, पेज; दल, पत्र, पत्ता।

वरक़गर्दानी (ورق گردانی) अ. फा. स्त्री.–किताब के वरक़ उलटना-पलटना, पुस्तक पढ़ना नहीं केवल उसे इधर-उधर से वरक़ उलटकर देखना।

वरक़दाग़ (ورق داغ) अ. फा. वि.–किताब के पन्ने पर लिखा जानेवाला अंक (संख्या)।

वरक़साज़ (ورق ساز) अ. फा. वि.–चाँदी-सोने के वरक़ बनानेवाला।

वरक़साज़ी (ورق سازی) अ. फा. स्त्री.–चाँदी-सोने के वरक़ बनाने का काम।

वरक़ी (ورقی) अ. वि.–वरक़-जैसा बारीक़।

वरक़ुलख़याल (ورق الخیال) अ. पुं.–विजया, भंगा, भंग, भाँग।

वरक़ुलहशीश (ورق الحشیش) अ. पुं.–भाँग के पत्ते, भाँग का पत्ता।

वरक़े काइनात (ورق کائنات) अ. पुं.–विश्वपटल, वरक़रूपी विश्व।

वरक़े ख़ाम (ورق خام) अ. फा. पुं.–कच्चा चिट्ठा, अंदरूनी हालात; कच्ची बही।

वरक़े गुल (ورق گل) अ. फा. पुं.–फूल की पँखड़ी।

वरम (ورم) अ. पुं.–शोथ, सूजन।

वरमे जिगर (ورم جگر) अ. फा. पुं.–यकृत-शोथ, जिगर का वरम।

वरल (ورل) अ. पुं.–गोह, गोधिका।

वरसः (ورثه) अ. पुं.–'वारिस' का बहु., उत्तराधिकारी लोग, वारिस लोग।

वरा (ورا) अ. वि.–परे, पीछे, आगे, दूर; अतिरिक्त, अलावा (पुं.) संसार, जगत्, विश्व।

वराए नज़र (وراے نظر) अ. पुं.–दृष्टि के परे।

वराज़ (وراز) अ. पुं.–शूकर, वराह, कोल, सुअर।

वरासत (وراثت) अ. स्त्री.–दायाधिकार, उत्तराधिकार, तरिका पाना।

वरासतन (وراثتاً) अ. वि.–वरासत की रू से, वरासत में, उत्तराधिकार के रूप में।

वरासतनाम: (وراثت نامه) अ. फा. पुं.–उत्तराधिकारपत्र, वरासत की क़ानूनी दस्तावेज़।

वरिक (ورک) अ. पुं.–श्रोणि, नितंब, कटिदेश, चूतड़।

वरीद (ورید) अ. स्त्री.–शरीर की वे रगें जिनमें रक्त दौड़ता है, रक्तवाहिनी, धमनी।

वरे (ورع) अ. वि.–संयमी, निग्रही, यतात्मा, यतव्रत, परहेज़गार।

वर्अ (ورع) अ. स्त्री.–संयम, इंद्रियनिग्रह, परहेज़गारी, दे 'वरा', दोनों शुद्ध हैं।

वर्क़ा (ورقا) अ. स्त्री.–फ़ाख़्ता, पंडुक।

वर्काक (ورکاک) अ. पुं.–लुब्धक, चिड़ीमार, बहेलिया एक मृतभोजी चिड़िया।

वर्ग़लानिद: (ورغلاننده) फा. वि.–बहकानेवाला, फुसलानेवाला; कुमंत्रणा देनेवाला, ग़लत राह चलानेवाला।

वर्ग़लानीद: (ورغلانیده) फा. वि.–फुसलाया हुआ, बहकाया हुआ; जिसे कुमंत्रणा दी गयी हो।

वर्ज़िद: (ورزنده) फा. वि.–क़बूल करनेवाला; अभ्यास करनेवाला।

वर्ज़िश (ورزش) फा. स्त्री.–अभ्यास, मश्क; व्यायाम, कसरत; ग्रहण, इख़्तियार।

वर्ज़िशगाह (ورزش گاه) फा. स्त्री.–व्यायामशाला, कसरत करने का स्थान, अखाड़ा।

वर्ज़िशख़ान: (ورزش خانه) फा. पुं.–दे. 'वर्ज़िशगाह'।

वर्ज़िशी (ورزشی) फा. वि.–जो व्यायाम का अभ्यस्त हो, कसरत का आदी; कसरत से बनाया हुआ शरीर।

वर्ज़िशे जिस्मानी (ورزش جسمانی) अ. स्त्री.–दैहिक परिश्रम, व्यायाम, कसरत।

वर्ज़ीद: (ورزیده) फा. वि.–ग्रहण किया हुआ, क़बूल किया हुआ; मश्क़ किया हुआ, अभ्यस्त।

वर्ज़ीदनी (ورزیدنی) फा. वि.–ग्रहणीय, क़ाबिले क़बूल; क़ाबिले मश्क़, अभ्यास के योग्य, अभ्यसनीय।

वर्त: (ورطه) अ. पुं.–भँवर, जलावर्त; जान जोखिम का स्थान, प्राणघातक स्थल।

वर्तए हलाकत (ورطۂ هلاکت) अ. पुं.–ऐसा भंवर जिसमें पड़कर मरने से छुटकारा न हो सके।

वर्तीज (ورتیج) अ. पुं.–बटेर, वार्तक, वाना।

वर्द (ورد) अ. पुं.–गुलाब, गुलाब का फूल।

वर्दी (وردی) अ. वि.–गुलाब के फूल-जैसा; गुलाब सम्बन्धी।

वर्दूक (وردوک) फा. पुं.–छप्पर, फूँस और बाँस की बनी हुई प्रसिद्ध छाजन।

वर्दे मुरब्बा (ورد مربی) अ. पुं.–गुलक़ंद, शकर और गुलाब के फूलों का मिश्रण।

वर्न: (ورنه) फा. अव्य.–अन्यथा, नहीं तो, वगरना।

वर्राक़ (وراق) अ. पुं.–पुस्तकालयों में कीड़ों से बचाने के लिए पुस्तकों के पन्ने लौटने-पलटनेवाला व्यक्ति।

वर्राद (وراد) अ. वि.–माली, बाग़बान; गुलाब के फूलों से अरक़ या गुलक़ंद बनानेवाला।

वर्स: (ورثه) अ. पुं.–रिक्थ, दाय, मीरास; पैतृक संपत्ति; पुश्तैनी चली आनेवाली माफ़ी आदि।

वलंदेज़ (ولندیز) अ. पुं.–हालैंड, यूरोप का एक राष्ट्र।

वलद (ولد) अ. पुं.–पुत्र, तनय, सूनु, बेटा, लड़का।

वलदीयत (ولدیت) अ. स्त्री.–लड़केवाला होना; बाप का नाम आदि।

वलदुज़्ज़िना (ولدالزنا) अ. पुं.–हरामी लड़का, जारज, संकर, दोग़ला।

वलदुल्जारिय (ولدالجاریه) अ. पुं.–दासी-पुत्र, लौंडी-बच्चा।

वलदुलहराम (ولدالحرام) अ. पुं.–दे. 'वलदुज़्ज़िना'।

वलह (وله) अ. स्त्री.–आसक्ति, मोह, इश्क़।

वला' (ولع) अ. पुं.–लोभ, लालच; आसक्ति, फ़िरेफ़्तगी।

वली (ولی) अ. वि.–उत्तराधिकारी, वारिस; सहायक, मददगार; मित्र, दोस्त; महात्मा, ऋषि।

वलीअहद (ولی عهد) अ. पुं.–बादशाह के बाद होनेवाला जानशीन, युवराज, राजकुमार।

वलीज: (ولیجه) अ. वि.–घनिष्ठ मित्र, गहरा दोस्त।

वलीद (ولید) अ. पुं.–छोकरा, ख़िदमतगार लड़का।

वली ने'मत (ولی نعمت) अ. पुं.–स्वामी, मालिक; अभिभावक, सरपरस्त।

वलीम: (ولیمه) अ. पुं.–निकाह के बाद दूल्हा की ओर से दिया जानेवाला खाना, विवाह-भोज।

वलीय: (ولیه) अ. स्त्री.–उत्तराधिकारिणी, वारिसा; महात्मा स्त्री, ख़ुदा रसीदा; घोड़े का पालान।

वलीयुल्लाह (ولی الله) अ. पुं.–ईश्वर का मित्र अर्थात् पहुँचा हुआ साधु, महात्मा, महर्षि।

वलूद (ولود) अ. स्त्री.—बहुत अधिक संतान उत्पन्न करने-वाली स्त्री, बहुप्रसवा।

वले (ولے) फा. अव्य.—'वलेकिन' का लघु., दे. 'वलेकिन'।

वलेक (وليک) फा. अव्य.—'वलेकिन' का लघु., दे. 'वलेकिन'।

वलेकिन (وليکن) फा. अव्य.—लेकिन, परंतु, मगर।

वल्लाह (والله) अ. वा.—ईश्वर की शपथ, खुदा की क़सम।

वल्वलः (ولوله) अ. पुं.—उत्साह, उमंग; आवेग, जोश; आत्मविस्मृति, बेखुदी, उदा०—"जब वल्वलः सादिक़ होता है जब अज़्मे मुसम्मं होता है, तकमील का सामां ग़ैब से खुद उस वक्त फ़राहम होता है।"

वल्वलःअंगेज़ (ولوله انگيز) अ. फ़ा. वि.—उत्साहवर्द्धक, उमंग बढ़ानेवाला, जोश पैदा करनेवाला।

वल्वलःखेज़ (ولوله خيز) अ. फ़ा. वि.—दे. 'वल्वल:अंगेज़'।

वश (وش) फा. प्रत्य.—समान, तुल्य, जैसे—'माहवश' चाँद के समान।

वसख़ (وسخ) अ. पुं.—मैल-कुचैल, मैलापन, मल, मलिनता; मैला, मलिन।

वसन (وثن) अ. पुं.—मूर्ति, प्रतमा, बुत।

वसनी (وثنى) अ. वि.—मूर्तिपूजक, बुतपरस्त।

वसाइक़ (وثائق) अ. पुं.—'वसीक़:' का बहु., वसीक़े।

वसाइत (وسائط) अ. पुं.—'वासित:' का बहु., वासिते।

वसाइद (وسائد) अ. पुं.—'विसाद:' का बहु., मस्नदें, तकिए।

वसाइल (وسائل) अ. पुं.—'वसील:' का बहु., साधन, ज़रिए।

वसातत (وساطت) अ. स्त्री.—माध्यम, ज़रीया।

वसायत (وصايت) अ. स्त्री.—अभिभावकता, गार्जियनशिप।

वसाया (وصايا) अ. पुं.—'वसीयत' का बहु., वसीयतें।

वसालत (وسالت) अ. स्त्री.—वसील:, ज़रीअ:, माध्यम।

वसाविस (وساوس) अ. पुं.—'वस्वस:' का बहु., बुरे विचार, पैशाचिक विचार।

वासिख़ (وسخ) अ. वि.—मैला, गंदा, मलिन, मैला-कुचैला, मलयुक्त।

वसी (وصى) अ. वि.—जिसके लिए वसीयत की गयी हो, रिक्थाधिकारी।

वसीअ (وسيع) अ. वि.—विस्तृत, फैला हुआ, चौड़ा-चकला।

वसीउत्तज्रिबः (وسيع التجربه) अ. वि.—जिसका तज्रिबा बहुत बढ़ा हुआ हो, बृहदनुभव।

वसीउत्ता'लीम (وسيع التعليم) अ. वि—जिसकी शिक्षा बहुत अधिक हो, जो बहुत पढ़ा-लिखा हो।

वसीउन्नज़र (وسيع النظر) अ. वि.—जिसकी दृष्टि दूर तक देख सकती हो, अग्रशोची, दूरदर्शी, बुद्धिमान्, अनुभव संपन्न।

वसीउन्नज़री (وسيع النظرى) अ. स्त्री.—दूरदर्शिता, बुद्धि-मत्ता।

वसीउलअख़्लाक़ (وسيع الاخلاق) अ. वि.—जिसकी शिष्टता और शीलता बहुत बढ़ी हुई हो, बृहच्छील।

वसीउलक़ल्ब (وسيع القلب) अ. वि.—जिसके हृदय में बड़ी गुंजाइश हो, बहुत ही उदार, उत्तान हृदय, उदाराशय।

वसीउलमश्रब (وسيع المشرب) अ. वि.—जो हरेक धर्मपर आस्था रखे और किसी का दिल न दुखाये।

वसीक़: (وثيقه) अ. पुं.—लेखपत्र, व्यवस्था-पत्र, दस्तावेज़; प्रतिज्ञापत्र, अहदनामा; वह पेंशन जो किसी जायदाद आदि की ज़ब्ती के बाद मिलें।

वसीक़:दार (وثيقه دار) अ. फा. वि.—वसीक़ा अर्थात् पेंशन पानेवाला।

वसीक़:नवीस (وثيقه نويس) अ. फा. पुं.—दस्तावेज़ लिखने-वाला; मकानों की बिक्री की दस्तावेज़ें लिखनेवाला।

वसीत (وسيط) अ. वि.—जो कुल में उच्च श्रेणी का न हो, परंतु पद में उच्च श्रेणी का हो।

वसीम (وسيم) अ. वि.—सुन्दर, शोभित, ख़ूबसूरत; अंकित, चिह्नित, निशान किया हुआ।

वसीयत (وصيت) अ. स्त्री.—मरनेवाले का अंतिम कथन, मरते समय अपनी जाइदाद और संपत्ति के प्रबंध अथवा व्यय के लिए अंतिम आदेश, प्ररिक्थ।

वसीयतनामः (وصيت نامه) अ. फा. पुं.—वसीयत की क़ानूनी दस्तावेज़, इच्छापत्र, रिक्थपत्र, दायपत्र, मृत्युलेख।

वसीलः (وسيله) अ. पुं.—साधन, उपकरण, ज़रीया; माध्यम, बिचौलिया।

वसीलए ज़फ़र (وسيلۂ ظفر) अ. पुं.—सफलता का साधन, उन्नति का ज़रीया।

वसीलए नजात (وسيلۂ نجات) अ. पुं.—मुक्ति का साधन, मोक्ष का ज़रीया; छुटकारे का उपाय, बचने का तरीक़ा।

वस्क़ (وثق) अ. पुं.—विश्वास, भरोसा, एतिमाद, यक़ीन।

वस्ख़ (وسخ) अ. पुं.—मैल-कुचैल, मलिनता, गंदगी।

वस्त (وسط) अ. वि.—बीच, मध्य, दरमियान।

वस्ती (وسطى) अ. वि.—बीच का, माध्यमिक, दरमियानी।

वस्ते माह (وسط ماه) अ. फा. पुं.—महीने का बीच।

वस्नी (وسنى) फा. स्त्री.—सौत, वह दो स्त्रियाँ जिनका एक पति हो; परस्पर 'वस्नी' हैं।

वस्फ़ (وصف) अ. पुं.—गुण, सिफ़त; प्रशंसा, तारीफ़; अच्छाई, उम्दगी।

वस्फ़े इज़ाफ़ी (وصف اضافى) अ.पुं.—वह गुण जो स्वाभाविक न हो, बीच में पैदा हो गया हो।

वस्मः (وسمہ) फा. पुं.—नील की पत्ती जिसका पहले खिज़ाब बनता था।

वस्ल (وصل) अ. पुं.—जोड़, मिलान; प्रेमी और प्रेमिका का संयोग, मिलन।

वस्लचः (وصلچہ) अ. फा. पुं.—छोटी वस्ली।

वस्ली (وصلی) अ. स्त्री.—मोटे और चिकने काग़ज़ के घुटे हुए तख़्ते जिन पर लिखने का अभ्यास किया जाता है।

वस्लोहिज्र (وصل وہجر) अ. पुं.—मिलन और वियोग, नायक और नायिका का आपस में मिलना और बिछुड़ना।

वस्वसः (وسوسہ) अ. पुं.—बुरा ख़याल, बुरी शंका, अनिष्ट की शंका; वह धर्म विरुद्ध विचार जो शैतान उत्पन्न करता है; भ्रम, वह्म।

वस्वास (وسواس) अ. पुं.—दे. 'वस्वसः'।

वस्वासी (وسواسی) अ. वि.—भ्रमी, वहमी।

वह्क़ (وہق) अ. पुं.—कमंद, जिससे ऊपर चढ़ते हैं; पाश, रस्सी, फंदा।

वहल (وحل) अ. स्त्री.—कीचड़, कर्दम, जंबाल, जलकल्क, खल्लाब।

वही (وحی) अ. स्त्री.—दे. 'वह्इ' परन्तु बोलचाल में 'वही' ही बोलते हैं।

वह्इ (وحی) अ. स्त्री.—ईश्वर की ओर से आया हुआ पैग़म्बर के लिए आदेश, वही।

वह्ए मुंज़ल (وحی منزل) अ. स्त्री.—ईश्वर प्रेषित आदेश, खुदा की ओर से आया हुआ हुक्म।

वह्दः (وہدہ) अ. स्त्री.—नीची ज़मीन जहाँ पानी भरे।

वह्दत (وحدت) अ. स्त्री.—एकत्व, एकता, इत्तिहाद; अद्वैत भाव, वहदानियत, ईश्वर को एक मानना।

वह्दतपरस्त (وحدت پرست) अ. फा. वि.—अद्वैतवादी, ईश्वर को एक माननेवाला।

वह्दतपरस्ती (وحدت پرستی) अ. फा. स्त्री.—अद्वैतवाद, ईश्वर को एक मानना।

वह्दतुलवुजूद (وحدت الوجود) अ. स्त्री.—यह सिद्धान्त कि संसार में केवल एक ईश्वर के सिवा और कुछ नहीं है, ब्रह्मवाद।

वह्दते इरादी (وحدت ارادی) अ. स्त्री.—अपनी मर्ज़ी से सबका मिलकर एक होना।

वह्दते क़ह्री (وحدت قہری) अ. स्त्री.—ज़बरदस्ती सब को एक करना, जो हृदय और विचारों की एकता न हो।

वह्दते नौई (وحدت نوعی) अ. स्त्री.—एक प्रकार की वस्तुओं की एकता।

वह्दते लिसानी (وحدت لسانی) अ. स्त्री.—भाषा के दृष्टि-कोण से एकता, सब की भाषा का एक होना।

वह्दते सहीहः (وحدت صحیحہ) अ. स्त्री.—सच्ची एकता, वास्तविक में एकता।

वह्दानियत (وحدانیت) अ. स्त्री.—एकत्व, एकता, अकेलापन; अद्वैतवाद, ईश्वर के एक होने का सिद्धान्त।

वह्दानी (وحدانی) अ. वि.—एकवाला, एक से सम्बन्ध रखनेवाला।

वह्न (وہن) अ. स्त्री.—शिथिलता, ढीलापन; आलस्य, अकर्मण्यता, सुस्ती।

वह्ब (وہب) अ. स्त्री.—देन, पुरस्कार, बख़्शिश, दान; ईश्वर की देन।

वह्बी (وہبی) अ. वि.—ईश्वर का दिया हुआ, ईश्वरदत्त।

वह्म (وہم) अ. पुं.—भ्रम, भ्रांति, वाहिमः; भय, डर; शंका, संदेह, शक।

वह्मअसास (وہم اساس) अ. वि.—जिसका आधार भ्रम पर हो, भ्रममूलक।

वह्मनाक (وہم ناک) अ. फा. वि.—भ्रमपूर्ण, भ्रांतिसंकुल, वहम से भरा हुआ।

वह्मी (وہمی) अ. वि.—भ्रमी, संशयात्मक, शक्की मिज़ाज।

वह्लः (وہلہ) अ. पुं.—भय, त्रास, डर; बारी, दफ़ा।

वह्ल (وہل) अ. पुं.—ध्यान बँटना, ध्यान का दूसरी ओर चला जाना।

वह्श (وحش) अ. पुं.—'वह्शी' का बहु., जंगली जानवर जो आदमी से भड़कते हों।

वह्शत (وحشت) अ. स्त्री.—आदमियों से भड़कना, बिदक; भय, त्रास, डर; सब से अलग रहना; पागलपन, मिराक़।

वह्शतअंगेज़ (وحشت انگیز) अ. फा. वि.—मन में वहशत पैदा करनेवाला; भयजनक; भीषण, डरावना, भयानक।

वह्शतअफ़्ज़ा (وحشت افزا) अ. फा. वि.—दे. 'वह्शत अंगेज़'।

वह्शतअसर (وحشت اثر) अ. वि.—दे. 'वह्शतअंगेज़'।

वह्शतआसार (وحشت آثار) अ. वि.—दे. 'वह्शतअंगेज़'।

वह्शतकदः (وحشت کدہ) अ. फा. पुं.—वह स्थान जहाँ से भागने को जी चाहे, जो सुनसान और उजाड़ हो।

वह्शतख़ेज़ (وحشت خیز) अ. फा. वि.—दे. 'वह्शतअंगेज़'।

वह्शतगाह (وحشت گاہ) अ. फा. स्त्री.—दे. 'वह्शतकदः'।

वह्शतज़दः (وحشت زدہ) अ. फा. वि.—भयभीत, त्रस्त, डरा हुआ; जो वहशत में हो, आतुर, उद्विग्न।

वह्शतज़दगी (وحشت زدگی) अ. फा. स्त्री.—भयभीत होना; वह्शत में होना, उद्विग्नता।

वह्शतज़ा (وحشت‌زا) अ. फ़ा. वि.—दे. 'वह्शतअंगेज़'।

वह्शततराज़ (وحشت‌طراز) अ. फ़ा. वि.—दे. 'वह्शतअंगेज़'।

वह्शतनसीब (وحشت‌نصیب) अ. वि.—जिसके भाग्य में वहसत ही वहशत हो।

वह्शतनाक (وحشتناک) अ. फ़ा. वि.—भयानक, भीषण, डरावना; सुंसान, निर्जन और डरावना स्थान।

वह्शतसरा (وحشت‌سرا) अ. फ़ा. स्त्री.—दे. 'वह्शतकदः'।

वह्शियानः (وحشیانہ) अ. फ़ा. वि.—वहशियों-जैसा, पागलों-जैसा; निर्दयों-जैसा, बेरहमानः।

वह्शी (وحشی) अ. वि.—जंगली पशु जो मनुष्यों से भागे; वह व्यक्ति जो मनुष्यों के समागम से बचे और अकेला रहना पसंद करे; पागल, मिराक़ी।

वह्शीतब्अ (وحشی طبع) अ. वि.—दे. 'वह्शी मिज़ाज'।

वह्शीमनिश (وحشی منش) अ. फ़ा. वि.—दे. 'वह्शी मिज़ाज'।

वह्शीमिज़ाज (وحشی مزاج) अ. वि.—जो जंगली जानवरों की तरह आदमियों से भागे।

वह्शीसिफ़त (وحشی صفت) अ. वि.—जंगली जानवरों-जैसा, वहशियों की तरह।

वह्शोतैर (وحش‌وطیر) अ. पुं.—जंगली जानवर और जंगली चिड़ियाँ।

वह्हाज (وہاج) अ. वि.—ज्योतिर्मय, प्रकाशमान, चमकीला।

वह्हाब (وہاب) अ. वि.—बहुत अधिक दान करनेवाला, वदान्य; ईश्वर का एक नाम।

वा

वा (وا) फ़ा. वि.—खुला हुआ, कुशादा; पुनः, फिर (अव्य.) हाय हाय, आह।

वा अजबाह (وا عجباه) अ. वा.—कितनी आश्चर्य की बात है।

वा असफ़ा (وا اسفا) अ. वा.—हाय हाय, हाय रे।

वाइज़ (واعظ) अ. वि.—धर्मोपदेशक, वा'ज़ कहनेवाला।

वाई (واعی) अ. वि.—निरीक्षक, निगहबान; याद रखनेवाला।

वाए (وا ے) फ़ा. स्त्री.—हाय हाय, हाय वाय।

वाए क़िस्मत (وا ے قسمت) अ. फ़ा. स्त्री.—हाय रे भाग्य, हाय री तक़्दीर।

वाए तक़्दीर (وا ے تقدیر) फ़ा. अ. स्त्री.—दे. 'वाए क़िस्मत'।

वाए नसीब (وا ے نصیب) फ़ा. अ. स्त्री.—दे. 'वाए क़िस्मत'।

वाए बरहाल (وا ے برحال) फ़ा. स्त्री.—हालत पर अफ़सोस।

वाक़िअः (واقعہ) अ. पुं.—घटना, हादिसा; वृत्तांत, हाल; समाचार, खबर; दुर्घटना, सानिहा।

वाक़िअःतलब (واقعہ‌طلب) अ. वि.—जिसका सारा वृत्तांत जानना आवश्यक हो; ऐसी घटना।

वाक़िअःनवीस (واقعہ‌نویس) अ. फ़ा. वि.—संवादकार, घटना लिखनेवाला; इतिहासकार, मुअर्रिख़।

वाक़िअःनिगार (واقعہ‌نگار) अ. फ़ा. वि.—दे. 'वाक़िअः नवीस'।

वाक़िअए हायिलः (واقعۂ ہائلہ) अ. पुं.—बहुत ही प्रचंड दुर्घटना।

वाक़िअतन (واقعتاً) अ. वि.—वास्तविक में, वस्तुतः, दरहक़ीक़त।

वाक़िआत (واقعات) अ. पुं.—'वाक़िअः' का बहु., घटनाएँ।

वाक़िआती (واقعاتی) अ. वि.—घटनाओं से सम्बन्धित, ठीक-ठीक, सच्चा-सच्चा, घटना के मुताबिक़।

वाक़िआते नफ़्सुलअम्री (واقعات نفس الامری) अ. पुं.—ठीक-ठीक हालात जैसे घटित हुए हैं वैसे वृत्तांत।

वाक़िआते हाज़िरः (واقعات حاضرہ) अ. पुं.—वर्तमान समय की घटनाएँ, वर्तमान समय की राजनीतिक घटनाएँ।

वाक़िआतोहालात (واقعات‌وحالات) अ. पुं.—घटनाएँ और उनका विस्तारपूर्वक वर्णन।

वाक़िई (واقعی) अ. वि.—यथार्थतः, वास्तविक में, सचमुच।

वाक़िईयत (واقعیت) अ. स्त्री.—यथार्थता, वास्तविकता, अस्लीयत, सत्यता।

वाक़िफ़ (واقف) अ. वि.—अभिज्ञ, जानकार, आगाह; परिचित, शनासा; अनुभवी, तज्रिबाकार; किसी जाइदाद या संपत्ति को किसी कार्य-विशेष के लिए दान करनेवाला, उत्सर्गकर्ता, समर्पणकर्ता।

वाक़िफ़े कार (واقف کار) अ. फ़ा. वि.—कार्य-विशेष का जानकार; अनुभवी, तज्रिबाकार।

वाक़िफ़े हाल (واقف حال) अ. वि.—किसी की दशा से ठीक-ठीक परिचित; किसी घटना-विशेष का वृत्तांत जाननेवाला।

वाक़िफ़े हालात (واقف حالات) अ. वि.—सारी घटनाओं और घटना के सारे वृत्तांत का जानकार।

वाक़ी (واقی) अ. वि.—निरीक्षक, निगरानी करनेवाला।

वाक़े' (واقع) अ. वि.—घटित होनेवाला; घटित, जो हो चुका हो।

वाख़िदः (واخدہ) फ़ा. वि.—धुनकनेवाला।

वाख़ीदः (واخیدہ) फ़ा. वि.—धुनका हुआ, धुनकी हुई वस्तु।

वाख़ुर्दः (واخوردہ) फ़ा. वि.—जिसने मुलाक़ात की हो, साक्षात्कृत।

वाख्वास्त (واخواست) फा. पुं.–हिसाब समझना, माँगना; फिर चाहना, वापस लेना।

वागीर (واگیر) फा. पुं.–पहलवानों की ज़ोर करने की एक पद्धति जिसमें वह दोनों हाथ दीवार से टेककर एक एक हाथ की ओर छाती पर ज़ोर देते हैं, इस तरह छाती चौड़ी होती है।

वागुज़श्त (واگزشت) फा. वि.–छूटा हुआ।

वागुज़ाश्तः (واگزاشتہ) फा. वि.–छूटा हुआ।

वागुज़ाश्त (واگزاشت) फा. स्त्री.–छूट, मुक्ति; आज़ाद, जो छूट गयी हो (जाइदाद आदि)।

वागुज़ार (واگزار) फा. वि.–छोड़नेवाला।

वागुज़ारी (واگزاری) फा. स्त्री.–छूट, मुक्ति (जाइदाद आदि की)।

वागोयः (واگویہ) फा. पुं.–बातचीत, वार्तालाप; चर्चा, ज़िक्र अर्थात सुनी हुई बात को कहना।

वाचीदः (واچیدہ) फा. वि.–चुना हुआ, बीना हुआ, ज़मीन से बीनकर उठाया हुआ।

वा'ज़ (وعظ) अ. पुं.–धर्मोपदेश, मज़्हबी नसीहतें; उपदेश, सीख, नसीहत।

वाज़ (واز) फा. वि.–स्पष्ट, व्यक्त, प्रकट, खुला हुआ।

वाज़ख्वाँ (وعظخواں) फा. वि.–दे. 'वाज़गो'।

वाज़गूँ (وازگوں) फा. वि.–औंधा, अधोमुख, अवाङमुख; अशुभ, अनिष्टकर, मनहूस।

वाज़गूनः (وازگونہ) फा. वि.–दे. 'वाज़गूँ'।

वा'ज़गो (وعظگو) अ.फा. वि.–धर्मोपदेशक, वा'ज़ कहनेवाला।

वाज़िआने क़ानून (واضعان قانون) अ. पुं.–विधान बनानेवाले, विधायकगण।

वाज़िआने दस्तूर (واضعان دستور) अ. पुं.–विधान बनानेवाले, विधायकगण।

वाज़िए क़ानून (واضع قانون) अ. पुं.–क़ानून बनानेवाला, विधायक।

वाजिद (واجد) अ. वि.–प्राप्तकर्ता, पानेवाला; आविष्कारक, नयी बात निकालनेवाला।

वाजिब (واجب) अ. वि.–उचित, मुनासिब; आवश्यक, ज़ुरूरी; अनिवार्य, लाज़िमी; योग्य, लाइक़; इस्लाम की परिभाषा में 'फ़र्ज़' से दूसरे दरजे की इबादत।

वाजिबात (واجبات) अ. पुं.–'वाजिब' का बहु., वाजिब बातें; वाजिब इबादतें।

वाजिबी (واجبی) अ. वि.–उचित, मौज़ूँ, ठीक; जितना ज़रूरी था उतना; किसी क़दर कम।

वाजिबीयत (واجبیت) अ. स्त्री.–औचित्य, मुनासिबत।

वाजिबुज़्ज़ियारत (واجب الزیارت) अ. वि.–दर्शन करने योग्य, देखने योग्य, जिसके दर्शन परम पुनीत हों।

वाजिबुत्तक्रीम (واجب التکریم) अ. वि.–आदर और संमान करने योग्य, मान्य, पूज्य।

वाजिबुत्तर्दीद (واجب التردید) अ. वि.–खंडन के योग्य, खंडनीय, तर्दीद के क़ाबिल, जिसका खंडन आवश्यक हो।

वाजिबुत्तलब (واجب الطلب) अ. वि.–बुलाने के योग्य, जिसका बुलाना अनिवार्य हो।

वाजिबुत्तस्लीम (واجب التسلیم) अ. वि.–मानने के योग्य, मान्य, स्वीकार्य।

वाजिबुत्ता'ज़ीम (واجب التعظیم) अ. वि.–आदर के योग्य, प्रतिष्ठित, मान्य, आदरणीय।

वाजिबुत्ता'ज़ीर (واجب التعزیر) अ. वि.–सज़ा देने के योग्य, दंडनीय।

वाजिबुत्ता'मील (واجب التعمیل) अ. वि.–पालन करने योग्य (हुक्म); गवाह आदि को देने योग्य (सम्मन)।

वाजिबुर्रह्म (واجب الرحم) अ. वि.–रह्म खाने योग्य, दयनीय।

वाजिबुर्रिआयत (واجب الرعایت) अ. वि.–रिआयत करने योग्य; दया करने योग्य।

वाजिबुलअदा (واجب الادا) अ. वि.–देने या अदा करने योग्य, देय।

वाजिबुलअमल (واجب العمل) अ. वि.–करने योग्य, करणीय, जिसका करना परम आवश्यक हो।

वाजिबुलअर्ज़ (واجب العرض) अ. वि.–कहने योग्य, प्रार्थना करने योग्य; किसान और ज़मींदार के बीच में तै शुदा अधिकार।

वाजिबुलइआनत (واجب الاعانت) अ. वि.–सहायता के योग्य, मदद करने योग्य।

वाजिबुलइज़्हार (واجب الاظہار) अ. वि.–जिसका कहना और ज़ाहिर करना आवश्यक हो।

वाजिबुलइताअत (واجب الاطاعت) अ. वि.–जिसकी आज्ञा का पालन ज़रूरी हो; जिसकी सेवा करना अनिवार्य हो।

वाजिबुलइत्तिबाअ (واجب الاتباع) अ. वि.–जिसका अनुकरण आवश्यक हो।

वाजिबुलइम्तिसाल (واجب الامتثال) अ. वि.–जिसकी आज्ञा मानना ज़रूरी हो।

वाजिबुलइम्तिहान (واجب الامتحان) अ. वि.–जिसकी परीक्षा आवश्यक हो।

वाजिबुलइम्दाद (واجب الامداد) अ. वि.–जिसकी सहायता ज़रूरी हो।

वाजिबुल्इस्लाह (واجب الاصلاح) अ. वि.–जिसका सुधार आवश्यक हो।

वाजिबुल्ईफ़ा (واجب الایفا) अ. वि.–जिसका पालन आवश्यक हो, (बात)।

वाजिबुल्क़त्अ (واجب القطع) अ. वि.–जिसका काटना ज़रूरी हो।

वाजिबुल्क़त्ल (واجب القتل) अ. वि.–जिसका वध आवश्यक हो।

वाजिबुल्ख़िदमत (واجب الخدمت) अ. वि.–जिसकी सेवा करना आवश्यक हो।

वाजिबुल्ग़ज़ा (واجب الغزا) अ. वि.–जिससे धर्म-युद्ध करना ज़रूरी हो।

वाजिबुल्मद्ह (واجب المدح) अ. वि.–जिसकी प्रशंसा करना अनिवार्य हो।

वाजिबुल्ला'न (واجب اللعن) अ. वि.–जिसको धिक्कृत करना अनिवार्य हो, जिस पर लानत भेजना ज़रूरी हो।

वाजिबुल्लौम (واجب اللوم) अ. वि.–जिसकी भर्त्सना और निंदा ज़रूरी हो।

वाजिबुल्वुजूद (واجب الوجود) अ. वि.–जिसका अस्तित्व दूसरे के सहारे न हो, अर्थात् ईश्वर, जिसका अस्तित्व दूसरे के अधीन नहीं है, यानी वह स्वयंभू है।

वाजिबुल्वुसूल (واجب الوصول) अ. वि.–जिसका प्राप्त होना आवश्यक हो, जो किसी से वुसूल किया जाय, प्राप्य।

वाजिबुल्हम्द (واجب الحمد) अ. वि.–जिसकी स्तुति ज़रूरी हो।

वाजिबुल्हुसूल (واجب الحصول) अ. वि.–जिसका मिलना या जिसका उपार्जन ज़रूरी हो।

वाजिबुस्सना (واجب الثنا) अ. वि.–जिसकी प्रशंसा आवश्यक हो।

वाजिबुस्सिफ़त (واجب الصفت) अ. वि.–जिसका गुणगान आवश्यक हो।

वाज़ूँ (واژوں) फ़ा. वि.–आधा, अधोमुख, बिलकुल उलटा।

वाज़ूँनसीब (واژوں نصیب) अ. फ़ा. वि.–जिसकी तक़्दीर औंधी हो, हतभाग्य।

वाज़ूँबख़्त (واژوں بخت) फ़ा. वि.–हतभाग्य, उलटे नसीबों वाला, औंधीं तक़्दीरवाला।

वाज़ूँमुक़द्दर (واژوں مقدر) फा. अ. वि.–दे. 'वाज़ूँबख़्त'।

वाज़े' (واضع) अ. वि.–बनानेवाला, रचनेवाला; रखनेवाला, धरनेवाला।

वाज़ेह (واضح) अ. वि.–स्पष्ट, ज्वलंत, बहुत ही साफ़।

वा'ज़ोपंद (وعظ وپند) अ. फा. पुं.–तरह-तरह की नसीहतें।

वा'दः (وعدہ) अ. पुं.–प्रतिज्ञा, वचन, अह्द; संविदा, इक़्रार।

वा'दःख़िलाफ़ (وعدہ خلاف) अ. वि.–प्रतिज्ञा भंग कर देनेवाला, वादा न पूरा करनेवाला।

वा'दःख़िलाफ़ी (وعدہ خلافی) अ. स्त्री.–प्रतिज्ञा भंग करना, वचन पूरा न करना।

वा'दःगाह (وعدہ گاہ) अ. फा. स्त्री.–जहाँ का वादा हो, जहाँ मिलने का क़रार हो।

वा'दःफ़रामोश (وعدہ فراموش) अ. फा. वि.–प्रतिज्ञा करके भूल जानेवाला, वचन देकर याद न रखनेवाला।

वा'दःफ़रामोशी (وعدہ فراموشی) अ. फा. स्त्री.–वचन देकर याद न रखना, वादा करके भूल जाना।

वा'दःफ़र्मा (وعدہ فرما) अ. फा. वि.–वचन देनेवाला, वा'दा करने वाला।

वा'दःफ़र्माई (وعدہ فرمائی) अ. फा. स्त्री.–वचन देना, प्रतिज्ञा करना।

वा'दःवफ़ा (وعدہ وفا) अ. वि.–वचन पूरा करनेवाला, बात कहकर पूरी करनेवाला।

वा'दःवफ़ाई (وعدہ وفائی) अ. स्त्री.–बात कहकर निबाहना, प्रतिज्ञा पूरी करना।

वादःशिकन (وعدہ شکن) अ. फा. वि.–प्रतिज्ञा भंग करनेवाला, बात कहकर पालन न करनेवाला।

वा'दःशिकनी (وعدہ شکنی) अ.फा. स्त्री.–प्रतिज्ञा भंग कर देना, बात कहकर पूरी न करना।

वा'द (وعد) अ. पुं.–शुभ समाचार, ख़ुश ख़बरी।

वादए दीद (وعدۂ دید) अ. फा. पुं.–दर्शन देने का क़रार, मुँह दिखाने और मिलने का वादा।

वा'दए फ़र्दा (وعدۂ فردا) अ. फा.–कल के मिलने का वादा, जो कभी पूरा नहीं होता।

वा'दए मह्शर (وعدۂ محشر) अ. पुं.–क़ियामत में मिलने का वचन, अर्थात् न मिलने की बात।

वा'दए वस्ल (وعدۂ وصل) अ. पुं.–मिलने का क़रार; साथ सोने का क़रार।

वा'दए शब (وعدۂ شب) अ. फा. पुं.–रात में आने का क़रार।

वा'दए हश्र (وعدۂ حشر) अ. पुं.–दे. 'वादए महशर'।

वादिए ऐमन (وادئ ایمن) अ. स्त्री.–वह घाटी जहाँ हज़्रत मूसा ने ईश्वर का प्रकाश देखा था।

वादिए तूर (وادئ طور) अ. स्त्री.–तूर पहाड़ की घाटी जहाँ हज़्रत मूसा ने ईश्वर की झलक देखी थी।

वादी (وادی) अ. उभ.–घाटी, पहाड़ के नीचे का मैदान; जंगल, कानन, वन।

वादीगर्द (وادی گرد) अ. फा. वि.—घाटियों में मारा-मारा फिरनेवाला, जंगलों में फिरनेवाला।

वादीद (وادید) फा. स्त्री.—बाज़दीद, मुलाक़ात करनेवाले की मुलाक़ात।

वादीनवर्द (وادی نورد) अ. फा. वि.—दे. 'वादीगर्द'।

वादीनशीं (وادی نشیں) अ. फा. वि.—जंगल में रहनेवाला, वनस्थ।

वादीपैमा (وادی پیما) अ. फा. वि.—दे. 'वादीगर्द'।

वान (وان) फा. प्रत्य.—वाला, जैसे—'दरवान' अर्थात् दरबान।

वानमूदः (وانمودہ) फा. वि.—प्रकट किया हुआ, दिखाया हुआ।

वापस (واپس) फा. वि.—प्रत्यागत, लौटा हुआ, वापस आया हुआ; प्रतिदत्त, वापस दिया हुआ, अथवा छिपा हुआ।

वापसआमदः (واپس آمدہ) फा.—वापस लौटा हुआ, प्रत्यागत।

वापिस दादः (واپس دادہ) फा. वि.—वापस दिया हुआ, प्रतिदत्त।

वापसीं (واپسیں) फा. वि.—अंतिम, आख़िरी।

वापसी (واپسی) फा. स्त्री.—प्रत्यागम, लौटना; प्रतिदान, लौटाना, फेरना, वापस देना।

वाफ़िद (وافد) अ. पुं.—प्रतिनिधि, मुमाइंदा; दूत, एलची; पत्रवाहक, क़ासिद।

वाफ़िर (وافر) अ. वि.—प्रचुर, बहुत, अत्यधिक, बहुत ज़ियादा।

वाफ़िल हस्ब [हसब] (وافی الحسب) अ. वि.—जो व्यक्ति, विद्या और दूसरे गुणों से संपन्न हो।

वाफ़ी (وافی) अ. वि.—संपूर्ण, समग्र, पूरा, तमाम; प्रचुर, अत्यधिक, काफ़ी।

वाबस्तः (وابستہ) फा. वि.—आबद्ध, बँधा हुआ; संबद्ध, सम्बन्धित, मुतअल्लिक़; संलग्न, सूत्रित, नत्थी; स्वजन, आत्मीय, रिश्तेदार।

वाबस्तए इश्क़ (وابستۂ عشق) फा. अ. वि.—प्रेमाबद्ध, प्रेम-पाश में बँधा हुआ, मुग्ध, मोहित।

वाबस्तए ज़ुल्फ़े (وابستۂ زلف) फा. वि.—प्रेमिका की अलक पाश में बँधा हुआ अर्थात्, मुग्ध, आसक्त।

वाबस्तगाँ (وابستگاں) फा. पुं.—'वाबस्तः' का बहु., बँधे हुए लोग।

वाबस्तगाने महब्बत (وابستگان محبت) फा. अ. पुं.—प्रेम पाश में बँधे हुए प्रेमी।

वाबस्तगी (وابستگی) फा. वि.—बँधाव, बन्धन; संपर्क; सम्बन्ध; प्रेम; स्वजनता, अपनापन।

वाम (وام) फा. पुं.—ऋण, क़र्ज़; वर्ण, रंग।

वामख़्वाह (وام خواہ) फा. वि.—ऋण-ग्राही, अधमर्ण, कर्ज़दार।

वामांदः (واماندہ) फा. वि.—थका हुआ, थककर पीछे रहा हुआ; दीन, दुखी, लाचार।

वामांदए राह (واماندۂ راہ) फा. वि.—रस्ते में थककर बैठा हुआ, रस्ते में थकन के कारण अपने साथियों से छूटा हुआ।

वामांदगी (واماندگی) फा. स्त्री.—थकावट, राह में थककर रह जाना; दीनता, निःसहायता, लाचारी।

वामिक़ (وامق) अ. पुं.—चाहनेवाला, प्यार करनेवाला; अरब का एक प्रेमी जो 'अज़्रा' पर आशिक़ था।

वामुसीबता (وامصیبتا) अ. वा.—हाय री मुसीबत, हाय मुसीबत, किसी विपत्ति के समय बोलते हैं।

वायः (وایہ) फा. पुं.—मनोकामना, मुराद; अफ़ीम आदि की रोज़ की बँधी हुई ख़ुराक, मात्रा, मिक़्दार।

वारः (وارہ) फा. वि.—समान, तुल्य; स्वभाव; ऋतु; स्वामी।

वार (وار) फा. पुं.—आघात, चोट, ज़र्ब; आक्रमण, हम्ला; योग्य, पात्र, लाइक़; पद्धति, रविश, (प्रत्य.) करनेवाला या वाला—जैसे 'सोगवार' या 'तक़्सीरवार'।

वारफ़्तः (وارفتہ) फा. वि.—खोया हुआ, आत्मविस्मृत, बेसुध, बेख़ुद; शिथिल, निढाल।

वारफ़्तःतब्अ (وارفتہ طبع) अ. फा. वि.—दे. 'वा० मिज़ाज'।

वारफ़्तःमिज़ाज (وارفتہ مزاج) फा. अ. वि.—जो खोया खोया-सा रहता हो; ऊलजलूल, लाउबाली।

वारफ़्तःमिज़ाजी (وارفتہ مزاجی) फा. अ. स्त्री.—खोया खोया-सा रहना; उलजलूलपन।

वारफ़्तगाँ (وارفتگاں) फा. पुं.—'वारफ़्तः' का बहु., प्रेम में खोये हुए लोग।

वारफ़्तगी (وارفتگی) फा. स्त्री.—खोया-खोयापन, आत्म-विस्मृति; ऊलजंलूलपन।

वारसीदः (وارسیدہ) फा. वि.—पहुँचा हुआ, विगत; सूचित, मुत्तला।

वारसीदगी (وارسیدگی) फा. स्त्री.—पहुँचना; खबर पाना।

वारस्तः (وارستہ) फा. वि.—स्वच्छंद, निश्चिंत, बेफ़िक्र, आज़ाद।

वारस्तःमिज़ाज (وارستہ مزاج) फा. अ. वि.—स्वच्छंद प्रकृति, आज़ाद मिज़ाज, मनमौजी।

वारस्तःमिज़ाजी (وارستہ مزاجی) फा. अ. स्त्री.—प्रकृति की स्वच्छंदता, आज़ाद मिज़ाजी, मन की मौज।

वारस्तगी (وارستگی) फा. स्त्री.—स्वच्छन्दता, निश्चिंतता, आज़ादी, मन मौजीपन।

वारिद (وارد) अ. वि.–आनेवाला, आगामी; आया हुआ, आगत; दूत, क़ासिद।

वारिदात (واردات) अ. स्त्री.–'वारिद' का बहु., आनेवाले, अर्थात् घटित होनेवाले, यह शब्द उर्दू में एक वचन के लिए व्यवहृत है, कहते हैं 'वारिदात हो गयी', घटना, वाक़िआ।

वारिदाते क़ल्ब (واردات قلب) अ. पुं.–हृदय में आनेवाली विचार धाराएँ; महात्माओं के हृदय पर पड़नेवाले द्रव्य-प्रकाश।

वारिस (وارث) अ. वि.–उत्तराधिकारी, वसी, रिक्था-धिकारी; अभिभावक, सरपरस्त।

वारिसे तख़्तोताज (وارث تخت وتاج) अ. फा. पुं.–युवराज, राजकुमार, शाहज़ादा, वली अह्द।

वारिसे ताजोनगीं (وارث تاج ونگیں) अ. फा. पुं.–दे. 'वारिसे तख़्तोताज'।

वालः (والہ) फा. पुं.–एक रेशमी बारीक कपड़ा।

वाल (وال) फा. स्त्री.–एक सिन्नेदार मछली।

वाला (والا) फा. वि.–प्रतिष्ठित, मान्य; उच्च, उत्तुंग; महान्, महत्त्वपूर्ण; श्रेष्ठ, उत्तम।

वालाक़द्र (والاقدر) फा. अ. वि.–उत्तम, प्रतिष्ठित, बड़ी इज़्ज़तवाला।

वालागुहर (والاگہر) फा. वि.–उत्तम कुल, कुलीनतम, बहुत प्रतिष्ठित कुलवाला।

वालाजाह (والاجاہ) फा. वि.–दे. 'वालाक़द्र'।

वालादूदमाँ (والادودماں) फा. वि.–दे. 'वालागुहर'।

वालानज़ाद (والانژاد) फा. वि.–दे. 'वालागुहर'।

वालानामः (والانامہ) फा. पुं.–आदरपत्र, कृपापत्र, बड़े व्यक्ति का पत्र।

वालामर्तबत (والامرتبت) फा. अ. वि.–दे. 'वालाक़द्र'।

वालाशान (والاشان) फा. अ. वि.–दे. 'वालाक़द्र'।

वालासिफ़ात (والاصفات) फा. अ. वि.–उत्तम गुण, बहुत अच्छे और प्रतिष्ठित गुणोंवाला।

वालाहिमम (والاهمم) फा. अ. वि.–उच्चोत्साही, बड़ी हिम्मतवाला।

वालाहिम्मत (والاهمت) फा. अ. वि.–बड़ी हिम्मतवाला, बड़े साहसवाला, महोत्साह, महासाहस।

वालिए अक़्रब (والئی عقرب) अ. पुं.–मंगलग्रह, जो वृश्चिक राशि का स्वामी है।

वालिए तख़्तोताज (والئی تخت وتاج) अ.फा.वि.–युवराज, वली अह्द।

वालिए मुल्क (والئی ملک) अ. पुं.–किसी राष्ट्र का शासक, राजा, बादशाह।

वालिए रियासत (والئی ریاست) अ. पुं.–किसी रियासत का स्वामी, रईस, राजा।

वालिदः (والدہ) अ. स्त्री.–माता, मातृ, जननी, प्रसवित्री, अंबिका, अंबा।

वालिद (والد) अ. पुं.–पिता, पितृ, जनक, अंब, अंबक, प्रसवी।

वालिदए मोहतरमः (والدۂ محترمہ) अ. स्त्री.–पूज्य माता।

वालिदे माजिद (والد ماجد) अ. पुं.–पूज्य पिता।

वालिदैन (والدین) अ. पुं.–मात-पिता, पितरौ, मातर-पितरौ, मातापितरौ।

वालिहानः (والہانہ) अ. फा. वि.–प्रेमियों-जैसा, प्रेमपूर्वक।

वाली (والی) अ. पुं.–मित्र, दोस्त; शासक, हाकिम।

वालेह (والہ) अ. वि.–मुग्ध, आसक्त, फ़िरेफ़्ता, जो प्रेम में सुध-बुध खो चुका हो।

वावैला (واویلا) फा. वा.–हाय, अफ़्सोस; कोलाहल, शोरो-गुल; हाहाकार, कोहराम।

वाशिगाफ़ (واشگاف) फा. वि.–प्रकट, स्पष्ट, खुला हुआ।

वाशी (واشی) अ. वि.–मिथ्यावादी, असत्यभाषी, झूठा; निंदक, चुग़ुलखोर; छिद्रान्वेषी, एबेचीं।

वाशुदः (واشدہ) फा. वि.–प्रफुल्ल, विकसित, खिला हुआ, शिगुफ़्ता।

वाशुद (واشد) फा. स्त्री.–खिलावट, प्रफुल्लता, शिगुफ़्तगी।

वाशुदगी (واشدگی) फा. स्त्री.–शिगुफ़्तगी, प्रफुल्लता, विकास, खिलावट।

वाशुदनी (واشدنی) फा. वि.–विकसित होने योग्य, खिलने योग्य, शिगुफ़्तनी।

वासिक़ (واثق) अ. वि.–दृढ़, मज़्बूत, न टूटनेवाला।

वासितः (واسطہ) अ. पुं.–माध्यम, दरमियानी; संपर्क, सम्बन्ध, तअल्लुक़।

वासित (واسط) अ. वि.–बीचवाला, मध्यवर्ती; इराक़ में बस्रे और बग़दाद के बीच एक नगर जहाँ का क़लम बहुत अच्छा होता है।

वासिती (واسطی) अ. वि.–वासित नगर का, विशेषतः क़लम के लिए आता है।

वासिफ़ (واصف) अ. वि.–प्रशंसक, तारीफ़ करनेवाला।

वासिल (واصل) अ. वि.–मिलनेवाला, मुलाक़ात करने-वाला; सटा हुआ, संयुक्त।

वासिलबहक़ (واصل بحق) अ. फा. वि.–ईश्वर से मिलने-वाला, दिवंगत।

वासिलबाक़ी (واصل باقی) अ. वि.–वुसूल और बाक़ी का हिसाब।

वासिलबाक़ी नवीस (واصل باقی نویس) अ. फ़ा. पुं.–कचहरी का एक मुहर्रिर जो आय-व्यय का हिसाब रखता है।

वासिलात (واصلات) अ. स्त्री.–कुल आय का जोड़, आमदनी का मीज़ान।

वासे' (واسع) अ. वि.–फैलानेवाला, विस्तार करनेवाला; विस्तृत, वसीअ; ईश्वर का एक नाम।

वासोख़्तः (واسوختہ) फ़ा. वि.–जला हुआ विदग्ध; कुढ़ा हुआ, बेज़ार।

वासोख़्त (واسوخت) फ़ा. पुं.–उर्दू पद्य की एक क़िस्म जो मुसद्दस के रूप में होता है और जिसमें प्रेमिका के व्यवहार से नाराज़ होकर प्रेम छोड़ देने और प्रेमिका को त्यागने का वर्णन होता है।

वासोख़्तगी (واسوختگی) फ़ा. स्त्री.–जलन, तपन; बेज़ारी, नाराज़ी।

वाह (واہ) फ़ा. अव्य.–ख़ूब, साधु, धन्य।

वाह वाह (واہ واہ) फ़ा. वि. धन्य-धन्य, साधु-साधु, ख़ूब-ख़ूब।

वाहसरता (واحسرتا) हाय अफ़्सोस, शोक के समय पर बोलते हैं।

वाहिदः (واحدہ) अ. पुं.–इकाई, यूनिट।

वाहिद (واحد) अ. वि.–एक, यक; ईश्वर का एक नाम।

वाहिदुलऐन (واحد العین) अ. वि.–एक आँखवाला, एकाक्ष, काणा, काना।

वाहिब (واہب) अ. वि.–देनेवाला, प्रदान करनेवाला, दाता।

वाहिबुननिअम (واہب النعم) अ. पुं.–दे. 'वाहिबुलअताया'

वाहिबुलअताया (واہب العطایا) अ. पुं.–पुरस्कार और उत्तम वस्तुएँ देनेवाला, अर्थात् ईश्वर।

वाहिमः (واہمہ) अ. पुं.–भ्रम, भ्रांति, वह्म; कल्पना शक्ति।

वाहिम (واہم) अ. वि.–भ्रमी, वह्म करनेवाला, वहमी, शक्की।

वाहियात (واہیات) अ. स्त्री.–'वाही' का बहु., निरर्थक और व्यर्थ बातें।

वाही (واہی) वि.–शिथिल, सुस्त; व्यर्थ, अनर्गल, फ़ुज़ूल।

वि

विआ (وعا) अ. पुं.–पात्र, बरतन, ज़र्फ़।

विक़ाअ (وقاع) अ. पुं.–युद्ध, लड़ाई; मैथुन, सहवास, मुबाशरत।

विक़ायः (وقایہ) अ. पुं.–रक्षा, देख-रेख, हिफ़ाज़त; जिससे किसी चीज़ की रक्षा करें।

विक़ायत (وقایت) अ. स्त्री.–देख-भाल, रक्षा, हिफ़ाज़त।

विक़ार (وقار) अ. पुं.–दे. 'वक़ार' शुद्ध वही है, परंतु फ़ारसीवाले बहुत जगह ज़बर को ज़ेर पढ़ते हैं, उसी में से यह भी है।

विकालत (وکالت) अ. स्त्री.–दे. 'वकालत', दोनों शुद्ध हैं।

विजार (وجار) अ. पुं.–बिज्जू; भेड़िया, वृक।

विज़ारत (وزارت) अ. स्त्री.–मंत्री का पद; मंत्रित्व, मंत्री का काम।

विज़ारतख़ानः (وزارت خانہ) अ. फ़ा. पुं.–मंत्रालय, वज़ीर का दफ़्तर।

विज़ारते उज़्मा (وزارت عظمی) अ. स्त्री.–प्रधानमंत्री का पद।

विज़ारते ख़ारिजः (وزارت خارجہ) अ. स्त्री.–विदेशी कामों की देख-रेख करनेवाली विज़ारत, परराष्ट्र-मंत्रित्व।

विज़ारते दाख़िलः (وزارت داخلہ) अ. स्त्री.–देश के भीतरी विषयों की देख-रेख करनेवाली विज़ारत, गृहमंत्रित्व।

विज्द (وجد) अ. पुं.–शक्तिशाली होना; धनवान् होना; प्राप्त होना।

विज्दान (وجدان) अ. पुं.–खोये हुए को पाना; जानना; खोजना; काव्य रसज्ञता, सहृदयता, ज़ौक़।

विज्दाने सहीह (وجدان صحیح) अ. पुं.–शुद्ध काव्य रसज्ञता, सच्चा ज़ौक़।

विज्नः (وجنہ) अ. पुं.–कपोल, गाल, दे. 'वज्नः' और 'वुज्नः', सब शुद्ध हैं।

विज़्र (وزر) अ. पुं.–भार, बोझ; पीठ पर लादने भर का बोझ; पाप, गुनाह; उपकरण, औज़ार।

वित्र (وتر) अ. पुं.–एक, अकेला; वह संख्या जो दो पर न बटे, विषम।

विदाअ (وداع) अ. स्त्री.–दे. 'वदाअ', शुद्ध उच्चारण वही है, फ़ारसी में 'विदाअ' हो गया है।

विदाद (وداد) अ. स्त्री.–मित्रता, दोस्ती।

विफ़ाक़ (وفاق) अ. पुं. अनुकूलता, मुआफ़क़त; मैत्री, दोस्ती, कई राष्ट्रों का संयुक्त मोरचा।

विफ़ाक़त (وفاقت) अ. स्त्री.–अनुकूलता, मुआफ़क़त; मित्रता, दोस्ती।

विफ़ाक़ी (وفاقی) अ. वि.–विफ़ाक़ सम्बन्धी, संयुक्त मोरचे वाला (वाली)।

विरासत (وراثت) अ. स्त्री.–दायाधिकार, रिक्थाधिकार, उत्तराधिकार, मीरास पाना।

विर्द (ورد) अ. पुं.–किसी बात को बार-बार कहना या करना।

विला (ولا) अ. स्त्री.–प्रेम, मुहब्बत; आस्था, श्रद्धा; भक्ति, पूज्य जनों का प्रेम।

विलादत (ولادت) अ. स्त्री.–उत्पत्ति, जन्म, पैदाइश।

विलायत (ولایت) अ. स्त्री.–परराष्ट्र, अन्य देश, पहले ईरान और तुर्किस्तान आदि को कहा जाता था, अब युरोप और विशेषकर इंगलैंड को कहते हैं; वली या ऋषि होने का भाव, अथवा उनका पद।

विलायती (ولایتی) अ. वि.–विलायत का, विलायत वाला; विलायत से आया हुआ।

विसादः (وساده) अ. पुं.–बड़ा तकिया, मस्नद।

विसाल (وصال) अ. पुं.–मिलन, मेल; प्रेमी और प्रेमिका का संयोग; किसी धार्मिक और पूज्य व्यक्ति का निधन या देवलोक गमन।

वी

वीरां (ویراں) फा. वि.–'वीरान' का लघु., दे. 'वीरान'।

वीरांकुन (ویراں کن) फा. वि.–वीरान करनेवाला, ध्वंसकारी, खंडहर बना देनेवाला, बरबाद कर देनेवाला।

वीरांगर (ویراں گر) फा. वि.–वीरान करनेवाला, ध्वंस कारी; डाकू, लुटेरा।

वीरांसरा (ویراں سرا) फा. स्त्री.–वीरान स्थान, अर्थात् संसार।

वीरानः (ویرانہ) फा. पुं.–वीरान, निर्जन स्थान; वन, कानन, जंगल।

वीरानःनशीं (ویرانہ نشیں) फा. वि.–वीराने में रहनेवाला, जंगल में रहनेवाला।

वीरानःपसंद (ویرانہ پسند) फा. वि.–जिसे वीराने में रहना अच्छा लगता हो।

वीरान (ویران) फा. वि.–निर्जन स्थान, जहाँ आदमी न हों; जंगल, वन; जिस स्थान की इमारतें गिर गयी हों, जो मकान आदि खँडहर हो गया हो।

वीरानी (ویرانی) फा. स्त्री.–निर्जनता, भग्न का भाव; जंगलपन; खँडहरपन; बेरौनक़ी।

वु

वुअ्‌आज़ (وعاظ) अ. पुं.–'वाइज़' का बहु., वाइज़ लोग, धर्मोपदेशक गण।

वुऊद (وعود) अ. पुं.–'वादः' का बहु., वादे, प्रतिज्ञाएँ।

वुक़ूअः (وقوعہ) उ. पुं.–घटना, दुर्घटना, वाक़िआ, हादिसा।

वुक़ूअ (وقوع) अ. पुं.–प्रकट होना, घटित होना, वाक़े' होना; घटना, वाक़िआ।

वुक़ूए जुर्म (وقوع جرم) अ. पुं.–किसी अपराध का घटित होना, अपराध होना।

वुक़ूए सानिहः (وقوع سانحہ) अ. पुं.–किसी घटना का घटित होना, वाक़िअः ज़ाहिर होना।

वुक़ूए हादिसः (وقوع حادثہ) अ. पुं.–किसी दुर्घटना का घटित होना, कोई बुरी घटना होना।

वुक़ूद (وقود) अ. पुं.–आग जलना या जलाना।

वुक़ूफ़ (وقوف) अ. पुं.–ज्ञान, जानकारी, परिचय।

वुज़रा (وزرا) अ. पुं.–'वज़ीर' का बहु., वज़ीर लोग, मंत्रिगण।

वुज़ू (وضو) अ. पुं.–साफ़ चेहरे का होना, चेहरे की सफ़ाई और स्वच्छता; नमाज़ के लिए नियमपूर्वक हाथ-पाँव और मुँह आदि धोना।

वुजूद (وجود) अ. पुं.–अस्तित्व, हस्ती; उपस्थिति, मौजूदगी; देह, जिस्म।

वुजूदोअदम (وجود و عدم) अ. पुं.–होना और न होना, हस्ती और नेस्ती, अस्तित्व और अनस्तित्व।

वुजूब (وجوب) अ. पुं.–वाजिब होना, आवश्यक होना, अनिवार्य होना।

वुज़ूशिकन (وضوشکن) अ. वि.–वुज़ू तोड़ देनेवाला, तप भंग कर देनेवाला (विशेषतः सौंदर्य)।

वुजूह (وجوه) अ. पुं.–'वज्ह' का बहु., कारण-समूह।

वुज्नः (وجنہ) अ. पुं.–कपोल, गाल दे. 'विज्नः' और 'वज्नः' तीनों शुद्ध हैं।

वुफ़ूद (وفود) अ. पुं.–'वफ़्द' का बहु., प्रतिनिधि मंडल समूह, शिष्ट मंडलों का समूह।

वुफ़ूर (وفور) अ. पुं.–आधिक्य, प्राचुर्य, बाहुल्य, इफ़रात।

वुफ़ूरे इज़्तिराब (وفور اضطراب) अ. पुं.–घबराहट की अधिकता।

वुफ़ूरे ग़म (وفور غم) अ. पुं.–शोक अथवा दुःख का बाहुल्य, शोकाधिक्य।

वुफ़ूरे शौक़ (وفور شوق) अ. पुं.–लालसा और अभिलाषा की बहुतायत, उत्कंठा।

वुरूद (ورود) अ. पुं.–आगमन, आना; प्रवेश, दाख़िला।

वुरूदे मस्ऊद (ورود مسعود) अ. पुं.–शुभागमन, किसी बड़े और पूज्य व्यक्ति का पदार्पण।

वुरूदे मुबारक (ورود مبارک) अ. पुं.–दे. 'वु. मस्ऊद'।

वुलात (ولات) अ. पुं.–'वाली' का बहु., स्वामिगण; शासकगण।

वुलूअ (ولوع) अ. पुं.–लोभ, लिप्सा, लालच; लोभ होना, लालच होना।

वुलूग़ (ولوغ) अ. पुं.—कुत्ते का चपड़-चपड़ करके पानी पीना; कुत्ते का पानी में मुँह डालना।

वुलूज (ولوج) अ. पुं.—एक चीज का दूसरे में प्रवेश।

वुशाक़ (وشاق) तु. पुं.—छोकरा, ऐसा ख़िदमतगार लड़का जिसकी डाढ़ी-मूँछ न निकली हों।

वुशात (وشاة) अ. पुं.—'वाशी' का बहु., निंदक लोग; छिद्रान्वेषी लोग; झूठे लोग।

वुश्ता (وشتا) फा. पुं.—पारसियों के धर्म ग्रंथ 'ज़ंद' का महाभाष्य, उस्ता।

वुसूल (وصول) अ. पुं.—पहुँचना, जाना; प्राप्त होना, मिलना; प्राप्ति, वुसूली।

वुसूलबाक़ी (وصول باقی) अ. पुं.—जो आया और जो बाक़ी रहा।

वुसूलयाब (وصول یاب) अ. फा. वि.—प्राप्त, लब्ध, वुसूल।

वुसूलयाबी (وصول یابی) अ. फा. स्त्री.—प्राप्ति, वुसूली।

वुसूली (وصولی) अ. वि.—प्राप्ति, वुसूलयाबी।

वुस्अ (وسع) अ. स्त्री.—विस्तार, लंबाई-चौड़ाई; शक्ति, ज़ोर; सामर्थ्य, मक़्दिरत।

वुस्अत (وسعت) अ. स्त्री.—लंबाई-चौड़ाई, विस्तार; सामर्थ्य, मक़्दूर; शक्ति, ताक़त।

वुस्अततलब (وسعت طلب) अ. वि.—जिसके लिए विस्तार की आवश्यकता हो।

वुस्अतपिज़ीर (وسعت پزیر) अ. फा. वि.—विस्तृत, विशाल, लंबा-चौड़ा।

वुसअते अख़्लाक़ (وسعت اخلاق) अ. स्त्री.—शिष्टता और सुशीलता के व्यवहार का आधिक्य।

वुस्अते करम (وسعت کرم) अ. स्त्री.—दानशीलता और वदान्यता का प्राचुर्य।

वुस्अते क़ल्ब (وسعت قلب) अ. स्त्री.—हृदय का विस्तार, उदारता।

वुस्अते शौक़ (وسعت شوق) अ. स्त्री.—अभिलाषा की तीव्रता।

वुस्अते सह्रा (وسعت صحرا) अ. स्त्री.—जंगल का विस्तार।

वुस्अते हौसलः (وسعت حوصله) अ. स्त्री.—साहस का आधिक्य।

वुस्ता (وسطی) अ. वि.—दरमियानी, बीच की; बीच की उँगली, मध्यमा।

वुस्लत (وصلت) अ. स्त्री.—पैवंद, जोड़; स्वजनता, रिश्तेदारी; संयोग, मिलन, वस्ल।

वुहूश (وحوش) अ. पुं.—'वह्श' का बहु., जंगली जानवर।

वुहूशोतुयूर (وحوش وطیور) अ. पुं.—जंगली जानवर और जंगली चिड़ियाँ।

वै

वैल (ویل) अ. पुं.—हाय, हा, अफ़्सोस; शत्रुता, दुश्मनी; आपत्ति, कष्ट; आपत्ति के समय रोना-धोना; दोज़ख़ का एक तल।

वैलकश (ویل کش) अ. फा. वि.—शत्रुता निबाहनेवाला, बदी का बदला लेनेवाला।

वैस (ویس) अ. पुं.—धिक्कार, लानत।

वैह (ویح) अ. पुं.—साधु, अहो, ख़ूब; हाय, हा हंत; डाँट-फटकार।

वैहकल्लाह (ویحک الله) अ. वा.—ईश्वर तुझे ख़राब करे।

श

शंग (شنگ) फा. वि.—चपल, चंचल, शोख़; लुंठक, लुटेरा, बटमार; तस्कर, चोर।

शंगर्फ़ (شنگرف) फा. पुं.—ईंगुर, एक प्रसिद्ध पदार्थ।

शंगुल (شنگل) फा. वि.— चपल, चंचल, शोख़; छली, चालाक; लुटेरा, बटमार।

शंगूल (شنگول) फा. वि.—दे. 'शंगुल'।

शंजर्फ़ (شنجرف) फा. पुं.—दे. 'शंगर्फ़'।

शंबः (شنبه) फा. पुं.—वार, दिन; शनैश्चर, सनीचर, फ़ारसी उच्चारण 'शंबेह' है।

शग़फ़ (شغف) अ. पुं.—प्रेम, स्नेह, अनुराग, महब्बत।

शआइर (شعائر) अ. पुं.—'शईरः' का बहु., आराधनाएँ, इबादतें; पशुओं की बलि, क़ुर्बानियाँ।

शआफ़ (شعاف) अ. पुं.—उन्माद, सिड़ीपन, पागलपन, मिराक़।

शईरः (شعیره) अ. स्त्री.—पशुबलि, क़ुर्बानी; आराधना, इबादत; आँख की गुहांजनी।

शईर (شعیر) अ. पुं.—जौ, यव, एक प्रसिद्ध अन्न।

शए ज़ाइद (شے زائد) अ. स्त्री.—वह वस्तु जो अधिक हो, जो आवश्यकता से ज़ाइद हो, फ़ालतू।

शए मक्फ़ूल (شے مکفوله) अ. स्त्री.—वह वस्तु जो गिरवी हो, बंधक।

शए मबीअः (شے مبیعه) अ. स्त्री.—बेची हुई वस्तु, बिकी हुई चीज़, विक्रीत।

शए मुतनाज़िअः (شے متنازعه) अ. स्त्री.—झगड़ेवाली चीज़, जिस पर झगड़ा हो।

शए लतीफ़ (شے لطیف) अ. स्त्री.—प्रतिभा, ज़िहानत; दक्षता, कुशलता, चतुराई।

शक [शक] (شک) अ. पुं.–शंका, आशंका, संदेह, शुब्हा; भ्रम, भ्रांति, वह्म।

शक़ [शक़] (شق) अ. पुं.–फटना, विदारण; फटा हुआ, विदीर्ण।

शकआफ़्रीं (شک آفریں) अ. फ़ा. वि.–शक पैदा करनेवाला, शंकाजनक।

शकर (شکر) फ़ा. स्त्री.–खाँड, शर्करा, चीनी।

शकरआब (شکرآب) फ़ा. स्त्री.–दे. 'शकराब'।

शकरक़ंद (شکرقند) फ़ा. स्त्री.–एक प्रसिद्ध कंद, शकरकंदी।

शकर ख़ंदः (شکرخندہ) फ़ा. पुं.–दे. 'शकर ख़ंद'।

शकरख़ंदः (شکرخند) फ़ा. पुं.–मीठी हँसी, मुस्कुराहट।

शकरचश (شکرچش) फ़ा. पुं.–नमूना, बानगी, निदर्शन।

शकरख़ा (شکرخا) फ़ा. वि.–शकर चबानेवाला, मधुरभाषी, मिष्टवादी।

शकरख़ोर (شکرخور) फ़ा. वि.–शकर खानेवाला।

शकरख़्वाब (شکرخواب) फ़ा. पुं.–मीठी नींद, सुषुप्ति; सवेरे की नींद।

शकरख़्वारः (شکرخوارہ) फ़ा. वि.–शकर खानेवाला; रस लेनेवाला, आनंदग्राही।

शकरगुफ़्तार (شکرگفتار) फ़ा. वि.–मीठी बातें करनेवाला, मधुरभाषी, शीरींज़बाँ।

शकरगुफ़्तारी (شکرگفتاری) फ़ा. स्त्री.–मीठी मीठी बातें करना, शीरींज़बानी।

शकरचश (شکرچش) फ़ा. पुं.–शकर खानेवाला; नमूना, बानगी; रस लेनेवाला।

शकरज़ार (شکرزار) फ़ा. पुं.–जहाँ शकर ही शकर हो, जहाँ मिठास बहुत हो।

शकरतरी (شکرتری) फ़ा. स्त्री.–सफ़ेद शकर, चीनी, दाना।

शकरदान (شکردان) फ़ा. पुं.–शकर रखने का बरतन, खंडपात्र।

शकरपा (شکرپا) फ़ा. वि.–लँगड़ा, जिसके एक पाँव टेढ़ा हो, पंगु।

शकरपारः (شکرپارہ) फ़ा. पुं.–एक प्रकार की मिठाई; सुंदर अदाओंवाली प्रेमिका।

शकरपूरः (شکرپورہ) फ़ा. पुं.–मीठा समोसा, गुझिया, पिराक।

शकरपेच (شکرپیچ) फ़ा. पुं.–मिठाई पर लिपटा हुआ काग़ज़; शकर बाँधने की पुड़िया।

शकरफ़रोश (شکرفروش) फ़ा. वि.–शकर बेचनेवाला; मधुरभाषी, शीरींगुफ़्तार।

शकरफ़रोशी (شکرفروشی) फ़ा. स्त्री.–शकर बेचने का काम; मीठी बातें करना।

शकरबार (شکربار) फ़ा. वि.–शकर बरसानेवाला अर्थात् बहुत मीठा; मिष्टभाषी, शीरींसुख़न।

शकरबारी (شکرباری) फ़ा. स्त्री.–शकर बरसाना; मीठी बातें करना।

शकरबूज़ः (شکربوزہ) फ़ा. पुं.–पिराक, गुझिया, मीठा समोसा।

शकररंग (شکررنگ) फ़ा. वि.–मुरझाए रंगवाला, पीला पड़ा हुआ; अप्रसन्न, नाराज़।

शकररंगी (شکررنگی) फ़ा. स्त्री.–अप्रसन्नता, नाराज़ी; वैमनस्य, मनमुटाव।

शकररंज (شکررنج) फ़ा. वि.–अप्रसन्न, नाराज़।

शकररंजी (شکررنجی) फ़ा. स्त्री.–अप्रसन्नता, नाराज़ी।

शकररेज़ (شکرریز) फ़ा. पुं.–न्योछावर, वह वस्तु जो व्याह के दिन दुल्हन और दूल्हा के सरपर से न्योछावर करते हैं; ख़ुशी का रोना।

शकररेज़ी (شکرریزی) फ़ा. स्त्री.–दूल्हा और दुल्हन पर न्योछावर करना, शकर बरसाना।

शकरलंग (شکرلنگ) फ़ा. वि.–हलकी लँगड़ाहट।

शकरलब (شکرلب) फ़ा. वि.–मीठे ओंठोंवाला; मिष्टभाषी; कटे होंठवाला।

शकरलबी (شکرلبی) फ़ा. स्त्री.–होठों की मिठास; बातों की मिठास; होंठ कटा होना।

शकरहर्फ़ (شکرحرف) फ़ा. अ. वि.–मिष्टभाषी, शीरींगुफ़्तार।

शकराब (شکرآب) फ़ा. स्त्री.–हलकी रंजिश, मनोमालिन्य, मनमुटाव।

शकरिस्तान (شکرستان) फ़ा. पुं.–गन्ने का खेत; शकर की फ़ैक्टरी, खंडसाल; जहाँ शकर बहुत हो।

शकरीं (شکریں) फ़ा. वि.–मीठा, मधुर; शकर-सम्बन्धी।

शकरी (شکری) फ़ा. वि.–शकर का, शकर-सम्बन्धी।

शकस्त (شکست) फ़ा. स्त्री.–दे. 'शिकस्त', वही उच्चारण शुद्ध है।

शक़ाइक़ (شقائق) अ. पुं.–गुलेलाला, अहिपुष्प; 'शक़ीक़:' का बहु., कनपटियाँ।

शक़ाक़ुल (شقاقل) अ. स्त्री.–एक गाँठ जो दवा में काम आती है, शक़ाक़ुल मिस्री।

शक़ावत (شقاوت) अ. स्त्री.–हृदय की कठोरता, निष्ठुरता, निर्दयता; भाग्य की विमुखता, बदक़िस्मती।

शक़ावते क़ल्बी (شقاوت قلبی) अ. स्त्री.–हृदय की निर्दयता, संगदिली।

शक़ावते बातिनी (شقاوت باطنی) अ. स्त्री.–दे. 'श. क़ल्बी'।
शक़िर (شقر) फा. पुं.–जंगली लाले का फूल।
शक़ी (شقی) अ. वि.–निष्ठुर, निर्दय, पाषाण हृदय, संगदिल; भाग्यहीन, अभागा।
शक़ीउत्तबअ (شقی الطبع) अ. वि.–दे. 'शक़ीउलक़ल्ब'।
शक़ीउलक़ल्ब (شقی القلب) अ. वि.–जिसका हृदय बहुत ही कठोर हो, पाषाण हृदय।
शक़ीउलबातिन (شقی الباطن) अ. वि.–दे. 'शक़ीउल क़ल्ब'।
शक़ीक़ः (شقیقہ) अ. पुं.–कनपटी, गंडस्थल; आधा सीसी का दर्द।
शक़ीक़ (شقیق) अ. पुं.–खंड, टुकड़ा; सगा भाई, सहोदर भ्राता।
शकीलः (شکیلہ) अ. स्त्री.–सुन्दरी, रूपवती, हसीना।
शकील (شکیل) अ. वि.–सुन्दर, रूपवान्, भद्रमुख, श्रीमुख, सुरूप, हसीन।
शक़ीस (شکیص) अ. वि.–साझीदार, भागीदार, शरीफ़; अच्छी चालवाला घोड़ा।
शक़ीह (شقیح) अ. वि.–निकृष्ट, कुरूप, भद्दा, बुरा।
शकूक (شکوک) अ. वि.–शक्की, शब्द करनेवाला, बहुत अधिक शक करनेवाला।
शकूर (شکور) अ. वि.–शुक्र करनेवाला, आभारी, कृतज्ञ; धन्यवाद देनेवाला, बधाई देनेवाला।
शक्कर (شکر) फा. स्त्री.–शकर, खंड शर्करा, चीनी।
शक्करअफ़शाँ (شکرافشاں) फा. वि.–मधुरभाषी, मिष्टवादी, शीरींसुख़न; शकर छिड़कनेवाला।
शक्करअफ़शानी (شکرافشانی) फा. स्त्री.–मीठी-मीठी बातें करना, मधुर भाषण।
शक्करवहाँ (شکردہاں) फा. वि.–मीठी-मीठी बातें करनेवाला, मिष्टभाषी।
शक्करवहानी (شکردہانی) फा. स्त्री.–मीठी-मीठी बातें करना, प्रिय बोलना।
शक्करफ़िशाँ (شکرفشاں) फा. वि.–'शक्करअफ़शाँ' का लघु., दे. 'श. अफ़शाँ'।
शक्करफ़िशानी (شکرفشانی) फा. स्त्री.–'शक्करअफ़शानी' का लघु., दे. 'श. अफ़शानी'।
शक्करमक़ाल (شکرمقال) फा. अ. वि.–मिष्टभाषी, मधुरवादी, शीरींगुफ़्तार।
शक्करमक़ाली (شکرمقالی) फा. अ. स्त्री.–मिष्ट भाषण, मीठी बातें करना, शीरींगुफ़्तारी।
शक्करशिकन (شکرشکن) फा. वि.–शक्कर चबानेवाला अर्थात् रस लेनेवाला, काव्य रसानुभव करनेवाला; मिष्टभाषी, शीरींगुफ़्तार।
शक्करशिकनी (شکرشکنی) फा. स्त्री.–शक्कर चबाना; रसानुभव करना; मीठी बातें करना।
शक्करसुख़न (شکرسخن) फा. वि.–मिष्टभाषी, मधुरभाषी, शीरींकलाम।
शक्करसुख़नी (شکرسخنی) फा. स्त्री.–मीठी बातें करना, शीरींकलामी।
शक्करिस्ताँ (شکرستاں) फा. पुं.–'शक्करिस्तान' का लघु., दे. 'शक्करिस्तान'।
शक्करिस्तान (شکرستان) फा. पुं.–जहाँ शकर बहुत हो; शकर का कारखाना, खंडसाल।
शक्करीं (شکریں) फा. वि.–शक्कर का; शक्कर सम्बन्धी; शक्कर का बना हुआ।
शक्करींगुफ़्तार (شکریں گفتار) फा. वि.–मिष्टभाषी, शीरींसुख़न।
शक्करींलब (شکریں لب) फा. वि.–मिष्टभाषी, शीरीं लब; मीठे अधरामृतवाली प्रेमिका।
शक्करीं ला'ल (شکریں لعل) फा. वि.–दे. 'शक्करींलब'।
शक्की (شکی) अ. वि.–जिसके मिज़ाज में शक बहुत हो, वह्मी, भ्रमी।
शक़्क़ुलक़मर (شق القمر) अ. पुं.–चाँद का दो टुकड़े हो जाना, हज़्रत मुहम्मद साहिब का इक मो'जिज़ः अपने चाँद के दो टुकड़े कर दिये थे।
शक्ल (شکل) अ.स्त्री.–आकृति, रूप, डील-डौल; मुखाकृति, मुखमंडल, चेहरा; आकार-प्रकार, वज़्अक़ता; दशा, अवस्था, परिस्थिति, हालत।
शक्लोशबाहत (شکل وشباهت) अ. स्त्री.–डील-डौल; आकार-प्रकार।
शक्लोशमाइल (شکل وشمائل) अ. स्त्री.–रूप और गुण, आकृति और स्वभाव।
शक्लोसूरत (شکل وصورت) अ. स्त्री.–दे. 'शक्लोशबाहत'।
शक्वः (شکوہ) अ. पुं.–दे. शुद्ध रूप 'शक्वा', परन्तु उर्दू में 'शक्वः' भी बोलते हैं।
शक्वाएजौर (شکوۂ جور) अ. पुं.–अनीति और अत्याचार की शिकायत।
शक्वा (شکوا) अ. पुं.–उपालंभ, उलाहना; परिवाद, अनुयोग, शिकायत।
शक्वागुज़ार (شکواگزار) अ. फा. वि.–शिकायत करनेवाला; उलाहना देनेवाला।
शक्वातराज़ (شکواطراز) अ. फा. वि.–दे. 'शक्वागुज़ार'।

शक [श्क] (شک) अ. पुं.—शंका, आशंका, संदेह, शुब्हा; भ्रम, भ्रांति, वह्म।

शक़ [श्क़] (شق) अ. पुं.—फटना, विदारण; फटा हुआ, विदीर्ण।

शकआफ़्रीं (شق آفریں) अ. फा. वि.—शक पैदा करनेवाला, शंकाजनक।

शकर (شکر) फा. स्त्री.—खाँड, शर्करा, चीनी।

शकरआब (شکرآب) फा. स्त्री.—दे. 'शकराब'।

शकरक़ंद (شکرقند) फा. स्त्री.—एक प्रसिद्ध कंद, शकरकंदी।

शकर खंदः (شکرخندہ) फा. पुं.—दे. 'शकर खंद'।

शकरख़ंदः (شکرخند) फा. पुं.—मीठी हँसी, मुस्कुराहट।

शकरख़श (شکرخش) फा. पुं.—नमूना, बानगी, निदर्शन।

शकरख़ा (شکرخا) फा. वि.—शकर चबानेवाला, मधुरभाषी, मिष्टवादी।

शकरख़ोर (شکرخور) फा. वि.—शकर खानेवाला।

शकरख़्वाब (شکرخواب) फा. पुं.—मीठी नींद, सुषुप्ति; सवेरे की नींद।

शकरख़्वारः (شکرخوارہ) फा. वि.—शकर खानेवाला; रस लेनेवाला, आनंदग्राही।

शकरगुफ़्तार (شکرگفتار) फा. वि.—मीठी बातें करनेवाला, मधुरभाषी, शीरींज़बाँ।

शकरगुफ़्तारी (شکرگفتاری) फा. स्त्री.—मीठी मीठी बातें करना, शीरींज़बानी।

शकरचश (شکرچش) फा. पुं.—शकर खानेवाला; नमूना, बानगी; रस लेनेवाला।

शकरज़ार (شکرزار) फा. पुं.—जहाँ शकर ही शकर हो, जहाँ मिठास बहुत हो।

शकरतरी (شکرتری) फा. स्त्री.—सफ़ेद शकर, चीनी, दाना।

शकरदान (شکردان) फा. पुं.—शकर रखने का बरतन, खंडपात्र।

शकरपा (شکرپا) फा. वि.—लँगड़ा, जिसके एक पाँव टेढ़ हो, पंगु।

शकरपारः (شکرپارہ) फा. पुं.—एक प्रकार की मिठाई; सुंदर अदाओंवाली प्रेमिका।

शकरपूरः (شکرپورہ) फा. पुं.—मीठा समोसा, गुझिया, पिराक।

शकरपेच (شکرپیچ) फा. पुं.—मिठाई पर लिपटा हुआ कागज; शकर बाँधने की पुड़िया।

शकरफ़रोश (شکرفروش) फा. वि.—शकर बेचनेवाला; मधुरभाषी, शीरीगुफ़्तार।

शकरफ़रोशी (شکرفروشی) फा. स्त्री.—शकर बेचने का काम; मीठी बातें करना।

शकरबार (شکربار) फा. वि.—शकर बरसानेवाला अर्थात् बहुत मीठा; मिष्टभाषी, शीरींसुख़न।

शकरबारी (شکرباری) फा. स्त्री.—शकर बरसाना; मीठी बातें करना।

शकरबूज़ः (شکربوزہ) फा. पुं.—पिराक, गुझिया, मीठा समोसा।

शकररंग (شکررنگ) फा. वि.—मुरझाए रंगवाला, पीला पड़ा हुआ; अप्रसन्न, नाराज़।

शकररंगी (شکررنگی) फा. स्त्री.—अप्रसन्नता, नाराज़ी; वैमनस्य, मनमुटाव।

शकररंज (شکررنج) फा. वि.—अप्रसन्न, नाराज़।

शकररंजी (شکررنجی) फा. स्त्री.—अप्रसन्नता, नाराज़ी।

शकररेज़ (شکرریز) फा. पुं.—न्योछावर, वह वस्तु जो व्याह के दिन दुल्हन और दूल्हा के सरपर से न्योछावर करते हैं; ख़ुशी का रोना।

शकररेज़ी (شکرریزی) फा. स्त्री.—दूल्हा और दुल्हन पर न्योछावर करना, शकर बरसाना।

शकरलंग (شکرلنگ) फा. वि.—हलकी लँगड़ाहट।

शकरलब (شکرلب) फा. वि.—मीठे ओंठोंवाला; मिष्टभाषी; कटे होंठवाला।

शकरलबी (شکرلبی) फा. स्त्री.—होंठों की मिठास; बातों की मिठास; होंठ कटा होना।

शकरहर्फ़ (شکرحرف) फा. अ. वि.—मिष्टभाषी, शीरींगुफ़्तार।

शकराब (شکرآب) फा. स्त्री.—हलकी रंजिश, मनोमालिन्य, मनमुटाव।

शकरिस्तान (شکرستان) फा. पुं.—गन्ने का खेत; शकर की फ़ैक्टरी, खंडसाल; जहाँ शकर बहुत हो।

शकरीं (شکریں) फा. वि.—मीठा, मधुर; शकर-सम्बन्धी।

शकरी (شکری) फा. वि.—शकर का, शकर-सम्बन्धी।

शकस्त (شکست) फा. स्त्री.—दे. 'शिकस्त', वही उच्चारण शुद्ध है।

शक़ाइक़ (شقائق) अ. पुं.—गुलेलाला, अहिपुष्प; 'शक़ीक़ः' का बहु., कनपटियाँ।

शक़ाक़ुल (شقاقل) अ. स्त्री.—एक गाँठ जो दवा में काम आती है, शक़ाक़ुल मिस्री।

शक़ावत (شقاوت) अ. स्त्री.—हृदय की कठोरता, निष्ठुरता, निर्दयता; भाग्य की विमुखता, बदक़िस्मती।

शक़ावते क़ल्बी (شقاوت قلبی) अ. स्त्री.—हृदय की निर्दयता, संगदिली।

शक़ावते बातिनी (شقاوت باطنی) अ. स्त्री.–दे. 'श. क़ल्बी'।

शक़िर (شقر) फा. पुं.–जंगली लाले का फूल।

शक़ी (شقی) अ. वि.–निष्ठुर, निर्दय, पाषाण हृदय, संगदिल; भाग्यहीन, अभागा।

शक़ीउत्तबअ (شقی الطبع) अ. वि.–दे. 'शक़ीउलक़ल्ब'।

शक़ीउलक़ल्ब (شقی القلب) अ. वि.–जिसका हृदय बहुत ही कठोर हो, पाषाण हृदय।

शक़ीउलबातिन (شقی الباطن) अ. वि.–दे. 'शक़ीउल क़ल्ब'।

शक़ीक़ः (شقیقہ) अ. पुं.–कनपटी, गंडस्थल; आधा सीसी का दर्द।

शक़ीक़ (شقیق) अ. पुं.–खंड, टुकड़ा; सगा भाई, सहोदर भ्राता।

शकीलः (شکیلہ) अ. स्त्री.–सुन्दरी, रूपवती, हसीना।

शकील (شکیل) अ. वि.–सुन्दर, रूपवान्, भद्रमुख, श्रीमुख, सुरूप, हसीन।

शक़ीस (شکیص) अ. वि.–साझीदार, भागीदार, शरीफ़; अच्छी चालवाला घोड़ा।

शक़ीह (شقیح) अ. वि.–निकृष्ट, कुरूप, भद्दा, बुरा।

शकूक (شکوک) अ. वि.–शक्की, शब्द करनेवाला, बहुत अधिक शक करनेवाला।

शकूर (شکور) अ. वि.–शुक्र करनेवाला, आभारी, कृतज्ञ; धन्यवाद देनेवाला, बधाई देनेवाला।

शक्कर (شکر) फा. स्त्री.–शकर, खंड शर्करा, चीनी।

शक्करअफ़्शाँ (شکرافشاں) फा. वि.–मधुरभाषी, मिष्टवादी, शीरींसुख़न; शकर छिड़कनेवाला।

शक्करअफ़्शानी (شکرافشانی) फा. स्त्री.–मीठी-मीठी बातें करना, मधुर भाषण।

शक्करदहाँ (شکردهاں) फा. वि.–मीठी-मीठी बातें करनेवाला, मिष्टभाषी।

शक्करदहानी (شکردهانی) फा. स्त्री.–मीठी-मीठी बातें करना, प्रिय बोलना।

शक्करफ़िशाँ (شکرفشاں) फा. वि.–'शक्करअफ़्शाँ' का लघु., दे. 'श. अफ़्शाँ'।

शक्करफ़िशानी (شکرفشانی) फा. स्त्री.–'शक्करअफ़्शानी' का लघु., दे. 'श. अफ़्शानी'।

शक्करमक़ाल (شکرمقال) फा. अ. वि.–मिष्टभाषी, मधुरवादी, शीरींगुफ़्तार।

शक्करमक़ाली (شکرمقالی) फा. अ. स्त्री.–मिष्ट भाषण, मीठी बातें करना, शीरींगुफ़्तारी।

शक्करशिकन (شکرشکن) फा. वि.–शक्कर चबानेवाला अर्थात् रस लेनेवाला, काव्य रसानुभव करनेवाला; मिष्टभाषी, शीरींगुफ़्तार।

शक्करशिकनी (شکرشکنی) फा. स्त्री.–शक्कर चबाना; रसानुभव करना; मीठी बातें करना।

शक्करसुख़न (شکرسخن) फा. वि.–मिष्टभाषी, मधुरभाषी, शीरींकलाम।

शक्करसुख़नी (شکرسخنی) फा. स्त्री.–मीठी बातें करना, शीरींकलामी।

शक्करिस्ताँ (شکرستاں) फा. पुं.–'शक्करिस्तान' का लघु., दे. 'शक्करिस्तान'।

शक्करिस्तान (شکرستان) फा. पुं.–जहाँ शकर बहुत हो; शकर का कारख़ाना, खंडसाल।

शक्करीं (شکریں) फा. वि.–शक्कर का; शक्कर सम्बन्धी; शक्कर का बना हुआ।

शक्करींगुफ़्तार (شکریں گفتار) फा. वि.–मिष्टभाषी, शीरींसुख़न।

शक्करींलब (شکریں لب) फा. वि.–मिष्टभाषी, शीरीं लब; मीठे अधरामृतवाली प्रेमिका।

शक्करीं ला'ल (شکریں لعل) फा. वि.–दे. 'शक्करींलब'।

शक्की (شکی) अ. वि.–जिसके मिज़ाज में शक बहुत हो, वह्मी, भ्रमी।

शक़्क़ुलक़मर (شق القمر) अ. पुं.–चाँद का दो टुकड़े हो जाना, हज्रत मुहम्मद साहिब का इक मो'जिज़ः अपने चाँद के दो टुकड़े कर दिये थे।

शक्ल (شکل) अ. स्त्री.–आकृति, रूप, डील-डौल; मुखाकृति, मुखमंडल, चेहरा; आकार-प्रकार, वज़ाक़ता; दशा, अवस्था, परिस्थिति, हालत।

शक्लोशबाहत (شکل و شباهت) अ. स्त्री.–डील-डौल; आकार-प्रकार।

शक्लोशमाइल (شکل و شمائل) अ. स्त्री.–रूप और गुण, आकृति और स्वभाव।

शक्लोसूरत (شکل و صورت) अ. स्त्री.–दे. 'शक्लोशबाहत'।

शक्वः (شکوہ) अ. पुं.–दे. शुद्ध रूप 'शक्वा', परन्तु उर्दू में 'शक्वः' भी बोलते हैं।

शक्वाएजौर (شکوۂ جور) अ. पुं.–अनीति और अत्याचार की शिकायत।

शक्वा (شکوا) अ. पुं.–उपालंभ, उलाहना; परिवाद, अनुयोग, शिकायत।

शक्वागुज़ार (شکواگزار) अ. फा. वि.–शिकायत करनेवाला; उलाहना देनेवाला।

शक्वातराज़ (شکواطراز) अ. फा. वि.–दे. 'शक्वागुज़ार'।

शक्वापर्वर (شکوه‌پرور) अ. वि.—दे. 'शक्वागुज़ार'।

शक्वासंज (شکوه‌سنج) अ. फ़ा. वि.—दे. 'शक्वागुज़ार'।

शख़ (شخ) फ़ा. वि.—पुष्ट, दृढ़, मज़बूत, (पुं.); पहाड़; धरती; पहाड़ का दामन, (स्त्री.) 'शाख़' का लघु., डाली, शाखा।

शख़कमाँ (شخ‌کماں) फ़ा. वि.—शक्तिशाली, ज़ोरावर; जिसका धनुष दूसरा न चला सके।

शख़ालीदः (شخالیده) फ़ा. वि.—छीला हुआ, खरोंचा हुआ; चुभाया हुआ।

शख़ीदः (شخیده) फ़ा. वि.—फिसला हुआ, रपटा हुआ।

शख़ूदः (شخوده) फ़ा. वि.—नख से खरोंचा हुआ; नख द्वारा घाव किया हुआ।

शख़्स (شخص) अ. पुं.—व्यक्ति, फ़र्द; मनुष्य, आदमी।

शख़्सी (شخصی) अ. वि.—व्यक्तिगत, ज़ाती, इन्फ़िरादी।

शख़्सेग़ैर (شخص غیر) अ. पुं.—अन्य पुरुष, दूसरा व्यक्ति; असंबद्ध, ग़ैर मुतअल्लिक़; अपरिचित; अस्वजन।

शख़्सेवाहिद (شخص واحد) अ. पुं.—एक आदमी, एकाकी, अकेला मनुष्य।

शग़ (شغ) फ़ा. पुं.—जानवर का सींग जो बीच से ख़ाली हो।

शग़फ़ (شغف) अ. पुं.—रुचि, दिलचस्पी; तल्लीनता, इन्हिमाक।

शग़ब (شغب) अ. पुं.—कोलाहल, शोरगुल।

शग़र (شگر) फ़ा. पुं.—काली भिड़, जिसका विष तेज़ होता है।

शग़ल (شغل) अ. पुं.—दे. 'शग़्ल' या 'शुग़्ल' सब शुद्ध हैं परंतु 'शग़्ल' और 'शुग़्ल' व्यवहृत हैं।

शग़ाद (شغاد) फ़ा. पुं.—'रुस्तम' का भाई, जिसने उसे धोखे से कुएँ में गिराकर मारा था।

शग़ाफ़ (شغاف) अ. पुं.—हृदय के ऊपर की झिल्ली; हृदय का काला तिल।

शग़ाल (شغال) फ़ा. पुं.—शृगाल, सियार, गीदड़।

शग़ालतबअ़ (شغال طبع) फ़ा. अ. वि.—दे. 'शग़ालतीनत'।

शग़ालतीनत (شغال طینت) फ़ा. अ. वि.—धूर्त, वंचक, ठग, मक्कार, छली।

शग़ालफ़ित्रत (شغال فطرت) फ़ा. अ. वि.—दे. 'शग़ालतीनत'।

शग़बः (شغبه) अ. पुं.—शरीर की वह खाल जो अधिक करने से खुरदरी, काली और मोटी पड़ जाय, (वि.) अपमानित, तिरस्कृत, ज़लील।

शग़्ल (شغل) अ. पुं.—कार्य, काम; धंधा, उद्यम; जीव बहलाने का काम, मश्ग़ला।

शग़्लेमै (شغل مے) अ. फ़ा. पुं.—शराब पीने का मश्ग़लः, मद्यपान।

शजअः (شجعه) अ. पुं.—'शजाअ' का बहु., वीर लोग, बहादुर लोग।

शजन (شجن) अ. पुं.—शोक, दुःख, रंज; आवश्यकता, ज़रूरत; इच्छा, चाह, दे. 'शज्न', दोनों शुद्ध हैं।

शजर (شجر) अ. पुं.—पेड़, वृक्ष, विटप, द्रुम, दरख़्त।

शजरी (شجری) अ. वि.—पेड़ के आकार का; पेड़वाला; पेड़ सम्बन्धी।

शजरे कलीम (شجر کلیم) अ. पुं.—वह पेड़ जिस पर हज़रत मूसा को ईश्वर का प्रकाश दिखाई पड़ा था।

शजरे तूर (شجر طور) अ. पुं.—दे. 'शजरे कलीम'।

शजरे मम्नूअः (شجر ممنوع) अ. पुं.—गेहूँ का पेड़, जिसे ईश्वर ने आदम के लिए निषिद्ध कर दिया था; ऐसी चीज़ जिसके पास जाना बुरा हो।

शजाअ (شجاع) अ. वि.—वीर, बहादुर, दे. 'शुजाअ' और 'शिजाअ', तीनों उच्चारण शुद्ध हैं; परंतु 'शुजाअ' अधिक व्यवहृत है।

शजाअत (شجاعت) अ. स्त्री.—शूरता, वीरता, बहादुरी; रणकौशल, जंग आज़मूदगी।

शज़ाया (شظایا) अ. पुं.—'शज़ीयः' का बहु., दंदाने; टुकड़े; रेशे।

शजीअ (شجیع) अ. वि.—शूर, वीर, बहादुर।

शज़ीयः (شظیه) अ. पुं.—दंदाना; टुकड़ा; रेशा।

शज्न (شجن) अ. पुं.—दे. 'शजन', दोनों शुद्ध हैं।

शज्रः (شجره) अ. पुं.—वंशवृक्ष, वंशावली, नसबनामा।

शत्ता (شتی) अ. स्त्री.—बहुतात, अधिकता, 'शतीत' का बहु., तितर-बितर चीज़ें।

शत्ताह (شطاح) अ. वि.—धर्म-विरुद्ध बातें कहनेवाला।

शत्म (شتم) अ. पुं.—अपशब्द, गाली-गलौज, बुरा-भला कहना।

शत्रंज (شطرنج) फ़ा. स्त्री.—एक प्रसिद्ध खेल, जो भारतवर्ष का प्राचीन आविष्कार है और जिससे अच्छा कोई खेल आज तक संसार में नहीं हो सका, न उसका खेलनेवाला यह दावा कर सकता है कि वह सबसे अच्छा खेलता है।

शत्रंजबाज़ (شطرنج باز) फ़ा. वि.—शत्रंज खेलनेवाला; शत्रंज का धनी; शत्रंज का अच्छा खिलाड़ी।

शत्रंजी (شطرنجی) फ़ा. स्त्री.—शत्रंज की बसात के खानों की तरह का बुना हुआ कपड़े का फ़र्श (वि.) शत्रंजबाज़।

शतहीयात (شطحیات) फ़ा. स्त्री.—'शतहीयः' का बहु.; धर्म-विरुद्ध बातें; अनर्गल और व्यर्थ की बातें, जल्प।

शद [-द्द] (شد) अ. पुं.—दृढ़ करना, मज़बूत करना; स्वर का ऊँचा करना; स्वर का उतार-चढ़ाव।

शदाइद (شدائد) अ. पुं.—'शदीदः' का बहु., कठिनाइयाँ, बाधाएँ, अड़चनें, रुकावटें; आपत्तियाँ, मुसीबतें।

शदीदः (شدیدہ) अ. स्त्री.—कठिन, दुष्कर, मुश्किल; आपत्ति, विपदा, मुसीबत।

शदीद (شدید) अ. वि.—प्रचंड, तीव्र, तेज़; दुष्कर; कठिन; सख़्ती करनेवाला।

शदीदुलअदावत (شدیدالعداوت) अ. वि.—जो किसी से बहुत अधिक शत्रुता रखे, बद्ध वैर।

शदीदुलअमल (شدیدالعمل) अ. वि.—जो करने में कठिन हो, दुःसाध्य, दुष्कर।

शदीदुलक़ुव्वत (شدیدالقوت) अ. वि.—शक्तिशाली, महाबल, ज़ोरावर।

शद्दः (شدہ) अ. पुं.—झंडा, पताका, अलम; मुहर्रम में उठनेवाला अलम।

शद्दाद (شداد) अ. पुं.—बहुत अधिक अत्याचार करनेवाला; एक प्राचीन बादशाह जो अपने को ईश्वर कहलवाता था, उसने एक कृत्रिम स्वर्ग बनवाया था, परंतु उसमें प्रवेश करते समय घोड़े से गिरकर मर गया।

शद्दे मुख़ालिफ़ (شد مخالف) अ. पुं.—ललकार, चुनौती, शत्रु को मुक़ाबले पर आने के लिए ज़ोर से पुकारना।

शद्दुरिहाल (شدرحال) अ. पुं.—यात्रा, सफ़र, लंबा सफ़र।

शद्दोमद (شدومد) अ. पुं.—ज़ोर शोर, धूमधाम।

शनवा (شنوا) फ़ा. वि.—सुननेवाला।

शनाअत (شناعت) अ. स्त्री.—बुराई, बदी, निकृष्टता।

शनाए' (شنائع) अ. पुं.—'शनीअः' का बहु., बुराइयाँ।

शनाख़्तः (شناختہ) फ़ा. वि.—पहचाना हुआ, जाना हुआ।

शनाख़्त (شناخت) फ़ा. स्त्री.—पहचान; पहचानने का चिह्न, निशानी; लक्षण, अलामत।

शनाख़्तकुनिंदः (شناخت کنندہ) फ़ा. वि.—पहचाननेवाला।

शनात (شنات) अ. पुं.—'शानी' का बहु., शत्रुगण, दुश्मन लोग, बैरी जन।

शनास (شناس) फ़ा. प्रत्य.—पहचाननेवाला, जैसे—'मर्दुमशनास'।

शनासा (شناسا) फ़ा. वि.—पहचाननेवाला, जानकार; परिचित, वाक़िफ़।

शनासाई (شناسائی) फ़ा. स्त्री.—जान-पहचान, तआरुफ़, परिचय।

शनासिंदः (شناسندہ) फ़ा. वि.—पहचाननेवाला, जानकार।

शनासीदः (شناسیدہ) फ़ा. वि.—पहचाना हुआ, जाना हुआ, परिचित।

शनासीदनी (شناسیدنی) फ़ा. वि.—पहचानने योग्य, जिसको पहचानना ज़ुरूरी हो।

शनीअः (شنیعہ) अ. स्त्री.—बुरी, ख़राब।

शनीअ (شنیع) अ. वि.—बुरा, ख़राब, निकृष्ट।

शनीदः (شنیدہ) फ़ा. वि.—सुना हुआ, श्रुत।

शनीद (شنید) फ़ा. स्त्री.—सुनवाई, समाअत।

शनीदनी (شنیدنی) फ़ा. वि.—सुनने के क़ाबिल; दिलचस्प, सुनने में मज़ेदार।

शपुश (شپش) फ़ा. स्त्री.—कपड़े और सर में पड़नेवाला छोटा कीड़ा, जूँ, स्वेदज, लोमयूक, दे. 'शुपुश' और 'शिपिश'।

शप्परः (شپرہ) फ़ा. पुं.—चमगादड़, वातुलि, जतुका, अजिनपत्र।

शप्परःचश्म (شپرہ چشم) फ़ा. वि.—जिसे चमगादड़ की तरह दिन में न दिखाई दे।

शप्पर (شپر) फ़ा. पुं.—दे. 'शप्परः' दोनों शुद्ध हैं।

शप्लक़ (شپلق) तु. पुं.—तमाँचा, चाँटा, थप्पड़।

शप्लिंदः (شپلندہ) फ़ा. वि.—निचोड़नेवाला।

शप्लीदः (شپلیدہ) फ़ा. वि.—निचोड़ा हुआ।

शफ़क़ (شفق) अ. स्त्री.—ऊषा, उषा, सवेरे या शाम की लालिमा जो क्षितिज पर होती है।

शफ़क़गूँ (شفق گوں) अ. फ़ा. वि.—शफ़क़-जैसे रंग का, उषा वर्ण।

शफ़क़ज़ार (شفق زار) अ. फ़ा. पुं.—जहाँ शफ़क़ बहुत हो।

शफ़क़त (شفقت) अ. स्त्री.—कृपा, दया, मेहरबानी; सहानुभूति, हमदर्दी; बड़ों की ओर से छोटों पर दया दृष्टि, ममता, आत्मीयता।

शफ़क़ी (شفقی) अ. वि.—शफ़क़ का, शफ़क़ के रंग का; ऊषा-सम्बन्धी।

शफ़त (شفت) अ. पुं.—अधर, ओष्ठ, होंठ, लब।

शफ़तैन (شفتین) अ. वि.—दोनों होंठ।

शफ़वी (شفوی) अ. वि.—होंठवाला; होंठ के सहारे उच्चरित होनेवाला अक्षर।

शफ़ह (شفہ) अ. पुं.—होंठ, अधर, ओष्ठ।

शफ़ही (شفہی) अ. वि.—होंठवाला; होंठ द्वारा उच्चरित अक्षर।

शफ़ा (شفا) अ. पुं.—तट, कूल, किनारा; हर चीज़ का किनारा; जीवन का अंतिम भाग।

शफ़ाअत (شفاعت) अ. स्त्री.—अभिस्ताव, सुफ़ारिश; ईश्वर से अपने अनुयायियों के मोक्ष की सुफ़ारिश।

शफ़ाअतगर (شفاعت‌گر) अ. फा. वि.—क़ियामत में अपने अनुयायियों के मोक्ष की सुफ़ारिश करनेवाला पैग़ंबर।

शफ़ाअतफ़र्मा (شفاعت‌فرما) अ.फा.वि.—दे. 'शफ़ाअतगर'।

शफ़ाजुफ़ (شفاجرف) अ.पुं.—नदी आदि का तट, किनारा।

शफ़ीअ (شفیع) अ. वि.—सुफ़ारिशी; क़ियामत के दिन मोक्ष दिलानेवाला; शुफ़ा का दावा करनेवाला।

शफ़ीए ख़लीत (شفیع خلیط) अ. पुं.—साझे की ज़मीन पर शुफ़ा का दावा करनेवाला।

शफ़ीए जार (شفیع جار) अ. पुं.—पड़ोस की ज़मीन या मकान पर शुफ़ा' करनेवाला।

शफ़ीक़ (شفیق) अ. वि.—कृपालु, दयालु, मेहरबान; मित्र, सखा, दोस्त।

शफ़्क़त (شفقت) अ. स्त्री.—दे. 'शफ़क़त', उर्दू में दोनों प्रकार से बोलते हैं, बल्कि अधिक यही बोलते हैं।

शफ़्तालू (شفتالو) फा. पुं.—एक फल, आड़ू।

शफ़्फ़ाफ़ (شفاف) अ. वि.—स्वच्छ, उज्ज्वल, चमकदार; निर्मल, शुद्ध, साफ़; क़लई किया हुआ।

शफ़्फ़ाफ़ी (شفافی) अ. स्त्री.—स्वच्छता; निर्मलता; क़लई की चमक।

शबः (شبہ) फा. पुं.—छोटे-छोटे मोती, पोत, पोता।

शब (شب) फा. स्त्री.—निशा, रजनी, यामिनी, शर्वरी, तमस्विनी, विभावरी, यामिका, रात्रि, रात।

शब [ब्ब] (شب) अ. स्त्री.—फटकरी, फटिकर; (वि.) युद्ध लड़ाई; तारुण्य, जवानी; उच्चता; आग जलाना।

शब अंदर रोज़ (شب‌اندروز) फा. पुं.—एक कपड़ा।

शबअफ़्रोज़ (شب‌افروز) फा. पुं.—वह ज़रबफ़्त जिसकी ज़मीन रुपहली हो।

शबआहंग (شب‌آهنگ) फा. पुं.—दे. 'शबाहंग', वही उच्चारण शुद्धतम है, अशुद्ध यह भी नहीं है।

शबकः (شبکہ) अ.पुं.—जाल, पाश, बंधन; दीवार की जाली, लोहे आदि की जाली जो मकान में लगायी जाती है।

शबक (شبک) अ. पुं.—दे. 'शबकः'।

शबकात (شبکات) अ. पुं.—'शबकः' का बहु., जाल और बंधन; मकान की जालियाँ।

शबकोर (شبکور) फा. वि.—जिसे रतौंधी आती हो, रतौंधी का रोगी, निशांध, रात्र्यन्ध।

शबकोरी (شبکوری) फा. स्त्री.—रात में न दिखाई पड़ने का रोग, तिमि।

शबख़ूँ (شب‌خوں) फा.पुं.—'शबख़ून' का लघु., दे. 'शबख़ून'।

शबख़ून (شب‌خون) फा. पुं.—सेना का रात के अँधेरे में शत्रु के दल पर अचानक आक्रमण।

शबख़ेज़ (شب‌خیز) फा. वि.—रात रहे जाग जानेवाला; रात्रि में उठकर जप-तप करनेवाला।

शबख़ेज़ी (شب‌خیزی) फा. स्त्री.—रात रहे जागना; रात में उठना; रात में जप-तप करना।

शबख़्वाँ (شب‌خواں) फा. पुं.—बुलबुल, एक प्रसिद्ध गानेवाली चिड़िया।

शबख़्वाबी (شب‌خوابی) फा. स्त्री.—रात में सोते समय पहनने के वस्त्र।

शबगज़ (شب‌گز) फा. स्त्री.—थोड़ी देर की व्यथा, क्षणिक कष्ट।

शबगर्द (شب‌گرد) फा. वि.—रात में फिरकर पहरा देनेवाला; कोतवाल, थानेदार।

शबगर्दी (شب‌گردی) फा. स्त्री.—रात में पहरा देना; रात में फिरना।

शबगश्त (شب‌گشت) फा. वि.—दे. 'शबगर्द'।

शबगाह (شب‌گاه) फा. स्त्री.—रात का समय; रात के समय।

शबगीर (شب‌گیر) फा. वि.—पिछली रात को उठनेवाला या जप-तप करनेवाला; पिछली रात; आधी रात के बाद का समय।

शबगूँ (شب‌گوں) फा. वि.—काले रंग का, कृष्ण वर्ण।

शबगूनी (شب‌گونی) फा. स्त्री.—काले रंग का होना, कालापन।

शबचिराग़ (شب‌چراغ) फा. पुं.—एक बहुमूल्य रत्न जो रात में दीपक की तरह प्रकाश देता है, (वि.) रात्रि-दीपक, रात का चिराग़ अर्थात् चंद्रमा।

शबज़िंदःदार (شب‌زنده‌دار) फा. वि.—रात भर जागने और जप-तप करनेवाला।

शबज़िंदःदारी (شب‌زنده‌داری) फा. स्त्री.—रातभर जाग कर जप-तप और इबादत।

शबताज़ (شب‌تاز) फा. वि.—रात में आक्रमण करनेवाला, रात के अँधेरे में छापा मारनेवाला।

शबताज़ी (شب‌تازی) फा. स्त्री.—रात्रि में जब शत्रु ग़ाफ़िल हो उस पर अचानक आक्रमण।

शबताब (شب‌تاب) फा. वि.—रात को चमकानेवाला; रात को प्रकाशित करनेवाला; चंद्रमा, चाँद।

शबताबी (شب‌تابی) फा. स्त्री.—रात को चमकाना; रात्रि को चमकदार बनाना।

शबदेग (شب‌دیگ) फा. स्त्री.—वह हांडी जो रात भर पकायी जाय।

शबदेज़ (شبدیز) फा. पुं.—मुश्की घोड़ा।

शबनम (شبنم) फा. स्त्री.—ओस, आकाश-जल।

शबनमी (شبنمی) फा. स्त्री.—ओस से बचाव के लिए तानां जानेवाला कपड़ा; मच्छरदानी।

शबनशीं (شب‌نشیں) फा.वि.—रात-रात भर सभाओं और जलसों में बैठनेवाला; रात-रात भर जलसों में बैठना।

शबपरः (شب‌پره) फा. पुं.—चमगादड़, चर्मचटक।

शबपोश (شب‌پوش) फा. पुं.—रात्रि में पहनने के कपड़े।

शबबख़ैर (شب‌بخیر) फा. अ.वि.—एक वाक्य, जो रात में दो मित्र परस्पर विदा होते समय कहते हैं, अर्थ यह है कि आप की रात सुख और शांति से बीते।

शबबरात (شب‌برات) फा. अ. स्त्री.—मुसलमानों का एक त्योहार, शबरात।

शबबाश (شب‌باش) फा. वि.—रात में ठहरनेवाला; सहवास करनेवाला।

शबबाशी (شب‌باشی) फा. स्त्री.—रात भर के लिए कहीं ठहरना; स्त्रीप्रसंग करना।

शबबू (شبو) फा. पुं.—एक फूल जो रात में खिलता और महकता है।

शबबेदार (شب‌بیدار) फा. वि.—रात भर जागकर जप-तप करनेवाला; रात भर जागनेवाला।

शबबेदारी (شب‌بیداری) फा. स्त्री.—रात भर जागना; रात भर जागकर तपस्या करना।

शबबो (شب‌بو) फा. पुं.—दे. 'शबबू'।

शबम (شبم) अ.पुं.—जाड़ा, शीत, ठंड; शरद् ऋतु, सर्मा।

शबमांदः (شب‌مانده) फा. वि.—रात गुज़रा हुआ, रात का रखा हुआ, बासी।

शबमुर्दः (شب‌مرده) फा. वि.—रात-रात भर सोनेवाला, सारी रात सोनेवाला।

शबमुर्दगां (شب‌مردگاں) फा. पुं.—'शबमुर्दः' का बहु., सारी रात सोनेवाले।

शबयार (شبیار) फा. पुं.—एक दवा, एलुआ, जो रात में पेट साफ़ करने के लिए खायी जाती है।

शबरंग (شب‌رنگ) फा. वि.—काले रंग का, कृष्ण वर्ण।

शबरवी (شب‌روی) फा. स्त्री.—रात में घूमना-फिरना; रात में यात्रा करना; चोरी, तस्करता।

शबरां (شب‌راں) फा. वि.—दे. 'शबताज'।

शबरौ (شب‌رو) फा. वि.—रात में घूमने-फिरने या यात्रा करनेवाला; रात में जप-तप करनेवाला; चोर, तस्कर।

शबह (شبه) अ. पुं.—एक धातु, पीतल।

शबह (شبح) अ. पुं.—शरीर, काय, देह, जिस्म।

शबां (شباں) फा. पुं.—'शबान' का लघु., दे. 'शबान'।

शबांगाह (شبانگاه) फा. स्त्री.—संध्या समय, सायंकाल, शाम।

शबानः (شبانه) फा. वि.—रात का, रातवाला; रात से सम्बन्धित; बासी, पर्युषित।

शबानःरोज़ (شبانه‌روز) फा. वि.—रातदिन, अहर्निश, शबो-रोज़।

शबान (شبان) फा. पुं.—चरवाहा, ढोर चरानेवाला, चौपिया।

शबानी (شبانی) फा. स्त्री.—जंगल में चौपायों की देखभाल, चरवाही।

शबाब (شباب) फा. पुं.—तारुण्य, युवावस्था, जवानी; किसी चीज़ की अन्तत और उत्तम अवस्था।

शबाब आवर (شباب‌آور) अ..फा. वि.—फिर से जवान बना देनेवाला।

शबारोज़ (شباروز) फा. वि.—अहर्निश, रात-दिन, सदा, शबोरोज़।

शबाशब (شباشب) फा. वि.—रातोंरात, रात ही रात में, एक ही रात में।

शबाहंग (شب‌آهنگ) फा. पुं.—बुल्बुल, गोवत्सक; एक उज्ज्वल तारा जो शाम को चमकता है।

शबाहत (شباهت) अ. स्त्री.—आकृति, शक्ल; सदृशता, समता, यकसानियत; एकरूपता, हमशक्ली।

शबित (شبت) अ. पुं.—सोया, एक शाक, दे. 'शिबित', दोनों शुद्ध हैं।

शबिस्तां (شبستاں) फा. पुं.—रात में रहने का स्थान; शयनागार, ख्वाबगाह।

शबीनः (شبینه) फा. वि.—रात की बची हुई वस्तु, बासी, पर्युषित; रात का, रात्रीय; रमज़ान के महीने में क़ुरान का वह पाठ जो एक रात में ख़त्म हो जाता है।

शबीह (شبیه) फा. स्त्री.—चित्र, तस्वीर; छायाचित्र, फोटो; सदृश, समान, मिस्ल।

शबे आशूरः (شب عاشوره) फा. अ. स्त्री.—मुहर्रम के महीने की दसवीं तारीख़ की रात।

शबे क़द्र (شب قدر) फा. अ. स्त्री.—रजब के महीने की २७वीं तारीख़, शबे मे'राज, इस रात की इबादत का बड़ा पुण्य है।

शबे चक (شب‌چک) फा. स्त्री.—दे. 'शबे बरात'।

शबे जवानी (شب‌جوانی) फा. स्त्री.—रात्रि रूपी तारुण्य; युवावस्था का उन्माद।

शबे ज़िफ़ाफ़ (شب‌زفاف) फा. अ. स्त्री.—दुल्हन की दूल्हा के पास जाने की पहली रात, सुहागरात।

शफ़ाअतगर (شفاعت‌گر) अ. फा. वि.—क़ियामत में अपने अनुयायियों के मोक्ष की सुफ़ारिश करनेवाला पैग़ंबर।

शफ़ाअतफ़र्मा (شفاعت‌فرما) अ.फा.वि.—दे. 'शफ़ाअतगर'।

शफ़ाजुफ़ (شفاجوف) अ. पुं.—नदी आदि का तट, किनारा।

शफ़ीअ (شفیع) अ. वि.—सुफ़ारिशी; क़ियामत के दिन मोक्ष दिलानेवाला; शुफ़ा का दावा करनेवाला।

शफ़ीए ख़लीत (شفیع خلیط) अ. पुं.—साझे की ज़मीन पर शुफ़ा का दावा करनेवाला।

शफ़ीए जार (شفیع جار) अ. पुं.—पड़ोस की ज़मीन या मकान पर शुफ़ा' करनेवाला।

शफ़ीक़ (شفیق) अ. वि.—कृपालु, दयालु, मेहरबान; मित्र, सखा, दोस्त।

शफ़क़त (شفقت) अ. स्त्री.—दे. 'शफ़क़त', उर्दू में दोनों प्रकार से बोलते हैं, बल्कि अधिक यही बोलते हैं।

शफ़्तालू (شفتالو) फा. पुं.—एक फल, आड़ू।

शफ़्फ़ाफ़ (شفاف) अ. वि.—स्वच्छ, उज्ज्वल, चमकदार; निर्मल, शुद्ध, साफ़; क़लई किया हुआ।

शफ़्फ़ाफ़ी (شفافی) अ. स्त्री.—स्वच्छता; निर्मलता; क़लई की चमक।

शबः (شبہ) फा. पुं.—छोटे-छोटे मोती, पोत, पोता।

शब (شب) फा. स्त्री.—निशा, रजनी, यामिनी, शर्वरी, तमस्विनी, विभावरी, यामिका, रात्रि, रात।

शब [ब्ब] (شب) अ. स्त्री.—फटकरी, फटिकर; (वि.) युद्ध लड़ाई; तारुण्य, जवानी; उच्चता; आग जलाना।

शब अंदर रोज़ (شب اندر روز) फा. पुं.—एक कपड़ा।

शबअफ़रोज़ (شب افروز) फा. पुं.—वह ज़रबफ़्त जिसकी ज़मीन रुपहली हो।

शबआहंग (شب آهنگ) फा. पुं.—दे. 'शबाहंग', वही उच्चारण शुद्धतम है, अशुद्ध यह भी नहीं है।

शबकः (شبکہ) अ. पुं.—जाल, पाश, बंधन; दीवार की जाली, लोहे आदि की जाली जो मकान में लगायी जाती है।

शबक (شبک) अ. पुं.—दे. 'शबकः'।

शबकात (شبکات) अ. पुं.—'शबकः' का बहु., जाल और बंधन; मकान की जालियाँ।

शबकोर (شبکور) फा. वि.—जिसे रतौंधी आती हो, रतौंधी का रोगी, निशांध, रात्र्यन्ध।

शबकोरी (شبکوری) फा. स्त्री.—रात में न दिखाई पड़ने का रोग, तिमि।

शबख़ूँ (شب‌خوں) फा. पुं.—'शबख़ून' का लघु., दे. 'शबख़ून'।

शबख़ून (شب‌خون) फा. पुं.—सेना का रात के अँधेरे में शत्रु के दल पर अचानक आक्रमण।

शबख़ेज़ (شب‌خیز) फा. वि.—रात रहे जाग जानेवाला; रात्रि में उठकर जप-तप करनेवाला।

शबख़ेज़ी (شب‌خیزی) फा. स्त्री.—रात रहे जागना; रात में उठना; रात में जप-तप करना।

शबख़्वाँ (شب‌خواں) फा. पुं.—बुलबुल, एक प्रसिद्ध गानेवाली चिड़िया।

शबख़्वाबी (شب‌خوابی) फा. स्त्री.—रात में सोते समय पहनने के वस्त्र।

शबगज़ (شب‌گز) फा. स्त्री.—थोड़ी देर की व्यथा, क्षणिक कष्ट।

शबगर्द (شب‌گرد) फा. वि.—रात में फिरकर पहरा देनेवाला; कोतवाल, थानेदार।

शबगर्दी (شب‌گردی) फा. स्त्री.—रात में पहरा देना; रात में फिरना।

शबगश्त (شب‌گشت) फा. वि.—दे. 'शबगर्द'।

शबगाह (شب‌گاه) फा. स्त्री.—रात का समय; रात के समय।

शबगीर (شب‌گیر) फा. वि.—पिछली रात को उठनेवाला या जप-तप करनेवाला; पिछली रात; आधी रात के बाद का समय।

शबगूँ (شب‌گوں) फा. वि.—काले रंग का, कृष्ण वर्ण।

शबगूनी (شب‌گونی) फा. स्त्री.—काले रंग का होना, कालापन।

शबचिराग़ (شب‌چراغ) फा. पुं.—एक बहुमूल्य रत्न जो रात में दीपक की तरह प्रकाश देता है, (वि.) रात्रि-दीपक, रात का चिराग़ अर्थात् चंद्रमा।

शबज़िंदःदार (شب‌زنده‌دار) फा. वि.—रात भर जागने और जप-तप करनेवाला।

शबज़िंदःदारी (شب‌زنده‌داری) फा. स्त्री.—रातभर जाग कर जप-तप और इबादत।

शबताज़ (شب‌تاز) फा. वि.—रात में आक्रमण करनेवाला, रात के अँधेरे में छापा मारनेवाला।

शबताज़ी (شب‌تازی) फा. स्त्री.—रात्रि में जब शत्रु ग़ाफ़िल हो उस पर अचानक आक्रमण।

शबताब (شب‌تاب) फा. वि.—रात को चमकानेवाला; रात को प्रकाशित करनेवाला; चंद्रमा, चाँद।

शबताबी (شب‌تابی) फा. स्त्री.—रात को चमकाना; रात्रि को चमकदार बनाना।

शबदेग (شب‌دیگ) फा. स्त्री.—वह हांडी जो रात भर पकायी जाय।

शबदेज़ (شبدیز) फा. पुं.—मुश्की घोड़ा।

शबनम (شبنم) फा. स्त्री.—ओस, आकाश-जल।

शबनमी (شبنمی) फा. स्त्री.—ओस से बचाव के लिए ताना जानेवाला कपड़ा; मच्छरदानी।

शबनशीं (شب‌نشیں) फा.वि.—रात-रात भर सभाओं और जलसों में बैठनेवाला; रात-रात भर जलसों में बैठना।

शबपरः (شب‌پره) फा. पुं.—चमगादड़, चर्मचटक।

शबपोश (شب‌پوش) फा. पुं.—रात्रि में पहनने के कपड़े।

शबबख़ैर (شب‌بخیر) फा. अ.वि.—एक वाक्य, जो रात में दो मित्र परस्पर विदा होते समय कहते हैं, अर्थ यह है कि आप की रात सुख और शांति से बीते।

शबबरात (شب‌برات) फा. अ. स्त्री.—मुसलमानों का एक त्योहार, शबरात।

शबबाश (شب‌باش) फा. वि.—रात में ठहरनेवाला; सहवास करनेवाला।

शबबाशी (شب‌باشی) फा. स्त्री.—रात भर के लिए कहीं ठहरना; स्त्रीप्रसंग करना।

शबबू (شبو) फा. पुं.—एक फूल जो रात में खिलता और महकता है।

शबबेदार (شب‌بیدار) फा. वि.—रात भर जागकर जप-तप करनेवाला; रात भर जागनेवाला।

शबबेदारी (شب‌بیداری) फा. स्त्री.—रात भर जागना; रात भर जागकर तपस्या करना।

शबबो (شب‌بو) फा. पुं.—दे. 'शबबू'।

शबम (شبم) अ.पुं.—जाड़ा, शीत, ठंड; शरद् ऋतु, सर्मा।

शबमांदः (شب‌مانده) फा. वि.—रात गुज़रा हुआ, रात का रखा हुआ, बासी।

शबमुर्दः (شب‌مرده) फा. वि.—रात-रात भर सोनेवाला, सारी रात सोनेवाला।

शबमुर्दगां (شب‌مردگاں) फा. पुं.—'शबमुर्दः' का बहु., सारी रात सोनेवाले।

शबयार (شبیار) फा.पुं.—एक दवा, एलुआ, जो रात में पेट साफ़ करने के लिए खायी जाती है।

शबरंग (شب‌رنگ) फा. वि.—काले रंग का, कृष्ण वर्ण।

शबरवी (شب‌روی) फा. स्त्री.—रात में घूमना-फिरना; रात में यात्रा करना; चोरी, तस्करता।

शबरौं (شب‌راں) फा. वि.—दे. 'शबताज़'।

शबरौ (شب‌رو) फा. वि.—रात में घूमने-फिरने या यात्रा करनेवाला; रात में जप-तप करनेवाला; चोर, तस्कर।

शबह (شبہ) अ. पुं.—एक धातु, पीतल।

शबह् (شبح) अ. पुं.—शरीर, काय, देह, जिस्म।

शबां (شباں) फा. पुं.—'शबान' का लघु., दे. 'शबान'।

शबांगाह (شبانگاه) फा. स्त्री.—संध्या समय, सायंकाल, शाम।

शबानः (شبانه) फा. वि.—रात का, रातवाला; रात से सम्बन्धित; बासी, पर्युषित।

शबानःरोज़ (شبانه‌روز) फा. वि.—रातदिन, अहर्निश, शबो-रोज़।

शबान (شبان) फा. पुं.—चरवाहा, ढोर चरानेवाला, चौपिया।

शबानी (شبانی) फा. स्त्री.—जंगल में चौपायों की देखभाल, चरवाही।

शबाब (شباب) फा. पुं.—तारुण्य, युवावस्था, जवानी; किसी चीज़ की अन्तत और उत्तम अवस्था।

शबाब आवर (شباب‌آور) अ.. फा. वि.—फिर से जवान बना देनेवाला।

शबारोज़ (شباروز) फा. वि.—अहर्निश, रात-दिन, सदा, शबोरोज़।

शबाशब (شباشب) फा. वि.—रातोंरात, रात ही रात में, एक ही रात में।

शबाहंग (شب‌آهنگ) फा. पुं.—बुल्बुल, गोवत्सक; एक उज्ज्वल तारा जो शाम को चमकता है।

शबाहत (شباهت) अ. स्त्री.—आकृति, शक्ल; सदृशता, समता, यकसानियत; एकरूपता, हमशक्ली।

शबित (شبت) अ. पुं.—सोया, एक शाक, दे. 'शिबित', दोनों शुद्ध हैं।

शबिस्तां (شبستاں) फा. पुं.—रात में रहने का स्थान; शयनागार, ख़्वाबगाह।

शबीनः (شبینه) फा. वि.—रात की बची हुई वस्तु, बासी, पर्युषित; रात का, रात्रीय; रमज़ान के महीने में क़ुरान का वह पाठ जो एक रात में ख़त्म हो जाता है।

शबीह (شبیه) फा. स्त्री.—चित्र, तस्वीर; छायाचित्र, फोटो; सदृश, समान, मिस्ल।

शबे आशूरः (شب عاشوره) फा. अ. स्त्री.—मुहर्रम के महीने की दसवीं तारीख़ की रात।

शबे क़द्र (شب قدر) फा. अ. स्त्री.—रजब के महीने की २७वीं तारीख़, शबे मे'राज, इस रात की इबादत का बड़ा पुण्य है।

शबे चक (شب‌چک) फा. स्त्री.—दे. 'शबे बरात'।

शबे जवानी (شب‌جوانی) फा. स्त्री.—रात्रि रूपी तारुण्य; युवावस्था का उन्माद।

शबे ज़िफ़ाफ़ (شب‌زفاف) फा. अ. स्त्री.—दुल्हन की दूल्हा के पास जाने की पहली रात, सुहागरात।

शबे तार (شب تار) फा. स्त्री.—नितान्त अँधेरी रात, तमस्विनी, तमिस्रा, कुहूनिशा।
शबे दैजूर (شب دیجور) फा. अ. स्त्री.—अमावास्या, अमावस की रात; निपट काली रात, कालनिशा, तमिस्रा।
शबे फ़िराक़ (شب فراق) फा. अ. स्त्री.—दे. 'शबे हिज्र'।
शबे बरात (شب برات) फा. अ. स्त्री.—दे. 'शबबरात', दोनों शुद्ध हैं।
शबे माह (شب ماہ) फा. स्त्री.—चाँदनी रात, राका, ज्योत्स्ना, सज्योत्स्ना।
शबे मे'राज (شب معراج) फा. अ. स्त्री.—वह रात जिसमें हज्रत पैग़ंबर साहिब अर्श पर ईश्वर से मिलने गये थे।
शबे यल्दा (شب یلدا) फा. स्त्री.—दे. 'शबे दैजूर'।
शबे वस्ल (شب وصل) फा. अ. स्त्री.—नायक और नायिका के मिलने की रात, मिलनरात्रि, विरहरात्रि का उलटा।
शबे वा'दः (شب وعدہ) फा. अ. स्त्री.—जिस रात को नायिका अपने नायक से मिलने का वादा करे, वह रात।
शबे हिज्र (شب هجر) फा. अ. स्त्री.—विरहरात्रि, नायिका के वियोग की रात।
शबे हिज्राँ (شب هجراں) फा. अ. स्त्री.—दे. 'शबे हिज्र'।
शबोरोज (شب‌وروز) फा. पुं.—रातदिन, अहर्निश; हर समय; निरंतर, लगातार।
शब्आन (شبعان) अ. वि.—पेट भरा हुआ, अफ़रा हुआ, परितृप्त।
शब्बर (شبر) अ. पुं.—हज्रत इमाम हुसैन।
शब्बाक (شباک) अ. वि.—छेद करनेवाला।
शब्बीर (شبیر) अ. पुं.—हज्रत इमाम हसन, जो इमाम हुसैन के बड़े भाई थे।
शब्बूर (شبور) अ. पुं.—तुरही जो पीतल की बनायी जाती है।
शम [म्म] (شم) अ. पुं.—सूँघना, घ्राण।
शमा' (شمع) अ. स्त्री.—मोम, सिक्थ; मोमबत्ती।
शमाइम (شمائم) अ. पुं.—'शमीम:' का बहु., सुगंधियाँ, खुशबूएँ।
शमाइल (شمائل) अ. पुं.—'शमील:' का बहु., प्रकृतियाँ, स्वभाव, आदतें।
शमातत (شماتت) अ. स्त्री.—किसी की हानि या अवनति पर प्रसन्न होना।
शमामः (شمامہ) अ. पुं.—सुगंध, महक, खुशबू।
शमामचः (شمامچہ) अ. फा. पुं.—सूँघने का सुगंधित पदार्थ।
शमीदः (شمیدہ) फा. वि.—सूँघा हुआ, मूर्छित, बेहोश; उद्विग्न, परीशान।
शमीमः (شمیمہ) अ. स्त्री.—सूँघने का पदार्थ, खुशबू।
शमीम (شمیم) अ. पुं.—सुगंध, महक, खुशबू।
शमील: (شمیلہ) अ. स्त्री.—स्वभाव, प्रकृति, आदत, खस्लत।
शम्अ (شمع) अ. स्त्री.—मोम, सिक्थ; मोमबत्ती; दीपक, चिराग़।
शम्अदान (شمعدان) अ. फा. पुं.—जिसमें मोमबत्ती रखकर जलाते हैं।
शम्अरुख़ (شمع‌رخ) अ. फा. वि.—दे. 'शम्अरू'।
शम्अरू (شمع‌رو) अ. फा. वि.—दीप, जैसे—उज्ज्वल और दीप्त मुखवाली सुन्दरी।
शम्असाज़ (شمع‌ساز) अ. फा. वि.—मोमबत्ती बनानेवाला।
शम्ई (شمعی) अ. वि.—मोम का; मोम का बना हुआ।
शम्ए आलमताब (شمع عالم‌تاب) अ. फा. स्त्री.—सूर्य, सूरज, भानु, भास्कर।
शम्ए ऐमन (شمع ایمن) अ. स्त्री.—वह प्रकाश जो हज्रत मूसा को दिखाई पड़ा था।
शम्ए कुश्तः (شمع کشتہ) अ. फा. स्त्री.—बुझा हुआ दीप, वह शम्अ जो बुझ गयी हो, मृतदीप।
शम्ए ख़ामोश (شمع خاموش) अ. फा. स्त्री.—बुझा हुआ चिराग़ या शम्अ।
शम्ए ज़ेरे दामन (شمع زیر دامن) अ. फा. स्त्री.—दामन की आड़ में हवा से बचाकर जलनेवाला चिराग़।
शम्ए तूर (شمع طور) अ. स्त्री.—दे. 'शम्ए ऐमन'।
शम्ए बज़्म (شمع بزم) अ. फा. स्त्री.—सभा में जलनेवाला चिराग़, प्राय: प्रेमिका की गोष्ठी का चिराग़।
शम्ए बालीं (شمع بالیں) अ. फा. स्त्री.—सिरहाने जलनेवाला चिराग़, प्राय: रोगी प्रेमी के सिरहाने का चिराग़।
शम्ए मज़ार (شمع مزار) अ. स्त्री.—क़ब्र पर जलाया जानेवाला चिराग़, प्राय: प्रेमी की क़ब्र का चिराग़।
शम्ए महफ़िल (شمع محفل) अ. स्त्री.—दे. 'शम्ए बज़्म'।
शम्ए मुर्दः (شمع مردہ) अ. फा. स्त्री.—दे. 'शम्ए ख़ामोश'।
शम्ए मोमी (شمع مومی) अ. फा. स्त्री.—मोमबत्ती।
शम्ए शबअफ़्रोज़ (شمع شب‌افروز) अ. फा. स्त्री.—चंद्रमा, चाँद।
शम्ए सहर (شمع سحر) अ. स्त्री.—सवेरे का चिराग़ जो बुझने को होता है, वह व्यक्ति जिसकी आयु थोड़ी रह गयी हो।
शम्ए हयात (شمع حیات) अ. स्त्री.—शम्अ रूपी जीवन, जो जलने के साथ घुलता जाता है।
शम्मः (شمہ) अ. पुं.—बहुत थोड़ा, किंचिन्मात्र।
शम्मामः (شمامہ) अ. पुं.—सेंधी, सुंधिया, कचरी, छोटी फूट जो सुगंधित होती है।
शम्मास (شماس) अ. वि.—सूर्यपूजक, सूरज का पुजारी।

शम्लः (شملہ) अ. पुं.—पगड़ी का सिरा जो पीछे लटकता है; एक छोटी शाल जिसे लपेटते हैं।

शम्शाद (شمشاد) फा. पुं.—सर्व का पेड़, जो सीधा होता है और जिससे नायिका के डील की उपमा दी जाती है।

शम्शादक़द (شمشادقد) फा. अ. वि.—सर्व-जैसे सुडौल और लंबे डीलवाला (वाली)।

शम्शादक़ामत (شمشادقامت) फा. अ. वि.—दे. 'शम्शाद क़द'।

शम्शादबाला (شمشادبالا) फा. वि.—दे. 'शम्शादक़द'।

शम्शीर (شمشیر) फा. स्त्री.—असि, कृपाण, खड्ग, तलवार।

शम्शीरज़न (شمشیرزن) फा. वि.—असिजीवी, सिपाही।

शम्शीरज़नी (شمشیرزنی) फा. स्त्री.—सिपाही का पेशा।

शम्शीरदम (شمشیردم) फा. वि.—तलवार-जैसी तेज़ धारवाला।

शम्शीरबकफ़ (شمشیربکف) फा. वि.—हाथ में तलवार लिये हुए, शस्त्रपाणि; वध करने को तत्पर।

शम्शीरे अजल (شمشیر اجل) फा. अ. स्त्री.—मौत की तलवार।

शम्शीरे आबदार (شمشیر آبدار) फा. स्त्री.—काट करनेवाली तलवार, तेज़ धारवाली।

शम्शीरे दुदम (شمشیر دودم) फा. स्त्री.—दुधारी तलवार, वह तलवार जिसके दोनों ओर धार हो।

शम्शीरे बरह्नः (شمشیر برھنہ) फा. स्त्री.—म्यान से निकली हुई तलवार; स्पष्ट वक्ता, लगी-लपटी न रखनेवाला।

शम्शीरे हिलाली (شمشیر ھلالی) फा. अ. स्त्री.—नव चंद्र रूपी तलवार, टेढ़ी तलवार।

शम्शीरोसिनाँ (شمشیروسناں) फा. स्त्री.—तीर और तलवार; युद्ध-सामग्री।

शम्सः (شمسہ) अ. पुं.—रौशनदान।

शम्स (شمس) अ. पुं.—अर्क, मिहिर, मार्तण्ड, अरुण, तरणि, भानु, सूर्य, रवि, सूरज।

शम्सी (شمسی) अ. वि.—सूर्य का; सूर्य-सम्बन्धी; सूर्य के चक्र के हिसाब से सम्बन्धित, जैसे—'शम्सी साल' सौर वर्ष।

शम्सीयः (شمسیہ) अ. स्त्री.—छतरी, धूप से बचने का छाता।

शम्सुलउलमा (شمس العلما) अ. पुं.—विद्वानों में सूर्य के समान; एक उपाधि जो अँग्रेज़ी समय में मुस्लिम आलिमों को सम्मानार्थ दी जाती थी।

शय (شے) अ. स्त्री.—वस्तु, द्रव्य, पदार्थ, चीज़।

शयातीन (شیاطین) अ. पुं.—'शैतान' का बहु., शैतानों का गिरोह, पिशाच-मंडली।

शय्याद (شیاد) अ. वि.—धूर्त, छली, वंचक, मक्कार।

शरंगेज़ (شرانگیز) फा. वि.—आपस में फूट डालनेवाला; झगड़ा-फ़साद खड़ा कर देनेवाला, उपद्रवी।

शरंगेज़ी (شرانگیزی) अ.फा. स्त्री.—उपद्रव मचाना, झगड़ा करना; आपस में लड़ाना, फूट डालना।

शर [र्‍] (شر) अ. पुं.—बदी, बुराई; उपद्रव, फ़साद; फूट, निफ़ाक़।

शरअंगेज़ (شرانگیز) अ. फ़ा. वि.—दे. 'शरंगेज़', अधिक वही बोला जाता है।

शरअंगेज़ी (شرانگیزی) अ. फा. स्त्री.—दे. 'शरंगेज़ी', अधिक वही बोला जाता है।

शरतैन (شرطین) अ. स्त्री.—पहला नक्षत्र, अश्विनी।

शरपसंद (شرپسند) अ. फा. वि.—जो झगड़ा टंटा पसंद करता हो, झगड़ालू, कलहप्रिय।

शरपसंदी (شرپسندی) अ. फा. स्त्री.—झगड़ा पसंद करना, झगड़ालूपन।

शरफ़ (شرف) अ. पुं.—श्रेष्ठता, उत्तमता, बुज़ुर्गी; सम्मान, सत्कार, इज़्ज़त; उत्तुंगता, बलंदी; कुलीनता, शराफ़त।

शरफ़याब (شرفیاب) अ. फा. वि.—सफल, कामयाब।

शरफ़याबी (شرفیابی) अ.फा. स्त्री.—सफलता, कामयाबी।

शरफ़े ज़ियारत (شرف زیارت) अ. पुं.—देखने का सौभाग्य।

शरफ़े मुलाक़ात (شرف ملاقات) अ. पुं.—साक्षात्कार का सौभाग्य, दर्शनों का सौभाग्य।

शरफ़े मुलाज़मत (شرف ملازمت) अ. पुं.—पास बैठने-उठने का सौभाग्य।

शरफ़े हज्जोज़ियारत (شرف حج وزیارت) अ. पुं.—हज करने और मदीना जाने का सौभाग्य।

शरर (شرر) अ. पुं.—अग्निकण, स्फुलिंग, चिनगारी।

शररअंगेज़ (شررانگیز) अ. फा. वि.—चिंगारियाँ फैलानेवाला, शुर्रे छोड़नेवाला, उपद्रवी।

शररअफ़्शाँ (شررافشاں) अ. फा. वि.—दे. 'शररअंगेज़'; दे. शररअफ़्शाँ।

शररफ़िशाँ (شررفشاں) अ. फा. वि.—दे. 'शररअंगेज़' 'शररअफ़्शाँ' का लघु.।

शररफ़्शाँ (شررافشاں) अ. फा. वि.—दे. 'शररअंगेज़'।

शररबार (شرربار) अ. फा. वि.—आग बरसानेवाला, जिससे आग निकले, अग्निवर्षक।

शररबारी (شرباری) अ. फा. स्त्री.—आग बरसाना, आग निकलना, अग्निवर्षा।

शरा (شرا) अ. स्त्री.—पित्ती, एक रोग जिसमें सारे शरीर पर लाल दाने पड़ जाते हैं।

शराइत (شرائط) अ. पुं.—'शरतः' का बहु., शर्तें।

शराईन (شرائین) अ. स्त्री.–'शिर्यान' का बहु., फड़कनेवाली रगें, धमनियाँ, नाड़ियाँ।

शराए' (شرائع) अ. पुं.–'शरीअत' का बहु., धर्मशास्त्र।

शराकत (شراکت) उ. स्त्री.–भागीदारी, साझा।

शराकतनामः (شراکت‌نامہ) अ. फ़ा. पुं.–भागीदारी या साझे की दस्तावेज़।

शराब (شراب) अ. पुं.–मदिरा, वारुणी. हाला, सुरा, इरा, कदंबिनी, हलिप्रिया।

शराबकश (شراب‌کش) अ. फ़ा. वि.–मद्यप, पानकर्ता, रसाशी, सुराशी, शराबी।

शराबकशी (شراب‌کشی) अ.फ़ा.स्त्री.–मद्यपान, शराब पीना।

शराबख़ानः (شراب‌خانہ) अ. फ़ा. पुं.–मदिरालय, मधुशाला, सुरावेश्म, पानागार, मदिरागृह, मैख़ाना।

शराबख़ोर (شراب‌خور) अ. फ़ा. वि.–मद्यप, रसाशी, सुरापायी, पानकर्ता, शराब पीनेवाला।

शराबख़ोरी (شراب‌خوری) अ. फ़ा. स्त्री.–मद्यपान, शराब पीना।

शराबख़्वार (شراب‌خوار) अ. फ़ा. वि.–दे. 'शराबख़ोर'।

शराबज़दः (شراب‌زدہ) फ़ा. वि.–शराब के नशे में चूर, मदोन्मत्त।

शराबज़दगी (شراب‌زدگی) फ़ा. स्त्री.–शराब का गहरा नशा, मदोन्माद।

शराबफ़रोश (شراب‌فروش) अ.फ़ा. वि.–शराब का ठेकेदार, शौंडिक, कल्यपाल, सुराजीवी।

शराबफ़रोशी (شراب‌فروشی) फ़ा. स्त्री.–शराब बेचना, शराब की ठेकेदारी।

शराबसाज़ (شراب‌ساز) अ. फ़ा. वि.–शराबकशी करनेवाला, सुराकार।

शराबसाज़ी (شراب‌سازی) अ. फ़ा. स्त्री.–शराब बनाना, शराब कशीद करना, सुराकर्म।

शराबी (شرابی) अ. वि.–मद्यप, शराब पीनेवाला।

शराबे अंगूरी (شراب انگوری) अ. फ़ा. स्त्री.–अंगूर से बनी हुई शराब, द्राक्षेरा, मालिका।

शराबे असली (شراب عسلی) अ. स्त्री.–शहद की शराब, माधवी।

शराबे अर्ग़वानी (شراب ارغوانی) अ. फ़ा. स्त्री.–लाल रंग की शराब।

शराबे आतशरंग (شراب آتش‌رنگ) अ. फ़ा. स्त्री.–आग-जैसे रंग की लाल शराब, अग्निवर्ण।

शराबे कोहनः (شراب کہنہ) अ. फ़ा. स्त्री.–पुरानी शराब जिसका नशा तेज़ होता है।

शराबे ख़ानःख़राब (شراب خانہ‌خراب) अ. फ़ा. स्त्री.–घर उजाड़ देनेवाली शराब, दरिद्र बना देनेवाली शराब।

शराबे ख़ानःसाज़ (شراب خانہ‌ساز) अ. फ़ा. स्त्री.–घर में बनायी हुई शराब।

शराबे जौ (شراب جو) अ. फ़ा. स्त्री.–जौ की शराब, वह शराब जो कच्चे जौ से बनती है, यवेरा, बियर।

शराबे तहूर (شراب طہور) अ. स्त्री.–स्वर्ग में पी जानेवाली शराब।

शराबे दुआतशः (شراب دوآتشہ) अ. फ़ा. स्त्री.–दो बार की खिंची हुई शराब, तेज़ शराब।

शराबे दोशीनः (شراب دوشینہ) अ. फ़ा. स्त्री.–रात की बची हुई शराब।

शराबे मुक़त्तर (شراب مقطر) अ. स्त्री.–नियरी हुई और साफ़ शराब; पहले जोश की बढ़िया शराब।

शराफ़त (شرافت) अ. स्त्री.–कुलीनता, वंश की शुद्धता; सुशीलता, अख़्लाक़, सज्जनता।

शराफ़ते नसबी (شرافت نسبی) अ. स्त्री.–कुल का श्रेष्ठ और निर्दोष होना।

शरारः (شرارہ) अ. पुं.–स्फुलिंग, अग्निकण, पतिंगा, चिनगारी।

शरारःख़ेज़ (شرارہ‌خیز) अ. वि.–जिससे चिंगारियाँ निकलें।

शरारःबार (شرارہ‌بار) फ़ा. वि.–अग्निवर्षक, आग बरसानेवाला।

शरार (شرار) अ. पुं.–चिनगारी, पतिंगा, स्फुलिंग, अग्निस्तोक, शरर।

शरारत (شرارت) अ. स्त्री.–दुष्कृत्य, बदी, बुराई; उपद्रव, फ़साद; चंचलता, चपलता, शोख़ी; चिढ़ाने के लिए कोई काम।

शरारत आमेज़ (شرارت‌آمیز) अ. फ़ा. वि.–शरारत से भरा हुआ, नुक़्सान पहुँचाने की बुरी नीयत से किया हुआ।

शरारतन (شرارتاً) अ. वि.–शरारत से, बुरी नीयत से; चिढ़ाने के लिए, तंग करने के लिए।

शरारतपसंद (شرارت‌پسند) अ. फ़ा. वि.–जिसके मिज़ाज में शरारत हो, उपद्रव प्रिय, फ़सादी; जो छेड़ने के लिए शरारतें बहुत करता हो।

शरासीफ़ (شراسیف) अ. स्त्री.–'शरसूफ़' का बहु., नीचेवाली छोटी पस्लियाँ।

शरीअत (شریعت) अ. स्त्री.–खुला हुआ और चौड़ा रास्ता, राजमार्ग; धर्मशास्त्र, धार्मिक क़ानून।

शरीक (شریک) अ. वि.–साझीदार, भागी, हिस्सेदार; मिलकर कोई काम करनेवाले; सम्मिलत, शामिल।

शरीकदार (شریک‌دار) अ. फ़ा. वि.–साझीदार, भागी।

शरीके ख़ानदान (شریک خاندان) अ. फा. वि.—जो किसी वंश के अंतर्गत हो; जो किसी वंश में सम्मिलित हो।

शरीके ग़ालिब (شریک غالب) अ. फा. वि.—भागीदारों में सबसे बड़ा भाग रखनेवाला।

शरीके ज़िंदगी (شریک زندگی) अ. फा. वि.—अर्धांगिनी, जीवन संगिनी, ज़िंदगी की साथी, अर्थात् पत्नी, भार्या।

शरीके जुर्म (شریک جرم) अ. वि.—जो किसी अपराध में अपराधी का सहायक हो।

शरीके दर्द (شریک درد) अ. फा. वि.—जो विपत्ति में साथ देनेवाला और सहानुभूति रखनेवाला हो।

शरीके रंजोराहत (شریک رنج وراحت) अ. फा. वि.—हर्ष और विपत्ति दोनों का शरीक, हर समय पर साथ देनेवाला, घनिष्ठ।

शरीके राए (شریک رائے) अ. वि.—जो किसी सलाह और परामर्श में सम्मिलित हो।

शरीके सोहबत (شریک صحبت) अ. वि.—पास बैठने-उठनेवाला, सोहबत में रहनेवाला।

शरीके हाल (شریک حال) अ. वि.—साथी, संगी, हर अवस्था में साथ रहनेवाला।

शरीके हयात (شریک حیات) अ. वि.—जीवनसंगिनी, पत्नी, भार्या; पति, स्वामी।

शरीजः (شریجہ) अ. पुं.—कबूतरों का दरबा, काबुक।

शरीफ़ (شریف) अ. वि.—कुलीन, खानदानी; सज्जन, सुशील, खुशअख्लाक़; सभ्य, शिष्ट, बातमीज़; निश्छल, निष्कपट, सरल स्वभाव।

शरीफ़ज़ादः (شریف زادہ) अ. फा. वि.—शरीफ़ का लड़का, आर्यपुत्र, कुल-पुरुष।

शरीफ़तब्अ (شریف طبع) अ. वि.—स्वभाव से सज्जन और शिष्ट।

शरीफ़मनिश (شریف منش) अ. फा. वि.—दे. 'शरीफ़तब्अ'।

शरीफ़मिजाज (شریف مزاج) अ. वि.—दे. 'शरीफ़तब्अ'।

शरीफ़सूरत (شریف صورت) अ. वि.—देखने में शरीफ़, जिसकी सूरत से सज्जनता और कुलीनता टपकती हो।

शरीफ़ुत्तब्अ (شریف الطبع) अ. वि.—दे. 'शरीफ़तब्अ'।

शरीफ़ुन्नफ़्स (شریف النفس) अ. वि.—स्वभावतः सज्जन, शिष्ट और निश्छल।

शरीफ़ुन्नसब (شریف النسب) अ. वि.—उत्तम कुल, महा कुल, जिसके वंश में कोई दोष न हो।

शरीफ़ुन्नस्ल (شریف النسل) अ. वि.—जिसकी जाति शुद्ध रक्तवाली हो, उत्तम वर्ण, कुलीन।

शरीर (شریر) अ. वि.—बदी करनेवाला, दुष्ट; उपद्रवी, फ़सादी; चंचल, चपल, शोख; चिढ़ाने के लिए छेड़नेवाला; पिशुन, चुग़ुल, लगाई-बुझाई करनेवाला; आपस में दंगा-फ़साद करानेवाला।

शरीरतब्अ (شریر طبع) अ. वि.—जिसके स्वभाव में शरारत हो, धूर्त, फ़सादी; जो चिढ़ाने के लिए शरारतें करता हो।

शरीरमिजाज (شریر مزاج) अ. वि.—दे. 'शरीरतब्अ'।

शर्अ (شرع) अ. स्त्री.—चौड़ी सड़क, राजमार्ग; धर्मशास्त्र शरीअत।

शर्ई (شرعی) अ. वि.—धर्मशास्त्र-सम्बन्धी, धार्मिक, मज़हबी।

शर्ए मुहम्मदी (شرع محمدی) अ. स्त्री.—इस्लामी धर्म-शास्त्र।

शर्क़ (شرق) अ. पुं.—पूर्व, पूरब, उदयाचल, मश्रिक़।

शर्क़ी (شرقی) अ. वि.—पूर्वीय, पूरब का, मश्रिक़ी।

शर्क़ोग़र्ब (شرق وغرب) अ. पुं.—पूरब-पच्छिम, अर्थात् सारा जगत्, विश्व।

शर्ज़ः (شرزہ) अ. पुं.—बहुत अधिक ग़ुस्सेवाला।

शर्ज़िमः (شرذمہ) अ. पुं.—खंड, टुकड़ा; थोड़े मनुष्यों का समूह; थोड़े-से फलों का ढेर।

शर्त (شرط) अ. स्त्री.—क़रार, पण; प्रतिज्ञा, अह्द; संविदा, वादा; बाज़ी, जुआ।

शर्तियः (شرطیہ) अ. वि.—अवश्य, यक़ीनी; शर्त बाँधकर, शर्त के साथ; अनिवार्य, लाज़िमी।

शर्ती (شرطی) अ. वि.—शर्तवाला; शर्त सम्बन्धी।

शर्बत (شربت) अ. स्त्री.—शकर डालकर मीठा किया हुआ पानी जो पिया जाता है, शर्करोदक; दवाओं से बना हुआ शकर का शीरा, सीरप, मिष्टोद।

शर्बतफ़रोश (شربت فروش) अ.फा. वि.—शर्बत बेचनेवाला।

शर्बतसाज (شربت ساز) अ. फा.वि.—शर्बत बनानेवाला।

शर्बती (شربتی) अ. वि.—एक रंग जो हलका गुलाबी होता है।

शर्बते दीद (شربت دید) अ. फा. पुं.—दे. 'शर्बते दीदार'।

शर्बते दीदार (شربت دیدار) अ. फा. पुं.—शर्बत रूपी दर्शन, दृष्टिरस।

शर्बते दीनार (شربت دینار) अ. फा. पुं.—एक यूनानी शर्बत जो विशेषतः जिगर के रोगों पर चलता है।

शर्बते मर्ग (شربت مرگ) अ. फा. पुं.—मौत का शर्बत, मृत्यु, मरण, निधन।

शर्बते वस्ल (شربت وصل) अ. पुं.—शर्बतरूपी नायिका का मिलन; सहवास-रस, मैथुनानंद।

शर्म (شرم) फा. स्त्री.–लज्जा, व्रीडा, लाज, त्रपा, हया; पश्चात्ताप, पछतावा।

शर्मआलूद (شرم آلود) फा. वि.–दे. 'शर्मगीं'।

शर्मगाह (شرمگاہ) फा. स्त्री.–गुह्येंद्रिय; लिंग; भग।

शर्मगीं (شرمگیں) फा. वि.–शर्मिंदा, लज्जित।

शर्मनाक (شرمناک) फा. वि.–लज्जाजनक, घिनावना, बेहयाई का।

शर्मसार (شرمسار) फा. वि.–लज्जित, शर्मिंदा; पश्चात्तापी, पछतानेवाला।

शर्मसारी (شرمساری) फा. स्त्री.–लज्जा, शर्म; पछतावा, पश्चात्ताप।

शर्मिंदः (شرمندہ) फा. वि.–लज्जित, शर्मसार।

शर्मिंदए इस्याँ (شرمندۂ عصیاں) फा. अ. वि.–पापों से लज्जित।

शर्मिंदए एहसान (شرمندۂ احسان) फा. अ. वि.–आभारी, कृतज्ञ, मम्नून।

शर्मिंदए मा'नी (شرمندۂ معنی) फा. अ. वि.–सार्थक, बामानी।

शर्मिंदगी (شرمندگی) फा. स्त्री.–लज्जा, व्रीडा, शर्म; पश्चात्ताप, पछतावा।

शर्मे रुस्वाई (شرم رسوائی) फा. स्त्री.–बदनामी की लज्जा।

शर्मे हुजूरी (شرم حضوری) फा. अ. स्त्री.–सामने होने या पास आने की मुरव्वत, आँखें चार होने का लिहाज़।

शर्मोहया (شرم وحیا) फा. अ. स्त्री.–लाज और शर्म, लज्जा, व्रीड़ा।

शर्हः (شرحہ) अ. पुं.–खंड, टुकड़ा।

शर्हःशर्हः (شرحہ شرحہ) अ. वि.–टुकड़े-टुकड़े।

शर्हः (شرح) अ. स्त्री.–व्याख्या, तश्रीह; स्पष्टता, वज़ाहत; विस्तार, तफ़्सील; टीका, किसी मूल ग्रंथ का विस्तारपूर्वक वर्णन।

शर्हनवीस (شرح نویس) अ. फा. वि.–किसी मूल ग्रंथ की टीका-टिप्पणी करनेवाला, टीकाकार, भाष्यकार।

शर्हनिगार (شرح نگار) अ. फा. वि.–दे. 'शर्हनवीस'।

शर्हे मआनी (شرح معانی) अ. स्त्री.–क्लिष्ट शब्दों का अर्थ।

शर्हे मतालिब (شرح مطالب) अ. स्त्री.–क्लिष्ट भावार्थ की व्याख्या।

शर्हे सूद (شرح سود) अ. फा. स्त्री.–ब्याज की दर।

शर्होबस्त (شرح وبست) अ. फा. स्त्री.–विस्तार, व्याख्या, वज़ाहत।

शलंग (شلنگ) फा. स्त्री.–छलाँग, उछाल, कूद।

शल [शल्ल] (شل) अ. वि.–अपाहिज, जिसके हाथ-पाँव काम न दें; काहिल, आलसी; शिथिल, ढीला।

शल्ग़म (شلغم) फा. पुं.–शलजम, एक तरकारी।

शल्जम (شلجم) अ. पुं.–एक प्रसिद्ध तरकारी, शलजम।

शल्ताक़ (شلتاق) तु. पुं.–युद्ध, लड़ाई; कलह, झगड़ा।

शल्तूक (شلتوک) फा. पुं.–धान, चावल भूसी सहित, शाली।

शल्फ़ (شلف) फा. स्त्री.–व्यभिचारिणी, कुलटा, पुंश्चली, फ़ाहिशा।

शल्लाक़ (شلاق) तु. पुं.–कोड़े या छड़ी से मारना; चपला, चंचल, शोख़; थप्पड़ मारना।

शल्वार (شلوار) फा. स्त्री.–एक प्रकार का ढीला पाजामा।

शवाइब (شوائب) अ. पुं.–'शाइबः' का बहु., मिलावटें, आमेज़िशें।

शवाग़िल (شواغل) अ. पुं.–'शग़्ल' का बहु., मश्ग़ले, कामधंधे।

शवाफ़े' (شوافع) अ. पुं.–'शाफ़िई' का बहु., शाफ़िई पंथ के अनुयायी मुसलमान।

शवारिक़ (شوارق) अ. पुं.–'शारिक़ः' का बहु., दीप्त वस्तुएँ; सूर्य की किरणें।

शवारे' (شوارع) अ. पुं.–'शारे' का बहु., बड़े मार्ग, खुले रास्ते, विस्तृत पथ।

शवाहिद (شواهد) अ. पुं.–'शाहिद' का बहु., गवाह लोग, साक्षीगण।

शवाहिक़ (شواهق) अ. पुं.–ऊँची इमारत, बलंद इमारत।

शव्वाल (شوال) अ. पुं.–इस्लामी दसवाँ महीना।

शशः (ششہ) फा. पुं.–शव्वाल महीने के पहले छै दिन, जिनमें रोज़े रक्खे जाते हैं।

शश (شش) फा. वि.–छै, षट्, षट्क, षष्।

शशजिहत (شش جہت) फा. अ. स्त्री.–छैओं तरफ़ें, चारों दिशाएँ और ऊपर और नीचे की दो दिशाएँ।

शशदरः (ششدرہ) फा. वि.–छै दरवाज़ों की इमारत; मरणस्थान, हलाकी की जगह; हक्का-बक्कापन, हैरानी।

शशदर (ششدر) फा. वि.–चकित, स्तब्ध, निस्तब्ध, हक्का-बक्का, आश्चर्यान्वित।

शशदांग (شش دانگ) फा. वि.–दे. 'शशजिहत'।

शशपहलू (شش پہلو) फा. वि.–छः कोनोंवाला, षट्कोण।

शशपा (شش پا) फा वि–छै पाँववाला. षड्पद, षडंघ्र।

शशपायः (شش پایہ) फा. वि.–जिस इमारत में छै खंभे हों।

शशमाहः (شش ماہہ) फा. वि.–छै महीने की आयु का।

शशमाही (شش ماہی) फा. वि.–छै महीने में एक बार होने वाला, षाण्मासिक, अर्द्धवार्षिक।

शशसरी (ششسری) फा. पुं.–वह सोना जिसमें तनिक भी मैल या मिलावट न हो, कुंदन।

शशुम (ششم) फा. वि.–छठवाँ, षष्ठ।

शशोपंज (شش وپنج) फा. पुं.–संकोच, उधड़-बुन।

शस्त (شصت) फा. वि.–साठ, षष्ठिः।

शस्त (شست) फा. वि.–साठ, षष्ठिः (पुं.) शल्य, निश्तर; फंदा; मिज़्राब, (स्त्री.) निशाना, ताक; मछली पकड़ने की लंबी डोर जिसमें छड़ नहीं होती।

शस्तक (شستک) फा. पुं.–गुदा मैथुन करानेवाले व्यक्तियों का एक लिंग की आकृति का अस्त्र, जिससे वह अपनी खुजली मिटाते हैं; लिंग, मेहन, शिश्न।

शस्तगीर (شستگیر) फा. वि.–धनुर्धर, तीरअंदाज़।

शस्तमीर (شست امیر) फा. वि.–धनुर्विद्या में निपुण, लक्ष्य-भेदी।

शस्तुम (شستم , شصتم) फा. वि.–साठवाँ।

शहंशाह (شہنشاہ) फा. पुं.–वह बादशाह जिसके अधीन कई बादशाह हों, सम्राट, चक्रवर्ती, राजाधिराज।

शहंशाही (شہنشاہی) फा. स्त्री.–साम्राज्य, बादशाहों पर बादशाही।

शह (شہ) फा. पुं.–'शाह' का लघु., दे. 'शाह', बढ़ावा, हुशकारी; शतरंज की किश्त।

शहख़र्च (شہ خرچ) फा. वि.–बहुत अधिक ख़र्च करनेवाला, मुक्तहस्त।

शहज़ादः (شہزادہ) फा. पुं.–राजकुमार, राजपुत्र, बादशाह का लड़का; युवराज, वली अह्द।

शहज़ादगी (شہزادگی) फा. स्त्री.–राजकुमारता, बादशाह का लड़का होना।

शहज़ोर (شہ زور) फा. वि.–शक्तिशाली, बलवान्।

शहज़ोरी (شہ زوری) फा. स्त्री.–शक्तिशालिता, बली होना।

शहतीर (شہتیر) फा. पुं.–शीशम या शाल आदि की सीधी और चौकोर लकड़ी जो छत पाटने के काम आती है, लट्ठा।

शहतूत (شہتوت) फा. पुं.–एक प्रसिद्ध छोटा फल, तूत।

शहदुज़्द (شہ دزد) फा. पुं.–शातिर चोर, पश्यतोहर।

शहनशीं (شہ نشیں) फा. स्त्री.–बैठने की ऊँची इमारत।

शहनाई (شہنائی) फा. स्त्री.–एक बाजा, नफ़ीरी।

शहनाज़ (شہناز) फा. वि.–दुल्हन, नव विवाहिता।

शहपर (شہپر) फा. पुं.–'शाहपर' का लघु., पक्षी का बाज़ू, डैना।

शहबाज़ (شہباز) फा. पुं.–'शाहबाज़' का लघु., बड़ा बाज़, शिकारी बाज़, श्येन।

शहरग (شہ رگ) फा. स्त्री.–'शाहरग' का लघु., शरीर की सबसे बड़ी रग जो हृदय में मिलती है।

शहसवार (شہ سوار) फा. वि.–घोड़े की बहुत अच्छी सवारी करनेवाला।

शहसवारी (شہ سواری) फा. स्त्री.–घोड़े पर बहुत अच्छा बैठना।

शहा (شہا) फा. अव्य.–हे राजा! ऐ बादशाह! शाह का सम्बोधन।

शहादत (شہادت) अ. स्त्री.–साक्षी, गवाही; धर्म या देश आदि के लिए बलिदान; धर्म-युद्ध में वध।

शहादतकदः (شہادت کدہ) अ. फा. पुं.–दे. 'शहादतगाह'।

शहादतगाह (شہادت گاہ) अ. फा. स्त्री.–शहीद होने का स्थान, बलिदान होने या किये जाने की जगह।

शहादतनामः (شہادت نامہ) अ. फा. पुं.–प्रमाणपत्र, सनद; वह ग्रंथ जिसमें किसी के शहीद होने का वर्णन हो।

शहादते इमाम (شہادت امام) अ. स्त्री.–हज़रत इमाम हुसैन की शहादत।

शहादते उज़्मा (شہادت عظمی) अ. स्त्री.–बहुत बड़ी शहादत, सबसे बड़ा बलिदान; हज़रत इमाम हुसैन का वध।

शहादते कुब्रा (شہادت کبری) अ. स्त्री.–दे. 'शहादते उज़्मा'।

शहादते हक़्क़ः (شہادت حقہ) अ. स्त्री.–सच्ची गवाही; सत्य के लिए बलिदान; सच्चा बलिदान।

शहानः (شہانہ) अ. फा. वि.–'शाहानः' का लघु., शाहों-जैसा, राज्योचित।

शहाब (شہاب) अ. पुं.–कुत्ते का पिल्ला; वह दूध जिसमें दो भाग पानी मिला हो।

शहाब (شہاب) फा. पुं.–लाल रंग।

शहाबी (شہابی) फा. वि.–लाल, सुर्ख़; रक्त, शोणित।

शहामत (شہامت) अ. स्त्री.–श्रेष्ठता, बड़ाई; शूरता, बहादुरी; शक्ति, ज़ोर; प्रसन्नता, ख़ुशी; फ़ुर्ती।

शही (شہی) फा. स्त्री.–'शाही' का लघु., राजाओं का; राजाओं-जैसा।

शहीक़ (شہیق) अ. स्त्री.–गधे की वह भारी आवाज जो अंत में निकलती है, गधे की शुरू की आवाज "ज़फ़ीर" है।

शहीद (شہید) अ. वि.–जो धर्मयुद्ध में शत्रु से लड़ता हुआ मारा गया हो; जिसने धर्म, देश या किसी लोक-हित के लिए बलिदान किया हो, हुतात्मा; ईश्वर का एक नाम।

शहीदे आ'ज़म (شہید اعظم) अ. पुं.–सबसे बड़ा शहीद, हज़रत इमाम हुसैन की उपाधि।

शहीदे इश्क़ (شہید عشق) अ. पुं.–प्रेम के मार्ग में जान देनेवाला, प्रेमिका को प्राण अर्पण करनेवाला।

शहीदे कर्बला (شہید کربلا) अ. फा. पुं.—कर्बला के युद्ध में सत्य के लिए बलि होनेवाले, हज़रत इमाम हुसैन।

शहीदे वतन (شہید وطن) अ. पुं.—वतन की आज़ादी और उन्नति के लिए युद्ध या परिश्रम में मरनेवाला।

शहीम (شحیم) अ. वि.—जिसके शरीर में चर्बी बहुत हो, मेदुर।

शहीर (شہیر) अ. वि.—प्रसिद्ध, ख्यातिप्राप्त, मशहूर।

शहीह (شحیح) अ. वि.—कृपण, कंजूस, बख़ील।

शहून (شحون) अ. वि.—शक्तिशाली, ज़ोरावर; पूज्य, श्रेष्ठ, बुज़ुर्ग।

शह्द (شہد) फा. पुं.—मधु, अंग्बीं।

शह्दआमेज़ (شہدآمیز) फा. वि.—जिसमें शह्द मिला हो, मधुर, मीठा।

शह्दगुफ़्तार (شہدگفتار) फा. वि.—जिसकी बातें मीठी हों, मिष्टभाषी, मधुरवादी।

शह्दगुफ़्तारी (شہدگفتاری) फा. स्त्री.—बातों की मिठास।

शह्दमक़ाल (شہدمقال) फा. अ. वि.—दे. 'शह्दगुफ़्तार'

शह्दमक़ाली (شہدمقالی) फा. अ. स्त्री.—दे. 'शह्द गुफ़्तारी'।

शह्न (شحن) अ. पुं.—भरना, पुर करना; हाँकना, चलाना; दूर करना, हटाना।

शह्ब: (شہبہ) फा. स्त्री.—बूढ़ी स्त्री, वृद्धा, जरिता।

शह्बर: (شہبرہ) फा. स्त्री.—बूढ़ी स्त्री, वृद्धा।

शह्बा (شہبا) अ. स्त्री.—वह घोड़ी या ऊँटनी जिसका रंग सफ़ेदी मिला काला हो और सफ़ेदी अधिक हो।

शह्म: (شحمہ) अ.पुं.—थोड़ी-सी चर्बी; कान की लौ।

शह्म (شحم) अ. स्त्री.—वसा, मेदा, चर्बी।

शह्मे हंज़ल (شحم حنظل) अ. पुं.—इंद्रायण, एक प्रसिद्ध कड़वा फल, जो कफ़ का रेचक है।

शह्र (شہر) अ. पुं.—मास, महीना; चंद्र, चाँद; प्रकटन, ज़ुहूर।

शह्र (شہر) फा. पुं.—नगर, पुरी, बड़ी बस्ती, जो क़स्बे से बड़ी हो।

शह्र आशोब (شہرآشوب) फा. पुं.—नज़्म की एक क़िस्म जिसमें राज्य की कुव्यवस्था, शासक की हीनता और प्रजा की दुर्गति का वर्णन होता है।

शह्रताश (شہرتاش) फा. तु. वि.—एक ही नगर के निवासी, हम वतन।

शह्र बर शह्र (شہربرشہر) फा. वि.—नगर-नगर में, हर नगर में, एक नगर से दूसरे नगर में।

शह्रपनाह (شہرپناہ) फा. स्त्री.—नगर के चारों ओर रक्षार्थ बनायी हुई पक्की और ऊँची दीवार, प्राचीर, परकोटा, फ़सील।

शह्रबंद (شہربند) फा. वि.—दुर्ग, कोट, क़िला; कारागार, क़ैदख़ाना; जिसे राजा की ओर से बाहर जाने की आज्ञा न हो, ; किसी सुअवसर पर नगर की सजावट।

शह्रबदर (شہربدر) फा. वि.—नगर से निकाला हुआ, जिसे राज्य की ओर से नगर से निकाल दिया गया हो, नगर बहिष्कृत।

शह्रयार (شہریار) फा. वि.—शासक, नृपाल, राजा, सम्राट्, बादशाह।

शह्रयारी (شہریاری) फा. स्त्री.—राज्य, शासन, बादशाही।

शह्रवा (شہروا) फा. पुं.—वह सिक्का जो किसी नगर-विशेष में चलता हो दूसरी जगह न चलता हो।

शह्री (شہری) फा. वि.—शह्र का निवासी, नगर निवासी; सभ्य, शिष्ट, तमीज़दार; जिसे किसी देश में वहाँ की प्रजा होने का अधिकार प्राप्त हो, नागरिक।

शह्रीयत (شہریت) फा. स्त्री.—सभ्यता, शिष्टता; नागरिकता, सिटीज़नशिप।

शह्रे ख़मोशाँ (شہرخموشاں) फा. पुं.—मूक लोगों का नगर, अर्थात् क़ब्रिस्तान, समाधिक्षेत्र।

शह्रे ग़रीबाँ (شہر غریباں) फा. पुं.—परदेसियों का नगर, जहाँ कोई एक दूसरे को पहचानता न हो।

शह्रे नाबीना (شہر نابینا) फा. पुं.—अंधों का नगर, जहाँ कोई कुछ देख न सकता हो, जहाँ गुण-दोष परखनेवाला न हो।

शह्रेवर (شہریور) फा. पुं.—ईरान का एक महीना जो हिंदी हिसाब से कुआर में पड़ता है।

शह्ल: (شہلہ) फा. स्त्री.—वृद्धा स्त्री, बुढ़िया।

शह्ला (شہلا) अ. वि.—काली आँखोंवाली स्त्री; वह नर्गिस जिसके भीतर पीलाहट की जगह कालिमा होती है, और आँख से बहुत मिलती-जुलती है।

शह्वत (شہوت) अ. स्त्री.—इच्छा, अभिलाषा, ख़्वाहिश; क्षुधा, भूख, इश्तिहा; कामवेग, कामातुरता, स्त्री-प्रसंग की प्रबल इच्छा।

शह्वतअंगेज़ (شہوت انگیز) अ. फा. वि.—कामवर्द्धक, कामशक्ति-वर्द्धक, शह्वत बढ़ानेवाला।

शह्वतअंगेज़ी (شہوت انگیزی) अ. फा. स्त्री.—कामशक्ति की प्रबलता, शह्वत का जोश।

शह्वतअफ़्ज़ा (شہوت افزا) अ. फा. वि.—शह्वत बढ़ानेवाला, कामवर्द्धक।

शह्वतकुश (شہوت کش) अ. फा. वि.—शह्वत को मारनेवाला, इंद्रियदमन।

शह्वतकुशी (شہوت کشی) अ. फा. स्त्री.—शहवत् को मारना, इंद्रिय दमन करना।

शह्वतख़ेज़ (شہوت خیز) फा. अ. वि—दे. 'शह्वतअंगेज़'।

शह्वतख़ेज़ी (شہوت خیزی) अ. फा. स्त्री.—दे. 'श. अंगेज़ी'।

शह्वतपरस्त (شہوت پرست) अ. फा. वि.—इच्छाओं का दास; भोग-विलास का रसिया, व्यभिचारी, लंपट।

शह्वतपरस्ती (شہوت پرستی) अ. फा. स्त्री.—इच्छाओं की पूजा, लिप्सा; कामवासना की रसिकता, व्यभिचार।

शह्वतराँ (شہوت راں) अ. फा. वि.—दे. 'शह्वतपरस्त'।

शह्वतरानी (شہوت رانی) अ. फा. स्त्री.—दे. 'श. परस्ती'।

शह्वते कल्बी (شہوت کلبی) अ. स्त्री.—एक रोग जिसमें भूख बहुत बढ़ जाती है, और कितना भी खाया जाय तृप्ति नहीं होती।

शह्वात (شہوات) अ. स्त्री.—'शहवत' का बहु., शहवतें, इच्छाएँ; काम वासनाएँ।

शह्वानी (شہوانی) अ. वि.—इच्छा का; काम वासना का; इच्छा सम्बन्धी; कामवासना-सम्बन्धी।

शह्वानीयत (شہوانیت) अ. स्त्री.—शहवत, काम वासना, स्त्री-प्रसंग की इच्छा।

शह्वी (شہوی) अ. वि.—दे. 'शहवानी'।

शा

शांज़दः (شانزدہ) फा. वि.—सोलह, षोडश।

शांज़दहुम (شانزدہم) फा. वि.—सोलहवाँ।

शाइक़ (شائق) अ. वि.—इच्छुक, अभिलाषी; उतकंठित, मुश्ताक़; व्यसनी, शौक़ीन।

शाइक (شائک) अ. वि.—काँटोंवाला, काँटोंदार।

शाइबः (شائبہ) अ. पुं.—लवलेश; किंचिन्मात्र, बहुत थोड़ा; मिश्रण, मिलावट।

शाइरः (شاعرہ) अ. स्त्री.—कवि स्त्री, कवयित्री।

शाइर (شاعر) अ. पुं.—कवि, शाइरी करनेवाला।

शाइरात (شاعرات) अ. स्त्री.— 'शाइरः' का बहु., शाइर स्त्रियाँ।

शाइरानः (شاعرانہ) अ. फा. वि.—शाइरों-जैसा।

शाइरी (شاعری) अ. स्त्री.—कविता, शे'र कहना; काव्य, शे'र का फ़न; अत्योक्ति, मुबालग़ः।

शाइरीन (شاعرین) अ. पुं.—'शाइर' का बहु., कविगुण, शाइर हज़रात।

शाइस्तः (شائستہ) फा. वि.—सभ्य, शिष्ट, मुहज़्ज़ब; योग्य, क़ाबिल; पात्र, मुस्तहक़; संस्कृत, मार्जित, मुजल्ला; उत्तम, श्रेष्ठ, उम्दा।

शाइस्तःअमल (شائستہ عمل) फा. अ. वि.—सदाचारी, शिष्टाचारी, नेक अतवार।

शाइस्तःकलाम (شائستہ کلام) फा. अ. वि.—तमीज़ की बातचीत करनेवाला, सभ्यतापूर्वक बातचीत करनेवाला।

शाइस्तःगो (شائستہ گو) फा. वि.—जिसकी बातचीत सभ्यता और शिष्टता लिये हुए हो।

शाइस्तःमनिश (شائستہ منش) फा. वि.—दे. 'शाइस्तः-मिज़ाज'।

शाइस्तःमिज़ाज (شائستہ مزاج) फा. अ. वि.—सभ्य, शिष्ट, मुहज़्ज़ब।

शाइस्तए कलाम (شائستۂ کلام) फा. अ. पुं.—वह व्यक्ति जिससे बातचीत की जा सके, जो बात करने के योग्य हो।

शाइस्तगी (شائستگی) फा. स्त्री.—सभ्यता, तहज़ीब; शिष्टता, तमीज़; योग्यता, क़ाबिलीयत; पात्रता, इस्तेहक़ाक़; संस्कृति, सफ़ाई; उत्तमता, उम्दगी।

शाए' (شائع) अ. वि.—व्यक्त, प्रकट, ज़ाहिर; प्रकाशित, छपा हुआ; प्रसारित, नश्र।

शाए'कर्दः (شائع کردہ) अ. फा. वि.—प्रकाशित किया हुआ, छापा हुआ।

शाए'कुनिंदः (شائع کنندہ) अ. फा. वि.—प्रकाशक, छापनेवाला।

शाएगाँ (شائگاں) फा. वि.—उत्तम, उम्दा; विस्तृत, चौड़ा; 'पर्वेज़' का एक ख़ज़ाना; विष्टि, बेगार; क़ाफ़िए का एक दोष, ईता।

शाक़ (شاق) अ. वि.—असह्य, नाक़ाबिले बरदाश्त; कठिन, दुष्कर, मुश्किल; अरुचिकर, नागवार।

शाक (شاک) अ. पुं.—सैनिक, सिपाही; सशस्त्र, मुसल्लह; शक करनेवाला।

शाकिए जौर (شاکئ جور) अ. पुं.—अनीति और अत्याचार की शिकायत करनेवाला।

शाकिए ज़ुल्म (شاکئ ظلم) अ. पुं.—दे. 'शाकिए जौर'।

शाकिए सितम (شاکئ ستم) अ. पुं.—दे. 'शाकिए जौर'।

शाकिरः (شاکرہ) अ. स्त्री.—शुक्र करनेवाली स्त्री।

शाकिर (شاکر) अ. पुं.—शुक्र करनेवाला, ईश्वर को धन्यवाद देनेवाला।

शाकिरे ने'मत (شاکر نعمت) अ. पुं.—ईश्वर की दी हुई ने'मतों पर उसको धन्यवाद देनेवाला, कृतज्ञ।

शाकी (شاکی) अ. वि.—शिकायत करनेवाला, परिवादी।

शाक़ूल (شاقول) अ. स्त्री.—राजों की सहावल, जिससे वह दीवार की सीध नापते हैं।

शाक़्क़ः (شاقہ) अ. वि.—बहुत कड़ी, बहुत कठिन।

शाख़: (شاخہ) फा. पुं.–अपराधी को दंड देने का काठ।

शाख़ (شاخ) फा. स्त्री.–शाखा, डाली; शृंग, विषाण, सींग; अड़चन, बाधा, पख; खंड, टुकड़ा; शराब का प्याला या सुराही, पानपात्र।

शाख़च: (شاخچہ) फा. पुं.–छोटी शाखा, टहनी, डाली।

शाख़च:बंदी (شاخچہبندی) फा. स्त्री.–पेड़ की क़लम लगाना; लांछन या आरोप लगाना।

शाख़ दर शाख़ (شاخ در شاخ) फा. वि.–एक-एक डाली में; पेचीद:, उलझा हुआ; पहलूदार।

शाख़दार (شاخدار) फा. वि.–जिसमें डालियाँ हों, (पुं.) स्त्री की कमाई खानेवाला, भार्या-घटक, दैयूस।

शाख़बदीवार (شاخبدیوار) फा. वि.–अभिमानी, घमंडी; उद्दंड, सरकश।

शाख़ शाख़ (شاخ شاخ) फा. वि.–टुकड़े-टुकड़े, खंड-खंड।

शाख़सान: (شاخشانہ) फा. पुं.–पख, बाधा, अड़चन; बात में बात।

शाख़सार (شاخسار) फा. पुं.–जहाँ बहुत-से पेड़ हों।

शाख़ाब: (شاخابہ) फा. पुं.–खाड़ी, ख़लीज।

शाख़िल (شاخل) फा. पुं.–दे. 'शाख़ुल', दोनों शुद्ध हैं।

शाख़िस (شاخص) अ. वि.–जिसकी आँखें खुली रह गयी हों, जो टकटकी बाँधकर रह गया हो।

शाख़ुल (شاخل) फा. पुं.–अरहर, एक प्रसिद्ध अन्न जिसकी दाल बनती है।

शाख़े आर्ज़ू (شاخ آرزو) फा. स्त्री.–इच्छारूपी वृक्ष की शाखा, अर्थात् इच्छा।

शाख़े आहू (شاخ آہو) फा. स्त्री.–धनुष, कमान; झूठा वा'दा; हिरन का सींग।

शाख़े गवज़्न (شاخ گوزن) फा. स्त्री.–बारहसिंगे का सींग।

शाख़े गाव (شاخ گاو) फा. स्त्री.–बैल या गाय का सींग।

शाख़े गुल (شاخ گل) फा. स्त्री.–फूलों की डाली; प्रेमिका, मा'शूक़।

शाख़े गेसू (شاخ گیسو) फा. स्त्री.–बालों की लट, केशपाश।

शाख़े ज़ा'फ़रान (شاخ زعفران) फा. अ. स्त्री.–आश्चर्य-जनक वस्तु; अनुपम, बेमिस्ल।

शाख़े दर्या (شاخ دریا) फा. स्त्री.–किसी नदी से निकली हुई शाखा, शाखानदी।

शाख़े नबात (شاخ نبات) फा. स्त्री.–बाँस की वे छोटी टीलियाँ, जो मिस्री जमाते समय कूज़े में लगा दी जाती हैं।

शाख़े सुस्त (شاخ سست) फा. स्त्री.–कमज़ोर डाली जिस पर घोंसला बनाने में उसके टूटने का भय हो, अर्थात् संसार।

शाख़ोबुन (شاخ وبن) फा. स्त्री.–जड़ और शाख़ें, सब, तमाम।

शागिर्द (شاگرد) फा. पुं.–विद्यार्थी, तालिबे इल्म; कोई कला या शिल्प सीखनेवाला, शिष्य; कविता के गुण-दोषादि सीखनेवाला।

शागिर्दपेश: (شاگردپیشہ) फा. पुं.–नौकर-चाकर, ख़िदमत-गार लोग।

शागिर्दान: (شاگردانہ) फा. वि.–शागिर्दों-जैसा, शागिर्दों की तरह, शिष्योचित।

शागिर्दी (شاگردی) फा. स्त्री.–किसी उस्ताद या आचार्य से किसी कला, शिल्प या विद्या का उपार्जन।

शागिर्दे रशीद (شاگرد رشید) फा. अ. पुं.–वह शागिर्द जिसे उस्ताद ने पूरे ध्यान से किसी कला, शिल्प या विद्या की शिक्षा दी हो, और उसको वह सारी बातें और भेद बता दिये हों जो दूसरों को नहीं बतायी हों।

शाग़िल (شاغل) अ. वि.–निषेधक, मना करनेवाला; मश्ग़ूल, संलग्न।

शाज़ (شاذ) अ. वि.–एकाकी, अकेला; जो बहुत कम होता हो।

शाज़ोनादिर (شاذونادر) अ. वि.–कभी-कभी, यदा-कदा; इक्का-दुक्का, न होने के बराबर।

शात (شات-شاة) अ. स्त्री.–अजा, बकरी, बुज़।

शातिन (شاطن) अ. वि.–दुराचारी, मायाचारी, बदकार।

शातिर (شاطر) अ. वि.–शत्रंज का माहिर; शत्रंज खेलने-वाला; धूर्त, छली, ठग; चपल, चंचल, शोख़; धृष्ट, ढीठ।

शातिरज़ाद: (شاطرزادہ) अ. फा. पुं.–तेज़ और फुर्तीला नौकर।

शातिरान: (شاطرانہ) अ. फा. वि.–शातिरों-जैसा, धूर्तता पूर्ण, ऐयाराना।

शाती (شاطی) अ. पुं.–नदी का किनारा, नदी-तट।

शातू (شاتو) तु. पुं.–सोपान, निश्रेणी, सीढ़ी।

शाद (شاد) फा. वि.–प्रसन्न, हर्षित, ख़ुश; आनंदित, मौज में।

शादकाम (شادکام) फा. वि.–प्रसन्नचित्त, मस्रूर; सफल-मनोरथ, कामयाब।

शादकामी (شادکامی) फा. स्त्री.–प्रसन्नता, ख़ुशी; सफ-लता, कामयाबी।

शादख़्वार (شادخوار) फा. वि.–धनाढ्य, मालदार; बे रोक-टोक शराब पीनेवाला।

शादख़्वारी (شادخواری) फा. स्त्री.–समृद्धि, दौलतमंदी; बे रोक-टोक शराब पीना।

शादगून: (شادگونه) फा. स्त्री.—गानेवाली स्त्री, गायिका, डोमनी; बिछाने का गद्दा, तोशक।

शादजी (شادزی) फा. वा.—दे. 'शादबाश'।

शादन: (شادنه) फा. पुं.—एक पत्थर जो छोटे दानों की शक्ल में होता है, और दवा में चलता है।

शादनज (شادنج) अ. पुं.—दे. 'शादन:'।

शादबह्‌र (شادبہر) फा. वि.—सौभाग्यशाली, ख़ुशक़िस्मत; समृद्ध, ख़ुशहाल।

शादबाद (شادباد) फा. वा.—दे. 'शादबाश'।

शादबाश (شاد باش) फा. वा.—ख़ुश रहो, चैन से जीवन व्यतीत करो, एक आशीर्वाद; शाबाश, धन्यवाद।

शादमाँ (شادماں) फा. वि.—प्रसन्नचित्त, हर्षित, आनंदित।

शादमाँदिल (شادماں دل) फा. वि.—प्रसन्नहृदय, प्रफुल्लमनस्क।

शादमाँरू (شادماں رو) फा. वि.—प्रफुल्लवदन, जिसके चेहरे पर शिगुफ़्तगी हो।

शादमानी (شادمانی) फा. स्त्री.—प्रसन्नता, हर्ष, ख़ुशी।

शादवर्द (شادورد) फा. पुं.—चंद्रमंडल, चंद्रबिंब, हाल:।

शादाँ (شاداں) फा. वि.—दे. 'शादमाँ'।

शादाब (شاداب) फा. वि.—हरा-भरा, सरसब्ज़; सिंची हुई काश्त; प्रफुल्ल, शिगुफ़्त:।

शादाबी (شادابی) फा. स्त्री.—हराभरापन, तरोताज़गी; प्रफुल्लता, शिगुफ़्तगी।

शादिन (شادن) फा. पुं.—मृग-शावक, हिरन का बच्चा।

शादियान: (شادیانه) फा. पुं.—बधाई, ख़ुशी के समय बजनेवाला बाजा।

शादी (شادی) फा. स्त्री.—हर्ष, आनंद; विवाह, ब्याह।

शादीच: (شادیچه) फा. पुं.—ऊपर पहनने का कपड़ा, उपरना, बालापोश।

शादीमर्ग (شادی مرگ) फा. वि.—वह व्यक्ति जो हर्षाधिक्य के कारण मर जाय।

शादुर्वान (شادروان) फा. पुं.—शामियाना; पर्दा; फ़र्श; छाजन, साइबान।

शादोआबाद (شادوآباد) फा. वि.—जो प्रसन्न भी हो और समृद्ध भी।

शादोख़ुर्रम (شادوخرم) फा. वि.—प्रसन्न और आनंदित।

शान: (شانه) फा. पुं.—कंघा; कंधा, स्कंध; जुलाहों की राछ; जुलाहों की कूँची; एक शस्त्र।

शान:कश (شانه‌کش) फा. वि.—कंघा करनेवाला।

शान:कशी (شانه‌کشی) फा. स्त्री.—कंघा करना, बालों को कंघे से सुलझाना।

शान:कार (شانه‌کار) फा. वि.—कंघा बनानेवाला।

शान:गर्दानी (شانه‌گردانی) फा. स्त्री.—उपेक्षा, बेतवज्जुही।

शान:बशान: (شانه‌بشانه) फा. वि.—कंधे से कंधा मिलाकर, घिलकर, जुड़कर।

शान:बहा (شانه‌بها) फा. पुं.—बहुत थोड़ा मूल्य।

शान:बीं (شانه‌بیں) फा. वि.—सगुन विचारनेवाला, यह सगुन बकरी की सींग से लिया जाता है।

शान:बीनी (شانه‌بینی) फा. स्त्री.—सगुन विचारना।

शान:सर (شانه‌سر) फा. पुं.—एक पक्षी, हुदहुद।

शान (شان) अ. स्त्री.—वैभव, विभव, शान-शौकत; प्रताप, इक़्बाल; तेज, जलाल; श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी।

शानदार (شاندار) अ. फा. वि.—ठाटदार, उत्तम, बढ़िया; विशाल, भारी।

शानी (شانی) अ. वि.—शत्रु, वैरी, दुश्मन।

शाने नुज़ूल (شان نزول) अ. स्त्री.—आने का कारण, उपस्थिति का सबब; किसी आकाशवाणी का कारण; किसी आकाशीय ग्रंथ या उसके किसी खंड-विशेष के उतरने का कारण।

शानोशौकत (شان وشوکت) अ. स्त्री.—ठाट-बाट, तड़क-भड़क; वैभव, विभव, जाहोहश्म।

शाफ़: (شافه) अ. पुं.—गुदा में रखने का दवा में भीगा हुआ कपड़ा आदि।

शाफ़िअ: (شافعه) अ. स्त्री.—सुफ़ारिश करनेवाली स्त्री।

शाफ़िई (شافعی) अ. वि.—इमाम शाफ़िई का नाम; इमाम शाफ़िई का अनुयायी मुसलमान।

शाफ़िए मुत्लक़ (شافئ مطلق) अ. पुं.—सच्ची नीरोगिता प्रदान करनेवाला, ईश्वर।

शाफ़ी (شافی) अ. वि.—रोगमुक्त करनेवाला, शिफ़ा देनेवाला।

शाफ़े' (شافع) अ. वि.—सुफ़ारिश करनेवाला; ईश्वर से सुफ़ारिश करके मोक्ष दिलानेवाला।

शाब [ब्ब] (شاب) अ. वि.—युवा, तरुण, जवान।

शा'ब (شعب) अ. पुं.—गर्त, गढ़ा; खोह, कंदरा, गुफा; दरार, दर्ज़; कुल, ख़ानदान।

शा'बद: (شعبده) अ. पुं.—इंद्रजाल, जादू; दृष्टिबंध, नज़रबंदी; टोना-टोटका; नयी और अनोखी बात, चमत्कार; छल, फ़रेब।

शा'बद:गर (شعبده‌گر) अ. फा. वि.—दृष्टिबंधक, मायावी, जादूगर; छली, फ़रेबी।

शा'बद:गरी (شعبده‌گری) अ.फा. स्त्री.—मायाकर्म, इंद्रजाल, जादूगरी; छली, फ़रेब।

शा'बद:बाज़ (شعبده‌باز) अ. फा. वि.—दे. 'शाबद:गर'।

शा'बद:बाज़ी (شعبدہبازی) फ़ा. अ. स्त्री.—दे. 'शा'बद: गरी'।
शा'बद:संज (شعبدہسنج) अ. फ़ा. वि.—दे. 'शा'बद:गर'।
शा'बद:संजी (شعبدہسنجی) अ. फ़ा. स्त्री.—दे. 'शा'बद:-गरी'।
शा'बदात (شعبدات) अ. पुं.—शा'बद: का बहु., शा'बदे।
शा'बान (شعبان) अ. पुं.—इस्लामी आठवाँ महीना।
शाबाश (شاباش) फ़ा. स्त्री.—'शादबाश' का लघु., प्रोत्साहन देने और हिम्मत बढ़ानेवाला एक शब्द जो बड़े लोग छोटों के अच्छा काम करने पर कहते हैं।
शाबाशी (شاباشی) उ. स्त्री.—शाबाश देना; शाबास।
शाम (شام) अ. पुं.—एक देश, सीरिया।
शाम (شام) फ़ा. स्त्री.—संध्या, सायंकाल।
शामगाह (شامگاہ) फ़ा. स्त्री.—सायंकाल, संध्याबेला।
शामत (شامت) अ. स्त्री.—अकल्याण, नुहूसत; दुर्भाग्य, बदक़िस्मती; घिरने के लच्छन।
शामते अमल (شامت عمل) अ. स्त्री.—कर्म का खोटापन, बुरे कर्म का बुरा फल।
शामते आ'माल (شامت اعمال) अ. स्त्री.—बुरे कर्मों का फल, पापों का नतीजा।
शामियान: (شامیانہ) फ़ा. पुं.—वितान, छाया के लिए ताना जानेवाला विशेष कपड़ा।
शामिल (شامل) अ. वि.—सम्मिलित, एकत्र, एक जगह; अंतर्गत, भीतरी; समन्वित, संयुक्त, मुत्तहद; भागीदार, साझी, शरीक; सहकारी, मददगार।
शामिले हाल (شامل حال) अ. वि.—सम्मिलित, शामिल।
शामी (شامی) अ. वि.—शाम का निवासी; शाम की भाषा।
शामे अबद (شام ابد) फ़ा. अ. स्त्री.—वह समय जब सृष्टि बिलकुल नष्ट हो जायगी, 'सुब्हे अज़ल' का उलटा।
शामे ग़रीबाँ (شام غریباں) फ़ा.अ.स्त्री.—परदेसियों की शाम, परदेश की शाम जो बड़ी उदास होती है।
शामे ग़ुर्बत (شام غربت) फ़ा. अ. स्त्री.—परदेस की शाम।
शामे जवानी (شام جوانی) फ़ा. स्त्री.—युवावस्था की शाम, जहाँ से मनुष्य पाप के जगत् में पाँव रखता है।
शामोपगाह (شام وپگاہ) फ़ा. स्त्री.—रात-दिन, अहर्निश, अर्थात् हर समय, सदा।
शामोसहर (شام و سحر) फ़ा.अ. स्त्री.—दे. 'शामोपगाह'।
शाम्म: (شامہ) अ. स्त्री.—घ्राणशक्ति, सूँघने की क़ुव्वत।
शायगाँ (شایگاں) फ़ा. वि.—दे. 'शाएगाँ'।
शायद (شاید) फ़ा. वि.—कदाचित्, कदाचन, स्यात्।
शायदोबायद (شایدو باید) फ़ा. वि.—अद्भुत, अनुपम, अजीबोग़रीब।

शायस्त: (شایستہ) फ़ा. वि.—दे. 'शाइस्त:'।
शायस्तगी (شایستگی) फ़ा. स्त्री.—दे. 'शाइस्तगी'।
शायाँ (شایاں) फ़ा. वि.—उचित, समुचित, मौज़ूँ, मुनासिब।
शायाने शान (شایان شان) फ़ा. अ. वि.—किसी की हैसियत के मुनासिब, जो व्यक्ति जैसा हो उसके लिए वैसा ही।
शार: (شارہ) फ़ा. पुं.—वस्त्र, कपड़ा; पगड़ी; साड़ी, सारी।
शार (شار) फ़ा. स्त्री.—नगर, बस्ती; सारी, साड़ी, (प्रत्य.) स्थान, ऐसा स्थान जहाँ एक ही वस्तु प्रचुर हो, जैसे—कोहसार, पहाड़ी स्थान।
शा'र (شعر) अ. पुं.—बाल, कच, केश।
शारक (شارک) फ़ा. स्त्री.—मैना पक्षी, सारिका।
शारमार (شارمار) फ़ा. पुं.—अजगर, बड़ा साँप।
शारसाँ (شارساں) फ़ा. पुं.—नगर, शहर; जहाँ बहुत-सी बस्तियाँ हों।
शारिक़ (شارق) अ. वि.—भागनेवाला।
शारिद (شارد) अ. वि.—चमकनेवाला।
शारिब (شارب) अ. वि.—पीनेवाला, पायी।
शारिस्तान (شارستان) फ़ा. पुं.—वह बस्ती जिसके चारों ओर बाग़ हों।
शा'रुलजिन (شعرالجن) अ. पुं.—हंसराज, एक घास जो दवा में चलती है, परसियावशान।
शारे' (شارع) अ. वि.—इस्लामी शरीअत बनानेवाला अर्थात् हज़रत पैग़ंबर साहिब; शरीअत का आलिम।
शारेह (شارح) अ. वि.—भाष्यकार, टीकाकार, शह्र्ह लिखनेवाला।
शालंग (شالنگ) फ़ा. स्त्री.—वह व्यक्ति जो किसी भागे हुए (मफ़रूर) व्यक्ति की जगह पकड़ा जाय।
शाल (شال) फ़ा. स्त्री.—एक ऊनी कामदार चादर।
शालदोज़ (شال دوز) फ़ा. वि.—शाल बनानेवाला।
शालबाफ़ (شال باف) फ़ा. वि.—दे. 'शालदोज़'।
शालहंग (شالہنگ) फ़ा. पुं.—अत्याचार, जुल्म; बंधक, रह्न; छल, कपट, फ़रेब।
शाली (شالی) फ़ा. पुं.—धान, भूसी सहित चावल।
शाश: (شاشہ) फ़ा. पुं.—मूत्र, प्रस्राव, पेशाब।
शाश (شاش) फ़ा. पुं.—दे. 'चाच'; दे 'शाश:'।
शा'शअ: (شعشعہ) अ. पुं.—किरण, अंशु, रश्मि, दीधिति, मयूख; आतप, धूप, अर्चि।
शाशदान (شاشدان) फ़ा. पुं.—पेशाब करने का बर्तन, रोगियों का मूत्रपात्र।
शाशिद: (شاشندہ) फ़ा. वि.—पेशाब करनेवाला।
शाशीद: (شاشیدہ) फ़ा. वि.—मूता हुआ, पेशाब किया

हुआ; जो पेशाब कर चुका हो; जिस चीज़ पर पेशाब किया गया हो।

शाशीदनी (شاشیدنی) फ़ा. वि.–पेशाब करने के योग्य, जिस पर पेशाब करना उचित हो; त्यक्त और तिरस्कृत वस्तु।

शाहंशह (شاهنشهہ) फ़ा. वि.–'शाहंशाह' का लघु., सम्राट्, चक्रवर्ती।

शाहंशही (شاهنشهی) फ़ा. स्त्री.–साम्राज्य, शहंशाहियत।

शाहंशाह (شاهنشاه) फ़ा. वि.–सम्राट, चक्रवर्ती, शाहों के ऊपर बादशाह, जिसके अधीन अन्य राज्य हों।

शाहंशाही (شاهنشاهی) फ़ा. स्त्री.–साम्राज्य, शहंशाहियत।

शाह (شاه) फ़ा. पुं.–बादशाह, शासक, नरेश, नृप, राजा।

शाहकार (شاهکار) फ़ा. पुं.–किसी कलाकार की सर्वोत्तम कला, अत्युत्तम कृति।

शाहगाम (شاهگام) फ़ा. स्त्री.–घोड़े की एक चाल।

शाहज़ादः (شاهزاده) फ़ा. पुं.–युवराज, राजकुमार, शहज़ादा।

शाहज़ादगी (شاهزادگی) फ़ा. स्त्री.–राजकुमारता, युवराजपन, सहज़ादगी की अवस्था।

शाहतरः (شاهتره) फ़ा. पुं.–एक घास जो दवा में चलती है।

शाहदरः (شاهدره) फ़ा. पुं.–राजमार्ग, आमरास्ता।

शाहदानः (شاهدانه) फ़ा. पुं.–एक बीज जो दवा में काम आते हैं।

शाहनशीं (شاهنشین) फ़ा. स्त्री.–बैठने की ऊँची जगह।

शाहनामः (شاهنامه) फ़ा. पुं.–वह महाकाव्य जिसमें किसी राज्य विशेष के बादशाहों का वर्णन हो।

शाहपर (شاهپر) फ़ा. पुं.–पक्षियों का डैना, जिसमें पर होते हैं।

शाहपसंद (شاهپسند) फ़ा. वि.–बादशाहों के लाइक़ जिसे राजा और महाराजा पसंद करें।

शाहबल्लूत (شاهبلوط) फ़ा. पुं.–एक पेड़, जिसे ईसाई पवित्र मानते हैं।

शाहबाज़ (شاهباز) फ़ा. पुं.–बड़ा बाज़, शहबाज़; शूर, वीर, योद्धा, बहादुर।

शाहबाज़ी (شاهبازی) फ़ा. स्त्री.–वीरता, शूरता, बहादुरी।

शाहबैत (شاه بیت) फ़ा. अ. स्त्री.–ग़ज़ल का वह शे'र जो सबसे अच्छा हो।

शाहरग (شاه رگ) फ़ा. स्त्री.–एक बड़ी खून फेंकनेवाली रग जो हृदय में जाती है, शहरग।

शाहराह (شاهراه) फ़ा. स्त्री.–बड़ा रास्ता, राजमार्ग।

शाहवार (شاهوار) फ़ा. वि.–बादशाहों और राजाओं के योग्य अर्थात् बहुमूल्य।

शाहसवार (شاهسوار) फ़ा. वि.–घोड़े का बहुत अच्छा सवार, शरीर से शरीर घोड़े पर सवारी करनेवाला।

शाहिक़ (شاهق) अ. वि.–उत्तुंग, उच्च, श्रेष्ठ, बलंद, ऊँचा; प्रासाद, भवन, महल।

शाहिद (شاهد) अ. वि.–साक्षी, गवाह; नायिका, मा'शूक़; श्रेष्ठ, उत्तम, उम्दा।

शाहिदपरस्त (شاهدپرست) अ. फ़ा. वि.–दे. 'शाहिदबाज़'।

शाहिदबाज़ (شاهدباز) अ.फ़ा. वि.–सुंदर स्त्रियों का शौक़ीन, हुस्नपरस्त; रंडीबाज़, वेश्यागामी।

शाहिदानः (شاهدانه) अ. फ़ा. वि.–मा'शूक़ों-जैसा, नाज़ो-अंदाज़ और हाव-भावों से भरा हुआ।

शाहिदी (شاهدی) अ. वि.–साक्षी, गवाही, साक्ष्य; नायिकापन, मा'शूक़ीयत।

शाहिदीयत (شاهدیت) अ. स्त्री.–साक्ष्य, गवाही; माशूक़ीयत, नायिकापन।

शाहिदे आदिल (شاهد عادل) अ. वि.–सच्चा गवाह, सत्य साक्षी।

शाहिदे ग़ैब (شاهد غیب) अ. वि.–परोक्ष ज्ञाता, अर्थात् ईश्वर।

शाहिदे बाज़ारी (شاهد بازاری) अ. फ़ा. स्त्री.–गणिका, रूपजीविनी, पण्यस्त्री, ग्रामनायिका, वेश्या, तवाइफ़, रंडी।

शाहिदे मक़्सूद (شاهد مقصود) अ. वि.–मनोकामना, मनोरथ, नायिका रूपी सुंदर मनोरथ।

शाहिदे रोज़ (شاهد روز) अ. फ़ा. पुं.–सूर्य, सूरज।

शाहिदे शब (شاهد شب) अ. फ़ा. पुं.–चंद्रमा, राकेश, चाँद।

शाहिदे हाल (شاهد حال) अ. वि.–घटना का प्रत्यक्ष गवाह।

शाहीं (شاهین) फ़ा. पुं.–श्येन, पालंगक, विहंगाराति, बाज़ पक्षी; तराजू की डंडी, तुलादंड।

शाहीं दुज़्द (شاهین دزد) फ़ा. पुं.–डंडी मारनेवाला, तोल में अधिक या कम तोलनेवाला।

शाहीं दुज़्दी (شاهین دزدی) फ़ा. स्त्री.–डंडी मारना, कम या अधिक तोलना।

शाहीं बचः (شاهین بچه) फ़ा. पुं.–बाज़ का बच्चा; शूर व्यक्ति का पुत्र, वीरपुत्र।

शाही (شاهی) फ़ा. स्त्री.–राजकीय, सरकारी; राज से सम्बन्धित; राज्य, सत्ता, हुकूमत; राष्ट्र, सल्तनत।

शाहीन (شاهین) फ़ा. पुं.–दे. 'शाहीं'।

शाहे ख़ावर (شاه خاور) फ़ा. पुं.–पूर्व का बादशाह अर्थात सूर्य, सूरज।

शाहे नजफ़ (شاه نجف) अ. फ़ा. पुं.–हज़रत अली।

शाहे नह्‌ल (شاه نحل) फा. अ. पुं.—शहद की मक्खियों का बादशाह, या'सूब।

शाहे मग्रिब (شاه مغرب) अ. फा. पुं.—चंद्रमा, चाँद।

शाहे मश्रिक़ (شاه مشرق) फा. अ. पुं.—सूर्य, सूरज।

शाहे रोज़ (شاه روز) फा. पुं.—सूर्य, रवि, सूरज।

शाहे वक़्त (شاه وقت) फा. अ. पुं.—वर्तमानकालीन शासक, मौजूदा समय में राज करनेवाला बादशाह।

शाहे हिजाज़ (شاه حجاز) फा. अ. पुं.—मक्के और मदीने का शासक; हज़्रत मुहम्मद साहिब।

शि

शिआर (شعار) अ. पुं.—स्वभाव, आदत; व्यवहार, तर्ज़े अमल; आचरण, चाल-चलन; ढंग, तरीक़ा; नियम, क़ायदा; चिह्न, निशान।

शिकंजः (شکنجه) फा. पुं.—दबाने और कसने का यंत्र; काटने के लिए काग़ज़ या किताब दबाने का यंत्र; एक काठ का यंत्र जिसमें दबाकर सज़ा दी जाती थी।

शिकंज (شکنج) फा. स्त्री.—बल, शिकन, झुर्री, सिकुड़न, सिलवट; चुटकी, चेंटुआ।

शिकंबः (شکنبه) फा. पुं.—पक्वाशय, पेट के भीतर वह थैली जिसमें जाकर अन्न पकता और पचता है।

शिक़ [क़्क़] (شق) अ. स्त्री.—पक्ष, ओर, तरफ़; खंड, टुकड़ा; पख, बाधा, अड़चन।

शिक़दार (شقدار) अ. फा. पुं.—किसी क्षेत्र-विशेष का पदाधिकारी।

शिकन (شکن) फा. स्त्री.—झुर्री, सिलवट, सिकुड़न, बल।

शिकन दर शिकन (شکن در شکن) फा. वि.—जिसमें बहुत बल हों, बहुत उलझा हुआ; घुँघराले बाल।

शिकनिंदः (شکننده) फा. वि.—तोड़नेवाला, भंजक, भग्नकर्ता।

शिकम (شکم) फा. पुं.—जठर, कोष्ठ, उदर, पेट; पक्वाशय, आमाशय, पाकस्थली, मे'दा।

शिकमख़ारः (شکم خاره) फा. वि.—भूखा, क्षुधातुर।

शिकमपरस्त (شکم پرست) फा. वि.—उदर-पिशाच, उदर-सर्वस्व, जिसे पेट ही सब कुछ हो, अपने लिए ही सब कुछ करनेवाला।

शिकमपरस्ती (شکم پرستی) फा. स्त्री.—पेटपूजा, अपने पेट को ही सब कुछ समझना।

शिकमपर्वर (شکم پرور) फा. वि.—दे. 'शिकमपरस्त'।

शिकमपर्वरी (شکم پروری) फा. स्त्री.—दे. 'शिकमपरस्ती'।

शिकमपुर (شکم پر) फा. वि.—जिसका पेट भरा हो, भोजन-तृप्त, भोजन-संतुष्ट।

शिकमपुरी (شکم پری) फा. स्त्री.—पेट भरा हुआ होना, तृप्ति, सेरी।

शिकमबंदः (شکم بنده) फा. वि.—पेट का बंदा, पेटपूजा की चिंता में ही रहनेवाला।

शिकमबंदगी (شکم بندگی) फा. स्त्री.—पेट की पूजा, पेट की ही फ़िक्र में रहना।

शिकमसेर (شکم سیر) फा. वि.—जिसका पेट भरा हो, अफरा हुआ, भोजनतृप्त।

शिकमसेरी (شکم سیری) फा. स्त्री.—पेट भरा होना, अफरा होना, तृप्ति।

शिकमी (شکمی) फा. वि.—पेट का; भीतरी; बड़े पेट-वाला।

शिकमे मादर (شکم مادر) फा. पुं.—माँ का पेट, मातृयोनि।

शिकरः (شکره) फा. पुं.—एक शिकारी चिड़िया।

शिकस्तः (شکسته) फा. वि.—टूटा हुआ, भग्न, खंडित, शीर्ण; एक लिखावट, घसीट।

शिकस्तःअह्द (شکسته عهد) फा. अ. वि.—जिसकी प्रतिज्ञा भंग हो गयी हो, भग्नव्रत, भग्नप्रतिज्ञ।

शिकस्तःउम्मीद (شکسته امید) फा. वि.—जिसकी उम्मीद टूट गयी हो, हताश, भग्नाश।

शिकस्तःकमर (شکسته کمر) फा. वि.—जिसकी कमर टूट गयी हो।

शिकस्तःक़ीमत (شکسته قیمت) फा. अ. वि.—जिसके दाम गिर गये हों।

शिकस्तःख़ातिर (شکسته خاطر) फा. अ. वि.—जिसका दिल टूट गया हो, भग्नहृदय।

शिकस्तःग़ुरूर (شکسته غرور) फा. अ. वि.—जिसका घमंड मिट गया हो, गलितगर्व, भग्नदर्प।

शिकस्तःज़बाँ (شکسته زبان) फा. वि.—हकला, तोतला, जो अटक-अटककर बोले; जो शुद्ध भाषा न बोले।

शिकस्तःज़ोर (شکسته زور) फा. वि.—जिसकी शक्ति टूट गयी हो अर्थात् घट गयी हो, नष्टशक्ति, हतशक्ति।

शिकस्तःदिल (شکسته دل) फा. वि.—टूटा हुआ दिल; हताश, नाउम्मीद; भग्नहृदय, दुःखी; नष्टोत्साह, भग्न-साहस, पस्तहिम्मत।

शिकस्तःदिली (شکسته دلی) फा. स्त्री.—दिल टूट जाना; उम्मीद नष्ट हो जाना; साहस टूट जाना; दुःखी होना।

शिकस्तःनवीस (شکسته نویس) फा. वि.—घसीट लिखने-वाला।

शिकस्तःनवीसी (شکسته نویسی) फा. स्त्री.—घसीट लिखना, अस्पष्ट लिखावट।

शिकस्तःनाखून (شکستہ ناخن) फा. वि.–जिसके नाखून टूट गये हों, उपायहीन, लाचार, बेबस।

शिकस्तःपर (شکستہ پر) फा. वि.–जिसके पर टूट गये हों, निराश्रय, असहाय, भग्नपक्ष।

शिकस्तःपा (شکستہ پا) फा. वि.–जिसके पाँव टूट गये हों; अपाहिज; निःसहाय, असमर्थ, दीन।

शिकस्तःपाई (شکستہ پائی) फा. स्त्री.–पाँव टूट जाना; अपाहिज हो जाना; लाचार हो जाना।

शिकस्तःबाज़ू (شکستہ بازو) फा. वि.–जिसकी बाँह टूट गयी हो, भग्नबाहु, जिसका बराबर का साथी न रहा हो।

शिकस्तःबाल (شکستہ بال) फा. वि.–दे. 'शिकस्तःपर'।

शिकस्तःरंग (شکستہ رنگ) फा. वि.–जिसका रंग मंद पड़ गया हो, मंदवर्ण।

शिकस्तःहाल (شکستہ حال) अ. फा. वि.–जिसकी आर्थिक दशा ख़राब हो गयी हो।

शिकस्तःहाली (شکستہ حالی) अ. फा. स्त्री.–आर्थिक दशा का ख़राब हो जाना, ग़रीबी।

शिकस्तःहिम्मत (شکستہ ہمت) फा. अ. वि.–जिसकी हिम्मत टूट गयी हो, हतोत्साह, भग्नसाहस।

शिकस्त (شکست) फा. स्त्री.–पराजय, पराभव, हार; टूट-फूट, शिकस्तगी।

शिकस्तकुनिंदः (شکست کنندہ) फा. वि.–तोड़नेवाला, भंजक।

शिकस्तख़ुर्दः (شکست خوردہ) फा. वि.–हारा हुआ, पराजित, परास्त, पराभूत, विजित।

शिकस्तख़ुर्दगी (شکست خوردگی) फा. स्त्री.–हार जाना, पराभव, पराजय।

शिकस्तगी (شکستگی) फा. स्त्री.–टूटा-फूटा होना; टूट-फूट।

शिकस्ते अह्द (شکست عہد) फा. अ. स्त्री.–प्रतिज्ञा का टूट जाना।

शिकस्ते क़ीमत (شکست قیمت) फा. अ. स्त्री.–दाम गिर जाना, मोल कम हो जाना।

शिकस्ते ख़्वाब (شکست خواب) फा. स्त्री.–नींद उचट जाना, सोते हुए जाग जाना।

शिकस्ते फ़ाश (شکست فاش) फा. स्त्री.–खुली हुई हार, ऐसी हार जिसमें संदेह न हो; बहुत बुरी और अपमानजनक हार।

शिकस्ते फ़ाहिश (شکست فاحش) फा. अ. स्त्री.–अपमानजनक हार, बहुत बुरी हार।

शिकस्ते रंग (شکست رنگ) फा. स्त्री.–रंग का हलका पड़ जाना।

शिकस्ते सख़्त (شکست سخت) फा. स्त्री.–दे. 'शिकस्ते फ़ाहिश'।

शिकस्तो रेख़्त (شکست و ریخت) फा. स्त्री.–गिरना और बनना, मकान आदि का गिर जाना और फिर बनना।

शिक़ा (شقا) अ. स्त्री.–दुर्भाग्य, बदक़िस्मती; कालचक्र, नुहूसत।

शिक़ाक़ (شقاق) अ. पुं.–विपरीतता, मुख़ालफ़त; शत्रुता, दुश्मनी; वैमनस्य, रंजिश।

शिकायत (شکایت) अ. स्त्री.–चुग़ली, पिशुनता; निंदा, बुराई; उपालंभ, उलाहना; किसी ग़लत काम की उसके मालिक या अफ़सर को सूचना, अनुयोग, परिवाद; रोग, बीमारी।

शिकायतकुनाँ (شکایت کناں) अ. फा. वि.–शिकायत करता हुआ, शिकायत करती हुई अवस्था में।

शिकायतकुनिंदः (شکایت کنندہ) अ. फा. वि.–परिवादी, अनुयोगी, शिकायत करनेवाला।

शिकायतगर (شکایت گر) अ. फा. वि.–शिकायत करनेवाला, अनुयोक्ता।

शिकायतन (شکایتاً) अ. वि.–शिकायत के रूप में।

शिकायतनामः (شکایت نامہ) अ. फा. पुं.–वह पुस्तक जिसमें शिकायतें लिखी जाती हों, परिवाद पुस्तक, कम्प्लेंट बुक।

शिकायतपेशः (شکایت پیشہ) अ. फा. वि.–जिसका काम केवल शिकायतें करना हो।

शिकायात (شکایات) अ. स्त्री.–'शिकायत' का बहु., शिकायतें।

शिकार (شکار) फा. पुं.–जंगली जानवरों का वध, मृगया, आखेट, अहेर; वह जानवर जो शिकार किया जाय, फँसा हुआ, ग्रस्त; वह व्यक्ति जिसके बातों में फँस जाने से काफ़ी लाभ और प्राप्ति हो।

शिकारगाह (شکارگاہ) फा. स्त्री.–शिकार खेलने की जगह, आखेटस्थल, मृगयावन।

शिकारबंद (شکاربند) फा. पुं.–वह डोर या रस्सी जिसमें शिकार को बाँधें।

शिकारी (شکاری) फा. वि.–आखेटक, लुब्धक, व्याध।

शिकारे जौर (شکار جور) फा. अ. पुं.–जिस पर बहुत अत्याचार हुआ हो।

शिकारे तग़ाफ़ुल (شکار تغافل) फा. अ. पुं.–जिसकी ओर से बहुत अधिक बेपरवाई बरती गयी हो।

शिकारे सितम (شکار ستم) फा. अ. पुं.–दे. 'शिकारे जौर'।

शिकाल (شکال) फा. पुं.–छल, धोखा, मक्र, फ़रेब

शिकूफ़ः (شکوفہ) फा. पुं.–दे. 'शिगूफ़ः'।

शिकेल (شکیل) फा. पुं.–छल, कपट, फ़रेब।

शिकेब (شکیب) फा. पुं.–धैर्य, धीरज, सब्र; सहनशीलता, सहिष्णुता, तहम्मुल।

शिकेबा (شکیبا) फा. वि.–धीर, साबिर; सहिष्णु, मुतहम्मिल।

शिकेबाई (شکیبائی) फा. स्त्री.–धैर्य, धीरज, सब्र; सहिष्णुता, तहम्मुल।

शिकोह (شکوه) फा. पुं.–भय, त्रास, डर, दूसरे अर्थ के लिए दे. 'शुकोह'।

शिखाब (شخاب) अ. पुं.–ताज़ा निकला हुआ दूध।

शिख़ार (شخار) फा. स्त्री.–क्षार, सज्जी।

शिख़ोलीद: (شخولیده) फा. वि.–कुम्हलाया हुआ, खिन्न, पज़मुर्द:।

शिगर्फ़ (شگرف) फा. वि.–मोटा, स्थूल; पुष्ट, मज़बूत; वैभव, शानोशौकत।

शिगाफ़: (شگافه) फा. पुं.–मिज़राब, सितार बजाने का छल्ला जो उँगली में पहनते हैं, वीणा-वादन।

शिगाफ़ (شگاف) फा. पुं.–दराज़, दरार, दर्ज़, (प्रत्य.) दरार डालनेवाला, जैसे—'ख़ाराशिगाफ़' पत्थर में दरार डालनेवाला।

शिगाफ़ज़द: (شگاف‌زده) फा. वि.–जिसमें दरार पड़ी हो, दारित।

शिगाफ़िंद: (شگافنده) फा. वि.–शिगाफ़ डालनेवाला, चीरनेवाला, फाड़नेवाला।

शिगाफ़्त: (شگافته) फा. वि.–दरार पड़ा हुआ, फटा हुआ, विदीर्ण।

शिगाफ़्तनी (شگافتنی) फा. वि.–दरार पड़ने योग्य, फटने योग्य।

शिगाल (شگال) फा. पुं.–गीदड़, सियार, शृगाल।

शिगिफ़्त (شگفت) फा. पुं.–आश्चर्य, अचंभा, हैरत।

शिगुफ़्त: (شگفته) फा. वि.–मुकुलित, विकसित, खिला हुआ; प्रसन्न, हर्षित, मसरूर।

शिगुफ़्त:ख़ातिर (شگفته‌خاطر) फा. अ. वि.–प्रसन्नचित्त, प्रहृष्ट, खुशदिल।

शिगुफ़्त:ख़ातिरी (شگفته‌خاطری) फा. अ. स्त्री.–चित्त की प्रसन्नता, खुशदिली।

शिगुफ़्त:तब्अ (شگفته‌طبع) फा. अ. वि.–दे. 'शिगुफ़्त:ख़ातिर।

शिगुफ़्त:तब्ई (شگفته‌طبعی) फा. अ. स्त्री.–दे. 'शिगुफ़्त:ख़ातिरी'।

शिगुफ़्तदिल (شگفته‌دل) फा. वि.–प्रसन्नमना, प्रफुल्लात्मा।

शिगुफ़्त:दिली (شگفته‌دلی) फा. स्त्री.–मन की प्रसन्नता, प्रफुल्लता।

शिगुफ़्त:पेशानी (شگفته‌پیشانی) फा. वि.–हँसमुख, प्रफुल्लमुख; सुशील, चारुशील, खुशअख़्लाक़।

शिगुफ़्त:मिज़ाज (شگفته‌مزاج) फा. अ. वि.–दे. 'शिगुफ़्त:ख़ातिर'।

शिगुफ़्त:मिज़ाजी (شگفته‌مزاجی) फा. अ. स्त्री.–दे. 'शिगुफ़्त:ख़ातिरी'।

शिगुफ़्त:रू (شگفته‌رو) फा. वि.–हँसमुख, प्रसन्नमुख।

शिगुफ़्त:रूई (شگفته‌روئی) फा. स्त्री.–मुख की प्रसन्नता, मुख-प्रसाद।

शिगुफ़्त (شگفت) फा. स्त्री.–खिलावट, विकास।

शिगुफ़्तगी (شگفتگی) फा. स्त्री.–खिलावट।

शिगूफ़: (شگوفه) फा. पुं.–कली, कलिका, ग़ुन्च:; बेल-बूटा; नयी बात, अचंभे की बात।

शिगूफ़:कारी (شگوفه‌کاری) फा. स्त्री.–बेल-बूटे बनाने का काम।

शिगूफ़:तराशी (شگوفه‌تراشی) फा. स्त्री.–नक़्शोनिगार, बेल-बूटे बनाना।

शिगूफ़ए नौ (شگوفۂ نو) फा. पुं.–नयी कली, नयी घटना।

शिजाअ (شجاع) अ. वि.–वीर, योद्धा, बहादुर, उर्दू में 'शुजाअ' ही बोलते हैं, परंतु शुद्ध 'शिजाअ' और 'शजाअ' भी हैं।

शिज्आन (شجعان) अ. पुं.–'शुजाअ' का बहु., वीर लोग।

शिता (شتا) अ. पुं.–शरद ऋतु, जाड़े का मौसिम, शीतकाल।

शिताफ़्त: (شتافته) फा. वि.–दौड़ा हुआ।

शिताब (شتاب) फा. वि.–शीघ्र, जल्द; तीव्र, तेज़, (स्त्री.) शीघ्रता, जल्दी।

शिताबकार (شتاب‌کار) फा. वि.–जल्दी मचानेवाला, उतावला।

शिताबकारी (شتاب‌کاری) फा. स्त्री.–उतावलापन, जल्दी मचाने का काम।

शिताबाँ (شتابان) फा. वि.–जल्दी करता हुआ; दौड़ता हुआ।

शिताबिंद: (شتابنده) फा. वि.–दौड़नेवाला।

शिताबी (شتابی) फा. स्त्री.–शीघ्रता, तेज़ी।

शिताबीद: (شتابیده) फा. वि.–शीघ्रता किया हुआ।

शितालंग (شتالنگ) फा. पुं.–टखना, गट्टा।

शितुर्ग़ू (شترغو) तु. पुं.–एक बाजा।

शिना (شنا) फा. स्त्री.–तैरने का काम।

शिनावर (شناور) फा. पुं.—तैरनेवाला, तैराक।
शिनावरी (شناوری) फा. स्त्री.—तैरने का काम, पैराकी।
शिनाह (شناه) फा. स्त्री.—तैराकी, पैरने का काम।
शिनूसः (شنوسه) फा. पुं.—छींक।
शिपिश (شپش) फा. स्त्री.—जूं, बालों में पड़नेवाला कीड़ा, दे. 'शुपुश' और 'शपुश', तीनों शुद्ध हैं।
शिप्लीदः (شپلیده) फा. वि.—निचोड़ा हुआ।
शिफ़ा (شفا) अ. स्त्री.—रोगमुक्ति, रोग के बाद स्वास्थ्य।
शिफ़ाए कामिल (شفاے کامل) अ. स्त्री.—पूरे तौर से रोगमुक्ति।
शिफ़ाखानः (شفاخانه) अ. फा. पुं.—रुग्णालय, चिकित्सालय, अस्पताल।
शिफ़ाख्वाह (شفاخواه) अ. फा. वि.—रोगमुक्ति का इच्छुक।
शिफ़ागाह (شفاگاه) अ. फा. स्त्री.—रोगमुक्त होने का स्थान, स्वास्थ्य-सदन।
शिफ़ायाब (شفایاب) अ. फा. वि.—जिसने मरज़ से छुटकारा पा लिया हो, रोगमुक्त।
शिफ़ायाबी (شفایابی) अ. फा. स्त्री.—रोग से छुटकारा पा जाना, रोगमुक्ति।
शिफ़ाह (شفاه) अ. पुं.—'शफ़त' का बहु., होंठ।
शिब [ब्ब] (شب) अ. स्त्री.—'फिटकरी', दे. 'शब', दोनों शुद्ध हैं।
शिबह (شبهه) अ. वि.—समान, तुल्य, सदृश, मिस्ल, दे. 'शिब्ह', दोनों शुद्ध हैं।
शिबित (شبت) अ. पुं.—एक प्रसिद्ध साग, सोया।
शिब्क (شبک) अ. पुं.—चरखे का तकला; तकले की टिकली।
शिब्र (شبر) अ. स्त्री.—बारह अंगुल की नाप, बित्ती, बालिश्त, वितस्ति।
शिब्ल (شبل) अ. पुं.—व्याघ्र-शावक, शेर का बच्चा।
शिब्ली (شبلی) अ. पुं.—एक बहुत बड़े मुसलमान महात्मा।
शिब्ह (شبهه) अ. वि.—दे. 'शिबह', दोनों शुद्ध हैं।
शिमः (شمه) फा. स्त्री.—मलाई, बालाई, क्षीरसार।
शिमाल (شمال) अ. पुं.—उत्तर, उदीची, शुमाल भी प्रचलित।
शिमालरूयः (شمال‌رویه) अ. फा. वि.—जिसका मुँह उत्तर की ओर हो।
शिमाली (شمالی) अ. वि.—उत्तरीय, उत्तर का।
शिम्मः (شمه) अ. पुं.—दे. शुद्ध उच्चारण 'शम्मः', यह उच्चारण अशुद्ध है।
शिम्र (شمر) अ. पुं.—हज़रत इमाम हुसैन के शहीद करनेवाले का नाम।
शिम्शाद (شمشاد) फा. पुं.—दे. 'शम्शाद', दोनों शुद्ध हैं, परंतु उर्दू में 'शम्शाद' ही बोलते हैं, एक सुन्दर वृक्ष जिससे माशूक़ के क़द की उपमा देते हैं।
शियम (شیم) अ. स्त्री.—'शीमः' का बहु., स्वभाव, आदतें।
शियाफ़ (شیاف) अ. पुं.—'शाफ़ः' का बहु., परंतु एकवचन में व्यवहृत है, जौ के आकार की एक बटी जो आँखों में घिसकर लगाते हैं।
शिरा (شرا) अ. पुं.—मोल लेना, क्रयण; बेचना, विक्रयण।
शिराअ (شراع) अ. पुं.—नाव का पाल, बादबान, मरुत्पट।
शिराक (شراک) अ. पुं.—चप्पल, जूते या खड़ाऊँ की डोरी।
शिराके ना'लैन (شراک نعلین) अ. पुं.—जोतों का तस्मा।
शिर्क (شرک) अ. पुं.—ईश्वरत्व में ईश्वर के सिवा और को भी सम्मिलित करना, अनेकेश्वरवादी होना।
शिर्कत (شرکت) अ. स्त्री.—सम्मिलन, शुमूल; सहयोग, तआवुन; साझा, भागीदारी।
शिर्कतनामः (شرکت‌نامه) अ.फा.पुं.—साझेदारी का लिखित पत्र, भागपत्र।
शिर्कते ग़म (شرکت غم) अ. स्त्री.—दुःख में शरीक होना।
शिर्के ख़फ़ी (شرک خفی) अ. पुं.—ऐसा शिर्क जो देखने में शिर्क न जान पड़े।
शिर्के जली (شرک جلی) अ. पुं.—ऐसा शिर्क जो स्पष्ट रूप में शिर्क हो, जैसे— मूर्तिपूजा।
शिर्यान (شریان) अ. स्त्री.—वह रग जिसमें शुद्ध रक्त और प्राणवायु बहता है, शिरा, नाड़ी।
शिर्वान (شروان) फा. पुं.—ईरान का एक नगर।
शिर्वानी (شروانی) फा. वि.—शिर्वान का निवासी; शिर्वान से सम्बन्ध रखनेवाला।
शिल्लिक (شلک) तु. पुं.—बहुत-सी बंदूकों या तोपों का एक साथ दग़ना, बाढ़।
शिवा (شوا) फा. वि.—भुना हुआ, भृष्ट।
शिहाब (شهاب) अ. पुं.—उज्ज्वल और चमकदार तारा; अग्निज्वाला; टूटनेवाला तारा, उल्का।
शिहाबेसाक़िब (شهاب ثاقب) अ. पुं.—टूटनेवाला तारा, उल्का।
शिह्नः (شحنه) अ. पुं.—कोतवाल, शह्र की कोतवाली का निरीक्षक और संचालक।
शिह्नगी (شحنگی) अ. फा. स्त्री.—कोतवाल का पद, कोतवाल का काम, कोतवाली।

शी

शीअः (شیعہ) अ. पुं.–मुसलमानों का एक सम्प्रदाय, जो हज़रत अली के अतिरिक्त बाक़ी ख़लीफ़ाओं को नहीं मानता।

शीई (شیعی) अ. वि.–शीअः सम्प्रदाय का व्यक्ति, शीअः।

शीदी (شیدی) अ. पुं.–हब्शी, हबश का रहनेवाला।

शीमः (شیمہ) अ. स्त्री.–प्रकृति, स्वभाव, आदत।

शीम (شیم) फा. स्त्री.–सौरी मछली।

शीरंदाज (شیرانداز) फा. पुं.–मनुष्य या पशु का स्तन जिसमें दूध भरा हो।

शीरः (شیرہ) फा. पुं.–फलों का निचोड़ा हुआ रस; दवाओं का पीसकर निकाला हुआ रस; शकर की चाशनी।

शीर (شیر) फा. पुं.–दूध, क्षीर, दुग्ध; पेड़ या पत्तों का दूध की शक्ल का रस।

शीरअंदाज़ (شیرانداز) फा. पुं.–दे. 'शीरंदाज़'।

शीरअफ़्ज़ा (شیرافزا) फा. वि.–दूध बढ़ानेवाला, वह ओषधि जिसके सेवन से दूध अधिक उत्पन्न हो, क्षीरवर्द्धक।

शीरख़ानः (شیرخانہ) फा. पुं.–मधुशाला, मदिरालय, शराबख़ाना; दुग्धालय, पयःशाला।

शीरख़िश्त (شیرخشت) फा. स्त्री.–एक गोंद जो दवा के काम आता और अच्छा रेचक है।

शीरख़ुर्मा (شیرخرما) फा. पुं.–दूध में भीगे हुए छुहारे।

शीरख़्वारः (شیرخوارہ) फा. वि.–दूध पीनेवाला शिशु, स्तनपायी।

शीरख़्वार (شیرخوار) फा. वि.–दुधमुँहा, स्तनपायी।

शीरख़्वारगी (شیرخوارگی) फा. स्त्री.–बच्चे की दूध पीने की आयु।

शीरगर्म (شیرگرم) फा. वि.–गुनगुना, नीमगर्म, कदुष्ण।

शीरदान (شیردان) फा. पुं.–दूध देनेवाले पशु की दूध की थैली, ऐन; दूध रखने का बर्तन, दुग्धपात्र।

शीरफ़रोश (شیرفروش) फा. वि.–दूध बेचनेवाला।

शीरबा (شیربا) फा. स्त्री.–खीर, शीरबिरंज।

शीरबिरंज (شیربرنج) फा. स्त्री.–दूध में पके हुए चावल, खीर।

शीरमस्त (شیرمست) फा. वि.–कुलेलें करनेवाला बच्चा।

शीरमाल (شیرمال) फा. स्त्री.–एक रोग़नी रोटी जो दूध में आटा गूँधकर बनती है।

शीराबः (شیرابہ) फा. पुं.–पोस्त का दाना, ख़शख़ाश; ख़शख़ाश का शीरः।

शीराज़ः (شیرازہ) फा. पुं.–क्रम, तर्तीब; किताब की जुज़बंदी; संघटन, तंज़ीम–"शीराज़ः खुल गया है चमन की किताब का।"

शीराज़ःबंदी (شیرازہ‌بندی) फा. स्त्री.–संघटन, तंज़ीम; पुस्तक की जुज़बंदी।

शीराज़ (شیراز) फा. पुं.–ईरान का एक प्रसिद्ध और प्राचीन नगर जहाँ बहुत बड़े-बड़े कवि हुए हैं, हाफ़िज़ और सा'दी वहाँ के सर्वोत्तम कवि हैं।

शीरीं (شیریں) फा. वि.–मधुर, मीठा; सरस, बामज़ः; इतिहास प्रसिद्ध फ़रहाद की प्रेयसी।

शीरींअदा (شیریں‌ادا) फा. वि.–जिसकी अदाएँ दिल लुभानेवाली हों।

शीरींअदाई (شیریں‌ادائی) फा. स्त्री.–अदाओं का दिल को लुभाना।

शीरींकलाम (شیریں‌کلام) फा. अ. वि.–दे. 'शीरींज़बाँ'।

शीरींकलामी (شیریں‌کلامی) फा. अ. स्त्री.–दे. 'शीरींज़बानी'।

शीरींकार (شیریں‌کار) फा. वि.–शीरीं अदा; शिष्ट, सभ्य; पुरमज़ाक़, विनोदी।

शीरींगुफ़्तार (شیریں‌گفتار) फा. वि.–दे. 'शीरींज़बाँ'।

शीरींगुफ़्तारी (شیریں‌گفتاری) फा. स्त्री.–दे. 'शीरींज़बानी'।

शीरींज़बाँ (شیریں‌زباں) फा. वि.–जिसकी बातचीत में मिठास और रस हो, प्रियंवद, मधुरभाषी, मंजुघोष।

शीरींज़बानी (شیریں‌زبانی) फा. स्त्री.–बातचीत की मिठास।

शीरींदहाँ (شیریں‌دہاں) फा. वि.–दे. 'शीरींज़बाँ'।

शीरींदहानी (شیریں‌دہانی) फा. स्त्री.–दे. 'शीरींज़बानी'।

शीरींदहन (شیریں‌دہن) फा. वि.–दे. 'शीरींज़बाँ'।

शीरींदहनी (شیریں‌دہنی) फा. स्त्री.–दे. 'शीरींज़बानी'।

शीरींनफ़स (شیریں‌نفس) अ. फा. वि.–दे. 'शीरींज़बाँ'।

शीरींनफ़सी (شیریں‌نفسی) फा. अ. स्त्री.–दे. 'शीरींज़बानी'।

शीरींमक़ाल (شیریں‌مقال) फा. अ. वि.–दे. 'शीरींज़बाँ'।

शीरींमक़ाली (شیریں‌مقالی) फा. अ. स्त्री.–दे. 'शीरींज़बानी'।

शीरींलब (شیریں‌لب) फा. वि.–जिसके होंठ मीठे हों, अर्थात् नायिका।

शीरींलबी (شیریں‌لبی) फा. स्त्री.–होंठों की मिठास, नायिकापन।

शीरींसुख़न (شیریں سخن) फा. वि.—दे. 'शीरींज़बाँ'।
शीरींसुख़नी (شیریں سخنی) फा. स्त्री.—दे. 'शीरीं-ज़बानी'।
शीरींहरकात (شیریں حرکات) फा.अ.वि.—दे. 'शीरींअदा'।
शीरींहरकाती (شیریں حرکاتی) फा. अ. स्त्री.—दे. 'शीरीं-अदाई'।
शीरीनक (شیرینک) फा. पुं.—मुहासा।
शीरीनिए गुफ़्तार (شیرینئی گفتار) फा. स्त्री.—बातचीत की मिठास, वार्तालाप का रस।
शीरीनिए तक़्रीर (شیرینئی تقریر) फा. अ. स्त्री.—दे. 'शीरी-निए गुफ़्तार'।
शीरीनिए लब (شیرینئی لب) फा. स्त्री.—अधरामृत, होठों की मिठास।
शीरीनिए सुख़न (شیرینئی سخن) फा. स्त्री.—दे. 'शीरीनिए गुफ़्तार।
शीरीनी (شیرینی) फा. स्त्री.—मिठास, माधुर्य, घुलावट; मिठाई, मिष्टान्न।
शीरे गर्म (شیر گرم) फा. पुं.—गर्म दूध।
शीरे ज़क़्क़ूम (شیر زقوم) फा. अ. पुं.—थूहड़ का दूध।
शीरे मादर (شیر مادر) फा. पुं.—माँ का दूध, मातृक्षीर।
शीरे मुर्ग़ (شیر مرغ) फा. पुं.—ऐसी चीज़ जिसका मिलना असंभव हो।
शीरे लुआब (شیر لعاب) फा. अ. पुं.—मधु, शहद।
शीरो शकर (شیرو شکر) फा. वि.—बहुत अधिक मेलजोल, घनिष्ठता; घनिष्ठ, बहुत मेली।
शीशः (شیشه) फा. पुं.—काँच, कंच; बोतल; दर्पण, आईना; काँच की बहुत बारीक सुराही-जैसी बड़े पेट और तंग मुँह की बोतल जो पहले चलती थी, शराब और गुलाबजल भरने के काम आती थी।
शीशःगर (شیشه‌گر) फा. वि.—काँच का सामान बनाने-वाला, सीसगर।
शीशःगरी (شیشه‌گری) फा. स्त्री.—काँच का सामान बनाना।
शीशःजाँ (شیشه‌جاں) फा. वि.—दे. 'शीशःदिल'।
शीशःदिल (شیشه‌دل) फा. वि.—जिसका दिल बहुत ही नाज़ुक हो।
शीशःबाज़ (شیشه‌باز) फा. वि.—धूर्त, छली, मक्कार; मदारी, बाज़ीगर।
शीशःबाज़ी (شیشه‌بازی) फा. स्त्री.—धूर्तता, चालाकी; मदारी का खेल, बाज़ीगरी।
शीशए दिल (شیشۂ دل) फा. पुं.—शीशे की तरह बहुत ही नाज़ुक दिल।
शीशए मै (شیشۂ مے) फा. पुं.—शराब की बोतल।
शीशए साअत (شیشۂ ساعت) फा. अ. पुं.—बालू की घड़ी।
शीशाक (شیشاک) फा. पुं.—चार तार की वीणा या रबाब; साल भर का बकरा या बकरी।
शीस (شیث) अ. पुं.—एक पैग़म्बर।
शीहः (شیهه) फा. पुं.—घोड़े की हिनहिनाहट।
शीहए अस्प (شیهۂ اسپ) फा. पुं.—घोड़े की हिनहिनाहट।

शु

शुअरा (شعرا) अ. पुं.—'शाइर' का बहु., शाइर लोग, कविगण।
शुआअ (شعاع) अ. स्त्री.—रश्मि, मयूख, दीधिति, अंशु, किरण; ज्योति, प्रकाश, आलोक, नूर।
शुआई (شعاعی) अ. वि.—किरणों का; किरणों से सम्बन्धित।
शुआए माह (شعاع ماه) अ. फा. स्त्री.—ज्योत्स्ना, चाँदनी; चंद्रकिरण, चाँद की किरन।
शुआए मेह्र (شعاع مہر) अ. फा. स्त्री.—सूरज की किरण, सूर्यरश्मि, अर्चि; आतप, धूप।
शुऊब (شعوب) अ. पुं.—'शा'ब' का बहु., गढ़े, ग़ार; कंदराएँ, गुफाएँ।
शुऊर (شعور) अ. पुं.—संज्ञा, होश; विवेक, समझ, अच्छे बुरे की पहचान; शिष्टता, सलीक़ः; सभ्यता, तमीज़; जानकारी, वाक़िफ़ीयत।
शुऐब (شعیب) अ. पुं.—एक पैग़म्बर।
शुक़ूक़ (شقوق) अ. पुं.—विपादिका, बिवाई, पाँव फटने का रोग; 'शक़' का बहु., दराजें, दरारें, शिगाफ़।
शुकूक (شکوک) अ. पुं.—'शक' का बहु., शंकाएँ, शुब्हात।
शुकोह (شکوه) फा. स्त्री.—शानोशौकत, रोबदाब, कर्रोफ़र।
शुकोहे अल्फ़ाज़ (شکوه الفاظ) फा. अ. स्त्री.—लेख में भारी-भारी शब्दों का प्रयोग, शब्दाडंबर, उत्कलिका।
शुक़्क़ः (شقه) अ. पुं.—पर्चा, काग़ज़ का टुकड़ा; पत्र, ख़त, चिट्ठी; आदेशपत्र, हुक्मनामा।
शुक्र (شکر) अ. पुं.—कृतज्ञता, शुक्रगुज़ारी; धन्यवाद, शुक्रियः।
शुक्रगुज़ार (شکرگزار) अ. फा. वि.—कृतज्ञ, आभारी, मम्नून।
शुक्रगुज़ारी (شکرگزاری) अ.फा.स्त्री.—कृतज्ञता, मम्नूनीयत।

शुक्रत (شقرت) अ. स्त्री.–लालिमा लिये हुए पीला रंग; लालिमा लिये हुए काला रंग।

शुक्रानः (شکرانہ) अ. फ़ा. पुं.–किसी काम की सफलता पर प्रयास करनेवाले को सम्मानार्थ दिया जानेवाला धन; शुक्रिया।

शुक्रियः (شکریہ) अ. पुं.–धन्यवाद, एक शब्द जो कृतज्ञता प्रकट करने के लिए बोलते हैं, थैंक्स।

शुक्रीयः (شکریہ) अ. पुं.–दे. 'शुक्रियः' उर्दू में वही प्रचलित है, यद्यपि शुद्ध यही है।

शुक्रे ने'मत (شکر نعمت) अ. पुं.–उपकार और प्रदान आदि का शुक्रियः।

शुगुन (شگن) फ़ा. पुं.–दे. 'शुगून', शकुन।

शुग़ल (شغل) अ. पुं.–दे. 'शुग़्ल' या 'शग़्ल', वही प्रचलित है, परंतु शुद्ध यह भी है।

शुगून (شگون) फ़ा. पुं.–शकुन, फ़ाल।

शुग़्ल (شغل) अ. पुं.–काम में लगना, मश्ग़ूलियत; व्यवसाय, धंधा; काम, मशग़लः।

शुग़्ले बादः (شغل بادہ) अ. फ़ा. पुं.–शराब पीने का मशग़लः।

शुग़्ले मै (شغل مے) अ. फ़ा. पुं.–दे. 'शुग़्लेबादः।

शुजाअ (شجاع) अ. वि.–वीर, शूर, योद्धा, बहादुर।

शुजाआनः (شجاعانہ) अ. फ़ा. वि.–वीरों-जैसा, बहादुरों-जैसा; वीरतापूर्ण, बहादुरी का।

शुतुर (شتر) फ़ा. पुं.–उष्ट्र, केमिल, ऊँट।

शुतुरअंदाम (شتراندام) फ़ा. वि.–ऊँट-जैसे लम्बे डील-डौल का, उष्ट्रांग।

शुतुरअराबः (شترارابہ) फ़ा. पुं.–ऊँटगाड़ी, उष्ट्रयान।

शुतुरकीनः (شترکینہ) फ़ा. पुं.–वह व्यक्ति जो दिल में द्वेष रखता हो और बरसों भी न भूलता हो।

शुतुरख़ानः (شترخانہ) फ़ा. पुं.–ऊँट रहने का स्थान, उष्ट्रशाला।

शुतुरख़ार (شترخار) फ़ा. पुं.–एक झाड़ी जिसमें काँटे होते हैं और ऊँट बहुत खाता है, ऊँटकटारा।

शुतुरग़म्ज़ः (شترغمزہ) फ़ा. अ. पुं.– व्यर्थ का नख़रा; बुढ़ापे के हाव-भाव।

शुतुरगाव (شترگاو) फ़ा. पुं.–ऊँट की आकृति की एक गाय।

शुतुरगुर्बः (شترگربہ) फ़ा. पुं.–काव्य का एक दोष, जिसमें कहीं एकवचन हो और उसी के लिए दूसरी जगह बहुवचन।

शुतुरदिल (شتردل) फ़ा. वि.–डरपोक, थुड़दिला, भीरु, बुज़दिल।

शुतुरदिली (شتردلی) फ़ा. स्त्री.–डरपोकपन, भीरुता, बुज़दिली।

शुतुरनाल (شترنال) तु. स्त्री.–एक तोप जो ऊँट पर लादी जाती थी।

शुतुरपा (شترپا) फ़ा. वि.–ऊँट-जैसे पाँववाला, उष्ट्र-पद; सूरजमुखी का फूल।

शुतुरबान (شتربان) फ़ा. वि.–ऊँट पालनेवाला, उष्ट्रपाल।

शुतुरमुर्ग़ (شترمرغ) फ़ा. पुं.–एक बहुत बड़ा पक्षी जो अफ़्रीक़ा में होता है, उष्ट्र पक्षी।

शुतुरसवार (شترسوار) फ़ा. वि.–ऊँट पर चढ़नेवाला।

शुतुरे बेमिहार (شتر بے مہار) फ़ा. पुं.–बे नकेल का ऊँट, अर्थात् स्वेच्छाचारी, निरंकुश, ख़ुदराय।

शुतुलुम (شتلم) अ. पुं,–अत्याचार, अन्याय, ज़ुल्म।

शुदः शुदः (شدہ شدہ) फ़ा. वि.–शनैः-शनैः, धीरे-धीरे; एक से दूसरे और दूसरे से तीसरे को इसी तरह आगे।

शुदनी (شدنی) फ़ा. स्त्री.–होनहार, होनी, अवश्यंभावी, भवितव्य, दुर्निवार्य।

शुदयार (شدیار) फ़ा. स्त्री.–जोती हुई तैयार ज़मीन।

शुनूअत (شنعت) अ. स्त्री.–बदी, बुराई।

शुन्क़ार (شنقار) अ. पुं.–एक शिकारी चिड़िया।

शुपुश (شپش) फ़ा. स्त्री.–बालों में पड़नेवाला कीड़ा, जूँ, लोमयूक, वारकीट, स्वेदज।

शुफ़्अः (شفعہ) अ. पुं.–पड़ोस के मकान या ज़मीन पर बिकते समय होनेवाला हक़, हक़्क़े हमसायगी।

शुफ़आ (شفعا) अ. पुं.–'शफ़ीअ' का बहु., सुफ़ारिश करनेवाले।

शुबान (شبان) अ. पुं.–भेड़-बकरी चरानेवाला, गड़रिया, अजाजीवी, मेषपाल।

शुब्बान (شبان) अ. पुं.–'शाब' का बहु., जवान लोग।

शुब्बाब (شباب) अ. पुं.–'शाब' का बहु., जवान लोग।

शुब्हः (شبہہ) अ. पुं.–आशंका, संदेह, शंका शक; भ्रम, वह्म।

शुब्हात (شبہات) अ. पुं.–'शुब्हः' का बहु., शंकाएँ, शुब्हे।

शुमारः (شمارہ) फ़ा. पुं.–गिनती, शुमार; नंबर, संख्या।

शुमार (شمار) फ़ा. पुं.–गिनती, गिनना; अदद, संख्या; हिसाब, गिनती; जोड़, मीज़ान।

शुमारकुनिंदः (شمارکنندہ) फ़ा. वि.–गिननेवाला, हिसाब लगानेवाला, गणक।

शुमारिंदः (شمارندہ) फ़ा. वि.–शुमार करनेवाला; गिननेवाला; हिसाब लगानेवाला।

शुमारी (شماری) फा. प्रत्य.—शुमार करने का काम, जैसे—'मर्दुमशुमारी' जनगणना।

शुमुर्दः (شمرده) फा. वि.—गणित, गिना हुआ।

शुमुर्दनी (شمردنی) फा. वि.—गिनने के योग्य: हिसाब लगाने के योग्य; जोड़ने के योग्य।

शुमूअ (شموع) अ. स्त्री.—'शम्अ' का बहु., शमूएँ, दिए, चिराग़।

शुमूम (شموم) अ. स्त्री.—सूंघने की चीज़।

शुमूल (شمول) अ. स्त्री.—संमिलन, शामिल होना।

शुमूलीयत (شمولیت) अ. स्त्री.—दे. 'शुमूल'।

शुमूस (شموس) अ. पुं.—'शम्स' का बहु., बहुत-से सूरज; बहुत-सी किरणें।

शुयूअ (شیوع) अ. पुं.—प्रकट न होना ज़ाहिर होना; सबमें फैलना, प्रसार।

शुयूख़ (شیوخ) अ. पुं.—'शैख़' का बहु.; बूढ़े लोग; अपने गोत्र के बड़े लोग।

शुरका (شرکا) अ. पुं.—'शरीक' का बहु., साझेदार लोग; किसी काम के करने में शामिल लोग।

शुरकाए कार (شرکاے کار) अ. फा. पुं.—किसी काम के करने में शरीक, किसी काम में परस्पर एक दूसरे के सहायक।

शुरकाए तिजारत (شرکاے تجارت) अ. पुं.—व्यवसाय के भागीदार।

शुरफ़ा (شرفا) अ. पुं.—'शरीफ़' का बहु.; कुलीन लोग; सज्जन लोग।

शुरफ़ाए वक़्त (شرفاے وقت) अ. पुं.—अपने समय के प्रतिष्ठित लोग।

शुरफ़ाए शह्र (شرفاے شہر) अ. फा. पुं.—नगर के प्रतिष्ठित और सम्मानित लोग।

शुरफ़ाए ज़माँ (شرفاے زماں) अ. फा. पुं.—शुरफ़ाए वक़्त, अपने समय के प्रतिष्ठित जन।

शुरूअ (شروع) अ. वि.—प्रारंभ, अनुष्ठान, इब्तिदा, आग़ाज़; आदि, शुरूआत।

शुरूआत (شروعات) अ. स्त्री.—आरम्भ, आग़ाज़।

शुरूए कार (شروع کار) अ. फा. पुं.—काम की शुरूआत, अनुष्ठान।

शुरूए शबाब (شروع شباب) अ. पुं.—युवावस्था का प्रारंभ-काल, यौवनारंभ।

शुरूक़ (شروق) अ. पुं.—आभा, प्रकाश, रौशनी; सूर्योदय, सूरज का उदय।

शुरूत (شروط) अ. स्त्री.—'शर्त' का बहु., शर्तें।

शुरूर (شرور) अ. पुं.—'शर' का बहु., शरारतें।

शुरूह (شروح) अ. स्त्री.—'शर्ह' का बहु., शर्हें, टीकाएँ।

शुर्तः (شرطه) अ. पुं.—पुलिस का आदमी, आरक्षी; चिह्न, निशान; नाव के लिए अनुकूल वायु; लक्षण, अलामत।

शुर्त (شرط) अ. पुं.—नाव के लिए अनुकूल वायु; लक्षण, अलामत।

शुर्फ़ः (شرفه) फा. पुं.—कँगूरा, मंडप।

शुर्ब (شرب) अ. पुं.—पीना; पान; शराब पीना, मद्यपान।

शुर्बुलयहूद (شرب الیهود) अ. पुं.—सबसे छिपाकर शराब पीना।

शुर्बे मुदाम (شرب مدام) अ. पुं.—शराब पीना, मद्यपान; हमेशा शराब पीना।

शुलः (شله) फा. पुं.—एक प्रकार का खाना जिसमें चावल गोश्त में हरीसे की तरह पकाये जाते हैं, पुलाव।

शुल (شل) फा. पुं.—एक फल, बेल, बेलुआ।

शुल्लः (شله) फा. स्त्री.—भग, योनि; मासिक रक्त का लत्ता; गली में गंदी चीज़ें और कूड़ा डालने का स्थान।

शुवाज़ (شواظ) अ. पुं.—अग्नि, वह्नि, आग; अग्निज्वाला, अग्निशिखा, लपट।

शुवात (شوات) फा. पुं.—चकवा पक्षी, सुर्ख़ाब।

शुश (شش) फा. पुं.—फेफड़ा, फुप्फुस, क्लोम।

शुस्तः (شسته) फा. वि.—मार्जित, शुद्ध, धुला हुआ; स्वच्छ, साफ; सभ्य, शिष्ट, बातमीज़; शिक्षित, पढ़ा-लिखा; संस्कृत, मुजल्ला; सज्जन, शरीफ़।

शुस्तःओ रुफ़्तः (شسته و رفته) फा. वि.—स्वच्छ और शुद्ध, पाक और साफ़।

शुस्तःरू (شسته رو) फा. वि.—मुँह धोये हुए।

शुस्त (شست) फा. स्त्री.—धुलाई, सफ़ाई।

शुस्तगी (شستگی) फा. स्त्री.—शुद्धता, सफ़ाई; सभ्यता, तहज़ीब; शिक्षित होना; सज्जनता।

शुस्तो शू (شست و شو) फा. स्त्री.—धुलाई, मँजाई, सफ़ाई।

शुहुब (شہب) अ. पुं.—'शिहाब' का बहु., टूटनेवाले तारे, उल्कागण।

शुहूद (شہود) अ. पुं.—'शाहिद' का बहु., साक्षिगण, गवाह लोग; उपस्थिति, मौजूदगी; प्रत्यक्षता, आमना-सामना।

शुहूर (شہور) अ. पुं.—'शह्र' का बहु., महीने।

शुह्रः (شہره) अ. पुं.—ख्याति, प्रसिद्धि, शुह्रत; कीर्ति, नामवरी; यश, फ़ैज़।

शुह्रःआफ़ाक़ (شہرهٔ آفاق) अ. वि.—जो सारे संसार में प्रसिद्ध हो, विश्वविख्यात।

शुह्रःवर (شہره ور) अ. फा. वि.—ख्यातिप्राप्त, प्रसिद्ध, विख्यात, मशहूर।

शुह्‌रए अनाम (شہرۂ انام) अ. वि.–दे. 'शुह्‌रए आफ़ाक़'।

शुह्‌रए आफ़ाक़ (شہرۂ آفاق) अ. वि.–विश्व-विख्यात, जगत्प्रसिद्ध।

शुह्‌रत (شہرت) अ. स्त्री.–प्रसिद्धि, ख्याति, शुह्‌रः; कीर्ति यश, नामवरी; किसी विशेष काम या कला में प्रवीणता और हस्त-कौशल की प्रसिद्धि।

शुह्‌रततलब (شہرت طلب) अ. वि.–अपनी कीर्ति और यश की कथाएँ दूसरों तक पहुँचाने का अभिलाषी।

शुह्‌रततलबी (شہرت طلبی) अ. स्त्री.–अपनी प्रसिद्धि और ख्याति की चाह।

शुह्‌रतपरस्त (شہرت پرست) अ. फा. वि.–शुह्‌रत का भूखा, अपनी नामवरी की चर्चा सुनने के लिए उत्कंठित।

शुह्‌रतपरस्ती (شہرت پرستی) अ. फा. स्त्री.–अपनी कीर्ति गान सुनने की उत्कंठा।

शुह्‌रतपसंद (شہرت پسند) अ. फा. वि.–जो चाहता हो कि उसका यशगान सब में हो।

शुह्‌रतपसंदी (شہرت پسندی) अ. फा. स्त्री.–अपने यश गान को सबमें फैलाने की लालसा।

शुह्‌रतयाफ़्तः (شہرت یافتہ) अ. फा. वि.–प्रसिद्ध, मशहूर, ख्यातिप्राप्त।

शुह्‌रतयाब (شہرت یاب) अ. फा. वि.–ख्यातिप्राप्त, प्रसिद्ध।

शू

शूख़ (شوخ) फा. पुं.–मैल-कुचैल, मैल, गंदगी।

शूख़गीं (شوخگیں) फा. वि.–मैला, गंदा, मलिन।

शूनीज़ (شونیز) फा. पुं.–कलौंजी, प्याज का बीज।

शूम (شوم) फा. वि.–अशुभ, अनिष्टकर, मनहूस; अकल्याणकर, नामुबारक; कृपण, मक्खीचूस।

शूमक़दम (شوم قدم) फा. अ. वि.–जिसका आगमन अनिष्टकर हो।

शूमताले' (شوم طالع) फा. अ. वि.–हतभाग्य, भाग्यहीन, बदक़िस्मत।

शूमिए आ'माल (شومئ اعمال) फा. अ. स्त्री.–कर्मों की निकृष्टता, पापाचार।

शूमिए क़िस्मत (شومئ قسمت) फा. अ. स्त्री.–भाग्य की निकृष्टता, भाग्य का खोटापन।

शूमिए तक़्दीर (شومئ تقدیر) फा. अ. स्त्री.–दे. 'शूमिए क़िस्मत'।

शूमिए ताले' (شومئ طالع) फा. अ. स्त्री.–दे. 'शूमिए क़िस्मत'।

शूमिए बख़्त (شومئ بخت) फा. स्त्री.–दे. 'शूमिए क़िस्मत'।

शूमी (شومی) फा. वि.–अनिष्ट, अशुभ, अकल्याण, नुहूसत; कृपणता, कंजूसी; खोट, बुराई।

शूरा (شوریٰ) अ. पुं.–परामर्श, सलाह; विचार-विनिमय, तबादलए खयालात; हितोपदेश, नसीहत।

शूरागाह (شوریٰ گاہ) अ. फा. स्त्री.–आपस में परामर्श करने का स्थान, मंत्रणालय, प्रेक्षागार।

शे

शेख़ी (شیخی) तु. स्त्री.–डींग, लाफ़; हेकड़ी, शान; दे. 'शैख़ी'।

शेफ़्तः (شیفتہ) फा. वि.–मुग्ध, आसक्त, आशिक।

शेफ़्तगी (شیفتگی) फा. स्त्री.–मोह, आसक्ति, फ़िरेफ़्तगी।

शेब (شیب) फा. वि.–निचाई, निशेब।

शेरंदाम (شیرانداِم) फा. वि.–वह व्यक्ति जो शेर के साहस का हो; वह व्यक्ति जिसका सीना चौड़ा, कमर पतली और साहसी हो।

शे'र (شعر) अ. पुं.–दो मिस्रों का समाहार, बैत।

शे'र (شیر) फा. पुं.–व्याघ्र, सिंह, पंचानन, केसरी, बाघ।

शेरअंदाम (شیرانداِم) फा. वि.–दे. 'शेरंदाम'।

शेरअफ़्गन (شیرافگن) फा. वि.–शेर को परास्त करने-वाला, व्याघ्रविजेता।

शे'रआशोब (شعرآشوب) अ. फा. वि.–वह पद्य जिसमें काव्यकला की अनाड़ियों के हाथों दुर्गति का वर्णन हो।

शे'रख़्वाँ (شعرخواں) अ. फा. वि.–शेर पढ़नेवाला।

शे'रख़्वानी (شعرخوانی) अ. फा. स्त्री.–शेर पढ़ना; एक जगह बैठकर परस्पर शेर सुनना-सुनाना।

शेरगीर (شیرگیر) फा. वि.–जो व्यक्ति अधिक शराब पीकर भी बेहोश न हो; प्रतिष्ठित व्यक्ति; मदोन्मत्त, मस्त।

शे'रगो (شعرگو) अ. फा. वि.–शे'र कहनेवाला, कवि, शाइर।

शे'रगोई (شعرگوئی) अ. फा. स्त्री.–शे'र कहना, कविता करना।

शेरदहाँ (شیردہاں) फा. वि.–जिसका मुँह शेर-जैसा हो, व्याघ्रमुख।

शेरदिल (شیردل) फा. वि.–जिसका हृदय शेर-जैसा वीर हो, बहुत बड़ा वीर।

शे'रफ़ह्‌म (شعرفہم) अ. वि.–शे'र के गुण-दोष समझने-वाला, रसज्ञ, सहृदय, काव्य-मर्मज्ञ।

शे'रफ़ह्‌मी (شعرفہمی) अ. स्त्री.–शे'र समझना, काव्य-मर्मज्ञता, काव्य-निपुणता।

शेरबच: (شیربچہ) फा. पुं.–शेर का बच्चा, सिंह-शावक।
शेरमर्द (شیرمرد) फा. वि.–शेर-जैसे दिल गुर्दे का मनुष्य, पुरुष-केसरी।
शेरमाही (شیرماهی) फा. स्त्री.–एक बहुत बड़ी मछली।
शेरसवार (شیرسوار) फा. वि.–शेर पर चढ़नेवाला, सिंहवाहन, सिंहयान।
शेरानः (شیرانہ) फा. वि.–शेरों-जैसा; वीरों-जैसा, वीरोचित।
शे'री (شعری) अ. वि.–शे'र का, काव्य का; काव्य-सम्बन्धी।
शे'रीयत (شعریت) अ. स्त्री.–शे'रपन, काव्यकला का रस।
शेरे आबी (شیر آبی) फा. पुं.–पानी का शेर, जलव्याघ्र।
शेरे क़ालीं (شیر قالیں) फा. पुं.–क़ालीन पर बना हुआ शेर जो कोई अनिष्ट नहीं कर सकता।
शेरे ख़ुदा (شیر خدا) फा. पुं.–हज़रत अली की उपाधि, असदुल्लाह।
शे'रे ख़ुश्क (شعر خشک) अ. फा. पुं.–ऐसा शे'र जिसमें कोई रस न हो।
शेरे ज़ियां (شیرژیاں) फा. पुं.–फाड़ खानेवाला शेर।
शे'रे तर (شعر تر) अ. फा. पुं.–काव्यकलापूर्ण शे'र, सरस शे'र।
शेरे नयस्ताँ (شیر نیستاں) फा. पुं.–जंगल में रहनेवाला शेर।
शेरे बब्र (شیر ببر) फा. पुं.–एक प्रकार का शेर जो सबसे अधिक भयानक होता है, सिंह।
शेरे यज़्दाँ (شیر یزداں) फा. पुं.–दे. 'शेरे ख़ुदा'।
शे'रोअदब (شعروادب) अ. पुं.–दे. 'शेरो सुख़न'।
शे'रोसुख़न (شعروسخن) अ. फा. पुं.–कविता, काव्य; साहित्य, अदब।
शेवः (شیوہ) फा. पुं.–शैली, पद्धति, परिपाटी, ढंग, तर्ज़, तरीक़ा।
शेवए ज़ुल्म (شیوۂ ظلم) फा. अ. पुं.–अत्याचार का ढंग।
शेवए बेदाद (شیوۂ بیداد) फा. पुं.–अनीति और अत्याचार का तरीक़ा।
शेवए लुत्फ़ (شیوۂ لطف) फा. अ. पुं.–कृपा और दया का तरीक़ा।
शेवन (شیون) फा. पुं.–रोदन, विलाप, रोना-पीटना; मातम, मृतशोक।
शेवनगर (شیون گر) फा. वि.–विलाप करनेवाला, रोने-पीटनेवाला।
शेवा (شیوا) फा. वि.–भाषण-पटु, कलापूर्ण भाषा में बातचीत करनेवाला।
शेवाज़बाँ (شیوازباں) फा. वि.–दे. 'शेवाबयाँ'।
शेवाज़बानी (شیوازبانی) फा. स्त्री.–दे. 'शेवाबयानी'।
शेवाबयाँ (شیوابیاں) फा. अ. वि.–जिसकी बातचीत बहुत ही सुन्दर और कलापूर्ण हो।
शेवाबयानी (شیوابیانی) फा. अ. स्त्री.–बातचीत की पटुता और सुन्दरता।

शै

शै (شے) फा. स्त्री.–वस्तु, पदार्थ, द्रव्य, चीज़।
शैए मक्फ़ूलः (شے مکفولہ) अ. स्त्री.–वह चीज़ जो गिरवीं हो, बंधक; वह जायदाद जो रुपये के बदले रेहनदार के क़ब्ज़े में हो।
शैए मत्लूबः (شے مطلوبہ) अ. स्त्री.–वह चीज़ जिसकी आवश्यकता हो।
शैए मर्हूनः (شے مرهونہ) अ. स्त्री.–वह चीज़ जो रेहन अर्थात् बंधक हो।
शैए लतीफ़ (شے لطیف) अ. स्त्री.–प्रतिभा, ज़हानत।
शैख़ (شیخ) अ. पुं.–बूढ़ा, वृद्ध; अध्यक्ष, सरदार, प्रतिष्ठित, श्रेष्ठ, बुज़ुर्ग; कुल का नायक।
शैख़ुत्तरीक़त (شیخ الطریقت) अ. पुं.–धर्मगुरु, पीर, मुर्शिद।
शैख़ुत्ताइफ़ः (شیخ الطائفہ) अ. पुं.–अपने गोत्र या पार्टी का अध्यक्ष, दलपति।
शैख़ुर्रईस (شیخ الرئیس) अ. पुं.–रईसों का सरदार; बू अली सीना की उपाधि।
शैख़ुल इस्लाम (شیخ الاسلام) अ. पुं.–इस्लामी धर्मशास्त्र का सबसे बड़ा विद्वान्।
शैख़ुल जामिअः (شیخ الجامعہ) अ. पुं.–यूनीवर्सिटी (विश्वविद्यालय) का चांसलर, कुलपति।
शैख़ुश्शुयूख़ (شیخ الشیوخ) अ. पुं.–तमाम धर्मगुरुओं का गुरु, सबसे बड़ा धर्मगुरु, प्रमुख धर्माचार्य।
शैख़ूख़त (شیخوخت) अ. स्त्री.–वृद्धावस्था, बुढ़ापा।
शैख़े कामिल (شیخ کامل) अ. पुं.–पहुँचा हुआ पीर, ब्रह्मलीन धर्मगुरु, पूर्ण धर्माचार्य।
शैख़े वक़्त (شیخ وقت) अ. पुं.–अपने समय का सबसे बड़ा धर्मगुरु।
शैख़ोशाब (شیخ وشاب) अ. पुं.–बूढ़े और जवान, अर्थात् सब लोग।
शैतनत (شیطنت) अ. स्त्री.–शैतानपन, शरारत, उपद्रव; चपलता, शोख़ी; दुष्टता, कमीनगी।
शैतनतपसंद (شیطنت پسند) अ. फा. वि.–जो बड़ा शरारती या उपद्रवी हो; जो बड़ा दुष्ट हो।

शैतान (شیطان) अ. पुं.–एक फ़िरिश्तः जिसने ईश्वराज्ञा का उल्लंघन किया और बहिष्कृत हुआ, और तब से वह मनुष्यों को पाप की ओर प्रवृत्त करता है; इसी प्रकार का मनुष्य जो दूसरों का अनिष्ट चाहे; उपद्रवी, शरारती।

शैतानसीरत (شیطان سیرت) अ. वि.–जिसकी प्रकृति शैतान-जैसी हो, महादुष्ट।

शैतान सूरत (شیطان صورت) अ. वि.–जिसकी आकृति शैतान-जैसी हो।

शैतानी (شیطانی) अ. वि.–शैतान का; शैतान-सम्ब ी; निकृष्ट, बुरा; पापमय, गुनाह का।

शैताने मुजस्सम (شیطان مجسم) अ. पुं.–जो सर से पाँव तक शैतान हो, जिसके आचरण पैशाचिक हों।

शैताने लईं (شیطان لعین) अ. पुं.–धिक्कृत और बहिष्कृत शैतान।

शैद (شید) अ. पुं.–छल, धोखा, फ़रेब।

शैदा (شیدا) फ़ा. वि.–मुग्ध, मोहित, फ़िरेफ़्तः; आसक्त, आशिक; उन्मत्त, पागल; उद्विग्न, आतुर, परेशान; किसी चीज का बहुत अधिक इच्छुक।

शैदाई (شیدائی) फ़ा. वि.–दे. 'शैदा', प्रेमी—"एक यह दिल है जो सौ जान से शैदाई है, एक तुम हो, कि न मिलने की क़सम खायी है।"

शैदाए इल्म (شیدائے علم) फ़ा. अ. वि.–विद्या प्राप्त करने का अत्यधिक अभिलाषी।

शैदाए वतन (شیدائے وطن) फ़ा. अ. वि.–देशभक्त, देश-प्रेम में अनुरक्त।

शैदाए हुस्न (شیدائے حسن) फ़ा. अ. वि.–सुंदरता को हर चीज से अधिक पसंद करनेवाला।

शैदी (شیدی) अ. वि.–धूर्त, वंचक, छली।

शैन (شین) फ़ा. पुं.–विलाप, रोना-धोना; दोष, ऐब।

शैपूर (شیپور) फ़ा. पुं.–बिगुल, नफ़ीरी।

शैबः (شیبہ) अ. पुं.–दे. 'शैबत'।

शैब (شیب) अ. पुं.–बुढ़ापा, वृद्धावस्था, जरा।

शैबत (شیبت) अ. स्त्री.–वृद्धावस्था, जरा, बुढ़ापा।

शो

शो (شو) फ़ा. प्रत्य.–धोनेवाला, जैसे—'मुर्दःशो' मुर्दे को धोने या नहलानेवाला, (पुं.) शौहर, पति, भर्ता, नाथ, स्वामी।

शोए (شوے) फ़ा. पुं.–शौहर, भर्तार, पति, (प्रत्य.) धोने-वाला, जैसे—'रंगशोए' न्यारिया।

शोख़ (شوخ) फ़ा. वि.–चंचल, चपल, चुलबुला, शरीर; गहरा (रंग); धृष्ट, ढीठ; उद्दंड, गुस्ताख़; अवज्ञाकारी, नाफ़र्मान; असभ्य, बदतमीज़।

शोख़गीं (شوخگیں) फ़ा. वि.–मैला, गंदा, इस अर्थ में 'शूख़गीं' अधिक उचित है।

शोख़चश्म (شوخ چشم) फ़ा. वि.–बेहया, बेशर्म, निर्लज्ज; धृष्ट, गुस्ताख़।

शोख़चश्मी (شوخ چشمی) फ़ा. स्त्री.–बेहयाई, निर्लज्जता; ढीठपन, धृष्टता, गुस्ताख़ी।

शोख़ज़बाँ (شوخ زباں) फ़ा. वि.–मुँहफट, मुक्तकंठ; बक्की, मुख-चपल, वाचाल।

शोख़ज़बानी (شوخ زبانی) फ़ा. स्त्री.–मुँहफटपन, मुक्त-कंठता; बकवास, मुख-चपलता, वाचालता।

शोख़तब्अ (شوخ طبع) फ़ा. अ. वि.–जिसमें चंचलता बहुत हो, चुलबुला; जो विनोदप्रिय हो, ख़ुशमिज़ाज।

शोख़तब्ई (شوخ طبعی) फ़ा. अ. स्त्री.–प्रकृति का चुल-बुलापन, मनोविनोद, हँसी-दिल्लगी।

शोख़तरीन (شوخ ترین) फ़ा. वि.–बहुत अधिक चुलबुला; बहुत गहरा (रंग)।

शोख़दीदः (شوخ دیدہ) फ़ा. वि.–दे. 'शोख़चश्म'।

शोख़दीदगी (شوخ دیدگی) फ़ा. स्त्री.–दे. 'शोख़चश्मी'।

शोख़मिज़ाज (شوخ مزاج) फ़ा. अ. वि.–दे. 'शोख़तब्अ'।

शोख़मिज़ाजी (شوخ مزاجی) फ़ा. अ. स्त्री.–दे. 'शोख़-तब्ई'।

शोख़िए अल्फ़ाज़ (شوخئی الفاظ) फ़ा. अ. स्त्री.–लेख या भाषण में ऐसे शब्दों का प्रयोग जो हास्यरसान्वित हों।

शोख़िए तक़रीर (شوخئی تقریر) फ़ा. अ. स्त्री.–भाषण में शोख़ और विनोदमय शब्दों का प्रयोग।

शोख़िए तब्अ (شوخئی طبع) फ़ा. अ. स्त्री.–प्रकृति की चंचलता और विनोदप्रियता।

शोख़िए तक़्दीर (شوخئی تقدیر) फ़ा. अ. स्त्री.–भाग्य की चंचलता, अर्थात् अभागापन, बदक़िस्मती।

शोख़िए तहरीर (شوخئی تحریر) फ़ा. अ. स्त्री.–लेख में ऐसे शब्दों का प्रयोग जो शोख़ हों।

शोख़ी (شوخی) फ़ा. स्त्री.–चपलता, चुलबुलाहट; धृष्टता, गुस्ताख़ी; अशिष्टता, बदतमीज़ी; गहरापन (रंग)।

शोख़ो शंग (شوخ و شنگ) फ़ा. वि.–वह व्यक्ति जो बहुत ही चुलबुला, चतुर और सुंदर हो।

शोनीज़ (شونیز) फ़ा. स्त्री.–कलौंजी, प्याज के बीज़, दे. 'शूनीज़', दोनों शुद्ध हैं।

शो'बः (شعبہ) अ. पुं.–शाखा, शाख़, डाली; विभाग, महकमा; खंड, टुकड़ा।

शोब (شوب) फ़ा. प्रत्य.–धोनेवाला; धुलाई, धोने का का भाव, धुलाव, धोब, धोना; उष्णीष, पगड़ी।

शो'बए तस्नीफ़ो तालीफ़ (شعبۂ تصنیف و تالیف) अ.पुं.–वह विभाग जिसका सम्बन्ध पुस्तकें लिखने और संपादन करने से हो।

शोबीदः (شوبیدہ) फा. वि.–धोया हुआ।

शोरः (شورہ) फा. पुं.–एक खार जिससे बारूद बनती है, श्वेत क्षार।

शोरःगर (شورہ گر) फा. वि.–शोरा बनानेवाला।

शोरःपुश्त (شورہ پشت) फा. वि.–उद्दंड, अक्खड़, मुँहफट, बदतमीज़; झगड़ालू, फ़सादी; अवज्ञाकारी, निरंकुश, जो कहे में न हो।

शोरःबूम (شورہ بوم) फा. स्त्री.–ऊसर, वह ज़मीन जिसमें रेह हो, जहाँ कुछ पैदा न हो सके।

शोरःसाज़ (شورہ ساز) फा. वि.–दे. 'शोरःगर'।

शोर (شور) फा. वि.–खारी, नमकीन; कोलाहल, ग़ुल; शोह्रत, नामवरी; उन्माद, पागलपन।

शोरअंगेज़ (شورانگیز) फा. वि.–ग़ुल मचानेवाला; पागलपन बढ़ानेवाला।

शोरअंगेज़ी (شورانگیزی) फा. स्त्री.–ग़ुल मचाना; पागलपन बढ़ाना।

शोरआगीं (شورآگیں) फा. वि.–उन्माद और पागलपन से भरा हुआ।

शोरग़ार (شورغار) फा. स्त्री.–फिटकरी, स्फटिक।

शोरचश्म (شورچشم) फा. वि.–जिसकी नज़र लग जाती हो।

शोरचश्मी (شورچشمی) फा. स्त्री.–नज़र लगना।

शोरपा (شورپا) फा. वि.–जिसके पाँव चलते समय टकराते हों, दोनों पाँव परस्पर लड़ते हों।

शोरपुश्त (شورپشت) फा. वि.–उद्दंड, अक्खड़, मुँहज़ोर; निरंकुश, बेमहार; धृष्ट, गुस्ताख़।

शोरपुश्ती (شورپشتی) फा. स्त्री.–उद्दंडता, अक्खड़पन; निरंकुशता, बेमहारी; धृष्टता, गुस्ताख़ी।

शोरबख़्त (شوربخت) फा. वि.–हतभाग्य, अभागा, बदक़िस्मत।

शोरबख़्ती (شوربختی) फा. स्त्री.–भाग्य की निकृष्टता, दुर्भाग्य, बदनसीबी।

शोरबा (شوربا) फा. पुं.–गोश्त का पका हुआ रस, पक्वमांसरस।

शोरमोर (شورمور) फा. स्त्री.–बहुत छोटी चींटी, क्षुद्र पिपीलिका; अशुभ, मनहूस, अनिष्टकर।

शोराबः (شورابہ) फा. पुं.–खारा पानी, नमक मिला हुआ पानी।

शोराब (شوراب) फा. पुं.–दे. 'शोराबः'।

शोरिंदः (شورندہ) फा. वि.–शोर करनेवाला, ग़ुल मचानेवाला।

शोरियत (شوریت) फा. स्त्री.–खारीपन, नमकीनी।

शोरिश (شورش) फा. स्त्री.–उपद्रव, दंगा, फ़साद; सैन्यद्रोह, बग़ावत, विद्रोह; खारीपन, नमकीनी; उन्माद, पागलपन।

शोरिशअंगेज़ (شورش انگیز) फा. वि.–उपद्रव और फ़साद फैलानेवाला पदार्थ।

शोरिशअंगेज़ी (شورش انگیزی) अ. स्त्री.–उपद्रव और फ़साद फ़ैलाना।

शोरिशकदः (شورش کدہ) फा. पुं.–उपद्रव का स्थान, फ़साद की जगह, वह स्थान जहाँ फ़साद या बग़ावत हो।

शोरिशकुनिंदः (شورش کنندہ) फा. वि.–फ़साद पैदा करनेवाला, उपद्रवी।

शोरिशगाह (شورش گاہ) फा. स्त्री.–'शोरिशकदः'।

शोरिशपसंद (شورش پسند) फा. वि.–जो चाहता हो कि कोई न कोई फ़साद या उपद्रव खड़ा ही रहे।

शोरिशपसंदी (شورش پسندی) फा. स्त्री.–उपद्रव चाहना।

शोरिशी (شورشی) फा. वि.–फ़साद या उपद्रव फैलानेवाला।

शोरीदः (شوریدہ) फा. वि.–आतुर, उद्विग्न, परेशान; उन्मत्त, मस्त, दीवाना।

शोरीदःख़ातिर (شوریدہ خاطر) फा. अ. वि.–जिसका दिल परेशान हो, खिन्नमना; दुःखित, रंजीदा।

शोरीदःदिमाग़ (شوریدہ دماغ) फा. अ. वि.–विकृतमस्तिष्क, पागल, ख़ब्ती, मिराक़ी।

शोरीदःबख़्त (شوریدہ بخت) फा. वि.–हतभाग्य, बदनसीब, बदक़िस्मत, अभागा।

शोरीदःमिज़ाज (شوریدہ مزاج) फा. अ. वि.–खिन्नमनस्क, उद्विग्नचित्त, परेशाँदिल; पागल, ख़ब्ती।

शोरीदःसर (شوریدہ سر) फा. वि.–पागल, दीवाना, विकृतमस्तिष्क।

शोरीदःसरी (شوریدہ سری) फा. स्त्री.–पागलपन, दीवानगी।

शोरीदःहाल (شوریدہ حال) फा.अ.वि.–दुर्दशाग्रस्त, परीशाँहाल, उद्विग्न।

शोरीदःहाली (شوریدہ حالی) फा. अ. स्त्री.–परीशाँहाली, दुर्दशा।

शोरीदगी (شوریدگی) फा. स्त्री.–उद्विग्नता, परीशानी; दीवानगी, पागलपन।

शोरे क़ियामत (شور قیامت) फा. अ. पुं.–महाप्रलय के समय का कोलाहल; बहुत अधिक शोरोग़ुल।

शैतान (شیطان) अ. पुं.–एक फ़िरिश्तः जिसने ईश्वराज्ञा का उल्लंघन किया और बहिष्कृत हुआ, और तब से वह मनुष्यों को पाप की ओर प्रवृत्त करता है; इसी प्रकार का मनुष्य जो दूसरों का अनिष्ट चाहे; उपद्रवी, शरारती।

शैतानसीरत (شیطان سیرت) अ. वि.–जिसकी प्रकृति शैतान-जैसी हो, महादुष्ट।

शैतान सूरत (شیطان صورت) अ. वि.–जिसकी आकृति शैतान-जैसी हो।

शैतानी (شیطانی) अ. वि.–शैतान का; शैतान-सम्ब[illegible]ी; निकृष्ट, बुरा; पापमय, गुनाह का।

शैताने मुजस्सम (شیطان مجسم) अ. पुं.–जो सर से पांव तक शैतान हो, जिसके आचरण पैशाचिक हों।

शैताने लईं (شیطان لعیں) अ. पुं.–धिक्कृत और बहिष्कृत शैतान।

शैद (شید) अ. पुं.–छल, धोखा, फ़रेब।

शैदा (شیدا) फ़ा. वि.–मुग्ध, मोहित, फ़िरेफ़्तः; आसक्त, आशिक़; उन्मत्त, पागल; उद्विग्न, आतुर, परेशान; किसी चीज़ का बहुत अधिक इच्छुक।

शैदाई (شیدائی) फ़ा. वि.–दे. 'शैदा', प्रेमी—"एक यह दिल है जो सौ जान से शैदाई है, एक तुम हो, कि न मिलने की क़सम खायी है।"

शैदाए इल्म (شیدائے علم) फ़ा. अ. वि.–विद्या प्राप्त करने का अत्यधिक अभिलाषी।

शैदाए वतन (شیدائے وطن) फ़ा. अ. वि.–देशभक्त, देश-प्रेम में अनुरक्त।

शैदाए हुस्न (شیدائے حسن) फ़ा. अ. वि.–सुंदरता को हर चीज़ से अधिक पसंद करनेवाला।

शैदी (شیدی) अ. वि.–धूर्त, वंचक, छली।

शैन (شین) फ़ा. पुं.–विलाप, रोना-धोना; दोष, ऐब।

शैपूर (شیپور) फ़ा. पुं.–बिगुल, नफ़ीरी।

शैबः (شیبہ) अ. पुं.–दे. 'शैबत'।

शैब (شیب) अ. पुं.–बुढ़ापा, वृद्धावस्था, जरा।

शैबत (شیبت) अ. स्त्री.–वृद्धावस्था, जरा, बुढ़ापा।

शो

शो (شو) फ़ा. प्रत्य.–धोनेवाला, जैसे—'मुर्दःशो' मुर्दे को धोने या नहलानेवाला, (पुं.) शौहर, पति, भर्ता, नाथ, स्वामी।

शोए (شوے) फ़ा. पुं.–शौहर, भर्तार, पति, (प्रत्य.) धोने-वाला, जैसे—'रंगशोए' न्यारिया।

शोख़ (شوخ) फ़ा. वि.–चंचल, चपल, चुलबुला, शरीर; गहरा (रंग); धृष्ट, ढीठ; उद्दंड, गुस्ताख़; अवज्ञाकारी, नाफ़र्मान; असभ्य, बदतमीज़।

शोख़गीं (شوخگیں) फ़ा. वि.–मैला, गंदा, इस अर्थ में 'शूख़गीं' अधिक उचित है।

शोख़चश्म (شوخ چشم) फ़ा. वि.–बेहया, बेशर्म, निर्लज्ज; धृष्ट, गुस्ताख़।

शोख़चश्मी (شوخ چشمی) फ़ा. स्त्री.–बेहयाई, निर्लज्जता; ढीठपन, धृष्टता, गुस्ताख़ी।

शोख़ज़बाँ (شوخ زباں) फ़ा. वि.–मुँहफट, मुक्तकंठ; बक्की, मुख-चपल, वाचाल।

शोख़ज़बानी (شوخ زبانی) फ़ा. स्त्री.–मुँहफटपन, मुक्त-कंठता; बकवास, मुख-चपलता, वाचालता।

शोख़तब्अ (شوخ طبع) फ़ा. अ. वि.–जिसमें चंचलता बहुत हो, चुलबुला; जो विनोदप्रिय हो, ख़ुशमिज़ाज।

शोख़तब्ई (شوخ طبعی) फ़ा. अ. स्त्री.–प्रकृति का चुल-बुलापन, मनोविनोद, हँसी-दिल्लगी।

शोख़तरीन (شوخ ترین) फ़ा. वि.–बहुत अधिक चुलबुला; बहुत गहरा (रंग)।

शोख़दीदः (شوخ دیدہ) फ़ा. वि.–दे. 'शोख़चश्म'।

शोख़दीदगी (شوخ دیدگی) फ़ा. स्त्री.–दे. 'शोख़चश्मी'।

शोख़मिज़ाज (شوخ مزاج) फ़ा. अ. वि.–दे. 'शोख़तब्अ'।

शोख़मिज़ाजी (شوخ مزاجی) फ़ा. अ. स्त्री.–दे. 'शोख़-तब्ई'।

शोख़िए अल्फ़ाज़ (شوخئی الفاظ) फ़ा. अ. स्त्री.–लेख या भाषण में ऐसे शब्दों का प्रयोग जो हास्यरसान्वित हों।

शोख़िए तक़रीर (شوخئی تقریر) फ़ा. अ. स्त्री.–भाषण में शोख़ और विनोदमय शब्दों का प्रयोग।

शोख़िए तब्अ (شوخئی طبع) फ़ा. अ. स्त्री.–प्रकृति की चंचलता और विनोदप्रियता।

शोख़िए तक़दीर (شوخئی تقدیر) फ़ा. अ. स्त्री.–भाग्य की चंचलता, अर्थात् अभागापन, बदक़िस्मती।

शोख़िए तह्‌रीर (شوخئی تحریر) फ़ा. अ. स्त्री.–लेख में ऐसे शब्दों का प्रयोग जो शोख़ हों।

शोख़ी (شوخی) फ़ा. स्त्री.–चपलता, चुलबुलाहट; धृष्टता, गुस्ताख़ी; अशिष्टता, बदतमीज़ी; गहरापन (रंग)।

शोख़ो शंग (شوخ و شنگ) फ़ा. वि.–वह व्यक्ति जो बहुत ही चुलबुला, चतुर और सुंदर हो।

शोनीज़ (شونیز) फ़ा. स्त्री.–कलौंजी, प्याज़ के बीज, दे. 'शूनीज़', दोनों शुद्ध हैं।

शो'बः (شعبہ) अ. पुं.–शाखा, शाख़, डाली; विभाग, महकमा; खंड, टुकड़ा।

शोब (شوب) फ़ा. प्रत्य.–धोनेवाला; धुलाई, धोने का का भाव, धुलाव, धोब, धोना; उष्णीष, पगड़ी।

शो'बए तस्नीफ़ो तालीफ़ (شعبۂ تصنیف و تالیف) अ.पुं.–वह विभाग जिसका सम्बन्ध पुस्तकें लिखने और संपादन करने से हो।

शोबीदः (شوبیدہ) फा. वि.–धोया हुआ।

शोरः (شورہ) फा. पुं.–एक खार जिससे बारूद बनती है, श्वेत क्षार।

शोरःगर (شورہگر) फा. वि.–शोरा बनानेवाला।

शोरःपुश्त (شورہپشت) फा. वि.–उद्दंड, अक्खड़, मुँहफट, बदतमीज़; झगड़ालू, फ़सादी; अवज्ञाकारी, निरंकुश, जो कहे में न हो।

शोरःबूम (شورہبوم) फा. स्त्री.–ऊसर, वह ज़मीन जिसमें रेह हो, जहाँ कुछ पैदा न हो सके।

शोरःसाज़ (شورہساز) फा. वि.–दे. 'शोरःगर'।

शोर (شور) फा. वि.–खारी, नमकीन; कोलाहल, ग़ुल; शोहरत, नामवरी; उन्माद, पागलपन।

शोरअंगेज़ (شورانگیز) फा. वि.–ग़ुल मचानेवाला; पागलपन बढ़ानेवाला।

शोरअंगेज़ी (شورانگیزی) फा. स्त्री.–ग़ुल मचाना; पागलपन बढ़ाना।

शोरआगीं (شورآگیں) फा. वि.–उन्माद और पागलपन से भरा हुआ।

शोरग़ार (شورغار) फा. स्त्री.–फिटकरी, स्फटिक।

शोरचश्म (شورچشم) फा. वि.–जिसकी नज़र लग जाती हो।

शोरचश्मी (شورچشمی) फा. स्त्री.–नज़र लगना।

शोरपा (شورپا) फा. वि.–जिसके पाँव चलते समय टकराते हों, दोनों पाँव परस्पर लड़ते हों।

शोरपुश्त (شورپشت) फा. वि.–उद्दंड, अक्खड़, मुँहज़ोर; निरंकुश, बेमहार; धृष्ट, गुस्ताख़।

शोरपुश्ती (شورپشتی) फा. स्त्री.–उद्दंडता, अक्खड़पन; निरंकुशता, बेमहारी; धृष्टता, गुस्ताख़ी।

शोरबख़्त (شوربخت) फा. वि.–हतभाग्य, अभागा, बदक़िस्मत।

शोरबख़्ती (شوربختی) फा. स्त्री.–भाग्य की निकृष्टता, दुर्भाग्य, बदनसीबी।

शोरबा (شوربا) फा. पुं.–गोश्त का पका हुआ रस, पक्व-मांसरस।

शोरमोर (شورمور) फा. स्त्री.–बहुत छोटी चींटी, क्षुद्र पिपीलिका; अशुभ, मनहूस, अनिष्टकर।

शोराबः (شورابہ) फा. पुं.–खारा पानी, नमक मिला हुआ पानी।

शोराब (شوراب) फा. पुं.–दे. 'शोराबः'।

शोरिंदः (شورندہ) फा. वि.–शोर करनेवाला, ग़ुल मचानेवाला।

शोरियत (شوریت) फा. स्त्री.–खारीपन, नमकीनी।

शोरिश (شورش) फा. स्त्री.–उपद्रव, दंगा, फ़साद; सैन्य-द्रोह, बग़ावत, विद्रोह; खारीपन, नमकीनी; उन्माद, पागलपन।

शोरिशअंगेज़ (شورش انگیز) फा. वि.–उपद्रव और फ़साद फैलानेवाला पदार्थ।

शोरिशअंगेज़ी (شورش انگیزی) अ. स्त्री.–उपद्रव और फ़साद फैलाना।

शोरिशकदः (شورش کدہ) फा. पुं.–उपद्रव का स्थान, फ़साद की जगह, वह स्थान जहाँ फ़साद या बग़ावत हो।

शोरिशकुनिंदः (شورش کنندہ) फा. वि.–फ़साद पैदा करनेवाला, उपद्रवी।

शोरिशगाह (شورشگاہ) फा. स्त्री.–'शोरिशकदः'।

शोरिशपसंद (شورش پسند) फा. वि.–जो चाहता हो कि कोई न कोई फ़साद या उपद्रव खड़ा ही रहे।

शोरिशपसंदी (شورش پسندی) फा. स्त्री.–उपद्रव चाहना।

शोरिशी (شورشی) फा. वि.–फ़साद या उपद्रव फैलानेवाला।

शोरीदः (شوریدہ) फा. वि.–आतुर, उद्विग्न, परेशान; उन्मत्त, मस्त, दीवाना।

शोरीदःख़ातिर (شوریدہخاطر) फा. अ. वि.–जिसका दिल परेशान हो, खिन्नमना; दुःखित, रंजीदा।

शोरीदःदिमाग़ (شوریدہدماغ) फा. अ. वि.–विकृतमस्तिष्क, पागल, ख़ब्ती, मिराक़ी।

शोरीदःबख़्त (شوریدہبخت) फा. वि.–हतभाग्य, बदनसीब, बदक़िस्मत, अभागा।

शोरीदःमिज़ाज (شوریدہمزاج) फा. अ. वि.–खिन्नमनस्क, उद्विग्नचित्त, परेशाँदिल; पागल, ख़ब्ती।

शोरीदःसर (شوریدہسر) फा. वि.–पागल, दीवाना, विकृत-मस्तिष्क।

शोरीदःसरी (شوریدہسری) फा. स्त्री.–पागलपन, दीवानगी।

शोरीदःहाल (شوریدہحال) फा.अ.वि.–दुर्दशाग्रस्त, परीशाँ-हाल, उद्विग्न।

शोरीदःहाली (شوریدہحالی) फा. अ. स्त्री.–परीशाँहाली, दुर्दशा।

शोरीदगी (شوریدگی) फा. स्त्री.–उद्विग्नता, परीशानी; दीवानगी, पागलपन।

शोरे क़ियामत (شور قیامت) फा. अ. पुं.–महाप्रलय के समय का कोलाहल; बहुत अधिक शोरोग़ुल।

शैतान (شیطان) अ. पुं.—एक फ़रिश्तः जिसने ईश्वराज्ञा का उल्लंघन किया और बहिष्कृत हुआ, और तब से वह मनुष्यों को पाप की ओर प्रवृत्त करता है; इसी प्रकार का मनुष्य जो दूसरों का अनिष्ट चाहे; उपद्रवी, शरारती।

शैतानसीरत (شیطان سیرت) अ. वि.—जिसकी प्रकृति शैतान-जैसी हो, महादुष्ट।

शैतान सूरत (شیطان صورت) अ. वि.—जिसकी आकृति शैतान-जैसी हो।

शैतानी (شیطانی) अ. वि.—शैतान का; शैतान-सम्बन्धी; निकृष्ट, बुरा; पापमय, गुनाह का।

शैताने मुजस्सम (شیطان مجسم) अ. पुं.—जो सर से पाँव तक शैतान हो, जिसके आचरण पैशाचिक हों।

शैताने लईं (شیطان لعیں) अ. पुं.—धिक्कृत और बहिष्कृत शैतान।

शैद (شید) अ. पुं.—छल, धोखा, फ़रेब।

शैदा (شیدا) फा. वि.—मुग्ध, मोहित, फ़िरेफ़्तः; आसक्त, आशिक; उन्मत्त, पागल; उद्विग्न, आतुर, परेशान; किसी चीज का बहुत अधिक इच्छुक।

शैदाई (شیدائی) फा. वि.—दे. 'शैदा', प्रेमी—"एक यह दिल है जो सौ जान से शैदाई है, एक तुम हो, कि न मिलने की क़सम खायी है।"

शैदाए इल्म (شیدائے علم) फा. अ. वि.—विद्या प्राप्त करने का अत्यधिक अभिलाषी।

शैदाए वतन (شیدائے وطن) फा. अ. वि.—देशभक्त, देश-प्रेम में अनुरक्त।

शैदाए हुस्न (شیدائے حسن) फा. अ. वि.—सुंदरता को हर चीज से अधिक पसंद करनेवाला।

शैदी (شیدی) अ. वि.—धूर्त, वंचक, छली।

शैन (شین) फा. पुं.—विलाप, रोना-धोना; दोष, ऐब।

शैपूर (شیپور) फा. पुं.—बिगुल, नफ़ीरी।

शैबः (شیبہ) अ. पुं.—दे. 'शैबत'।

शैब (شیب) अ. पुं.—बुढ़ापा, वृद्धावस्था, जरा।

शैबत (شیبت) अ. स्त्री.—वृद्धावस्था, जरा, बुढ़ापा।

शो

शो (شو) फा. प्रत्य.—धोनेवाला, जैसे—'मुर्दःशो' मुर्दे को धोने या नहलानेवाला, (पुं.) शौहर, पति, भर्ता, नाथ, स्वामी।

शोए (شوے) फा. पुं.—शौहर, भर्तार, पति, (प्रत्य.) धोने-वाला, जैसे—'रंगशोए' न्यारिया।

शोख़ (شوخ) फा. वि.—चंचल, चपल, चुलबुला, शरीर; गहरा (रंग); धृष्ट, ढीठ; उद्दंड, गुस्ताख़; अवज्ञाकारी, नाफ़र्मान; असभ्य, बदतमीज़।

शोख़गीं (شوخگیں) फा. वि.—मैला, गंदा, इस अर्थ में 'शूख़गीं' अधिक उचित है।

शोख़चश्म (شوخ چشم) फा. वि.—बेहया, बेशर्म, निर्लज्ज; धृष्ट, गुस्ताख़।

शोख़चश्मी (شوخ چشمی) फा. स्त्री.—बेहयाई, निर्लज्जता; ढीठपन, धृष्टता, गुस्ताख़ी।

शोख़ज़बाँ (شوخ زباں) फा. वि.—मुँहफट, मुक्तकंठ; बक्की, मुख-चपल, वाचाल।

शोख़ज़बानी (شوخ زبانی) फा. स्त्री.—मुँहफटपन, मुक्त-कंठता; बकवास, मुख-चपलता, वाचालता।

शोख़तब्अ (شوخ طبع) फा. अ. वि.—जिसमें चंचलता बहुत हो, चुलबुला; जो विनोदप्रिय हो, ख़ुशमिज़ाज।

शोख़तब्ई (شوخ طبعی) फा. अ. स्त्री.—प्रकृति का चुल-बुलापन, मनोविनोद, हँसी-दिल्लगी।

शोख़तरीन (شوخ ترین) फा. वि.—बहुत अधिक चुलबुला; बहुत गहरा (रंग)।

शोख़दीदः (شوخ دیدہ) फा. वि.—दे. 'शोख़चश्म'।

शोख़दीदगी (شوخ دیدگی) फा. स्त्री.—दे. 'शोख़चश्मी'।

शोख़मिज़ाज (شوخ مزاج) फा. अ. वि.—दे. 'शोख़तब्अ'।

शोख़मिज़ाजी (شوخ مزاجی) फा. अ. स्त्री.—दे. 'शोख़-तब्ई'।

शोख़िए अल्फ़ाज़ (شوخئی الفاظ) फा. अ. स्त्री.—लेख या भाषण में ऐसे शब्दों का प्रयोग जो हास्यरसान्वित हों।

शोख़िए तक़्रीर (شوخئی تقریر) फा. अ. स्त्री.—भाषण में शोख़ और विनोदमय शब्दों का प्रयोग।

शोख़िए तब्अ (شوخئی طبع) फा. अ. स्त्री.—प्रकृति की चंचलता और विनोदप्रियता।

शोख़िए तक़्दीर (شوخئی تقدیر) फा. अ. स्त्री.—भाग्य की चंचलता, अर्थात् अभागापन, बदक़िस्मती।

शोख़िए तहरीर (شوخئی تحریر) फा. अ. स्त्री.—लेख में ऐसे शब्दों का प्रयोग जो शोख़ हों।

शोख़ी (شوخی) फा. स्त्री.—चपलता, चुलबुलाहट; धृष्टता, गुस्ताख़ी; अशिष्टता, बदतमीज़ी; गहरापन (रंग)।

शोख़ो शंग (شوخ و شنگ) फा. वि.—वह व्यक्ति जो बहुत ही चुलबुला, चतुर और सुंदर हो।

शोनीज़ (شونیز) फा. स्त्री.—कलौंजी, प्याज़ के बीज, दे. 'शूनीज़', दोनों शुद्ध हैं।

शो'बः (شعبہ) अ. पुं.—शाखा, शाख़, डाली; विभाग, महकमा; खंड, टुकड़ा।

शोब (شوب) फा. प्रत्य.—धोनेवाला; धुलाई, धोने का का भाव, धुलाव, धोब, धोना; उष्णीष, पगड़ी।

शो'बए तस्नीफ़ो तालीफ़ (شعبۂ تصنیف و تالیف) अ.पुं.–वह विभाग जिसका सम्बन्ध पुस्तकें लिखने और संपादन करने से हो।

शोबीदः (شوبیدہ) फ़ा. वि.–धोया हुआ।

शोरः (شورہ) फ़ा. पुं.–एक खार जिससे बारूद बनती है, श्वेत क्षार।

शोरःगर (شورہگر) फ़ा. वि.–शोरा बनानेवाला।

शोरःपुश्त (شورہپشت) फ़ा. वि.–उद्दंड, अक्खड़, मुँहफट, बदतमीज़; झगड़ालू, फ़सादी; अवज्ञाकारी, निरंकुश, जो कहे में न हो।

शोरःबूम (شورہبوم) फ़ा. स्त्री.–ऊसर, वह ज़मीन जिसमें रेह हो, जहाँ कुछ पैदा न हो सके।

शोरःसाज़ (شورہساز) फ़ा. वि.–दे. 'शोरःगर'।

शोर (شور) फ़ा. वि.–खारी, नमकीन; कोलाहल, ग़ुल; शोह्रत, नामवरी; उन्माद, पागलपन।

शोरअंगेज़ (شورانگیز) फ़ा. वि.–ग़ुल मचानेवाला; पागलपन बढ़ानेवाला।

शोरअंगेज़ी (شورانگیزی) फ़ा. स्त्री.–ग़ुल मचाना; पागलपन बढ़ाना।

शोरआगीं (شورآگیں) फ़ा. वि.–उन्माद और पागलपन से भरा हुआ।

शोरग़ार (شورغار) फ़ा. स्त्री.–फिटकरी, स्फटिक।

शोरचश्म (شورچشم) फ़ा. वि.–जिसकी नज़र लग जाती हो।

शोरचश्मी (شورچشمی) फ़ा. स्त्री.–नज़र लगना।

शोरपा (شورپا) फ़ा. वि.–जिसके पाँव चलते समय टकराते हों, दोनों पाँव परस्पर लड़ते हों।

शोरपुश्त (شورپشت) फ़ा. वि.–उद्दंड, अक्खड़, मुँहज़ोर; निरंकुश, बेमहार; धृष्ट, गुस्ताख।

शोरपुश्ती (شورپشتی) फ़ा. स्त्री.–उद्दंडता, अक्खड़पन; निरंकुशता, बेमहारी; धृष्टता, गुस्ताखी।

शोरबख़्त (شوربخت) फ़ा. वि.–हतभाग्य, अभागा, बदक़िस्मत।

शोरबख़्ती (شوربختی) फ़ा. स्त्री.–भाग्य की निकृष्टता, दुर्भाग्य, बदनसीबी।

शोरबा (شوربا) फ़ा. पुं.–गोश्त का पका हुआ रस, पक्वमांसरस।

शोरमोर (شورمور) फ़ा. स्त्री.–बहुत छोटी चींटी, क्षुद्र पिपीलिका; अशुभ, मनहूस, अनिष्टकर।

शोराबः (شورابہ) फ़ा. पुं.–खारा पानी, नमक मिला हुआ पानी।

शोराब (شوراب) फ़ा. पुं.–दे. 'शोराबः'।

शोरिंदः (شورندہ) फ़ा. वि.–शोर करनेवाला, ग़ुल मचानेवाला।

शोरियत (شوریت) फ़ा. स्त्री.–खारीपन, नमकीनी।

शोरिश (شورش) फ़ा. स्त्री.–उपद्रव, दंगा, फ़साद; सैन्यद्रोह, बग़ावत, विद्रोह; खारीपन, नमकीनी; उन्माद, पागलपन।

शोरिशअंगेज़ (شورش انگیز) फ़ा. वि.–उपद्रव और फ़साद फैलानेवाला पदार्थ।

शोरिशअंगेज़ी (شورش انگیزی) अ. स्त्री.–उपद्रव और फ़साद फैलाना।

शोरिशकदः (شورش کدہ) फ़ा. पुं.–उपद्रव का स्थान, फ़साद की जगह, वह स्थान जहाँ फ़साद या बग़ावत हो।

शोरिशकुनिंदः (شورش کنندہ) फ़ा. वि.–फ़साद पैदा करनेवाला, उपद्रवी।

शोरिशगाह (شورشگاہ) फ़ा. स्त्री.–'शोरिशकदः'।

शोरिशपसंद (شورش پسند) फ़ा. वि.–जो चाहता हो कि कोई न कोई फ़साद या उपद्रव खड़ा ही रहे।

शोरिशपसंदी (شورش پسندی) फ़ा. स्त्री.–उपद्रव चाहना।

शोरिशी (شورشی) फ़ा. वि.–फ़साद या उपद्रव फैलानेवाला।

शोरीदः (شوریدہ) फ़ा. वि.–आतुर, उद्विग्न, परेशान; उन्मत्त, मस्त, दीवाना।

शोरीदःख़ातिर (شوریدہخاطر) फ़ा. अ. वि.–जिसका दिल परेशान हो, खिन्नमना; दुःखित, रंजीदा।

शोरीदःदिमाग़ (شوریدہدماغ) फ़ा. अ. वि.–विकृतमस्तिष्क, पागल, खब्ती, मिराक़ी।

शोरीदःबख़्त (شوریدہبخت) फ़ा. वि.–हतभाग्य, बदनसीब, बदक़िस्मत, अभागा।

शोरीदःमिज़ाज (شوریدہمزاج) फ़ा. अ. वि.–खिन्नमनस्क, उद्विग्नचित्त, परेशाँदिल; पागल, खब्ती।

शोरीदःसर (شوریدہسر) फ़ा. वि.–पागल, दीवाना, विकृतमस्तिष्क।

शोरीदःसरी (شوریدہسری) फ़ा. स्त्री.–पागलपन, दीवानगी।

शोरीदःहाल (شوریدہحال) फ़ा.अ.वि.–दुर्दशाग्रस्त, परीशाँहाल, उद्विग्न।

शोरीदःहाली (شوریدہحالی) फ़ा. अ. स्त्री.–परीशाँहाली, दुर्दशा।

शोरीदगी (شوریدگی) फ़ा. स्त्री.–उद्विग्नता, परीशानी; दीवानगी, पागलपन।

शोरे क़ियामत (شور قیامت) फ़ा. अ. पुं.–महाप्रलय के समय का कोलाहल; बहुत अधिक शोरोग़ुल।

शोरेज़ (شوریز) फा. स्त्री.–खेती के क़ाबिल जमीन।

शोरे तह्‌सीन (شور تحسین) फा. अ. पुं.–वाह-वाह का शोर, प्रशंसा और धन्यवाद का शोर।

शोरे नुशूर (شور نشور) फा. अ. पुं.–क़ियामत के दिन लोगों के उठने का शोर।

शोरे मर्हबा (شور مرحبا) फा. अ. पुं.–धन्यवाद और वाह-वाह का शोर।

शोरे मसर्रत (شور مسرت) फा. अ. पुं.–खुशी का शोर, हर्षनाद।

शोरे महशर (شور محشر) फा. अ. पुं.–दे. 'शोरे क़ियामत'।

शोरे मातम (شور ماتم) फा. पुं.–किसी के मरने पर रोने-धोने का शोर।

शोरो ग़ुल (شوروغل) फा. पुं.–दे. 'शोरो शग़ब'

शोरोशग़ब (شوروشغب) अ. फा. पुं.–बहुत अधिक कोलाहल और शोरोग़ुल।

शोरोशर (شوروشر) फा. अ. पुं.–शोर और फ़साद, हंगामा, बग़ावत और फ़साद का हंगाम:।

शोल: (شعلہ) अ. पुं.–अग्निज्वाला, लपट, उदा०—"एक शोल: सा उठा, शीशे से पैमाने में, लो किरन फूटी सवेरा हुआ मैख़ाने में"—"ख़ुमार"।

शो'ल:अंगेज़ (شعلہ انگیز) अ. फा. वि.–दे. 'शो'ल:अफ़्गन'।

शो'ल:अंदाम (شعلہ اندام) अ फा. वि.–जिसका शरीर अग्नि-जैसा उज्ज्वल और दीप्त हो।

शोल:अफ़्गन (شعلہ افگن) अ. फा. वि.–शो'ले बखेरनेवाला, आग बरसानेवाला, अग्निवर्षक।

शो'ल:अफ़्शाँ (شعلہ افشاں) अ. फा. वि.–दे. 'शो'ल:अफ़्गन'।

शो'ल:आवाज़ (شعلہ آواز) अ. फा. वि.–जिसकी आवाज़ में दर्द हो, बहुत अच्छा गानेवाला।

शो'ल:इज़ार (شعلہ عذار) अ. वि.–आग-जैसे उज्ज्वल गालोंवाला (वाली), बहुत ही सुंदर।

शो'ल:क़ामत (شعلہ قامت) अ. वि.–दे. 'शो'ल:अंदाम'।

शो'ल:ख़ू (شعلہ خو) अ. फा. वि.–दे. 'शो'ल:मिज़ाज'।

शो'ल:ज़न (شعلہ زن) अ. फा. वि.–शो'ले फेंकनेवाला, बहुत तेज़ जलनेवाली आग।

शो'ल:ज़बाँ (شعلہ زباں) अ. फा. वि.–बहुत ही तेज़ बोलनेवाला, धुँआँधार भाषण देनेवाला।

शो'ल:ज़ाद: (شعلہ زادہ) अ. फा. वि.–अग्नि से उत्पन्न एक योनि विशेष, देव, परी, जिन, शैतान।

शो'ल:ज़ार (شعلہ زار) अ. फा. पुं.–जहाँ शो'ले ही शो'ले हों, जहाँ आग ही आग हो।

शो'ल:दीदार (شعلہ دیدار) अ. फा. वि.–दे. 'शो'ल:रुख़'।

शो'ल:नाक (شعلہ ناک) अ. फा. वि.–शो'लों से भरा हुआ।

शो'ल:फ़ाम (شعلہ فام) अ. फा. वि.–शो'ले-जैसे लाल और दीप्त रंगवाला (वाली), अग्निवर्ण।

शो'ल:फ़िगन (شعلہ فگن) अ. फा. वि.–दे. 'शो'ल:अफ़्गन'

शो'ल:फ़िशाँ (شعلہ فشاں) अ. फा. वि.–दे. 'शोल:अफ़्गन।

शो'ल:बार (شعلہ بار) अ. फा. वि.–आग बरसानेवाला, अग्निवर्षक।

शो'ल:बारी (شعلہ باری) अ. फा. स्त्री.–आग बरसाना, अग्निवर्षा।

शो'ल:मिज़ाज (شعلہ مزاج) अ. वि.–बहुत तीव्र और कड़वे स्वभाव का, बहुत अधिक ग़ुस्सैल।

शो'ल:रंग (شعلہ رنگ) अ. फा. वि.–दे. शो'ल:फ़ाम'।

शो'ल:रुख़ (شعلہ رخ) अ. फा. वि.–अग्नि-जैसे सुर्ख़ और उज्ज्वल गालोंवाला (वाली) परवाने का अपने सूरते शमा। अय शोला रुख़ो न दिल जलाउ।

शो'ल:रुख़्सार (شعلہ رخسار) अ. फा. वि.–दे. 'शोल':रुख़'।

शो'ल:रू (شعلہ رو) अ. फा. वि.–दे. 'शो'ल:रुख़'।

शो'ल: सा (شعلہ سا) अ. फा. वि.–शो'ल:-जैसा, आग-जैसा।

शो'ल:सिफ़त (شعلہ صفت) अ. वि.–शो'ल:-जैसा, आग की तरह रौशन और लाल।

शो'लए जव्वाल: (شعلۂ جوالہ) अ. पुं.–आग का वह घेरा जो लकड़ी के दोनों सिरों को जलाकर घुमाने से बनते हैं, आलात-चक्र।

शो'लए जौलाँ (شعلۂ جولاں) अ. फा. पुं.–चलने-फिरनेवाला शो'ल: अर्थात् नायिका।

शो'लए ताक (شعلۂ تاک) अ. फा. पुं.–अंगूरी शराब, द्राक्षेरा, द्राक्षासव, मालिका।

शो'लए दीदार (شعلۂ دیدار) अ. फा. पुं.–प्रेमिका के दर्शनों की आग।

शो'लए रुख़्सार (شعلۂ رخسار) अ. फा. पुं.–गालों की दीप्ति और चमक जो शो'ल: जान पड़ती है।

शो'लीं (شعلیں) फा. वि.–अग्निज्वाला-सम्बन्धी,; लपटदार, लपटोंवाला; लपटें निकलता हुआ।

शोलीद: (شولیدہ) फा. वि.–स्तब्ध, स्तंभित, हैरान; उद्विग्न, व्याकुल, परेशान।

शोश: (شوشہ) फा. पुं.–खंड, टुकड़ा; सीन या शीन (अक्षर) का दंदान:; सोने या चाँदी का डेला।

शौ

शौ (شو) फा. पुं.–'शौहर' का लघु., शौहर, पति, स्वामी।

शौक: (شوکه) अ. पुं.—काँटा, कंटक।

शौक़ (شوق) अ. पुं.—अभिलाषा, उत्कंठा, अधिक चाह, लगन; व्यसन, टेव, आदत।

शौकत (شوکت) अ. स्त्री.—आतंक, दब्दबः; वैभव, ऐश्वर्य, शानोशौकत।

शौकतुलअक़्रब (شوکتہ العقرب) अ. पुं.—बिच्छू का डंक।

शौकतेअल्फ़ाज़ (شوکت الفاظ) अ. स्त्री.—लेख में बड़े-बड़े और क्लिष्ट शब्दों की व्यवस्था, शब्दाडंबर।

शौकते शाही (شوکت شاهی) अ. फा. स्त्री.—बादशाहों का ठाठ-बाट।

शौकरां (شوکراں) अ. पुं.—एक वनौषधि जो दवा में प्रचलित है।

शौक़िय: (شوقیه) अ. वि.—शौक़ के तौर पर, केवल मन-बहलाव के लिए।

शौक़ीन (شوقین) उ. वि.—व्यसनी, धती, आदी; किसी कार्य-विशेष में बहुत अधिक रुचि रखनेवाला।

शौक़े आराइश (شوق آرائش) अ. फा. पुं.—बनने-सँवरने का शौक़, ख़ुद को बना-ठना रखने का शौक़।

शौक़े इबादत (شوق عبادت) अ. पुं.—जप-तप का शौक़, ईश्वराराधना की लगन।

शौक़े ज़ीनत (شوق زینت) अ. पुं.—दे. 'शौक़े आराइश'।

शौक़े तज़्ईन (شوق تزئین) अ. पुं.—दे. शौक़े आराइश'।

शौक़े बेपायाँ (شوق بےپایاں) अ. फा. पुं.—बहुत अधिक शौक़, हद से बढ़ी हुई उत्कंठा।

शौक़े लिबास (شوق لباس) अ. पुं.—कपड़ों का शौक़, अच्छे-अच्छे कपड़े पहिनने का शौक़।

शौक़ोज़ौक़ (شوق و ذوق) अ. पुं.—बहुत अधिक रुचि, बहुत अधिक शौक़।

शौल: (شوله) अ. पुं.—उन्नीसवाँ नक्षत्र, मूल।

शौहर (شوهر) फा. पुं.—पति, भर्तार, स्वामी, भर्तृ, ख़ाविंद।

शौहरकुश (شوهرکش) फा. स्त्री.—पति को मार डालने-वाली स्त्री, पतिघातिनी।

शौहरख़्वाह (شوهرخواه) फा. स्त्री.—पति की इच्छा करने-वाली स्त्री, पतिकामा।

शौहरपरस्त (شوهرپرست) फा. स्त्री.—पति को ईश्वर की तरह पूजनेवाली स्त्री, पतिव्रता, पति-परायणा।

स

संग (سنگ) फा. पुं.—प्रस्तर, पाषाण, पत्थर।

संगअंदाज़ (سنگ انداز) फा. पुं.—पत्थर फेंकनेवाला; क़िले के सूराख़ जिनसे बंदूक चलायी जाती है; गोफन, जिससे ढेला फेंकते हैं।

संगख़ुर्द: (سنگ خورده) फा. वि.—जिसे पत्थर की चोट आयी हो, पत्थर से घायल।

संगच: (سنگچه) फा. पुं.—ओला, घनोपल।

संगज़द: (سنگ زده) फा. वि.—जिसे पत्थर से मारा गया हो।

संगज़न (سنگ زن) फा. वि.—वह तराज़ू जिसमें पासंग हो, जो कम तोले।

संगज़र (سنگ زر) फा. पुं.—कसौटी, कसवटी, निकष।

संगजराहत (سنگ جراحت) एक सफ़ेद पत्थर जो घाव भरने के काम आता है; सिंधा, सेलखरी, मरहम बनाने में प्रयुक्त होती है।

संगजाँ (سنگ جاں) फा. वि.—जिसके प्राण मुश्किल से निकलें, सख़्तजाँ; निर्दय, बेरह्म।

संगज़ार (سنگ زار) फा. पुं.—पथरीला स्थान, जहाँ पत्थर ही पत्थर हों।

संगजानी (سنگ جانی) फा. स्त्री.—प्राण कठिनता से निकलना; निर्दयता, संगदिली।

संगतर: (سنگتره) फा. पुं.—संतरा, मीठी नारंगी।

संगतराश (سنگتراش) फा. वि.—पत्थर का काम करने-वाला, पाषाण-भेदक।

संगतराशी (سنگتراشی) फा. स्त्री.—पत्थर का काम करना।

संगदस्त (سنگ دست) फा. वि.—दे. 'संगींदस्त'।

संगदस्ती (سنگ دستی) फा. स्त्री.—दे. 'संगींदस्ती'।

संगदान: (سنگ دانه) फा. पुं.—दे. 'संगदान'।

संगदान (سنگ دان) फा. पुं.—चिड़िया का पोटा।

संगदिल (سنگ دل) फा. वि.—निर्दय, वज्रहृदय, बेरहम, सख़्तदिल।

संगदिली (سنگ دلی) फा. स्त्री.—निर्दयता, बेरहमी, क्रूरता, हृदय का पत्थरपन।

संगपा (سنگ پا) फा. पुं.—झाँवाँ, पाँव माँजने का पत्थर, दे. 'संगेपा'।

संगपुश्त (سنگ پشت) अ. पुं.—कच्छप, कूर्म, कछवा।

संगबकफ़ (سنگ بکف) फा. वि.—हाथ में पत्थर लिये हुए, मारने के लिए पत्थर उठाये हुए।

संग बदामन (سنگ بدامن) फा. वि.—दामन में पत्थर भरे हुए।

संगबस्त: (سنگ بسته) फा. वि.—सुदृढ़, काफ़ी मज़बूत।

संगबस्त (سنگ بست) फा. वि.—दृढ़, मज़बूत; वह मेवा जो अभी पक्का न हो, गद्दा हो।

संगरू (سنگ رو) फा. वि.—निर्लज्ज, बेहया, बेशर्म।

संगरेज़ः (سنگریزہ) फा. पुं.—कंकड़ी, पत्थर का छोटा-सा टुकड़ा।

संगलाख़ः (سنگلاخہ) फा. पुं.—दे. 'संगलाख़'।

संगलाख़ (سنگلاخ) फा. वि.—पथरीली ज़मीन, जहाँ पत्थर बहुत हों; जहाँ से खोदकर कंकर निकाले जायँ।

संगसाज़ (سنگساز) फा. वि.—लीथो प्रेस में पत्थर पर त्रुटियाँ शुद्ध करनेवाला।

संगसाज़ी (سنگسازی) फा. स्त्री.—लीथो प्रेस में पत्थर पर की ग़लतियाँ शुद्ध करना।

संगसार (سنگسار) फा. वि.—जिसे पत्थर मार-मार कर मार डाला गया हो; पथराव, पथराव करके किसी व्यक्ति को मार डालना; एक सज़ा जो कड़े अपराधियों को दी जाती थी; उसे कमर तक ज़मीन में गाड़कर उस पर इतने पत्थर बरसाते थे कि वह मर जाय।

संगसारी (سنگساری) फा. स्त्री.—दे. 'संगसार', नं. २, ३।

संगिस्तान (سنگستان) फा. पुं.—पथरीली जगह, पहाड़ी जगह।

संगीं (سنگیں) फा. वि.—'संगीन' का लघु., जो यौगिक शब्दों में व्यवहृत है, अर्थ के लिए दे. 'संगीन'।

संगींजिगर (سنگیں جگر) फा. वि.—निर्दय, कठोरहृदय, बेरहमतरीन।

संगींजिगरी (سنگیں جگری) फा. स्त्री.—बहुत अधिक निर्दयता, इंतिहाई बेरहमी।

संगींदस्त (سنگیں دست) फा. वि.—जो काम करने में बहुत सुस्त हो, काहिल, कामचोर, दीर्घसूत्री।

संगींदस्ती (سنگیں دستی) फा. स्त्री.—कामचोरी, आलस्य, काहिली।

संगींदिल (سنگیں دل) फा. वि.—बहुत ही कठोर हृदय का, बड़ा ही बेरहम, प्रस्तर-हृदय।

संगींदिली (سنگیں دلی) फा. स्त्री.—हृदय का अत्यंत कठोर होना, सख़्त बेरहमी।

संगी (سنگی) फा. वि.—पत्थर का बना; पत्थर से सम्बन्धित; पत्थर का।

संगीन (سنگین) फा. वि.—सख़्त, कड़ा, कठोर; गाढ़ा, गफ़ (कपड़ा); कड़ा, दुष्कर, जैसे— संगीन काम।

संगीन (سنگین) उ. स्त्री.— एक लंबी और पतली बरछी जो बंदूक के सिरे पर लगायी जाती है।

संगीनी (سنگینی) फा. स्त्री.—पत्थर का बना हुआ होना।

संगे अस्वद (سنگ اسود) फा. अ. पुं.—काला पत्थर, कृष्ण प्रस्तर; वह पत्थर जो का'बे में लगा है और जिसे देखने के लिए हर साल मुसलमान मक्के जाते हैं, जिसे हज कहते हैं।

संगे आस्ताँ (سنگ آستاں) फा. पुं.—देहलीज़ का पत्थर, वह पत्थर जिसमें चौखट बाज़ू जड़ा जाता है, ईरान में देहलीज़ में लकड़ी नहीं होती।

संगे आस्तानः (سنگ آستانہ) फा. पुं.—दे. 'संगे आस्ताँ'।

संगे आहनरुबा (سنگ آہن ربا) फा. पुं.—चुम्बक, चुम्मक पत्थर।

संगे क़नाअत (سنگ قناعت) फा. अ. पुं.—वह पत्थर जो भूक की जलन कम करने के लिए पेट पर बाँधते हैं, यह अरब का रवाज है।

संगे कलाँ (سنگ کلاں) फा. पुं.—कोई बहुमूल्य रत्न, क़ीमती जौहर।

संगे ख़ारा (سنگ خارا) फा. पुं.—एक प्रकार का खुरदरा और लाली लिये हुए पत्थर जो बहुत कड़ा होता है।

संगे गुर्दः (سنگ گردہ) फा. पुं.—गुर्दे में पड़ जानेवाली पत्थरी, किडिनी स्टोन, वृक्क अश्मरी।

संगे जराहत (سنگ جراحت) फा. अ. पुं.—एक सफ़ेद और कोमल पत्थर जो घाव भरने के काम आता है, सिघा।

संगे ज़ालः (سنگ ژالہ) फा. पुं.—ओला, हिमोपल, वर्षिला।

संगे तराज़ू (سنگ ترازو) फा. पुं.—तोलने का बाँट।

संगे तिफ़्लाँ (سنگ طفلاں) फा. अ. पुं.—वह पत्थर जो लड़के दीवानों यानी पागलों को मारते हैं।

संगे तुर्बत (سنگ تربت) फा. अ. पुं.—वह पत्थर जो क़ब्र के सिरहाने लगाते हैं और जिसमें मृत पुरुष का नाम और तारीख़ आदि लिखते हैं।

संगे नसू (سنگ نسو) फा. पुं.—संगे मरमर, श्वेत प्रस्तर।

संगे पा (سنگ پا) फा. पुं.—झाँवाँ, जिससे पाँव का मैल छुड़ाते हैं।

संगे फ़लाख़न (سنگ فلاخن) फा. पुं.—वह पत्थर जो गोफन में रखकर फेंकते हैं।

संगे फ़साँ (سنگ فساں) फा. पुं.—वह पत्थर जिस पर छुरी, चाक़ू आदि की धार तेज़ करते हैं, सान।

संगे बसरी (سنگ بصری) फा. अ. पुं.—एक पत्थर जो आँखों की दवा में काम आता है, खपरिया।

संगे बाराँ (سنگ باراں) फा. पुं.—ओला, हिमोपल।

संगे बालिश (سنگ بالش) फा. पुं.—वह पत्थर जो सर के नीचे तकिए की जगह रखा जाता है, प्रायः साधु और दरवेश रखते हैं।

संगे बालीं (سنگ بالیں) फा. पुं.—दे. 'संगे बालिश'।

संगे बुन्याद (سنگ بنیاد) फा. पुं.—वह पत्थर जो किसी इमारत की नींव में रखा जाता है, आधार-शिला; नींव, बुन्याद।

संगे बेनून (سنگ بےنون) फा. पुं.—कुत्ता, कुक्कुर, पाजी और दुष्ट आदमी, उर्दू के शब्द 'संग' में से नून निकल जाय तो 'सग' रह जाता है।

संगे मक़्तल (سنگ مقتل) फा. अ. पुं.—वह पत्थर जिस पर वध किया जाता है, वधशिला।

संगे मजाअत (سنگ مجاعت) फा. अ. पुं.—भूख में पेट पर बाँधा जानेवाला पत्थर, अरब का रवाज है।

संगे मक़्नातीस (سنگ مقناطیس) फा. अ. पुं.—चुंबक, चुम्बक पत्थर, आख, पाषाण।

संगे मज़ार (سنگ مزار) फा. अ. पुं.—दे. 'संगे तुर्बत'।

संगे मर्मर (سنگ مرمر) फा. पुं.—एक मशहूर पत्थर, श्वेत प्रस्तर।

संगे मसानः (سنگ مثانہ) फा. अ. पुं.—वह पथरी जो मूत्राशय में पड़ जाती है।

संगे महक (क्क) (سنگ محک) फा. अ. पुं.—कसौटी का पत्थर, कसौटी, कष'वटी, कषपट्टिका, निकष।

संगे माही (سنگ ماهی) फा. पुं.—दे. 'संगे सरे माही'।

संगे मील (سنگ میل) फा. अ. पुं.—वह पत्थर जो रास्ते में दूरी जानने के लिए एक-एक मील पर लगा देते हैं।

संगे मूसा (سنگ موسیٰ) फा. अ. पुं.—काला पत्थर, एक प्रकार का विशेष काला पत्थर।

संगे यमन (سنگ یمن) फा. अ. पुं.—पद्मराग, ला'ल।

संगे यशब (سنگ یشب) फा. अ. पुं.—एक हरा पत्थर जो दवा में काम आता है।

संगे यश्म (سنگ یشم) फा. अ. पुं.—दे. 'संगे यश्ब'।

संगे राह (سنگ راه) फा. पुं.—वह पत्थर जो रास्ते में पड़ा हो और राहगीरों को रास्ता न चलने दे; वह व्यक्ति जो किसी काम में रुकावट डाले।

संगे रुख़ाम (سنگ رخام) फा. पुं.—संगे मरमर।

संगे शजरी (سنگ شجری) फा. अ. पुं.—एक प्रकार का मूँगा, विद्रुम।

संगे शिहाब (سنگ شهاب) फा. अ. पुं.—वह पत्थर जो शिहाबे साक़िब के गिरने से बन जाता है, उल्का-पाषाण।

संगे संदलसा (سنگ صندل سا) फा. पुं.—वह सिल जिस पर चंदन रगड़ते हैं।

संगे समाक़ (سنگ سماق) फा. अ. पुं.—एक पत्थर जो सारे पत्थरों से अधिक सख्त होता है और बिलकुल घिसता नहीं है, उसके खरल बनते हैं, जो बहुत क़ीमती होते हैं और वह मोती आदि दूसरे जवाहरात पीसने के काम आता है।

संगे सराचः (سنگ سراچه) फा. पुं.—दे: 'संगे आस्ताँ'।

संगे सरेमाही (سنگ سرماهی) फा. पुं.—एक प्रकार का पत्थर जो बड़ी मछली के सर से निकलता है और दवा के काम आता है।

संगे सिलायः (سنگ صلایه) फा. अ. पुं.—दवा आदि घिसने का पत्थर।

संगे सुर्ख़ (سنگ سرخ) फा. पुं.—लाल पत्थर जिससे इमारतें बनती हैं और मकानों में लगाया जाता है।

संगे सुर्मः (سنگ سرمه) फा. पुं.—वह पत्थर जिसका सुर्मा बनाते हैं।

संगे सुलैमानी (سنگ سلیمانی) फा. अ. पुं.—एक नग जो प्रायः दुरंगा या धारीदार होता है और जिसकी तस्बीह फ़क़ीर लोग गले में डालते हैं।

संजः (سنجه) फा. पुं.—तोलने का बाँट।

संज (سنج) फा. प्रत्य.—तोलनेवाला, जैसे—'सुखनसंज' बात को तोलनेवाला, (पुं.) झांझ, मजीरा काँसे की दो कटोरियाँ जो बजायी जाती हैं।

संजाब (سنجاب) फा. स्त्री.—एक जानवर जो घूँस के बराबर होता है, उसकी खाल का पोस्तीन बनता है जो बहुत अच्छा होता है।

संजिदः (سنجده) फा. वि.—तोलनेवाला।

संजीदः (سنجیده) फा. वि.—तोला हुआ, संतुलित; गंभीर, मतीन; शांत, पुरअम्न; सहिष्णु, बुर्दबार; हर बात को ध्यानपूर्वक सुनने और ग़ौर करनेवाला।

संजीदःगुफ़्तार (سنجیده گفتار) फा. वि.—जिसकी बात चीत में गंभीरता हो, शांतवादी।

संजीदःगुफ़्तारी (سنجیده گفتاری) फा. स्त्री.—बातचीत की गंभीरता।

संजीदःतबअ (سنجیده طبع) फा. अ. वि.—जिसकी प्रकृति गंभीर हो।

संजीदःतबई (سنجیده طبعی) फा. अ. स्त्री.—प्रकृति की गंभीरता।

संजीदःमिज़ाज (سنجیده مزاج) फा.अ.वि.—जिसके मिज़ाज में शांति और गंभीरता हो।

संजीदःमिज़ाजी (سنجیده مزاجی) फा. अ.स्त्री—मिज़ाज की शांति और गंभीरता।

संजीदःरफ़्तार (سنجیده رفتار) फा. वि.—व्यवहार और आचररण की गंभीरता।

संजीदगी (سنجیدگی) फा. स्त्री.—गंभीरता, मतानत; चित्त की शांति; सहिष्णुता, तहम्मुल।

संजुक़ (سنجق) तु. पुं.—पताका, ध्वजा, केतु, झंडा; कमरबंद, कटिबंध।

संदरूस (سندروس) फा. पुं.—राजन जो एक प्रसिद्ध गोंद है, दे. 'सुंदरूस', दोनों शुद्ध हैं।

संदल (صندل) अ. पुं.—एक सुप्रसिद्ध सुगंधित लकड़ी, चंदन।

संदलसा (صندلسا) फा. वि.—चंदन घिसने की सिल।

संदलीं (صندلیں) फा. वि.—संदल का; संदल की लकड़ी का बना हुआ।

संदली (صندلی) फा. स्त्री.—संदल का; संदल की लकड़ी का; कुर्सी।

संदास (سنداس) फा. पुं.—पाख़ाना, संडास।

संदूक़ (صندوق) अ. पुं.—लकड़ी या टीन की बड़ी पेटी जिसमें कपड़े आदि रखे जाते हैं।

संदूक़चः (صندوقچہ) छोटा संदूक़।

संदूक़नुमा (صندوق نما) अ. फा. वि.—संदूक़ की शक्ल का।

संदूक़साज़ (صندوق ساز) अ. फा. वि.—संदूक़ बनानेवाला।

संदूक़ी (صندوقی) अ. वि.—संदूक़-जैसा, संदूक़ की आकृति का; संदूक़नुमा क़ब्र जिसमें बग़ली नहीं होती।

संदूक़े मुर्दः (صندوق مردہ) अ. फा. पुं.—ताबूत, शव रखने का लकड़ी का संदूक़नुमा पात्र।

सअत (سعت) अ. स्त्री.—विस्तार, फैलाव, फ़राख़ी, गुंजाइश।

सआदत (سعادت) अ. स्त्री.—प्रताप, तेज, इक़्बाल; कल्याण, भलाई; बरकत, मुबारकी, शुभकारिता।

सआदतआसार (سعادت آثار) अ. वि.—जिसके लक्षण ऐसे हों कि आगे चलकर वह शुभान्वित होगा।

सआदतकेश (سعادت کیش) अ. फा. वि.—दे. 'सआदतमंद'।

सआदतपज़ोह (سعادت پژوہ) अ. फा. वि.—दे. 'सआदतमंद'।

सआदतपनाह (سعادت پناہ) अ. फा. वि.—तेजस्वी, प्रतापी, इक़्बालमंद।

सआदतमंद (سعادت مند) अ.फा. वि.—भाग्यशाली, नसीबेवर; तेजोमय, इक़्बालमंद; आज्ञाकारी, फ़र्मांबरदार।

सआदतमंदी (سعادت مندی) अ. फा. स्त्री.—सआदतमंद होना।

सआदतवर (سعادت ور) अ. फा. वि.—दे. 'सआदतमंद'।

सआदतवरी (سعادت وری) अ. फा. स्त्री.—दे. 'सआदतमंदी'।

सआदतशिआर (سعادت شعار) अ.वि.—दे. 'सआदतमंद'।

सआदतसंज (سعادت سنج) अ.फा. वि.—दे. 'सआदतमंद'।

सआलिब (ثعالب) अ. पुं.—'सा'लब' का बहु. लोमड़ियाँ।

सआलील (ثعالیل) अ. पुं.—'सूलूल' का बहु., मस्से; भिटनियाँ।

सई (سعی) अ. पुं.—प्रयत्न, पराक्रम, कोशिश—

"तसकीने दिले महज़ूं न हुई वह सईए करम फ़रमा भी गये,
इस सईए करम को क्या कहिए बहला भी गये तड़पा भी गये।"

सईद (صعید) अ. पुं.—मृत्तिका, मिट्टी; पृथ्वी, ज़मीन।

सईद (سعید) अ. वि.—तेजस्वी, इक़्बालमंद; भाग्यशाली, ख़ुशनसीब; कल्याणकारी, मुबारक।

सईर (سعیر) अ. पुं.—अग्निज्वाला, आग की लपट; नरक का एक तल।

सईस (سئیس) अ. पुं.—घोड़े की देख-रेख करनेवाला, अरबी के शब्द 'साइस' का बिगड़ा हुआ रूप।

सऊद (صعود) अ. पुं.—ऊँचाई, बलंदी; यातना, पीड़ा, अज़ाब; ऊपर चढ़नेवाला।

सऊबत (صعوبت) अ. स्त्री.—दे. शुद्ध उच्चारण 'सुऊबत'।

सऊल (سئول) अ. वि.—बहुत पूछनेवाला, बहुत प्रश्न करनेवाला।

सक़त (سقط) अ. पुं.—लिखने की भूल; हिसाब की भूल; गिरी-पड़ी चीज़; अपशब्द, गाली; निंदा, बदगोई।

सक़तगो (سقط گو) अ. फा. वि.—गाली देनेवाला, गाली-गलौज करनेवाला; निंदा करनेवाला, बदगो।

सक़तचीं (سقط چین) अ. फा. वि.—गिरी-पड़ी चीज़ें बीननेवाला, रेज़े और टुकड़े चुनने वाला।

सक़तफ़रोश (سقطفروش) अ. फा. वि.—गिरी-पड़ी चीज़ें, जैसे—गिरे-पड़े फल आदि बेचनेवाला; बेहूदा बातें बकनेवाला, अनर्गलवादी।

सक़ती (سقطی) अ. वि.—गिरी-पड़ी चीज़ें बेचनेवाला, कबाड़ी।

सकनः (سکنہ) अ. पुं.—'साकिन' का बहु., रहनेवाले, निवासी।

सक़न्क़ूर (سقنقور) अ. पुं.—सौंड़ के प्रकार का, परंतु उससे छोटा एक जानवर जिसका मांस बहुत ही कामवर्द्धक है।

सक़म (سقم) अ. पुं.—रोग, बीमारी; त्रुटि, दोष, दे. 'सुक़्म', दोनों शुद्ध हैं।

सक़र (سقر) अ. पुं.—नरक, दोज़ख़।

सकरात (سکرات) अ. स्त्री.—निश्चेष्टता, बेहोशी; प्राण निकलते समय का कष्ट, चंद्रा।

सकरान (سکران) अ. वि.—उन्मत्त, मतवाला, शराब के नशे में चूर।

सक़लैन (ثقلین) अ. पुं.—दो वर्ग, अर्थात् मनुष्यों का और जिन्नों का।

सक़ाफ़त (ثقافت) अ. स्त्री.—अक़्लमंद होना; हलका होना; तेज़ सिर्का।

सक़ाम (سقام) अ. पुं.—रोग, व्याधि, बीमारी।

सकारा (سکاری) अ. पुं.—'सकरान' का बहु., मस्त और मतवाले लोग, दे. 'सुकारा', दोनों शुद्ध हैं।

सक़ालत (ثقالت) अ. स्त्री.—बोझ, गुरुत्व, भारीपन।

सक़ाहत (ثقاهت) अ. स्त्री.—श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी; विश्वस्तता, मो'तबरी।

सक़िरलात (سقرلات) तु. पुं.—ऊनी बानात, सिक़्लात।

सकीनः (سکینه) अ. स्त्री.—'सकीनत' हज़रत इमाम हुसैन की सुपुत्री जो बड़ी बहादुर थीं और जिन्होंने हज़रत इमाम की शहादत के बा'द यज़ीद के विरुद्ध बहुत बड़ा प्रचार किया।

सकीनत (سکینت) अ. स्त्री.—आराम, चैन, सुख; मंदता, धीरज, आहिस्तगी।

सक़ीफ़ः (سقیفه) अ. पुं.—झूठी बात, बकवाद; आरोप, इत्तिहाम; परामर्श, सलाह।

सक़ीम (سقیم) अ. वि.—रोगी, बीमार; दुर्दशाग्रस्त, बदहाल।

सक़ीमुलहाल (سقیم الحال) अ. वि.—जिसकी आर्थिक दशा ख़राब हो, दरिद्र, निर्धन, दुर्दशाग्रस्त।

सक़ील (ثقیل) अ. वि.—गुरु, भारी, बोझल।

सक़्क़ा (سقا) अ. पुं.—पानी पिलानेवाला; पानी भरनेवाला, बिहिश्ती।

सक़्क़ाई (سقائی) अ. स्त्री.—पानी पिलाने का काम; पानी भरने का काम, भिश्तीगरी।

सक्काक (سکاک) अ. वि.—लौहकार, लुहार; सिक्के पर ठप्पा लगानेवाला।

सक्तः (سکته) अ. पुं.—एक रोग जिसमें आदमी बिलकुल मरे हुए प्राणी के समान हो जाता है, मूर्छा रोग; शे'र में किसी शब्द या अक्षर का कम होना, छंदोभंग, यति-भंग।

सक़्त (سقط) अ. पुं.—पशु का मरना।

सक़्मूनिया (سقمونیا) अ. स्त्री.—एक दवा, जो रेचक होती है, दे. 'सुक़्मूनिया', दोनों शुद्ध हैं।

सक़्रात (سقراط) अ. पुं.—यूनान का एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक जो हज़रत ईसा से पाँच सौ साल पहले था।

सख़त (سخط) अ. पुं.—क्रोध, रोष, ग़ुस्सा, दे. 'सुख़्त', वह भी शुद्ध है।

सख़ा (سخا) अ. स्त्री.—दानशीलता, वदान्यता, सख़ावत।

सख़ाफ़त (سخافت) अ. स्त्री.—तुच्छता, अधमता, कमीनगी; निर्बुद्धिता, बेअक़्ली; हलकापन, ओछापन।

सख़ी (سخی) अ. वि.—मुक्तहस्त, वदान्य, दाता, फ़ैयाज़, दानशील, दानी।

सख़ीन (ثخین) अ. वि.—गाढ़ा, गफ़; दृढ़, मज़बूत; पुष्ट; कठोर, सख़्त।

सख़ीफ़ (سخیف) अ. वि.—हलका, सबुक; झिंझरा बुना हुआ कपड़ा; तंग ज़र्फ़, छिछोरा, लघुचेता, अनुदार।

सख़ुन (سخن) फ़ा. पुं.—दे. 'सुख़न', दोनों शुद्ध हैं, परन्तु उर्दू में अधिक व्यवहृत 'सुख़न' ही है।

सख़्त (سخت) फ़ा. वि.—कठोर, कड़ा; अत्यधिक, बहुत ज़ियादः; तीव्र, प्रचंड, तेज़; दुःशील, बेमुरव्वत; निर्दय, बेरहम; दुष्कर, मुश्किल, कठिन; बहुत बड़ा।

सख़्तकमान (سخت کمان) फ़ा. वि.—योद्धा, पहलवान; तीरंदाज़, धनुर्धर; शक्तिशाली, शहज़ोर।

सख़्तकोश (سخت کوش) फ़ा. वि.—बहुत अधिक पराक्रमी।

सख़्तगीर (سخت گیر) फ़ा. वि.—भूल-चूक पर कड़ा पकड़नेवाला, रिआयत न करनेवाला, पूरी सज़ा देने वाला।

सख़्तगीरी (سخت گیری) फ़ा. स्त्री.—गलती या भूल या अपराध पर रिआयत न करनेवाला।

सख़्तजावीदः (سخت جاویده) फ़ा. वि.—तुच्छ, अधम, पामर, नीच, पोच।

सख़्तजाँ (سخت جاں) फ़ा. वि.—जिसके प्राण कठिनता से निकलें, निर्लज्जता का जीवन व्यतीत करनेवाला; बहुत बड़ा पराक्रमी, सख़्त मेहनती।

सख़्तजानी (سخت جانی) फ़ा. स्त्री.—निर्लज्जता का जीवन; कठोर पराक्रम।

सख़्तज़ेह (سخت زه) फ़ा. वि.—दे. 'सख़्तकमान'।

सख़्तदिल (سخت دل) फ़ा. वि.—निर्दय, जिसके हृदय में दयाभाव न हो, संगदिल।

सख़्तदिली (سخت دلی) फ़ा. स्त्री.—निर्दयता, बेरहमी।

सख़्तबाज़ू (سخت بازو) फ़ा. वि.—बहुत मशक़्क़त करनेवाला, बहुपराक्रम, अति परिश्रमी।

सख़्तमीर (سخت میر) फ़ा. वि.—मुश्किल से मरने वाला, जिसके प्राण कठिनता से निकलें।

सख़्तसा (سخت سا) फ़ा. पुं.—पहलवानों का घिस्सा।

सख़्तिए याम (سختئ ایام) फ़ा. अ. स्त्री.—दिनों का कष्ट, भाग्य की निष्ठुरता, गर्दिश।

सख़्तिए नज़अ (سختئ نزع) फ़ा. अ. स्त्री.—यम-यातना, चंद्रा, मरते समय का कष्ट।

सख़्ती (سختی) फ़ा. स्त्री.—कठोरता, कड़ापन; दुःशीलता, बेहयाई; कठिनता, मुश्किल; निर्दयता, बेरहमी; तीव्रता, तेज़ी, शिद्दत।

सख़्तीकश (سختی کش) फ़ा. वि.—मुसीबतें झेलनेवाला, विपत्तियों में जीवन व्यतीत करनेवाला।

सग (سگ) फ़ा. पुं.—कुक्कुर, श्वान, शुनि, शुनक, कुत्ता, कूकुर।

सगख़स्लत (سگ خصلت) फा. अ. वि.—कुत्ते-जैसा स्वभाव रखनेवाला, श्वानप्रकृति।

सगगज़ीदः (سگ گزیدہ) फा. वि.—जिसे कुत्ते ने काटा हो।

सगगज़ीदगी (سگ گزیدگی) फा. स्त्री.—कुत्ते का काटना।

सगजाँ (سگ جاں) फा. वि.—लालची, लोभी; निर्दय, बेरह्म।

सगजानी (سگ جانی) फा. स्त्री.—लोभ, लालच; निर्दयता, बेरहमी।

सगबान (سگ بان) फा. वि.—कुत्ते पालनेवाला; कुत्तों की सेवा करनेवाला नौकर।

सगबानी (سگ بانی) फा. स्त्री.—कुत्ते पालना; कुत्तों का नौकर, श्वानसेवक।

सगसार (سگ سار) फा. वि.—कुत्ते-जैसा अपवित्र और निकृष्ट व्यक्ति।

सग़ीरः (صغیرہ) अ. वि.—छोटी, कम उम्र की, (पुं.) छोटा पाप, लघु पातक।

सग़ीर (صغیر) अ. वि.—छोटा, लघु; दे. 'वह्लेसग़ीर'।

सग़ीरसिन (صغیرسن) अ. वि.—छोटी आयुवाला, अल्पवयस्क, वयोबाल।

सग़ीरसिनी (صغیرسنی) अ. स्त्री.—छोटी उम्र, बाल्यावस्था, अल्प वय।

सग़ीरो कबीर (صغیرو کبیر) अ. पुं.—छोटा और बड़ा; छोटे-बड़े सब आदमी, सब लोग, अवाम।

सगे ख़ामोशगीर (سگ خاموش گیر) फा. पुं.—वह कुत्ता जो बिना भूँके और गुर्राये काट ले।

सगे ताज़ी (سگ تازی) फा. अ. पुं.—शिकारी कुत्ता, जो अरबी नस्ल से हो।

सगे दीवानः (سگ دیوانہ) फा. पुं.—पागल कुत्ता, बावला कुत्ता।

सगे दुंबालःगीर (سگ دنبالہ گیر) फा. पुं.—पीछे से पाँव पकड़ लेनेवाला कुत्ता, भूँककर पीछे दौड़नेवाला कुत्ता।

सगे बाज़ारी (سگ بازاری) फा. पुं.—गलियों में मारा फिरनेवाला कुत्ता।

सजा' (سجع) अ. पुं.—प्रास, अनुप्रास, अंत्यानुप्रास, तुक, तुकान्त; किसी इबारत के दो वाक्यों के अंतिम शब्दों का एक-जैसा होना। इसके तीन प्रकार हैं—अगर उनका वज़न बराबर है और सानुप्रास है तो वह सजा 'मुतवाज़ी' होगा, जैसे—गुल और मुल या बहार और मज़ार; अगर वह सानुप्रास है, मगर वज़न बराबर नहीं है तो 'मुतर्रफ़' होगा, जैसे माल और मनाल या बार और बहार; अगर वज़न में बराबर हैं मगर सानुप्रास नहीं है तो वह सजा मुतवाज़िन होगा, जैसे—हाल और बात, या नज़र और सबक़; कोई वाक्य या पद इस तरह कहना कि उसमें किसी का नाम बड़ी सुंदरता के साथ आ जाय।

सज़ा (سزا) फा. स्त्री.—बुरे काम का राज्य की ओर से दंड; प्रत्यपकार, बुराई का बदला; तावान, अर्थदंड; योग्य, पात्र, लाइक़।

सज़ाए आ'माल (سزاے اعمال) फा. अ. स्त्री.—कर्मों का दंड, कर्मफल।

सज़ाए क़त्ल (سزاے قتل) फा. अ. स्त्री.—प्राणदंड, मृत्युदंड, फाँसी की सज़ा।

सज़ाए क़ैद (سزاے قید) फा. अ. स्त्री.—कारावास का दंड, जेल की सज़ा।

सज़ाए ताज़ियानः (سزاے تازیانہ) फा. स्त्री.—कोड़े मारने का दंड।

सज़ाए महज़ (سزاے محض) फा. अ. स्त्री.—सादी क़ैद जिसमें मेहनत न करनी पड़े।

सज़ाए मौत (سزاے موت) फा. अ. स्त्री.—प्राणदंड, फाँसी।

सज़ाए संगीं (سزاے سنگیں) फा. स्त्री.—दे. 'सज़ाए सख़्त'।

सज़ाए सख़्त (سزاے سخت) फा. स्त्री.—वह कारावास जिसमें कड़ी मेहनत ली जाय।

सज़ाए सादः (سزاے سادہ) फा. स्त्री.—दे. 'सज़ाए महज़'।

सजा'गो (سجع گو) अ. फा. वि.—जो सजा' कहता हो, जो सजा' कहकर उसमें नाम आदि निकालता हो।

सजाया (سجایا) अ. पुं.—'सजीयः' का बहु., स्वभाव, आदतें, प्रकृतियाँ।

सज़ायाफ़्तः (سزایافتہ) फा. वि.—जिसने पहले किसी अपराध में सज़ा पायी हो, प्राप्तदंड।

सज़ायाफ़्तगी (سزایافتگی) फा. स्त्री.—सज़ा पाये हुए होना।

सज़ायाब (سزایاب) फा. वि.—जिसे सज़ा हो गयी हो, दंडित।

सज़ायाबी (سزایابی) फा. स्त्री.—सज़ा होना, सज़ा पाना।

सज़ावार (سزاوار) फा. वि.—योग्य, पात्र, लाइक़।

सज़ावुल (سزاول) तु. वि.—उगाहनेवाला, वुसूल करनेवाला।

सज़ीदः (سزیدہ) फा. वि.—योग्य, पात्र, लाइक़, मुस्तहक़।

सजीयः (سجیہ) अ. पुं.—स्वभाव, प्रकृति, आदत।

सजीयात (سجیات) अ. पुं.—'सजीयः' का बहु., आदतें, स्वभाव।

सज्अ (سجع) अ. पुं.—दे. 'सजा', शुद्ध उच्चारण यही है, परंतु 'सजा' ही बोलते हैं।

सज्अगो (سجع گو) अ. फा. वि.—दे. 'सजा'गो'।

सज्जादः (سجادہ) अ. पुं.–किसी बड़े फ़क़ीर की गद्दी; जानमाज़, मुसल्ला।

सज्जादःनशीं (سجادہ نشین) अ. वि.–गद्दी नशीन, जो किसी बड़े फ़क़ीर या महात्मा के बाद उसकी गद्दी ग्रहण करे।

सज्जादःनशीनी (سجادہ نشینی) अ. फा. स्त्री.–किसी बड़े फ़क़ीर या महात्मा के निधन पर उसकी गद्दी पर बैठने का कर्म।

सज्जाद (سجاد) अ. वि.–बहुत अधिक सज्दे करनेवाला, बहुत बड़ा आराधक।

सज्जादगी (سجادگی) अ. फा. स्त्री.–गद्दीनशीनी, सज्जादःनशीनी।

सज्दः (سجدہ) फा. पुं.–माथा टेकना, सर झुकाना; ज़मीन पर सर रखकर ईश्वर को प्रणाम करना; नमाज़ पढ़ते हुए सज्दे में जाना, दे. 'सिज्दः', वह भी शुद्ध है, परन्तु अधिक शुद्ध 'सज्दः' है।

सज्दःगाह (سجدہ گاہ) अ. फा. स्त्री.–सज्दः करने का स्थान; शीओं के सज्दः करने की टिकिया।

सज्दःगुज़ार (سجدہ گزار) अ. वि.–सज्दः करनेवाला, नमाज़ पढ़नेवाला।

सज्दःगुज़ारी (سجدہ گزاری) अ. फा. स्त्री.–सज्दः करना, नमाज़ पढ़ना।

सज्दःरेज़ (سجدہ ریز) फा. वि.–दे. 'सज्दःगुज़ार'।

सज्दःरेज़ी (سجدہ ریزی) अ.फा.स्त्री.–दे. 'सज्दःगुज़ारी'।

सज्दए रियायी (سجدۂ ریائی) अ. फा. पुं.–झूठा सज्दः, दिखावे की नमाज़।

सज्दए शुक्र (سجدۂ شکر) अ. पुं.–कृतज्ञता का सज्दः, कोई काम सम्पन्न होने पर ईश्वर को धन्यवाद का सज्दः।

सतर (ستر) फा. पुं.–'अस्तर' का लघु., खच्चर, अश्वतर।

सतरवन (سترون) फा. स्त्री.–बाँझ स्त्री, निष्फला, वन्ध्या।

सत्तार (ستار) अ. वि.–पर्दे से ढाँकनेवाला; दोष छिपानेवाला; ईश्वर का एक नाम।

सत्र (سطر) अ. स्त्री.–कापी या किताब की लकीर, रेखा, पंक्ति, लकीर।

सत्र (ستر) अ. पुं.–छिपा; छिपाव।

सत्रबंदी (سطربندی) अ. फा. स्त्री.–लकीरें करना।

सत्रे औरत (ستر عورت) अ.पुं.–शरीर के वह भाग जिनका छिपाना आवश्यक है।

सत्वत (سطوت) अ. स्त्री.–धाक, आतंक, दबदबा; प्रताप, तेज, जलाल।

सत्हः (سطحہ) अ. पुं.–हर चीज़ का ऊपरी भाग, तल, सत्ह।

सत्ह (سطح) अ. पुं.–हर चीज़ का ऊपरी भाग, तल, जैसे—सत्हे आब, जलतल।

सत्ही (سطحی) अ. वि.–ऊपरी; जिस पर ग़ौर न हुआ हो; जो ऊपरी मन से हो; जो निश्चयपूर्वक न हो।

सत्हे आब (سطح آب) अ. फा. स्त्री.–पानी की सतह; जलतल; समुद्रतल।

सत्हे ज़मीं (سطح زمیں) अ. फा. स्त्री.–ज़मीन की सत्ह, धरातल।

सत्हे माइल (سطح مائل) अ. स्त्री.–झुकी हुई सतह, असमतल, सतहे नाहमवार, वक्रतल।

सत्हे मुतवाज़िन (سطح متوازن) अ. स्त्री.–समानान्तर सतह या तल, सर्फ़ेस।

सत्हे मुस्तवी (سطح مستوی) अ. स्त्री.–सत्हे हमवार, सत्हे बराबर, समतल।

सद (صد) फा. वि.–एक सौ, शत।

सद [द्द] (سد) अ.–रोक, आड़; रुकावट, बाधा।

सदआफ़्रीं (صدآفریں) फा. वि.–सौ-सौ धन्यवाद, बहुत बहुत सराहना।

सदक़ः (صدقہ) अ. पुं.–दान, ख़ैरात; सर से कोई चीज ख़ैरात करने के लिए उतारना, न्योछावर।

सदक़ात (صدقات) अ. पुं.–'सदक़ः' का बहु., सदक़े की चीज़ें।

सदचाक (صد چاک) फा. वि.–जो बहुत जगह से फटा हो, जो टुकड़े-टुकड़े हो।

सदपारः (صد پارہ) फा. वि.–दे. 'सदचाक'।

सदफ़ (صدف) अ. स्त्री.–सीपी, शुक्ति, सीप—"चश्मे तर अश्क से दामन मेरा भर देती है, कैसे-कैसे यह सदफ़ मुझको गुहर देती है।"

सदफ़े पेचाक (صدف پیچاک) अ. फा. पुं.–घोंघा।

सदफ़े मर्वारीद (صدف مروارید) अ. फा. स्त्री.–दे. 'सदफ़े सादिक़', मुक्ता-शुक्ति, जिस सीपी में मोती निकलता है।

सदफ़े सादिक़ (صدف صادق) अ. स्त्री.–सच्ची सीपी, वह सीपी जिसमें मोती होता है।

सदबर्ग (صدبرگ) फा. पुं.–सौ पत्तियोंवाला, शतदल, शतपत्र; गेंदे का फूल, गोंदा।

सदबार (صدبار) फा. स्त्री.–शतधा, सौ दफ़ा, सौ बार।

सदमर्हबा (صدمرحبا) फा. अ. स्त्री.–दे. 'सदआफ़्रीं'।

सदयक (صد یک) फा. वि.–एक प्रतिशत, एक फ़ी सैकड़ा।

सदर (سدر) अ. पुं.–आँखों का धुन्ध।

सदरहमत (صدرحمت) फा. अ. वि.–ईश्वर की बहुत-बहुत कृपाएँ, शाबाश, धन्य-धन्य।

सदशुक्र (صد شکر) फा. अ. वि.—बहुत-बहुत शुक्रिया, ईश्वर को बहुत-बहुत धन्यवाद, यह प्रायः ईश्वर के लिए आता है।

सदशुक्रियः (صد شکریہ) फा. अ. वि.—बहुत-बहुत धन्यवाद, यह प्रायः मनुष्यों के लिए आता है।

सदसालः (صدسالہ) फा. वि.—सौ बरस का, शतवर्षीय; सौ बरसवाला।

सदा (صدا) अ. स्त्री.—आवाज़, ध्वनि, नाद; फ़क़ीर की आवाज़।

सदाए अर्श (صدائے عرش) अ. स्त्री.—अर्श की आवाज़, ईश्वर की आवाज़, आकाशवाणी।

सदाए गुंबद (صدائے گنبد) अ. फा. स्त्री.—दे. 'सदाए बाज़ गश्त', प्रतिध्वनि।

सदाए ग़ैब (صدائے غیب) अ. स्त्री.—आकाशवाणी, ग़ैबी आवाज़।

सदाए बर नख़ास्त (صدائے بر نخاست) फा. वा.—कोई आवाज़ नहीं उठी, (शब्दार्थ) मौन, ख़ामोशी, सन्नाटा।

सदाए बाज़ गश्त (صدائے باز گشت) अ. फा. स्त्री.—प्रतिध्वनि, प्रतिशब्द, प्रतिवाद, अनुस्वन, अनुनाद, प्रतिश्रुति।

सदाए बेहंगाम (صدائے بےهنگام) अ. फा. स्त्री.—बेवक्त की आवाज़ जो अच्छी न लगे; कुसमय की बात जो भाये नहीं।

सदाए हक़ (صدائے حق) अ. स्त्री.—सच्ची बात, इन्साफ़ की बात, जँची-तुली बात।

सदाक़त (صداقت) अ. स्त्री.—सच्चाई, सत्यता; यथार्थता, वाक़िईयत।

सदाक़तकेश (صداقت کیش) अ. फा. वि.—सत्यनिष्ठ, सत्यपाल, सच्चाई को हाथ से न जाने देनेवाला।

सदाक़तपरस्त (صداقت پرست) अ. फा. वि.—सत्यता पर दृढ़, सच्चाई का भक्त।

सदाक़तपरस्ती (صداقت پرستی) अ. फा. स्त्री.—सच्चाई का पालन, सच्चाई पर दृढ़ता।

सदाक़तपज़ोह (صداقت پژوہ) अ. फा. वि.—दे. 'सदाक़तकेश'।

सदाक़तपसन्द (صداقت پسند) अ. फा. वि.—सच्चाई को पसंद करनेवाला।

सदाक़तपसंदी (صداقت پسندی) अ. फा. स्त्री.—सच्चाई को पसन्द करना।

सदाक़तमआब (صداقت مآب) अ. वि.—बहुत ही सच्चा और धर्मनिष्ठ व्यक्ति।

सदाक़तमदार (صداقت مدار) अ. फा. वि.—दे. 'सदाक़तपरस्त'।

सदाक़तशिआर (صداقت شعار) अ. वि.—दे. 'सदाक़तपसंद'।

सदारत (صدارت) अ. स्त्री.—सभापतित्व, अध्यक्षता।

सदारती (صدارتی) अ. वि.—सभापति से सम्बन्धित; सभापति का; सदारत का।

सदारते अंजुमन (صدارت انجمن) अ. फा. स्त्री.—किसी समिति या संस्था आदि का सभापतित्व।

सदारते जल्सः (صدارت جلسہ) अ. स्त्री.—किसी सभा की अध्यक्षता।

सदारस (صدارس) अ. फा. वि.—वह स्थान जहाँ तक आवाज़ पहुँचे।

सदिर (سدر) अ. वि.—जिसकी आँखें अचंभे से खुली की खुली रह गयी हों, चकित, निस्तब्ध।

सदी (صدی) फा. वि.—सौ वर्ष का समय, शताब्दी, शती।

सदी (ثدی) अ. स्त्री.—स्तन, पयोधर, छाती, चूची, शुद्ध उच्चारण 'सद्इ' है, परंतु, 'सदी' बोलते हैं।

सदीक़ (صدیق) अ. वि.—दोस्त, मित्र, सुहृद्, सखा।

सदीद (سدید) अ. वि.—सरल, सीधा; यथार्थ, ठीक; दृढ़, मज़बूत; स्थायी, पाएदार।

सदीद (صدید) अ. पुं.—घाव से निकलनेवाला मवाद, पीप, ज़र्दाब।

सद्इ (ثدئی) अ. स्त्री.—स्तन, छाती, मनुष्य का हो या स्त्री का, शुद्ध उच्चारण यही है, दे. 'सिद्इ'।

सद्दः (سدہ) अ. पुं.—ईरानियों का एक महोत्सव जो 'बहमन' मास की दशमी को होता है।

सद्दे बाब (سد باب) अ. पुं.—रोक, निषेध, निवारण।

सद्दे रमक़ (سد رمق) अ. वि.—किंचिन्मात्र, बहुत तनिक, बिलकुल ज़रा-सा।

सद्दे राह (سد راہ) अ. फा. स्त्री.—रास्ते की रोक, गली या रास्ते के बीच का पत्थर जो रास्ता रोक देता है; काम में रुकावट डालनेवाला, बाधक।

सद्दे सिकंदर (سد سکندر) अ. स्त्री.—कहते हैं कि सिकंदर ने एक बहुत बड़ी और मज़बूत दीवार बनवायी थी, परन्तु अब यह बात असत्य सिद्ध हो गयी है। कुछ लोग उस बहुत बड़ी पत्थर की मूर्ति को बताते हैं जो जिब्राल्टर की दो पहाड़ियों के बीच समुद्र में खड़ी है और इतने बृहत् आकार की है कि उसके नीचे से जहाज़ निकल जाते हैं। कुछ लोग दीवारे चीन को बताते हैं, परंतु वह बहुत पहले की सिद्ध हो चुकी है। कुछ लोग यूराल पहाड़ और अल्ताई पहाड़ के बीच में कहते हैं जो उसने इस्कीमो और मंगोलियन क़ौमों से

ख्वारिज्मवालों को बचाने के लिए बनवायी थी, परंतु उसका कोई चिह्न नहीं है। कुछ हो, फ़ारसी और उर्दू साहित्य में तो अब भी यह एक अजेय और अटूट दीवार है और रहेगी।

सद्मः (صدمہ) अ. पुं.—आघात, चोट; दुःख, तकलीफ़; शोक, अफ़सोस; पश्चात्ताप, पछतावा; मृतशोक, मरनेवाले का रंज; पीड़ा, दर्द; यातना, अज़ाब।

सद्मए जाँकाह (صدمۂ جانکاہ) अ. फा. पुं.—जानलेवा दुःख या शोक, प्राणों को घुला देनेवाली पीड़ा या दुःख।

सद्मए फ़िराक़ (صدمۂ فراق) अ. पुं.—विरह-क्लेश, वियोग संताप, नायिका से बिछुड़ने का शोक।

सद्मए मौत (صدمۂ موت) अ. पुं.—किसी के निधन का शोक।

सद्मए हिज्र (صدمۂ ہجر) अ. पुं.—दे. 'सद्मए फ़िराक़'।

सद्मात (صدمات) अ. पुं.—'सद्मः' का बहु., सद्मे।

सद्र (صدر) अ. पुं.—सभापति, अध्यक्ष, मीरे मज्लिस; केन्द्रीय स्थान, सद्र मुक़ाम; मुख्य, खास; वक्षःस्थल, छाती, सीना; महा, बड़ा, जैसे—सद्र अस्पताल, सद्र डाकखाना।

सद्रदफ़्तर (صدر دفتر) अ. पुं.—वह बड़ा दफ़्तर जिसके अधीन कई और दफ़्तर हों।

सद्रनशीं (صدرنشیں) अ. वि.—सभापति, मीरे मज्लिस; प्रतिष्ठित, अग्रगण्य, सरामद।

सद्रबाज़ार (صدربازار) अ. फा. पुं.—छावनी का बाज़ार, उर्दू बाज़ार; बड़ा बाज़ार, खास बाज़ार।

सद्रमक़ाम (صدرمقام) अ. पुं.—किसी उच्च पदाधिकारी का हेड क्वार्टर, मुख्यालय; शासन-केन्द्र, राजधानी।

सद्रमुदर्रिस (صدرمدرس) अ. पुं.—सब अध्यापकों का नायक, मुख्याध्यापक, हेड मास्टर।

सद्रमुहासिब (صدرمحاسب) अ. पुं.—सबसे बड़ा एकाउंटेंट, महालेखापाल, गणनाध्यक्ष।

सद्री (صدری) अ. वि.—सीने का, छाती का; सीने में छिपा हुआ, (स्त्री.) सीने पर पहनने की बंडी, निचोलक।

सद्रुस्सुदूर (صدرالصدور) अ. पुं.—चीफ़ जस्टिस, सबसे बड़ा जज; शाही हरमसरा का संरक्षक, अंतःपुरिक।

सद्रे अमीन (صدر امین) अ. पुं.—दूसरे दरजे का जज, सबार्डिनेट जज।

सद्रे आ'ज़म (صدر اعظم) अ. पुं.—महामंत्री, वज़ीरे आ'ज़म, प्रधान मंत्री।

सद्रे आ'ला (صدر اعلیٰ) अ. पुं.—अव्वल दरजे का जज, सेशन जज, दौरा जज, सत्र-न्यायाधीश।

सद्रे जामिअः (صدر جامعہ) अ. पुं.—यूनिवर्सिटी (विश्वविद्यालय) का चांसलर, कुलपति।

सद्रे दीवान (صدر دیوان) अ. फा. पुं.—मुख्य मंत्री, प्रधान मंत्री, वज़ीरे खास, वज़ीरे आज़म; शाही खज़ाने का बड़ा अफ़सर, महाकोषाध्यक्ष।

सद्रे बज़्म (صدر بزم) अ. फा. पुं.—दे. 'सद्रे मज्लिस'।

सद्रे मज्लिस (صدر مجلس) अ. पुं.—सभापति, सभाध्यक्ष, मीरे महफ़िल।

सद्रे महफ़िल (صدر محفل) अ. पुं.—दे. 'सद्रे मज्लिस'।

सद्रे मुशाअरः (صدر مشاعرہ) अ. पुं.—कवि-सम्मेलन का सभापति, मीरे मुशाअरः।

सनः (سنہ) अ. पुं.—वत्सर, संवत्, साल, सन।

सन (سن) अ. पुं.—वत्सर, साल, बरस, वर्ष।

सनद (سند) अ. स्त्री.—प्रमाण, सुबूत; प्रमाणपत्र, सर्टीफ़िकेट; आश्रय, सहारा; विश्वास, एतिबार नमूना, मिसाल, निदर्शन, आदर्श; उदाहरण, मिसाल; उपाधि, डिग्री।

सनदन (سنداً) अ. वि.—उदाहरणार्थ, मिसाल के तौर पर; प्रमाणार्थ, सुबूत के रूप में।

सनदयाफ़्तः (سندیافتہ) अ. फा. वि.—उपाधिप्राप्त, जिसने डिग्री पा ली हो।

सनदात (سندات) अ. स्त्री.—'सनद' का बहु., सनदें।

सनदी (سندی) अ. वि.—प्रमाणित, मुसल्लम।

सनदे फ़ज़ीलत (سند فضیلت) अ. स्त्री.—किसी विषय में पारंगत होने की उपाधि।

सनदे फ़राग़त (سند فراغت) अ. स्त्री.—दे. 'सनदे फ़ज़ीलत'।

सनदे मुआफ़ी (سند معافی) अ. स्त्री.—किसी को मुआफ़ी ज़मीन दिये जाने का प्रमाणपत्र।

सनदे विरासत (سند وراثت) अ. स्त्री.—किसी के स्थान पर उपस्थित होने या उत्तराधिकारी होने का प्रमाणपत्र।

सनदे हिक्मत (سند حکمت) अ. स्त्री.—(तबाबत में) स्नात होने की उपाधि।

सनम (صنم) अ. पुं.—मूर्ति, प्रतिमा, बुत; प्रिया, प्रेमिका, प्रेयसी, माशूक़ः।

सनमकदः (صنمکدہ) अ. फा. पुं.—मूर्तिगृह, मंदिर, बुतखाना।

सनमखानः (صنمخانہ) अ. फा. पुं.—बुतखाना, मंदिर, मूर्तिगृह।

सनमपरस्त (صنم پرست) अ. फा. वि.—मूर्तिपूजक, बुतों को पूजनेवाला, साकारोपासक।

सनमपरस्ती (صنم پرستی) अ. फा. स्त्री.—मूर्तिपूजा, बुतपरस्ती।

सनवात (سنوات) अ. पुं.—'सन' का बहु., बरसें, सालें।

सनवी (سنوی) अ. वि.–सनवाला, वर्ष का; वार्षिक, सालाना।

सना (ثنا) स्त्री.–स्तुति, वंदना, हम्द; प्रशंसा, श्लाघा, तारीफ़; इस्लामी परिभाषा में हज़्रत मुहम्मद साहब की गुणगाथा।

सना (سنا) फा. स्त्री.–एक रेचक पत्ती, सनाय, स्वर्ण-पत्री।

सनाए (صنائع) अ. पुं.–'सन्अत' का बहु., सनअतें, कारीगरियाँ; अलंकारादि, अदबी सन्अतें।

सनाए मक्की (سنائے مکی) फा. अ. स्त्री.–सना की पत्ती जो मक्के से आती है। यह सना बहुत ही अच्छी होती है।

सनाए मा'नवी (صنائع معنوی) अ. पुं.–अर्थालंकार, वह अलंकार जिनसे अर्थ की विशेषता प्रकट की जाय और अर्थ का चमत्कार दिखाया जाय।

सनाए लफ़्ज़ी (صنائع لفظی) अ. पुं.–शब्दालंकार, वह अलंकार जिनके द्वारा शब्दों में साहित्यिक चमत्कार पैदा किया जाय, जिन अलंकारों का सम्बन्ध केवल शब्दों से हो।

सनादीद (صنادید) अ. पुं.–'सिंदीद' का बहु., प्रतिष्ठित और महान् व्यक्ति।

सनाया (ثنایا) अ. पुं.–'सनीय:' का बहु., अगले चार दाँत, दो ऊपर के और दो नीचे के।

सनी (سنی) अ. वि.–दे. 'सनीय:'।

सनीन (سنین) अ. पुं.–'सन' का बहु., बहुत से बरस, कई साल।

सनीय: (ثنیہ) अ. पुं.–आगे का एक दाँत, अगला एक दाँत ऊपर का हो या नीचे का।

सनून (سنون) अ. पुं.–दाँतों का मंजन, दंत-मंजन।

सने ईसवी (سن عیسوی) अ. पुं.–वह संवत्सर जो हज़्रत ईसा के ज़माने से चलता है।

सने वफ़ात (سن وفات) अ. पुं.–मरने का साल, जिस साल किसी व्यक्ति का निधन हुआ हो।

सने विलादत (سن ولادت) अ. पुं.–पैदा होने का साल।

सने हिज्री (سن هجری) अ. पुं.–वह संवत्सर जो हज़्रत मुहम्मद साहब के मक्का छोड़कर मदीना जाने के दिन से चलता है, इस्लामी साल।

सनोबर (صنوبر) फा. पुं.–चीड़ का पेड़, जो लंबा और सुन्दर होता है।

सनोबरक़द (صنوبرقد) फा. वि.–जिसका शरीर सनोबर के पेड़ की तरह लंबा और सुन्दर हो।

सनोबरक़ामत (صنوبرقامت) फा. अ. वि.–दे. 'सनोबर-क़द'।

सन्अत (صنعت) अ. स्त्री.–इस शब्द का शुद्ध उच्चारण 'सुन्अत' है, परंतु उर्दू में 'सन्अत' ही प्रचलित है। इसलिए यही शुद्ध है; कला, फ़न; शिल्प, कारीगरी; अलंकार।

सन्अतगर (صنعت گر) अ. फा. वि.–शिल्पकार, शिल्पी, कारीगर; उद्योगजीवी, पेशावर।

सन्अतगरी (صنعت گری) अ. फा. स्त्री.–शिल्पकला, शिल्प-सिद्धि, कारीगरी; उद्योग कर्म, पेशा।

सन्अतगाह (صنعت گاه) अ. फा. स्त्री.–शिल्पशाला; उद्योगशाला।

सन्अती (صنعتی) अ. वि.–सन्अत से सम्बन्धित; औद्योगिक; शैल्पिक।

सन्अते कर्द (किर्द) गार (صنعت کردگار) अ. फा. स्त्री.–ईश्वर की कारीगरी, प्राकृतिक सौंदर्य।

सन्अते तज़ाद (صنعت تضاد) अ. स्त्री.–वह शब्दालंकार जिसमें दो या कई परस्पर विरोधी चीज़ें लायी जायँ।

सन्अते पर्वर्दगार (صنعت پروردگار) अ. फा. स्त्री.–दे. 'सन्अते कर्दगार'।

सन्अते मक़्लूब (صنعت مقلوب) अ. स्त्री.–वह शब्दालंकार जिसमें किसी शब्द के अक्षर उलटकर कोई दूसरा शब्द बनाकर चमत्कार पैदा किया जाय। "क्यों कर न लुत्फ़े बादाकशी हो सहाब में, बारिश में सारे हर्फ़ मिले हैं शराब के।" बारिश को उलटो तो शराब के अक्षर मिलते हैं।

सन्अते शे'री (صنعت شعری) अ. स्त्री.–अलंकार, काव्य-गत।

सन्नाअ (صناع) अ. वि.–शिल्पकार, शिल्पी, कारीगर; कलाकार, फ़नकार।

सन्नाई (صناعی) अ. स्त्री.–शिल्पकर्म, कारीगरी; कला कर्म, फ़नकारी; हाथ का बारीक काम।

सन्नाए क़ुद्रत (صناع قدرت) अ. पुं.–प्रकृति, निसर्ग, नेचर।

सपंद (سپند) फा. पुं.–काला दाना, जो नज़र-गुज़र के लिए जलाया जाता है, दे. 'सिपंद', दोनों शुद्ध हैं।

सपंदाँ (سپنداں) फा. वि.–दे. 'सपंद'।

सपेद: (سپیده) फा. पुं.–दे. 'सफ़ेद:'।

सपेद (سپید) फा. वि.–दे 'सफ़ेद'।

सपेदए सुब्ह (سپیدۀ صبح) फा. अ. पुं.–प्रातःकाल की सफ़ेदी, सफ़ेदए सहर।

सपेदी (سپیدی) फा. स्त्री.–दे. 'सफ़ेदी'।

सफ़ [फ़्फ़] (صف) अ. स्त्री.–पंक्ति, अवली, क़तार; रेखा, लकीर; लंबी चटाई; नमाज़ या क़वाइद में मनुष्यों की लंबी लाइन।

सफ़आरा (صف آرا) अ. फा. वि.—युद्ध में सम्मुख आया हुआ दल।

सफ़आराई (صف آرائی) अ. फा. स्त्री.—युद्ध के लिए दो दलों का आमने-सामने होना।

सफ़कशी (صف کشی) अ. फा. स्त्री.—फ़ौजकशी, सैन्य-यात्रा, चढ़ाई।

सफ़दर (صفدر) अ. फा. वि.—युद्ध में बँधी पंक्तियों को तोड़ देनेवाला, महारथी, रणशूर; हज़्रत अली की उपाधि।

सफ़न (سفن) अ. पुं.—मछली या मगर का खुरदरा चमड़ा जो तलवार की मूठ पर लगाते हैं ताकि पकड़ मज़बूत रहे; वसूला।

सफ़बंदी (صف بندی) अ. फा. स्त्री.—पंक्तिबद्ध होना, क़तारें बाँधना, लाइन लगाना।

सफ़ ब सफ़ (صف بہ صف) अ. फा. वि.—पंक्तिबद्ध, क़तारें बाँधे हुए, कई पंक्तियों में बँटकर खड़े हुए।

सफ़बस्तः (صف بستہ) अ. फा. वि.—पंक्तिबद्ध, क़तार बाँधे हुए।

सफ़र (سفر) अ. पुं.—यात्रा, मुसाफ़रत; प्रस्थान, कूच; पर्यटन, सियाहत; गमन, जाना।

सफ़र (صفر) अ. पुं.—इस्लामी दूसरा महीना।

सफ़रखर्च (سفرخرچ) अ. फा. पुं.—मार्ग-व्यय, आने-जाने का सर्फ़ः।

सफ़रजल (سفرجل) अ. पुं.—बिही, एक प्रसिद्ध मेवा।

सफ़रनामः (سفرنامہ) अ. फा. पुं.—वह पुस्तक जिसमें कोई व्यक्ति अपने देश-विदेश पर्यटन करने का विस्तारपूर्वक वृत्तान्त लिखे, भ्रमण-कथा।

सफ़री (سفری) अ. वि.—सफ़र का; सफ़र से सम्बन्धित।

सफ़रे आखिरत (سفر آخرت) अ. पुं.—अंतिम यात्रा, महाप्रस्थान, परलोक-यात्रा, मरना, मरण।

सफ़रे बह्री (سفر بحری) अ. पुं.—समुद्र के रास्ते पर्यटन, जहाज़ का सफ़र।

सफ़रे हवाई (سفر ہوائی) अ. पुं.—वायुयान द्वारा सफ़र।

सफ़वी (صفوی) अ. वि.—शाह 'सफ़ी' से सम्बन्धित, जो बड़े महात्मा थे और जिनकी संतान ईरान की शासक हुई।

सफ़वीयः (صفویہ) अ. वि.—शाह सफ़ी की संतानवाले।

सफ़शिकन (صف شکن) अ. फा. वि.—युद्ध में पंक्तिबद्ध सेना को चीर डालनेवाला, महारथी।

सफ़शिकनी (صف شکنی) अ. फा. स्त्री.—सेना की पंक्तियों में दरार डाल देना।

सफ़ह (سفہ) अ. स्त्री.—मूर्खता, निर्बुद्धित्व, बेअक़्ली।

सफ़ा (صفا) अ. स्त्री.—स्वच्छता, विशुद्धता, सफ़ाई; चमक-दमक, आबोताब; मक्के की एक पहाड़ी, (वि.) साफ़तौर से, स्पष्ट रूप से।

सफ़ाइन (سفائن) अ. पुं.—'सफ़ीनः' का बहु., नौकाएँ, नावें, कश्तियाँ।

सफ़ाई (صفائی) अ. स्त्री.—स्वच्छता, शुभ्रता, उजलापन; विशुद्धता, निर्मलता, ख़ालिसपन; पवित्रता, पाकीज़गी; निर्दोषता, बेएबी; मुक़दमे में दोष के सुबूत के बाद निर्दोष का सुबूत (फ़ौजदारी में)।

सफ़ाए क़ल्ब (صفائے قلب) अ. स्त्री.—हृदय की शुद्धि, चित्त की पवित्रता, अंतःशुद्धि, मनःसंस्कार।

सफ़ाए बातिन (صفائے باطن) अ. स्त्री.—दे. 'स. क़ल्ब'।

सफ़ाकेश (صفاکیش) अ. फा. वि.—शुद्धात्मा, पाकबातिन; सदाचारी, नेकअत्वार।

सफ़ामश्रब (صفامشرب) अ. वि.—दे. 'सफ़ाकेश'।

सफ़ारा (صف آرا) अ. फा. वि.—दे. 'सफ़आरा'।

सफ़ाराई (صف آرائی) अ. फा. स्त्री.—दे. 'सफ़आराई'।

सफ़ाहत (سفاہت) अ. स्त्री.—कमीनापन, अधमता, नीचता, पामरता।

सफ़िलः (سفلہ) अ. पुं.—'सिफ़्लः' का बहु., सिफ़्ले, नीच लोग, कमीने।

सफ़ी (صفی) अ. वि.—स्वच्छ, धवल, साफ़; स्वच्छात्मा, पाकीज़ःमिज़ाज; मित्र, सखा, दोस्त; हज़्रत आदम का लक़ब।

सफ़ीउल्लाह (صفی اللہ) अ. पुं.—ईश्वर का मित्र; हज़्रत आदम।

सफ़ीनः (سفینہ) अ. पुं.—नौका, नाव, कश्ती; परवाना, आदेशपत्र; कविता की किताब।

सफ़ीयः (صفیہ) अ. स्त्री.—शुद्ध अंतःकरणवाली; हज़्रत मुहम्मद साहिब की एक सुपत्नी का शुभ नाम।

सफ़ीर (صفیر) अ. स्त्री.—सीटी जो मुँह की आवाज़ से बजायी जाय; पक्षियों की बोली।

सफ़ीर (سفیر) अ. पुं.—पत्रवाहक, चिट्ठी ले जानेवाला; संदेशवाहक, पैग़ाम पहुँचानेवाला; दूत, राजदूत।

सफ़ीह (سفیہ) अ. वि.—अधम, नीच, कमीना; निर्बुद्धि, मूर्ख, नादान।

सफ़ूफ़ (سفوف) अ. पुं.—पिसी हुई चीज, चूर्ण।

सफ़े जंग (صف جنگ) अ. फा. स्त्री.—फ़ौज की क़तार, सेना-पंक्ति।

सफ़ेदः (سفیدہ) फा. पुं.—फूँका हुआ जस्त, ज़िन्क आक्साइड; सफ़ेदी, श्वेतता।

सफ़ेद (سفید) फा. वि.—शुभ्र, उजला; श्वेत, सपेद।

सफ़ेदए सहर (سفیدۂ سحر) फा. अ. पुं.—प्रातःकाल का हलका प्रकाश।

सफ़ेदचश्म (سفیدچشم) फा. वि.—निर्लज्ज, बेहया।

सफ़ेदपोश (سفیدپوش) फा. वि.—सफ़ेद कपड़े पहननेवाला, श्वेतांबर; भलामानस, सज्जन; वह व्यक्ति जो कम आमदनी पर भी शिष्टता से जीवन-निर्वाह करे।

सफ़ेदबख़्त (سفیدبخت) फा. वि.—भाग्यवान्, खुशनसीब।

सफ़ेदी (سفیدی) फा. वि.—श्वेतता, सपेदी; शुभ्रता, उजलापन।

सफ़ेदोसियाह (سفیدو سیاہ) फा. पुं.—काला और सफ़ेद, श्वेत-कृष्ण, सितासित।

सफ़े निआल (صف نعال) अ. स्त्री.—सभा में वह स्थान जहाँ जूते रखे जाते हैं, जूते रखने का स्थान; सबसे नीचा स्थान।

सफ़े मातम (صف ماتم) अ. फा. स्त्री.—वह फ़र्श जिस पर मृत्युशोक प्रकट करने के लिए लोग एकत्र हों।

सफ़े लश्कर (صف لشکر) अ. फा. स्त्री.—दे. 'सफ़े जंग'।

सफ़्क (سفک) अ. पुं.—रक्तपात, हिंसा, खूँरेज़ी।

सफ़्के दिमा (سفک دما) अ. पुं.—खून बहाना, हिंसा करना, रक्तपात।

सफ़्फ़ाक (سفاک) अ. वि.—रक्तपाती, खून बहानेवाला; निष्ठुर, बेरहम; अत्याचारी, ज़ालिम।

सफ़्फ़ाकी (سفاکی) अ. स्त्री.—रक्तपात, खूँरेज़ी; निष्ठुरता, संगदिली; अत्याचार, ज़ुल्म।

सफ़्रः (سفرہ) अ. पुं.—दस्तरख्वान, वह चीज़ जिस पर खाना रखकर खाते हैं, इसका मूल उच्चारण 'सुफ़्रः' है, दे. 'सुफ़्रः'।

सफ़्रःचीं (سفرہ‌چیں) अ. फा. वि.—दस्तरख्वान का बचा हुआ खानेवाला।

सफ़्रःची (سفرہ‌چی) अ. फा. पुं.—खानसामा, खाना खिलानेवाला, बैरा।

सफ़्रा (صفرا) अ. पुं.—एक धातु, पित्त; कटुता, कड़वाहट; पीले रंग की चीज़; धनुप।

सफ़्रावी (صفراوی) अ. वि.—सफ़्रा का, पित्त का; पित्त से सम्बन्धित; पित्त के दोष से उत्पन्न।

सफ़्राशिकन (صفراشکن) अ. फा. वि.—पित्तनाशक, पित्त को खत्म करनेवाली दवा।

सफ़्ला (سفلیٰ) अ. वि.—निम्नतम, बहुत नीचा; बहुत अधम, लोफ़र।

सफ़्वत (صفوت) अ. स्त्री.—श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी; निर्मलता, सफ़ाई; संक्षिप्त, खुलासा; निर्मल, साफ़, यह शब्द 'सिफ़्वत' और 'सुफ़्वत' भी है।

सफ़्हः (صفحہ) अ. पुं.—पृष्ठ, पन्ना, पेज; तल, सतह।

सफ़्हए आस्माँ (صفحۂ آسماں) अ. फा. पुं.—आकाश-पटल, तख़्ता रूपी आकाश।

सफ़्हए काग़ज़ (صفحۂ کاغذ) अ. पुं.—काग़ज़ का पन्ना, पत्र का एक ओर।

सफ़्हए क़िर्तास (صفحۂ قرطاس) अ. पुं.—दे. 'सफ़्हए काग़ज़'।

सफ़्हए ज़मीं (صفحۂ زمیں) अ. फा. पुं.—पृथ्वी का चौरस तल, धरातल।

सफ़्हए हस्ती (صفحۂ ھستی) अ. फा. पुं.—पत्ररूपी संसार, पटलरूपी जीवन, जीवन-पटल।

सब [ब्ब] (صب) अ. पुं.—पानी फैलना, पानी बहना; आशिक़, आसक्त।

सब [ब्ब] (سب) अ. स्त्री.—गाली-गलौज, अपशब्द।

सबक़ (سبق) अ. पुं.—पाठ, जितना एक दिन में गुरु से पढ़ा जाय; शिक्षा, सीख; नसीहत, इब्रत; अनुभव, तज्रिबः।

सबक़आमोज़ (سبق‌آموز) अ. फा. वि.—सबक़ सिखानेवाला, पढ़ानेवाला; नसीहत करनेवाला, उपदेश देनेवाला।

सबक़त (سبقت) अ. स्त्री.—आगे निकल जाना, बढ़ जाना; अव्वल आना, सबसे अधिक नंबर पाना।

सबद (سبد) फा. स्त्री.—टोकरी, डलिया।

सबदे गुल (سبد گل) फा. स्त्री.—फूलों की टोकरी, माली की फूलों से भरी डलिया।

सबब (سبب) अ. पुं.—कारण, हेतु, वज्ह; मूल कारण; वह दो अक्षरी शब्द जिनमें एक हल् हो या दोनों अज्।

सबब (صبب) अ. पुं.—नीची भूमि, निशेबी ज़मीन; आशिक़ होना।

सबल (سبل) अ. पुं.—परबाल, वह बाल जो आँखों में पैदा हो जाते हैं और बहुत कष्ट देते हैं और जिनसे आँखें खराब हो जाती हैं।

सबलत (سبلت) अ. स्त्री.—मूँछ।

सबा (سبا) अ. पुं.—यमन का एक शहर जो हज़्रत सुलैमान को दहेज में मिला था; अब्दुल्ला का बाप, यह वही अब्दुल्ला है जो इब्ने सबा के नाम से प्रसिद्ध है और जिसने एक नया धर्म बनाकर लोगों को ठगा था।

सबा (صبا) अ. स्त्री.—पुर्वा हवा, ठंडी मृदुल और मधुर हवा, समीर, मंद समीर।

सबाक़ (سباق) अ. पुं.—दे. शुद्ध उच्चारण 'सिबाक़'।

सबाख़िराम (صبا خرام) अ. फा. वि.—सबा की तरह अठलाकर धीरे-धीरे चलनेवाला (वाली), मृदुगामिनी।

सबात (ثبات) अ. पुं.—दृढ़ता, स्थिरता, मज़बूती; चिर स्थायित्व, पायदारी।

सबाते अक़्ल (ثبات عقل) अ. पुं.—बुद्धि की स्थिरता और पुख़्तगी, बुद्धि का दोष रहित होना।

सबाते राय (ثبات راے) अ. पुं.—राय और विचार की सुदृढ़ता, खयाल की पुख़्तगी, राय का ठीक होना।

सबाते होशोहवास (ثبات ہوش و حواس) अ. फा. पुं.—होश और संज्ञा का ठीक होना, होश में होना।

सबारफ़्तार (صبارفتار) अ. फा. वि.—दे. 'सबाख़िराम'।

सबाह (صباح) अ. स्त्री.—प्रातःकाल, प्रभात, तड़का; गोरा, सुन्दर, रूपवान्।

सबाहत (صباحت) अ. स्त्री.—गोरापन, रंग की सफ़ेदी; सुन्दरता, रूप, हुस्न।

सबाहत (سباحت) अ. स्त्री.—पैराकी, पानी में तैरना, दे. 'सिबाहत', दोनों शुद्ध हैं।

सबाहे ईद (صباح عید) अ. स्त्री.—ईद के दिन का सवेरा; खुशी और आनंद का उदय।

सबिर (صبر) अ. पुं.—एलुआ, इस अर्थ में 'सब्र' और 'सिब्र' भी है।

सबी (صبی) अ. पुं.—दूध पीता बालक, शिशु, दुधमुँहा।

सबीयः (صبیہ) अ. स्त्री.—दूध पीती बच्ची।

सबील (سبیل) अ. स्त्री.—मार्ग, रास्ता; उपाय, यत्न, तदबीर; पद्धति, शैली, तर्ज़; पानी पिलाने का स्थान, पियाऊ; मुहर्रम में शर्बत पिलाने का स्थान।

सबीह (صبیح) अ. वि.—गोरा-चट्टा, जिसका रंग खूब साफ़ हो, गौरवर्ण; सुन्दर, हसीन।

सबुई (سبعی) अ. वि.—दे. 'सबुईयत'।

सबुईयत (سبعیت) अ. स्त्री.—भेड़ियापन, दरिंदगी; निर्दयता, बेरहमी।

सबुक (سبک) फा. वि.—अगुरु, हलका; अधम, नीच, लोफ़र; चुस्त, फुर्तीला; शीघ्रता, जल्दी, 'सुबक' भी प्रचलित।

सबुकइनाँ (سبک عناں) फा. वि.—शीघ्रगति, शीघ्रगामी, तेजरफ़्तार।

सबुकख़िराम (سبک خرام) फा. वि.—तेज़ चलनेवाला, शीघ्रगति।

सबुकख़ेज़ (سبک خیز) फा. वि.—सवेरे बहुत तड़के उठनेवाला।

सबुकगाम (سبک گام) फा. वि.—शीघ्रगति, तेज़ चलनेवाला; मृदुलगामी, हलकी चाल से चलनेवाला।

सबुकगामी (سبک گامی) फा. स्त्री.—तेज़ चलना; हलकी चाल से चलना।

सबुकजौलाँ (سبک جولاں) फा. वि.—शीघ्रगामी, तेज़रौ।

सबुकतिगीं (سبکتگیں) तु.. पुं.—सुलतान महमूद के बाप का नाम, दे. 'सुबुकतिगीं', दोनों शुद्ध हैं।

सबुकदस्त (سبک دست) फा. वि.—जिसका हाथ किसी काम पर सधा हो; जो तेज़ी से काम करे, चालाक।

सबुकदस्ती (سبکدستی) फा. स्त्री.—किसी काम पर हाथ का सधा होना; तेज़ी से काम करना।

सबुकदोश (سبک دوش) फा. वि.—भारयुक्त, ज़िम्मेदारी से अलग; पिंशिनयाफ़्तः, अवकाशप्राप्त।

सबुकदोशी (سبک دوشی) फा. स्त्री.—ज़िम्मेदारी से अलाहिदगी; पिंशिन, निवृत्ति।

सबुकपरवाज़ (سبک پرواز) फा. वि.—तेज़ उड़नेवाला; ऊँचा उड़नेवाला।

सबुकपरवाज़ी (سبک پروازی) फा. स्त्री.—तेज़ उड़ना; ऊँचा उड़ना।

सबुकपा (سبک پا) फा. वि.—शीघ्रगति, तेजक़दम।

सबुकपाई (سبک پائی) फा. स्त्री.—तेज़ चलना, शीघ्रगमन, तेजक़दमी।

सबुकबार (سبک بار) फा. वि.—ज़िसके सर से बोझ उतर गया हो, भारमुक्त, निवृत्त।

सबुकबाल (سبک بال) फा. वि.—तेज़ उड़नेवाला।

सबुकमग़ज़ (سبک مغز) फा. वि.—मंदबुद्धि, अल्पबुद्धि, कमअक़्ल; तिरस्कृत, अपमानित, बेइज़्ज़त।

सबुकमग़ज़ी (سبک مغزی) फा. स्त्री.—बुद्धि की मंदता, बेअक़्ली; तिरस्कार, निंदा, बेइज़्ज़ती।

सबुकरफ़्तार (سبک رفتار) फा. वि.—शीघ्रगति, आशुगामी, तज़ेरौ।

सबुकरफ़्तारी (سبک رفتاری) फा. स्त्री.—तेज़ चलना, शीघ्र गमन।

सबुकरवी (سبک روی) फा. स्त्री.—तेज़ रफ़्तारी; तेज चलना।

सबुकरूह (سبک روح) फा. अ. वि.—हँसमुख, ज़रीफ़; निवृत्त, बेतअल्लुक़; हर काम में होशियार; जो किसी से द्वेष, बैर आदि न रखे।

सबुकरूही (سبک روحی) फा. अ. स्त्री.—हँसमुख होना; निवृत्ति, बेतअल्लुक़ी; फुरती, तेज़ी; किसी से कोई द्वेष आदि न रखना।

सबुकरौ (سبک رو) फा. वि.—दे. 'सबुकरफ़्तार'।

सबुकसंग (سبک سنگ) फा. वि.—अधम, नीच, कमीना।

सबुकसर (سبک سر) फा. वि.—अधम, ओछा, लोफ़र; जो अपना धैर्य और गंभीरता छोड़कर अपनी जगह से नीचे उतर आये।

सबुकसरी (سبکسری) फा. स्त्री.–ओछापन; अपनी मर्यादा का त्याग, अपने दरजे से नीचे उतरना।

सबुकसार (سبکسار) फा. वि.–जो सांसारिक बंधनों से निवृत्त हो, फ़ारिग़ल बाल।

सबुकसैर (سبکسیر) फा.वि.–दे. 'सबुकरफ़्तार'।

सबुकसैरी (سبکسیری) फा.अ.स्त्री.–दे. 'सबुकरफ़्तारी'।

सबुकहिम्मत (سبکہمت) फा. अ. वि.–हतोत्साह, मंदोत्साह, अल्पसाहस, कमहौसला।

सबुकहिम्मती (سبکہمتی) फा. अ. स्त्री.–उत्सा. और साहस की कमी, कमहिम्मती।

सबुकी (سبکی) फा. स्त्री.–हलकापन; लज्जा, ख़िफ़्फ़त; नीचता, कमीनगी।

सबू (سبو) फा. पुं.–घड़ा, घट, कुंभ; शराब की मटकी, मद्यघट, 'सुबू' भी प्रचलित,—"किया हैं मस्त जिन्हें तेरी चश्मे मैगूंने, वह किस लिये हवसे साग़री सबू करते।"

सबूए मै (سبوے مے) फा. पुं.–शराब का घड़ा, मद्य-घट।

सबूकश (سبوکش) फा. वि.–जो पूरा मटका शराब पी जाय, पक्का शराबी।

सबूकशी (سبوکشی) फा. स्त्री.–शराबनोशी, मद्यपान।

सबूचः (سبوچہ) फा. पुं.–छोटा घड़ा, मटकी।

सबूदान (سبودان) फा. पुं.–घड़ा रखने की तिपाई आदि।

सबूर (صبور) अ. वि.–धैर्यवान्, धीरज धरनेवाला, सब्र करनेवाला।

सबूरी (صبوری) अ. स्त्री.–धैर्य, धीरज, सब्र।

सबूस (سبوس) फा. स्त्री.–भूसी, तुष।

सबूसाज़ (سبوساز) फा. वि.–कुंभकार, कुम्हार।

सबूसे अस्पग़ोल (سبوس اسپغول) फा. स्त्री.–ईसबगोल की भूसी।

सबूह (صبوح) अ. वि.–सवेरे तड़के पी जानेवाली शराब।

सबूही (صبوحی) अ. स्त्री.–दे. 'सबूह'।

सबूहीकश (صبوحی کش) अ. फा. वि.–सवेरे की शराब पीनेवाला।

सब्अः (سبعہ) अ. वि.–सात, सप्त, एक संख्या।

सब्अ (سبع) अ. वि.–सप्त, सात की संख्या।

सब्ग़ (صبغ) अ. पुं.–रँगना, रंग करना, रंजन।

सब्ज़ः (سبزہ) फा. पुं.–हरी घास; हरियाली; सब्ज़ रंग का घोड़ा।

सब्ज़ःआग़ाज़ (سبزہ آغاز) फा. वि.–जिसकी मूँछ-दाढ़ी के बाल निकलने शुरु हो गये हों, अंकुरितयौवन।

सब्ज़ःख़त (سبزہ خط) फा. वि.–जिसकी मूँछ-दाढ़ी के बाल नये-नये निकले हों।

सब्ज़ःख़ेज़ (سبزہ خیز) फा. वि.–हरा-भरा, हरियाली से परिपूर्ण।

सब्ज़ःज़ार (سبزہ زار) फा. पुं.–जहाँ हरियाली ही हरियाली हो, घास का मैदान।

सब्ज़ःरंग (سبزہ رنگ) फा. वि.–हरे रंग का; मलीह, नमकीन, साँवला, सलोना।

सब्ज़ःरुख़ (سبزہ رخ) फा. वि.–दे. 'सब्ज़ःख़त'।

सब्ज़ःरू (سبزہ رو) फा. वि.–दे. 'सब्ज़ःख़त'।

सब्ज़ःख़ेज़ (سبزہ خیز) फा. वि.–हरा, हरा रंग; हरे रंग से रँगा हुआ।

सब्ज़ए ख़ुदरो (سبزۂ خودرو) फा. पुं.–अपने आप जमनेवाली घास।

सब्ज़ए नौख़ेज़ (سبزۂ نوخیز) फा. पुं.–नयी उगी हुई घास; नयी निकली हुई दाढ़ी, दाढ़ी-मूँछ के नये बाल।

सब्ज़क (سبزک) फा. पुं.–नीलकंठ, चाप।

सब्ज़क़दम (سبزقدم) फा. अ. वि.–जिसका आना अनिष्टकर हो, मनहूसक़दम, अशुभचरण।

सब्ज़क़दमी (سبزقدمی) फा. अ. स्त्री.–आना अशुभ होना।

सब्ज़कार (سبزکار) फा. वि.–जिसके हाथ से काम अच्छी तरह निकलें, जो हर काम सफलतापूर्वक करे।

सब्ज़पा (سبزپا) फा. वि.–दे. 'सब्ज़क़दम'।

सब्ज़पाई (سبزپائی) फा. स्त्री.–दे. 'सब्ज़क़दमी'।

सब्ज़पोश (سبزپوش) फा. वि.–हरे रंग के कपड़े पहननेवाला, हरितांबर।

सब्ज़पोशी (سبزپوشی) फा. स्त्री.–हरे कपड़े पहनना।

सब्ज़फ़ाम (سبزفام) फा. वि.–हरे रंगवाला, हरितांग।

सब्ज़फ़ामी (سبزفامی) फा. स्त्री.–हरा रंग होना, शरीर का रंग हरा होना।

सब्ज़बख़्त (سبزبخت) फा. वि.–भाग्यवान्, ख़ुशक़िस्मत; तेजस्वी, प्रतापी, इक़्बालमंद।

सब्ज़बख़्ती (سبزبختی) फा. स्त्री.–भाग्यवानी; प्रताप, इक़्बाल।

सब्ज़रंग (سبزرنگ) फा. वि.–हरे रंग का; सलोना, साँवला, मलीह।

सब्ज़रंगी (سبزرنگی) फा. स्त्री.–हरा रंग होना; सलोनापन, साँवलापन।

सब्ज़ाने चमन (سبزان چمن) फा. पुं.–बाग़ के पेड़, बाग़ के वृक्ष।

सब्ज़ी (سبزی) फा. स्त्री.–हरापन, हरियालापन; घास, सब्ज़ः; शाक, भाजी, तरकारी; भंग, भाँग।

सब्ज़ीख़ोर (سبزی خور) फा. वि.—शाकाहारी, सागपात खानेवाला।

सब्ज़ीनः (سبزینه) फा. पुं.—साँवले रंग का मा'शूक़।

सब्ज़ीफ़रोश (سبزی فروش) फा. वि.—साग-तरकारी बेचनेवाला, कुंजड़ा।

सब्त (سبط) अ. स्त्री.—छुटे हुए बाल, खुले हुए बाल, बाल जिनका जूड़ा न बँधा हो।

सब्त (ثبت) अ. वि.—अंकन, लिखना; अंकित, लिखित, लिखा हुआ।

सब्त (سبت) अ. पुं.—शनिवार, शंबः, सनीचर।

सब्बाक (سباک) अ. वि.—स्वर्णकार, सुनार।

सब्बाग़ (صباغ) अ. वि.—रँगनेवाला, रंजक, रंगरेज़।

सब्बाग़ी (صباغی) अ. स्त्री.—रँगने का काम।

सब्बाग़े ज़मीं (صباغ زمین) अ. फा. पुं.—रवि, सूरज, क्योंकि पृथ्वी के तमाम प्राणिवर्ग, वनस्पतिवर्ग और धातुवर्ग को रंग सूरज से ही मिलता है।

सब्बाबः (سبابه) अ. स्त्री.—तर्जनी, अँगूठे के पास की उँगली।

सब्बाह (سباح) अ. वि.—तैरनेवाला, नदी आदि का तैराक।

सब्बूह (سبوح) अ. पुं.—स्तुति करनेवाला, प्रशंसा करनेवाला।

सब्बो शत्म (سب و شتم) अ. पुं.—गाली-गलौज।

सब्र (صبر) अ. पुं.—धैर्य, धीरज, सबूरी; एलुआ, इस अर्थ में 'सिब्र' और 'सबिर' भी है।

सब्रआज़्मा (صبرآزما) अ. फ़ा. वि.—वह काम जो सब्र की आज़माइश करे अर्थात् देर में हो।

सब्रतलब (صبرطلب) अ. वि.—जिसमें सब्र और धैर्य की आवश्यकता हो।

सब्रे ऐयूब (صبر ایوب) अ. पुं.—'हज़्रत ऐयूब'-जैसा सब्र और धैर्य।

सब्रो शुक्र (صبرو شکر) अ. पुं.—हर काम में धीरज धरना और ईश्वर को धन्यवाद देना।

समंद (سمند) फा. पुं.—अश्व, घोड़ा।

समंदर (سمندر) फा. पुं.—'सामंदर' का लघु., अग्निकीट, आग का कीड़ा, एक कीड़ा जिसकी उत्पत्ति अग्नि से है।

समंदल (سمندل) फा. पुं.—दे. 'समंदर'।

सम [स्म] (سم) अ. पुं.—विष, गरल, ज़हर; सुई का नाका।

समक (سمک) अ. स्त्री.—मीन, मत्स्य, मछली; वह मछली जिसकी पीठ पर पृथ्वी स्थिर है।

समकीयाँ (سمکیاں) अ. फा. पुं.—मर्त्यवाले, संसारवाले।

समद (صمد) अ. वि.—श्रेष्ठ, पूज्य, बुज़ुर्ग; अनीह, निःस्पृह, बेनियाज़; नित्य, अनश्वर, दाइम; वह व्यक्ति जो भूखा-प्यासा न हो; ईश्वर।

समदीयत (صمدیت) अ. स्त्री.—श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी; निःस्पृहता, बेनियाज़ी; हर प्रकार की इच्छाओं से रहित होना।

समन (ثمن) अ. पुं.—मूल्य, दाम, क़ीमत।

समन (سمن) अ. स्त्री.—चमेली का फूल।

समनअंदाम (سمن اندام) फा. वि.—चमेली के फूल-जैसे शुभ्र और सुगंधित अथवा मृदुल शरीरवाला (वाली)।

समनइज़ार (سمن عذار) फा. अ. वि.—जिसके गाल चमेली के फूल की तरह मृदुल, कोमल और शुभ्र हों।

समनख़द (سمن خد) फा. वि.—दे. 'समनइज़ार'।

समनज़ार (سمن زار) फा. पुं.—जहाँ चमेली ही चमेली हो, चमेली का वन या बाग़।

समनबार (سمن بار) फा. वि.—फूल बरसानेवाला (वाली)

समनबू (سمن بو) फा. वि.—फूल-जैसे सुगंधवाला।

समनरू (سمن رو) फा. वि.—चमेली के फूल-जैसा धवल और उज्ज्वल मुख रखनेवाला (वाली)।

समनसाक़ (سمن ساق) फा. वि.—चमेली-जैसी सफ़ेद पिंडलियोंवाली सुन्दरी।

समनसीमा (سمن سیما) फा. वि.—चमेली-जैसे माथेवाला (वाली)।

समम (صمم) अ. पुं.—बहरापन, बधिरता।

समरः (ثمره) अ. पुं.—फल, मेवा; प्रतिकार, बदला; परिणाम, नतीजा।

समर (سمر) अ. पुं.—कथा, किस्सा, कहानी; कथन, बात।

समर (ثمر) अ. पुं.—फल, मेवा; प्रतिकार, बदला; परिणाम, नतीजा।

समरात (ثمرات) अ. पुं.—'समरः' का बहु., फल, मेवे; परिणाम, नतीजे।

समा (سما) अ. पुं.—आकाश, अंबर, गगन, आस्मान।

समाँ (سماں) अ. मंज़र, नज़्ज़ारा, दृश्य।

समाअ (سماع) अ. पुं.—श्रवण, सुनना, गाना-बजाना; वज्द करना, झूमना।

समाअत (سماعت) अ. स्त्री.—श्रवण, सुनना; श्रवण-शक्ति, सुनने की क़ुव्वत।

समाई (سماعی) अ. स्त्री.—सुना हुआ, सुनी हुई बात।

समाक़ (سماق) अ. पुं.—एक बहुत ही कड़ा पत्थर, जिसके खरल बहुत क़ीमती होते हैं।

समाजत (سماجت) अ. स्त्री.–निकृष्टता, खराबी; विनती; विनय, खुशामद, गिड़गिड़ाहट।

समानियः (ثمانیه) अ. वि.–अष्ट, आठ।

समानीन (ثمانین) अ. वि.–अस्सी।

समावात (سماوات) अ. पुं.–'समा' का बहु., आकाश-समूह, बहुत-से आस्मान।

समावार (ساوار) फा. पुं.–चाय पकाने या पानी गर्म करने का टंकीनुमा बर्तन, जिसमें टोंटी हो।

समावी (سماوی) अ. वि.–आस्मानी, आकाशीय; दैवी, दैवी।

समाह (سماح) अ. पुं.–दे. 'समाहत'।

समाहत (سماحت) अ. स्त्री.–दानशीलता, फ़ैयाजी।

समी (سمی) अ. वि.–सहनाम, एक नामवाले; तुल्य, समान, मिस्ल।

समीअ (سمیع) अ. वि.–सुननेवाला; ईश्वर का एक नाम।

समीज़ (سمیز) अ. स्त्री.–मैदे की सफ़ेद रोटी।

समीद (سمید) फा. स्त्री.–दे. 'समीज़'।

समीन (سمین) अ. वि.–मोटा, चर्बीला।

समीन (ثمین) अ. वि.–मूल्यवान्, क़ीमती।

समीम (صمیم) अ. वि.–निर्मल, खालिस; हृदय का भीतरी भाग; बधिर, बहरा।

समीमे क़ल्ब (صمیم قلب) अ. वि.–हृदय का भीतरी भाग, तहेदिल; निष्केवलता, खुलूस।

समीर (ثمیر) अ. वि.–फलदार, फलवाला, वह पेड़ जिसमें फल लगे हों।

समूद (ثمود) अ. पुं.–हज़्रत नूह की चौथी पुश्त में एक व्यक्ति का नाम था। उसके वंशज 'बनी समूद' कहलाते थे और 'हज़्रत सालेह' के अनुयायी थे। इन्होंने हज़्रत सालेह के साथ गुस्ताखी की थी जिससे सब तबाह हो गये थे।

समूम (سموم) अ. स्त्री.–कड़ी लपट, ज़ह्रीली हवा।

समूर (سمور) अ. वि.–एक जानवर जिसकी खाल से बढ़िया पोस्तीन बनती है।

समूरी (سموری) अ. स्त्री.–समूर की खाल का बना हुआ।

सम्अ (سمع) अ. स्त्री.–श्रवण, सुनना; श्रवण-शक्ति, समाअत।

सम्अख़राश (سمع خراش) अ. फा. वि.–कान खानेवाला, बकबक करके कानों को कष्ट देनेवाला।

सम्अख़राशी (سمع خراشی) अ. फा. स्त्री.–बकबक से कानों को कष्ट देना।

सम्ग़ (صمغ) अ. पुं.–गोंद, निर्यास।

सम्ग़े अरबी (صمغ عربی) अ. पुं.–बबूल का गोंद।

समत (سمط) अ. पुं.–मोती, मुक्ता, दे. 'सिम्त', दोनों शुद्ध हैं।

सम्त (صمت) अ. पुं.–शान्ति, सुकून; मौन, खामोशी।

सम्त (سمت) अ. स्त्री.–दिशा, तरफ़; सदाचार, नेक-चलनी; सरल मार्ग, सीधा रास्ता; आकृति, शक्ल; इरादा, संकल्प, मानस कर्म।

सम्तुर्रास (سمت الراس) अ. स्त्री.–आकाश का वह बिंदु जो मनुष्य के चंद्रमा के ठीक सामने पड़े, शीर्षबिन्दु, आकाश बिन्दु, खमध्य।

सम्ते जुनूब (سمت جنوب) अ. स्त्री.–दक्षिण की दिशा, दक्षिण, दक्खिन।

सम्ते मग़्रिब (سمت مغرب) अ. स्त्री.–पश्चिम की दिशा, पच्छिम, प्रत्यक्।

सम्ते मश्रिक़ (سمت مشرق) अ. स्त्री.–पूर्व की दिशा, पूर्व, प्राक्।

सम्ते मुख़ालिफ़ (سمت مخالف) अ. स्त्री.–वामपक्ष, विरोधी दल।

सम्ते शिमाल (سمت شمال) अ. स्त्री.–उत्तर की दिशा, उत्तर, उदक्।

सम्न (سمن) अ. स्त्री.–घी, घृत, रौग़न।

सम्मी (سمی) अ. वि.–विषाक्त, ज़ह्रआलूद, जिसमें ज़ह्र अथवा विष हो।

सम्मीयत (سمیت) अ. स्त्री.–विषत्व, ज़ह्रपन; विष, ज़ह्र; विष का असर।

सम्मे क़ातिल (سم قاتل) अ. पुं.–बहुत ही सख्त विष, जिसके खा लेने से मनुष्य किसी प्रकार न बचे।

सम्साम (صمصام) अ. स्त्री.–तेज़ तलवार, काटदार तलवार।

सय्याद (صیاد) अ. वि.–शिकारी, आखेटक, लुब्धक, व्याध, चिड़ीमार, चिड़ियाँ पकड़नेवाला, शाकुनिक।

सय्यादी (صیادی) अ. वि.–शिकार का पेशा; निर्दयता, संगदिली।

सय्यादे अजल (صیاد اجل) अ. पुं.–मौत का शिकारी, मृत्युरूपी व्याध।

सय्याफ़ (سیاف) अ. वि.–तलवार चलानेवाला; जल्लाद, वधिक।

सय्याल (سیال) अ. वि.–तरल, बहनेवाला पदार्थ।

सय्यारः (سیاره) अ. पुं.–तारा, उडु; ग्रह, सितारा; सैर करनेवाला।

सय्यार (سیار) अ. वि.–घूमनेवाला, सैर करनेवाला; वह तारा जो घूमता है, स्थिर नहीं रहता, ग्रह।

सय्यास (سیاس) अ. वि.—राजनीति में निपुण, राजनीतिज्ञ, सियासतदाँ।

सय्याह (سیاح) अ. पुं.—पर्यटक, सियाहत करनेवाला, देश-विदेश घूमनेवाला।

सय्याही (سیاحی) अ. स्त्री.—पर्यटन, देशाटन, देश-विदेश घूमना, सियाहत करना।

सरंगुश्त (سرانگشت) फा. स्त्री.—उँगली का पोरा; उँगली का सिरा।

सरंजाम (سرانجام) फा. पुं.—अन्त, अख़ीर; पूर्ति, तकमील; परिणाम, नतीजा; प्रबंध, बंदोबस्त; उपकरण, सामग्री, सामान।

सरः (سره) फा. वि.—निर्मल, निष्केवल, बेमेल, ख़ालिस; खरा रुपया और सिक्का।

सर (سر) फा. पुं.—शिर, सिर, मूँड़; श्रेष्ठ, उत्तम; ध्यान, ख़याल; सिरा, अगला भाग, (उप.) श्रेष्ठता, उच्चता, सिरा, आदि के अर्थ में आता है।

सरअंगुश्त (سرانگشت) फा. स्त्री.—दे. 'सरंगुश्त' उच्चारण वही अधिक शुद्ध है।

सरअंजाम (سرانجام) फा. पुं.—दे. 'सरंजाम', उच्चारण वही अधिक शुद्ध है।

सरअफ़्गंदः (سرافگنده) फा. वि.—दे. 'सरफ़गंदः' उच्चारण वही अधिक शुद्ध है।

सरआमद (سرآمد) फा. वि.—दे. 'सरामद', उच्चारण वही अधिक शुद्ध है।

सरक़तार (سرقطار) फा. अ. वि.—मुखिया, अगुआ, लीडर, नेता।

सरकर्दः (سرکرده) फा. वि.—अगुआ, सरग़ना, मुखिया।

सरकर्दगी (سرکردگی) फा. स्त्री.—अगुआपन, नेतृत्व।

सरक़लयान (سرقلیان) फा. स्त्री.—चिलम, तमाकू पीने की चिलम।

सरकश (سرکش) फा. वि.—अवज्ञाकारी, नाफ़र्मान; विद्रोही, बाग़ी; उद्दंड, उजड्ड; अशिष्ट, नामुहज़्ज़ब; मुँहफट, बदलगाम; स्वेच्छाचारी, ख़ुदराय।

सरकशी (سرکشی) फा. स्त्री.—अवज्ञा, हुक्मउदूली; विद्रोह, बग़ावत; उद्दंडता, उजड्डपन; बदलगामी, मुँहफट होना।

सरकार (سرکار) फा. स्त्री.—राज्य, हुकूमत; शासक, हाकिम; राष्ट्र, मम्लुकत; बड़े व्यक्तियों के लिए संबोधन का शब्द; कचहरी, न्यायालय; दरबार, राजसभा।

सरकारी (سرکاری) फा. वि.—राजकीय, हुकूमती, सरकार का।

सरकोचकी (سرکوچکی) फा. स्त्री.—अधमता, नीचता, पामरता, कमीनगी।

सरकोब (سرکوب) फा. वि.—सर कुचलनेवाला, दमन करनेवाला; दमदमः।

सरकोबी (سرکوبی) फा. स्त्री.—सर कुचलना, दमन करना।

सरख़त (سرخط) फा. पुं.—तनख़्वाह आदि के हिसाब का काग़ज़; दस्तख़ती तहरीर; स्टाम्प, तमस्सुक।

सरख़ुश (سرخوش) फा. वि.—हलके नशे में मस्त।

सरख़ुशी (سرخوشی) फा. स्त्री.—हलका नशा।

सरख़ैल (سرخیل) फा. वि.—अपने दल का नायक, सरदार।

सरग़नः (سرغنه) फा. वि.—मुखिया, सरदार।

सरगर्दां (سرگرداں) फा. वि.—दे. 'सरगश्तः'।

सरगर्म (سرگرم) फा. वि.—तन्मय, तल्लीन, मह्व; तत्पर, कटिबद्ध, मुस्तइद।

सरगर्मी (سرگرمی) फा. स्त्री.—तन्मयता, संलग्नता, मुस्तइद्दी, तत्परता।

सरगर्मकार (سرگرمکار) फा. वि.—किसी काम में पूरी तन्मयता से लगा हुआ।

सरगश्तः (سرگشته) फा. वि.—हैरान, उद्विग्न, परीशान; रास्ते में भटका हुआ, राह भूला हुआ।

सरगश्तगी (سرگشتگی) फा. स्त्री.—उद्विग्नता, हैरानी; राह भूल जाना, भटकते फिरना।

सरगर्दानी (سرگردانی) फा. स्त्री.—दे. 'सरगश्तगी'।

सरगिरां (سرگراں) फा. वि.—रुष्ट, अप्रसन्न, नाख़ुश, ख़फ़ा।

सरगिरानी (سرگرانی) फा. स्त्री.—रोष, अप्रसन्नता, ख़फ़गी।

सरगुज़श्त (سرگزشت) फा. स्त्री.—वृत्तान्त, हाल; घटना, वाक़िआ।

सरगुम (سرگم) फा. वि.—जिसका आदि और अन्त न हो, जिसकी इब्तिदा और इन्तिहा न हो।

सरगुरोह (سرگروه) फा. वि.—मुखिया, नायक, अपने दल का सरदार।

सरगोशी (سرگوشی) फा. स्त्री.—कान से मुँह मिलाकर चुपके-चुपके बातें करना, कानाफूँसी।

सरचंग (سرچنگ) फा. पुं.—थप्पड़, चाँटा, तल-प्रहार।

सरचश्मः (سرچشمه) फा. पुं.—स्रोत, सोत, सोता; उद्गम, मख़्रज।

सरचस्पां (سرچسپاں) फा. पुं.—बोतल या डिब्बे आदि पर चिपकाने का लेबिल।

सरजंग (سرجنگ) फा. पुं.—सेनापति, सिपहसालार।

सरज़दः (سرزده) फा. वि.—निश्चेष्ट, संज्ञाहीन, बेख़बर।

सरज़द (سرزد) फा. वि.—घटित, वाक़े'।

सरज़न (سرزن) फा. वि.—अवज्ञाकारी, उद्दंड, सरकश।

सरज़निश (سرزنش) फा. स्त्री.–डाँट-फटकार, भर्त्सना, तंबीह।

सरज़नी (سرزنی) फा. स्त्री.–अवज्ञा, नाफ़र्मानी।

सरज़मीं (سرزمیں) फा. स्त्री.–पृथ्वी, ज़मीन; देश, मुल्क।

सरज़ूक़: (سرجوقہ) फा. पुं.–दे. 'सरगुरोह'।

सरज़ोर (سرزور) फा. वि.–विद्रोही, बाग़ी; अवज्ञाकारी, नाफ़र्मान।

सरज़ोरी (سرزوری) फा. स्त्री.–विद्रोह, बग़ावत; अवज्ञा, नाफ़र्मानी।

सरजोश (سرجوش) फा. वि.–हर वह चीज़ जो देग से पहले जोश में उतारी जाय, सार, सत, जौहर।

सरतराश (سرتراش) फा. वि.–नापित, नाई, सर छीलने-वाला, क्षौरकर्मकार।

सरतराशी (سرتراشی) फा. स्त्री.–नापित-कर्म, नाई का काम, नाईपन।

सरताज (سرتاج) फा. वि.–शिरोमणि, सबसे अच्छा; पति, शौहर; स्वामी, मालिक; नायक, सरदार।

सरतान (سرطان) अ. पुं.–दे. 'सर्तान'।

सरतापा (سرتاپا) फा. वि.–सर से पाँव तक, आपाद-मस्तक; आद्योपान्त, शुरू से आख़िर तक।

सरताबक़दम (سرتابہقدم) फा. अ. वि.–दे. 'सरतापा'।

सरताबी (سرتابی) फा. स्त्री.–अवज्ञा, हुक्मउदूली; उद्दंडता, सरकशी।

सरतासर (سرتاسر) फा. वि.–आदि से अंत तक, शुरू से अख़ीर तक।

सरतेज़: (سرتیزہ) फा. पुं.–संगीन, लंबी पतली छुरी।

सरतेज़ (سرتیز) फा. वि.–लड़ाकू, जंगजू; नोकदार।

सरदफ़्तर (سر دفتر) फा. वि.–हेडक्लर्क, दफ़्तर का इनचार्ज।

सर दर गिरीबाँ (سر در گریباں) फा. वि.–सोच में पड़ा हुआ।

सरदर्द (سردرد) फा. पुं.–सिर की पीड़ा, सर का दर्द; झंझट, जंजाल, बखेड़ा; श्रम, मेहनत।

सरदर्दी (سردردی) फा. स्त्री.–दे. 'सरदर्द'।

सरदस्त (سردست) फा. वि.–पोच, ओछा, बेक़द्र; क़लंदरों के हाथ में रखने की लकड़ी।

सरदार (سردار) फा. पुं.–नायक, अध्यक्ष; स्वामी, पति।

सरदारी (سرداری) फा. स्त्री.–अध्यक्षता; स्वामित्व।

सरनविश्त (سرنوشت) फा. स्त्री.–भाग्यलेख, तक़दीर का लिखा; वृत्तान्त, हाल।

सरनाम: (سرنامہ) फा. पुं.–ख़त का अल्क़ाबो आदाब।

सरनाम (سرنام) फा. पुं.–प्रसिद्ध, मशहूर, यशस्वी, नामवर।

सरनिगूँ (سرنگوں) फा. वि.–सर झुकाये हुए; औंधा, अधोमुख; लज्जित, शर्मिंदा।

सरनिहाद: (سرنہادہ) फा. वि.–सर टेके हुए, सर झुकाये हुए।

सरपंज: (سرپنجہ) फा. वि.–हाथ का पंजा, प्रहस्त, अलंबुष; शक्तिशाली, ताक़तवर; अत्याचारी, ज़ालिम।

सरपंजगी (سرپنجگی) फा. स्त्री.–शक्ति, ज़ोर; अत्याचार, ज़ुल्म।

सरपरस्त (سرپرست) फा. वि.–जो किसी की देख-रेख और पालन-पोषण करे, पोषक, संरक्षक; गार्जियन, अभिभावक; पक्षपाती, हिमायती।

सरपरस्ती (سرپرستی) फा. स्त्री.–पालन-पोषण, देख-रेख; गार्जियनशिप, अभिभावकता; पक्षपात, तरफ़दारी।

सरपेच (سرپیچ) फा. पुं.–पगड़ी में बाँधने का एक आभूषण।

सरपोश (سرپوش) फा. पुं.–ढक्कन।

सरपोशीद: (سرپوشیدہ) फा. स्त्री.–कुँवारी लड़की, कुमारी।

सरफ़राज़ (سرفراز) फा. वि.–दे. 'सरफ़ाज़'।

सरफ़राज़ी (سرفرازی) फा. स्त्री.–दे. 'सरफ़ाज़ी'।

सरफ़रोश (سرفروش) फा. वि.–जान की बाज़ी लगा देने-वाला, जाँनिसार।

सरफ़रोशी (سرفروشی) फा. स्त्री.–जान की बाज़ी लगाना, जाँनिसारी।

सरफ़िगंद: (سرفگندہ) फा. वि.–दे. 'सरफ़गंद:'।

सरफ़गंद: (سرافگندہ) फा. वि.–सर झुकाये हुए।

सरबंद (سربند) फा. पुं.–जिसका मुँह बंद हो, सर बमुह्‌र।

सरबकफ़ (سربکف) फा. वि.–हाथ पर सर रखे हुए, अर्थात् मरने पर उद्यत।

सरबख़्श (سربخش) फा. पुं.–किसी वस्तु के कई भागों में से सबसे बड़ा भाग।

सर ब गिरीबाँ (سر بہ گریباں) फा.- वि.–दे. 'सर दर गिरीबाँ'।

सर बज़ानू (سربزانو) फा. वि.–घुटनों में सर डाले हुए, उदास, चिंतित।

सर ब मुह्‌र (سر بہ مہر) फा. वि.–मोह्‌र किया हुआ, बंद किया हुआ, और मुँह पर मोह्‌र किया हुआ।

सरबर (سربر) फा. वि.–दे. 'सरबलंद'।

सरबरआवर्द: (سربرآوردہ) फा. वि.–दे. 'सरबरावर्द:'।

सरबरहन: (سربرہنہ) फा. वि.–नंगे सर, सर खोले हुए।

सरबरावर्दः (سربرآورده) फ़ा.वि.–प्रतिष्ठित और सम्मानित व्यक्ति, बड़ा आदमी, मुखिया।

सरबराह (سربراه) फ़ा. वि.–प्रबंधक, मुंतज़िम।

सरबराहकार (سربراه‌کار) फ़ा. पुं.–कारकुन, कारिंदा, एजेंट, अभिकर्ता।

सरबराहकारी (سربراه‌کاری) फ़ा. स्त्री.–कारिंदगरी, एजेंटी।

सरबराही (سربراهی) फ़ा. स्त्री.–प्रबंध, इंतिज़ाम।

सरबलंद (سربلند) फ़ा. वि.–प्रतिष्ठित, मुअज़्ज़ज़।

सरबलंदी (سربلندی) फ़ा. स्त्री.–प्रतिष्ठा, इज़्ज़तदारी; उत्थान, तरक़्क़ी।

सरबसर (سربسر) फ़ा. वि.–नितान्त, बिल्कुल।

सरबसहरा (سربصحرا) फ़ा. अ. वि.–जंगल में मारा-मारा फिरनेवाला।

सरबस्तः (سربستہ) फ़ा.वि.–मुँहबंद, सर ब मोह्र; गुप्त, पोशीदः।

सरबस्त (سربست) फ़ा. पुं.–पहेली, प्रहेलिका।

सरबहा (سربہا) फ़ा. पुं.–ख़ूँबहा, ख़ून की क़ीमत।

सरबाज़ (سرباز) फ़ा. वि.–सिपाही, सैनिक; योद्धा, बहादुर।

सरबाज़ारी (سربازاری) फ़ा. वि.–अधम, नीच, लोफ़र, शोहदः।

सरबाज़ी (سربازی) फ़ा. स्त्री.–शूरता, वीरता, बहादुरी।

सरबार (سربار) फ़ा. पुं.–सर का बोझ।

सरबारी (سرباری) फ़ा. स्त्री.–वह छोटा बोझ जो बड़े बोझ के ऊपर सिर पर रखते हैं।

सरबाला (سربالا) फ़ा. वि.–ऊँचे सर का, सरदार।

सरबुरीदः (سربریده) फ़ा. वि.–जिसका सर काट लिया गया हो।

सरमद (سرمد) फ़ा. वि.–नित्य, अनश्वर, लाज़वाल।

सरमदी (سرمدی) फ़ा. वि.–नित्यता, लाज़वाली।

सरमश्क़ (سرمشق) फ़ा. अ. पुं.–तख़्ती, मश्क़ करने की तख़्ती; ख़ुशनवीस का लिखा हुआ क़ता' जिसे देखकर ख़ुशख़ती की मश्क़ की जाती है।

सरमस्त (سرمست) फ़ा. वि.–उन्मत्त, मदोन्मत्त, बेसुध।

सरमस्ती (سرمستی) फ़ा. स्त्री.–उन्माद, बदमस्ती।

सरमायः (سرمایہ) फ़ा.पुं.–पूँजी, अस्ल ज़र; धन, दौलत।

सरमायःदार (سرمایہ‌دار) फ़ा. वि.–पूँजीपति, कैपिटलिस्ट; धनवान्, मालदार।

सरमायःदाराना (سرمایہ‌دارانہ) फ़ा. वि.–पूँजीपतियों-जैसा, धनियों की तरह।

सरमायःदारी (سرمایہ‌داری) फ़ा. स्त्री.–पूँजीवाद, रुपया लगाकर ग़रीबों की मेहनत से नाजाइज़ नफ़ा कमाना।

सरयान (سریان) फ़ा. पुं.–एक चीज़ का दूसरी चीज़ में प्रवेश।

सररिश्तः (سررشتہ) फ़ा. पुं.–विभाग, महकमा; योग्यता, क़ाबिलीयत; इच्छा, ख़्वाहिश; अधिकार, इख़्तियार; सूत्र, डोरा।

सरलश्कर (سرلشکر) फ़ा. वि.–सेनापति, सेनाध्यक्ष, सिपहसालार।

सरलौह (سرلوح) फ़ा. अ. स्त्री.–वह चित्रादि जो किताब के मुखपृष्ठ पर बनाये जाते हैं।

सरवर (سرور) फ़ा. वि.–सरदार, सर्वश्रेष्ठ, नायक, प्रधान।

सरवरक़ (سرورق) फ़ा. अ. पुं.–मुखपृष्ठ, पुस्तक का ऊपर का पन्ना जिसमें किताब का नाम आदि होता है।

सरवरी (سروری) फ़ा. स्त्री.–नायकत्व, अध्यक्षता, सरदारी।

सरवरे कौनैन (سرور کونین) फ़ा. अ. पुं.–दोनों लोक के सरदार, हज़्रत साहिब की उपाधि।

सरशार (سرشار) फ़ा. वि.–ऊपर तक भरा हुआ, परिपूर्ण, लबरेज़; छलकता हुआ; उन्मत्त, मस्त।

सरशीर (سرشیر) फ़ा. स्त्री.–दूध की मलाई, दुग्धाग्र, क्षीरसार, बालाई।

सरशेब (سرشیب) फ़ा. वि.–औंधा, अधोमुख।

सरशो (سرشو) फ़ा. वि.–सर धोने की मिट्टी; जिस चीज़ से सर धोया जाय।

सरसबद (سرسبد) फ़ा. वि.–फूलों की टोकरी में सबसे सुन्दर और सबसे उत्तम फूल।

सरसब्ज़ (سرسبز) फ़ा. वि.–हरा-भरा, शाद्वल; समृद्ध, मालदार; सफल, कामयाब; उन्नतिशील, तरक़्क़ीयाफ़्तः; आबाद, वीरान का उलटा; उपजाऊ, ज़रख़ेज़।

सरसब्ज़ी (سرسبزی) फ़ा. स्त्री.–हरा-भरापन; उपजाऊपन; उन्नति; आबादी; सफलता; समृद्धि।

सरसरी (سرسری) फ़ा. वि.–बेदिली और बेतवज्जुही का काम; जल्दी का काम; उचटती हुई नज़र डालने का काम।

सरसोज़न (سرسوزن) फ़ा. पुं.–सुई का नाका, सूची-अग्र।

सरहंग (سرهنگ) फ़ा. पुं.–सैनिक, सिपाही; कोतवाल; सेनानायक, फ़ौज का सरदार; अवज्ञाकारी, उद्दंड, सरकश।

सरहंगज़ादः (سرهنگ‌زاده) फ़ा. पुं.–सैनिक-पुत्र, सिपाही का लड़का।

सरहद (سرحد) फ़ा. स्त्री.–सीमा, हद; सीमान्त, आख़िरी हद; किसी देश की वह सीमा जो किसी दूसरे देश से मिली हो।

सरहदी (سرحدی) फ़ा. स्त्री.—सरहद का; सरहद के पास का; सीमान्त का निवासी।

सरहम्माम (سرحمام) फ़ा. अ. पुं.—हम्माम का गर्म कमरा जिसमें नहाया जाता है।

सरहल्क़ः (سرحلقه) फ़ा. वि.—सरदार, अध्यक्ष।

सरहिसाब (سرحساب) फ़ा. अ. वि.—सूचित, आगाह; परिचित, वाक़िफ़; सचेत, होशियार।

सरा (سرا) फ़ा. स्त्री.—मकान, घर, गृह; पथिकाश्रय, मुसाफ़िरख़ाना; स्थान, जगह, (प्र.) गानेवाला, जैसे—'नग़्मःसरा' गीत गानेवाला।

सरा (ثریٰ) अ. पुं.—ज़मीन का नीचे का तल, पाताल; गीली मिट्टी।

सराइंदः (سرائنده) फ़ा. वि.—गानेवाला, गायक।

सराईदः (سرائیده) फ़ा. वि.—गाया हुआ, गीत।

सराए फ़ानी (سرائے فانی) फ़ा. अ. स्त्री.—नश्वर स्थान अर्थात् संसार, मृत्युलोक, मर्त्यलोक।

सरग़ोश (سرآغوش) फ़ा. पुं.—सर के बाल सँवारने और बाँधने की जाली, गेसूपोश।

सराचः (سراچه) फ़ा. पुं.—छोटा घर; बड़ा ख़ेमः; एक बाना।

सरा पर्दः (سراپرده) फ़ा. पुं.—पर्देवाला मकान, हरमसरा; बड़ा ख़ेमः।

सरापा (سراپا) फ़ा. पुं.—आपादमस्तक, सर से पाँव तक; नितान्त, बिलकुल; नायिका के नख-शिख का पद्यात्मक वर्णन, उदा.—"अल्ला रे हुस्नेयार की सरमस्तियों का रंग, डूबे हुए हैं आज सरापा शराब में।"

सरापाख़ुलूस (سراپاخلوص) फ़ा. अ. वि.—बहुत अधिक मुख़्लिस व्यक्ति।

सरापानियाज़ (سراپانیاز) फ़ा. वि.—बहुत अधिक विनम्र और विनीत; बहुत बड़ा भक्त।

सरापारहमत (سراپارحمت) फ़ा. अ. वि.—सर से पाँव तक कृपा और दया ही दया, दया और कृपा की साकार मूर्ति।

सराफ़त (صرافت) अ. स्त्री.—सिक्के या चाँदी-सोने आदि का खरा होना, कैवल्य, निष्कूटता।

सराफ़ील (سرافیل) फ़ा. पुं.—'इस्राफ़ील' का लघु, वह फ़िरिश्तः जो क़ियामत के दिन तुरही फूँकेगा, जिससे सारा ब्रह्मांड नष्ट हो जायगा।

सराब (سراب) फ़ा. पुं.—वह रेत जो गर्मियों में दूर से पानी की तरह चमकता हुआ दिखाई पड़ता है और प्यासे उसे पानी समझकर उसकी ओर दौड़ते हैं, मृगतृष्णा।

सरा बुस्ताँ (سرا بستاں) फ़ा. पुं.—पाइंबाग़, वह बाग़ जो महल या कोठी के साथ हो, गृहोद्यान, गृहवाटिका।

सरामत (صرامت) अ. स्त्री.—शूरता, बहादुरी; श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी; विच्छेद, काटना; फ़ुर्ती, तेज़ी।

सरामद (سرآمد) फ़ा. वि.—सर्वश्रेष्ठ, सबसे उत्तम; अध्यक्ष, पति, सरदार।

सरायत (سرایت) फ़ा. स्त्री.—एक चीज़ का दूसरी में प्रवेश, सरयान; प्रभाव, असर।

सरारू (سرارو) फ़ा. स्त्री.—एक बड़ी रग जिसकी फ़स्द ली जाती है, सरोरू, क़ीफ़ाल।

सरासर (سراسر) फ़ा. वि.—नितान्त, बिलकुल; एक सिरे से।

सरासीमः (سراسیمه) फ़ा. वि.—उद्विग्न, आतुर, व्याकुल, परीशान, बदहवास।

सरासीमगी (سراسیمگی) फ़ा. स्त्री.—उद्विग्नता, व्याकुलता, परीशानी, बदहवासी।

सराहत (صراحت) अ. स्त्री.—स्पष्टीकरण, वज़ाहत; सविस्तर विवरण, तफ़सील।

सराहतन (صراحتاً) अ. वि.—सराहत के साथ, विस्तारपूर्वक, सविस्तर।

सरिक़ः (سرقه) अ. पुं.—चोरी, चौर्य, स्तेय, तस्करता, दुज़्दी।

सरिक़त (سرقت) अ. स्त्री.—दे. 'सरिक़ः'।

सरिश्तः (سرشته) फ़ा. पुं.—'सररिश्तः' का बिगड़ा हुआ रूप, विभाग, महकमा, डिपार्टमेन्ट।

सरिश्तःदार (سرشته دار) फ़ा. वि.—एक कर्मचारी।

सरिश्तःदारी (سرشته داری) फ़ा. स्त्री.—सरिश्तःदार का पद; उक्त पद का काम।

सरी (سری) फ़ा. वि.—सरदारी, अध्यक्षता।

सरीअ (سریع) अ. वि.—शीघ्र, तेज़।

सरीउज़्ज़वाल (سریع الزوال) अ. वि.—जो शीघ्र ही नाश हो जाय, जो अधिक देर न रहे, क्षणभंगुर।

सरीउत्तासीर (سریع التاثیر) अ. वि.—जो अपना प्रभाव शीघ्र ही दिखाये, शीघ्रकारी, आशु प्रभावकारी, त्वरित-गुणदायी।

सरीउलअमल (سریع العمل) अ. वि.—वह दवा जो अपना असर जल्द करे।

सरीउलअसर (سریع الاثر) अ. वि.—जल्द प्रभाव दिखानेवाला, शीघ्र गुणकारी।

सरीउलइंज़ाल (سریع الانزال) अ. वि.—जो पुरुष मैथुन के समय अधिक न ठहर सके, शीघ्रपतन।

सरीउलइंदिमाल (سریع الاندمال) अ. वि.—वह घाव जो शीघ्र भर जाय।

सरीउलइज़ालः (سریع الازالہ) अ. वि.–जिसकी हानि-पूर्ति जल्द हो जाय।

सरीउलइन्हिज़ाम (سریع الانہضام) अ. वि.–जो जल्दी हज़्म हो जाय, लघुपाक।

सरीउलइल्तिहाब (سریع الالتہاب) अ. वि.–जो शीघ्र ही जलने लगे, जरा-सी गर्मी में आग पकड़ ले, ज्वलनशील, विस्फोटक।

सरीउलएहसास (سریع الاحساس) अ. वि.–जो किसी बात का जल्द असर ले।

सरीउलक़बूल (سریع القبول) अ. वि.–जो किसी बात या गुण-दोष से जल्द प्रभावित होकर उसे ग्रहण कर ले।

सरीउलग़ज़ब (سریع الغضب) अ. वि.–जिसे जल्दी ही गुस्सा आ जाता हो, शीघ्रकोपी।

सरीउलफ़ह्म (سریع الفہم) अ. वि.–जो हर बात तुरंत ही समझ जाता हो, शीघ्रबुद्धि, प्रतिभाशाली।

सरीउलहज़्म (سریع الہضم) अ. वि.–दे. 'सरीउल इन्हिज़ाम'।

सरीउलहरकत (سریع الحرکت) अ. वि.–तेज़ चलनेवाला, शीघ्रगति।

सरीउस्सैर (سریع السیر) अ. वि.–तेज़ चलनेवाला, शीघ्रगामी।

सरीचः (سریچہ) फा. पुं.–ममोला पक्षी।

सरीद (ثرید) अ. पुं.–शोरबे में चूर की हुई रोटी।

सरीमः (صریمہ) अ. पुं.–काम छोड़ बैठना, हड़ताल।

सरीयः (سریہ) अ. पुं.–पैग़म्बर साहब के समय की वे लड़ाइयाँ जिनमें आप सम्मिलित न थे।

सरीर (سریر) अ. पुं.–सिंहासन, तख़्त।

सरीर (صریر) अ. स्त्री.–लिखते समय क़लम की चिरचिराहट, चलते समय मनुष्य के पैर की चाप।

सरीरआरा (سریر آرا) अ. फा. वि.–सिंहासनारूढ़, तख़्तनशीं; शासक, हुक्मराँ।

सरीरत (سریرت) अ. स्त्री.–भेद, रहस्य, मर्म, राज़।

सरीरे क़लम (صریر قلم) अ. स्त्री.–क़लम की चिरचिराहट जो लिखते समय होती है।

सरीह (صریح) अ. वि.–स्पष्ट, व्यक्त, साफ़, वाज़ेह, खुल्लमखुल्ला।

सरीहन (صریحاً) अ. वि.–खुल्लम खुल्ला, स्पष्ट रूप से, साफ़-साफ़।

सरूँ (سروں) फा. पुं.–सींग, शृंग, विषाण।

सरूँगाह (سروں گاہ) फा. स्त्री.–कनपटी, पशु के सींग निकलने का स्थान।

सरीही (صریحی) अ. वि.–दे. 'सरीहन'।

सरे ज़ुल्फ़ (سر زلف) फा. पुं.–अलक, ज़ुल्फ़; हावभाव, नाज़ोअदा।

सरे तन्हा (سر تنہا) फा. पुं.–अकेला, एकाकी।

सरे दस्त (سر دست) फा. वि.–तत्काल, इस समय, फ़िलहाल, सम्प्रति।

सरे नौ (سر نو) फा. वि.–नये सिरे से, फिर से, पुनः।

सरे पा (سر پا) फा. स्त्री.–ठोकर, (पुं.) पाँव का सिरा, पंजा।

सरे पिस्ताँ (سر پستاں) फा. पुं.–स्तन की घुंडी, भिटनी, स्तनवृन्त, नर्मठ।

सरे पै (سر پے) फा. स्त्री.–ठोकर, (पुं.) पाँव का अगला भाग, पंजा।

सरे बज़्म (سر بزم) फा. पुं.–भरी सभा में, सबके सामने।

सरे बाज़ार (سر بازار) फा. पुं.–बीच बाज़ार में; सबके सामने, खुल्लमखुल्ला।

सरे बाम (سر بام) फा. पुं.–अटारी पर, छत पर।

सरे बालीं (سر بالیں) फा. पुं.–सिरहाने।

सरेमू (سرمو) फा. पुं.–बाल की नोक के बराबर, ज़रा-सा भी, किंचिन्मात्र।

सरे रहगुज़र (سر رہگزر) फा. पुं.–दे. 'सरे राह'।

सरे राह (سر راہ) फा. पुं.–रास्ते में, रास्ता चलते हुए।

सरेश (سریش) फा. स्त्री.–देखें शुद्ध उच्चारण 'सिरेश'।

सरे शाम (سر شام) फा. पुं.–सूरज डूबते समय, संध्यामुख।

सरे शोरीदः (سر شوریدہ) फा. पुं.–वह सर जिसमें प्रेम का पागलपन भरा हो; पागल व्यक्ति का मस्तिष्क।

सरोकार (سروکار) फा. पुं.–प्रयोजन, वास्ता; सम्बन्ध, तअल्लुक़।

सरोद (سرود) फा. पुं.–दे. शु. उ. 'सुरोद' या 'सुरूद'।

सरोपा (سروپا) फा. पुं.–सर-पैर, प्रायः 'बे' के साथ बोला जाता है।

सरोबंद (سرو بند) फा. पुं.–समय, काल, वक़्त, ज़माना।

सरोबर्ग (سرو برگ) फा. पुं.–ध्यान, ख़याल।

सरोबुन (سرو بن) फा. पुं.–सरोपा, सर-पैर, आदि-अंत, शुरू और अख़ीर।

सरोरू (سرورو) फा. स्त्री.–एक रग, दे. 'सरारू'।

सरोश (سروش) फा. पुं.–दे. शु. उ. 'सुरोश'।

सरोसामान (سرو سامان) फा. पुं.–उपकरण, सामग्री, सामान; ज़िंदगी का ज़रूरी सामान।

सर्अ (صرع) अ. स्त्री.–अपस्मार, मिर्गी रोग।

सर्तान (سرطان) अ. पुं.–कर्क, कर्कट, केकड़ा, घिंघचा, कर्कराशि, बुर्जे सर्तान।

सर्द (سرد) फा. वि.—शीतल, ठंडा; मंद, धीमा; निःश्री, बेरौनक़; नपुंसक, हीजड़ा।

सर्दख़ुश्क (سرد خشک) फा. वि.—वह दवा या ग़िज़ा जिसमें सर्दी के साथ ख़ुश्की भी हो।

सर्दतर (سردتر) फा. वि.—बहुत अधिक सर्द; वह दवा जो सर्द के साथ तर भी हो।

सर्दबाज़ारी (سرد بازاری) फा. स्त्री.—बेरौनक़ी, श्रीहीनता; बाज़ार भाव का मंदा होना; नाक़द्री, पूछ-ताछ न होना।

सर्दमिज़ाज (سردمزاج) फा. अ. वि.—जिसकी प्रकृति शीतल हो, शान्त प्रकृति।

सर्दमेह्र (سردمہر) फा. वि.—निःशील, बेमुरव्वत; कठोर, बेरहम; जो बेदिली से मिले।

सर्दमेह्री (سردمہری) फा. स्त्री.—दुःशीलता, बेमुरव्वती; कठोरता, बेरहमी; बेदिली, कमतवज्जुही।

सर्दसेर (سردسیر) फा. वि.—वह स्थान जहाँ की आबो-हवा सर्द हो।

सर्दाबः (سردابہ) फा. पुं.—तहख़ानः, तलगृह।

सर्दी (سردی) फा. स्त्री.—शीतता, ठंडक; ठंड का मौसिम, हेमंत ऋतु; ज़ुकाम, प्रतिश्याय।

सर्दोगर्म (سردوگرم) फा. वि.—गर्म और ठंडा; दुनिया का अच्छा और बुरा।

सर्दोगर्म चशीदः (سردوگرم چشیدہ) फा. वि.—गर्म और ठंडा चखा हुआ अर्थात् अनुभवी।

सर्फ़ः (صرفہ) फा. पुं.—लाभ, नफ़ा; व्यय, ख़र्च; बारहवाँ नक्षत्र, उत्तराफाल्गुनी; कृपणता, कंजूसी, अधिकता, ज़ियादती; न्याय, इंसाफ़।

सर्फ़ (صرف) अ. पुं.—व्यय, ख़र्च; उपभोग, इस्ते'माल; व्याकरण की एक शाखा, पदव्याख्या।

सर्फ़ी (صرفی) अ. वि.—जो व्याकरण में 'सर्फ़' का ज्ञाता हो।

सर्फ़ोनहव (صرف و نحو) अ. स्त्री.—व्याकरण, क़वाइद, पद-व्याख्या और वाक्य-विश्लेषण।

सर्ब (ثرب) अ. पुं.—चर्बी की बारीक चादर जो उदर आदि पर चढ़ी रहती है।

सर्मक़ (سرمق) अ. पुं.—बथुआ, एक साग।

सर्मा (سرما) फा. पुं.—जाड़े का मौसिम, शीतकाल।

सर्माई (سرمائی) फा. वि.—जाड़े के मौसिम का; जाड़े के पहनने के कपड़े।

सर्माए गुल (سرمائے گل) फा. पुं.—गुलाबी जाड़ा, शुरू बहार का जाड़ा, हलका जाड़ा।

सर्माए तल्ख़ (سرمائے تلخ) फा. पुं.—कड़ा जाड़ा, चिल्ले का जाड़ा।

सर्माज़दः (سرمازدہ) फा. वि.—जिसे पाला मार गया हो।

सर्मासोख़्तः (سرماسوختہ) फा. वि.—वह पेड़ जिसे पाला मार गया हो, जो पाले से जल गया हो।

सर्राफ़ः (صرافہ) अ. पुं.—सराफ़ों का बाज़ार, जहाँ चाँदी-सोना बेचनेवालों की मंडी हो।

सर्राफ़ (صراف) अ. वि.—चाँदी-सोना बेचनेवाला।

सर्राफ़ी (صرافی) अ. स्त्री.—चाँदी सोना बेचने का काम।

सर्वंदाम (سرواندام) फा. वि.—सर्व-जैसे सीधे और सुन्दर शरीरवाला।

सर्व (سرو) अ. पुं.—एक प्रसिद्ध पेड़, सरो, जो सीधा और सुन्दर होता है।

सर्वअंदाम (سرواندام) फा. वि.—दे. 'सर्वंदाम'।

सर्वक़द (سروقد) फा. वि.—दे. 'सर्वंदाम'।

सर्वक़ामत (سروقامت) फा. अ. वि.—दे. 'सर्वंदाम'।

सर्वत (ثروت) अ. स्त्री.—धनाढ्यता, समृद्धि, मालदारी; ऐश्वर्य, ऐश, फ़राग़त।

सर्वबाला (سروبالا) फा. वि.—दे. 'सर्वंदाम'।

सर्वे आज़ाद (سرو آزاد) फा. पुं.—वह सर्व जिसमें शाख़ें और फल न हों।

सर्वे ख़िरामाँ (سرو خراماں) फा. पुं.—चलने-फिरनेवाला सर्व अर्थात् मा'शूक़।

सर्वे चमन (سرو چمن) फा. पुं.—बाग़ का सर्व का पेड़।

सर्वे चिराग़ाँ (سرو چراغاں) फा. पुं.—सर्व के वृक्ष के आकार का काँच का झाड़ जिसमें मोमबत्तियाँ जलती हैं।

सर्वे नाज़ (سرو ناز) फा. पुं.—वह सर्व जिसकी शाखें झुक-कर आपस में मिल गयी हों।

सर्वे बाला (سرو بالا) फा. पुं.—लंबा सर्व।

सर्वे सिही (سرو سہی) फा. पुं.—बिलकुल सीधा सर्व।

सर्शफ़ (سرشف) फा. स्त्री.—सरसों, एक प्रसिद्ध दाना, जिसका तेल कड़वे तेल के नाम से खाने के काम आता है।

सर्सर (صرصر) फा. स्त्री.—झक्कड़, गर्म हवा के झोंके, झंझा, तेज़ हवा के झोंके, उदा०—"यह भी अय सय्याद है जौरे फ़लक। क़ैद हों हम बाग़ में सर सर चले।"

सर्साम (سرسام) अ. पुं.—दिमाग़ के वरम की एक बीमारी, सन्निपात।

सर्सामी (سرسامی) अ. वि.—सरसाम का रोगी।

सलफ़ः (سلفہ) अ. पुं.—'सलफ़' का बहु., पुराने लोग, पूर्वज।

सलफ़ (سلف) अ. पुं.—पूर्वज, पुराने लोग।

सलवात (صلوات) अ. स्त्री.—'सलात' का बहु., नमाज़ें; रसूल पर दुरूद।

सला' (صلع) अ. पुं.—बालों का एक रोग, गंज।
सला (صلا) अ. स्त्री.—आवाज़ देना, बुलाना।
सलाए आम (صلاے عام) अ. स्त्री.—सबका बुलावा, सबकी दा'वत, सार्वजनिक निमंत्रण।
सलाफ़ (سلاف) फ़ा. स्त्री.—सोने-चाँदी की सलाख़।
सलाख़ (سلاخ) तु. स्त्री.—सलाई, शलाका; लोहे की छड़; लकीर।
सलात (صلاۃ) अ. स्त्री.—नमाज़; दुरूद।
सलातीन (سلاطین) अ. पुं.—'सुल्तान' का बहु., बादशाह लोग, शासकगण।
सलाबत (صلابت) अ. स्त्री.—कठोरता, सख़्ती।
सलाम (سلام) अ. पुं.—प्रणाम, तस्लीम; शान्ति, सलामती; नौहे की एक क़िस्म; घृणा और बेज़ारी के लिए भी बोलते हैं।
सलामत (سلامت) अ. स्त्री.—सुरक्षित, महफ़ूज़; जीवित, ज़िंदा; पूर्ण, पूरा; स्वस्थ, तनदुरुस्त।
सलामत बाशेद (سلامت باشید) अ. फ़ा. वा.—जीवित रहो, ज़िंदा रहो।
सलामतरवी (سلامت روی) अ. फ़ा. स्त्री.—सबसे हेल-मेल से रहना; ख़र्च आदि में किफ़ायत बरतना।
सलामती (سلامتی) अ. स्त्री.—शान्ति, अमन, रक्षा; स्वास्थ्य, तनदुरुस्ती।
सलामी (سلامی) अ. वि.—किसी बड़े आदमी के आने पर तोपों के फ़ैर।
सलामुन अलैकुम (سلام علیکم) अ. वा.—तुम पर सलामती हो, मुसलमानों का सलाम जो वह एक दूसरे से कहते हैं।
सलामो अलैकुम (سلام علیکم) अ. वा.—दे. 'सलामुन अलैकुम'।
सलामो पयाम (سلام و پیام) अ. फ़ा. पुं.—किसी का सलाम के साथ कोई सँदेसा आना; किसी को सलाम के साथ कोई सँदेसा भेजना; लड़के या लड़कीवालों की ओर से विवाह या सगाई की बातचीत चलना।
सलासत (سلاست) अ. स्त्री.—सरलता, रवानी, सलीसपन; नम्रता, नर्मी; हलके-फुलके और सुंदर शब्दों का व्यवहार जिसमें कोई क्लिष्ट शब्द न हो और न ऐसे शब्द हों जिनसे ज़बान को तोड़ना मरोड़ना पड़े।
सलासते ज़बान (سلاست زبان) अ. फ़ा. स्त्री.—भाषा की मृदुलता, शब्दों का माधुर्य; गद्य या पद्य में कोमल, मृदुल और सरल उच्चारणवाले शब्दों का प्रयोग, फ़साहत।
सलासते बयान (سلاست بیان) अ. स्त्री.—बातचीत की मधुरता।
सलासिल (سلاسل) अ. स्त्री.—'सिलसिल:' का बहु., ज़ंजीरें, बेड़ियाँ।
सलाह (صلاح) अ. स्त्री.—अच्छाई, भलाई; परामर्श, मश्वुर:; उद्देश्य, मंशा, मंसूब:; राय, तजवीज़।
सलाहअंदेश (صلاح اندیش) अ. फ़ा. वि.—नेकअंदेश, ख़ैरख़्वाह, शुभचिंतक, हितैषी।
सलाहकार (صلاح کار) अ. फ़ा. वि.—सदाचारी, नेकअमल; परामर्शदाता, मश्वुर: देनेवाला; सदुपदेशक, नासेह।
सलाहिफ़ (سلاحف) अ. पुं.—'सुलहफ़ात' का बहु., 'कछवे'।
सलाहीयत (صلاحیت) अ. स्त्री.—भलाई, अच्छाई, ख़ूबी; सदाचार, संयम, इंद्रिय-निग्रह, पारसाई; योग्यता, पात्रता, अह्लीयत; विद्वत्ता, इल्मीयत; गंभीरता, मतानत; मुसाफ़िरों का पुलिस के रजिस्टर में इंदिराज।
सलाहे कार (صلاح کار) अ. फ़ा. स्त्री.—काम की क़ाबिलीयत, कार्य-क्षमता।
सलाहे नेक (صلاح نیک) अ. फ़ा. स्त्री.—अच्छी सलाह, सत्-परामर्श।
सलाहे बद (صلاح بد) अ. फ़ा. स्त्री.—बुरी सलाह, दुस्संमति।
सलाहे वक़्त (صلاح وقت) अ. स्त्री.—समय के अनुसार सलाह, समय की माँग।
सलिसुल बौल (سلس البول) अ. पुं.—एक मूत्ररोग जिसमें पेशाब बार-बार आता है, बहुमूत्र।
सलीक़: (سلیقہ) अ. पुं.—शिष्टता, तमीज़, शुऊर; क्रम, तर्तीब; योग्यता, हुनरमंदी; सुघड़ापा, सुघड़पा; हर चीज़ को उसके मुनासिब मौक़ा रखने की तमीज़; सभ्यता, तहज़ीब।
सलीक़:मंद (سلیقہ مند) अ. फ़ा. वि.—शिष्ट, बाशुऊर; सुघड़, हुनरमंद; सभ्य, मुहज़्ज़ब।
सलीक़:मंदी (سلیقہ مندی) अ. फ़ा. स्त्री.—शिष्टता, तमीज़दारी; सुघड़पन; सभ्यता, तहज़ीब।
सलीक़:शिआर (سلیقہ شعار) अ. वि.—दे. 'सलीक़:मंद'।
सलीक़:शिआरी (سلیقہ شعاری) अ. स्त्री.—दे. 'सलीक़:मंदी'।
सलीक (سلیک) अ. वि.—पिरोई हुई चीज़, गुंथित; नत्थी, मुंसलिक, संलग्न।
सलीब (صلیب) अ. स्त्री.—सूली, दार; हज़्रत ईसा को सूली देने की टिकठी जो चौपारे की आकार की थी; वह चौपारे का चिह्न जो ईसाइयों का धार्मिक चिह्न है, क्रास।
सलीबी (صلیبی) अ. वि.—सलीब का; सलीब की शक्ल का; ईसाई धर्म सम्बन्धी।
सलीम (سلیم) अ. वि.—गंभीर, शांत, मतीन; सहनशील,

सवाबितो सैयार (ثوابت وسیار) अ. पुं.—गतिमान् और अचल सब प्रकार के तारे।

सवामे' (سوامع) अ. पुं.—'सामिअ:' का बहु., सुनने की शक्तियाँ; सुननेवाले लोग।

सवार (سوار) फा. वि.—जो किसी सवारी पर बैठा हुआ हो, आरूढ़; अश्वारोही, घुड़सवार।

सवारिक़ (سوارق) अ. पुं.—'सारिक़' का बहु., चोर लोग।

सवारिम (صوارم) अ. पुं.—'सारिम:' का बहु., धारदार तलवारें।

सवाल (سوال) अ. पुं.—शुद्ध उच्चारण 'सुआल' है, परंतु उर्दू में 'सवाल' ही बोलते हैं; प्रश्न पूछना; प्रार्थना, इल्तिजा; इच्छा, आकांक्षा, आर्जू; भीख की प्रार्थना; प्रार्थनापत्र, अर्ज़ी।

सवालख्वानी (سوال خوانی) अ. फा. स्त्री.—अदालत में आम अर्ज़ियाँ लेने की पुकार।

सवालनाम: (سوال نامہ) अ. फा. पुं.—प्रश्नावलीपत्र, वह पर्चा जिसमें किसी सभा आदि में पूछने के सवाल लिखे हों।

सवालात (سوالات) अ. पुं.—'सवाल' का बहु., बहुत से सवाल, प्रश्नावली।

सवालिफ़ (سوالف) अ. पुं.—'सालिफ़:' का बहु., गुज़रे हुए लोग, पूर्वज।

सवाली (سوالی) अ. वि.—याचक, माँगनेवाला; भिक्षुक, भिखमंगा।

सवाले वस्ल (سوال وصل) अ. पुं.—नायक की ओर से नायिका से मिलने की इच्छा का इज़्हार।

सवालोजवाब (سوال و جواب) अ. पुं.—प्रश्न और उसका उत्तर, प्रश्नोत्तर; वाद-विवाद, कथनोपकथन, बह्स।

सवाहिल (سواحل) अ. पुं.—'साहिल' का बहु., बंदरगाहें, समुद्रतट।

सहर: (سحرہ) अ. पुं.—'साहिर' का बहु., जादूगर लोग।

सहर (سحر) अ. स्त्री.—प्रातःकाल, प्रात, प्रभात, भोर, तड़का; सहरी, सहरगही।

सहर (سہر) अ. स्त्री.—जागरण, जागना; जाग्रति, बेदारी, जार्गात।

सहरख़ंद (سحر خند) अ.फा. वि.—ऐसी मुस्कुराहट जिसमें दाँत खुल जायँ; इतना उज्ज्वल जो प्रभात की सफ़ेदी पर हँसे।

सहरख़ेज़ (سحر خیز) अ. फा. वि.—बहुत तड़के उठने का अभ्यस्त, तड़के सोकर उठनेवाला।

सहरख़ेज़ी (سحر خیزی) अ. फा. स्त्री.—तड़के उठने का अभ्यास, सोकर तड़के उठना।

सहरगह (سحرگہ) अ. फा. स्त्री.—'सहरगाह' का लघु., दे. 'सहरगाह'।

सहरगही (سحرگہی) अ. फा. स्त्री.—'सहरगाही' का लघु., दे. 'सहरगाही'; रोज़ों के दिनों में पिछली रात का खाना।

सहरगाह (سحرگاہ) अ. फा. स्त्री.—बहुत तड़के, गजरदम, प्रातःकाल, गोविसर्ग, उषःकाल।

सहरगाहाँ (سحرگاہاں) अ. फा. स्त्री.—दे. 'सहरगाह'।

सहरगाही (سحرگاہی) अ. फा. स्त्री.—सवेरे तड़के की, प्रातःकाल का; प्रातःकाल सम्बन्धी।

सहरदम (سحردم) अ. फा. पुं.—सवेरे-सवेरे, बहुत तड़के, गजरदम।

सहरी (سحری) अ. वि.—प्रातःकाल का; रमज़ान के दिनों में कुछ रात रहे का खाना, जिसे खाकर रोज़ा रखा जाता है, सहरगही।

सहरोशाम (سحروشام) अ. फा. पुं.—सुब्ह और शाम, सवेरे और संध्या के समय।

सहाइफ़ (صحائف) अ. पुं.—'सहीफ़:' का बहु.; पुस्तकें, ग्रंथ; आकाश से उतरी हुई पुस्तकें, धर्मग्रंथ।

सहाब: (صحابہ) अ. पुं.—मित्रता करना; मित्रगण।

सहाबत (صحابت) अ. स्त्री.—मित्रता करना; सहायता करना।

सहारा (صحارا) अ. पुं.—'सह्रा' का बहु., जंगल, बड़े-बड़े जंगल।

सहारी (صحاری) अ. पुं.—'सह्रा' का बहु., बहुत से जंगल, वन-समूह।

सहाह (صحاح) अ. वि.—स्वस्थ, तनदुरुस्त; निर्दोष, बेऐब, (स्त्री.) स्वास्थ्य, तनदुरुस्ती; पवित्रता, पाकी।

सही (سہی) फा. वि.—सरल, सीधा, जो लंबाई में सीधा हो; सर्व का सीधा पेड़, यह शब्द अकेला सीधे के अर्थ में बोला नहीं जाता, दूसरे शब्द से मिलकर बोला जाता है जैसे—'सहीक़द' या 'सर्वेसही'।

सहीक़: (سحیقہ) अ. पुं.—पिसी हुई चीज़, चूर्ण, सुफ़ूफ़।

सहीक़ (سحیق) अ. वि.—पिसा हुआ, चूर्णित, चूर्ण, सफ़ूफ़।

सहीक़द (سہی قد) फा. वि.—सीधे और लंबे आकार का।

सहीक़ामत (سہی قامت) फा. अ. वि.—दे. 'सहीक़द'।

सही बाला (سہی بالا) फा. वि.—दे. 'सहीक़द'।

सहीफ़: (صحیفہ) अ. पुं.—पुस्तक, किताब; धर्मग्रंथ, मज़हबी किताब।

सहीफ़ए आस्मानी (صحیفۂ آسمانی) अ. फा. पुं.—आस्मान से उतरी हुई किताब जो किसी पैग़ंबर पर उतरी हो।

बुर्दबार, शांतिप्रिय, जिसे शोरोशर या लड़ाई दंगा पसंद न हो; स्वस्थ, चंगा, तनदुरुस्त।

सलीमुत्तब्अ (سلیم الطبع) अ. वि.—जिसका स्वभाव बहुत ही शांतिप्रिय हो, सौम्य।

सलीमुलमिज़ाज (سلیم المزاج) अ.वि.—दे. 'सलीमुत्तब्अ'।

सलीस (سلیس) अ. वि.—नर्म, कोमल, मृदुल; सरल, सुगम, आसान; सुबोध, आमफ़ह्म, बालबोध; सभ्य, शिष्ट, तमीज़दार; वह गद्य या पद्य जो बहुत ही सरल और कोमल हो, कोमल।

सल्अ: (سلعہ) अ.पुं.—बड़ा मस्सा, बतौड़ी, मांसार्बुद।

सल्ख़ (سلخ) अ. पुं.—खाल खींचना, खाल उतारना; कृष्णपक्ष की अंतिम तिथि।

सल्ज (ثلج) अ. पुं.—हिम, बर्फ़।

सल्जम (سلجم) अ. पुं.—शल्जम, एक प्रसिद्ध तरकारी।

सल्जूक़ (سلجوق) तु. पुं.—एक व्यक्ति जिससे सल्जूक़ी वंश चला है, इसी की चौथी पुश्त में तुग़्रुल बेग सल्जूक़ नाम का शासक हुआ है।

सल्जूक़ी (سلجوقی) तु. पुं.—सल्जूक़ का वंशज।

सल्तनत (سلطنت) अ. स्त्री.—राज्य, राष्ट्र, मुल्क; शासन, सत्ता, हुकूमत।

सल्तनते जम्हूरी (سلطنت جمہوری) अ. स्त्री.—जनता का राज, गणतंत्र, जनतंत्र।

सल्तनते शख़्सी (سلطنت شخصی) अ. फ़ा. स्त्री.—व्यक्तिगत राज्य, साम्राज्य।

सल्ब (سلب) अ. पुं.—निवारण, दफ़ीअ:; विनाश, घातिमा; छीन लेना, ज़ब्त कर लेना।

सल्बे मरज़ (سلب مرض) अ.पुं.—किसी के रोग को आत्मशक्ति द्वारा नष्ट कर देना।

सल्म (سلم) अ. स्त्री.—बच्चों के लिखने की तख़्ती, पाटी, पट्टिका, दे. 'सिल्म', दोनों शुद्ध हैं।

सल्मान (سلمان) अ.पुं.—पैग़ंबर साहब के एक सहाबी, सल्मान फ़ारिसी; ईरान का एक शाइर, सल्मान सावजी।

सल्लाख़ (سلاخ) अ. पुं.—खाल उतारनेवाला; जल्लाद, फाँसी देनेवाला, (देखो 'सल्लाख़ी')।

सल्लाख़ी (سلاخی) अ. स्त्री.—खाल उतारना, पुराने ज़माने में एक सज़ा यह भी थी कि ज़िंदा आदमी की खाल उतार दी जाती थी और इस तरह वह बड़े कष्ट से मारा जाता था, यह काम सल्लाख़ी कहलाता था।

सल्वा (سلوی) अ. स्त्री.—बटेर, एक पक्षी, वर्तक, चना।

सल्सबील (سلسبیل) अ. स्त्री.—स्वर्ग का एक चश्मा; नर्म और मुलायम चीज़; मदिरा, शराब।

सल्साल (صلصال) अ. स्त्री.—कच्ची और सूखी मिट्टी, जिससे हज़रत आदम की सृष्टि हुई।

सवा (سوا) अ. वि.—समता, बराबरी; समान, बराबर।

सवाइक़ (صواعق) अ. पुं.—'साइक़:' का बहु., बादल से ज़मीन पर गिरनेवाली बिजलियाँ।

सवाकिन (سواکن) अ. पुं.—'साकिन:' का बहु., निवासी लोग, रहनेवाले।

सवाक़िब (ثواقب) अ. पुं.—'साक़िब' का बहु., रौशनीदार चीज़ें।

सवातेअ (سواطع) अ. पुं.—'सातिअ:' का बहु., ऊँचे स्थान।

सवाद (سواد) अ. पुं.—कालिमा, सियाही; काली बिंदी जो हृदय पर होती है; आस-पास की भूमि, हवाली; प्रतिभा, जहानत।

सवादे आ'ज़म (سواد اعظم) अ. पुं.—बड़ा नगर, बड़ी बस्ती।

सवादे कुफ़्र (سواد کفر) अ.पुं.—नास्तिकों की बस्ती; नास्तिकता का वातावरण।

सवानिहे उम्र (سوانح عمر) अ.पुं.—दे. 'सवानिहे हयात'।

सवानिहे हयात (سوانح حیات) अ. पुं.—जीवनी, जीवनचरित, किसी के जीवन का सविस्तर लेख।

सवानेह (سوانح) अ. पुं.—'सानिह:' का बहु.; घटनाएँ, वाक़िआत; दुर्घटनाएँ, हादिसात।

सवानेहनवीस (سوانح نویس) अ. फ़ा. वि.—समाचारलेखक, वाक़िअ:निगार; इतिहासकार; जीवनी-लेखक।

सवानेहनवीसी (سوانح نویسی) अ. फ़ा. स्त्री.—समाचार लिखना; इतिहास लिखना; जीवनी लिखना।

सवानेहनिगार (سوانح نگار) अ. फ़ा. वि.—दे. 'सवानेहनवीस'

सवानेहनिगारी (سوانح نگاری) अ. फ़ा. स्त्री.—दे. 'सवानेहनवीसी'।

सवाब (صواب) अ. वि.—यथार्थ, ठीक, दुरुस्त; उत्तम, श्रेष्ठ, उम्दः; वास्तविकता, हक़ीक़त।

सवाब (ثواب) अ.पु.—वह फल जो किसी सत्कर्म करने पर परलोक में मिले, पुण्य।

सवाबअंदेश (صواب اندیش) अ.फ़ा. वि.—ठीक-ठीक सोचनेवाला, अच्छी राय देनेवाला; शुभचिंतक, ख़ैरख़्वाह।

सवाबदीद (صواب دید) अ. फ़ा. स्त्री.—सलाह, मश्वर:; अच्छी राय, अच्छी तदबीर।

सवाबिक़ (سوابق) अ.पुं.—'साबिक़:' का बहु., पहलेवाले, गुज़रे हुए।

सवाबित (ثوابت) अ. पुं.—'साबित' का बहु., वे तारे जो गतिशील न हों, ठहरे हुए तारे, उडुगण।

सवाबितो सैयार (ثوابت وسیار) अ. पुं.–गतिमान् और अचल सब प्रकार के तारे।

सवामे' (سوامع) अ. पुं.–'सामिअः' का बहु., सुनने की शक्तियाँ; सुननेवाले लोग।

सवार (سوار) फा. वि.–जो किसी सवारी पर बैठा हुआ हो, आरूढ़; अश्वारोही, घुड़सवार।

सवारिक़ (سوارق) अ. पुं.–'सारिक़' का बहु., चोर लोग।

सवारिम (صوارم) अ. पुं.–'सारिमः' का बहु., धारदार तलवारें।

सवाल (سوال) अ. पुं.–शुद्ध उच्चारण 'सुआल' है, परंतु उर्दू में 'सवाल' ही बोलते हैं; प्रश्न पूछना; प्रार्थना, इल्तिजा; इच्छा, आकांक्षा, आर्जू; भीख की प्रार्थना; प्रार्थनापत्र, अर्जी।

सवालख्वानी (سوال خوانی) अ. फा. स्त्री.–अदालत में आम अर्ज़ियाँ लेने की पुकार।

सवालनामः (سوال نامہ) अ. फा. पुं.–प्रश्नावलीपत्र, वह पर्चा जिसमें किसी सभा आदि में पूछने के सवाल लिखे हों।

सवालात (سوالات) अ. पुं.–'सवाल' का बहु., बहुत से सवाल, प्रश्नावली।

सवालिफ़ (سوالف) अ. पुं.–'सालिफ़ः' का बहु., गुज़रे हुए लोग, पूर्वज।

सवाली (سوالی) अ. वि.–याचक, माँगनेवाला; भिक्षुक, भिखमंगा।

सवाले वस्ल (سوال وصل) अ. पुं.–नायक की ओर से नायिका से मिलने की इच्छा का इज़हार।

सवालोजवाब (سوال و جواب) अ. पुं.–प्रश्न और उसका उत्तर, प्रश्नोत्तर; वाद-विवाद, कथनोपकथन, बह्स।

सवाहिल (سواحل) अ. पुं.–'साहिल' का बहु., बंदरगाहें, समुद्रतट।

सहरः (سحرہ) अ. पुं.–'साहिर' का बहु., जादूगर लोग।

सहर (سحر) अ. स्त्री.–प्रातःकाल, प्रात, प्रभात, भोर, तड़का; सहरी, सहरगही।

सहर (سہر) अ. स्त्री.–जागरण, जागना; जाग्रति, बेदारी, जागर्ति।

सहरख़ंद (سحر خند) अ.फा. वि.–ऐसी मुस्कुराहट जिसमें दाँत खुल जायँ; इतना उज्ज्वल जो प्रभात की सफ़ेदी पर हँसे।

सहरख़ेज़ (سحر خیز) अ. फा. वि.–बहुत तड़के उठने का अभ्यस्त, तड़के सोकर उठनेवाला।

सहरख़ेज़ी (سحر خیزی) अ. फा. स्त्री.–तड़के उठने का अभ्यास, सोकर तड़के उठना।

सहरगह (سحرگہ) अ. फा. स्त्री.–'सहरगाह' का लघु., दे. 'सहरगाह'।

सहरगही (سحرگہی) अ. फा. स्त्री.–'सहरगाही' का लघु., दे. 'सहरगाही'; रोज़ों के दिनों में पिछली रात का खाना।

सहरगाह (سحرگاہ) अ. फा. स्त्री.–बहुत तड़के, गजरदम, प्रातःकाल, गोविसर्ग, उषःकाल।

सहरगाहाँ (سحرگاہاں) अ. फा. स्त्री.–दे. 'सहरगाह'।

सहरगाही (سحرگاہی) अ. फा. स्त्री.–सवेरे तड़के की, प्रातःकाल का; प्रातःकाल सम्बन्धी।

सहरदम (سحردم) अ. फा. पुं.–सवेरे-सवेरे, बहुत तड़के, गजरदम।

सहरी (سحری) अ. वि.–प्रातःकाल का; रमज़ान के दिनों में कुछ रात रहे का खाना, जिसे खाकर रोज़ा रखा जाता है, सहरगही।

सहरोशाम (سحروشام) अ. फा. पुं.–सुब्ह और शाम, सवेरे और संध्या के समय।

सहाइफ़ (صحائف) अ. पुं.–'सहीफ़ः' का बहु.; पुस्तकें, ग्रंथ; आकाश से उतरी हुई पुस्तकें, धर्मग्रंथ।

सहाबः (صحابہ) अ. पुं.–मित्रता करना; मित्रगण।

सहाबत (صحابت) अ. स्त्री.–मित्रता करना; सहायता करना।

सहारा (صحارا) अ. पुं.–'सह्रा' का बहु., जंगल, बड़े-बड़े जंगल।

सहारी (صحاری) अ. पुं.–'सह्रा' का बहु., बहुत से जंगल, वन-समूह।

सहाह (صحاح) अ. वि.–स्वस्थ, तनदुरुस्त; निर्दोष, बेऐब, (स्त्री.) स्वास्थ्य, तनदुरुस्ती; पवित्रता, पाकी।

सही (سہی) फा. वि.–सरल, सीधा, जो लंबाई में सीधा हो; सर्व का सीधा पेड़, यह शब्द अकेला सीधे के अर्थ में बोला नहीं जाता, दूसरे शब्द से मिलकर बोला जाता है जैसे–'सहीक़द' या 'सर्वेसही'।

सहीक़ः (سحیقہ) अ. पुं.–पिसी हुई चीज़, चूर्ण, सुफ़ूफ़।

सहीक़ (سحیق) अ. वि.–पिसा हुआ, चूर्णित, चूर्ण, सफ़ूफ़।

सहीक़द (سہی قد) फा. वि.–सीधे और लंबे आकार का।

सहीक़ामत (سہی قامت) फा. अ. वि.–दे. 'सहीक़द'।

सही बाला (سہی بالا) फा. वि.–दे. 'सहीक़द'।

सहीफ़ः (صحیفہ) अ. पुं.–पुस्तक, किताब; धर्मग्रंथ, मज़हबी किताब।

सहीफ़ए आस्मानी (صحیفہ آسمانی) अ. फा. पुं.–आस्मान से उतरी हुई किताब जो किसी पैग़ंबर पर उतरी हो।

सहीम (سہیم) अ. वि.—भागीदार, हिस्सेदार।

सहीह (صحیح) अ. वि.—सत्य, सच; यथार्थ, ठीक; निर्दोष, बेऐब; स्वस्थ, चंगा; पूर्ण, पूरा; साबित, समूचा; (पुं.) वे अरबी अक्षर जो 'अलिफ़', 'वाव' और 'ये' के अतिरिक्त हैं।

सहीहुज़्ज़ेहन (صحیح الذہن) अ. वि.—जिसका ज़ेहन ठीक हो; जिसकी बुद्धि ठीक हो; जिसके विचार ठीक हों।

सहीहुद्दिमाग़ (صحیح الدماغ) अ. वि.—जिसका मस्तिष्क ठीक हो, जिसकी अक़्ल ठीक काम करती हो, जो पागल न हो।

सहीहुन्नसब (صحیح النسب) अ. वि.—जिसका वंश निर्मल हो, शुद्धरक्त (मनुष्य)।

सहीहुन्नस्ल (صحیح النسل) अ. वि.—जो अच्छे वंश का हो, जिसकी जाति अच्छी हो (पशु)।

सहीहुन्नुत्फ़ः (صحیح النطفہ) अ. वि.—दे. 'सहीहुन्नसब'।

सहीहुर्राय (صحیح الراے) अ. वि.—जिसकी राय ठीक होती हो, बुद्धिमान्।

सहीहुल्अक़्ल (صحیح العقل) अ. वि.—जिसमें बुद्धिदोष न हो, शुद्धबुद्धि।

सहीहुल्फ़ह्म (صحیح الفہم) अ. वि.—जो बात को जल्द समझता हो, प्रमाता।

सहीहुलमिज़ाज (صحیح المزاج) अ. वि.—स्वस्थ, नीरोग, तनदुरुस्त; शुद्धात्मा, नेकतब्अ।

सहीहुश्शुऊर (صحیح الشعور) अ. वि.—जिसकी विवेचन-शक्ति शुद्ध हो।

सहीहोसालिम (صحیح و سالم) अ. वि.—सुरक्षित, महफ़ूज़; स्वस्थ, तंदुरुस्त; जीवित, ज़िंदा।

सहूर (سحور) अ. स्त्री.—सहरी, सहरगही, रोज़े के दिनों में सवेरे का खाना जिसके बाद रोज़ः होता है।

सह़्क़ (سحق) अ. पुं.—रगड़ना, पीसना; स्त्रियों का परस्पर चपटी लड़ाना।

सह़्ज (سحج) अ. स्त्री.—मरोड़, आँव, आँतों की मिलन।

सह़्न (صحن) अ. पुं.—अजिर, आँगन, अँगनाई; एक रेशमी कपड़ा।

सह़्नक (صحنک) फ़ा. स्त्री.—छोटा तबाक़; रिकाबी, तश्तरी; हज़रत फ़ातिमा की नियाज़ का खाना।

सह़्नची (صحنچی) फ़ा. स्त्री.—दालान के अगल-बग़ल की कोठरियाँ।

सह़्ने चमन (صحن چمن) अ. फ़ा. पुं.—बाग़ के भीतर का सरसब्ज़ तख़्ता।

सह़्ने बाग़ (صحن باغ) अ. फ़ा. पुं.—दे. 'सह़्ने चमन'।

सह़्ने बुस्ताँ (صحن بستاں) अ. फ़ा. पुं.—दे. 'सह़्ने चमन'।

सह़्ने मकाँ (صحن مکاں) अ. पुं.—घर का आँगन, अजिर, अंगण।

सह़्ने लामकाँ (صحن لامکاں) अ. पुं.—अंतरिक्ष, ख़ला।

सह़्ब (صحب) अ. पुं.—'साहिब' का बहु., मित्रगण, दोस्त।

सह़्बा (صہبا) अ. स्त्री.—मदिरा; मद्य, शराब, लाल रंग की शराब।

सह़्बाई (صہبائی) अ. फ़ा. वि.—मद्यप, सुराशा, शराबी।

सह़्बान (سحبان) अ. पुं.—अरब का एक बहुत बड़ा शाइर।

सह़्म (سہم) अ. पुं.—कमान से छूटा हुआ तीर; भाग, अंश, हिस्सा।

सह़्म (سہم) फ़ा. पुं.—भय, त्रास, डर, ख़ौफ़।

सह़्मगीं (سہمگیں) फ़ा. वि.—भयभीत, त्रस्त, डरा हुआ, ख़ौफ़ज़दः।

सह़्मनाक (سہمناک) फ़ा. वि.—भयंकर, भयानक, डरावना; भयभीत, ख़ौफ़ज़दः।

सह़्मुलग़ैब (سہم الغیب) अ. पुं.—जन्मपत्री में भाग्य के शुभ ग्रहों का योग।

सह़्मुलमौत (سہم الموت) अ. पुं.—मौत का तीर, बाण-रूपी मृत्यु, मृत्युरूपी बाण।

सह़्रा (صحرا) अ. पुं.—कानन, अरण्य, वन, जंगल; चटयल मैदान, बियाबान।

सह़्राई (صحرائی) अ. फ़ा. वि.—जंगली, जंगल का; जंगल सम्बन्धी; असभ्य, उजड्ड, हूश।

सह़्राए आ'ज़म (صحراے اعظم) अ. पुं.—अफ़्रीका का रेतीला मैदान जो दुनिया में सबसे बड़ा जंगल है।

सह़्राए क़ियामत (صحراے قیامت) अ. पुं.—क़ियामत का मैदान जिसमें सारे मुर्दे एकत्र होंगे।

सह़्राए मह्शर (صحراے محشر) अ. पुं.—दे. 'सह़्राए क़ियामत'।

सह़्राए लक़्क़ोदक़ (صحراے لق و دق) अ. पुं.—चटयल मैदान, जिसमें न वृक्ष हों न पानी।

सह़्रागर्द (صحراگرد) अ.फ़ा.वि.—जंगलों-जंगलों मारा फिरनेवाला, वनचर, काननचारी।

सह़्रागर्दी (صحراگردی) अ.फ़ा. स्त्री.—जंगलों में मारा-मारा फिरना।

सह़्रानवर्द (صحرانورد) अ. फ़ा. वि.—जंगलों की छानबीन करनेवाला, जंगलों के ज़ख़ीरे खोजनेवाला; दे. 'स.गर्द'।

सह़्रानवर्दी (صحرانوردی) अ.फ़ा. स्त्री.—जंगलों में छानबीन करना; जंगलों-जंगलों मारा फिरना।

सह़्रानशीं (صحرانشیں) अ.फ़ा. वि.—जंगल में रहनेवाला, जंगल का निवासी।

सह्रानशीनी (صحرانشینی) अ. फा. स्त्री.–जंगल में रहन-सहन करना, जंगल में रहना।

सह्रानियोश (صحرانیوش) अ. फा. वि.–दे. 'सह्रागर्द'।

सह्लंगार (سہل انگار) अ. फा. वि.–सुगमता ढूंढ़नेवाला, आलसी, काहिल, सुस्त।

सह्लंगारी (سہل انگاری) अ. फा. स्त्री.–सुगमता ढूंढ़ना, आलस, काहिली।

सह्ल (سہل) अ. वि.–सरस, सुगम, सहज, आसान।

सह्लअंगार (سہل انگار) अ. फा. वि.–दे. 'सह्लंगार'।

सह्लअंगारी (سہل انگاری) अ. फा. स्त्री.–दे. 'सह्लंगारी'।

सह्लुलअमल (سہل العمل) अ. वि.–वह काम जो सुगमता-पूर्वक हो जाय, सुसाध्य, सुखसाध्य।

सह्लुलवुसूल (سہل الوصول) अ. वि.–जो सहज में वुसूल हो जाय।

सह्लुलहुसूल (سہل الحصول) अ. वि.–जो सुगमतापूर्वक प्राप्त हो जाय।

सह्ले मुम्तना (سہل ممتنع) अ. वि.–ऐसा शे'र जो बहुत सरल जान पड़े परंतु वैसा कहना असंभव हो।

सह्व (صحو) अ. पुं.–सचेष्टता, होशयारी।

सह्व (سہو) अ. पुं.–विस्मरण, प्रमाद, भूल; त्रुटि, भ्रांति, ग़लती।

सह्वन (سہواً) अ. वि.–विस्मृतिवश, भूल में; अज्ञानतः, अनजान में।

सह्वे क़लम (سہو قلم) अ. पुं.–क़लम से कुछ का कुछ लिख जाना, लेखनी-भ्रम।

सह्वे किताबत (سہو کتابت) अ. पुं.–लिखने की त्रुटि, भूल में कुछ का कुछ लिख जाना।

सह्वे सज्दः (سہو سجدہ) अ. पुं.–नमाज़ में यह याद न रहना कि एक सज्दः किया है या दो।

सह्हास (سہام) अ. वि.–तीरंदाज़, धनुर्धारी।

सा

सां (ساں) फा. वि.–समान, तुल्य, मिस्ल।

सा (سا) फा. वि.–समान, मानिंद, (प्रत्य.) घिसनेवाला, जैसे 'जबींसा' माथा रगड़नेवाला।

साअः (ساعہ) अ. पुं.–दे. 'साअत'; घड़ी।

साअ (صاع) अ. पुं.–नीची ज़मीन; २ सेर १४ छटाँक और ४ तोले का वज़न।

साअत (ساعت) अ. स्त्री.–ढाई घड़ी का समय, एक घंटा; मुहूर्त, अच्छी या बुरी घड़ी; क्षण, लम्हा; समय, वक़्त; क़ियामत का दिन।

साअते उमूमी (ساعت عمومی) अ. स्त्री.–घंटाघर।

साअते नह्स (ساعت نحس) अ. स्त्री.–बुरी घड़ी, अशुभ मुहूर्त, जिसमें कोई काम करना उचित न हो।

साअते नेक (ساعت نیک) अ. फा. स्त्री.–अच्छी घड़ी, शुभ मुहूर्त, जिसमें कोई काम करना लाभकर हो।

साअते बद (ساعت بد) अ. फा. स्त्री.–दे. 'साअते नह्स'।

साअते मज्लिसी (ساعت مجلسی) अ. स्त्री.–दीवार की घड़ी, क्लाक।

साअते मन्हूस (ساعت منحوس) अ. स्त्री.–दे. 'साअते नह्स'।

साअते संगीं (ساعت سنگیں) अ. फा. स्त्री.–कठिन वक़्त, आपत्ति-काल, मुसीबत का समय।

साअते सईद (ساعت سعید) अ. स्त्री.–दे. 'साअते नेक'।

साआत (ساعات) अ. स्त्री.–'साअत' का बहु., मुहूरतें; घड़ियाँ, क्षण।

साइंदः (سایندہ) फा. वि.–घिसनेवाला, रगड़नेवाला, पीसनेवाला, घर्षक।

साइक़ः (صاعقہ) अ. स्त्री.–गिरनेवाली बिजली; तड़ित, विद्युत्, बिजली।

साइक़:अफ़्गन (صاعقہ افگن) अ. फा. वि.–बिजलियाँ गिरानेवाला (वाली), वह दृष्टि जो बिजलियाँ गिराये।

साइक़:ज़ा (صاعقہ زا) अ. फा. वि.–बिजलियाँ पैदा करने-वाला (वाली), वह दृष्टि जिससे बिजलियाँ पैदा हों।

साइक़:फ़िगन (صاعقہ فگن) अ. फा. वि.–दे. 'साइक़:अफ़्गन'।

साइक़:बार (صاعقہ بار) अ. फा. वि.–बिजलियाँ बरसाने वाला (वाली), वह दृष्टि जो बिजलियों की बारिश करे।

साइक़ (سائق) अ. वि.–अंधे को पीछे से सहारा देकर आगे बढ़ानेवाला, जैसा कि 'क़ाइद' अंधे को आगे से सहारा देता है।

साइग़ (صائغ) अ. वि.–स्वर्णकार, सुनार।

साइद (ساعد) अ. पुं.–पहुँचा, कलाई।

साइद (صاعد) अ. वि.–ऊपर चढ़नेवाला।

साइब (صائب) अ. वि.–पहुँचनेवाला, रसा; शुद्ध, सही।

साइबान (سائبان) फा. पुं.–मकान का छज्जा, छाजन; छप्पर आदि जो धूप की आड़ को हो।

साइबुर्राय (صائب الرائے) अ. वि.–जिसकी राय बहुत ठोस और शुद्ध हो।

साइबुलअक़्ल (صائب العقل) अ. वि.–जिसकी बुद्धि ठीक सोचती हो।

साइमः (صائمہ) अ. स्त्री.–रोज़:दार स्त्री, वह स्त्री जो रोज़े से हो।

साइम (صائم) अ. पुं.–रोज़:दार मर्द, रोजा रखनेवाला, व्रती।

साइमुद्दह्र (صائم الدھر) अ. पुं.–हमेशा रोजा रखनेवाला, नित्यव्रती।

साइमुल्लैल (صائم اللیل) अ. पुं.–रात का रोज: रखनेवाला।

साइर: (سائرہ) अ. स्त्री.–घूमने-फिरनेवाली।

साइर (سائر) अ. वि.–घूमने-फिरने वाला; सब, तमाम; शेष, बाक़ी; चुंगी का महसूल।

साइल: (سائلہ) अ. स्त्री.–माँगनेवाली, भिखारिन; सवाल करनेवाली।

साइल (سائل) अ. पुं.–सवाल करनेवाला, पूछनेवाला; भिक्षुक, भिखमंगा; प्रार्थी, दरख्वास्त देनेवाला; उम्मीदवार, आसरा लगानेवाला।

साइल बकफ़ (سائل بہ کف) अ. फा. वि.–हाथ में माँगनेवाला, जिसके पास माँगने का बर्तन न हो, केवल हाथ हों।

साइस (سائس) अ. पुं.–सईस, घोड़े का रखवाला।

साई (ساعی) अ. वि.–कोशिश करनेवाला, प्रयत्नशील।

साइद: (سائیدہ) फा. वि.–पिसा हुआ, चूर्णित।

साईदनी (سائیدنی) फा. वि.–पीसने के लायक़।

साए (سائے) फा. प्रत्य.–दे. 'सा'।

साएबान (سائبان) फा. पुं.–दे. 'साइबान'।

साक़: (ساقہ) अ. पुं.–सेना का वह भाग जो पीछे रहता है, चिंदावुल।

साक़ (ساق) अ. स्त्री.–पिंडली।

साक़िए कमनिगाह (ساقئ کم نگاہ) अ. फा. पुं.–वह साक़ी जो पीनेवालों की ओर ध्यान न दे।

साक़िए कौसर (ساقئ کوثر) अ. पुं.–कौसर की शराब पिलानेवाला साक़ी, अर्थात् हज़रत मुहम्मद।

साक़िए दर्यादिल (ساقئ دریادل) अ.फा. पुं.–जो खूबदिल खोलकर पिलाये।

साक़िए महशर (ساقئ محشر) अ. पुं.–क़ियामत के दिन बिहिश्त की शराब पिलानेवाला, पैग़बर साहब।

साक़ित (ساقط) अ. वि.–गिरनेवाला, जाता रहनेवाला; गिरा हुआ, त्यागा हुआ।

साकित (ساکت) अ. वि.–मौन, चुप, खामोश; गतिहीन, निश्चल, बे हरकत।

साक़ितुलएतिबार (ساقط الاعتبار) अ. वि.–जिसका विश्वास उठ गया हो; अविश्वासी।

साक़ितुलमिल्कियत (ساقط الملکیت) अ. स्त्री.–जिस पर अधिकार न रहे।

साकितोसामित (ساکت و صامت) अ. वि.–जो न बोले न हिले-डुले, जड़वत्, निस्तब्ध।

साकिन (ساکن) अ. वि.–स्थिर, ठहरा हुआ, जिसमें हरकत न हो; निवासी, रहनेवाला, बाशिंद:; किसी शब्द का वह अक्षर जो हल् हो।

साकिनुलअव्वल (ساکن الاول) अ. वि.–वह शब्द जिसका पहला अक्षर हल् हो, अरबी या फ़ार्सी में ऐसा शब्द नहीं होता।

साकिनुलआख़िर (ساکن الآخر) अ. वि.–वह शब्द जिसका अंतिम अक्षर हल् हो, हलंत।

साकिनुलऔसत (ساکن الاوسط) अ. वि.–वह शब्द जिसका बीचवाला अक्षर हल् हो।

साक़िब (ثاقب) अ. पुं.–चमकनेवाला, प्रकाशमान; एक दर्द जिसमें ऐसा कष्ट होता है जैसे कोई शरीर में छेद कर रहा हो।

साक़िय: (ساقیہ) अ. स्त्री.–शराब पिलानेवाली स्त्री; छोटी नदी; रहट।

साक़िया (ساقیا) अ. फा. पुं.–ऐ साक़ी।

साक़ी (ساقی) अ. वि.–शराब पिलानेवाला।

साक़े बिल्लूरीं (ساق بلوریں) अ. फा. स्त्री.–बिल्लूर-जैसी सफ़ेद और उज्ज्वल पिंडलियाँ।

साक़े सीमीं (ساق سیمیں) अ. फा. स्त्री.–चाँदी-जैसी सफ़ेद और चमकदार पिंडलियाँ।

साक़ैन (ساقین) अ. स्त्री.–दोनों पिंडलियाँ।

साख़्त: (ساختہ) फा. वि.–बनाया हुआ, निर्मित; कृत्रिम, मसनूई; कूट, नक़ली, जाली।

साख़्त: परदाख़्त: (ساختہ پرداختہ) फा. वि.–बनाया-सँवारा; पाला-पोसा; किया-कराया।

साख़्तरू (ساختہ رو) फा. वि.–लज्जा से मुँह बनाये हुए; मुँह को पौडर और लिपिस्टिक आदि से सँवारे हुए।

साख़्त (ساخت) फा. स्त्री.–बनावट, गढ़ंत; कृत्रिमता, मसनूईपन; काट, तराश; मिष, बहाना।

साख़्तगी (ساختگی) फा. स्त्री.–बनावट।

साग़र (ساغر) फा. पुं.–शराब का प्याला, चषक, पानपात्र।

साग़रकश (ساغرکش) फा. वि.–मद्यप, शराबी।

साग़रनोश (ساغرنوش) फा. वि.–दे. 'साग़रकश'।

साग़रपैमा (ساغرپیما) फा. वि.–दे. साग़रकश'।

साग़र बकफ़ (ساغر بہ کف) फा. वि.–हाथ में शराब का पैमाना लिये हुए।

साग़र बदस्त (ساغر بدست) फा. वि.–दे. 'साग़र बकफ़'।

साग़री (ساغری) तु. स्त्री.–गुदा, मलद्वार, मक़्अद।

साग़रे मै (ساغر مے) फा. पुं.—शराब का प्याला, पानपात्र।

साग़रे सरशार (ساغر سرشار) फा. पुं.—शराब से लबालब प्याला, मुँह तक भरा हुआ प्याला।

साचक़ (ساچق) तु. स्त्री.—ब्याह से एक दिन पहले की रस्म जिसमें दूल्हा के घर से बरी का सामान मेंहदी, सुहाग पुड़ा, तेल-इत्र, मेवा-मिस्री आदि कुछ आदमियों के साथ दुल्हन के घर जाता है। (इस शब्द का शुद्ध रूप 'साचिक़' है।)

साचिक़ (ساچق) तु. स्त्री.—'साचक़' का शुद्ध रूप, परंतु उर्दू में 'साचक़' ही बोलते हैं।

साचम़: (ساچمہ) तु. पुं.—छर्रे की थैली, मोटे छर्रों या पैसों की थैली जो तोप में छुड़ाई जाती है, जिससे एक साथ बहुत से लोग मरते हैं।

साज (ساج) अ. पुं.—साखू का पेड़, साल।

साज़ (ساز) फा. पुं.—उपकरण, सामान; प्रबंध, इंतिज़ाम; बाजा, वाद्य; मेल-जोल, रब्त-ज़ब्त; अनुकूलता, मुआफ़क़त; घोड़े का सामान, जैसे ज़ीन, लगाम, काठी आदि (प्रत्य.)।

साज़गर (سازگر) फा. वि.—बाजा बनानेवाला, वाद्यकार।

साज़गरी (سازگری) फा. स्त्री.—बाजे बनाने का काम, वाद्यकर्म।

साज़गार (سازگار) फा. वि.—अनुकूल, मुआफ़िक़; शुभान्वित, मुबारक; जो बात रास आ जाय।

साज़गारी (سازگاری) फा. स्त्री.—अनुकूलता, मुआफ़क़त; शुभकारिता, कल्याण; किसी बात का रास आ जाना।

साजज (ساجج) अ. वि.—सामान्य, सादा; एक दवा, तेजपात।

साज़बाज़ (سازباز) अ. स्त्री.—गठजोड़, साज़िश; किसी ग़लत काम के लिए कुछ लोगों का मतैक्य।

साज़मंद (سازمند) फा. वि.—सुसज्जित, आरास्ता; अनुकूल, साज़गार।

साज़मंदी (سازمندی) फा. स्त्री.—सुसज्जा, सजावट; अनुकूलता, साज़गारी।

साज़िंद: (سازندہ) फा. वि.—साज़ बजानेवाला वादक, तंत्री; नाच में सारंगी बजानेवाला।

साज़िंदगी (سازندگی) फा. स्त्री.—साज़ बजाने का काम, वादकर्म; नाच में सारंगी बजाना।

साजिद (ساجد) अ. वि.—सज्द: करनेवाला, ईश्वर के आगे झुकनेवाला।

साज़िश (سازش) फा. स्त्री.—किसी को हानि पहुँचाने या अवैधानिक रूप में किसी से कुछ प्राप्त करने के लिए कुछ लोगों का गुप्त रूप में गठजोड़, षड्यंत्र, कुचक्र।

साज़िशकुनिंद: (سازش کنندہ) फा. वि.—षड्यंत्री, कुचक्री, साज़िशी।

साज़िशी (سازشی) फा. वि.—चक्रांतकारी, कुचक्री, षड्यंत्री, साज़िश करनेवाला।

साज़े ऐश (ساز عیش) फा. अ. पुं.—भोग-विलास का सामान; खुशी के शादयाने।

साज़े सफ़र (ساز سفر) फा. अ. पुं.—सफ़र में साथ जाने का ज़रूरी सामान, यात्रोपकरण।

साज़ो बर्ग (سازو برگ) फा. पुं.—दे. 'साज़ो सामान'; धन-दौलत।

साज़ो सामान (سازو سامان) फा. पुं.—उपकरण, सामान; किसी काम की ज़रूरी सामग्री; सामान के तैयारी।

सा'तर (صعتر) अ. स्त्री.—एक घास जो दवा में काम आती है।

सा'तरबाज़ (صعتر باز) अ. फा. स्त्री.—चपटी लड़ानेवाली स्त्री।

सातरी (سعتری) अ. फा. स्त्री.—चपटी लड़ानेवाली स्त्री।

सातिर (ساتر) अ. वि.—छिपानेवाला, गोपक।

सातूर (ساطور) अ. पुं.—बड़ी और धारदार छुरी।

साते' (ساطع) अ. वि.—उत्तुंग, ऊँचा, बलंद; उज्ज्वल, धवल, शफ़्फ़ाफ़; दीप्त, रौशन।

सातगीं (ساتگیں) तु. पुं.—प्रेयसी, नायिका, माशूक़; शराब का प्याला, पानपात्र, चषक।

साद: (سادہ) फा. वि.—कोरा, बेदाग़; भोला-भाला, सीधा; बेडाढ़ी मूँछ का; निर्मल, ख़ालिस; निश्छल, साफ़ दिल; मूर्ख, बेवक़ूफ़; बे लिखा काग़ज़, या बिना काम बना हुआ कपड़ा आदि।

साद:कार (سادہ کار) फा. वि.—सादा और हलका काम बनानेवाला; वह सुनार जो ज़ेवरों पर बहुत अच्छा काम बनाये।

साद:कारी (سادہ کاری) फा. स्त्री.—साद:कार का काम, ज़ेवरों पर बहुत सबुक और बारीक काम बनाना।

साद:तब्अ (سادہ طبع) फा. अ. वि.—भोला-भाला, सीधा-सादा, सरलस्वभाव।

साद:तब्ई (سادہ طبعی) फा. अ. स्त्री.—भोला-भाला पन, सीधा-सादापन।

साद:तौर (سادہ طور) फा. अ. वि.—सीधे-सादे आचरण-वाला, जिसमें टीपटाप न हो।

साद:दिल (سادہ دل) फा. वि.—निश्छल, निष्कपट, साफ़ दिलवाला; भोला-भाला; बुद्धू, मूर्ख।

साद:दिली (سادہ دلی) फा. स्त्री.—निश्छलता, साफ़-दिली; भोला-भालापन; बुद्धूपन।

साद:पुरकार (سادہ پرکار) फा. वि.—जो देखने में सीधा-सादा हो मगर बड़ा चतुर और छली हो।

सादःपुरकारी (سادہ پرکاری) फ़ा. स्त्री.—देखने में भोला-भाला होना, परंतु बड़ा छलो होना।
सादःमिज़ाज (سادہ مزاج) फ़ा. अ. वि.—दे. 'सादःतौर'।
सादःमिज़ाजी (سادہ مزاجی) फ़ा. अ. स्त्री.—रंचमात्र की सादगी।
सादःरुख़ (سادہ رخ) फ़ा. वि.—दे. 'सादःरू'।
सादःरू (سادہ رو) फ़ा. वि.—जिसके दाढ़ी-मूँछें न निकली हों, परंतु जवानी पर पहुँच गया हो, अंकुरितयौवन।
सादःलौह (سادہ لوح) अ. फ़ा. वि.—भोला-भोला, निश्छल; बुद्धू, मूर्ख।
सादःलौही (سادہ لوحی) फ़ा. अ. स्त्री.—भोला-भालापन; बुद्धूपन।
सादःवज़्अ (سادہ وضع) फ़ा. अ. वि.—दे. 'सादःतौर'; वेश-भूषा में टीपटाप को पसंद न करनेवाला।
सादःवज़ई (سادہ وضعی) फ़ा. अ. स्त्री.—वेश-भूषा की सादगी; मिज़ाज की सादगी।
सा'द (سعد) अ. वि.—शुभ, मुबारक; श्रेष्ठ, पुनीत, नेक; बाईसवाँ नक्षत्र, श्रवण।
साद (صاد) अ. पुं.—अरबी का चौदहवाँ अक्षर; ठीक होने पर बनाया जानेवाला चिह्न (صم); आँख।
सादगी (سادگی) फ़ा. स्त्री.—कोरापन; भोलापन; निश्छलता; बिना मूर्खता; चिह्न, चित्र या काम बना होना।
सादगीए मिज़ाज (سادگی مزاج) फ़ा. अ. स्त्री.—स्वभाव की सरलता, सीधा-सादापन।
सादात (سادات) अ. पुं.—'सादत'; श्रेष्ठ जन, बुज़ुर्ग लोग; सैयद ख़ानदान के लोग।
सादिक़ (صادق) अ. वि.—सत्यवादी, सच्चा; न्यायनिष्ठ, मुंसिफ़; स्वामिभक्त, वफ़ादार; चरितार्थ, चस्पाँ।
सादिक़ुर्राय (صادق الرائے) अ. वि.—जिसकी सलाह और राय सच्ची होती हो।
सादिक़ुलअह्द (صادق العہد) अ. वि.—जो वा'दे का पक्का हो, दृढ़प्रतिज्ञ, सत्यसंकल्प।
सादिक़ुलएतिक़ाद (صادق الاعتقاد) अ. वि.—जिसका धर्म-विश्वास अटल हो।
सादिक़ुलक़ौल (صادق القول) अ. वि.—बात का पूरा, क़ौल का पक्का, सत्यव्रत, सत्यसंगर।
सादिक़ुलवा'द (صادق الوعد) अ. वि.—दे. 'सादिक़ुल अह्द'।
सादिर (صادر) अ. वि.—न निकलनेवाला; चालू होनेवाला; जारी होनेवाला।
सादिर (سادر) अ. वि.—निस्तब्ध; चकित, शशदर; उद्विग्न, आतुर, परेशान।
सादिस (سادس) अ. वि.—छठा, छठवाँ, षष्ठ।
सा'दुस्सऊद (سعد السعود) अ. पुं.—बृहस्पति ग्रह, मुश्तरी; चौबीसवाँ नक्षत्र, शतभिषा।
सा'दे अक्बर (سعد اکبر) अ. पुं.—बृहस्पति, मुश्तरी।
सा'दे कूफ़ी (سعد کوفی) अ. पुं.—एक ओषधि, नागरमोथा, भद्रमुस्तक।
सा'दे ज़ाबेह (سعد ذابح) अ. पुं.—बाईसवाँ नक्षत्र, श्रवण।
सा'दैन (سعدین) अ. पुं.—शुक्र और बृहस्पति, ये दो ग्रह, ज़ोहुः और मुश्तरी।
सान (سان) फ़ा. पुं.—चाकू या छुरी आदि पर धार रखने का पत्थर, षाण।
सानज़दः (سان زدہ) फ़ा. वि.—सान रक्खा हुआ, षाणित।
सानवी (ثانوی) फ़ा. वि.—द्वितीय, दूसरा; दूसरे से सम्बन्धित, दूसरावाला।
सानिए क़ुद्रत (صانع قدرت) अ. पुं.—चित्रकार रूपी प्रकृति; ईश्वर, स्रष्टा।
सानिए मुत्लक़ (صانع مطلق) अ. पुं.—ईश्वर, मूलस्रष्टा, अस्ली बनानेवाला।
सानिए हक़ीक़ी (صانع حقیقی) अ. पुं.—दे. 'सानिए मुत्लक़'।
सानिहः (سانحہ) अ. पुं.—दुर्घटना, हादिसः; आपत्ति, मुसीबत; कोई बुरे समाचार, किसी के मरने आदि की ख़बर।
सानिहए इर्तिहाल (سانحۂ ارتحال) अ. पुं.—किसी के मरने की दुर्घटना।
सानियः (ثانیہ) अ. पुं.—मिनिट, १।६० घंटा; क्षण, लम्हा; दूसरी।
सानियन (ثانیاً) अ. वि.—दुबारा, पुनः; दूसरे यह कि।
सानियलहाल (ثانی الحال) अ. वि.—दूसरा वक़्त, दूसरे समय।
सानी (ثانی) अ. वि.—द्वितीय, दूसरा; अन्य, दीगर।
साने (صانع) अ. वि.—निर्माता, बनानेवाला, रचयिता, स्रष्टा; कारीगर।
साफ़ः (صافہ) अ. पुं.—पगड़ी, शिरोवेष्टन, उष्णीष।
साफ़ (صاف) अ. वि.—स्पष्ट, वाज़ेह; पवित्र, पाक; स्वच्छ, शफ़्फ़ाफ़; निर्मल, ख़ालिस; निर्दोष, बेऐब; सुगम, सरल, आसान; कोरा, बेदाग़; चिकना; सपाट।
साफ़गो (صاف گو) अ. फ़ा. वि.—लगी-लिपटी न रखनेवाला, स्पष्टवादी; मुँहफट, बेबाक।
साफ़गोई (صاف گوئی) अ. फ़ा. स्त्री.—सच्ची बात कह देना, लगी-लिपटी न रखना, दो टूक बात करना।

साफ़ज़मीर (صاف ضمیر) अ. वि.—जिसका मन साफ़ हो, जिसके अंतःकरण में पाप न हो, अंतःशुद्ध।

साफ़तब्अ (صاف طبع) अ. वि.—दे. 'साफ़ तीनत'।

साफ़तीनत (صاف طینت) अ. वि.—अंतःशुद्ध, पवित्रमनस्क, पाकबातिन।

साफ़दिल (صاف دل) अ. फा. वि.—दे. 'साफ़तीनत'; किसी की ओर से मन में द्वेष न रखनेवाला।

साफ़दिली (صاف دلی) अ. फा. स्त्री.—अंतःशुद्धि, चित्त का निर्मल और निष्पाप होना; किसी की ओर से दिल में द्वेष या वैरभाव न होना।

साफ़बयान (صاف بیان) अ. वि.—दे. 'साफ़गो'।

साफ़बयानी (صاف بیانی) अ. स्त्री.—दे. 'साफ़गोई'।

साफ़बातिन (صاف باطن) अ. वि.—शुद्ध अन्तःकरणवाला, शुद्धात्मा।

साफ़ बातिनी (صاف باطنی) अ. स्त्री.—आत्मा की शुद्धि, मन की सफ़ाई।

साफ़िए मय (صافئ مے) अ. फा. स्त्री.—शराब छानने का कपड़ा, छन्ना।

साफ़िन (صافن) अ. स्त्री.—पिंडली की एक रग।

साफ़िल (سافل) अ. वि.—निकृष्ट, नीच; नीचा, पस्त, नीचेवाला।

साफ़ी (صافی) अ. वि.—शुद्ध करनेवाला; शुद्धता, सफ़ाई; छानने का कपड़ा, छन्ना।

साफ़ी मनिश (صافی منش) अ. फा. वि.—सदाचारी, अच्छे स्वभाव और व्यवहारवाला।

साफ़ो शफ़्फ़ाफ़ (صاف و شفاف) अ. वि.—बहुत ही निर्मल और स्वच्छ; बहुत चमक-दमकवाला।

सा'ब (صعب) अ. वि.—कठिन, दुष्कर, मुश्किल; अवज्ञाकारी, सरकश, उद्दंड।

सा'बतर (صعب تر) अ. फा. वि.—अत्यंत कठिन, बहुत ही मुश्किल।

साबिक़ः (سابقہ) अ. वि.—अगलेवाली, पहली; सम्बन्ध राबितः; प्रयोजन, वासितः; पिछली जान-पहचान; काम, मुआमलः; वह अक्षर या अक्षर-समूह जो किसी शब्द के पहले लाया जाय, उपसर्ग।

साबिक़ (سابق) अ. वि.—पिछला, गुज़रा हुआ; आगे बढ़ जानेवाला।

साबिक़ुज़्ज़िक्र (سابق الذکر) अ. वि.—जिसका ज़िक्र पहले हो चुका हो, पूर्वकथित, पूर्वोक्त।

साबिक़ुलमज़्कूर (سابق المذکور) अ. वि.—दे. 'साबिक़ुज़्ज़िक्र'।

साबिक़े दस्तूर (سابق دستور) अ. वि.—पहले की तरह, पूर्ववत्, जैसा पहले था वैसा ही, यथापूर्व।

साबिग़ (صابغ) अ. वि.—रँगनेवाला।

साबित (ثابت) अ. वि.—स्थिर, साकिन; प्रमाणित, मुसल्लम; समग्र, सब, पूरा, समूचा; दृढ़, मज़्बूत।

साबितक़दम (ثابت قدم) अ. वि.—जो अपने इरादे पर अटल रहे, दृढ़निश्चय—जो अपने क़ौल और बात पर अटल रहे, दृढ़ प्रतिज्ञ।

साबित क़दमी (ثابت قدمی) अ. स्त्री.—इरादे की दृढ़ता; क़ौल और वादे की दृढ़ता।

साबिरः (صابرہ) अ. स्त्री.—हरेक अवस्था में ईश्वर पर निर्भर रहनेवाली स्त्री।

साबिर (صابر) अ. पुं.—हर हाल में ईश्वरेच्छा चाहनेवाला व्यक्ति; सहिष्णु, सहनशील, मुतहम्मिल।

साबिरो शाकिर (صابر و شاکر) अ. वि.—जो हर हाल में सब्र करे और ईश्वर का धन्यवाद दे।

साबी (صابی) अ. वि.—धर्म-परिवर्तन करनेवाला, विधर्मी।

साबुन (صابن) अ. पुं.—दे. 'साबून', परंतु उर्दू में 'साबुन' ही बोलते हैं।

साबुनफ़रोश (صابن فروش) अ. फा. वि.—साबुन बेचनेवाला।

साबुनसाज़ (صابن ساز) अ. फा. वि.—साबुन बनानेवाला।

साबून (صابون) अ. पुं.—दे. 'साबुन'।

साबूनी (صابونی) अ. वि.—एक प्रकार की मिठाई।

साबे' (سابع) अ. वि.—सातवाँ, सप्तम।

सामंदर (سام اندر) फा. पुं.—समंदर, वह कीड़ा जो आग में रहता है।

साम (سام) फा. पुं.—शोथ, वरम, सूजन; पीड़ा, दर्द; अग्नि, आग; रुस्तम के बाप का नाम।

साम (سام) अ. स्त्री.—मृत्यु, मरण, मौत; हनन, हलाकी; हज़रत नूह का एक लड़का।

सामअंदर (سام اندر) फा. पुं.—दे. 'सामंदर'।

सामान (سامان) फा. पुं.—उपकरण, सामग्री, मसाला; किसी काम के लिए उसकी आवश्यक वस्तुएँ; सजावट, आरास्ती; बंदोबस्त, प्रबंध; अस्बाब, चीज़ बस्त।

सामाने ऐश (سامان عیش) फा. अ. पुं.—सुख और भोग-विलास की सामग्री, उपभोग, सुख-सामग्री।

सामाने ख़ानःदारी (سامان خانہداری) फा. पुं.—घर-गिरस्ती की आवश्यक वस्तुएँ, गृहोपकरण।

सामाने ख़ुरोनोश (سامان خورونوش) फा. पुं.—खाने-पीने की चीज़ें, खाद्य-सामग्री।

सामाने ज़ीनत (سامان زینت) फ़ा. अ. पुं.–अपनी सजावट का सामान, प्रसाधन; जगह आदि की सजावट की सामग्री।

सामाने ज़ुरूरी (سامان ضروری) फ़ा. अ. पुं.–आवश्यक वस्तुएँ, उपकल्प।

सामाने मईशत (سامان معیشت) फ़ा. अ. पुं.–जीवन-निर्वाह के लिए आवश्यक वस्तुएँ।

सामाने राहत (سامان راحت) फ़ा. अ. पुं.–दे. 'सामाने ऐश'।

सामाने सफ़र (سامان سفر) फ़ा. अ. पुं.–यात्रा में साथ ले जानेवाली आवश्यक वस्तुएँ।

सामिअः (سامعہ) अ. स्त्री.–श्रवण-शक्ति, क़ुव्वते समाअत।

सामिअःख़राश (سامعہ خراش) अ. फ़ा. वि.–जो बात कानों को अप्रिय लगे, कर्णकटु, श्रुत्यप्रिय।

सामिअःनवाज़ (سامعہ نواز) अ. फ़ा. वि.–जो बात कानों को अच्छी लगे, कर्णप्रिय, कर्ण-सुखद।

सामिईन (سامعین) अ. पुं.–सुननेवाले, श्रोतागण, श्रोतृ-मंडली।

सामित (سامت) अ. वि.–मौन, चुप, ख़ामोश।

सामिन (ثامن) अ. वि.–आठवाँ, अष्टम।

सामिरी (سامری) अ. पुं.–'सामिरा' नगर का रहनेवाला एक जादूगर, जिसने हज़रत मूसा की उम्मत में गाय की पूजा प्रचलित की।

सामिरी फ़न (سامری فن) अ. वि.–जादूगर, मायावी; छली, वंचक, मक्कार।

सामिरीयत (سامریت) अ. स्त्री.–मायाकर्म, इंद्रजाल, जादूगरी।

सामी (سامی) फ़ा. वि.–उच्च, उत्तुंग, बलंद, ऊँचा; श्रेष्ठ, पूज्य, बुज़ुर्ग।

सामे' (سامع) अ. वि.–सुननेवाला, श्रोता।

सामे अब्रस (سام ابرص) अ. स्त्री.–गृहगोधा, छिपकली; गोह, गोधा।

सायः (سایہ) फ़ा. पुं.–छाया, परछाईं; प्रतिबिम्ब, अक्स; प्रेतबाधा, आसेब; आश्रय, शरण, पनाह; पक्षपात, पृष्ठ-पोषण, हिमायत; प्रभाव, असर।

सायःअफ़्गन (سایہ افگن) फ़ा. वि.–साया डालनेवाला; रक्षा और कृपा करनेवाला।

सायःगाह (سایہ گاہ) फ़ा. स्त्री.–सुरक्षा स्थान, इत्मीनान की जगह, पनाहगाह।

सायःगुस्तर (سایہ گستر) फ़ा. वि.–दे. 'सायःअफ़्गन'।

सायःज़दः (سایہ زدہ) फ़ा. वि.–जिसको आसेब ने मारा हो, प्रेतबाधाग्रस्त, भूताविष्ट।

सायःदार (سایہ دار) फ़ा. वि.–जिसमें साया हो, जिसके साये में लोग बैठें।

सायःपर्वर (سایہ پرور) फ़ा. वि.–दे. 'सायःपर्वर्दः'।

सायःपर्वर्दः (سایہ پروردہ) फ़ा. वि.–लाड़-प्यार में पला हुआ, सुकुमार; घर पाला हुआ, नमक का पला हुआ; किसी की कृपा से पला हुआ।

सायःफ़िगन (سایہ فگن) फ़ा. वि.–दे. 'सायःअफ़्गन'।

सायःरुस्त (سایہ رست) फ़ा. वि.–लाड़-प्यार में पला हुआ, नाज़पर्वर्दः।

सायए आतिफ़त (سایۂ عاطفت) फ़ा. अ. पुं.–अनुकंपा और दया की छाँव, अर्थात् कृपा और दया।

सायए तेग़ (سایۂ تیغ) फ़ा. पुं.–तलवारों की छाँव, तलवारों के तले।

सायए दस्त (سایۂ دست) फ़ा. पुं.–सहायता, मदद; सुरक्षा, हिफ़ाज़त।

सारः (سارہ) फ़ा. पुं.–एक प्रकार की चादर; आड़, ओट, परदा; उत्कोच, रिश्वत।

सार (سار) फ़ा. पुं.–एक चिड़िया; उष्ट्र, ऊँट; (प्रत्य.) वाला, जैसे—'शर्मसार' बहुतात, जैसे–'कोहसार'; समान, जैसे–'देवसार'।

सारबान (ساربان) फ़ा. वि.–ऊँटवाला, उष्ट्रपाल।

सारा (سارا) फ़ा. वि.–निष्केवल, ख़ालिस, बेमेल; अकृत्रिम, ग़ैरमस्नूई।

सारिक़ः (سارقہ) अ. स्त्री.–चोर स्त्री.।

सारिक़ (سارق) अ. पुं.–चोर, तस्कर।

सारिफ़ (سارف) अ. वि.–ख़र्च करनेवाला, कंज़्यूमर; फेरनेवाला; कालचक्र, गर्दिश।

सारिम (صارم) अ. स्त्री.–बहुत तेज़, तलवार, काटदार तलवार।

सारी (ساری) अ. वि.–सरायत करनेवाला, प्रवेश करने-वाला।

सालः (سالہ) फ़ा. प्रत्य.–सालवाला, जैसे–'यकसालः' एक सालवाला।

साल (سال) फ़ा. पुं.–वत्सर, वर्ष, बरस।

सालख़ुर्दः (سال خوردہ) फ़ा. वि.–वयोवृद्ध, जरत्, बूढ़ा।

सालख़ुर्द (سال خورد) फ़ा. वि.–बूढ़ा, जराग्रस्त, बुड्ढा।

सालगिरिह (سال گرہ) फ़ा. स्त्री.–जन्मदिन, जन्मतिथि, हर साल जन्मदिन पर मनाया जानेवाला उत्सव।

सालनामः (سالنامہ) फ़ा. पुं.–वह विशेषांक जो कोई पत्रिका वर्ष में एक बार बहुत अच्छे प्रकार से निकाले।

सा'लब (ثعلب) अ. स्त्री.–लोमड़ी, लोखड़ी, शोमशा, लोमशी, लोमालिका।

साल बसाल (سال بسال) फा. वि.–हर साल, वर्ष प्रति वर्ष, प्रतिवर्ष।

सालहा साल (سالہا سال) फा. वि.–बरसहा बरस, बरसों, मुद्दतों, बहुत अधिक समय तक।

सालानः (سالانہ) फा. वि.–वार्षिक, आब्दिक, वात्सरिक, साल का।

सालार (سالار) फा. पुं.–सेनापति, सिपहसालार; अध्यक्ष, नायक, सरदार।

सालारी (سالاری) फा. स्त्री.–सेनापतित्व, सिपहसालारी; अध्यक्षता, सरदारी।

सालारे क़ाफ़िलः (سالار قافلہ) फा. अ. पुं.–क़ाफ़िले अर्थात् यात्रीदल का मुखिया।

सालारे कार्वां (سالار کاروان) फा. पुं.–दे. 'सालारे क़ाफ़िलः'।

सालारे क़ौम (سالار قوم) फा. अ. पुं.–राष्ट्र का नेता, मुल्क का लीडर; किसी जाति-विशेष का नेता।

सालारे जंग (سالار جنگ) फा. पुं.–सेनापति, फ़ौज का सरदार।

सालिक (سالک) अ. वि.–पथिक, बटोही, रस्तःगीर; वह व्यक्ति जो गृहस्थाश्रम में रहते हुए बहुत बड़ा साधक हो।

सालिफ़ (سالف) अ. वि.–आगे गया हुआ, गुज़रा हुआ, पूर्वज।

सालिक़ः (سالقہ) अ. स्त्री.–कवच, ज़िरिह।

सालिब (سالب) अ. वि.–सल्ब करनेवाला, निवारक।

सालिम (سالم) अ. वि.–संपूर्ण, समग्र, समूचा; स्वस्थ, तन्दुरुस्त; सुरक्षित महफ़ूज़; यथावत्, ज्यों का त्यों।

सालिमन (سالماً) अ. वि.–पूरे तौर पर, पूर्णतया; सुरक्षतापूर्वक, बहिफ़ाज़त।

सालियाँ (سالیاں) फा. पुं.–'साल' का बहु., बरस।

सालियानः (سالیانہ) फा. वि.–वार्षिक, सालाना, पुं. वह हक़ या इन्आम जो प्रतिवर्ष दिया जाता हो।

सालिस (ثالث) अ. वि.–तीसरा, तृतीय; मध्यस्थ, पंच, बिचौलिया, हकम।

सालिस बिलख़ैर (ثالث بالخیر) अ. पुं.–वह पंच जो किसी का पक्षपात किये बिना अपना निर्णय दे।

सालिसी (ثالثی) अ. स्त्री.–पंचायत, पंचायत द्वारा किसी झगड़े का निर्णय।

सालिहः (صالحہ) अ. स्त्री.–साध्वी, सच्चरित्रा, नेक और पार्सा स्त्री।

सालिह (صالح) अ. वि.–सदाचारी, शुद्धचरित, पुण्यचरित्र, नेक और परहेज़गार, दे. 'सालेह'।

सालिहात (صالحات) अ. स्त्री.–'सालिहः' का बहु., साध्वी, स्त्रियाँ, परहेज़गार औरतें।

सालिहुलकैमूस (صالح الکیموس) अ. वि.–वह भोजन जिससे अच्छा रस बने जो शुद्ध रक्त बना सके।

साली (سالی) फा. वि.–पुराना, जीर्ण, (प्रत्य.) साल, जैसे 'ख़ुश्कसाली' क़ह्त का साल।

सालूक़ (سالوک) अ. वि.–बहुत अधिक चलनेवाला।

सालूस (سالوس) फा.अ. वि.–चापलूस, चाटुकार, ख़ुशामदी; छली, वंचक, मक्कार।

सालूसी (سالوسی) फा. स्त्री.–चाटुकारिता, ख़ुशामद; छल, धूर्तता, फ़िरेब।

साले आइंदः (سال آیندہ) फा. पुं.–आगामी वर्ष, आनेवाला, साल, अगला साल।

साले ईसवी (سال عیسوی) फा. अ. पुं.–वह संवत्सर जो हज़्रत ईसा के फाँसी पाने के समय से चला है।

साले कबीसः (سال کبیسہ) फा. अ. पुं.–लौंद का साल, वह साल जिसमें लौंद का महीना पड़े; वह ईसवी साल जिसमें फ़रवरी २९ दिन का हो।

साले क़मरी (سال قمری) फा. अ. पुं.–वह साल जिसके महीनों का हिसाब चाँद की घटाबढ़ी से हो।

साले गुज़श्तः (سال گزشتہ) फा. पुं.–गत वर्ष, बीता हुआ साल।

साले जलाली (سال جلالی) फा. अ. पुं.–जलालुद्दीन मलिक शाहे सलजूक़ी का चलाया हुआ साल जो ३६५ दिन और ६ घंटों का होता था, और अब तक वही हिसाब राइज है।

साले तमाम (سال تمام) फा. अ. पुं.–पूर्ण वर्ष, सारा साल।

साले नबवी (سال نبوی) फा. अ. पुं.–दे. साले हिज्री।

साले पैवस्तः (سال پیوستہ) फा. पुं.–गुज़रा हुआ साल, गत वर्ष।

साले फ़स्ली (سال فصلی) फा. अ. पुं.–किसानों का साल, जिसके हिसाब से वह लगान देते हैं।

साले बिक्रमी (سال بکرمی) फा. अ. पुं.–राजा विक्रमादित्य का चलाया हुआ संवत् जो हिन्दुस्तान का मुख्य संवत्सर है।

साले माल (سال مال) फा. अ. पुं.–साले फ़स्ली, किसानों का साल।

साले रवाँ (سال رواں) फा. पुं.–चालू साल, वह साल जो इस समय चल रहा है, प्रस्तुत वर्ष।

साले शम्सी (سال شمسی) फा.अ. पुं.–वह साल जिसमें सूर्य के गिर्द पृथ्वी का चक्कर पूरा होने पर दिन-रात का हिसाब

होता है और ३६५ दिन से कुछ अधिक समय का पूरा वर्ष गिना जाता है।

सालेह (صالح) अ. वि.–सदाचारी, शुद्धचरित्र, पुण्यात्मा, नेक और परहेजगार।

साले हिज्री (سال هجری) फा.अ. पुं.–मुसलमानों का साल जो हज्रत मुहम्मद साहब के मक्का छोड़कर मदीने जाने की तारीख से शुरूअ होता है और जिसका हिसाब चाँद की घटा-बढ़ी से है और जो शम्सी साल से १०-११ दिन छोटा होता है।

सालो माह (سال وماه) फा. पुं.–वर्ष और महीने।

सा'वः (صعوه) अ. स्त्री.–इक छोटा पक्षी, ममोला।

सास (ساس) फा. पुं.–खटमल, मत्कुण।

सासान (ساسان) फा. पुं.–बहमन का लड़का जो अपनी बहन के डर से भाग गया था और संन्यास धारण कर लिया था, सासानी उसी के बंश के लोग हैं।

सासानी (ساسانی) फा. वि.–'सासान' के वंशज।

साहत (ساحت) अ. स्त्री.–विस्तार,विशालता, फैलाव, कुशादगी; चारों ओर की खुली हुई जगह।

साहब (صاحب) अ. वि.–दे. 'साहिब', उर्दू में दोनों प्रकार से बोलते हैं, परंतु 'अंग्रेज' या बड़े अफ़सर के अर्थ में साहब ही कहते हैं।

साहबआलम (صاحب عالم) अ. पुं.–देहली के शाहजादों का लक़ब।

साहबबहादुर (صاحب بہادر) अ. फा. पुं.–अंग्रेजों का लक़ब; वह व्यक्ति जो अँगरेजी चाल-ढाल में ढल गया हो।

साहिबः (صاحبہ) अ. स्त्री.–श्रीमती जी, महोदया; महिला, स्त्री, जैसे—'एक साहिबः आई हैं'।

साहिब (صاحب) अ. पुं.–एक सम्मान-सूचक शब्द जो नाम के अन्त में लगाया जाता है; स्वामी, मालिक; मित्र, दोस्त; सहायक, साथी; वाला, जैसे—'साहिबे इल्म' इल्मवाला।

साहिब आलम (صاحب عالم) अ. पुं.–दे. 'साहब आलम'।

साहिब कमाल (صاحب کمال) अ.वि.–हुनरमंद, गुणवान्।

साहिब क़िरां (صاحب قران) अ. वि.–तेजस्वी, प्रतापी, जिसके भाग्य के शुभ ग्रह किसी अच्छी राशि में एकत्र हो। सिकंदरे आ'ज़म की उपाधि।

साहिबखानः (صاحب خانہ) अ. फा. पुं.–घर का मालिक, गृहस्वामी।

साहिब ग़रज (صاحب غرض) अ. वि.–ग़रजमंद, जिसका कोई काम अटका हो; स्वार्थी, खुदग़रज।

साहिबजादः (صاحب زاده) अ. फा. पुं.–सुपुत्र, भलेमानस का भला लड़का।

साहिब दिल (صاحب دل) अ.फा. वि.–सुहृद्, सहृदय, मनस्वी, जो दिल रखता हो, जो मनुष्य को परख सके और बात को समझ सके; पुण्यात्मा, महात्मा, खुदाशनास।

साहिब नज़र (صاحب نظر) अ. वि.–नज़रवाला, परखने-वाला, पारखी, क़द्रदान, दृष्टिवंत।

साहिबनसीब (صاحب نصیب) अ. वि.–भाग्यशाली, भाग्यवान्, खुशनसीब।

साहिबान (صاحبان) अ. पुं.–'साहिब' का बहु., लोग, मनुष्य, जैसे—सब साहिबान; वाले, जैसे—'साहिबाने कमाल'।

साहिबी (صاحبی) अ. वि.–सरदारी, अध्यक्षता; स्वामित्व, मालिकीयत।

साहिबुज्ज़मां (صاحب الزمان) अ. वि.–हज्रत इमाम मेहदी का लक़ब।

साहिबुर्राय (صاحب الرائے) अ. वि.–जिसकी राय उम्दः और संजीदः हो।

साहिबुलजरीदः (صاحب الجریده) अ. पुं.–अखबार का मालिक।

साहिबे अक़्ल (صاحب عقل) अ. वि.–बुद्धिमान्, अक़्ल-मंद।

साहिबे अख़्लाक़ (صاحب اخلاق) अ. वि.–जिसका व्यवहार अच्छा हो, सत्वशील, शीलवान्।

साहिबे अमल (صاحب عمل) अ. वि.–जो सिर्फ़ कहता ही न हो बल्कि करता भी हो, कर्मठ।

साहिबे इक़्तिदार (صاحب اقتدار) अ. वि.–जिसके हाथ में सत्ता हो।

साहिबे इक़्बाल (صاحب اقبال) अ. वि.–प्रतापी, तेजस्वी, इक़्बालमंद; भाग्यशाली, खुशनसीब।

साहिबे इख्तियार (صاحب اختیار) अ. वि.–जिसको अधि-कार प्राप्त हो, अधिकार-संपन्न, अधिकारी।

साहिबे ऐतिबार (صاحب اعتبار) अ. वि.–विश्वस्त, मो'तबर।

साहिबे औसाफ़े हमीदः (صاحب اوصاف حمیده) अ.वि.–सद्गुण-संपन्न, अच्छे गुणों से परिपूर्ण।

साहिबे कमाल (صاحب کمال) अ. वि.–साहिबे हुनर, गुणवान्।

साहिबे क़लम (صاحب قلم) अ. वि.–जो अच्छे क़िस्म का लेखक हो, जिसकी लेखनी में जोर हो।

साहिबे क़िस्मत (صاحب قسمت) अ. वि.–भाग्यशाली, भाग्यवान्, नसीबेवर।

साहिबे क़ुद्रत (صاحب قدرت) अ. वि.–समर्थ, सामर्थ्यवान्, जी मक़्दरत; शक्तिशाली, जोरावर।

साहिबे क़ुर्आन (صاحب قرآن) अ. पुं.–मुहम्मद साहिब, जिन पर क़ुरान उतरा है।

साहिबे क़ुव्वत (صاحب قوت) अ. वि.–शक्तिशाली, बलवान्, ज़ोरदार।

साहिबे ख़ानः (صاحب خانه) अ. फा. वि.–गृहस्वामी, घर का मालिक।

साहिबे ख़ैर (صاحب خیر) अ. वि.–दानशील, जो अच्छे कामों में रुपया ख़र्च करता हो।

साहिबे ग़रज़ (صاحب غرض) अ. वि.–जिसकी कोई ग़रज़ अटकी हो; जो अपनी ग़रज़ का यार हो, स्वार्थी।

साहिबे ज़बाँ (صاحب زباں) अ. फा. वि.–जो किसी भाषा का पैदाइशी जानकार हो, अहले ज़बान।

साहिबे जमाल (صاحب جمال) अ. वि.–रूपवान्, सुन्दर, हसीन।

साहिबे ज़र (صاحب زر) अ. फा. वि.–धनवान्, मालदार।

साहिबे जलाल (صاحب جلال) अ. वि.–तेजस्वी, तेजवान्; क्रुद्धात्मा, ग़ुस्सःवर, उग्रतेजा।

साहिबे जाएदाद (صاحب جائداد) अ. फा. वि.–संपत्तिवान्, जिसके पास जायदाद हो।

साहिबे जागीर (صاحب جاگیر) अ. फा. वि.–भूसंपत्तिवान्, जिसके पास बहुत से गाँव हों।

साहिबे ज़िला (صاحب ضلع) अ. पुं.–ज़िलाधीश, ज़िले का हाकिम, कलक्टर।

साहिबे ज़ुका (صاحب ذکا) अ. वि.–जिसकी बुद्धि तेज़ हो, कुशाग्रबुद्धि, प्रतिभावान्।

साहिबे ज़ौक़ (صاحب ذوق) अ. वि.–रसिक, सहृदय, काव्यमर्मज्ञ, जिसे साहित्य का प्रेम और उसके गुण-दोष की परख हो।

साहिबे तख़्त (صاحب تخت) अ. फा. वि.–शासक, नरेश, राजा, बादशाह।

साहिबे तख़्तोताज (صاحب تخت و تاج) अ. फा. वि.–नरेश, बादशाह।

साहिबे तदबीर (صاحب تدبیر) अ. वि.–नीतिज्ञ, सियासतदाँ; बुद्धिमान्, अक़्लमंद।

साहिबे तमीज़ (صاحب تمیز) अ. वि.–सभ्य, शिष्ट, सलीक़ःमंद।

साहिबे ताज (صاحب تاج) अ. फा. वि.–शासक, नरेश, बादशाह, मुकुटधारी।

साहिबे ताजोतख़्त (صاحب تاج و تخت) अ. फा. वि.–नरेश, बादशाह।

साहिबे दर्द (صاحب درد) अ. फा. वि.–दयालु, दयावान्, रहमदिल; जो दूसरे का दुःख-दर्द पहचाने।

साहिबे दानिश (صاحب دانش) अ. फा. वि.–बुद्धिमान्, अक़्लमंद; दूरदर्शी, दूरंदेश।

साहिबे दिमाग़ (صاحب دماغ) अ. वि.–अहंकारी, घमंडी; बुद्धिमान्, अक़्लवर; नकचिढ़ा, मिज़ाज़।

साहिबे दिल (صاحب دل) अ. फा. वि.–महात्मा, तत्त्वज्ञानी, आरिफ़; दयालु, रहमदिल।

साहिबे दीवान (صاحب دیوان) अ. वि.–वह शाइर जिसका दीवान पूरा हो गया हो या छप गया हो।

साहिबे दौलत (صاحب دولت) अ. वि.–धनाढ्य, धनवान्, मालदार।

साहिबे नज़र (صاحب نظر) अ. वि.–दोष-गुण को पहचाननेवाला, दृष्टिवान्।

साहिबे नसीब (صاحب نصیب) अ. वि.–भाग्यशाली, ख़ुशक़िस्मत।

साहिबे निगाह (صاحب نگاه) अ. फा. वि.–दे. 'साहिबे नज़र'।

साहिबे नियाज़ (صاحب نیاز) अ. फा. वि.–नियाज़मंद, भक्त।

साहिबे निस्बत (صاحب نسبت) अ. वि.–किसी बड़े दरवेश से सम्बन्ध रखनेवाला, किसी बड़े ख़ानदान का मुरीद।

साहिबे नुफ़ूज़ (صاحب نفوذ) अ. वि.–जिसकी कहीं पैठ हो, रसाईवाला।

साहिबे फ़िराश (صاحب فراش) अ. वि.–बीमार, रुग्ण, रोगी, पलंग पर पड़ा रहनेवाला बीमार, जो चल-फिर न सके, रुग्णशय्याग्रस्त।

साहिबे मक़्दूर (صاحب مقدور) अ. वि.–धनवान्, रुपयेवाला, मालदार।

साहिबे मज्लिस (صاحب مجلس) अ. वि.–सभापति, मीर मज्लिस; मज्लिस करनेवाला, जिसके घर मज्लिस हो।

साहिबे महफ़िल (صاحب محفل) अ. वि.–दे. 'साहिबे मज्लिस'।

साहिबे महबस (صاحب محبس) अ. वि.–कारागारवासी, क़ैदी।

साहिबे माल (صاحب مال) अ. वि.–धनवान्, दौलतमंद; जिसकी कोई चीज़ हो, माल का मालिक।

साहिबे मुरव्वत (صاحب مروت) अ. वि.–सुशील, मुरव्वतवाला।

साहिबे राज़ (صاحب راز) अ. फा. वि.–जिसका कोई भेद हो; जो भेद जानता हो, मर्मज्ञ।

होता है और ३६५ दिन से कुछ अधिक समय का पूरा वर्ष गिना जाता है।

सालेह (صالح) अ. वि.–सदाचारी, शुद्धचरित्र, पुण्यात्मा, नेक और परहेजगार।

साले हिज्री (سال هجری) फा.अ. पुं.–मुसलमानों का साल जो हज़्रत मुहम्मद साहब के मक्का छोड़कर मदीने जाने की तारीख से शुरूअ होता है और जिसका हिसाब चाँद की घटा-बढ़ी से है और जो शमसी साल से १०-११ दिन छोटा होता है।

सालो माह (سال وماه) फा. पुं.–वर्ष और महीने।

सा'वः (صعوه) अ. स्त्री.–इक छोटा पक्षी, ममोला।

सास (ساس) फा. पुं.–खटमल, मत्कुण।

सासान (ساسان) फा. पुं.–बहमन का लड़का जो अपनी बहन के डर से भाग गया था और संन्यास धारण कर लिया था, सासानी उसी के वंश के लोग हैं।

सासानी (ساسانی) फा. वि.–'सासान' के वंशज।

साहत (ساحت) अ. स्त्री.–विस्तार, विशालता, फैलाव, कुशादगी; चारों ओर की खुली हुई जगह।

साहब (صاحب) अ. वि.–दे. 'साहिब', उर्दू में दोनों प्रकार से बोलते हैं, परंतु 'अंग्रेज' या बड़े अफ़सर के अर्थ में साहब ही कहते हैं।

साहबआलम (صاحب عالم) अ. पुं.–देहली के शाहजादों का लक़ब।

साहबबहादुर (صاحب بهادر) अ. फा. पुं.–अंग्रेजों का लक़ब; वह व्यक्ति जो अंगरेजी चाल-ढाल में ढल गया हो।

साहिबः (صاحبه) अ. स्त्री.–श्रीमती जी, महोदया; महिला, स्त्री, जैसे—'एक साहिबः आई हैं'।

साहिब (صاحب) अ. पुं.–एक सम्मान-सूचक शब्द जो नाम के अन्त में लगाया जाता है; स्वामी, मालिक; मित्र, दोस्त; सहायक, साथी; वाला, जैसे—'साहिबे इल्म' इल्मवाला।

साहिब आलम (صاحب عالم) अ. पुं.–दे. 'साहब आलम'।

साहिब कमाल (صاحب کمال) अ.वि.–हुनरमंद, गुणवान्।

साहिब क़िरां (صاحب قران) अ. वि.–तेजस्वी, प्रतापी, जिसके भाग्य के शुभ ग्रह किसी अच्छी राशि में एकत्र हों। सिकंदरे आ'ज़म की उपाधि।

साहिबख़ानः (صاحب خانه) अ. फा. पुं.–घर का मालिक, गृहस्वामी।

साहिब ग़रज़ (صاحب غرض) अ. वि.–ग़रज़मंद, जिसका कोई काम अटका हो; स्वार्थी, ख़ुदग़रज़।

साहिबज़ादः (صاحب زاده) अ. फा. पुं.–सुपुत्र, भलेमानस का भला लड़का।

साहिब दिल (صاحب دل) अ.-फा. वि.–सुहृद्, सहृदय, मनस्वी, जो दिल रखता हो, जो मनुष्य को परख सके और बात को समझ सके; पुण्यात्मा, महात्मा, ख़ुदाशनास।

साहिब नज़र (صاحب نظر) अ. वि.–नजरवाला, परखनेवाला, पारखी, क़द्रदान, दृष्टिवंत।

साहिबनसीब (صاحب نصیب) अ. वि.–भाग्यशाली, भाग्यवान्, खुशनसीब।

साहिबान (صاحبان) अ. पुं.–'साहिब' का बहु., लोग, मनुष्य, जैसे—सब साहिबान; वाले, जैसे—'साहिबाने कमाल'।

साहिबी (صاحبی) अ. वि.–सरदारी, अध्यक्षता; स्वामित्व, मालिकीयत।

साहिबुज़्ज़माँ (صاحب الزمان) अ. वि.–हज़्रत इमाम मेहदी का लक़ब।

साहिबुर्राय (صاحب الرای) अ. वि.–जिसकी राय उम्दः और संजीदः हो।

साहिबुलजरीदः (صاحب الجریده) अ. पुं.–अख़बार का मालिक।

साहिबे अक़्ल (صاحب عقل) अ. वि.–बुद्धिमान्, अक़्लमंद।

साहिबे अख़्लाक़ (صاحب اخلاق) अ. वि.–जिसका व्यवहार अच्छा हो, सच्चरित्र, शीलवान्।

साहिबे अमल (صاحب عمل) अ. वि.–जो सिर्फ़ कहता ही न हो बल्कि करता भी हो, कर्मठ।

साहिबे इक़्तिदार (صاحب اقتدار) अ. वि.–जिसके हाथ में सत्ता हो।

साहिबे इक़्बाल (صاحب اقبال) अ. वि.–प्रतापी, तेजस्वी, इक़्बालमंद; भाग्यशाली, खुशनसीब।

साहिबे इख़्तियार (صاحب اختیار) अ. वि.–जिसको अधिकार प्राप्त हो, अधिकार-संपन्न, अधिकारी।

साहिबे ए'तिबार (صاحب اعتبار) अ. वि.–विश्वस्त, मो'तबर।

साहिबे औसाफ़े हमीदः (صاحب اوصاف حمیده) अ.वि.–सद्गुण-संपन्न, अच्छे गुणों से परिपूर्ण।

साहिबे कमाल (صاحب کمال) अ. वि.–साहिबे हुनर, गुणवान्।

साहिबे क़लम (صاحب قلم) अ. वि.–जो अच्छे क़िस्म का लेखक हो, जिसकी लेखनी में जोर हो।

साहिबे क़िस्मत (صاحب قسمت) अ. वि.–भाग्यशाली, भाग्यवान्, नसीबेवर।

साहिबे क़ुद्रत (صاحب قدرت) अ. वि.–समर्थ, सामर्थ्यवान्, जी मक़्दरत; शक्तिशाली, जोरावर।

साहिबे क़ुर्आन (صاحب قرآن) अ. पुं.—मुहम्मद साहिब, जिन पर क़ुरान उतरा है।

साहिबे क़ुव्वत (صاحب قوت) अ. वि.—शक्तिशाली, बलवान्, ज़ोरदार।

साहिबे ख़ानः (صاحب خانہ) अ. फ़ा. वि.—गृहस्वामी, घर का मालिक।

साहिबे ख़ैर (صاحب خیر) अ. वि.—दानशील, जो अच्छे कामों में रुपया ख़र्च करता हो।

साहिबे ग़रज़ (صاحب غرض) अ. वि.—जिसकी कोई ग़रज़ अटकी हो; जो अपनी ग़रज़ का यार हो, स्वार्थी।

साहिबे ज़बाँ (صاحب زباں) अ. फ़ा. वि.—जो किसी भाषा का पैदाइशी जानकार हो, अहले ज़बान।

साहिबे जमाल (صاحب جمال) अ. वि.—रूपवान्, सुन्दर, हसीन।

साहिबे ज़र (صاحب زر) अ. फ़ा. वि.—धनवान्, मालदार।

साहिबे जलाल (صاحب جلال) अ. वि.—तेजस्वी, तेजवान्; क्रुद्धात्मा, ग़ुस्सःवर, उग्रतेजा।

साहिबे जाएदाद (صاحب جائداد) अ. फ़ा. वि.—संपत्तिवान्, जिसके पास जायदाद हो।

साहिबे जागीर (صاحب جاگیر) अ. फ़ा. वि.—भूसंपत्तिवान्, जिसके पास बहुत से गाँव हों।

साहिबे ज़िला (صاحب ضلع) अ. पुं.—ज़िलाधीश, ज़िले का हाकिम, कलक्टर।

साहिबे ज़ुका (صاحب ذکا) अ. वि.—जिसकी बुद्धि तेज़ हो, कुशाग्रबुद्धि, प्रतिभावान्।

साहिबे ज़ौक़ (صاحب ذوق) अ. वि.—रसिक, सहृदय, काव्यमर्मज्ञ, जिसे साहित्य का प्रेम और उसके गुण-दोष की परख हो।

साहिबे तख़्त (صاحب تخت) अ. फ़ा. वि.—शासक, नरेश, राजा, बादशाह।

साहिबे तख़्तोताज (صاحب تخت و تاج) अ. फ़ा. वि.—नरेश, बादशाह।

साहिबे तदबीर (صاحب تدبیر) अ. वि.—नीतिज्ञ, सियासतदाँ; बुद्धिमान्, अक़्लमंद।

साहिबे तमीज़ (صاحب تمیز) अ. वि.—सभ्य, शिष्ट, सलीक़ःमंद।

साहिबे ताज (صاحب تاج) अ. फ़ा. वि.—शासक, नरेश, बादशाह, मुकुटधारी।

साहिबे ताजोतख़्त (صاحب تاج و تخت) अ. फ़ा. वि.—नरेश, बादशाह।

साहिबे दर्द (صاحب درد) अ. फ़ा. वि.—दयालु, दयावान्, रहमदिल; जो दूसरे का दुःख-दर्द पहचाने।

साहिबे दानिश (صاحب دانش) अ. फ़ा. वि.—बुद्धिमान्, अक़्लमंद; दूरदर्शी, दूरंदेश।

साहिबे दिमाग़ (صاحب دماغ) अ. वि.—अहंकारी, घमंडी; बुद्धिमान्, अक़्लवर; नकचिढ़ा, मिज़ाज।

साहिबे दिल (صاحب دل) अ. फ़ा. वि.—महात्मा, तत्त्वज्ञानी, आरिफ़; दयालु, रहमदिल।

साहिबे दीवान (صاحب دیوان) अ. वि.—वह शाइर जिसका दीवान पूरा हो गया हो या छप गया हो।

साहिबे दौलत (صاحب دولت) अ. वि.—धनाढ्य, धनवान्, मालदार।

साहिबे नज़र (صاحب نظر) अ. वि.—दोष-गुण को पहचाननेवाला, दृष्टिवान्।

साहिबे नसीब (صاحب نصیب) अ. वि.—भाग्यशाली, ख़ुशक़िस्मत।

साहिबे निगाह (صاحب نگاہ) अ. फ़ा. वि.—दे. 'साहिबे नज़र'।

साहिबे नियाज़ (صاحب نیاز) अ. फ़ा. वि.—नियाज़मंद, भक्त।

साहिबे निस्बत (صاحب نسبت) अ. वि.—किसी बड़े दरवेश से सम्बन्ध रखनेवाला, किसी बड़े ख़ानदान का मुरीद।

साहिबे नुफ़ूज़ (صاحب نفوذ) अ. वि.—जिसकी कहीं पैठ हो, रसाईवाला।

साहिबे फ़िराश (صاحب فراش) अ. वि.—बीमार, रुग्ण, रोगी, पलंग पर पड़ा रहनेवाला बीमार, जो चल-फिर न सके, रुग्णशय्याग्रस्त।

साहिबे मक़दूर (صاحب مقدور) अ. वि.—धनवान्, रुपयेवाला, मालदार।

साहिबे मज्लिस (صاحب مجلس) अ. वि.—सभापति, मीर मज्लिस; मज्लिस करनेवाला, जिसके घर मज्लिस हो।

साहिबे महफ़िल (صاحب محفل) अ. वि.—दे. 'साहिबे मज्लिस'।

साहिबे मह्बस (صاحب محبس) अ. वि.—कारागारवासी, क़ैदी।

साहिबे माल (صاحب مال) अ. वि.—धनवान्, दौलतमंद; जिसकी कोई चीज़ हो, माल का मालिक।

साहिबे मुरव्वत (صاحب مروت) अ. वि.—सुशील, मुरव्वतवाला।

साहिबे राज़ (صاحب راز) अ. फ़ा. वि.—जिसका कोई भेद हो; जो भेद जानता हो, मर्मज्ञ।

साहिबे राय (صاحب راے) अ. वि.–जिसकी राय शुद्ध और ठीक हो।

साहिबे रीश (صاحب ریش) अ. फ़ा. वि.–डाढ़ीवाला, जिसके डाढ़ी हो, श्मश्रुल।

साहिबे रेश (صاحب ریش) अ. फ़ा. वि.–जिसके शरीर में कोई घाव हो, घाववाला।

साहिबे लौलाक (صاحب لولاک) अ. पुं.–हज़रत मुहम्मद साहिब का लक़ब।

साहिबे विलायत (صاحب ولایت) अ. वि.–बहुत बड़ा वली, जिसके अधीन कोई इलाक़ा हो, जिसकी रक्षा वह अपनी आत्मशक्ति द्वारा करता हो।

साहिबे शौक़ (صاحب شوق) अ. वि.–शौक़ीन, किसी बात का शौक़ रखनेवाला।

साहिबे सज्जाद: (صاحب سجادہ) अ. पुं.–सज्जाद:नशीन, गद्दीनशीन, किसी फ़क़ीर का जानशीन।

साहिबे सलीक़: (صاحب سلیقہ) अ. वि.–सलीक़:मंद, सुघड़, ढंग के साथ काम करनेवाला (वाली)।

साहिबे हया (صاحب حیا) अ. वि.–जिसके स्वभाव में शर्मीलापन हो।

साहिबे हिम्मत (صاحب ہمت) अ. वि.–साहसवाला, साहसी, उत्साही।

साहिबे हैसियत (صاحب حیثیت) अ. वि.–इज़्ज़त-वाला, प्रतिष्ठित; मालदार, धनी।

साहिबे हौसल: (صاحب حوصلہ) अ. वि.–दे. 'साहिबे हिम्मत'।

सि

सिंगर (سنگر) फ़ा. पुं.–छोटा नेज़:।

सिंजाब (سنجاب) फ़ा. पुं.–एक जानवर जिसकी खाल की पोस्तीन बनती है; उस जानवर की खाल।

सिंदबाद (سندباد) फ़ा. पुं.–हकीम अज़्रक़ की लिखी हुई एक किताब जिसमें उपदेश हैं।

सिंदान (سندان) फ़ा. स्त्री.–निहाई, अहरन, वह लोहा, जिस पर रखकर लोहा पीटा जाता है।

सिंदीद (صندید) अ. पुं.–अपने वंश का प्रतिष्ठित और महान् व्यक्ति; किसी देश का बड़ा और प्रतिष्ठित व्यक्ति।

सिअत (سعت) अ. स्त्री.–विस्तार, लंबाई, चौड़ाई, फैलाव।

सिआयत (سعایت) अ. स्त्री.–पिशुनता, चुग़ुलख़ोरी; निंदा, बदगोई।

सिकंजबीन (سکنجبین) फ़ा. स्त्री.–सिर्क: मिला हुआ नीबू का शर्बत जो दवा में काम आता है; नीबू का शर्बत जो गर्मी में पीते हैं।

सिकंदर (سکندر) फ़ा. पुं.–यूनान का एक प्रसिद्ध और प्रतापी नरेश, जो मक़्दूनियाँ के नरेश फ़ैलक़ूस का बेटा और अरस्तू का शागिर्द था।

सिकंदर सौलत (سکندر صولت) फ़ा. अ. वि.–सिकंदर-जैसा रोब-दाब रखनेवाला।

सिकंदरहशम (سکندر حشم) फ़ा. अ. वि.–सिकंदर-जैसी शानोशौकत और बड़ाई रखनेवाला।

सिकंदरी (سکندری) फ़ा. वि.–सिकंदर का; सिकंदर से सम्बन्धित; घोड़े की ठोकर।

सिकंदरे आ'ज़म (سکندر اعظم) फ़ा. अ. पुं.–सिकंदरे रूमी की उपाधि, सिकंदरे ज़ुलक़रनैन।

सिक़: (ثقہ) अ. वि.–एक व्यक्ति जो देखने में शरीफ़, आचरण में शुद्ध और विश्वस्त हो।

सिक (سک) फ़ा. पुं.–सिर्का।

सिकबा (سکبا) फ़ा. पुं.–एक खाना जो गेहूँ के दलिए और गोश्त में सिर्का और किशमिश आदि डालकर बनता है।

सिक़ात (ثقات) अ. पुं.–'सिक़' का बहु., श्रेष्ठ और विश्वस्त लोग।

सिक़ाम (سقام) अ. पुं.–'सक़ीम' का बहु., रोगी लोग।

सिक़ाय: (سقایہ) अ. पुं.–पानी का हौज़ या टंकी जो मस्जिद आदि में होती हैं और जिसे ग़लती से लोग सक़ाब: कहते हैं।

सिक़ायत (سقایت) अ. स्त्री.–पानी पिलाना।

सिकालिश (سکالش) फ़ा. स्त्री.–ध्यान, ख़याल; चिंता, फ़िक्र; परामर्श, मश्वरः।

सिकीज़: (سکیزہ) फ़ा. पुं.–छलाँग मारना, कूदना; लात चलाना, दुलत्ती मारना।

सिक्क: (سکہ) अ. पुं.–रुपया-पैसा, मुद्रा; छाप, मुहर; धाक, रोब; पद्धति, तर्ज़।

सिक्क:ज़न (سکہ زن) अ. फ़ा. वि.–सिक्का ढालनेवाला, टकसालिया।

सिक्क:जात (سکہ جات) अ. फ़ा. पुं.–'सिक्क:' का बहु., सिक्के।

सिक्कए क़ल्ब (سکۂ قلب) अ. पुं.–दे. 'सिक्कए कासिद'।

सिक्कए कासिद (سکۂ کاسد) अ. पुं.–जाली सिक्का, कूटमुद्रा, वह सिक्का जो टकसाली न हो, खोटा।

सिक्कए राइज (سکۂ رائج) अ. पुं.–वह सिक्का जिसका लेन-देन हो, जो व्यवहृत हो।

सिक्कीन (سکین) अ. स्त्री.–छुरी, बड़ा चाक़ू।

सिक्कीर (سکیر) अ. वि.–जो हर समय नशे में धुत रहे।

सिक़त (سقط) अ. पुं.–मरा हुआ बच्चा पैदा होना; मरा हुआ बच्चा।

सिक़्लात (سقلات) तु. पुं.–एक क़ीमती ऊनी बानात, सक़िरलात।

सिक़्ले बत्न (ثقل بطن) अ. पुं.–पेट का भारीपन, अपच, बदहज़्मी।

सिक़्ले समाअत (ثقل سماعت) अ. पुं.–बधिरता, बहरापन।

सिख़्न (ثخن) अ. पुं.–मोटाई, दल, दबाज़त।

सिग़र (صغر) अ. वि.–लघुता, छोटाई, ख़ुर्दी।

सिग़रसिन (صغرسن) अ. वि.–अल्पवयस्क, वयोबाल, कमउम्र।

सिग़रसिनी (صغرسنی) अ. स्त्री.–अल्पवयस्कता, बाल्यावस्था, कमउम्री।

सिग़ार (صغار) अ. पुं.–'सग़ीर' का बहु., छोटी उम्र के लड़के लोग; 'सुग़्रा' का बहु., छोटी उम्र की स्त्रियाँ, लड़कियाँ।

सिग़ारो किबार (صغارو کبار) अ. पुं.–छोटे और बड़े, बच्चे और जवान और बूढ़ी, छोटे-बड़े सब।

सिगाल (سگال) फा. स्त्री.–चिंता, फ़िक्र; ध्यान, सोच, खयाल, विचार, (प्रत्य.) सोचनेवाला, जैसे–'खैरसिगाल' भलाई सोचनेवाला।

सिगालिंदः (سگالندہ) फा. वि.–सोचनेवाला।

सिगालिश (سگالش) फा. स्त्री.–चिन्ता, फ़िक्र; विचार, खयाल।

सिगालीदः (سگالیدہ) फा. वि.–सोचा हुआ, विचारा हुआ।

सिगालीदनी (سگالیدنی) फा. वि.–सोचने योग्य, विचारने योग्य।

सिग़्र (صغر) अ. पुं.–दे. शुद्ध उच्चारण 'सिग़र', 'सिग़्र' ग़लत है।

सिजंजल (سجنجل) अ. पुं.–दर्पण, मुकुर, आईना।

सिजाफ़ (سجاف) फा. स्त्री.–कपड़े के चारों ओर लगायी जानेवाली गोट, सजाफ़।

सिजिल [ल्ल] (سجل) अ. वि.–दस्तावेज़ जो रजिस्ट्रार की मुह्र और दस्तखत आदि से ठीक हो गयी हो; बैनामा, विक्रयलेख।

सिज्जीन (سجین) अ. स्त्री.–भयानक कारागार; एक नरक; बुरे आचरणवालों का रजिस्टर।

सिज्जील (سجیل) अ. पुं.–एक पत्थर, कच्चा पत्थर, कंकर।

सिज्दः (سجدہ) अ. पुं.–ईश्वर के लिए सर झुकाना; नमाज में जमीन पर सर रखना।

सिज्दःरेज़ (سجدہریز) अ. फा. वि.–सज्दा करनेवाला।

सिज्दःरेज़ी (سجدہریزی) अ. फा. स्त्री.–सज्दा करना, सज्दे में गिरना।

सिज्न (سجن) अ. पुं.–जेलखाना, कारागार।

सितंबः (ستنبہ) फा. पुं.–बुरी और डरावनी शक्ल; स्वप्न में डरानेवाला भूत।

सितद (ستد) फा. स्त्री.–लेना, लेन, यह शब्द अकेला नहीं बोला जाता, 'दाद' के साथ मिलाकर 'दादोसितद' बोलते हैं।

सितब्र (سطبر) फा. वि.–मोटा, दलदार, दबीज़।

सितम (ستم) फा. पुं.–अत्याचार, अनीति, ज़ुल्म; ईशकोप, ग़ज़ब; ज़बर्दस्ती, हठ; बहुत अधिक, बहुत; अंधेर।

सितमईजाद (ستم ایجاد) फा. अ. वि.–बहुत बड़ा अत्याचारी, जो नये-नये अत्याचार ईजाद करता हो।

सितमकश (ستم کش) फा. वि.–सितम उठानेवाला, अत्याचार सहनेवाला।

सितमकशी (ستم کشی) फा. स्त्री.–अत्याचार सहना, सितम बरदाश्त करना।

सितमकशीदः (ستم کشیدہ) फा. वि.–सितम उठाये हुए, अत्याचार सहा हुआ, मज़्लूम, पीड़ित।

सितमकुश्तः (ستم کشتہ) फा. वि.–जो किसी के अत्याचार से मारा गया हो।

सितमकेश (ستم کیش) फा. वि.–जिसका स्वभाव ही अत्याचार करना हो, बहुत बड़ा अन्यायी।

सितमगर (ستم گر) फा. वि.–सितम करनेवाला, अत्याचारी–"मैंने चाहा था कि अनदोहे जफ़ा से छूटूं। वह सितमगर मेरे मरने पे भी राज़ी न हुआ।"

सितमगरी (ستم گری) फा. स्त्री.–अत्याचार करना।

सितमगार (ستم گار) फा. वि.–दे. 'सितमगर'।

सितमगारी (ستم گاری) फा. स्त्री.–दे. 'सितमगरी'।

सितमगिर्वीदः (ستم گرویدہ) फा. वि.–जो किसी के अत्याचारों पर मुग्ध हो, जो चाहता हो कि उस पर अत्याचार होते ही रहें अर्थात् प्रेमी।

सितमगिर्वीदगी (ستم گرویدگی) फा. स्त्री.–अत्याचार पर मुग्ध होना, यह चाहना कि अत्याचार होते रहें।

सितमज़दः (ستم زدہ) फा. वि.–अत्याचारग्रस्त, जिस पर सितम हो, मज़्लूम, पीड़ित।

सितमज़दगी (ستم زدگی) फा. स्त्री.–सितमज़दः होना।

सितमज़रीफ़ (ستم ظریف) फा. अ. वि.–जो हँसी-हँसी में अत्याचार करे, हँसते-हँसते मार रखनेवाला।

सितमज़रीफ़ी (ستم ظریفی) फ़ा. अ. स्त्री.–हँसी के पर्दे में अत्याचार करना।

सितमदीदः (ستم دیدہ) फ़ा. वि.–दे. 'सितमकशीदः'।

सितमपर्वर्दः (ستم پروردہ) फ़ा. वि.–जिसका जीवन सितम सहते बीता हो।

सितमपेशः (ستم پیشہ) फ़ा. वि.–दे. 'सितमकेश'।

सितमपेशगी (ستم پیشگی) फ़ा. स्त्री.–सितमपेशः होना।

सितमरसीदः (ستم رسیدہ) फ़ा. वि.–दे. 'सितमकशीदः'।

सितमरानी (ستم رانی) फ़ा. स्त्री.–सितम करना, पीड़ा देना।

सितमशिआर (ستم شعار) फ़ा. वि.–दे. 'सितमकेश'।

सितमशिआरी (ستم شعاری) फ़ा. अ. स्त्री.–सितमशिआर होना, स्वभाव में अत्याचार होना।

सितां (ستاں) फ़ा. प्रत्य.–लेनेवाला, जैसे—'जांसितां' प्राण लेनेवाला।

सिता (ستا) फ़ा. प्रत्य.–प्रशंसा करनेवाला, जैसे—'खुद-सिता' अपनी प्रशंसा करनेवाला।

सिताइंदः (ستائندہ) फ़ा. वि.–प्रशंसक, तारीफ़ करनेवाला।

सिताइश (ستائش) फ़ा. स्त्री.–प्रशंसा, श्लाघा, तारीफ़; स्तुति, हम्दोसना।

सिताइशगर (ستائش گر) फ़ा. वि.–प्रशंसक, तारीफ़ करने-वाला; स्तुतिकर्ता, हम्द करनेवाला।

सिताईदः (ستائیدہ) फ़ा. वि.–प्रशस्त, तारीफ़ किया हुआ।

सिताज़न (ستازن) फ़ा. वि.–सितार बजानेवाला, तंत्री।

सितादः (ستادہ) फ़ा. वि.–'इस्तादः' का लघु., खड़ा हुआ।

सितानिंदः (ستانندہ) फ़ा. वि.–लेनेवाला, ग्राहक।

सितारः (ستارہ) फ़ा. पुं.–तारा, उडु; ग्रह, सैयारः; भाग्य, तक़्दीर।

सितारःजबीं (ستارہ جبیں) फ़ा. वि.–दे. 'सितारःपेशानी'।

सितारःदां (ستارہ داں) फ़ा. वि.–ज्योतिषी, नुजूमी।

सितारःपरस्त (ستارہ پرست) फ़ा. वि.–तारों की पूजा करनेवाला।

सितारःपेशानी (ستارہ پیشانی) फ़ा. वि.–वह घोड़ा जिसके माथे पर सफ़ेद छोटा चिह्न हो, ऐसा घोड़ा अशुभ समझा जाता है।

सितारःबीं (ستارہ بیں) फ़ा. वि.–ज्योतिषी, नुजूमी।

सितारःबीनी (ستارہ بینی) फ़ा. स्त्री.–ग्रहों के द्वारा शुभा-शुभ फल का ज्ञान।

सितारःशनास (ستارہ شناس) फ़ा. वि.–ज्योतिषी, नुजूमी।

सितारःशनासी (ستارہ شناسی) फ़ा. स्त्री.–ज्योतिष, नुजूम।

सितार (ستار) फ़ा. पुं.–एक बाजा, तंत्री।

सितारज़न (ستارزن) फ़ा. वि.–सितार बजानेवाला, तंत्री।

सिताम (ستام) फ़ा. पुं.–घोड़े का आभूषण।

सिती (ستی) फ़ा. स्त्री.–साध्वी, सती, पार्सा स्त्री।

सितूदः (ستودہ) फ़ा. वि.–प्रशस्त:, तारीफ़ किया हुआ।

सितूदःऔसाफ़ (ستودہ اوصاف) अ. फ़ा. वि.–दे. 'सितूदः-सिफ़ात'।

सितूदःकार (ستودہ کار) फ़ा. वि.–जिसका काम क़ाबिले तारीफ़ हो।

सितूदःख़साइल (ستودہ خصائل) फ़ा. अ. वि.–जिसकी आदतें तारीफ़ के योग्य हों, अच्छे स्वभाववाला।

सितूदःसिफ़ात (ستودہ صفات) फ़ा. अ. वि.–जिसके गुण प्रशंसनीय हों, अच्छे गुणोंवाला।

सितेज़ः (ستیزہ) फ़ा. पुं.–युद्ध, लड़ाई, जंग।

सितेज़ (ستیز) फ़ा. पुं.–युद्ध, जंग, लड़ाई; शत्रुता, दुश्मनी; प्रतिकूलता, नामुआफ़क़त।

सितेज़ां (ستیزاں) फ़ा. वि.–युद्ध करता हुआ, लड़ता हुआ।

सितेज़िंदः (ستیزندہ) फ़ा. वि.–लड़नेवाला, योद्धा।

सितेहिश (ستیہش) फ़ा. स्त्री.–लड़ाई, झगड़ा, युद्ध।

सित्तः (ستہ) अ. वि.–छै, षट्।

सित्तःअशर (ستہ عشر) अ. वि.–सोलह, षोडश।

सित्रः (سترہ) अ. पुं.–कोट, बड़ा कोट।

सित्र (ستر) अ. पुं.–पर्दा, छिपाव, घूंघट।

सिदी (ثدی) अ. स्त्री.–स्तन, पिस्तां, मर्द का हो या स्त्री का, दे. 'सदी'।

सिद्इ (ثدئی) अ. स्त्री.–'सिदी' का शुद्ध उच्चारण यही है, स्तन, चूची, दे. 'सद्इ'।

सिद्क़ (صدق) अ. पुं.–सत्यता, सच्चाई, यथार्थता, वाक़िईयत; निश्छलता, खुलूस।

सिद्क़दिली (صدق دلی) अ. फ़ा. स्त्री.–निश्छलता, निष्कपटता, स्वभाव की सरलता, खुलूस।

सिद्क़मक़ाल (صدق مقال) अ. वि.–बात का पक्का, जो कह दे उसे अवश्य करनेवाला, सत्यधृति, सत्यवचन; सत्य-वादी, सच बोलनेवाला।

सिद्क़मक़ाली (صدق مقالی) अ. स्त्री.–बात कहकर उसे निबाहना, वचन की दृढ़ता; सच बोलना।

सिद्क़शिआर (صدق شعار) अ. वि.–सत्यनिष्ठ, सच्चाई को हाथ से न देनेवाला।

सिद्क़शिआरी (صدق شعاری) अ. स्त्री.–सच्चाई पर दृढ़ता, सत्यनिष्ठता।

सिद्क़े आ'माल (صدق اعمال) अ. पुं.–आचरण की शुद्धि; किसी अच्छे फल की कामना के बिना धर्म करना।

सिद्क़े नीयत (صدق نیت) अ. पुं.–अंतःशुद्धि, मन की पवित्रता; किसी की चीज़ की ओर नज़र न करना, ईमानदारी।

सिद्दीक़ (صدیق) अ. वि.–बहुत ही सच्चा और जाँनिसार दोस्त जिस पर किसी अवस्था में भी भरोसा किया जा सके।

सिद्दीक़े अक्बर (صدیق اکبر) अ. पुं.–इस्लाम के पहले ख़लीफ़ा हज्रत अबूबक्र की उपाधि।

सिद्र: (سدرہ) अ. पुं.–स्वर्ग के सबसे ऊँचे मकान पर एक बेर का पेड़।

सिद्रतुलमुंतहा (سدرۃالمنتہی) अ. पुं.–बेर का एक पेड़ जो सातवें आस्मान पर है, और जहाँ तक किसी की पहुँच नहीं है, केवल 'जिब्रील' जा सकते हैं, उससे आगे कोई नहीं जा सकता।

सिन [न] (سن) अ. पुं.–आयु, उम्र; साल; दंत, दशन, दाँत।

सिनरसीद: (سن رسیدہ) अ. फा. वि.–वयोवृद्ध, गतायु, बूढ़ा।

सिनरसीदगी (سن رسیدگی) अ. फा. स्त्री.–वृद्धावस्था, बुढ़ापा।

सिनाँ (سناں) फा. स्त्री.–बाण की नोक, अनी; बरछा, भाला, कुंत, शक्ति; बरछी की नोक।

सिनाँकश (سناں کش) फा. वि.–तीरंदाज, धनुर्धर।

सिनाअत (صناعت) अ. स्त्री.–व्यवसाय, उपजीविका, पेशा; शिल्प, दस्तकारी, कारीगरी।

सिनान (سنان) स्त्री.–दे. 'सिनाँ'।

सिनीन (سنین) अ. पुं.–'सिन' का बहु., बरस, साल।

सिनीने माज़िय: (سنین ماضیہ) अ. पुं.–गुज़रे हुए बरस, बीते हुए साल।

सिनीने मुस्तक़्बिल: (سنین مستقبلہ) अ. पुं.–आनेवाला साल, आगामी बरस।

सिने तमीज़ (سن تمیز) अ. पुं.–अच्छे-बुरे में विवेक कर सकने की आयु, प्रौढ़ावस्था।

सिने बुलूग़ (سن بلوغ) अ. पुं.–बालिग़ होने की उम्र, युवावस्था।

सिने शबाब (سن شباب) अ. पुं.–जवानी की उम्र, युवावस्था।

सिने शुऊर (سن شعور) अ. पुं.–दे. 'सिने तमीज़'।

सिने शैख़ूख़त (سن شیخوخت) अ. पुं.–जरावस्था, बुढ़ापा, बुढ़ापे की आयु।

सिन्नौर (سنور) अ. स्त्री.–बिल्ली, मार्जारी।

सिन्फ़ (صنف) अ. स्त्री.–जाति, जिंस; वर्ग, तब्क़:; वंश, नस्ल।

सिन्फ़े नाज़ुक (صنف نازک) अ. स्त्री.–स्त्रीवर्ग, महिलाएँ, स्त्रियाँ, औरतें।

सिन्फ़े लतीफ़ (صنف لطیف) अ. स्त्री.–दे. 'सिन्फ़े नाज़ुक'।

सिपंज (سپنج) फा. पुं.–थोड़े दिन, चंद दिन।

सिपंजी (سپنجی) फा. वि.–थोड़े दिन का, चंदरोज़:, क्षणस्थायी।

सिपंद (سپند) फा. पुं.–काला दाना जो नज़र उतारने को जलाया जाता है, दे. 'सपंद', दोनों शुद्ध हैं।

सिपंदाँ (سپنداں) फा. पुं.–दे. 'सिपंद'।

सिपर (سپر) फा. स्त्री.–तलवार रोकने के अस्त्र, ढाल, चर्म, कवच।

सिपरअंदाख़्त: (سپرانداختہ) फा. वि.–जिसने लड़ाई में हार मान ली हो, हार मानकर अपनी ढाल-तलवार रख दी हो।

सिपरअंदाज़ी (سپراندازی) फा. स्त्री.–हार मान लेना।

सिपरग़म (سپرغم) फा. पुं.–एक वनौषधि, मरुआ, रैहाँ।

सिपरी (سپری) फा. वि.–समाप्त, ख़त्म।

सिपस (سپس) फा. वि.–तत्पश्चात्, उसके बाद।

सिपह (سپہ) फा. स्त्री.–'सिपाह' का लघु., सेना, बल, फ़ौज।

सिपहगरी (سپہ گری) फा. स्त्री.–सिपाहीपन; फ़ौज की नौकरी; शूरता, बहादुरी।

सिपहदार (سپہ دار) फा. पुं.–सेनानायक, फ़ौज का अफ़सर।

सिपहबद (سپہبد) फा. पुं.–दे. 'सिपहसालार'।

सिपह्बुद (سپہبد) फा. पुं.–दे. 'सिपहसालार'।

सिपहसालार (سپہسالار) फा. पुं.–सेनापति, सेनानी, सेनाध्यक्ष, कमांडर।

सिपहसालारी (سپہسالاری) फा. स्त्री.–सेनापतित्व, सेनापति का पद।

सिपानाख़ (سپاناخ) फा. स्त्री.–एक साग, पालक।

सिपारिंद: (سپارندہ) फा. वि.–सौंपनेवाला, हस्तान्तरण करनेवाला।

सिपारी (سپاری) फा. स्त्री.–पान में खाई जानेवाली डली, छालिया, सुपारी।

सिपास (سپاس) फा. स्त्री.–कृतज्ञता, एहसानमंदी; धन्यवाद, शुक्रिय:; स्तुति, गुणगान, हम्दोसना; प्रशंसा, तारीफ़।

सिपासगुज़ार (سپاس گزار) फा. वि.–कृतज्ञता, एहसानमंदी; स्तुति-पाठक, हम्दख़्वाँ; प्रशंसक, तारीफ़ करनेवाला।

सिपासगुज़ारी (سپاس گزاری) फा. स्त्री.–कृतज्ञता, स्तुति-पाठ; प्रशंसा।

सिपासगो (سپاس گو) फा. वि.–दे. 'सिपासगुज़ार'।

सिपासनामः (سپاس نامہ) फा. पुं.–अभिनंदनपत्र, मानपत्र, प्रतिष्ठापत्र।

सिपाह (سپاہ) फा. स्त्री.–सेना, बल, फ़ौज।

सिपाहगरी (سپاہ گری) फा. स्त्री.–सिपाही का पेशा; शूरता, बहादुरी; सिपाही का फ़न।

सिपाहाँ (سپاھاں) फा. पुं.–ईरान का एक प्रसिद्ध नगर इस्फ़िहान।

सिपाहियानः (سپاھیانہ) फा. वि.–सिपाहियों-जैसा; वीरतापूर्ण, बहादुराना।

सिपाही (سپاھی) फा. पुं.–फ़ौजी, सैनिक, फ़ौज का जवान; बहादुर और पराक्रमी व्यक्ति।

सिपाहीबचः (سپاھی بچہ) फा. पुं.–सिपाही का लड़का, सैनिक पुत्र; जिसके वंश में और लोग सिपाही हों।

सिपिस्ताँ (سپستاں) फा. स्त्री.–लहसोड़ा, लसोड़ा।

सिपिह्र (سپہر) फा. पुं.–आकाश, गगन, आस्मान।

सिपिह्रे गर्दाँ (سپہر گرداں) फा. पुं.–घूमनेवाला आकाश।

सिपिह्रे बरीं (سپہر بریں) फा. पुं.–सबसे ऊँचा आकाश, नवाँ आस्मान।

सिपुर्दः (سپردہ) फा. वि.–सौंपा हुआ, हस्तांतरित, दिया हुआ।

सिपुर्द (سپرد) फा. वि.–सौंपा हुआ, हवाले, हस्तगत; सौंपना, देना, हवाले करना।

सिपुर्दगी (سپردگی) फा. स्त्री.–सौंप, हवालगी; हवालात, हिरासत।

सिपुर्दनी (سپردنی) फा. वि.–सौंपने योग्य, हस्तांतरित करने योग्य।

सिपुर्दार (سپردار) फा. पुं.–जिसके सिपुर्द कोई माल किया जाय विशेषतः कुर्की का माल।

सिपुर्दारी (سپرداری) फा. स्त्री.–सिपुर्दगी में माल देना, किसी को सिपुर्दार बनाना।

सिपेदः (سپیدہ) फा. पुं.–सफ़ेदी।

सिपेदःदम (سپیدہ دم) फा. पुं.–गजरदम, बहुत तड़के।

सिपेद (سپید) फा. वि.–सफ़ेद।

सिपेदए शफ़क़ (سپیدۂ شفق) फा. अ. पुं.–सवेरे की सफ़ेदी।

सिपेदए सुब्ह (سپیدۂ صبح) फा. अ. पुं.–सवेरे की सफ़ेदी, जो निकलने से पहले आकाश पर फैल जाती है।

सिपेदी (سپیدی) फा. स्त्री.–श्वेतता, शुभ्रता, सफ़ेदी।

सिपोख्तः (سپوختہ) फा. वि.–दे. 'सिपोज़ीदः'।

सिपोज़ीदः (سپوزیدہ) फा. वि.–एक चीज़ में दूसरी चीज़ घुसेड़ी हुई; एक चीज़ में से दूसरी चीज़ निकाली हुई।

सिपोज़ीदगी (سپوزیدگی) फा. स्त्री.–अंदर घुसेड़ना; बाहर निकालना।

सिफ़त (صفت) अ. स्त्री.–प्रशंसा, तारीफ़; गुण, वस्फ़; उत्तमता, उम्दगी; प्रभाव, तासीर; समान, तुल्य, जैसे—'सगसिफ़त' कुत्ते-जैसा; (व्या.) विशेषण, किसी चीज़ का गुण।

सिफ़ाक़ (صفاق) अ. स्त्री.–आँतों पर चढ़ी हुई एक बारीक झिल्ली।

सिफ़ात (صفات) अ. उभ.–'सिफ़त' का बहु., सिफ़तें।

सिफ़ाती (صفاتی) अ. वि.–वह दोष या गुण जो किसी के स्वभाव में न हो, अस्थायी रूप से हो।

सिफ़ाते ज़ाती (صفات ذاتی) अ. उभ.–वह अच्छाइयाँ जो किसी के स्वभाव में हों, बनावटी न हों।

सिफ़ाते हसनः (صفات حسنہ) अ. उभ.–अच्छे गुण, ख़ूबियाँ।

सिफ़ाद (صفاد) अ. स्त्री.–बेड़ी और हथकड़ी।

सिफ़ानत (سفانت) अ. स्त्री.–जहाज़ बनाने का काम, नावें बनाने का फ़न।

सिफ़ारत (سفارت) अ. स्त्री.–सफ़ीर का काम, दूतकर्म, एलचीगरी।

सिफ़ारतख़ानः (سفارت خانہ) अ. फा. पुं.–सफ़ीर के रहने और उसके दफ़्तर का स्थान, दूतावास।

सिफ़ारिश (سفارش) फा. स्त्री.–शु. उ. 'सुफ़ारिश' है, परन्तु उर्दू में सिफ़ारिश ही है, अभिस्ताव, अनुशंसा।

सिफ़ाल (سفال) फा. स्त्री.–मिट्टी का बरतन; मिट्टी का ठीकरा।

सिफ़ालगर (سفال گر) फा. वि. कुंभकार, कुम्हार, मिट्टी के बरतन बनानेवाला।

सिफ़ालीं (سفالیں) फा. वि.–मिट्टी का बना हुआ, मृण्मय।

सिफ़ाह (سفاح) अ. स्त्री.–व्यभिचार, बुरा काम, हराम, ज़िना।

सिफ़्तः (سفتہ) फा. वि.–हर मोटी और गफ़ चीज़; मोटा कपड़ा।

सिफ़्र (صفر) अ. पुं.–बिन्दु, नुक़्ता; शून्य, खाली।

सिफ़्लः (سفلہ) अ. वि.–अधम, नीच, कमीना, लोफ़र।

सिफ़्लःकार (سفلہ کار) अ. फा. वि.–जिसके काम बहुत ही गिरे हुए हों।

सिफ़्लःख़ू (سفلہ خو) अ. फा. वि.–जिसका स्वभाव बहुत ही कमीना हो, क्षुद्रप्रकृति।

सिफ़्लःनवाज़ (سفلہ نواز) अ. फा. वि.–कमीनों को बढ़ावा देने और उनका पक्षपात करनेवाला।

सिफ़्लःनिहाद (سفلہ نہاد) अ. फ़ा. वि.—दे. 'सिफ़्लःख़ू'।
सिफ़्लःमिज़ाज (سفلہ مزاج) अ. वि.—दे. 'सिफ़्लःख़ू'।
सिफ़्लःपर्वर (سفلہ پرور) अ. फ़ा. वि.—दे. 'सिफ़्लनवाज़'।
सिफ़्लः वरी (سفلہ پروری) अ. फ़ा. स्त्री.—नीच और लोफ़र लोगों को प्रोत्साहन देना, शरीफ़ों के मुक़ाबले में उनकी हिमायत करना।
सिफ़्लःमज़ाक़ (سفلہ مذاق) अ. वि.—पस्तमज़ाक़, जिसकी साहित्य-रसज्ञता निम्न कोटि की हो।
सिफ़्लःशिआर (سفلہ شعار) अ. वि.—नीच स्वभाववाला, क्षुद्रप्रकृति।
सिफ़्ल (سفل) अ. पुं.—निचाई, निम्नता, पस्ती।
सिफ़्लगी (سفلگی) अ. स्त्री.—अधमता, नीचता, कमीनगी, लोफ़रपन, छिछोरापन, ओछापन।
सिफ़्ली (سفلی) अ. स्त्री.—निम्न कोटि का, घटिया; भूत-प्रेतवाला अमल।
सिफ़्वत (صفوت) अ. स्त्री.—श्रेष्ठता, उत्तमता, बुज़ुर्गी; पवित्रता, पाकी; (वि.) पवित्र, निर्मल, साफ़; श्रेष्ठ, उत्तम, बुज़ुर्ग; सार, तत्त्व, ख़ुलासा।
सिबाअ (سباع) अ. पुं.—'सब' का बहु., फाड़ खानेवाले जानवर, दरिंदे।
सिबाक़ (سباق) अ. पुं.—दौड़ में आगे बढ़ जाना।
सिबाल (سبال) अ. स्त्री.—'सबलत' का बहु., मूँछें।
सिबाहत (سباحت) अ. स्त्री.—तैरना, पैरना, तैराकी, दे. 'सबाहत', दोनों शुद्ध हैं।
सिब्ग़ः (صبغہ) अ. पुं.—वर्ण, रंग; धर्म, दीन।
सिब्ग़ (صبغ) अ. पुं.—वर्ण, रंग।
सिब्ग़तुल्लाह (صبغۃ اللہ) अ. पुं.—इस्लाम धर्म।
सिब्त (سبط) अ. पुं.—लड़की का लड़का, दौहित्र, दुहिता-सुत, नाती, नवासा।
सिब्ते नबी (سبط نبی) अ. पुं.—पैग़ंबर साहिब का नवासा, हज़्रत फ़ातिमा का लड़का।
सिब्तैन (سبطین) अ. पुं.—दोनों नाती, अर्थात् नवासे; हज़्रत मुहम्मद साहिब के दोनों नवासे, हसनैन।
सिब्र (صبر) अ. पुं.—एक प्रसिद्ध ओषधि, एलुआ, दे. 'सब्र' और 'सबिर', तीनों शुद्ध हैं।
सिमाअ (سماع) अ. पुं.—गाना सुनना; वज्द और हाल आना।
सिमाक (سماک) अ. पुं.—चौदहवाँ नक्षत्र, चित्रा।
सिमाके आ'ज़ल (سماک اعزل) अ. पुं.—चौदहवें नक्षत्र का एक सितारा, जिसके पास दूसरा तारा नहीं है।
सिमाके रामेह (سماک رامح) अ. पुं.—चौदहवें नक्षत्र का एक तारा, जिसके पास एक तारा और है।
सिमाख़ (سماخ-صماخ) अ. पुं.—कान का छेद, श्रवण-रंध्र, कर्ण-विवर।
सिमात (سماط) अ. स्त्री.—चटाई, दस्तरख़्वान; पंक्ति, क़तार।
सिमात (سمات) अ. पुं.—'सम्त' का बहु., दिशाएँ; 'सिमत' का बहु., बहुत से दाग़ या निशान।
सिमाम (صمام) अ. पुं.—मुँहबंद बोतल।
सिम्त (سمت) अ. स्त्री.—दे. 'सम्त' शुद्ध वही है, परंतु उर्दू में 'सिम्त' भी बोल देते हैं, दिशा, तरफ़।
सिम्त (سمط) अ. स्त्री.—मोती, मुक्ता,, मौक्तिक, दे. 'सम्त' दोनों शुद्ध हैं।
सिम्सिम (سمسم) अ. स्त्री.—तिल्ली, एक प्रसिद्ध बीज, तिल।
सियर (سیر) अ. स्त्री.—'सीरत' का बहु., सीरतें, जीवन चरित।
सियह (سیہ) फ़ा. वि.—'सियाह' का लघु., दे. 'सियाह'।
सियहकार (سیہ کار) फ़ा. वि.—दे. 'सियाहकार'।
सियहकारी (سیہ کاری) फ़ा. स्त्री.—दे. 'सियाहकारी'।
सियहकासः (سیہ کاسہ) फ़ा. वि.—दे. 'सियाहकासः'।
सियहकासगी (سیہ کاسگی) फ़ा. स्त्री.—दे. 'सियाहकासगी'।
सियहख़ानः (سیہ خانہ) फ़ा. वि.—दे. 'सियाहख़ानः'।
सियहचर्दः (سیہ چردہ) फ़ा. वि.—दे. 'सियाहचर्दः'।
सियहचश्म (سیہ چشم) फ़ा. वि.—दे. 'सियाहचश्म'।
सियहचश्मी (سیہ چشمی) फ़ा. स्त्री.—दे. 'सियाहचश्मी'।
सियहज़बान (سیہ زبان) फ़ा. वि.—दे. 'सियाहज़बान'।
सियहज़बानी (سیہ زبانی) फ़ा. स्त्री.—दे. 'सियाहज़बानी'।
सियहजर्दः (سیہ جردہ) फ़ा. वि.—काले चमड़ेवाला, जिसका रंग काला हो, हबशी।
सियहताब (سیہ تاب) फ़ा. वि.—दे. 'सियाहताब'।
सियहताले' (سیہ طالع) फ़ा. अ. वि.—दे. 'सियाहताले''।
सियहदस्त (سیہ دست) फ़ा. वि.—दे. 'सियाहदस्त'।
सियहदिल (سیہ دل) फ़ा. वि.—दे. 'सियाहदिल'।
सियहदिली (سیہ دلی) फ़ा. स्त्री.—दे. 'सियाहदिली'।
सियहनामः (سیہ نامہ) फ़ा. वि.—दे. 'सियाहनामः'।
सियहपिस्ताँ (سیہ پستاں) फ़ा. वि.—दे. 'सियाहपिस्ताँ'।
सियहपोश (سیہ پوش) फ़ा. वि.—दे. 'सियाहपोश'।
सियहपोशी (سیہ پوشی) फ़ा. स्त्री.—दे. 'सियाहपोशी'।
सियहफ़ाम (سیہ فام) फ़ा. वि.—दे. 'सियाहफ़ाम'।
सियहफ़ामी (سیہ فامی) फ़ा. स्त्री.—दे. 'सियाहफ़ामी'।
सियहबख़्त (سیہ بخت) फ़ा. वि.—दे. 'सियाहबख़्त'।

सियहबख़्ती (سیہ بختی) फ़ा. स्त्री.–दे. 'सियाहबख़्ती'।
सियहबहार (سیہ بہار) फ़ा. वि.–दे. 'सियाहबहार'।
सियहबातिन (سیہ باطن) फ़ा. अ. वि.–दे. 'सियाहबातिन'।
सियहबातिनी (سیہ باطنی) फ़ा. अ. स्त्री.–दे. 'सियाह-बातिनी'।
सियहबादाम (سیہ بادام) फ़ा. वि.–वह सुन्दर स्त्री जिसकी आँखें काली हों; काली आँख।
सियहमस्त (سیہ مست) फ़ा. वि.–दे. 'सियाहमस्त'।
सियहमस्ती (سیہ مستی) फ़ा. स्त्री.–दे. 'सियाहमस्ती'।
सियहरू (سیہ رو) फ़ा. वि.–दे. 'सियाहरू'।
सियहरूई (سیہ روی) फ़ा. स्त्री.–दे. 'सियाहरूई'।
सियहरोज़ (سیہ روز) फ़ा. वि.–दे. 'सियाहरोज़'।
सियहरोज़गार (سیہ روزگار) फ़ा. वि.–दे. 'सियाह रोज़-गार'।
सियहरोज़ी (سیہ روزی) फ़ा. वि.–दे. 'सियाहरोज़ी'।
सियहसाल (سیہ سال) फ़ा. वि.–दे. 'सियाहसाल'।
सियाक़ (سیاق) अ. पुं.–हाँकना, चलाना; बाज़ पक्षी के पाँव की डोर; गणित, हिसाब।
सियाक़े इबारत (سیاق عبارت) अ.पुं.–इबारत का ढंग, जैसे–सियाक़े इबारत से पता चलता है कि आपको रुपये की आवश्यकता है।
सियाक़े बयान (سیاق بیان) अ. पुं.–बात का ढंग, तक़्रीर का अंदाज़, जैसे–सियाक़े बयान से मालूम होता है कि आप को एतिराज़ है।
सियाक़ोसिबाक़ (سیاق و سباق) अ. पुं.–अगला-पिछला, इबारत का अगला-पिछला भाग जिससे किसी बात का अंदाज़ा हो।
सियादत (سیادت) अ. स्त्री.–प्रतिष्ठा, बुज़ुर्गी; अध्यक्षता, सरदारी; सैयिद होना।
सियानत (صیانت) अ. स्त्री.–संरक्षण, निगहबानी, निगरानी।
सियाब (ثیاب) अ. पुं.–सियाब का बहु., कपड़े।
सियाम (صیام) अ. पुं.–रोज़ों के दिन, रोज़ों का महीना, रोज़े।
सियासत (سیاست) अ. स्त्री.–राजनीति, नीति, पालिटिक्स; छल, फ़रेब, मक्कारी; राष्ट्र का प्रबंध, मुल्क का इंतिज़ाम; डाँट-डपट, तंबीह; दंड, सज़ा।
सियासतगर (سیاست گر) अ. फ़ा. वि.–सज़ा देनेवाला।
सियासतगाह (سیاست گاہ) फ़ा. स्त्री.–सज़ा देने का स्थान; ऐसी जगह जहाँ कूटनीति और मक्कारी चलती हो।
सियासतदाँ (سیاست داں) अ. फ़ा. वि.–राजनीति जानने-वाला, नीतिज्ञ।
सियासतदानी (سیاست دانی) अ. फ़ा. स्त्री.–राजनीति जानना।
सियासते मुदन (سیاست مدن) अ. स्त्री.–नगर का प्रबंध।
सियासी (سیاسی) अ. फ़ा. वि.–राजनीति का; राजनीति से सम्बद्ध, राजनीति जाननेवाला।
सियासीयात (سیاسیات) अ. स्त्री.–सियासत की बातें; सियासतें।
सियाहः (سیاہہ) फ़ा. पुं.–माल के दफ़्तर की कच्ची बही, जिसमें नाज या नक़्दी लिखी जाती है।
सियाहःनवीस (سیاہہ نویس) फ़ा. पुं.–सियाहे का रजिस्टर लिखनेवाला।
सियाह (سیاہ) फ़ा. वि.–कृष्ण, असित, काला।
सियाह (صیاح) अ.पुं.–ज़ोर की आवाज़, नाद; चीख़, पुकार, फ़र्याद; वावैला, रोना-पीटना।
सियाहक़लम (سیاہ قلم) फ़ा. अ. स्त्री.–वह चित्र जो बिलकुल काला बनाया जाय; साँवले रंग का माशूक़।
सियाहक़ल्ब (سیاہ قلب) फ़ा. अ. वि.–पापात्मा, पापी; कठोरहृदय, बेरहम।
सियाहकाम (سیاہ کام) फ़ा. वि.–असफलमनोरथ, नाकाम-याब, अभागा, बदक़िस्मत।
सियाहकार (سیاہ کار) फ़ा. वि.–दुश्चरित, पापाचारी, पापी, गुनाहगार।
सियाहकारी (سیاہ کاری) फ़ा. स्त्री.–पापकर्म, गुनाह।
सियाहकासः (سیاہ کاسہ) फ़ा. वि.–कृपण, कंजूस, बख़ील।
सियाहख़ानः (سیاہ خانہ) फ़ा. पुं.–मुसीबत का घर, आप-त्तियों और कष्टोंवाला घर; क़ैदख़ाना, कारागार; जिसका घर-बार उजड़ गया हो, ख़ानःवीराँ; अभागा, बदक़िस्मत।
सियाह गिलीम (سیاہ گلیم) फ़ा. वि.–अभागा, बदक़िस्मत; निर्धन, कंगाल।
सियाहगोश (سیاہ گوش) फ़ा. पुं.–एक कुत्ते के बराबर जानवर जिससे शेर डरता है।
सियाहचर्दः (سیاہ چردہ) फ़ा. वि.–काले चमड़े का, काले रंगवाला, हब्शी।
सियाहचश्म (سیاہ چشم) फ़ा. वि.–जिसकी आँखें काली हों; काली आँखोंवाली सुन्दरी, जो बहुत अच्छी होती है; शिकारी चिड़िया।
सियाहचश्मी (سیاہ چشمی) फ़ा. स्त्री.–आँख का काला होना।
सियाहचाल (سیاہ چال) फ़ा. वि.–अंधा कुआँ जिसमें पहले ज़माने में मुजिम बंद किये जाते थे।

सियाहज़बाँ (سیاہ زباں) फा. वि.–जिसका कोसना तुरन्त लग जाय, शापसिद्ध।

सियाहज़बानी (سیاہ زبانی) फा. स्त्री.–कोसना तुरन्त लगना।

सियाहज़र्दः (سیاہ جردہ) फा. वि.–दे. 'सियाहचर्दः'।

सियाहत (سیاحت) अ. स्त्री.–देश-देश घूमना, पर्यटन; सफ़र, यात्रा।

सिहायताब (سیاہ تاب) फा. वि.–वह रंग जो साफ़ किये हुए लोहे पर नींबू लगाकर आग में तपाने से हो जाता है।

सियाहताले' (سیاہ طالع) फा. अ. वि.–बुरे भागोंवाला, अभागा, बदक़िस्मत।

सियाहदरूँ (سیاہ دروں) फा. वि.–जिसका दिल काला हो, पापी; निष्ठुर, बेरहम।

सियाहदस्त (سیاہ دست) फा. वि.–कृपण, कंजूस, बख़ील।

सियाहदस्ती (سیاہ دستی) फा. स्त्री.–कृपणता, कंजूसी, बख़ीली।

सियाहदानः (سیاہ دانہ) फा. पुं.–कलौंजी, प्याज़ का बीज; इस्पंद, जो जलाया जाता है।

सियाहदिल (سیاہ دل) फा. वि.–पापी, गुनाहगार; निष्ठुर, बेरहम।

सियाहदिली (سیاہ دلی) फा. स्त्री.–पापकर्म, गुनाहगारी; हृदय की कठोरता, संगदिली।

सियाहनामः (سیاہ نامہ) फा. वि.–बदआ'माल, पापी।

सियाहपिस्ताँ (سیاہ پستاں) फा. स्त्री.–वह स्त्री जिसकी संतान न जीती हो।

सियाहपीर (سیاہ پیر) फा. पुं.–वह दास जो बूढ़ा हो गया हो, पुराना खिदमती, स्वामिभक्त।

सियाहपोश (سیاہ پوش) फा. वि.–काले कपड़े, पहनिने-वाला, सितांबर; मृतलोकग्रस्त, मातमदार।

सियाहपोशी (سیاہ پوشی) फा. स्त्री.–काले कपड़े पहनना; किसी का शोक मनाना।

सियाहफ़ाम (سیاہ فام) फा. वि.–काले रंग का, कृष्णांग।

सियाहफ़ामी (سیاہ فامی) फा. स्त्री.–काला रंग होना, हब्शी होना।

सियाहबख़्त (سیاہ بخت) फा. वि.–काले भागोंवाला, बुरे भाग्यवाला, हतभाग्य।

सियाहबख़्ती (سیاہ بختی) फा. स्त्री.–भाग्य का बुरा होना, अभागापन।

सियाहबहार (سیاہ بہار) फा. वि.–वह हरियाली जो शीत-प्रधान देशों में बर्फ़ के नीचे दबकर गर्मियों में निकलती है और बहुत हरी होती है।

सियाहबातिन (سیاہ باطن) फा. अ. वि.–काले अंतः-करणवाला, पापात्मा; दुराचारी, ख़बीस।

सियाहबातिनी (سیاہ باطنی) फा. अ. स्त्री.–अंतःकरण का काला होना।

सियाहमस्त (سیاہ مست) फा. वि.–बहुत अधिक मस्त।

सियाहमस्ती (سیاہ مستی) फा. स्त्री.–बहुत अधिक मस्ती।

सियाह मू (سیاہ مو) फा. वि.–जिसके बाल काले हों; जो अभी जवान हो।

सियाहरंग (سیاہ رنگ) फा. वि.–काले रंगवाला, कृष्ण-वर्ण।

सियाहरू (سیاہ رو) फा. वि.–पापी, दुराचारी, मसिमुख, बदकार; जिसका मुँह काला हो, कृष्णमुख।

सियाहरूई (سیاہ روئی) फा. स्त्री.–पाप, दुराचार, बदकारी; मुँह का रंग काला होना, हब्शीपन।

सियाहरोज़ (سیاہ روز) फा. वि.–जिसके दिन ख़राब हों, जो गर्दिश का शिकार हो, कालचक्रग्रस्त।

सियाहरोज़गार (سیاہ روزگار) फा. वि.–कालचक्रग्रस्त, मुसीबत में गिरिफ़्तार, बदक़िस्मत, भाग्यहीन।

सियाहरोज़ी (سیاہ روزی) फा. स्त्री.–बदक़िस्मती, दिनों का फेर, गर्दिश, कालचक्र।

सियाहसंग (سیاہ سنگ) फा. वि.–जुरजान का एक गाँव।

सियाहसर (سیاہ سر) फा. वि.–मगरमच्छ, घड़ियाल।

सियाहसाल (سیاہ سال) फा. वि.–दुर्भिक्ष का समय, दुर्भिक्ष का वर्ष, क़हतसाली का साल।

सियाहसोख़्तः (سیاہ سوختہ) फा. वि.–बहुत अधिक जला हुआ, बिलकुल जला हुआ।

सियाही (سیاہی) फा. स्त्री.–कालिमा, असितता, कालौंच; अंधकार, तिमिर, अँधेरा; काजल, कज्जल; कलंक, दोष, बदनामी का टीका; मसि, रोशनाई।

सियाहोसफ़ेद (سیاہ و سفید) फा. पुं.–काला और सफ़ेद, सितासित; संपूर्ण, सब, पूरा, जैसे––सियाहोसफ़ेद का मालिक।

सिर [र्र] (سر) अ. पुं.–मर्म, भेद, राज़, रहस्य।

सिराज (سراج) अ. पुं.–दीप, दीपक, दिया, चिराग़।

सिरात (صراط) अ. स्त्री.–मार्ग, पथ, रास्ता।

सिराते मुस्तक़ीम (صراط مستقیم) अ. स्त्री.–सरल मार्ग, सीधा रास्ता; धर्मपथ, सन्मार्ग, सच्चाई का रास्ता।

सिरिश्क (سرشک) फा. पुं.–नेत्रजल, अश्रु, आँसू; अश्रुबिंदु, आँसू की बूँद; बिन्दु, बूँद, क़त्रः।

सिरिश्तः (سرشتہ) फा. पुं.–गूँधा हुआ।

सिरिश्त (سرشت) फा. स्त्री.–स्वभाव, प्रकृति, सरश्त;

गुण, ख़वास, धर्म; ख़मीर, जिससे कोई वस्तु बनायी जाय; (प्रत्य.) स्वभाववाला, जैसे—इफ़्फ़तसिरिश्त, स्वभाव से पतिव्रता।

सिरेश (سریش) फा. स्त्री.—एक चिपकनेवाला पदार्थ, जो ऊँट, गाय-भैंस आदि के कच्चे चमड़े से बनता और लकड़ी आदि जोड़ने के काम आता है, सरेस।

सिरेशम (سریشم) फा. पु.—दे. 'सिरेशम माही'; दे. 'सिरेश'।

सिरेशम माही (سریشم ماهی) फा.पु.—एक विशेष मछली का बना हुआ सिरेश जो दवा के काम आता है और राजरोग अर्थात् तपेदिक़ की बहुत अच्छी दवा है।

सिर्क: (سرکہ) फा. पु.—फल, गन्ने या ताड़ी आदि का रस जो धूप में रखकर खट्टा किया जाता है।

सिर्क:जबीं (سرکہ جبیں) फा. वि.—दुःशील, बदख़ू; चिड़चिड़ा, तुरुशरू।

सिर्क:पेशानी (سرکہ پیشانی) फा. वि.—दे. 'सिर्क:जबीं'।

सिर्क:फ़रोश (سرکہ فروش) फा. वि.—सिर्का बेचनेवाला; रूखी और बेमुरव्वती बातें करनेवाला।

सिर्फ़ (صرف) अ. वि.—निष्केवल, परिशुद्ध, ख़ालिस; केवल, फ़क़त; एकाकी, अकेला; निरा, सब।

सिर्बाल (سربال) अ. पु.—वस्त्र, लिबास, वसन, पहनने की चीज़।

सिर्रे पिनहाँ (سر پنہاں) अ. फा. पु.—गुप्त भेद, गूढ़ मर्म, ऐसा राज़ जो कहा न जा सके।

सिर्हान (سرحان) अ. पु.—वृक, भेड़िया।

सिल: (صلہ) अ. पु.—प्रतिकार, बदला; प्रत्यपकार, बुराई का बदला; प्रत्युपकार, भलाई का बदला; पुरस्कार, इनआम; उपहार, तोहफ़ा; किसी परिश्रम का फल या बदला, धन के रूप में हो या किसी दूसरे रूप में।

सिल (سل) अ. स्त्री.—फेफड़ों का ज़ख़्म, रक्तकास, यह तपेदिक़ नहीं होती, परंतु इसकी चिकित्सा न होने पर बन जाती है।

सिलए रहिम (صلۂ رحم) अ.पु.—अपने परिवारवालों से प्रेम रखना और यथाशक्ति उनकी सहायता करना।

सिलह (سلح) अ. पु.—शस्त्र, आयुध, हथियार।

सिलहख़ान: (سلح خانہ) अ. फा. पु.—जहाँ हथियार रहते हों, शस्त्रागार।

सिलहदस्त (سلح دست) अ. फा. वि.—हाथ में हथियार लिये हुए, खड्गपाणि, सशस्त्र।

सिलहदार (سلحدار) अ. फा. वि.—हथियारबंद, शस्त्रधारी; योद्धा, सिपाही, शस्त्रजीवी।

सिलहदारी (سلحداری) अ. फा. स्त्री.—हथियारबंद होना; सिपाहीपन; सिपाही का पेशा।

सिलहपोश (سلح پوش) अ. फा. वि.—हथियारबंद, शस्त्रधारी।

सिलहशोर (سلح شور) अ. फा. वि.—दे. 'सिलहदार'।

सिलात (صلات) अ. पु.—सिल: का बहु., सिले, बदले, पुरस्कार, बख़्शिशें।

सिलाय: (صلایہ) अ. पु.—रगड़ने या घिसने का बट्टा; जिस पर कोई चीज़ घिसी या पीसी जाय, सिल।

सिलाह (سلاح) अ. पु.—शस्त्र, अस्त्र, आयुध, हथियार।

सिलाह (صلاح) अ. पु.—संधि, मुसालहत; मित्रता, दोस्ती; शान्ति, सुकून।

सिलाहदस्त (سلاح دست) अ. फा. वि.—हथियारबंद, हाथ में हथियार लिये हुए, खड्गपाणि।

सिलाहदस्ती (سلاح دستی) अ. फा. स्त्री.—हथियारबंदी, हाथ में हथियार होना।

सिलाहशोर (سلاح شور) अ. फा. वि.—हथियारबंद, सशस्त्र; शस्त्रधारी, सैनिक।

सिलाहशोरी (سلاح شوری) अ. फा. स्त्री.—हथियारबंदी; सशस्त्रता, सिपाहीपन, सैनिकता।

सिलाही (سلاحی) अ. वि.—सैनिक, सिपाही, फ़ौजी।

सिल्क (سلک) अ. उभ.—तंतु, डोरा, तागा; वह डोरा जिसमें मोती पिरोये हों; तार, धातु का तार।

सिल्की (سلکی) अ. वि.—डोरे का, डोरे से सम्बन्धित; तार का, तार से सम्बन्धित।

सिल्के कहरुबाई (سلک کہربائی) अ. उभ.—बिजली का तार, बिजली के तार की लाइन।

सिल्के मुर्वारीद (سلک مروارید) अ. स्त्री.—मोतियों की लड़ी।

सिल्त: (سلطہ) अ. पु.—तेज़, तीव्र; लंबा, दीर्घ।

सिल्म (سلم) अ. स्त्री.—लड़कों के लिखने की तख़्ती, पट्टिका, दे. 'सलम', दोनों शुद्ध हैं।

सिल्सिल: (سلسلہ) अ. पु.—शृंखला, ज़ंजीर; पंक्ति, क़तार, जैसे—पहाड़ों का सिलसिला; कुल, वंश, गोत्र; वंश वृक्ष, शज्र:; किसी बड़े महात्मा के शिष्यों का अनुक्रम; क्रम, तर्तीब।

सिल्सिल:जुंबाँ (سلسلہ جنباں) अ. फा. वि.—किसी बातको उठानेवाला, कोई प्रसंग छेड़नेवाला, कोई तहरीक करनेवाला।

सिल्सिल:जुंबानी (سلسلہ جنبانی) अ. फा. स्त्री.—किसी बात को उठाना, किसी बात की तहरीक करना।

सिल्सिलःबंदी (سلسلہ بندی) अ. फा. स्त्री.–क्रमबद्धता, वार्तीबी; पंक्तिबद्धता, क़तारबंदी।

सिल्सिलःवार (سلسلہ وار) अ. फा. वि.–क्रम से, क्रमशः, तर्तीब से; एक-एक करके; एक के बाद एक।

सिल्सिलए कलाम (سلسلۂ کلام) अ. पुं.–बातों का सिलसिला।

सिल्सिलए कोह (سلسلۂ کوہ) अ. फा. पुं.–पहाड़ों का सिलसिला, पर्वतमाला।

सिल्सिलए ख़यालात (سلسلۂ خیالات) अ. पुं.–विचार-क्रम, ख़यालों का तार।

सिल्सिलए नसब (سلسلۂ نسب) अ. पुं–वंशानुक्रम, वंशावली; नसबनामः।

सिल्सिलए हादिसात (سلسلۂ حادثات) अ. पुं.–एक के बाद दूसरी घटना का सिलसिला, घटनाचक्र, घटनाक्रम।

सिवा (سوا) फा. अव्य.–अतिरिक्त, अलावा; विना, वग़ैर; अन्य, दूसरा; फ़ालतू, फ़ाज़िल।

सिवुम (سوم) फा. वि.–तृतीय, तीसरा; मुसलमान मरनेवाले के तीजे का फ़ातहः।

सिह (سہ) फा. वि.–तीन, त्रय।

सिहगूनः (سہ گونہ) फा. वि.–तीनगुना, त्रिगुण, तिगुना।

सिहगोशः (سہ گوشہ) फा. वि.–तीन कोनोंवाला, त्रिकोण।

सिहचंद (سہ چند) फा. वि.–तीनगुना, त्रिगुण।

सिहज़मानी (سہ زمانی) फा. अ. वि.–तीनों कालों से सम्बन्ध रखनेवाला, त्रैकालिक।

सिहनिकाती (سہ نکاتی) फा. अ. वि.–तीन उसूलोंवाला फ़ार्मूला, त्रिसूत्री।

सिहपहलू (سہ پہلو) फा. वि.–तीन कोनोंवाला, त्रिकोण, त्रिपार्श्व।

सिहमंज़िलः (سہ منزلہ) फा. अ. वि.–तीन खंडोंवाला घर, जिसमें तले-ऊपर तीन दर्जे हों।

सिहमाहः (سہ ماہہ) फा. वि.–तीन महीने में होनेवाला, त्रैमासिक; तीन महीने की आयु का।

सिहरंगी (سہ رنگی) फा. वि.–तीन रंगोंवाला, त्रैवर्णिक।

सिहशंबः (سہ شنبہ) फा. पुं.–मंगलवार, मंगल का दिन।

सिहसालः (سہ سالہ) फा. वि.–तीन वर्षों में होने या पड़नेवाला, त्रैवार्षिक; तीन वर्ष की आयु का।

सिहाम (سہام) अ. पुं.–'सह्म' का बहु., बहुत से बाण; हिस्से, अंश, भाग।

सिहाह (صحاح) अ. पुं.–'सहीह' का बहु., स्वस्थ और नीरोग लोग, (स्त्री.) हदीस का एक सुप्रसिद्ध ग्रंथ।

सिह्र (سحر) अ. पुं.–मंत्र-तंत्र द्वारा हिंसाकर्म, अभिचार; शावदःबाज़ी, मायाकर्म, इंद्रजाल; टोना, टोटका; तिलिस्म, माया और छल से रचित स्थान; चमत्कार, अचंभे में डालनेवाली बात।

सिह्रअंगेज़ (سحر انگیز) अ. फा. वि.–जादू का असर रखनेवाला, आश्चर्यजनक।

सिह्रअंगेज़ी (سحر انگیزی) अ. फा. स्त्री.–जादू के असर का होना।

सिह्रआफ़्रीं (سحر آفریں) अ. फा. वि.–जादू पैदा करनेवाला, चमत्कार दिखानेवाला।

सिह्रआफ़्रीनी (سحر آفرینی) अ. फा. स्त्री.–जादू पैदा करना, अचंभे में डालना।

सिह्रआमेज़ (سحر آمیز) अ. फ़ा. वि.–जिसमें जादू मिला हो अर्थात् आश्चर्यजनक।

सिह्रआमेज़ी (سحر آمیزی) अ. फा. स्त्री.–जादू मिला होना।

सिह्रकलाम (سحر کلام) अ. वि.–जिसकी बातों में जादू हो।

सिह्रकलामी (سحر کلامی) अ. स्त्री.–बातों में जादू का असर होना।

सिह्रकार (سحر کار) अ. फा. वि.–जादूगर, मायावी, इंद्रजाली, मायाकार।

सिह्रतराज़ (سحر طراز) अ. फा. वि.–जादूगर, इंद्रजाली।

सिह्रतराज़ी (سحر طرازی) अ. फा. स्त्री.–जादूगरी, मायाकर्म।

सिह्रफ़न (سحر فن) अ. वि.–जादूगर, इंद्रजालिक, तांत्रिक, मायाकार।

सिह्रबयान (سحر بیان) अ. वि.–दे. 'सिह्रकलाम'।

सिह्रबयानी (سحر بیانی) अ. स्त्री.–दे. 'सिह्रकलामी'।

सिह्रबाज़ (سحر باز) अ. फा. वि.–दे. 'सिह्रकार'।

सिह्रबाज़ी (سحر بازی) अ. फा. स्त्री.–सिह्रकारी, जादूगरी, मायाकर्म।

सिह्रबार (سحر بار) अ. फा. वि.–जादू फैलानेवाला, चमत्कार करना।

सिह्रबारी (سحر باری) अ. फा. वि.–स्त्री, जादू फैलाना, चमत्कार करना।

सिह्रसंज (سحر سنج) अ. फा. वि–जादूगर, इंद्रजाली, मायाकार।

सिह्रसंजी (سحر سنجی) अ. फा. स्त्री.–जादूगरी, मायाकर्म, इंद्रजाल।

सिह्रसाज़ (سحر ساز) अ. फा. वि.–दे. 'सिह्रकार'।

सिह्रसाज़ी (سحر سازی) अ. फा. स्त्री.–सिह्रकारी, मायाकर्म।

सिह्रे सामिरी (سحر سامری) अ. पुं.—सामिरी का जादू जिसने धातु के बछड़े में प्राण डाल दिये थे, बहुत बड़ा जादू।

सिह्रे हलाल (سحر حلال) अ. पुं.—वह जादू जिसका करना धर्म में विहित है, कविता का जादू।

सिह्हत (صحت) अ. स्त्री.—स्वास्थ्य, तनदुरुस्ती; शुद्धि, दुरुस्ती।

सिह्हतअफ़्ज़ा (صحت افزا) अ. फा. वि.—स्वास्थ्यवर्द्धक, तनदुरुस्ती बढ़ानेवाला।

सिह्हतख़ानः (صحت خانہ) अ. फा. पुं.—शौचालय, संडास, पाख़ानः।

सिह्हतनामः (صحت نامہ) अ. फा. पुं.—शुद्धिपत्र, किसी पुस्तक के साथ लगाया जानेवाला त्रुटियों की शुद्धि का पत्र।

सिह्हतबख़्श (صحت بخش) अ. फा. वि.—स्वास्थ्यदायक, तनदुरुस्ती देनेवाला, रोगमुक्त करनेवाला।

सिह्हतमंद (صحت مند) अ. फा. वि.—स्वस्थ, तनदुरुस्त; जिसमें कोई दोष न हो, बढ़िया, उत्तम।

सी

सी (سی) फा. वि.—तीस, तीस की संख्या, त्रिंशत्।

सीकनक (سیکنک) तु. वि.—आहिस्तः, धीरे, होले।

सीकी (سیکی) फा. स्त्री.—शराब जिसे इतना औटाया जाय कि वह तिहाई रह जाय।

सीख़ (سیخ) फा. स्त्री.—लोहे की सलाख़, शलाका।

सीख़चः (سیخچہ) फा. पुं.—छोटी सीख, छोटी सलाख़।

सीख़पर (سیخ پر) फा. पुं.—चिड़िया का वह बच्चा जिसके पर अभी-अभी निकले हों; मुर्ग़ाबी से छोटा एक आबी परंद।

सीख़पा (سیخ پا) फा. वि.—पिछले पैरों पर खड़ा हुआ घोड़ा।

सीख़े जारोब (سیخ جاروب) फा. स्त्री.—झाड़ू की सींक।

सीग़ः (صیغہ) अ. पुं.—शीओं का ब्याह; विभाग, महकमः।

सीग़ए ग़ाइब (صیغۂ غائب) अ. पुं.—प्रथम पुरुष, जिसके विषय में बात की जाय (व्या.)।

सीग़ए मुतकल्लिम (صیغۂ متکلم) अ. पुं.—उत्तम पुरुष, जो बात करनेवाला है (व्या.)।

सीग़ए राज़ (صیغۂ راز) अ. फा. पुं.—गुह्य, गोपनीय, छिपाई जानेवाली बात।

सीग़ए हाज़िर (صیغۂ حاضر) अ. पुं.—मध्यमपुरुष, जिससे संमुख होकर बात की जाय (व्या.)।

सीत (صیت) अ. स्त्री.—चर्चा, ज़िक्र; ख्याति, शोहरत।

सीनः (سینہ) फा. पुं.—वक्षःस्थल, अंतरंस, छाती; स्तन, पयोधर, चूची।

सीनःअफ़्गार (سینہ افگار) फा. वि.—जिसका हृदय फट गया हो, विदीर्णहृदय, भग्नहृदय।

सीनःकावी (سینہ کاوی) फा. स्त्री.—कड़ा परिश्रम, कड़ा प्रयास।

सीनःकोबी (سینہ کوبی) फा. स्त्री.—छाती पीटना, सीना कूटना; मातम करना, मातम, धम्माल।

सीनःचाक (سینہ چاک) फा. वि.—जिसकी छाती फट गई हो, अर्थात् जिसको कोई बहुत बड़ा शोक सहना पड़ा हो।

सीनःज़न (سینہ زن) फा. वि.—सीना कूटनेवाला अर्थात् मातम करनेवाला।

सीनःज़नी (سینہ زنی) फ़ा. स्त्री.—छाती कूटना, अर्थात् मातम करना।

सीनःज़ोर (سینہ زور) फा. वि.—अत्याचारी, ज़ालिम; विद्रोही, बाग़ी; उद्दंड, सरकश।

सीनःज़ोरी (سینہ زوری) फा. स्त्री.—अत्याचार; विद्रोह; उद्दंडता।

सीनःदरसीनः (سینہ درسینہ) फा. वि.—दे. 'सीनः बसीनः'।

सीनःदरी (سینہ دری) फा. स्त्री.—सीना चाक करना, शोक में अस्त-व्यस्त होना।

सीनःपोश (سینہ پوش) फा. पुं.—छाती ढाँकनेवाला कपड़ा, सीनःबंद, उरस्थान, उरश्छद।

सीनःफ़िगार (سینہ فگار) फा. वि.—भग्नहृदय, जिसकी छाती फट गई हो, जिसको कोई बहुत ही बड़ा शोक सहना पड़ा हो।

सीनःबंद (سینہ بند) फा. पुं.—अँगिया, चोली; छाती गर्म रखनेवाला एक वस्त्र; बच्चों की राल टपकने का कपड़ा, जो सीने पर बाँधते हैं।

सीनःबसीनः (سینہ بسینہ) फा. वि.—छाती से छाती मिलाये हुए; वह बात जो किसी वंश में एक दूसरे की बताई हुई चली आती हो।

सीनःबाज़ (سینہ باز) फा. वि.—खुले सीने का; चौड़े सीने-वाला।

सीनःरेश (سینہ ریش) फा. वि.—जिसका हृदय घायल हो; प्रेमी, आशिक़; शोक-संतप्त, ग़मज़दः।

सीनःशिगाफ़ (سینہ شگاف) फा. वि.—दे. 'सीनःचाक'।

सीनःसाफ़ (سینہ صاف) फा. अ. वि.—निश्छल, बेकपट, साफ़ दिल का, स्वच्छहृदय।

सीनःसिपर (سینہ سپر) फा. वि.—डटकर मुक़ाबले पर आया हुआ, सीनः सामने करके लड़नेवाला।

सीनःसियाह (سینہ سیاہ) फा. वि.—जिसका दिल काला हो अर्थात् जो बड़ा पापी हो, पापात्मा; कठोरहृदय, संगदिल।

सीनःसोख्तः (سینہ سوختہ) फा. वि.—दग्धहृदय, तप्त-हृदय, मुसीबत का मारा, आफ़तज़दः।

सीन (سین) अ. पुं.—अरबी का १२वाँ, फ़ारसी का १५वाँ, उर्दू का १८वाँ और हिंदी का ३०वाँ अक्षर।

सीन (صین) अ. पुं.—चीन, एक प्रसिद्ध देश।

सीपारः (سی پارہ) फा. पुं.—तीस टुकड़ों में बँटा हुआ; क़ुरान के तीस खंडों में से एक।

सीना (سینا) अ. पुं.—शाम (अरब) का एक पहाड़, कोहे तूर; बूअली का बाप, जिसके सम्बन्ध से वह 'बूअली सीना' कहलाता है।

सीम (سیم) फा. स्त्री.—रजत, चाँदी, नुक़्रः; धन, दौलत, परंतु दूसरे अर्थ में 'ज़र' के साथ 'सीमो ज़र' आता है।

सीमअंदाम (سیم اندام) फा. वि.—जिसका शरीर चाँदी-जैसा धवल और उज्ज्वल हो, रजतांगना, गौरवर्णा।

सीमकार (سیم کار) फा. वि.—अच्छी अदाओंवाला (वाली)।

सीमकारी (سیم کاری) फा. स्त्री.—हाव-भाव, नाज़ो अंदाज़।

सीमकुश (سیم کش) फा. वि.—फ़ुज़ूलखर्च, अपव्ययी।

सीमकुशी (سیم کشی) फा. स्त्री.—फ़ुज़ूलखर्ची, अपव्यय।

सीमगिल (سیم گل) फा. स्त्री.—पोतने की मिट्टी, पंडोल; गोरा चट्टा, सफ़ेद चमड़े का।

सीमज़क़न (سیم ذقن) फा. वि.—जिसकी ठोड़ी पर बाल न हों और वह साफ़ हो, नौखेज लड़का, अम्रद।

सीमतन (سیم تن) फा. वि.—चाँदी-जैसे सफ़ेद शरीरवाला, गौरवर्ण, रजतांग (पुं.), गौरवर्णा, रजतांगना (स्त्री.)।

सीमबर (سیم بر) फा. वि.—चाँदी-जैसी गोरी और सख्त वक्षःस्थलवाली नायिका।

सीमसाक़ (سیم ساق) फा. वि.—जिसकी पिंडलियाँ चाँदी-जैसी गोरी और सख्त हों।

सीमसुरीं (سیم سریں) फा. वि.—सुन्दर नितम्बवाली नायिका, नितंबिनी।

सीमा (سیما) फा. स्त्री.—ललाट, भाल, माथा, पेशानी; ऐसा चिह्न जिससे किसी चीज़ की पहचान हो सके।

सीमाब (سیماب) फा. पुं.—पारद, पारा, एक धातु।

सीमाबगूँ (سیماب گوں) फा. वि.—पारे के रंगवाला, पारे जैसा सफ़ेद।

सीमाब दरगोश (سیماب درگوش) फा. वि.—बधिर, बहिरा, जो ऊँचा सुने।

सीमाबदिल (سیماب دل) फा. वि.—अधीर, आतुर, उतावला, बेसब्रा।

सीमाबवार (سیماب وار) फा. वि.—पारे की तरह व्याकुल या चंचल, अस्थिर।

सीमाबसिफ़त (سیماب صفت) फा. अ. वि.—पारे-जैसा चंचल; व्याकुल; जिसे एक जगह करार न हो।

सीमाबियत (سیمابیت) फा. स्त्री.—पारा-जैसा चंचल या व्याकुल होना, अस्थिरता।

सीमाबी (سیمابی) फा. वि.—पारे का; पारे का बना हुआ; पारे से संबंधित।

सीमाबे कुश्तः (سیماب کشتہ) फा. पुं.—मरा हुआ पारा, पारे का कुश्तः, पारद-भस्म।

सीमिया (سیمیا) अ. स्त्री.—वह विद्या जिससे मनुष्य अपना शरीर छोड़कर दूसरे के शरीर में दाखिल हो जाता है, पर-काय-प्रवेश-विद्या; ऐसी वस्तुओं को देखना जो वास्तविक में न हों।

सीमीं (سیمیں) फा. वि.—चाँदी का; चाँदी का बना हुआ; चाँदी-जैसा।

सीमींअंदाम (سیمیں اندام) फा. वि.—रजतांग, चाँदी-जैसे उज्ज्वल शरीरवाला (पुं.); रजतांगना (स्त्री.)।

सीमींआरिज़ (سیمیں عارض) फा. अ. वि.—दे. 'सीमींइज़ार'।

सीमींइज़ार (سیمیں عذار) फा. अ. वि.—चाँदी-जैसे सफ़ेद और दीप्त गालोंवाला, रजतकपोल (पुं.), रजतकपोला (स्त्री.)।

सीमींज़क़न (سیمیں ذقن) फा. अ. वि.—जिसकी ठोड़ी पर बाल न आये हों, सुन्दर लड़का।

सीमींतन (سیمیں تن) फा. वि.—चाँदी-जैसे धवल और उज्ज्वल अंगोंवाला (वाली)।

सीमींबदन (سیمیں بدن) फा. वि.—दे. 'सीमींतन'।

सीमींरुख़ (سیمیں رخ) फा. वि.—दे. 'सीमींइज़ार'।

सीमींसाक़ (سیمیں ساق) फा. वि.—उज्ज्वल और कठोर पिंडलियोंवाली नायिका।

सीमुर्ग़ (سیمرغ) फा. पुं.—एक बहुत बड़ा पक्षी, जो क़ाफ़ पहाड़ में रहनेवाला माना गया है।

सीमे ख़ाम (سیم خام) फा. स्त्री.—खालिस और बेमेल चाँदी।

सीमे ख़ालिस (سیم خالص) फा. अ. स्त्री.—खरी और निर्मल चाँदी।

सीमे नाब (سیم ناب) फा. स्त्री.—दे. 'सीमे ख़ालिस'।

सीमे सोख्तः (سیم سوختہ) फा. स्त्री.—खालिस चाँदी, खरी चाँदी; लाजवर्द, एक रत्न, राजावर्त।

सीमे हलाल (سیم حلال) फा. अ. स्त्री.—खालिस चाँदी।

सीमो ज़र (سیم و زر) फा. पुं.—सोना और चाँदी अर्थात् धन-दौलत, माल, दौलत।

सीर (سیر) फा. पुं.—लहसुन, लशुन।

सीरत (سیرت) अ. स्त्री.–स्वभाव, प्रकृति, आदत; जीवन-चरित, सवानेहउम्री; अख़्लाक़, सौजन्य।

सीरतन (سیرتاً) अ. वि.–स्वाभावतः, आदत में, स्वभाव से।

सीरते ख़ूब (سیرتِ خوب) अ. फा. स्त्री.–अच्छा स्वभाव, अच्छी आदतें।

सीरते पाक (سیرتِ پاک) अ. फा. स्त्री.–पवित्र स्वभाव; पवित्र जीवनचरित्र।

सीली (سیلی) फा. स्त्री.–चारों उँगलियों को खड़ा करके किसी की गर्दन पर मारना, पहले यह एक सज़ा भी थी।

सीस्तान (سیستان) फा. पुं.–दक्षिणी ईरान का एक प्रसिद्ध प्रदेश।

सु

सुंदरूस (سندروس) फा. पुं.–राजन, एक प्रसिद्ध गोंद, दे. संदरूस।

सुंदुस (سندس) अ. पुं.–एक बहुत ही महीन और बहुमूल्य रेशमी कपड़ा।

सुंदूक़ (صندوق) अ. पुं.–शुद्ध उच्चारण यही है, परंतु उर्दू में 'संदूक़' कहते हैं, दे. 'संदूक़'।

सुंबः (سنبہ) फा. पुं.–लोहे में छेद करने का लोहे का छोटा-सा औज़ार; लकड़ी में सूराख़ करने का औज़ार, बरमा।

सुंबुक (سنبک) फा. स्त्री.–छोटी नाव जो बड़ी नाव के साथ रहती है।

सुंबुलः (سنبلہ) अ. पुं.–गेहूँ की बाल; कन्याराशि, बुर्जे संबुलः।

सुंबुल (سنبل) अ. स्त्री.–गेहूँ या जौ की बाल, एक सुगंधित वनौषधि, बालछड़; अलक, ज़ुल्फ़।

सुंबुलुत्तीब (سنبل الطیب) अ. स्त्री.–बालछड़, जटामाँसी।

सुआद (سعاد) अ. स्त्री.–अरब की एक सुन्दरी।

सुआल (سعال) अ. स्त्री.–खाँसी, कास।

सुआल (سوال) अ. पुं.–प्रश्न, सवाल, इसका शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू में 'सवाल' ही है।

सुऊद (صعود) अ. पुं.–ऊपर जाना, ऊपर उठना; ऊपर आना।

सुऊद (سعود) अ. पुं.–'सा'द' का बहु., शुभ ग्रह, जैसे—वृहस्पति, शुक्र और चंद्र।

सुऊबत (صعوبت) अ. स्त्री.–कठिनता, कष्ट, दुशवारी; व्यथा, पीड़ा, तकलीफ़।

सुक [क्क] (سک) अ. पुं.–एक सुगंधित पदार्थ जो कई सुगंधित पदार्थों से मिलकर बनता है।

सुकारा (سکاریٰ) अ. पुं.–'सकरान' का बहु., मतवाले, नशे में चूर लोग, मस्त लोग।

सुक़ुब (ثقب) अ. पुं.–'सुक़्बः' का बहु., सूराख़ (बहुत से), छिद्र-समूह।

सुकुर्रः (سکرہ) अ. पुं.–मिट्टी का छोटा प्याला, कुल्हड़।

सुक़ूत (سقوط) अ. पुं.–गिरना, पात, पतन।

सुकूत (سکوت) अ. पुं.–मौन, चुप्पी, ख़ामोशी; सन्नाटा—"मेरे सुकूते यास पे इतना न हो मलूल। मुझको ख़ुदा न ख़्वास्ता तुझसे गिला नहीं।" (फ़िराक़)

सुकूते कामिल (سکوت کامل) अ. पुं.–पूरा सन्नाटा, बिलकुल ख़ामोशी।

सुकूते महज़ (سکوت محض) अ. पुं.–पूरा सन्नाटा।

सुकून (سکون) अ. पुं.–सन्नाटा, ख़ामोशी; शान्ति, अम्न; बीमारी में कमी; ठहराव, क़रार, विराम; आराम, इत्मीनान; संतोष, इत्मीनान; धैर्य, सब्र; जी ठंडा होना; अक्षर का हल् होना।

सुकूनत (سکونت) अ. स्त्री.–निवास, क़ियाम, बसाव।

सुकूनतपिज़ीर (سکونت پزیر) अ. फा. वि.–निवासी, बाशिंदः।

सुकूनती (سکونتی) अ. वि.–रहने का, रहने योग्य, जैसे—सुकूनती मकान।

सुकूने अबदी (سکون ابدی) अ. पुं.–मौत, मरण, हमेशा के लिए सुकून और शान्ति।

सुकूने आरिज़ी (سکون عارضی) अ. पुं.–थोड़े दिनों का इत्मीनान, अस्थायी संतोष।

सुकूने कामिल (سکون کامل) अ. पुं.–पूरी ख़ामोशी; पूरा संतोष; मौत की ख़ामोशी।

सुकूने दाइमी (سکون دائمی) अ. पुं.–दे. 'सुकूने अबदी'।

सुकूने मुत्लक़ (سکون مطلق) अ. पुं.–दे. 'सुकूने कामिल'।

सुकैनः (سکینہ) अ. स्त्री.–हज़्रत सकीनः का शुभ नाम, जो हज़्रत इमामहुसैन की सुपुत्री थीं।

सुक्कर (سکر) अ. स्त्री.–चीनी, शकर, शर्करा।

सुक्कान (سکان) अ. पुं.–साकिन का बहु., रहनेवाले, निवासी।

सुक्काने समावात (سکان سماوات) अ. पुं.–आस्मान के रहनेवाले, फ़िरिश्ते।

सुक़्तः (سقطہ) अ. पुं.–किसी चीज़ का गिरा हुआ टुकड़ा; बादल का टुकड़ा।

सुक्ना (سکنیٰ) अ. स्त्री.–निवास, बसना; निवासी, बसनेवाला।

सुक़्बः (ثقبہ) अ. पुं.–छिद्र, विवर, छेद, सूराख़।

सुक़ब (ثقب) अ. पुं.—'सुक़्ब:' का बहु., छिद्र-समूह, छेद, दे. 'सुक़ुब', दोनों शुद्ध हैं।

सुक़्बए इनबीय: (ثقبۂ عنبیہ) अ. पुं.—आँख का एक पर्दा, एक चक्षुपटल।

सुक़्म (سقم) अ. पु.—रोग, बीमारी।

सुक़्मूनिया (سقمونیا) अ. स्त्री.—एक विरेचक गोंद जो बहुत अच्छी दवा है।

सुक्र (سکر) अ. पुं.—मद, अभिमान, मादकता, नशा।

सुख़न (سخن) फा. पुं.—वार्ता, बात, कथन; शब्द, ध्वनि; वार्तालाप, बातचीत; संविदा, वादा, क़ौल; कविता, काव्य, शे'र, शाइरी; प्रवचन, मक़ूल:, दे. 'सख़ुन', दोनों शुद्ध हैं।

सुख़नआफ़्रीं (سخن آفریں) फा. वि.—कवि, शाइर।

सुख़नआफ़्रीनी (سخن آفرینی) फा. स्त्री.—कविता, काव्य-रचना, शाइरी।

सुख़नआरा (سخن آرا) फा. वि.—कवि, शाइर।

सुख़नआराई (سخن آرائی) फा. स्त्री.—काव्य-रचना, शाइरी।

सुख़नगुस्तर (سخن گستر) फा. वि.—कवि, शाइर; काव्य-मर्मज्ञ, शे'रशनास।

सुख़नगुस्तरी (سخن گستری) फा. स्त्री.—कविता कहना; कविता का गुण-दोष समझना।

सुख़नगो (سخن گو) फा. वि.—कवि, शाइर।

सुख़नगोई (سخن گوئی) फा. स्त्री.—कविता, शाइरी।

सुख़नगोया (سخن گویا) फा. वि.—सुखनगो, शाइर, कवि।

सुख़नचीं (سخن چیں) फा. वि.—छिद्रान्वेषी, ऐबचीं; पिशुन, चुग़ुलख़ोर; निन्दक, लुतरा।

सुख़नचीनी (سخن چینی) फा. स्त्री.—ऐब ढूंढ़ना; पिशुनता; लुतरापन।

सुख़नतकिय: (سخن تکیہ) फा.अ. पुं.—वह शब्द या वाक्य जो किसी की ज़बान पर चढ़ जाय और बातों में उसका प्रयोग बार-बार करे, चाहे उसकी आवश्यकता हो या न हो।

सुख़न तराज़ (سخن طراز) फा. वि.—कवि, शाइर।

सुख़नतराज़ी (سخن طرازی) फा. स्त्री.—कविता, शाइरी।

सुख़नदाँ (سخن داں) फा. वि.—शाइर, कवि; सुखनफ़ह्म, काव्य-मर्मज्ञ।

सुख़नदानी (سخن دانی) फा. स्त्री.—शाइरी, काव्य-रचना; कविता की परख।

सुख़ननवाज़ (سخن نواز) फा. वि.—कवियों और शाइरों की क़द्र करनेवाला, काव्यप्रेमी।

सुख़ननवाज़ी (سخن نوازی) फा. स्त्री.—कविता की क़द्र, कवियों का आदर।

सुख़नपरदाज़ (سخن پرداز) फा. वि.—कवि, शाइर।

सुख़नपरदाज़ी (سخن پردازی) फा. स्त्री.—कविता, शाइरी।

सुख़नपर्वर (سخن پرور) फा. वि.—कवि, शाइर; अपनी बात की पच करनेवाला; ग़लत या सही जो कह दिया उस पर अड़ा रहनेवाला, हठधर्म, हठी।

सुख़नपर्वरी (سخن پروری) फा. स्त्री.—कविता; बात की पच; हठधर्मी।

सुख़नफ़रामोश (سخن فراموش) फा. वि.—बात कहकर भूल जानेवाला; वादा याद न रखनेवाला।

सुख़नफ़रामोशी (سخن فراموشی) फा. स्त्री.—बात भूल जाना; वादा याद न रखना।

सुख़नफ़ह्म (سخن فہم) फा. अ. वि.—कविता का गुणदोष समझनेवाला, सहृदय, काव्य-मर्मज्ञ; बात की तह को पहुँच जानेवाला।

सुख़नफ़ह्मी (سخن فہمی) फा. अ. स्त्री.—कविता का गुण-दोष समझना, काव्य-मर्मज्ञता; जल्द बात की तह को पहुँचना।

सुख़नबाफ़ (سخن باف) फा. वि.—बातूनी, वाचाल, मुखर।

सुख़नबाफ़ी (سخن بافی) फा. स्त्री.—वाचालता, मुखरता, बातूनीपन।

सुख़नरस (سخن رس) फा. वि.—दे. 'सुखनफ़ह्म'।

सुख़नरसी (سخن رسی) फा. स्त्री.—दे. 'सुखनफ़ह्मी'।

सुख़नवर (سخن ور) फा. वि.—कवि, शाइर।

सुख़नवरी (سخن وری) फा. स्त्री.—कविता, शाइरी।

सुख़नशनास (سخن شناس) फा. वि.—दे. 'सुखनफ़ह्म'।

सुख़नशनासी (سخن شناسی) फा. स्त्री.—दे. 'सुखनफ़ह्मी'।

सुख़नशनौ (سخن شنو) फा. वि.—बात सुननेवाला, बात समझनेवाला, बात की क़द्र करनेवाला।

सुख़नसंज (سخن سنج) फा. वि.—दे. 'सुखनफ़ह्म'; दे. 'सुखनवर'।

सुख़नसंजी (سخن سنجی) फा. स्त्री.—काव्य-मर्मज्ञ; कवि।

सुख़नसरा (سخن سرا) फा. वि.—कवि, शाइर; तरन्नुम से शे'र पढ़नेवाला।

सुख़नसराई (سخن سرائی) फा. स्त्री.—कविता, शाइरी; तरन्नुम से शे'र पढ़ना।

सुख़नसाज़ (سخن ساز) फा. वि.—कवि, शाइर; बातों का चालाक; छली, मक्कार।

सुख़नसाज़ी (سخن سازی) फा. स्त्री.—कविता, शाइरी; बातों की चालाकी, ज़मान:साज़ी; छल, फ़रेब।

सुख़ने गर्म (سخن گرم) फ़ा. पुं.—तेज़ बात—ग़ुस्से की बात; ग़ुस्सा दिलानेवाली बात।

सुख़ने तल्ख़ (سخن تلخ) फ़ा. पुं.—कड़वी बात; सच्ची और खरी बात; बदज़बानी, मुख-चपलता।

सुख़ुन (سخن) फ़ा. पुं.—दे. 'सुख़न', शुद्ध यह भी है, परंतु 'सुख़न' बहुत अधिक शुद्ध है।

सुख़ूनत (سخونت) अ. स्त्री.—गर्म होना, उष्ण होना; उष्णता, उष्णिमा, गर्मी।

सुख़्तः (سختہ) फ़ा. वि.—तोला हुआ, तुलित।

सुख़्त (سخط) अ. पुं.—कोप, क्रोध, ग़ुस्सः, दे. 'सख़्त', दोनों शुद्ध हैं।

सुख़्तनी (سختنی) फ़ा. वि.—तोलने के योग्य, जिसे तोला जा सके।

सुख़्रः (سخرہ) फ़ा. स्त्री.—बेगार, बिना मज़दूरी का काम, विष्टि।

सुख़रः (سخرہ) अ. पुं.—मनोविनोद, मनोरंजन, ख़ुशतबई जिस पर लोग हँसें, हास्यास्पद, उपहसित; मस्ख़रः, विदूषक।

सुख़रत (سخرت) अ. स्त्री.—परिहास; उपहास, हँसी उड़ाना; मनोरंजन, तफ़ीह।

सुख़्री (سخری) अ. वि.—पश्चात्ताप, अफ़सोस।

सुख़्रीयः (سخریہ) अ. पुं.—मनोविनोद, तफ़ीह; ठठोल, फक्कड़पन; मस्ख़रःपन, विदूषकता।

सुगाचः (سگاچہ) फ़ा. पुं.—कावूस रोग, जिसमें स्वप्न में ऐसा जान पड़ता है कि कोई काला देव गला दबा रहा है।

सुग़्द (سغد) फ़ा. स्त्री.—नीची ज़मीन जहाँ बरसात का पानी इकट्ठा होता है; समरक़ंद के पास एक नगर।

सुग़्दी (سغدی) फ़ा. स्त्री.—ईरान की सात भाषाओं में से एक।

सुग़रा (صغریٰ) अ. स्त्री.—छोटी स्त्री; हर छोटी चीज़ जो स्त्रीलिंग हो।

सुग़राक़ (سغراق) तु. पुं.—बड़ा प्याला, वादियः।

सुजूद (سجود) अ. पुं.—प्रणाम करना, सर झुकाना; ईश्वर के आगे सर झुकाना; नमाज़ में सज्दः करना।

सुतुर्ग (سترگ) फ़ा. वि.—ज्येष्ठ, बड़ा; श्रेष्ठ, अज़ीम।

सुतुर्दः (سترده) फ़ा. वि.—मूँड़ा हुआ, मुंडित।

सुतुर्लाब (سطرلاب) फ़ा. पुं.—ग्रहों और तारों आदि के नापने का यंत्र।

सुतूअ़ (سطوع) अ. पुं.—बलंद होना, ऊँचा होना।

सुतूदः (ستوده) फ़ा. वि.—प्रशंसित, सराहा हुआ, जिसकी तारीफ़ की गयी हो।

सुतूदःकार (ستوده کار) फ़ा. वि.—जिसके काम क़ाबिले तारीफ़ हों।

सुतूदःसिफ़ात (ستوده صفات) फ़ा. अ. वि.—अच्छे गुणोंवाला, अच्छे आचार-व्यवहारवाला।

सुतूदाँ (ستودان) फ़ा. पुं.—आतशपरस्तों अर्थात् पार्सियों का समाधिस्थान या क़ब्रिस्तान।

सुतून (ستون) फ़ा. पुं.—स्थूण, खंभा; मीनार, लाट, स्तंभ।

सुतूने जराइद (ستون جرائد) फ़ा. अ. पुं.—अख़्बार का कालम, स्तंभ।

सुतूर (سطور) अ. स्त्री.—'सत्र' का बहु., सत्रें, लकीरें, पंक्तियाँ।

सुतूरे ज़ैल (سطور ذیل) अ. स्त्री.—लेख के नीचे की पंक्तियाँ।

सुतूरे बाला (سطور بالا) अ. फ़ा. स्त्री.—लेख के ऊपर की पंक्तियाँ।

सुतूह (سطوح) अ. स्त्री.—'सत्ह' का बहु., सत्हें।

सुतोर (ستور) फ़ा. पुं.—गौ, वृष, बैल; उष्ट्र, क्रमेल, ऊँट; अश्व, वाजि, घोड़ा।

सुतोह (ستوه) फ़ा. वि.—तंग आया हुआ, आजिज़; दुःखित, पीड़ित, रंजीदः; निःसंबंध, बेलगाव, बाज़।

सुदद (سدد) अ. पुं.—'सुद्दः' का बहु., सुद्दे, ग्रंथियाँ, गाँठें, मल या मवाद की गाँठें।

सुदाअ़ (صداع) अ. पुं.—सरदर्द, शिरःपीड़ा।

सुदाद (سداد) अ. पुं.—एक रोग है जिसमें नाक और सीने के रास्ते बंद हो जाते हैं।

सुदाब (سداب) फ़ा. स्त्री.—एक क्षुप जिसकी पत्ती औषधि में काम आती है, तितली।

सुदुस (سدس) अ. वि.—छठा षष्ठ, छठा।

सुदूर (صدور) अ. पुं.—जारी होना, निकलना।

सुद्ग़ः (صدغہ) अ. पुं.—कनपटी।

सुद्ग़ (صدغ) अ. पुं.—कनपटी।

सुद्ग़तैन (صدغتین) अ. पुं.—दोनों कनपटियाँ।

सुद्दः (سدہ) अ. पुं.—मवाद की गाँठ जो आँतों या रगों में पड़ जाती है।

सुद्स (سدس) अ. वि.—छठा षष्ठ।

सुनन (سنن) अ. स्त्री.—'सुन्नत' का बहु., सुन्नतें।

सुनाई (ثنائی) अ. वि.—दो अक्षरवाला शब्द; आगे के दो दाँत, ऊपर के हों या नीचे के।

सुनान (صنان) अ. स्त्री.—बग़ल की दुर्गंध; एक रोग जिसमें बग़ल से बू आती है।

सुनुअ़ (صنع) अ. स्त्री.—बनाना, पैदा करना; कारीगरी, शिल्प।

सुन्‌ए परवर्दगार (صنع پروردگار) अ. फा. स्त्री.–ईश्वर की कारीगरी।

सुन्क़ुर (سنقر) तु. पुं.–एक शिकारी पक्षी जो बाज़ की क़िस्म का होता है, और भारत में गर्मी के कारण ज़िंदः नहीं रहता।

सुन्नः (سنه) अ. पुं.–दे. 'सुन्नत'।

सुन्नत (سنت) अ. स्त्री.–नियम, क़ाइदः; पद्धति, तरीक़ः; मार्ग, रास्ता; प्रकृति, फ़ित्रत; स्वभाव, आदत; वह काम जो पैग़ंबर साहिब ने किया हो; ख़त्नः, मुसलमानी।

सुन्नते आबा (سنت آبا) अ. स्त्री.–बापदादा का दस्तूर, ख़ानदान का रवाज।

सुन्नते पैग़म्बरी (سنت پیغمبری) अ. फा. स्त्री.–पैग़ंबर साहिब का किया हुआ अमल, जिसके करने से सवाब मिलता है।

सुन्नते रसूल (سنت رسول) अ. स्त्री.–दे. 'सुन्नते पैग़ंबरी'।

सुन्नी (سنی) अ. पुं.–सुन्नत का अनुयायी, सुन्नी मुसलमान, मुसलमानों का एक समुदाय।

सुपार (سپار) फा. प्रत्य.–सौंपनेवाला, जैसे—'जाँसुपार' जान सौंपनेवाला।

सुपारिश (سپارش) फा. स्त्री.–दे. 'सिफ़ारिश'।

सुपुर्ज़ (سپرز) फा. स्त्री.–प्लीहा, तिल्ली, एक विशेष अवयव।

सुपुर्दः (سپرده) फा. वि.–सौंपा हुआ, दिया हुआ।

सुपुर्द (سپرد) फा. वि.–सौंपा हुआ, दिया हुआ।

सुपुर्दगी (سپردگی) फा. स्त्री.–सुपुर्द करना, किसी को देना।

सुपुर्दार (سپردار) फा. पुं.–वह व्यक्ति जिसके सुपुर्द किसी क़ुर्क़ी का माल हो।

सुपुश (سپش) फा. स्त्री.–जूँ, वह कीड़ा जो बालों में पड़ जाता है, स्वेदज लोम-यूक।

सुफ़रा (سفرا) अ. पुं.–'सफ़ीर' का बहु., दूत लोग, देशों के सफ़ीर।

सुफ़हा (سفہا) अ. पुं.–'सफ़ीह' का बहु., अधम लोग, कमीने।

सुफ़ारिश (سفارش) फा. स्त्री.–शुद्ध उच्चारण यही है, परंतु उर्दू में सिफ़ारिश ही बोलते हैं, इसलिए उर्दू में सिफ़ारिश ही शुद्ध है, दे. अर्थ के लिए 'सिफ़ारिश'।

सुफ़ाल (سفال) फा. पुं.–मिट्टी का बरतन; ठीकरा, दे. 'सिफ़ाल' वह भी शुद्ध है।

सुफ़ालीं (سفالیں) फा. वि.–मिट्टी का बना हुआ, मृण्मय।

सुफ़ुन (سفن) अ. पुं.–'सफ़ीनः' का बहु., नौकाएँ, नावें, कश्तियाँ।

सुफ़ूल (سفول) अ. पुं.–निचाई, निम्नता, पस्ती; नीचे उतरना, नीचे आना।

सुफ़्तः (سفته) फा. वि.–छेद किया हुआ; एक बाण; पिरोया हुआ।

सुफ़्तःगोश (سفته‌گوش) फा. वि.–जिसके कान छिदे हों; दास, ग़ुलाम; आज्ञापालक, मुतीअ़।

सुफ़्त (سفت) फा. पुं.–छेद, विवर, छिद्र, सूराख़।

सुफ़्तजः (سفتجه) फा. स्त्री.–हुंडी, चेक, धनादेश।

सुफ़्तनी (سفتنی) फा. वि.–पिरोने योग्य; छेद करने योग्य।

सुफ़्तीदः (سفتیده) फा. वि.–पिरोया हुआ, बिंधा हुआ।

सुफ़्फ़ः (صفه) अ. पुं.–पटाव का मकान, सायःदार जगह; छज्जा, साइवान।

सुफ़्यान (سفیان) अ. पुं.–पाक, साफ़, परहेज़गार।

सुफ़्रः (سفره) फा. पुं.–गुदा, मलद्वार, गक़्अद।

सुफ़्रः (سفره) अ. पुं.–वह कपड़ा जिस पर खाना खाते हैं, दस्तरख़्वान; तोशदान, टिफ़िन कैरियर, चूँकि सुफ़्रः का अर्थ फ़ारसी में मलद्वार है, इसलिए अरबी के शब्द सुफ़्रः को 'सफ़्रः' पढ़ने लगे हैं, दे. सफ़्रः।

सुफ़्रःचीं (سفره‌چیں) फा. वि.–दस्तरख़्वान का जूठा खानेवाला, अर्थात् दास, ग़ुलाम।

सुफ़्रची (سفرچی) फा. पुं.–ख़ानसामा बैरा, खाना खिलानेवाला।

सुफ़्रत (صفرت) अ. स्त्री.–पीलापन, पीतिमा, ज़र्दी, पीलाहट।

सुफ़्ल (سفل) अ. पुं.–निचाई, निम्नता, मस्ती, दे. 'सिफ़्ल', वह भी शुद्ध है।

सुफ़्ला (سفلی) अ. स्त्री.–'अस्फ़ल' का स्त्री.–बहुत नीची, निकृष्टा, अधमा।

सुफ़्ली (سفلی) अ. वि.–नीचे का, नीचेवाला, नीचे से संबंधित, दे. 'सिफ़्ली'।

सुबाई (سباعی) अ. स्त्री.–एक नज़्म जिसमें सात मिस्रे होते हैं; सप्त ग्रहों का समूह; सातों आकाश।

सुबात (سبات) अ. पुं.–समय, काल; स्वप्न, ख़्वाब, नींद; एक रोग जिसमें रोगी बहुत सोता है।

सुबुकतिगीं (سبکتگیں) तु. पुं.–सुल्तान महमूद के बाप का नाम, दे. 'सबुकतिगीं', वह भी शुद्ध है।

सुबू (سبو) फा. पुं.–पानी आदि का घड़ा, घट, मटका, कुंभ।

सुबूचः (سبوچه) फा. पुं.–छोटा घड़ा, ठिलिया, गागर, मटकी।

सुबूत (ثبوت) अ. पुं.–प्रमाण; तर्क, दलील; उदाहरण, मिसाल।

सुबूदान (سبودان) फा. पुं.–घड़ा रखने की टिकटी।

सुबूह (صبوح) अ. स्त्री.–प्रातःकाल, तड़का; सवेरे की शराब पीना।

सुबूह (سبوح) अ. वि.–अत्यन्त पवित्र, बहुत पाक; ईश्वर का एक नाम।

सुब्हः (سبحه) अ. पुं.–जपमाला, सुमरन, तस्बीह।

सुब्हःख़्वाँ (سبحه‌خوان) अ. फा. वि.–तस्बीह पढ़नेवाला, जप करनेवाला, जापक।

सुब्हःख़्वानी (سبحه‌خوانی) अ. फा. स्त्री.–दे. 'सुब्हः-गर्दानी'।

सुब्हःगर्दानी (سبحه‌گردانی) अ. फा. स्त्री.–तस्बीह फेरना, तस्बीह पढ़ना, माला फेरना, जप करना।

सुब्हरानी (سبحه‌رانی) अ.फा. स्त्री.–दे. 'सुब्हःगर्दानी'।

सुब्ह (صبح) अ. स्त्री.–प्रातःकाल, प्रभात, प्रात, भोर, तड़का।

सुब्हख़ंद (صبح‌خند) अ. फा. पुं.–ऐसी मुस्कुराहट जिसमें दाँत दिखाई दे जायँ, दे. 'सहरख़ंद' नं० २।

सुब्हख़ेज़ (صبح‌خیز) अ. फा. वि.–जिसे तड़के उठने की आदत हो।

सुब्हगाह (صبح‌گاه) फा. पुं.–प्रातःकाल, तड़के, गजरदम, गोविसर्ग, वासर संग।

सुब्हगाही (صبح‌گاهی) फा. स्त्री.–प्रातःकाल का, सवेरे का (की); प्रातःकाल, तड़का, सवेरा।

सुब्हदम (صبحدم) अ. फा. पुं.–बहुत तड़के, गजरदम।

सुब्हे अज़ल (صبح ازل) अ. स्त्री.–जब सृष्टि की रचना हुई वह समय।

सुब्हे अलस्त (صبح الست) अ. स्त्री.–सृष्टि-रचना, काल।

सुब्हे आख़िर (صبح آخر) अ. स्त्री.–दे. 'सुब्हे सादिक़'।

सुब्हे उम्मीद (صبح امید) अ. फा. स्त्री.–आशारूपी प्रभात।

सुब्हे काज़िब (صبح کاذب) अ. स्त्री.–झूठा सवेरा, वह रौशनी जिसके बाद फिर अँधेरा हो जाता है।

सुब्हे क़ियामत (صبح قیامت) अ. स्त्री.–क़ियामत के दिन का सवेरा, वह सवेरा जिस दिन क़ियामत होगी और सब लोग जी उठेंगे और अपना हिसाब देने के लिए एक बड़े मैदान में एकत्र होंगे।

सुब्हे जज़ा (صبح جزا) अ. स्त्री.–उस दिन का सवेरा जिस रोज़ क़ियामत में पाप-पुण्य का हिसाब-किताब होगा।

सुब्हे दुवुम (صبح دوم) अ. फा. स्त्री.–दे. 'सुबहे सादिक़'।

सुब्हे नुख़ुस्तीं (صبح نخستین) अ. फा. स्त्री.–दे. 'सुब्हे अज़ल'।

सुब्हे बहार (صبح بہار) अ. फा. स्त्री.–वसंत ऋतु की शुरूआत, पुष्प-समय का प्रारंभ।

सुब्हे महशर (صبح محشر) अ. स्त्री.–दे. 'सुबहे क़ियामत'।

सुब्हे रस्तख़ेज़ (صبح رستخیز) अ. फा. स्त्री.–दे. 'सुबहे क़ियामत'।

सुब्हे सादिक़ (صبح صادق) अ. स्त्री.–सच्चा सवेरा, जो सचमुच सवेरा हो, प्रात, प्रभात, तड़का।

सुब्हे सानी (صبح ثانی) अ. स्त्री.–दे. 'सुब्हे सादिक़'।

सुब्हे हश्र (صبح حشر) अ. स्त्री.–दे. 'सुबहे क़ियामत'।

सुब्होमसा (صبح و مسا) अ. स्त्री.–रातदिन, अहर्निश, हर समय।

सुब्होशाम (صبح و شام) अ. फा. स्त्री.–रातदिन, हर समय।

सुम (سم) फा. पुं.–चौपाए का खुर; घोड़े की टाप।

सुमअफ़गंदः (سم افگنده) फा. वि.–चलने में असमर्थ; लँगड़ा, पंगु।

सुमुन (ثمن) अ. वि.–आठवाँ अंश।

सुमुव [व्व] (سمو) अ. पुं.–उँचाई, बलंदी, उच्चता, उत्तुंगता।

सुमूत (صموت) अ. पुं.–चुप रहना, ख़ामोश रहना; मौन, ख़ामोशी।

सुम्अः (سمعه) अ. पुं.–दे. 'सुम्अत'।

सुम्अत (سمعت) अ. स्त्री.–अपनी अच्छी बातें दूसरों को सुनवाना ताकि लोग अच्छा समझें, रियाकारी, पाखंड, आडंबर।

सुम्चः (سمچه) फा. पुं.–ज़मीन के अंदर की गुफ़ा, तहख़ाना, तलगृह।

सुम्नः (سمنه) फा. पुं.–एक मेवा, चिरौंजी।

सुम्न (ثمن) अ. वि.–आठवाँ अंश, ⅛, दे. 'सुमन'।

सुम्मः (ثم) अ. वि.–फिर, पुनः।

सुम्माक़ (سماق) अ. पुं.–एक खट्टा फल जो दवा में काम आता है।

सुयूफ़ (سیوف) अ. पुं.–'सैफ़' का बहु., तलवारें।

सुराक़ः (سراقه) अ.पुं.–चोरी का माल; क़ुरैश वंश (अरब) का एक प्रतिष्ठित व्यक्ति।

सुराग़ (سراغ) तु. पुं.–पाँव का चिह्न, खोज; पता, निशान, ठिकाना; अनुसंधान, जिज्ञासा, तलाश।

सुराग़रसाँ (سراغ‌رساں) तु. फा. वि.–खोज लगानेवाला, खोजी; गुप्तचर, जासूस।

सुराग़रसानी (سراغرسانی) तु. फा. स्त्री.—खोज लगाना, तलाश करना; गुप्तचर्या, जासूसी।

सुराग़रसी (سراغرسی) तु. फा. स्त्री.—दे. 'सुराग़रसानी'।

सुरादिक़ (سرادق) अ. पुं.—बड़ा तंबू, बड़ा ख़ेमः; शामियानः, वितान।

सुरादिक़ात (سرادقات) अ. पुं.—'सुरादिक़' का बहु; बड़े-बड़े ख़ेमे; शामियाने।

सुराह (صراح) अ. वि.—सार, तत्त्व, ख़ुलासः; निष्कर्ष, निचोड़; एक अरबी शब्दकोष।

सुराही (صراحی) अ. स्त्री.—पानी रखने का एक विशेष प्रकार का मिट्टी का पात्र, जल की कुंभी।

सुराहीदार (صراحی دار) अ. फा. वि.—दे. 'सुराहीनुमा'।

सुराहीनुमा (صراحی نما) अ. फा. वि.—सुराही के आकार का, सुराही जैसा।

सुरीं (سریں) फा. स्त्री.—'सुरीन' का लघु., दे. 'सुरीन'।

सुरीन (سرین) फा. स्त्री.—नितंब, चूतड़।

सुरुब (سرب) अ. पुं.—एक धातु, सीसः, सीसक।

सुरूँ (سروں) फा. स्त्री.—दे. 'सुरून'।

सुरूद (سرود) फा. पुं.—गाना, नग़मः; राग, गीत; एक बाजा।

सुरून (سرون) फा. स्त्री.—नितंब, उपस्थ, सुरीन।

सुरूर (سرور) अ. पुं.—हर्ष, ख़ुशी; आनंद, लज़्ज़त; हलका नशा।

सुरूरअंगेज़ (سرورانگیز) अ. फा. वि.—नशा पैदा करनेवाला, मादक; हर्ष देनेवाला, आनंदवर्द्धक।

सुरूरअफ़्ज़ा (سرورافزا) अ. फा. वि.—आनंद बढ़ानेवाला, हर्षवर्धक।

सुरूरख़ेज़ (سرورخیز) दे. 'सुरूरअफ़्ज़ा'।

सुरूरपर्वर (سرورپرور) अ. फा. वि.—दे. 'सुरूरअफ़्ज़ा'।

सुरूरफ़िज़ा (سرورفزا) अ. फा. वि.—दे. 'सुरूरअफ़्ज़ा'।

सुरूरेइबादत (سرور عبادت) अ. पुं.—ईश्वर की आराधना का आनंद, भजनानंद।

सुरूरे क़ल्ब (سرور قلب) अ. पुं.—हृदय का आनंद, चित्त-प्रसाद।

सुरूरे दाइमी (سرور دائمی) अ. पुं.—हमेशः रहनेवाला आनंद।

सुरैया (ثریا) अ. स्त्री.—तीसरा नक्षत्र, कृत्तिका; कान में पहनने का झुमका; रौशनी का झाड़।

सुरैयाबाम (ثریا بام) अ. वि.—जिसकी अटारी सुरैया जितनी ऊँची हो, जहाँ किसी की पहुँच न हो सके।

सुरोद (سرود) फा. पुं.—गाना, गान; गीत।

सुरोदसंज (سرودسنج) फा. वि.—गायक, गानेवाला, गाने के फ़न का उस्ताद।

सुरोदी (سرودی) फा. वि.—गायक, गवैया।

सुरोदे मस्ताँ (سرود مستاں) फा. पुं.—नशे में चूर लोगों का गाना।

सुरोश (سروش) फा. पुं.—जिब्रील, फ़िरिश्तः; हर वह फ़िरिश्तः जो अच्छी ख़बर और शुभ संदेश लाये।

सुरोशे ग़ैब (سروش غیب) फा. अ. पुं.—ग़ैबी फ़िरिश्तः, आकाशवाणी करनेवाला।

सुर्अत (سرعت) अ. स्त्री.—शीघ्रता, तेज़ी, जल्दी; उतावलापन, आतुरता; फुरती, चुस्ती।

सुर्अते इंज़ाल (سرعت انزال) अ. स्त्री.—संभोग के समय शीघ्र वीर्यपात हो जाने का रोग।

सुर्ख़ः (سرخہ) फा. वि.—आँख में निकलनेवाली गुहांजी

सुर्ख़ (سرخ) फा. वि.—लाल रंग; लाल रँगा हुआ; घुंघची, एक रत्ती का वज़न।

सुर्ख़अंदाम (سرخ اندام) फा. वि.—लाल रँग का, जिसका शरीर लाल हो, रक्तांग।

सुर्ख़गूँ (سرخ گوں) फा. वि.—लाल रंग का, जिसका रंग लाल हो।

सुर्ख़चः (سرخچہ) फा. पुं.—ख़स्रः, छोटी चेचक जो प्रायः छोटे बालकों को निकल आती है।

सुर्ख़चश्म (سرخ چشم) फा. वि.—जिसकी आँखें लाल हों, रक्ताक्ष।

सुर्ख़पोश (سرخ پوش) फा. वि.—लाल कपड़े पहननेवाला, रक्तांबर।

सुर्ख़पोशी (سرخ پوشی) फा. स्त्री.—लाल कपड़े पहनना।

सुर्ख़फ़ाम (سرخ فام) फा. वि.—जिसके शरीर का रंग लाल हो, रक्तांग।

सुर्ख़बादः (سرخ بادہ) फा. पुं.—लाल दाने या दाग़ जो रक्त के प्रकोप से बच्चों के शरीर पर हो जाते हैं।

सुर्ख़मू (سرخ مو) फा. वि.—जिसके सर और डाढ़ी के बाल लाल हों, रक्तकेशी।

सुर्ख़रंग (سرخ رنگ) फा. वि.—लाल रंगवाला, रक्तवर्ण।

सुर्ख़रू (سرخ رو) फा. वि.—सम्मानित, इज़्ज़त किया गया; सफ़ल, कामयाब,—"सुर्ख़रू होता है इंसाँ ठोकरें खाने के बाद, रंग लाती है हिना पत्थर पे पिस जाने के बाद।"

सुर्ख़रूई (سرخ روئی) फा. स्त्री.—सम्मान, इज़्ज़त; सफलता, कामयाबी।

सुर्ख़लब (سرخ لب) फा. वि.—जिसके होंठ लाल हों; जो होंठ पान या लिपिस्टिक से लाल हों।

सुर्खलबी (سرخ لبی) फा. स्त्री.–होंठों का लाल होना।
सुर्खाब (سرخاب) फा. पु.–एक जलपक्षी, चकवा, जिसके लिए प्रसिद्ध है कि इनका जोड़ा रात में जुदा हो जाता है और दिन भर साथ साथ रहता है।
सुर्खिए चश्म (سرخئ چشم) फा. स्त्री.–आँख की लाली।
सुर्खिए मै (سرخئ مے) फा. स्त्री.–शराब के नशे की लाली; शराब के रंग की लाली।
सुर्खिए लब (سرخئ لب) फा. स्त्री.–होंठों की लाली।
सुर्खिए शफ़क़ (سرخئ شفق) फा. अ. स्त्री.–उषा की लालिमा, सवेरे या शाम को शफ़क़ की सुर्खी।
सुर्खी (سرخی) फा. वि.–लाली, लालिमा।
सुर्ना (سرنا) फा. पु.–'सूर नाए' का लघु., शहनाई जो शादी के मौक़े पर बजती है।
सुर्नाची (سرناچی) फा. वि.–शहनाई बजानेवाला।
सुर्फ़ः (سرفہ) फा. पु.–खाँसी, कास।
सुर्फ़िदः (سرفندہ) फा. वि.–खाँसनेवाला।
सुर्फ़ीदः (سرفیدہ) फा. वि.–जिसने खाँसा हो, खाँसा हुआ।
सुर्मः (سرمہ) फा. पु.–एक पत्थर जो पीसकर आँखों में लगाया जाता है; आँखों में लगाने की सूखी और बारीक पिसी हुई दवा, रसांजन।
सुर्मःआगीं (سرمہ آگیں) फा. वि.–सुर्मः लगी हुई आँख, अंजित, अंजनसार।
सुर्मःआलूद (سرمہ آلود) फा. वि.–दे. सुर्मःआगीं।
सुर्मःआवाज़ (سرمہ آواز) फा. वि.–जो बोल न सके।
सुर्मःख़ुर्दः (سرمہ خوردہ) फा. वि.–जिसने सुर्मः खाया हो, जो बोल न सकता हो।
सुर्मःचश्म (سرمہ چشم) फा. वि.–आँखों में सुर्मः लगाये हुए, अंजनसार।
सुर्मःचोब (سرمہ چوب) फा. स्त्री.–सुर्मः लगाने की सलाई, अंजन, शलाका।
सुर्मः दरगुलू (سرمہ درگلو) फा. वि.–दे. 'सुर्मःख़ुर्दः'।
सुर्मःदान (سرمہ دان) फा. पु.–सुर्मः रखने की शीशी आदि, सुर्मेदानी।
सुर्मःफ़रोश (سرمہ فروش) फा. पु.–जो सुर्मः बेचता हो, जो कई प्रकार के सुर्मे बनाकर बेचता हो।
सुर्मःसा (سرمہ سا) फा. वि.–सुर्मे की तरह बिलकुल बारीक पिसा हुआ; रेज़ः-रेज़ः, चूर-चूर।
सुर्म (سرم) अ. पु.–आँत का मुँह जिससे मल निकलता है, मलद्वार।
सुर्मए चश्म (سرمۂ چشم) फा. पु.–आँखों में लगाने का सुर्मा।
सुर्मए दुंबालःदार (سرمۂ دنبالہ دار) फा. पु.–आँखों में लगा हुआ वह सुर्मः जिसकी लकीर आँख से बाहर कनपटी की ओर तक बढ़ी हुई हो।
सुर्मगीं (سرمگیں) फा. वि.–अंजनसार, अंजित, सुर्मः लगी हुई आँख।
सुर्रः (سرہ) फा. स्त्री.–नाभि, नाफ़, तुंडी, टुंडी।
सुर्रः (صرہ) अ. पु.–थैली, रुपया-पैसा रखने की थैली; पोटली, छोटी पोटली।
सुर्रःबस्तः (صرہ بستہ) अ. फा. वि.–वह दवा जो पोटली में बाँधकर औंटाई जाय।
सुलहफ़ात (سلحفات) अ. पु.–कछवा, कूर्म, कच्छप।
सुलहा (صلحا) अ. पु.–'सालेह' का बहु., 'संयमनिष्ठ और सदाचारी लोग'।
सुलाक़ (سلاق) अ. पु.–एक रोग जिसमें पलकें लाल और भारी हो जाती हैं।
सुलामियात (سلامیات) अ. पु.–वह स्थान जहाँ नाखून जमते हैं, नखस्थान।
सुलालः (سلالہ) अ. पु.–किसी चीज़ से खींचा हुआ सार, निष्कर्ष, निचोड़; नवजात शिशु।
सुलालात (سلالات) अ. पु.–'सुलालः' का बहु., चीज़ों के निचोड़, सार-समूह; नवजात बच्चे, शिशुगण।
सुलुस (ثلث) अ. वि.–तृतीयांश, तीसरा हिस्सा, दे. 'सुल्स', दोनों शुद्ध हैं।
सुलूक (سلوک) अ. पु.–रास्ता चलना; व्यवहार, तर्ज़ेअमल; ग़रीबों और दुखियारों को रुपये-पैसे से सहायता; ईश्वर की खोज।
सुलूके नेक (سلوک نیک) अ. फा. पु.–अच्छा बरताव, सद्-व्यवहार।
सुलूके बद (سلوک بد) अ. फा. पु.–बुरा बरताव, कुव्यवहार, दुर्व्यवहार।
सुलूज (ثلوج) अ. पु.–'सल्ज' का बहु., 'बरफ़' का समूह; पाला पड़ना, तुषार पड़ना, बर्फ़बारी।
सुल्त (سلت) अ. पु.–जौ, यव, एक प्रसिद्ध नाज।
सुल्तान (سلطان) अ. पु.–शासक, नरेश, बादशाह, राजा।
सुल्तानी (سلطانی) अ. वि.–शासन, राज, बादशाही।
सुल्फ़ः (سلفہ) अ. पु.–सवेरे का हलका खाना, नाश्ता, नहारी, उपाहार, जलपान।
सुल्ब (صلب) अ. पु.–पीठ के गुरिए, अस्थि-शृंखल; कड़ा, सख्त, दे. 'सलब'; नुत्फ़ः, वीर्य।
सुल्बी (صلبی) अ. वि.–औरस, एक नुत्फ़े से, सहोदर, हक़ीक़ी।

सुल्बीयः (صلبيه) अ. पुं.–आँख का सातवाँ पर्दा।
सुल्लम (سلم) अ. पुं.–निःश्रेणी, सोपान, सीढ़ी।
सुल्स (ثلث) अ. वि.–तीसरा हिस्सा, तृतीयांश, दे. 'सुलुस', वह भी शुद्ध है।
सुल्सुल (صلصل) अ. स्त्री.–पंडुकी, फ़ाख्तः; हौज़ का बचा हुआ पानी; घोड़े के माथे के बाल।
सुल्ह (صلح) अ. स्त्री.–मेल, मिलाप, आश्ती; संधि, मुसालहत; मैत्री, दोस्ती; दो व्यक्तियों में परस्पर विरोध के बाद आपस में मेल।
सुल्हकुल (صلح كل) अ. वि.–जो सबके साथ दोस्ती रक्खे, जो किसी से झगड़ा न करे।
सुल्हख़ू (صلح خو) अ. फा. वि.–जिसके स्वभाव में मेल-जोल से रहना हो।
सुल्हजू (صلح جو) अ. फा. वि.–मेल-जोल से रहनेवाला, झगड़े-टंटे को नापसंद करनेवाला।
सुल्हजूई (صلح جوئى) अ. फा. स्त्री.–परस्पर मेल-जोल से रहना।
सुल्हदोस्त (صلح دوست) अ. फा. वि.–जो मेल-जोल पसंद करनेवाला हो, शान्तिप्रिय।
सुल्हदोस्ती (صلح دوستى) अ. फा. स्त्री.–मेल-जोल से रहना पसंद करना।
सुल्हपसंद (صلح پسند) अ. फा. वि.–दे. 'सुल्हदोस्त'।
सुल्हपसंदी (صلح پسندى) अ. फा. स्त्री.–दे. 'सुल्ह-दोस्ती'।
सुल्हशिकन (صلح شكن) अ. फा. वि.–मेल-जोल को तोड़ने-वाला; आपस की संधि को तोड़नेवाला।
सुल्हशिकनी (صلح شكنى) अ. फ़ा. स्त्री.–मेल-जोल को खत्म कर देना; परस्पर संधि के नियमों का उल्लंघन।
सुल्हसामाँ (صلح ساماں) अ. फा. वि.–दे. 'सुल्हदोस्त'।
सुल्हसामानी (صلح سامانى) अ. फा. स्त्री.–दे. 'सुल्ह-दोस्ती'।
सुल्होजंग (صلح و جنگ) अ.फा. स्त्री.–लड़ाई और मेल; युद्ध और संधि।
सुवर (صور) अ. स्त्री.–'सूरत' का बहु., सूरतें, शक्लें।
सुवाल (سوال) अ. पुं.–दे. 'सवाल'।
सुवैदा (سويدا) अ. वि.–वह काला तिल जो हृदय पर होता है।
सुस्त (سست) फा. वि.–अशक्त, कमज़ोर; मंद, धीमा; जो फुर्तीला न हो, स्फूर्तिहीन; शिथिल, ढीला; खिन्न, मलिन, अफ़्सुर्दः; आलसी, काहिल; जिसमें काम-शक्ति कम हो, मंदकाम; मंदगति, धीरे चलनेवाला; दीर्घ-सूत्री, धीरे-धीरे काम करनेवाला।
सुस्तअह्द (سست عهد) फा. अ. वि.–दे. 'सुस्त पैमाँ'।
सुस्तएतिक़ाद (سست اعتقاد) फा. अ. वि.–जिसका धर्म-विश्वास अटल न हो, जिसे किसी विशेष महात्मा आदि से श्रद्धा न हो।
सुस्तएतिक़ादी (سست اعتقادى) फा. अ. स्त्री.–धर्म-विश्वास की कमी, अश्रद्धा।
सुस्तक़दम (سست قدم) फा.अ.वि.–धीरे-धीरे चलनेवाला, मंदगति, मंदगामी।
सुस्तक़दमी (سست قدمى) फ़ा अ. स्त्री.–धीरे-धीरे चलना, मंद गति।
सुस्तगाम (سست گام) फा. वि.–दे. 'सुस्तक़दम'।
सुस्तगामी (سست گامى) फा.. स्त्री.–दे. 'सुस्तक़दमी'।
सुस्तगो (سست گو) फा. वि.–धीरे-धीरे बातें करनेवाला; बहुत धीरे-धीरे सोचकर और देर में शे'र कहनेवाला।
सुस्ततब्अ (سست طبع) फा. अ. वि.–सुस्त, काहिल, आलसी, जिसकी तबीअत में आलस हो।
सुस्ततरीन (سست ترين) फा. वि.–सबसे अधिक धीमा; सबसे अधिक काहिल।
सुस्तदिमाग़ (سست دماغ) फा. अ. वि.–कमअक़्ल, मंद-बुद्धि।
सुस्तपरवाज़ (سست پرواز) फा. वि.–धीमे-धीमे उड़ने-वाला, कम उड़नेवाला।
सुस्तपैमाँ (سست پيماں) फा. वि.–वादे का कच्चा, वादा करके न निबाहनेवाला, मंदप्रतिज्ञ।
सुस्तबुन्याद (سست بنياد) फा. वि.–जिसकी बुनियाद कमज़ोर हो।
सुस्तरफ़्तार (سست رفتار) फा. वि.–दे. 'सुस्तक़दम'।
सुस्तरफ़्तारी (سست رفتارى) फा. स्त्री.–दे. 'सुस्तक़दमी'।
सुस्तरवी (سست روى) फा. स्त्री.–दे. 'सुस्तक़दमी'।
सुस्तराए (سست راے) फा. अ. वि.–जिसकी राय, ठीक न होती हो मंदगति; जिसकी बुद्धि कमज़ोर हो, मंदबुद्धि।
सुस्तरीश (سست ريش) फा. वि.–मूर्ख, मूढ़, अज्ञान, अहमक़।
सुस्तरौ (سست رو) फा. वि.–दे. 'सुस्तक़दम'।
सुस्त वफ़ा (سست وفا) फा. अ. वि.–दे. 'सुस्तपैमाँ'।
सुस्ती (سستى) फा. स्त्री.–आलस्य, काहिली; शिथिलता, ढीलापन; कामशक्ति की मंदता; फुर्ती न होना, अस्फूर्ति; दीर्घसूत्रिता, काम धीरे-धीरे करना।
सुहा (سها) फा. पुं.–एक बहुत छोटा तारा जो सप्तर्षि-मंडल के तीन तारों में से बीच का है।

सुहाम (سہام) अ. पुं.–अंधकार, अँधेरा; रूपविकार, चेहरे का खराब हो जाना; दुबला हो जाना।

सुहूबत (صہوبت) अ. स्त्री.–पीलाहट लिये हुए लाल रंग; गुलाबी रंग; कालापन लिये हुए लाल रंग; वह रंग जो लाल बालों का होता है।

सुहूलत (سہولت) अ. स्त्री.–सुगमता, सरलता, आसानी।

सुहैब (صہیب) अ. पुं.–एक सिहाबी जो रूम से आकर मुसलमान हुए थे।

सुहैल (سہیل) अ. पुं.–एक प्रसिद्ध तारा जो यमन देश में दिखाई देता है, उसके प्रभाव से चमड़े में सुगंध पैदा होती है और कीड़े मर जाते हैं।

सुह्बत (صحبت) अ. स्त्री.–संगत, पास बैठना; मित्रता, दोस्ती; गोष्ठी, छोटी महफ़िल; सहवास, मैथुन, हमबिस्तरी।

सुह्बतदारी (صحبتداری) अ. फा. स्त्री.–मैथुन, सहवास, हमबिस्तरी।

सुह्बते तालेह (صحبت طالح) अ. स्त्री.–दुष्टजनों की संगत, बुरी सुहबत, कुसंग।

सुह्बते सालेह (صحبت صالح) अ. स्त्री.–अच्छे आदमियों की संगत, सत्संग।

सुह् (سہر) अ. पुं.–एक रोग जिसमें नींद उड़ जाती है, अनिद्रा।

सुह्वर्दी (سہروردی) फा. वि.–सुह्वर्द (इराक़) का निवासी।

सुह्राब (سہراب) फा. पुं.–रुस्तम का लड़का, जिसे रुस्तम ने अनजानपन से मार दिया और बाद को पहचानकर बहुत पश्चात्ताप किया।

सू

सू (سو) तु. स्त्री.–मदिरा शराब, (पुं.) पानी, जल।

सू (سو) फा. स्त्री.–ओर, तरफ़, "छाई हुई हैं ग़म की घटाएँ चहार-सू"।

सू (سو) अ. वि.–निकृष्ट, दूषित, खराब।

सूए अदब (سوے ادب) अ. पुं.–धृष्टता, गुस्ताख़ी।

सूए अमल (سوے عمل) अ. पुं.–दुराचार, बदअमली।

सूए इत्तिफ़ाक़ (سوے اتفاق) अ. पुं.–दुर्योग, कुयोग, बुरा इत्तिफ़ाक़।

सूए एतिक़ाद (سوے اعتقاد) अ. पुं.–किसी की श्रद्धा न होना, अश्रद्धा।

सूए एतिबार (سوے اعتبار) अ. पुं.–बेएतिबारी; अविश्वास।

सूए खुल्क़ (سوے خلق) अ. पुं.–दुःशीलता, बदखुल्क़ी; अशिष्टता, बदअख़्लाक़ी।

सूए चर्ख़ (سوے چرخ) फा. स्त्री.–आकाश की ओर, आस्मान की तरफ़।

सूए ज़न (سوے ظن) अ. पुं.–किसी की ओर से बुरा ख़याल, कुधारणा।

सूए ज़मीं (سوے زمیں) फा. स्त्री.–पृथ्वी की ओर, ज़मीन की तरफ़।

सूए तद्बीर (سوے تدبیر) अ. स्त्री.–प्रयत्न या उपाय की खराबी, ठीक उपाय या कोशिश या इलाज न होना।

सूए तनफ़्फ़ुस (سوے تنفس) अ. पुं.–साँस का विकार, साँस का ठीक न चलना; साँस का उखड़ जाना।

सूए तरीक़ (سوے طریق) अ. पुं.–मार्ग की खराबी, रास्ते का ऊबड़-खाबड़ होना।

सूए दिमाग़ (سوے دماغ) अ. पुं.–दिमाग़ की खराबी, बुद्धि-विक्षेप, पागलपन।

सूए मिज़ाज (سوے مزاج) अ. पुं.–शरीर की धातुओं का विकार; किसी अंग या शरीर के मिज़ाज का विकार; रोग, बीमारी।

सूए हज़्म (سوے ہضم) अ. पुं.–हाज़िमे की खराबी, अपच, अजीर्ण।

सूक़ (سوق) अ. पुं.–बाज़ार, हाट, पण; 'साक़' का बहु., शाखाएँ, शाखें।

सूक़ियान: (سوقیانہ) अ. फा. वि.–बाज़ारू, बाज़ारी, लोफ़रों जैसा।

सूक़ी (سوقی) अ. वि.–बाज़ारी, बाज़ार का; निकृष्ट, नीच।

सूची (سوچی) तु. पुं.–पानी पिलानेवाला; मदिरा बेचनेवाला।

सूचीख़ान: (سوچی خانہ) तु. फा.–मदिरालय, शराबख़ान:।

सूद: (سودہ) फा. वि.–घिसा हुआ, रगड़ा हुआ, मर्दित; चूर, चूर्ण, सुफ़ूफ़, घिसन।

सूद (سود) फा. पुं.–लाभ, नफ़ा; कुसीद, ब्याज।

सूद (سود) अ. पुं.–'अस्वद' का बहु., काले रंग की चीज़ें।

सूदए अल्मास (سودۂ الماس) फा. पुं.–हीरे की घिसन, हीरे का सफ़ूफ़।

सूदख़ोर (سودخور) फा. पुं.–ब्याज खानेवाला, कुसीद-जीवी, कौसीद।

सूदख़ोरी (سودخوری) फा. स्त्री.–ब्याज खाना, सूद का कारोबार करना।

सूदत (سودت) अ. स्त्री.–अध्यक्षता, सरदारी; श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी।

सूद दर सूद (سود در سود) फा. पुं.—ब्याजकी एक क़िस्म जिसमें ब्याज मूलधन में मिलकर उस पर ब्याज चलता है, चक्रवृद्धि।

सूद बालाए सूद (سود بالاے سود) फा.पुं.—दे. 'सूद दर सूद'।

सूदमंद (سودمند) फा. वि.—लाभकारी, फ़ाइदःमंद।

सूदमंदी (سودمندی) फा. स्त्री.—लाभकारिता, फ़ाइदःमंदी।

सूदान (سودان) अ. पुं.—अफ़्रीक़ा का एक देश, सूडान।

सूदी (سودی) फा.वि.—सूद का, ब्याज का; सूद से संबंधित।

सूदोज़ियाँ (سودوزیاں) फा. पुं.—लाभ और हानि, नफ़ा और नुक़्सान।

सूनिश (سونش) फा. स्त्री.—धात का बुरादः जो रेती से गिरे; लोहे, ताँबे या हीरे का बुरादा।

सूफ़ (صوف) अ. पुं.—ऊन, ऊर्ण; एक प्रकार का ऊनी कपड़ा; बकरी या भेड़ के बाल।

सूफ़ (سوف) अ. स्त्री.—विज्ञान, हिक्मत।

सूफ़ार (سوفار) फा. पुं.—तीर का मुह, बाण का वह भाग जिसे धनुष की ताँत पर रखकर छोड़ते हैं।

सूफ़िया (صوفیا) अ. पुं.—'सूफ़ी' का बहु., सूफ़ी लोग।

सूफ़ियानः (صوفیانہ) अ. फा. वि.—सूफ़ियों जैसा; अच्छी वज़ा का; हलके रंग का।

सूफ़िस्ता (سوفسطا) अ. स्त्री.—एक मत जिसमें सारी चीजों को कल्पनात्मक समझते हैं।

सूफ़िस्ताई (سوفسطائی) अ. वि.—सूफ़िस्ता मत को माननेवाला, यह माननेवाला कि सारा जगत् केवल एक कल्पना है और इसकी हर चीज़ कल्पित है।

सूफ़ी (صوفی) अ. पुं.—ब्रह्मज्ञानी, अध्यात्मवादी, तसव्वुफ़ का अनुयायी, सारे धर्मों से प्रेम करनेवाला।

सूफ़ीमनिश (صوفی منش) अ. फा. पुं.—जो किसी धर्म से बैर न रक्खे, सबको एक आँख से देखनेवाला।

सूबः (صوبہ) अ. पुं.—प्रान्त, प्रदेश, किसी राष्ट्र का वह भाग जिसमें बहुत से जिले हों और एक गवर्नर के शासन में हो।

सूबःजात (صوبہ جات) अ. पुं.—सूबः का बहु., सूबे, प्रान्त-समूह।

सूबःदार (صوبہ دار) अ. फा. पुं.—सूबे का शासक, गवर्नर, राज्यपाल; सिपाही से बड़ा एक ओहदः।

सूबःदारी (صوبہ داری) अ. फा. स्त्री.—राज्यपाल का पद, गवर्नरी; सूबेदार का ओहदः, जमादारी।

सूबःपरस्ती (صوبہ پرستی) अ. फा. स्त्री.—अपने प्रान्त का पक्षपात, अपने प्रान्त में रहनेवाले के साथ रिआयत करना और उसे अनुचित बढ़ावा देना।

सूबःवारानः (صوبہ وارانہ) अ. फा. वि.—प्रान्तों के हिसाब से।

सूबसू (سوبہ سو) फा.वि.—चारों ओर, हर तरफ़, हर ओर; जगह-जगह, ठौर-ठौर।

सूबाई (صوبائی) अ. वि.—प्रान्तीय, सूबे का।

सूम (ثوم) अ. पुं.—लहसुन, लशुन।

सूरः (سورہ) अ. पुं.—क़ुरआन की सूरत, क़ुरान में कुल ११४ सूरतें हैं, सबसे बड़ी सूरत पूरे क़ुरान का $\frac{१}{१२}$ अंश है और सबसे छोटी केवल दो पंक्तियों की है।

सूर (صور) अ. पुं.—वह तुरही जो क़ियामत के दिन हज़्रत इस्राफ़ील फूंकेंगे।

सूरए इख्लास (سورۂ اخلاص) अ.स्त्री.—क़ुरान की एक सूरत।

सूरए फ़ातिहः (سورۂ فاتحہ) अ. स्त्री.—क़ुरान की सर्वप्रथम सूरत।

सूरए यासीन (سورۂ یاسین) अ. स्त्री.—क़ुरान की एक सूरत जो मरते समय सुनाई जाती है।

सूरत (سورت) अ. स्त्री.—दे. 'सूरः'।

सूरत (صورت) अ. स्त्री.—रूप, आकृति, शक्ल; मुखाकृति, चेहरा; दशा, हालत; चित्र, तस्वीर; उपाय, तदबीर; समान, मिस्ल; ख़ाकः, रूपरेखा।

सूरतआश्ना (صورت آشنا) अ. फा. वि.—जो केवल सूरत पहचानता हो और कोई बात (नाम आदि) न जानता हो।

सूरतगर (صورت گر) अ. फा. वि.—सूरत बनानेवाला, ईश्वर; चित्रकार मुसव्विर।

सूरतगरी (صورت گری) अ. फा. स्त्री.—सूरत बनाना; तस्वीर बनाना, चित्रकारी।

सूरत पज़ीर (صورت پزیر) अ. फा. वि.—चित्रित, तस्वीर खिंचा हुआ।

सूरतपज़ीरी (صورت پزیری) अ. फा. स्त्री.—चित्रण, सूरत या तस्वीर बनाना।

सूरतपरस्त (صورت پرست) अ. फा. वि.—ऊपरी टीपटाप देखनेवाला; मूर्तिपूजक, बुतपरस्त; अच्छे रूप का पुजारी, हुस्न का पुजारी।

सूरतपरस्ती (صورت پرستی) अ. फा. स्त्री.—ऊपरी टीपटाप देखना; मूर्ति पूजना; अच्छे रूप को पूजना।

सूरतबाज़ (صورت باز) अ. फा. वि.—बहुरूपिया, नक़्क़ाल।

सूरतबाज़ी (صورت بازی) अ. फा. स्त्री.—बहुरूपियापन, नक़्क़ाली।

सूरतहराम (صورت حرام) अ. वि.—जो बिलकुल निकम्मा हो, कोई काम आदि न करे।

सूरते हाल (صورت حال) अ. स्त्री.—मौजूदः हालत।

सूराख़ (سوراخ) फा. पुं.—छिद्र, विवर, रंध्र, छेद।

सुहाम (سہام) अ. पुं.–अंधकार, अँधेरा; रूपविकार, चेहरे का खराब हो जाना; दुबला हो जाना।

सुहबत (صہوبت) अ. स्त्री.–पीलाहट लिये हुए लाल रंग; गुलाबी रंग; कालापन लिये हुए लाल रंग; वह रंग जो लाल बालों का होता है।

सुहलत (سہولت) अ. स्त्री.–सुगमता, सरलता, आसानी।

सुहैब (صہیب) अ. पुं.–एक सिहाबी जो रूम से आकर मुसलमान हुए थे।

सुहैल (سہیل) अ. पुं.–एक प्रसिद्ध तारा जो यमन देश में दिखाई देता है, उसके प्रभाव से चमड़े में सुगंध पैदा होती है और कीड़े मर जाते हैं।

सुह्बत (صحبت) अ. स्त्री.–संगत, पास बैठना; मित्रता, दोस्ती; गोष्ठी, छोटी महफ़िल; सहवास, मैथुन, हमबिस्तरी।

सुह्बतदारी (صحبت داری) अ. फा. स्त्री.–मैथुन, सहवास, हमबिस्तरी।

सुह्बते तालेह (صحبت طالح) अ. स्त्री.–दुष्टजनों की संगत, बुरी सुहबत, कुसंग।

सुह्बते सालेह (صحبت صالح) अ. स्त्री.–अच्छे आदमियों की संगत, सत्संग।

सुह्. (سہر) अ. पुं.–एक रोग जिसमें नींद उड़ जाती है, अनिद्रा।

सुह्वर्दी (سہروردی) फा. वि.–सुह्वर्द (इराक़) का निवासी।

सुहाब (سہراب) फा. पुं.–रुस्तम का लड़का, जिसे रुस्तम ने अनजानपन से मार दिया और बाद को पहचानकर बहुत पश्चात्ताप किया।

सू

सू (سو) तु. स्त्री.–मदिरा शराब, (पुं.) पानी, जल।

सू (سو) फा. स्त्री.–ओर, तरफ़, "छाई हुई हैं ग़म की घटाएँ चहार-सू"।

सू (سو) अ. वि.–निकृष्ट, दूषित, खराब।

सूए अदब (سوے ادب) अ. पुं.–धृष्टता, गुस्ताख़ी।

सूए अमल (سوے عمل) अ. पुं.–दुराचार, बदअमली।

सूए इत्तिफ़ाक़ (سوے اتفاق) अ. पुं.–दुर्योग, कुयोग, बुरा इत्तिफ़ाक़।

सूए एतिक़ाद (سوے اعتقاد) अ. पुं.–किसी की श्रद्धा न होना, अश्रद्धा।

सूए एतिबार (سوے اعتبار) अ. पुं.–बेएतिबारी, अविश्वास।

सूए खुल्क (سوے خلق) अ. पुं.–दुःशीलता, बदखुल्क़ी; अशिष्टता, बदअख़्लाक़ी।

सूए चर्ख़ (سوے چرخ) फा. स्त्री.–आकाश की ओर, आस्मान की तरफ़।

सूए ज़न (سوے ظن) अ. पुं.–किसी की ओर से बुरा ख़याल, कुधारणा।

सूए ज़मीं (سوے زمیں) फा. स्त्री.–पृथ्वी की ओर, ज़मीन की तरफ़।

सूए तद्बीर (سوے تدبیر) अ. स्त्री.–प्रयत्न या उपाय की खराबी, ठीक उपाय या कोशिश या इलाज न होना।

सूए तनफ़्फ़ुस (سوے تنفس) अ. पुं.–साँस का विकार, साँस का ठीक न चलना; साँस का उखड़ जाना।

सूए तरीक़ (سوے طریق) अ. पुं.–मार्ग की खराबी, रास्ते का ऊबड़-खाबड़ होना।

सूए दिमाग़ (سوے دماغ) अ. पुं.–दिमाग़ की खराबी, बुद्धि-विक्षेप, पागलपन।

सूए मिज़ाज (سوے مزاج) अ. पुं.–शरीर की धातुओं का विकार; किसी अंग या शरीर के मिज़ाज का विकार; रोग, बीमारी।

सूए हज़्म (سوے ہضم) अ. पुं.–हाज़िमे की खराबी, अपच, अजीर्ण।

सूक़ (سوق) अ. पुं.–बाज़ार, हाट, पण; 'साक़' का बहु., शाखाएँ, शाखें।

सूक़ियानः (سوقیانہ) अ. फा. वि.–बाज़ारू, बाज़ारी, लोफ़रों जैसा।

सूक़ी (سوقی) अ. वि.–बाज़ारी, बाज़ार का; निकृष्ट, नीच।

सूची (سوچی) तु. पुं.–पानी पिलानेवाला; मदिरा बेचनेवाला।

सूचीख़ानः (سوچی خانہ) तु. फा.–मदिरालय, शराबख़ानः।

सूदः (سودہ) फा. वि.–घिसा हुआ, रगड़ा हुआ, मर्दित; चूर, चूर्ण, सुफ़ूफ़, घिसन।

सूद (سود) फा. पुं.–लाभ, नफ़ा; कुसीद, ब्याज।

सूद (سود) अ. पुं.–'अस्वद' का बहु., काले रंग की चीज़ें।

सूदए अल्मास (سودۂ الماس) फा. पुं.–हीरे की घिसन, हीरे का सफ़ूफ़।

सूदख़ोर (سودخور) फा. पुं.–ब्याज खानेवाला, कुसीदजीवी, कौसीद।

सूदख़ोरी (سودخوری) फा. स्त्री.–ब्याज खाना, सूद का कारोबार करना।

सूदत (سودت) अ. स्त्री.–अध्यक्षता, सरदारी; श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी।

सूद दर सूद (سود در سود) फ़ा. पुं.—ब्याजकी एक क़िस्म जिसमें ब्याज मूलधन में मिलकर उस पर ब्याज चलता है, चक्रवृद्धि।

सूद बालाए सूद (سود بالاے سود) फ़ा.पुं.—दे. 'सूद दर सूद'।

सूदमंद (سودمند) फ़ा. वि.—लाभकारी, फ़ाइदःमंद।

सूदमंदी (سودمندی) फ़ा. स्त्री.—लाभकारिता, फ़ाइदःमंदी।

सूदान (سودان) अ. पुं.—अफ़्रीक़ा का एक देश, सूडान।

सूदी (سودی) फ़ा.वि.—सूद का, ब्याज का; सूद से संबंधित।

सूदोज़ियाँ (سودوزیاں) फ़ा. पुं.—लाभ और हानि, नफ़ा और नुक़सान।

सूनिश (سونش) फ़ा. स्त्री.—धात का बुरादः जो रेती से गिरे; लोहे, ताँबे या हीरे का बुरादा।

सूफ़ (صوف) अ. पुं.—ऊन, ऊर्ण; एक प्रकार का ऊनी कपड़ा; बकरी या भेड़ के बाल।

सूफ़ (سوف) अ. स्त्री.—विज्ञान, हिक्मत।

सूफ़ार (سوفار) फ़ा. पुं.—तीर का मुह, बाण का वह भाग जिसे धनुष की ताँत पर रखकर छोड़ते हैं।

सूफ़िया (صوفیا) अ. पुं.—'सूफ़ी' का बहु., सूफ़ी लोग।

सूफ़ियानः (صوفیانہ) अ. फ़ा. वि.—सूफ़ियों जैसा; अच्छी वजा का; हलके रंग का।

सूफ़िस्ता (سوفسطا) अ. स्त्री.—एक मत जिसमें सारी चीजों को कल्पनात्मक समझते हैं।

सूफ़िस्ताई (سوفسطائی) अ. वि.—सूफ़िस्ता मत को माननेवाला, यह माननेवाला कि सारा जगत् केवल एक कल्पना है और इसकी हर चीज़ कल्पित है।

सूफ़ी (صوفی) अ. पुं.—ब्रह्मज्ञानी, अध्यात्मवादी, तसव्वुफ़ का अनुयायी, सारे धर्मों से प्रेम करनेवाला।

सूफ़ीमनिश (صوفی منش) अ. फ़ा. पुं.—जो किसी धर्म से बैर न रक्खे, सबको एक आँख से देखनेवाला।

सूबः (صوبہ) अ. पुं.—प्रान्त, प्रदेश, किसी राष्ट्र का वह भाग जिसमें बहुत से जिले हों और एक गवर्नर के शासन में हो।

सूबःजात (صوبہ جات) अ. पुं.—सूबः का बहु., सूबे, प्रान्त-समूह।

सूबःदार (صوبہ دار) अ. फ़ा. पुं.—सूबे का शासक, गवर्नर, राज्यपाल; सिपाही से बड़ा एक ओहदः।

सूबःदारी (صوبہ داری) अ. फ़ा. स्त्री.—राज्यपाल का पद, गवर्नरी; सूबेदार का ओहदः, जमादारी।

सूबःपरस्ती (صوبہ پرستی) अ. फ़ा. स्त्री.—अपने प्रान्त का पक्षपात, अपने प्रान्त में रहनेवाले के साथ रिआयत करना और उसे अनुचित बढ़ावा देना।

सूबःवारानः (صوبہ وارانہ) अ. फ़ा. वि.—प्रान्तों के हिसाब से।

सूबसू (سوبہ سو) फ़ा.वि.—चारों ओर, हर तरफ़, हर ओर; जगह-जगह, ठौर-ठौर।

सूबाई (صوبائی) अ. वि.—प्रान्तीय, सूबे का।

सूम (ثوم) अ. पुं.—लहसुन, लशुन।

सूरः (سورہ) अ. पुं.—क़ुरआन की सूरत, क़ुरान में कुल ११४ सूरतें हैं, सबसे बड़ी सूरत पूरे क़ुरान का $\frac{१}{२१}$ अंश है और सबसे छोटी केवल दो पंक्तियों की है।

सूर (صور) अ. पुं.—वह तुरही जो क़ियामत के दिन हज़्रत इस्राफ़ील फूंकेंगे।

सूरए इख़्लास (سورۂ اخلاص) अ.स्त्री.—क़ुरान की एक सूरत।

सूरए फ़ातिहः (سورۂ فاتحہ) अ. स्त्री.—क़ुरान की सर्वप्रथम सूरत।

सूरए यासीन (سورۂ یاسین) अ. स्त्री.—क़ुरान की एक सूरत जो मरते समय सुनाई जाती है।

सूरत (سورت) अ. स्त्री.—दे. 'सूरः'।

सूरत (صورت) अ. स्त्री.—रूप, आकृति, शक्ल; मुखाकृति, चेहरा; दशा, हालत; चित्र, तस्वीर; उपाय, तदबीर; समान, मिस्ल; ख़ाकः, रूपरेखा।

सूरतआश्ना (صورت آشنا) अ. फ़ा. वि.—जो केवल सूरत पहचानता हो और कोई बात (नाम आदि) न जानता हो।

सूरतगर (صورت گر) अ. फ़ा. वि.—सूरत बनानेवाला, ईश्वर; चित्रकार मुसव्विर।

सूरतगरी (صورت گری) अ. फ़ा. स्त्री.—सूरत बनाना; तस्वीर बनाना, चित्रकारी।

सूरत पज़ीर (صورت پزیر) अ. फ़ा. वि.—चित्रित, तस्वीर खिंचा हुआ।

सूरतपज़ीरी (صورت پزیری) अ. फ़ा. स्त्री.—चित्रण, सूरत या तस्वीर बनाना।

सूरतपरस्त (صورت پرست) अ. फ़ा. वि.—ऊपरी टीपटाप देखनेवाला; मूर्तिपूजक, बुतपरस्त; अच्छे रूप का पुजारी, हुस्न का पुजारी।

सूरतपरस्ती (صورت پرستی) अ. फ़ा. स्त्री.—ऊपरी टीपटाप देखना; मूर्ति पूजना; अच्छे रूप को पूजना।

सूरतबाज़ (صورت باز) अ. फ़ा. वि.—बहुरूपिया, नक़्क़ाल।

सूरतबाज़ी (صورت بازی) अ. फ़ा. स्त्री.—बहुरूपियापन, नक़्क़ाली।

सूरतहराम (صورت حرام) अ. वि.—जो बिलकुल निकम्मा हो, कोई काम आदि न करे।

सूरते हाल (صورت حال) अ. स्त्री.—मौजूदः हालत।

सूराख़ (سوراخ) फ़ा. पुं.—छिद्र, विवर, रंध्र, छेद।

सूराख़दार (سوراخ دار) फा. वि.–छिद्रित, छेददार।
सूराख़े गोश (سوراخ گوش) फा. पुं.–कान का छेद, श्रवण-रंध्र।
सूराख़े बीनी (سوراخ بینی) फा. पुं.–नाक का छेद, नासा-विवर।
सूरिंजान (سورنجان) फा. पुं.–सिंघाड़े के आकार की एक ओषधि।
सूरिया (سوریا) अ. पुं.–शाम देश (अरब)।
सूरी (سوری) अ. वि.–एक लाल फूल; हर लाल फूल।
सूरी (صوری) अ. वि.–सूरत का, मुख का; सूरत से संबंधित; ऊपरी, जाहिरी, बाह्य।
सूलूल (ثولول) अ. पुं.–स्तनवृन्त, स्तनाग्र, भिटनी; मस्सा।
सूस (سوس) अ. पुं.–रेशम के कपड़े को खा जानेवाला कीड़ा; मुलैठी का पेड़।
सूसमार (سوسمار) फा. पुं.–गाह, गोधा, एक प्रसिद्ध जंतु।

से

सेज़दः (سیزده) फा. वि.–तेरह।
सेज़दहुम (سیزدهم) फा. वि.–तेरहवाँ।
सेब (سیب) फा. पुं.–एक प्रसिद्ध फल, उत्कोल, सेव।
सेबे ज़क़न (سیب ذقن) फा. पुं.–सेव के आकार की ठुड्डी।
सेबे ज़नख़दाँ (سیب زنخدان) फा. पुं.–दे. 'सेबे ज़क़न'।
सेर (سیر) फा. वि.–तृप्त, जिसका पेट भरा हो; निःस्पृह, जिसे कोई कामना न हो; अधाया हुआ, भरा-पूरा।
सेरआहंग (سیر آهنگ) फा. वि.–जिसकी आवाज़ बड़ी और भारी हो।
सेरख़ोर (سیر خور) फा. वि.–पेट भरकर खानेवाला।
सेरचश्म (سیر چشم) फा. वि.–खिलाने-पिलाने में दिल-वाला; जो परितृप्त हो, अघाया हुआ।
सेरचश्मी (سیر چشمی) फा. स्त्री.–खिलाने-पिलाने में दिलवाला होना; मन का संतुष्ट होना।
सेरहासिल (سیر حاصل) अ. फा. वि.–वह ज़मीन जो उपजाऊ हो, उर्वरा; वह बात जो सारगर्भित हो।
सेराब (سیراب) फा. वि.–पानी से सींचा हुआ; खूब पानी पिये हुए, तृप्त।
सेराबी (سیرابی) फा. वि.–सिंचा हुआ होना; प्यास न होना; संतोष, इत्मीनान।
सेली (سیلی) फा. स्त्री.–थप्पड़, तमाचा, चाँटा।
सेहत (صحت) अ. स्त्री.–स्वास्थ्य तन्दुरुस्ती; शुद्धि, त्रुटि न होना।
सेहतमंद (صحت مند) अ. फा. वि.–स्वस्थ, तन्दुरुस्त; उत्तम, श्रेष्ठ, बेहतर।

सै

सैक़ल (صیقل) अ. स्त्री.–तलवार आदि को रगड़कर उसमें चमक पैदा करना।
सैक़लगर (صیقل گر) अ. फा. वि.–तलवार या दूसरे अस्त्रों को चमकदार बनानेवाला; बरतनों पर क़लई करनेवाला।
सैक़ली (صیقلی) अ. फा. स्त्री.–सान, वह पत्थर जिस पर रगड़कर तलवार आदि में धार पैदा करते हैं।
सैद (صید) अ. पुं.–मृगया, आखेट, अहेर, शिकार; शिकार किया हुआ जानवर।
सैद (سید) अ. पुं.–'सैयिद' का लघु., दे. 'सैयिद'।
सैद अफ़्गन (صید افگن) अ. फा. वि.–आखेटक, लुब्धक, व्याध, शिकारी।
सैदअफ़्गनी (صید افگنی) अ. फा. स्त्री.–शिकार खेलना, आखेट, मृगया।
सैदकुन (صید کن) अ. फा. वि.–शिकार करनेवाला, आखेटिक।
सैदकुनाँ (صید کنان) अ. फा. वि–शिकार करता हुआ, शिकार खेलता हुआ।
सैदगाह (صیدگاه) अ. फा. स्त्री.–वह जंगल जहाँ शिकार खेला जाय, मृगयावन, आखेट-स्थल।
सैदगीर (صیدگیر) अ. फा. स्त्री.–शिकार पकड़नेवाला, जाल या कुत्ते से शिकार खेलनेवाला।
सैदा (صیدا) अ. पुं.–वन, कानन, जंगल, बीहड़।
सैदे ज़बूँ (صید زبوں) अ. फा. पुं.–बहुत ही छोटा शिकार जिससे किसी का पेट न भरे।
सैदे रमीदः (صید رمیده) अ. फा. पुं.–गोली खाकर भागा हुआ शिकार।
सैदे हरम (صید حرم) अ. पुं.–वह जानवर जो मक्के के आस-पास पूर्व-पश्चिम २४ कोस और उत्तर-दक्खिन ३६ कोस के भीतर रहते हैं और जिनका वध धर्मानुसार हराम है।
सैफ़ः (سیفه) अ. पुं.–जिल्दसाज़ों का वह औज़ार जिससे वह काग़ज़ काटते हैं।
सैफ़ (سیف) अ. स्त्री.–तलवार, खड्ग, कृपाण, तेग़।
सैफ़ (صیف) अ. पुं.–गर्मी का मौसिम, ग्रीष्म ऋतु।
सैफ़ज़बाँ (سیف زباں) अ. फा. वि.–जिसकी ज़बान में तलवार जैसी काट हो; जो बहुत तेज़ बोले; जो हृदय को काटनेवाली बातें करे।
सैफ़ज़बानी (سیف زبانی) अ. फा. स्त्री.–तेज़ और ज़ोरदार भाषण देना; हृदय को दुःख पहुँचानेवाली बातें करना।

सैफ़ी (سیفی) अ. स्त्री.–एक अभिचार जिससे शत्रु का मारण करते हैं।

सैफ़ी (صیفی) अ. वि.–ग्रीष्मकाल का, गर्मी के मौसिम का।

सैफ़ूर (سیفور) फा. पुं.–एक काला बहुमूल्य रेशमी कपड़ा।

सैफ़ो क़लम (سیفو قلم) अ. पुं.–तलवार और क़लम, सिपाहीपन और कलाकारी।

सैयाग़ (صیاغ) अ. पुं.–स्वर्णकार, सुनार।

सैयाद (صیاد) अ. पुं.–हिरन आदि का शिकार करनेवाला, मृग-लुब्धक; चिड़िया पकड़नेवाला, शकुंतिक, बहेलिया।

सैयादफ़ित्रत (صیادفطرت) अ वि.–जो दूसरों को जाल में फँसाना खूब जानता हो; निर्दय, कठोरहृदय, ज़ालिम।

सैयादसीरत (صیادسیرت) अ. वि.–दे. 'सैयादफ़ित्रत'।

सैयादी (صیادی) अ. स्त्री.–सैयाद का कामं; निर्दयता, बेरहमी।

सैयादे अजल (صیاد اجل) अ. पुं.–मौत का शिकारी, यमराज, मलकुल मौत।

सैयाफ़ (سیاف) अ. वि.–खड्गजीवी, तलवार से रोज़ी कमानेवाला; जल्लाद, वधिक।

सैयाफ़ी (سیافی) अ. स्त्री.–तलवार चलाना, काट-मार करना; तलवार से क़त्ल करना, जल्लादी।

सैयारः (سیارہ) अ. पुं.–वह तारा जो एक जगह न रहे बल्कि गतिमान हो, ग्रह; तारा, सितारा।

सैयारःदाँ (سیارہداں) अ. फा. वि.–ज्योतिषी, नुजूमी।

सैयारःबीं (سیارہبیں) अ. फा. वि.–दे. 'सैयारःदाँ'।

सैयारःशनास (سیارہشناس) अ.फा. वि.–दे. 'सैयारःदाँ'।

सैयार (سیار) अ. वि.–बहुत चलने-फिरनेवाला; सैयारः, ग्रह।

सैयारात (سیارات) अ. पुं.–'सैयारः' का बहु., सैयारे, सितारे, ग्रह-समूह।

सैयाह (سیاح) अ. वि.–यात्री, मुसाफ़िर; पर्यटक, देश-देश फिरनेवाला।

सैयाही (سیاحی) अ. स्त्री.–यात्रा, सफ़र; देश-देश की सैर करना और वहाँ के हालात देखना।

सैयिअः (سیئہ) अ. स्त्री.–बुराई, ख़राबी, बदी।

सैयिआत (سیئات) अ. स्त्री.–'सैयिअः' का बहु., बुराइयाँ, ख़राबियाँ।

सैयिदः (سیدہ) अ. स्त्री.–सय्यिद ख़ानदान की स्त्री, हज़्रत इमाम हुसैन की वंशजा।

सैयिद (سید) अ. पुं.–सय्यिद ख़ानदान का व्यक्ति, हज़्रत इमाम हुसैन की औलाद का वंशज।

सैयिदज़ादः (سیدزادہ) अ. फा. पुं.–सय्यिद का लड़का।

सैयिदैन (سیدین) अ. पुं.–दोनों सैयिद अर्थात् इमाम हसन और हज़्रत इमाम हुसैन।

सैयिब (ثیب) अ. वि.–वह स्त्री या पुरुष जो कुँवारा न हो।

सैर (سیر) अ. स्त्री.–पर्यटन, सियाहत; मनोविनोद, तफ़ीह; घूमना-फिरना, सैर-सपाटा; चिहिलक़दमी, वायु-सेवन, हवाखोरी; कौतुक, तमाशा।

सैरकुनाँ (سیرکناں) अ. फा. वि.–घूमते-फिरते हुए, देखते-भालते हुए।

सैरगाह (سیرگاہ) अ. फा. स्त्री.–सैर करने का स्थान।

सैर पसंद (سیرپسند) अ. फ़ा. वि.–बहुत अधिक घूमने-फिरनेवाला।

सैरफ़ी (صیرفی) अ. वि.–सर्राफ़, खोटा खरा सिक्का परखनेवाला।

सैरान (سیران) अ. पुं.–सैर करना, घूमना-फिरना।

सैरे अफ़्लाक (سیر افلاک) अ. स्त्री.–आस्मानों में घूमना, आकाश-भ्रमण।

सैरे क़मर (سیر قمر) अ. स्त्री.–चाँद की सैर, चाँद तक पहुँचना, चंद्रलोक की सैर करना।

सैरे मिर्रीख़ (سیر مریخ) अ. स्त्री.–मंगल ग्रह की सैर, मंगल ग्रह तक पहुँच।

सैरो तफ़ीह (سیرو تفریح) अ. स्त्री.–घूमना और दिल बहलाना, दिल बहलाने के लिए घूमना।

सैरो शिकार (سیرو شکار) अ. फा. पु.–जंगल में घूमना और शिकार खेलना।

सैल (سیل) अ. पुं.–पानी का वहाव; प्लावन, सैलाब।

सैलान (سیلان) अ. पुं.–स्राव, वहाव।

सैलानी (سیلانی) अ. वि.–वहाव से संबंधित; जिसे सैरो तफ़ीह बहुत पसंद हो।

सैलानुर्रहिम (سیلان الرحم) अ. पुं.–एक रोग जिसमें गर्भाशय से पानी बहता है, रक्त प्रदर।

सैलाब (سیلاب) अ. फा. पु.–जल-प्लावन, नदी आदि के पानी की बाढ़।

सैलाबज़दः (سیلاب زدہ) फा. वि.–वह ज़मीन जो नदी की बाढ़ से डूब गई हो या उसकी खेती ख़राब हो गई हो।

सैलाबज़दगी (سیلاب زدگی) फा. स्त्री.–नदी की बाढ़ से ज़मीन या काश्त का ख़राब होनां।

सैलाबदीदः (سیلاب دیدہ) फा. वि.–जिस ज़मीन पर से बाढ़ का पानी गुज़रा हो।

सैलाबी (سیلابی) फा. वि.–बाढ़ का; बाढ़ से सम्बन्धित।

सैले अरिम (سیل عرم) अ. पुं.—जोर की बाढ़, प्रचंड बाढ़।
सैले अश्क (سیل اشک) अ. फा. पुं.—आँसुओं की बाढ़।
सैले हवादिस (سیل حوادث) अ० पुं०—दुर्घटनाओं और आपत्तियों की बाढ़, आपत्ति-रूपी नदी की बाढ़।
सैहः (صیحہ) अ. पुं.—चीख, चीत्कार, ज़ोर की आवाज़।
सैहून (سیحون) अ. पुं.—इराक़ की एक नदी।
सैहूनियत (صیہونیت) अ. स्त्री.—यहूदीपन।

सो

सोक (سوک) फा. पुं.—सोग, दुःख, विषाद, रंज।
सोख्तः (سوختہ) फा. वि.—जला हुआ, दग्ध।
सोख्तःक़िस्मत (سوختہ قسمت) फा. अ. वि.—हतभाग्य, बदक़िस्मत।
सोख्तःकौकब (سوختہ کوکب) फा. वि.—जिसके सौभाग्य के ग्रह जल गये हों, बदक़िस्मत, अभागा।
सोख्तःजाँ (سوختہ جاں) फा. वि.—दग्धहृदय, दिलजला, अर्थात् प्रेमी।
सोख्तः जिगर (سوختہ جگر) फा. वि.—दे. 'सोख्तःदिल'।
सोख्तःदिल (سوختہ دل) फा. वि.—दग्धहृदय, दिलजला, प्रेमी।
सोख्तःपा (سوختہ پا) फा. वि.—जिसके पाँव जल गये हों, जो कहीं आने-जाने में असमर्थ हो अर्थात् बेबस।
सोख्तःबख्त (سوختہ بخت) फा. वि.—दे. 'सोख्तःक़िस्मत'।
सोख्तःबाल (سوختہ بال) फा. वि.—जिसके पर जल गये हों, जो उड़ न सके, बेबस, लाचार, दीन-हीन।
सोख्त (سوخت) फा. वि.—जलन, जलावट; नष्ट, बरबाद।
सोख्तगी (سوختگی) फा. स्त्री.—जलन, जलावट।
सोख्तनी (سوختنی) फा. वि.—जलाने के क़ाबिल, जैसे—सोख्तनी लकड़ी।
सोग (سوگ) फा. पुं.—किसी के मरने का रंज, शोक, मृत-शोक, मातम।
सोगनामः (سوگ نامہ) फा. पुं.—शोकपत्र, मातमपुर्सी का खत।
सोगवार (سوگوار) फा. वि.—शोकग्रस्त।
सोगवारी (سوگواری) फा. स्त्री.—किसी के मरने पर शोक में होना।
सोग़ात (سوغات) तु. स्त्री.—उपहार, उपायन, तोहफ़ः, दे. 'सौग़ात', दोनों शुद्ध हैं।
सोगियानः (سوگیانہ) फा. वि.—मातमी लिबास, शोकवस्त्र।
सोगी (سوگی) फा. वि.—शोकग्रस्त, शोक मनानेवाला।
सोज़ (سوز) फा. प्रत्य.—जलानेवाला, जैसे—'जाँ सोज़' जान का जलानेवाला, (पुं.) जलन, तपिश, ताप; मुहर्रम में पढ़ी जानेवाली एक प्रकार की नज़्म, "ऐय हुसने अता के दीवाने तू राज़े मशीयत क्या जाने। बे सोज़ तमन्नाओं से दुआ महरूमे असर हो जाती है।"—वज्द।
सोज़ख्वाँ (سوزخواں) फा. वि.—मुहर्रम में 'सोज़' पढ़नेवाला'।
सोज़ख्वानी (سوزخوانی) फा. स्त्री.—मुहर्रम में 'सोज़' पढ़ना।
सोज़न (سوزن) फा. स्त्री.—सुई, सूची।
सोज़नकारी (سوزن کاری) फा. स्त्री.—सुई से बनाया हुआ कपड़े पर बारीक काम।
सोज़न ज़दः (سوزن زدہ) फा. वि.—सुई चुभोया हुआ, जिसे सुई चुभोई गई हो।
सोज़नाक (سوزناک) फा. वि.—दग्ध, जला हुआ।
सोज़नी (سوزنی) फा. स्त्री.—सोज़नकारी किया हुआ कपड़ा; पलंग पर बिछाने का एक कपड़ा।
सोज़ाँ (سوزاں) फा. वि.—जलता हुआ, ज्वलित।
सोज़ाक (سوزاک) फा. पुं.—एक बीमारी, शुक्रकृच्छ्र, मूत्र-कृच्छ्र, गनोरिया, मूत्राघात।
सोज़िंदः (سوزندہ) फा. वि.—जलानेवाला।
सोज़िश (سوزش) फा. स्त्री.—जलन, प्रदाह।
सोज़िशे दुरूँ (سوزش دروں) फा. स्त्री.—हृदय की जलन, प्रेम की आग।
सोसः (سوسہ) फा. पुं.—गेहूँ का कीड़ा, घुन।
सोहान (سوہان) फा. पुं.—रेतने का यंत्र, रेती।

सौ

सौगंद (سوگند) फा. स्त्री.—शपथ, क़सम।
सौग़ात (سوغات) तु. स्त्री.—उपहार, भेंट, तोहफ़ः, उपायन।
सौत (صوت) अ. स्त्री.—ध्वनि, आवाज़, नाद।
सौत (سوط) अ. पुं.—कशा, कोड़ा, चाबुक।
सौती (صوتی) अ. वि.—ध्वनि से संबंधित; ध्वनि का।
सौते हमीर (صوت حمیر) अ. स्त्री.—गधे की रेंक।
सौदा (سودا) अ. पुं.—शरीर की एक धातु, वात; मस्तिष्क-विकार, विक्षेप, पागलपन; प्रेम, इश्क़; काली स्त्री; बेचने का सामान।
सौदाई (سودائی) अ. वि.—विक्षिप्त, पागल; प्रेमी, आशिक़; बेअक़्ल, खब्ती, उदा०—"जिसके बदले में लुटा आये हैं दुनियाए निशात—वह खलिश दिल में छिपाये तेरा सौदाई है।"
सौदाए ख़ाम (سودائے خام) फा. अ. पुं.—पागलपन, मिराक़।

सौदागर (سوداگر) फ़ा. पुं.–सौदा बेचनेवाला, वणिक्।

सौदागरी (سوداگری) फ़ा. स्त्री.–सौदा बेचना, वाणिज्य।

सौदाज़दः (سودازده) अ. फ़ा. वि.–पागल, मिराक़ी; प्रेमी, अनुरागी।

सौदाज़दगी (سودازدگی) अ. फ़ा. स्त्री.–पागलपन; प्रेम का पागलपन।

सौदान (سودان) अ. पुं.–काले रंग के मनुष्य।

सौदावियत (سوداویت) अ. स्त्री.–वात का विकार; पागलपन।

सौदावी (سوداوی) अ. वि.–वात के कोप से उत्पन्न रोग; वात सम्बन्धी।

सौब (صوب) अ. स्त्री.–ओर, तरफ़; दिशा, सिम्त।

सौब (ثوب) अ. पुं.–पहनने का कपड़ा, वस्त्र।

सौबान (ثوبان) अ. पुं.–प्रत्यागमन, वापस लौटना, फिरना।

सौम (صوم) अ. पुं.–व्रत, रोज़ा।

सौम (سوم) अ. पुं.–मँहगा करके बेचना; भाव चुकाना।

सौमअः (صومعه) अ. पुं.–आराधनालय, उपासना-गृह, इबादतखाना।

सौमोसलवात (صوم و صلوٰة) अ. स्त्री.–रोज़ा नमाज़, धर्म-निष्ठा।

सौरः (ثوره) अ. पुं.–उपद्रव, विद्रोह, राजद्रोह, सैन्यद्रोह, बग़ावत।

सौर (ثور) अ. पुं.–वृष, वृषभ, वलीवर्द, बैल, साँड़।

सौरत (سورت) अ. स्त्री.–तीव्रता, प्रचंडता, तेज़ी।

सौरान (ثوران) अ. पुं.–ख़ून का जोश, रक्तकोप; उपद्रव, दंगा, फ़साद।

सौलत (صولت) अ. स्त्री.–आतंक, रोब, दब्बा।

सौलतपनाह (صولت پناه) अ. फ़ा. वि.–बहुत बड़े आतंकवाला, प्रतापी, रोबोदाबवाला।

सौलते शाही (صولت شاهی) अ. फ़ा. स्त्री.–राज्यातंक, शाही दबदबा।

सौसन (سوسن) फ़ा. स्त्री.–एक नीला फूल जिसकी पँखुड़ी ज़बान-जैसी होती है।

सौसनी (سوسنی) फ़ा. वि.–सौसन के रंग का, नीले रंग का।

सौहान (سوهان) फ़ा. पुं.–रेती, धातु रेतने का यंत्र।

सौहानगीर (سوهان گیر) फ़ा. वि.–नम्र, नर्म, मुलाइम।

सौहानज़दः (سوهان زده) फ़ा. वि.–रेता हुआ।

सौहाने रूह (سوهان روح) फ़ा. अ. पुं.–रूह के लिए रेती के समान अर्थात् कष्टदायक।

ह

हंगामः (هنگامه) फ़ा. पुं.–उपद्रव, फ़साद; विप्लव, क्रांति, उथल-पुथल; विद्रोह, बग़ावत; कोलाहल, उत्क्रोश, शोरोग़ुल; भीड़, संदोह, संकुल; मारपीट, दंगा; युद्ध, समर, जंग।

हंगामःआरा (هنگامه آرا) फ़ा. वि.–उपद्रव करनेवाला, फ़साद मचानेवाला; युद्ध करनेवाला, लड़नेवाला।

हंगामःआराई (هنگامه آرائی) फ़ा. स्त्री.–उपद्रव करना, फ़साद मचाना; युद्ध करना, लड़ना।

हंगामःख़ेज़ (هنگامه خیز) फ़ा. वि.–उपद्रव और क्रांति उत्पन्न करनेवाली बात, क्रांति-उत्पादक।

हंगामःख़ेज़ी (هنگامه خیزی) फ़ा. स्त्री.–उपद्रव और क्रांति।

हंगामःगर्मकुन (هنگامه گرم کن) फ़ा. वि.–शोर-ग़ुल और उपद्रव करनेवाला।

हंगामःगीर (هنگامه گیر) फ़ा. वि.–भीड़ इकट्ठी करनेवाला, मज्मा' लगानेवाला।

हंगामःगीरी (هنگامه گیری) फ़ा. स्त्री.–भीड़ इकट्ठी करना, मज्मा इकट्ठा करना।

हंगामःपर्दाज़ (هنگامه پرداز) फ़ा. वि.–उपद्रव खड़ा करने वाला, फ़साद पैदा करनेवाला।

हंगामःपर्दाज़ी (هنگامه پردازی) फ़ा. स्त्री.–उपद्रव खड़ा करना, फ़साद मचाना।

हंगामःपर्वर (هنگامه پرور) फ़ा. वि.–दे. 'हंगामःपर्दाज़'।

हंगामःपर्वरी (هنگامه پروری) फ़ा. स्त्री.–दे. 'हंगामः-पर्दाज़ी'।

हंगामःपसंद (هنگامه پسند) फ़ा. वि.–जो चाहता हो कि हंगामे होते रहें, झगड़े-बखेड़ों का शौक़ीन।

हंगामःपसंदी (هنگامه پسندی) फ़ा. स्त्री.–हंगामे पसंद करना।

हंगामःबन्दी (هنگامه بندی) फ़ा. स्त्री.–दिखावा, तड़क-भड़क।

हंगाम (هنگام) फ़ा. पुं.–समय, काल, वक़्त; ऋतु, मौसम।

हंगामए कारज़ार (هنگامۂ کارزار) फ़ा. पुं.–लड़ाई का हंगामा, युद्ध, लड़ाई।

हंगामए क़ियामत (هنگامۂ قیامت) फ़ा. अ. पुं.–क़ियामत की भीड़भाड़, क़ियामत का शोरो-ग़ुल।

हंगामए बग़ावत (هنگامۂ بغاوت) फ़ा. अ. पुं.–राजद्रोह का हंगामा।

हंगामए मर्ग (هنگامۂ مرگ) फा. पुं.—मौत का शोरोगुल।
हंगामए हश्र (هنگامۂ حشر) फा. अ. पुं.—दे. 'हंगामए क़ियामत'।
हंगामी (هنگامی) फा. वि.—सामयिक, वक़्ती; अस्थायी, आरिज़ी; क्षणिक, ज़रा सी देर का; आवश्यक, ज़रूरी, जैसे—'हंगामी इज्लास'।
हंगामे नज़्अ (هنگام نزع) फा. अ. पुं.—प्राण निकलने का समय, चंद्रा, जांकनी।
हंगुफ़्त (هنگفت) फा. वि.—मोटा, स्थूल; गफ़, दबीज़, दलदार।
हंजरः (حنجره) अ. पुं.—कंठ, गला, जहाँ से आवाज़ निकलती है।
हंजर (حنجر) अ. पुं.—दे. 'हंजरः'।
हंज़ल (حنظل) अ. पुं.—एक कड़वा फल, इंद्रायन।
हंजार (هنجار) फा. पुं.—पद्धति, शैली, ढंग, तर्ज़; मार्ग, पथ, रास्ता; नियम, क़ाइदा।
हंदसः (هندسه) अ. पुं.—दे. 'हिंदसः', दोनों शुद्ध हैं, परन्तु उर्दू में यही प्रचलित है।
हक़ [क़्क़] (حق) अ. पुं.—सत्य, सच; यथार्थ, वाक़ई; यथोचित, मुनासिब; स्वत्व, इस्तेहक़ाक़; अधिकार, इख़्तियार; पारिश्रमिक, मेहनताना; उत्कोच, रिश्वत; ईश्वर।
हक [क्क] (حک) अ. पुं.—खुरचना, छीलना; काटना, क़लमज़द करना।
हक़अंदेश (حق اندیش) अ. फा. वि.—सच्ची बात सोचनेवाला; भलाई चाहनेवाला।
हक़अः (هقعه) अ. पुं.—पाँचवाँ नक्षत्र, मृगशिरा।
हक़आगाह (حق آگاہ) अ. फा. वि.—सत्यनिष्ठ, बाईमान; महात्मा, वलीअल्लाह।
हक़गो (حق گو) अ. फा. वि.—सत्यभाषी, सच्ची बात कहनेवाला।
हक़गोई (حق گوئی) अ. फा. स्त्री.—सच्ची बात कहना, सत्यवादिता।
हक़ तआला (حق تعالیٰ) अ. पुं.—ईश्वर, परमात्मा।
हक़तलफ़ी (حق تلفی) अ. स्त्री.—किसी का हक़ या अधिकार मारा जाना, स्वत्व-हानि।
हक़दार (حق دار) अ. फा. वि.—अधिकारी, मुस्तार; पात्र, मुस्तहक़, दायाधिकारी, तरिकः पाने का मुस्तहक़।
हक़नाशनास (حق ناشناس) अ. फा. वि.—जो ख़ुदा को न पहचाने; जो सत्य को न पहचाने; कृतघ्न, एहसान-फ़रामोश।
हक़नाशनासी (حق ناشناسی) अ. फा. स्त्री.—ख़ुदा को न पहचानना; सत्य को न पहचानना; कृतघ्नता, एहसान-फ़रामोशी।
हक़नियोश (حق نیوش) अ. फा. वि.—सच्ची बात सुननेवाला।
हक़नियोशी (حق نیوشی) अ.फा.स्त्री.—सच्ची बात सुनना।
हक़परस्त (حق پرست) अ. फा. वि.—सत्यनिष्ठ, सत्य का पुजारी; ईश्वर का पुजारी, धर्मात्मा।
हक़परस्ती (حق پرستی) अ. फा. स्त्री.—सत्यनिष्ठता, सत्य की पूजा; ईश्वर की पूजा, धर्मपरायणता।
हक़पसंद (حق پسند) अ. फा. वि.—जिसे सत्य पसंद हो, सत्यनिष्ठ।
हक़पसंदी (حق پسندی) अ. फा. स्त्री.—सत्य को पसंद करना, सत्यप्रियता।
हक़फ़रामोश (حق فراموش) अ. फा. वि.—कृतघ्न, एहसान न माननेवाला, एहसान और उपकार भूल जानेवाला, नमकहराम।
हक़फ़रामोशी (حق فراموشی) अ. फा. स्त्री.—कृतघ्नता, एहसान भूल जाना, नमकहरामी।
हक़ बजानिब (حق بجانب) अ. फा. वि.—जिसकी ओर सच्चाई हो, जो सत्य के पक्ष में हो, जो अपनी बात में सच्चा हो।
हक़बीं (حق بیں) अ. फा. वि.—केवल सत्य को देखनेवाला, सत्यनिष्ठ, सत्यपरायण।
हक़बीनी (حق بینی) अ. फा. स्त्री.—सत्य को देखना, सत्य का पक्ष लेना, सत्यनिष्ठता।
हकम (حکم) अ. वि.—वह व्यक्ति जो दो आदमियों के बीच में पड़कर उनका झगड़ा ख़त्म करा दे, पंच, सरपंच, मध्यस्थ।
हक़मक़ाल (حق مقال) अ. वि.—दे. 'हक़गो'।
हक़मक़ाली (حق مقالی) अ. स्त्री.—दे. 'हक़गोई'।
हक़रसानी (حق رسانی) अ. फा. स्त्री.—किसी का हक़ उसको पहुँचाना, किसी का हक़ दिलाना।
हक़रसी (حق رسی) अ. फा. स्त्री.—किसी का हक़ पहुँचना, किसी का हक़दार होना।
हक़शनास (حق شناس) अ. फा. वि.—सत्य को पहचाननेवाला; ईश्वर को पहचाननेवाला।
हक़शनासी (حق شناسی) अ.फा.स्त्री.—सत्य को पहचानना; ईश्वर को पहचानना।
हक़शिआर (حق شعار) अ. वि.—दे. 'हक़पसंद'।
हक़शिआरी (حق شعاری) अ. स्त्री.—दे. 'हक़पसंदी'।
हक़ाइक़ (حقائق) अ. पुं.—'हक़ीक़त' का बहु., हक़ीक़तें।

हक़ाइक़पसंद (حقائق پسند) अ. फा. वि.—हक़ीक़त अर्थात् यथार्थता को पसंद करनेवाला।

हक़ाइक़बीं (حقائق بیں) अ.फा.वि.—हक़ीक़त या यथार्थता देखनेवाला।

हक़ाइक़शनास (حقائق شناس) अ. फा. वि.—हक़ीक़त या यथार्थता को पहचाननेवाला।

हक़ारत (حقارت) अ.स्त्री.—तिरस्कार, अपमान, बेइज़्ज़ती।

हक़ारतआमेज़ (حقارت آمیز) अ. फा. वि.—तिरस्कारपूर्ण, ज़िल्लतआमेज़।

हक़ीक़त (حقیقت) अ. स्त्री.—यथार्थता, वाक़ईयत; सत्यता, सच्चाई; मर्यादा, हैसियत।

हक़ीक़तआगाह (حقیقت آگاہ) अ. फा. वि.—यथार्थता और सच्चाई क्या है इससे वाक़िफ़।

हक़ीक़तआश्ना (حقیقت آشنا) अ. फा. वि.—दे. 'हक़ीक़त-आगाह'।

हक़ीक़तन (حقیقتاً) अ. वि.—यथार्थतः, वातस्व में, वाक़ई, सचमुच।

हक़ीक़तपसंद (حقیقت پسند) अ. फा. वि.—यथार्थता और सत्यता को पसंद करनेवाला।

हक़ीक़तबयानी (حقیقت بیانی) अ. स्त्री.—सच्ची बात कहना, हक़ीक़त बयान करना।

हक़ीक़तबीं (حقیقت بیں) अ. फा. वि.—हर बात में यथार्थता और सच्चाई को देखनेवाला।

हक़ीक़तशनास (حقیقت شناس) अ. फा. वि.—यथार्थता को जाननेवाला।

हक़ीक़ते नफ़्सुलअम्र (حقیقت نفس الامر) अ.स्त्री.—किसी घटना की यथार्थता।

हक़ीक़ते हाल (حقیقت حال) अ. स्त्री.—सच्चा हाल, अस्लियत, यथार्थता, वास्तविकता।

हक़ीक़ी (حقیقی) अ. वि.—सच्चा, अस्ली, वास्तविक, यथार्थ।

हकीम (حکیم) अ. वि.—वैद्य, तबीब; चिकित्सक, मुआलिज; वैज्ञानिक, साइंसदाँ; मीमांसक, फ़्लासफ़र।

हकीमानः (حکیمانہ) अ. फा. वि.—विज्ञानपूर्ण, फ़्लासफ़रों-जैसा; विद्वज्जनों-जैसा, अक़्लमंदानः।

हक़ीर (حقیر) अ. वि.—तुच्छ, क्षुद्र, कमीना; अत्यल्प, बहुत छोटा; अति न्यून, बहुत थोड़ा।

हक़ीरतरीन (حقیرترین) अ. फा. वि.—बहुत ही तुच्छ, बहुत ही कमीना; बहुत ही थोड़ा; बहुत ही छोटा।

हक़्क़ा (حقا) अ. फा. वि.—ईश्वर की शपथ, ख़ुदा की क़सम।

हक़्क़ाक (حکاک) अ. पुं.—खुरचनेवाला, छीलनेवाला; नगीना आदि तराशनेवाला।

हक़्क़ानी (حقانی) अ. वि.—ईश्वरीय, ख़ुदाई; कोई ऐसा गाना जिसमें ख़ुदा और रसूल का ज़िक्र हो।

हक़्क़ानीयत (حقانیت) अ. स्त्री.—सत्यता, सच्चाई; यथार्थता, वाक़ईयत।

हक़्क़ुज़्ज़हमत (حق الزحمت) अ. पुं.—किसी काम में तकलीफ़ और परिश्रम करने का हक़, कमीशन, पारिश्रमिक।

हक़्क़ुलइबाद (حق العباد) अ. पुं.—आम लोगों का हक़, जनता का हक़, जिसका छीन लेना क़ानून में भी और ईश्वर के यहाँ भी पाप है।

हक़्क़ुलमेहनत (حق المحنت) अ. पुं.—पारिश्रमिक, कमीशन।

हक़्क़ुलयक़ीन (حق الیقین) अ. पुं.—पूरा यक़ीन, कामिल यक़ीन, अटल विश्वास।

हक़्क़ुल्लाह (حق اللہ) अ. पुं.—ईश्वर का हक़ जो जनता पर है, जैसे—पूजा, व्रत और दूसरे धार्मिक कर्म।

हक़्क़े आसाइश (حق آسائش) अ.फा. पुं.—वह हक़ जो एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को देने के लिए बाध्य है, सुखाधिकार।

हक़्क़े ज़ौजीयत (حق زوجیت) अ. पुं.—वह हक़ जो पत्नी को अपने पति पर प्राप्त हैं; सहवास, मैथुन, स्त्री-प्रसंग।

हक़्क़े नमक (حق نمک) अ. फा. पुं.—किसी के नमक खाने का हक़, नमक हलाल करना, कृतज्ञता।

हक़्क़े मुरूर (حق مرور) अ. पुं.—निकलने-पैठने और आने-जाने का हक़ जो हर व्यक्ति को प्राप्त है।

हक़्क़े शुफ़्अः (حق شفعہ) अ. पुं.—पड़ोस की ज़मीन या मकान पर वह हक़ जो उसके बिकते समय पड़ोसी को प्राप्त रहता है कि वह ज़मीन या मकान सबसे पहले उसे मिले।

हक्कोइस्लाह (حکّ و اصلاح) अ. स्त्री.—किसी लेख में काट-छाँट और संशोधन।

हक़्क़ो सदाक़त (حق و صداقت) अ. स्त्री.—सत्यता और यथार्थता।

हज[ज्ज] (حج) अ. पुं.—मुसलमानों का एक धार्मिक कृत्य जो मक्के (अरब) में जाकर अदा करना पड़ता है और धनाढ्य लोगों को उम्र में एक बार उसके करने का हुक्म है।

हज़[ज़्ज़] (حظ) पुं.—आनंद, मज़ा; सुख, राहत; हर्ष, ख़ुशी; भाग, हिस्सा।

हज़ज (ہزج) अ. पुं.—सुरीली आवाज़; दे. 'बह्रे हज़ज'।

हज़ब (ہزب) फा. पुं.—एक पानी का जानवर, ऊद।

हज़न (حزن) अ. पुं.—दुःख, क्लेश, कष्ट, मुसीबत; शोक, ख़ेद, ग़म।

हज़्यान (هذیان) अ. पुं.—वह बकवास जो रोगी बेहोशी की अवस्था में करता है; बड़बड़ाहट, बकवास, खुराफ़ात, दे. 'हज़्यान', दोनों शुद्ध हैं।

हज़र (حذر) अ. पुं.—बचाव, उपेक्षा, परहेज़; भय, त्रास, डर।

हज़र (حضر) अ. पुं.—घर में रहना, उपस्थिति, मौजूदगी, 'सफ़र' का उलटा।

हजर (حجر) अ. पुं.—पाषाण, प्रस्तर, पत्थर।

हजरी (حجری) अ. वि.—पत्थर का; पत्थर का बना हुआ।

हजरीयत (حجریت) अ. स्त्री.—पत्थरपन, पथरीलापन।

हजरुलबक़र (حجرالبقر) अ. पुं.—गोरोचन, एक पत्थर जो गाय या बैल के मूत्राशय में पड़ जाता है।

हजरुलयहूद (حجرالیہود) अ. पुं.—एक पत्थर जो दवा में काम आता है।

हजरे अस्वद (حجر اسود) अ. पुं.—वह काला पत्थर जो मक्के में है और जिसकी परिक्रमा हज में की जाती है।

हजलः (حجلہ) अ. पुं.—दुल्हन का कमरा, दुल्हन का छप्परखट, दे. 'हज्लः', दोनों शुद्ध हैं।

हज़ाइर (حظائر) अ. पुं.—'हज़ीरः' का बहु., बाड़े।

हज़ाक़त (حذاقت) अ. स्त्री.—दक्षता, प्रवीणता, कुशलता, महारत; विद्वत्ता, निपुणता, चातुर्य, दानाई।

हज़ाक़तमआब (حذاقت‌مآب) अ. वि.—बहुत ही दक्ष और कुशल; बहुत ही विद्वान् और निपुण।

हज़ाज़ (حزاز) अ. स्त्री.—बफ़ा, सर की भूसी।

हज़ाजिर (حضاجر) अ. पुं.—बिज्जू, हुंडार, एक मृताशी जंतु, जो विशेषतः क़ब्रिस्तान में मुर्दे खाता है।

हजामत (حجامت) अ. स्त्री.—बाल बनाना; बाल बनवाना, दे. 'हिजामत'।

हज़ामत (حزامت) अ. स्त्री.—दक्षता, कुशलता, प्रवीणता, होशियारी।

हज़ारः (ہزارہ) फ़ा. पुं.—एक फूल; पौदों को पानी देने का एक पात्र, जिसकी टोंटी में 'फ़व्वारः' होता है।

हज़ार (ہزار) फ़ा. वि.—दस सौ की संख्या, सहस्र; दस सौ का अंक, (पुं.) बुलबुल, "तुम सलामत रहो हज़ार बरस। हर बरस के हों दिन पचास हज़ार।"—ग़ालिब।

हज़ारआवाज़ (ہزارآواز) फ़ा. वि.—बहुत से स्वर निकालनेवाला, (पुं.) बुलबुल, गोवत्सक।

हज़ारख़ानः (ہزارخانہ) फ़ा. पुं.—बकरी या भेड़ की ओझड़ी, पेट की थैली, पक्वाशय।

हज़ारगाइदः (ہزارگائیدہ) फ़ा. स्त्री.—बहुत ही व्यभिचारिणी, अति कुलटा।

हज़ारचंद (ہزارچند) फ़ा. वि.—हज़ारगुना; बहुत अधिक।

हज़ारचश्मः (ہزارچشمہ) फ़ा. पुं.—केकड़ा, कर्कट; कैंसर का रोग, अदीठ, सर्तान।

हज़ारचश्म (ہزارچشم) फ़ा. वि.—हज़ार आँखोंवाला, सहस्र-नेत्र।

हज़ारदानः (ہزاردانہ) फ़ा. पुं.—एक पौदा; हज़ार मनकों की माला।

हज़ारदास्ताँ (ہزارداستاں) फ़ा पुं.—बुलबुल, एक प्रसिद्ध गानेवाली चिड़िया।

हज़ारपा (ہزارپا) फ़ा. पुं.—कनखजूरा, शतपाद, चित्रांगी, (वि.) सहस्रपद, हज़ार पाँववाला।

हज़ारपायः (ہزارپایہ) फ़ा. पुं.—दे. 'हज़ारपा'।

हज़ारमेख़ (ہزارمیخ) फ़ा. पुं.—गुदड़ी, कंथा।

हज़ारसुतून (ہزارستون) फ़ा. पुं.—वह भवन या इमारत जिसमें हज़ार खंभे हों।

हज़ारहा (ہزارہا) फ़ा. वि.—हज़ारों, सहस्रों।

हज़ारहैफ़ (ہزارحیف) फ़ा. अ. वि.—बहुत-बहुत पश्चात्ताप।

हज़ारां (ہزاراں) फ़ा. वि.—हज़ारों, सहस्रों।

हज़ारां हज़ार (ہزاراں ہزار) फ़ा. वि.—हज़ारों, सहस्रों।

हज़ारी (ہزاری) फ़ा. वि.—एक हज़ारवाला; एक हज़ार से सम्बन्धित।

हज़िक़ (حذق) अ. वि.—बुद्धिमान्, अक़्लमंद; दक्ष, कुशल, होशियार; प्रतिभाशाली, ज़हीन।

हज़िन (حزن) अ. वि.—दुःखित, शोकान्वित, रंजीदः।

हज़िर (حذر) अ. वि.—डरनेवाला, भयभीत; चौकन्ना, सतर्क।

हज़ीं (حزیں) अ. वि.—'हज़ीन' का लघु., दे. 'हज़ीन'।

हज़ीज़ (حضیض) अ. स्त्री.—गढ़ा, निचाई, पस्ती; अवनति, ज़वाल।

हज़ीज़ (ہضیض) अ. वि.—भग्न, विच्छिन्न, खंडित, टूटा हुआ।

हज़ीनः (حزینہ) अ. वि.—दुःखी स्त्री, क्लेशिता, पीड़िता।

हज़ीनः (ہزینہ) अ. पुं.—बीवी-बच्चों का ख़र्च— व्यय, ख़र्च, कोष, ख़ज़ाना, (वि.) नित्य, हमेशा।

हज़ीन (حزین) अ. वि.—दुःखित, क्लेशित, पीड़ित, रंजीदः।

हजीन (ہجین) अ. वि.—अधम, नीच, कमीना; वर्णसंकर, दोग़ला।

हज़ीमः (ہضیمہ) अ. पुं.—मौत का खाना।

हज़ीमत (ہزیمت) अ. स्त्री.—पराजय, हार, शिकस्त; हारकर सेना का तितर-बितर हो जाना।

हज़ीमत (هضيمت) अ. स्त्री.–अत्याचार, अनीति, ज़ुल्म; क्रोध, कोप, ग़ुस्सा।

हज़ीमतख़ुर्दः (هزیمت خوردہ) अ. फ़ा. वि.–पराजित, परास्त, हारा हुआ।

हज़ीरः (حظیرہ) अ. पुं.–बाड़ा, चौपायों के रहने का घेरा।

हजीर (هجیر) अ. स्त्री.–दोपहर की गर्मी; दोपहर की कड़ी धूप, (पुं.) बड़ा हौज़।

हज़ीर (حذیر) अ. वि.–डरपोक, भीरु; त्रस्त, भयभीत, ख़ाइफ़।

हज़ीर (هزیر) बुद्धिमान्, मेधावी, अक़्लमंद।

हजून (هجون) अ. वि.–आलसी, काहिल, सुस्त।

हज़ूर (حذور) अ. वि.–डरनेवाला, भय खानेवाला; त्रस्त, डरा हुआ, भीरु, डरपोक।

हजूल (هجول) अ. वि.–व्यभिचारिणी, कुलटा, फ़ाहिशः।

हज़्ज़त (هزت) अ. स्त्री.–आनंद, ऐश, भोग-विलास।

हज्जाज (حجاج) अ. वि.–बहुत अधिक वाक्कलह करनेवाला, हुज्जती।

हज्जाम (حجام) अ. पुं.–नापित, क्षौरिक, नाई; पछने लगानेवाला, सिंघी लगानेवाला।

हज़्ज़ाल (هزال) अ. वि.–बहुत अधिक निन्दाजनक बातें करनेवाला।

हज्जे अक्बर (حج اکبر) अ. पुं.–वह हज जिसमें हज के दिन शुक्रवार पड़े।

हज़्ज़े नफ़्सानी (حظ نفسانی) अ. पुं.–इंद्रियों का सुख, भोग-विलास आदि का आनंद, जीवन-सुख।

हज़्ज़े रूहानी (حظ روحانی) अ. पुं.–आत्मा सम्बन्धी सुख, जप-तप आराधना आदि का आनंद।

हज्दः (هژده - هجده) फ़ा. वि.–अट्ठारह, अष्टादश।

हज्दःहज़ार (هژدہ هزار) फ़ा. वि.–अट्ठारह हज़ार।

हज्दहुम (هژدهم) फ़ा. वि.–अट्ठारहवाँ।

हज़्न (حضن) अ. पुं.–बच्चों का पालन-पोषण; चिड़ियों का अंडे सेना।

हज़्फ़ (حذف) अ. पुं.–विच्छेद, अलग कर देना; किसी शब्द से एक अक्षर कम कर देना।

हज्मः (هجمه) अ. पुं.–चालीस ऊँटों से अधिक का गल्ला।

हज्म (حجم) अ. पुं.–मोटाई, दल, स्थूलता।

हज़्म (حزم) अ. पुं.–दक्षता, कुशलता, होशियारी; सावधानी, सतर्कता, चौकसी; दूरदर्शिता, दूरबीनी।

हज़्म (هزم) अ. पुं.–सेना का तितर-बितर हो जाना, परास्त होकर सेना का भागना।

हज़्म (هضم) अ. पुं.–पक्वाशय में भोजन का पकना, पाक, पचन; पाचन-शक्ति, हाज़िमः।

हज़्मे कामिल (هضم کامل) अ. पुं.–पक्वाशय में अन्न का पूर्ण रूप से पच जाना।

हज़्मे ग़िज़ा (هضم غذا) अ.फ़ा. पुं.–पक्वाशय में अन्न का पचना, अन्नपाक।

हज्मे ज़ख़ीम (حجم ضخیم) अ. पुं.–बहुत काफ़ी मोटाई।

हज़्मे नाक़िस (هضم ناقص) अ. पुं.–पक्वाशय में अन्न का पूर्ण रूप से न पकना।

हज़्मे सहीह (هضم صحیح) अ. पुं.–दे. 'हज़्मे कामिल'।

हज़्मो एहतियात (حزم و احتیاط) अ.–सावधानी और दूरदर्शिता।

हज़्मो शिकस्त (هزم و شکست) अ. फ़ा. स्त्री.–सेना की हार और भगदड़।

हज़्र (هذر) अ. पुं.–बकवास, वाचालता, मुखरता, जल्प।

हज्र (حجر) अ. पुं.–कुक्ष, बग़ल; क्रोड़, गोद, आग़ोश।

हज्र (هجر) अ. पुं.–वियोग, जुदाई; मध्याह्न, दोपहर; रोगी की बकवास, हज़यान।

हज़्र (حزر) अ. पुं.–खेत में खड़े हुए नाज का अंदाज़ः, कूत; पेड़ में लगे हुए फलों का अनुमान।

हज़्रत (حضرت) अ. पुं.–किसी बड़े व्यक्ति के नाम से पहले सम्मानार्थ लगाया जानेवाला शब्द; कोई प्रतिष्ठित और पूज्य व्यक्ति; (व्यंग) धूर्त, चालाक; पाखंडी, ऐयार; बदमाश।

हज़्रत सलामत (حضرت سلامت) अ. पुं.–प्रतिष्ठित जनों के लिए संबोधन का शब्द।

हज़्रते अक़्दस (حضرت اقدس) अ. पुं.–पूज्य और पवित्र व्यक्ति के लिए व्यवहृत शब्द।

हज़्रते आली (حضرت عالی) अ. पुं.–दे. 'हज़्रते अक़्दस'।

हज़्रते मोहतरम (حضرت محترم) अ. पुं.–दे. 'हज़्रते अक़्दस'।

हज़्रते वाइज़ (حضرت واعظ) अ. पुं.–उर्दू साहित्य में वह धर्मोपदेशक व्यक्ति जो शराब न पीने के लिए बाध्य करता और इसके विरुद्ध धार्मिक दलीलें बयान करता है।

हज़्रते वाला (حضرت والا) अ. पुं.–दे. 'हज़्रते अक़्दस'।

हज़्रते शैख़ (حضرت شیخ) अ. पुं.–उर्दू साहित्य में वह धार्मिक व्यक्ति जो बुरे कामों से रोकता, शराब से मना करता और नमाज आदि की पाबंदी के लिये समझाता है।

हज़्रात (حضرات) अ. पुं.–'हज़्रत' का बहु., व्यक्तियों लोग।

हज्लः (حجلہ) अ. पुं.–दुल्हन का सजा हुआ कोठा या छपरखट, दे. 'हजलः', दोनों शुद्ध हैं।

हज्ल (هزل) अ. पुं.–अश्लीलता, फक्कड़पन; अश्लील कविता।

हज्ल (هجل) अ. पुं.–पहाड़ों के बीच की नीची भूमि।

हज्लए अरूसी (حجلۂ عروسی) अ. पुं.–नवविवाहिता का सजा हुआ हुआ छपरखट या कोठा।

हज्लगो (هزل‌گو) अ. फा. वि.–अश्लील और हँसानेवाली कविता करनेवाला।

हज्लगोई (هزل‌گوئی) अ. फा. स्त्री.–अश्लील कविता करना।

हज्लपसंद (هزل‌پسند) अ. फा. वि.–जिसे फक्कड़पन अच्छा लगे; जो अश्लील कविता पसंद करे।

हज्लीयात (هزلیات) अ. स्त्री.–अश्लील काव्य-संग्रह।

हज्लोतफ़न्नुन (هزل و تفنن) अ. पुं.–फक्कड़पन और मज़ाक़।

हज़्व (حذو) अ. पुं.–दो वस्तुओं को परस्पर बराबर करना।

हज्व (هجو) अ. स्त्री.–निंदा, तिरस्कार, अपमान; ऐसी कविता जिसमें किसी की निंदा की जाय।

हज्वगो (هجوگو) अ. फा. वि.–वह कवि जो अपनी कविता में लोगों की निंदा करता हो।

हज्वगोई (هجوگوئی) अ. फा. स्त्री.–कविता में दूसरों की निंदा करना।

हज्वीयात (هجویات) अ. स्त्री.–दूसरों की निंदा में की गयी कविताओं का संग्रह।

हज्वे मलीह (هجو ملیح) अ. स्त्री.–ऐसी निंदा जो देखने में प्रशंसा जान पड़े, व्याजनिंदा।

हज्वे सरीह (هجو صریح) अ. स्त्री.–स्पष्ट निंदा, साफ़-साफ़ निंदा, जिसमें कोई दुराव न हो।

हज़्हाज़ (هزهاز) अ. पुं.–बुलाना, पुकारना।

हतब (حطب) अ. स्त्री.–जलाने की लकड़ी, ईंधन।

हतिम (حطم) अ. वि.–भग्न, विच्छिन्न, टूटा हुआ, शिकस्तः।

हतिल (هطل) अ. वि.–बहुत बरसनेवाली घटा।

हतीम (حطیم) अ. पुं.–भग्न, खंडित, टूटा हुआ; का'बे की पच्छिमी दीवार।

हत्क (حتک) अ. पुं.–दौड़ कर चलना, भागना।

हत्क (هتک) अ. स्त्री.–अपमान, तिरस्कार, बेइज़्ज़ती।

हत्के इज़्ज़त (هتک عزت) अ. स्त्री.–मानहानि, इज़्ज़त पर हम्ला, तौहीन।

हत्तल इम्कान (حتی الامکان) अ. वि.–जहाँ तक मुम्किन है, यथासंभव।

हत्तल इस्तिताअत (حتی الاستطاعت) अ. वि.–जहाँ तक मक़्दूर है, यथासामर्थ्य।

हत्तलमक़्दूर (حتی المقدور) अ. वि.–जहाँ तक शक्ति है, यथाशक्ति, यथाशक्य, यथासाध्य।

हत्तलवुस्अ (حتی الوسع) अ. वि.–दे. 'हत्तलमक़्दूर'।

हत्ता (حتی) अ. वि.–जब तक, जहाँ तक, यावत्, यथा।

हत्ताक (هتاک) अ. वि.–अपमान करनेवाला; छिद्रान्वेषी।

हत्तात (هتات) अ. वि.–बकवासी, मुखर, वाचाल; फुर्तीला, चुस्त, चालाक।

हत्ताब (حطاب) अ. पुं.–लकड़हारा, लकड़ियाँ बेचनेवाला।

हत्न (حتن) अ. पुं.–गर्मी की तेज़ी।

हत्फ़ (حتف) अ. पुं.–मृत्यु, मरण, निधन, मौत।

हत्फ़ (هتف) अ. पुं.–आवाज़, स्वर, शब्द।

हत्म (حتم) अ. पुं.–दृढ़ता, मज़बूती, पुख़्तगी।

हत्मन (حتماً) अ. वि.–दे 'हत्मी'।

हत्मी (حتمی) अ. वि.–निश्चित रूप से, पुख़्तः तौर पर, यक़ीनी।

हत्ल (هطل) अ. पुं.–मेंह का बराबर बरसना; झड़ी लगना; आँसुओं की झड़ी।

हद [द्द] (حد) अ. स्त्री.–पराकाष्ठा, किनारा, अख़ीर; सीमा, छोर; ओट, आड़।

हदक़ः (حدقہ) अ. पुं.–आँख का कालापन; पुतली, कनीनी।

हदक़ (حدق) अ. पुं.–'हदक़ः' का बहु., आँख की पुतलियाँ; आँख की सियाहियाँ; बैंगन, भाँटा।

हदफ़ (هدف) अ. पुं.–लक्ष्य, निशाना; ऊँचा पुश्ता; वह गोलाई जिस पर निशाना सीखने के लिए गोलियाँ मारते हैं।

हदफ़े तीर (هدف تیر) अ. फा. पुं.–तीर का निशाना मारने का स्थान, लक्ष्य; जिस पर तीर मारे जायँ।

हदफ़े मलामत (هدف ملامت) अ. पुं.–जिस पर चारों ओर से धिक्कार पड़े, जिसकी सब निंदा करें।

हदबंदी (حدبندی) अ. फा. स्त्री.–दो चीज़ों या ज़मीनों के बीच में ऐसा चिह्न जो दोनों की सीमा निश्चित करे।

हदबः (حدبہ) अ. पुं.–कूबड़, कुबड़ापन, कुब्ज।

हदब (حدب) अ. पुं.–कुबड़ापन, कुब्ज; टीला, उठी हुई ज़मीन।

हदर (هدر) अ. पुं.–किसी का बध जाइज़ हो जाना, ख़ून मुआफ़ हो जाना।

हदस (حدث) अ. पुं.–वह चीज़ जिससे वज़ू टूट जाय।

हदसात (حدثات) अ. स्त्री.–'हदसः' का बहु., युवा स्त्रियाँ, जवान औरतें।

हदाइक़ (حدائق) अ. पुं.–'हदीक़ः' का बहु., बग़ीचे, बाग़।

हदाया (هدایا) अ. पुं.–'हदीयः' का बहु., तोहफ़े, भेंटें, नज़्राने।

हदासत (حداثت) अ. स्त्री.–नूतनता, नयापन; आरम्भ, शुरूआत।

हदासते सिन (حداثت سن) अ. स्त्री.–बाल्यावस्था, बचपन।

हदीक़ः (حديقه) अ. पुं.–वह बाग़ जिसके चारों ओर दीवार हो।

हदीद (حديد) अ. पुं.–लोहा, लौह, फ़ौलाद; तेज़ और धारदार पदार्थ।

हदीयः (هديه) अ. पुं.–पुरस्कार, उपहार, भेंट, नज़्र, दे. 'हद्यः', दोनों शुद्ध हैं।

हदीस (حديث) अ. स्त्री.–नयी बात, नयी ख़बर; पैग़ंबर साहिब की फ़रमाई हुई बात।

हद्क़ः (حدقه) अ. पुं.–आँख की गोलाई, आँख का हल्क़ा।

हद्दाद (حداد) अ. वि.–लोहकार, लुहार; कारा-रक्षक, बंधनपाल, जेलर।

हद्दादी (حدادی) अ. स्त्री.–लुहार का काम।

हद्दे अदब (حد ادب) अ. स्त्री.–आदर और लिहाज़ की अंतिम सीमा, जहाँ तक आदर किया जा सके।

हद्दे फ़ासिल (حد فاصل) अ. स्त्री.–दो पदार्थों के बीच में अंतर डालनेवाली वस्तु, ओट, आड़।

हद्दे शर्ई (حد شرعی) अ. स्त्री.–वह सज़ा जो इस्लाम धर्म के अनुसार दी जाय।

हद्बा (حدبا) अ. स्त्री.–कुब्जा, कुबड़ी स्त्री।

हद्म (هدم) अ. पुं.–ढाना, गिराना, तोड़-फोड़ करना, निर्जनता, वीरानी।

हद्यः (هديه) अ. पुं.–उपहार, भेंट, तोहफ़ा, दे. 'हदीयः', दोनों शुद्ध हैं।

हद्र (هدر) अ. पुं.–दे. 'हदर', दोनों शुद्ध हैं।

हद्सः (حدثه) अ. स्त्री.–युवा स्त्री, जवान औरत।

हद्स (حدس) अ. पुं.–प्रतिभा, चातुर्य, ज़हानत; बुद्धिमत्ता, मेधा, अक़्लमंदी।

हनक (حنک) अ. पुं.–तालु, तालू।

हनक़ (حنق) अ. पुं.–द्वेष, कीनः, बुग़्ज़; शत्रुता वैर, दुश्मनी।

हनकी (حنکی) अ. वि.–वह अक्षर जो तालू से उच्चरित हो, तालव्य।

हनफ़ी (حنفی) अ. वि.–इमाम अबू हनीफ़ः के अनुयायी मुसलमान।

हनी (هنی) अ. वि.–पाचक, हाज़िम; स्वादिष्ठ, लज़ीज़; सुगम, सहज।

हनीन (حنين) अ. पुं.–विलाप, रोना-पीटना; कामना, चाह, इच्छा।

हनीफ़ (حنيف) अ. वि.–धर्मपरायण, सत्यनिष्ठ, धर्म में पक्का; हज़्रत इब्राहीम के धर्म का अनुयायी।

हनीफ़ी (حنيفی) अ. वि.–धर्मनिष्ठ, धर्म में अटल; हज़्रत इब्राहीम के धर्म को माननेवाला।

हनूत (حنوط) अ. पुं.–वह सुगंधित पदार्थ जो मृतक शरीर पर मला जाय।

हनूद (هنود) अ. पुं.–'हिंदू' का बहु., हिंदू लोग।

हनोज़ (هنوز) फ़ा. अव्य.–अभी तक, अब भी, अब तक, अद्यापि।

हन्नात (حناط) अ. वि.–गेहूँ बेचनेवाला; सुगंध बेचनेवाला, गंधी।

हन्नानः (حنانه) अ. वि.–बहुत रोनेवाला।

हन्नान (حنان) अ. वि.–मोक्ष देनेवाला; कृपा करनेवाला; ईश्वर का एक नाम।

हफ़द (حفد) अ. पुं.–'हाफ़िद' का बहु., सहायक जन, मददगार लोग।

हफ़नज़र (حفنظر) अ. वा.–ईश्वर बुरी दृष्टि के प्रभाव से रक्षा करे।

हफ़वत (هفوت) अ. स्त्री.–अपवाद, बकवास, अनर्गल प्रलाप।

हफ़वात (هفوات) अ. स्त्री.–'हफ़वत' का बहु., अनर्गल और व्यर्थ की बातें।

हफ़ावत (حفادت) अ. स्त्री.–कृपा, अनुकंपा, दया, मेह्रबानी; हर्ष, प्रसन्नता, ख़ुशी, दे. 'हिफ़ादत', दोनों शुद्ध हैं।

हफ़ीज़ (حفيظ) अ. वि.–रक्षक, संरक्षक, देख-रेख करनेवाला; ईश्वर का एक नाम।

हफ़ीर (حفير) अ. वि.–गर्त, गढ़ा; क़ब्र, गोर।

हफ़्तः (هفته) फ़ा. पुं.–सात दिनों का समय, सप्ताह; शनिवार, सनीचर।

हफ़्तःवार (هفته وار) फ़ा. वि.–साप्ताहिक, हफ़्ते में एक बार होनेवाला।

हफ़्तःदोस्त (هفته دوست) फ़ा. वि.–वह व्यक्ति जिससे दूर की जान-पहचान हो।

हफ़्तःवारी (هفته واری) फ़ा. स्त्री.–दे. 'हफ़्तःवार'।

हफ़्त (هفت) फ़ा. वि.–सात की संख्या, सात।

हफ़्तअंदाम (هفت اندام) फ़ा. स्त्री.–एक बड़ी रग जिसकी फ़स्द खोली जाती है।

हफ़्तअख़्तर (هفت اختر) फ़ा. पुं.–सातों सितारे, सातों ग्रह, सप्तग्रह।

हफ़्तइक़्लीम (هفت اقلیم) फ़ा. अ. स्त्री.—सातों महाद्वीप अर्थात् सारी दुनया।

हफ़्तऔरंग (هفت اورنگ) फ़ा. पुं.—सप्तर्षि, बनातुन्ना'श।

हफ़्तक़लम (هفت قلم) फ़ा. अ. वि.—अरबी-फ़ारसी की सातों लिपियाँ लिखनेवाला।

हफ़्तकिश्वर (هفت کشور) फ़ा. पुं.—दे. 'हफ़्तइक़्लीम'।

हफ़्त क़ुल्ज़ुम (هفت قلزم) फ़ा. अ. पुं.—सातों महासागर, अर्थात् सारे समुद्र।

हफ़्तख़्वाँ (هفت خواں) फ़ा. पुं.—वह सातों मंज़िलें जो रुस्तम को तै करनी पड़ी थीं।

हफ़्तगुंबद (هفت گنبد) फ़ा. पुं.—सातों आकाश।

हफ़्तज़बाँ (هفت زباں) फ़ा. वि.—जो सात भाषाएँ जानता हो।

हफ़्तजोश (هفت جوش) फ़ा. पुं.—सातों धातुओं का योग।

हफ़्ततबक़ (هفت طبق) फ़ा. अ. पुं.—पृथ्वी के सातों तल।

हफ़्तदर्या (هفت دریا) फ़ा. पुं.—दे. 'हफ़्तक़ुल्ज़ुम'।

हफ़्तदह (هفت ده) फ़ा. वि.—सत्रह, सप्तदश।

हफ़्तदोज़ख़ (هفت دوزخ) फ़ा. पुं.—नरक के सातों भाग।

हफ़्तपर्दः (هفت پرده) फ़ा. पुं.—सातों आकाश।

हफ़्तपुश्त (هفت پشت) फ़ा. स्त्री.—सात पीढ़ियाँ, पुश्त दर पुश्त।

हफ़्तपैकरः (هفت پیکر) फ़ा. पुं.—सातों सितारे, सप्तग्रह।

हफ़्तमंज़िल (هفت منزل) फ़ा. अ. स्त्री.—सातों तल; सात मालाओं का भवन।

हफ़्तरंग (هفت رنگ) फ़ा. वि.—सात रंगोंवाला।

हफ़्तरोज़ः (هفت روزه) फ़ा. वि.—साप्ताहिक, सात दिन में पड़ने या होनेवाला; साप्ताहिक पत्र, हफ़्तःवार अख़बार।

हफ़्तसालः (هفت ساله) फ़ा. वि.—सप्तवर्षीय, सात बरस-वाला।

हफ़्तहज़ारी (هفت هزاری) फ़ा. पुं.—मुग़ल राजकाल की एक प्रतिष्ठित पदवी; इस पदवी का अधिकारी।

हफ़्तहैकल (هفت هیکل) फ़ा. अ. स्त्री.—जीवरक्षा की सात दुआएँ।

हफ़्ताद (هفتاد) फ़ा. वि.—सत्तर।

हफ़्तादोदो (هفتادودو) फ़ा. वि.—बहत्तर, सत्तर और दो।

हफ़्तुम (هفتم) फ़ा. वि.—सातवाँ, सप्तम।

हफ़्तुमीं (هفتمیں) फ़ा. वि.—सातवाँ।

हफ़्दः (هفده) फ़ा. वि.—'हफ़्तदह' का लघु., सतरह, सप्तदश।

हफ़्दहुम (هفدهم) फ़ा. वि.—सत्तरहवाँ।

हफ़्र (حفر) अ. पुं.—ज़मीन की खुदाई।

हफ़्ल (حفل) अ. पुं.—भीड़, जमाव, जन-समूह; एकत्र करना, इकट्ठा करना।

हफ़्स (حفص) अ. पुं.—शेर का बच्चा, व्याघ्र-शावक।

हब[ब्ब] (حب) अ. स्त्री.—गोली, वटिका, वटी।

हबक (هبک) अ. स्त्री.—हथेली, करतल।

हबन्नक़ (هبنق) अ. वि.—मूर्ख, बौड़म, बुद्धू।

हबशः (حبشه) अ. पुं.—दे. 'हबश'।

हबश (حبش) अ. पुं.—अफ़्रीक़ा का एक प्रसिद्ध देश, हबशः।

हबशी (حبشی) अ. वि.—हबश का निवासी।

हबाब (حباب) फ़ा. पुं.—बुल्बुलः, बुद्बुद।

हबाब आसा (حباب آسا) फ़ा. वि.—बुल्बुले-जैसा, बहुत ही नाज़ुक, क्षणभंगुर।

हबाबी (حبابی) फ़ा. वि.—बुल्बुले की तरह नाज़ुक और क्षण-भंगुर।

हबीब (حبیب) अ. वि.—मित्र, सखा, दोस्त; प्रेमपात्र, मा'शूक़।

हबूत (هبوط) अ. वि.—नीचे उतरनेवाला।

हबूब (هبوب) अ. पुं.—वायु का झक्कड़, धूल मिली हुई तेज़ हवा।

हब्बः (حبه) अ. पुं.—दाना, बीज; रत्ती भर, आठ चावल का भार; बहुत थोड़ा, ज़रा सा।

हब्बज़ा (حبذا) अ. अव्य.—वाह-वाह, धन्य-धन्य, साधु-साधु।

हब्बुज़्ज़लम (حب الزلم) अ. पुं.—'ज़लम' एक औषध द्रव्य द्वारा निर्मित वटी, ज़लम की गोली।

हब्बुर्रिशाद (حب الرشاد) अ. पुं.—हालौन, एक दाना जो दवा में चलता है।

हब्बुलक़ुत्न (حب القطن) अ. पुं.—कपास का बीज, बिनौला।

हब्बुलग़ुराब (حب الغراب) अ. पुं.—कुचला, एक विषैला दाना, विषमुष्टि, विषतुंदक।

हब्बुलमुलूक (حب السلوی) अ. पुं.—जमालगोटा, दंतिका।

हब्बुस्समनः (حب السمنه) अ. पुं.—चिरौंजी, एक प्रसिद्ध मेवा।

हब्बुस्सलातीन (حب السلاطین) अ. पु.—जमालगोटा, अजयपाल, दंतिका।

हब्ल (حبل) अ. स्त्री.—रस्सी, रज्जु; डोरा, तार; रग, धमनी।

हब्लुज़्ज़िराअ (حبل الذراع) अ. स्त्री.—हाथ की एक रग।

हब्लुलमतीन (حبل المتین) अ. स्त्री.—दृढ़ रस्सी।

हब्लुलवरीद (حبل الورید) अ. स्त्री.—गर्दन की एक रग।

हब्स (حبس) अ. पुं.—उपग्रह, कारावास, क़ैद; उमस, बरसात में हवा बंद होने की अवस्था; अवरोध, रुकाव।
हब्सीयात (حبسیات) अ. स्त्री.—क़ैद के समय की बातें या कविता आदि; कारागार सम्बन्धी चीज़ें।
हब्से तम्स (حبس طمث) अ. पुं.—मासिक धर्म का बंद हो जाना।
हब्से दम (حبس دم) अ. फा. पुं.—साँस रुकना, दम घुटना, श्वासरोध; साँस रोककर की जानेवाली एक तपस्या, कुंभक प्राणायाम।
हब्से दवाम (حبس دوام) अ. पुं.—आजन्म कारावास, उम्र भर की क़ैद।
हब्से बेजा (حبس بیجا) अ. पुं.—अवैध रूप से किसी को बंद रखना।
हब्से बौल (حبس بول) अ. पुं.—पेशाब का रुक जाना, मूत्र-निरोध, मूत्राघात।
हब्से रियाह (حبس ریاح) अ. पुं.—पेट में वायु का रुक जाना।
हमः (همه) फा. वि.—सर्व, सब, कुल; समस्त, समग्र, समूचा; पूर्ण, पूरा।
हमःउम्र (همه‌عمر) फा. अ. वि.—सारी उम्र, आजीवन, जीवनभर।
हमःऔक़ात (همه‌اوقات) फा. अ. वि.—हर समय, हर वक़्त।
हमःख़ोर (همه‌خور) फा. वि.—सब कुछ खा जानेवाला, सर्वभक्षी, जिसे खाने में धर्माधर्म का विचार न हो।
हमःख़ोरी (همه‌خوری) फा. स्त्री.—सब कुछ खा जाना, धर्माधर्म का विचार किये बिना जो पाना वह खा जाना।
हमःगीर (همه‌گیر) फा. वि.—जो हर तरफ़ फैला और छाया हुआ हो, सर्वव्यापी, सार्वभौम।
हमःगीरी (همه‌گیری) फा. स्त्री.—हर ओर फैला और छाया होना, सर्वव्यापित।
हमःतन (همه‌تن) फा. वि.—सारे शरीर के साथ, अर्थात् पूरी तल्लीनता के साथ।
हमःतनगोश (همه‌تن‌گوش) फा. वि.—जो सर से पाँव तक कान बन गया हो, अर्थात् जो किसी बात के सुनने के लिए बहुत अधिक उत्कंठित हो, उत्कर्ण।
हमःदाँ (همه‌داں) फा. वि.—सब कुछ जाननेवाला, सर्वज्ञ, बहुत बड़ा विद्वान्।
हमः दानी (همه‌دانی) फा. स्त्री.—सब कुछ जानना, सर्वज्ञता, विद्वत्ता।
हमःदुश्मन (همه‌دشمن) फा. वि.—जो सबका शत्रु हो; जिसके सब शत्रु हों।
हमःदोस्त (همه‌دوست) फा. वि.—जो सबका दोस्त हो; जिसके सब दोस्त हों।
हमःने'मत (همه‌نعمت) फा. अ. स्त्री.—सारी ने'मतें, हर प्रकार की सुख-सामग्री।
हमःवक़्त (همه‌وقت) अ. फा. वि.—हर समय, हर वक़्त; हर दशा में, हर हालत में।
हमःसम्त (همه‌سمت) फा. अ. वि.—चारों ओर, चतुर्दिक्, चहुँपास, हर तरफ़, सब ओर।
हमःसाअत (همه‌ساعت) फा. अ. वि.—प्रतिक्षण, हर लम्हः; हर समय, हर वक़्त।
हमःसिफ़त (همه‌صفت) फा. अ. वि.—सारे गुणोंवाला, सारी सिफ़तोंवाला।
हमःसिफ़त मौसूफ़ (همه‌صفت موصوف) फा. अ. वि.—सारे गुणों से भरा हुआ, जिसमें सारी ख़ूबियाँ हों, सर्वगुणसंपन्न।
हमःसू (همه‌سو) फा. वि.—हर ओर, हर तरफ़, चतुर्दिक्, चहुँओर।
हम (هم) फा. उप.—साथवाला, जैसे—'हमउम्र'; बराबर-वाला, जैसे—'हमक़ीमत' आदि, (अव्य.) भी, अपि, नीज़।
हम [म्म] (هم) अ. पुं.—दुःख, खेद, रंज, ताप, ग़म (जिसके आने का भय हो); रोग का शरीर को घुला देना; बच्चे को लोरी से सुलाना।
हम (حم) अ. पुं.—सुसराल के रिश्तेवाला, सुसराली रिश्तेदार।
हमअक़ीदः (هم‌عقیده) फा. अ. वि.—किसी एक पंथ के माननेवाले, सधर्मानुयायी; किसी एक बात पर विश्वास रखनेवाले।
हमअलामत (هم‌علامت) फा. अ. वि.—एक-जैसे लक्षणों-वाले; एक-जैसे चिह्नोंवाले।
हमअस्र (هم‌عصر) फा. अ. वि.—एक समय में होनेवाले व्यक्ति, समकालीन।
हमअह्द (هم‌عهد) फा. अ. वि.—दे. 'हमअस्र'।
हमआग़ोश (هم‌آغوش) फा. वि.—एक दूसरे को गोद में लिये हुए, आलिंगित, बग़लगीर।
हमआग़ोशी (هم‌آغوشی) फा. स्त्री.—आलिंगन, बग़लगीरी, एक दूसरे को गोद में लेना।
हम आवर्द (هم آورد) फा. वि.—प्रतिद्वंद्वी, हरीफ़, मुक़ा-बिल; सहव्यवसायी, हमपेशः।
हमआवाज़ (هم‌آواز) फा. वि.—जिनकी आवाज़ एक-सी हो; जो किसी विषय में सहमत हों।
हमआहंग (هم‌آهنگ) फा. वि.—एक-सी आवाज़वाले; एक-से इरादेवाले; एक-सी रायवाले।

हमआहंगी (ہم‌آہنگی) फा. स्त्री.—एक-सी आवाज़; एक-सा इरादा; एक-सी राय।

हमइनाँ (ہم‌عناں) फा. अ. वि.—साथ चलनेवाला, सहचर; सदृश, समान।

हमइयार (ہم‌عیار) फा. अ. वि.—सदृश, समान; सहपद, हमदर्ज:।

हमउम्र (ہم‌عمر) फा. अ. वि.—एक-सी आयुवाले, समवयस्क, समसामयिक, वयःस्थ।

हमउम्री (ہم‌عمری) फा. अ. स्त्री.—आयु में बराबरी, समवयस्कता, समावस्था, वयस्य भाव।

हमऔसाफ़ (ہم‌اوصاف) फा. अ. वि.—गुणों में एक-जैसे व्यक्ति, एकगुण।

हमक़द (ہم‌قد) फा. अ. वि.—एक-जैसे डीलवाला, समकाय।

हमक़दम (ہم‌قدم) फा. अ. वि.—साथ-साथ चलनेवाले, सहचर।

हमक़दमी (ہم‌قدمی) फा. अ. स्त्री.—साथ-साथ चलना।

हमक़दह (ہم‌قدح) फा. अ. वि.—एक प्याले में शराब पीनेवाले, बहुत ही घनिष्ठ शराबी दोस्त।

हमक़द्र (ہم‌قدر) फा. अ. वि.—एक-जैसी प्रतिष्ठावाले, एक-जैसी इज़्ज़तवाले।

हमक़रीं (ہم‌قریں) फा. अ. वि.—दे. शुद्ध उच्चारण 'हमक़िरीं'

हमक़लम (ہم‌قلم) फा. अ. वि.—एक दफ़्तर में काम करनेवाले, एक दफ़्तर के क्लर्क।

हमकलाम (ہم‌کلام) फा. अ. वि.—किसी के साथ बात करनेवाला या बात करता हुआ।

हमकलामी (ہم‌کلامی) फा. अ. स्त्री.—आपस की बातचीत, दो व्यक्तियों का परस्पर वार्तालाप।

हमकार (ہم‌کار) फा. अ. वि.—एक-सा काम करनेवाले।

हमकास: (ہم‌کاسہ) फा. वि.—एक प्याले में साथ-साथ खानेवाले अर्थात् घनिष्ठ मित्र।

हमक़िताार (ہم‌قطار) फा. अ. वि.—एक ही पंक्ति में खड़े हुए; एक ही वर्गवाले।

हमकिनार (ہم‌کنار) फा. वि.—दे. 'हमआग़ोश'।

हमकिनारी (ہم‌کناری) फा. स्त्री.—दे. 'हमआग़ोशी'।

हमक़िराँ (ہم‌قراں) फा. अ. वि.—साथ बैठनेवाला, मित्र, दोस्त; सभासद, मुसाहिब।

हमक़िरानी (ہم‌قرانی) फा. अ. स्त्री.—साथ उठना-बैठना, मैत्री; मुसाहबत।

हमक़ीमत (ہم‌قیمت) फा. अ. वि.—बराबर मूल्यवाले, एक-जैसे माल के।

हमकुफ़्व (ہم‌کفو) फा. अ. वि.—एक गोत्रवाले, एक जातिवाले, समवर्ण, सहगोत्र, सजातीय।

हमक़ौम (ہم‌قوم) फा. अ. वि.—एक जातिवाले, सजातीय; एक राष्ट्रवाले, सहराष्ट्र।

हमख़याल (ہم‌خیال) फा. अ. वि.—एक रायवाले, सहमत; एक धर्म-विश्वासवाले।

हमख़याली (ہم‌خیالی) फा. अ. स्त्री.—राय का एक होना; धर्म-विश्वास अर्थात् अक़ीदे की यकसानियत।

हमख़वास (ہم‌خواص) फा. अ. वि.—एक-जैसी गुणवाली ओषधियाँ।

हमख़वासी (ہم‌خواصی) फा. अ. स्त्री.—एक-जैसे गुण होना।

हमख़ान: (ہم‌خانہ) फा. वि.—एक घर में रहनेवाले, सहनिवासी।

हमख़ानदान (ہم‌خاندان) फा. वि.—एक वंशवाले, एकवंशीय।

हमख़ास्स: (ہم‌خاصہ) फा. अ. वि.—दे. 'हमख़वास'।

हमख़ू (ہم‌خو) फा. वि.—एक-से स्वभाववाले।

हमख़ूई (ہم‌خوئی) फा. स्त्री.—स्वभाव का एक होना।

हमख़्वाब: (ہم‌خوابہ) फा. स्त्री.—साथ सोनेवाली अर्थात् पत्नी, भार्या, बीवी।

हमख़्वाब (ہم‌خواب) फा. वि.—साथ सोनेवाला, सहशायी, अंकशायी।

हमख़्वाबी (ہم‌خوابی) फा. स्त्री.—साथ-साथ सोना, सहशय्या।

हमग़म (ہم‌غم) फा. वि.—हमदर्द, सहानुभूति करनेवाला।

हमग़मी (ہم‌غمی) फा. स्त्री.—सहानुभूति, हमदर्दी।

हमगाँ (ہمگاں) फा. वि.—सर्व, सब।

हमगिनाँ (ہم‌گناں) फा. वि.—सर्व, सब; सब आदमी।

हमगीं (ہمگیں) फा. वि.—सब, सर्व, तमाम।

हमगी (ہمگی) फा. वि.—दे. 'हमगीं'।

हमगुरोह (ہم‌گروہ) फा. वि.—एक दलवाले, यौथिक।

हमगोश: (ہم‌گوشہ) फा. वि.—हमसाय:, पड़ोसी; हमजिंस, मित्र, दोस्त।

हमचश्म (ہم‌چشم) फा. वि.—बराबरवाला, मित्र, दोस्त।

हमचश्मी (ہم‌چشمی) फा. स्त्री.—मित्रता, दोस्ती, बराबरी।

हमचुनाँ (ہم‌چناں) फा. वि.—इतना, उसी तरह, उसी क़दर।

हमचुनीं (ہم‌چنیں) फा. वि.—इतना, इस क़दर।

हमचो (ہم‌چو) फा. वि.—समान, सदृश, तुल्य, मिस्ल।

हमज़: (ہمزہ) अ. पुं.—पैशाचिक विचार, शैतानी वस्वसे।

हमजंब (ہم جنب) फा. अ. वि.—पास बैठनेवाला, साथी, हमपहलू।

हमज़बाँ (ہم زباں) फा. वि.—सहमत, एक राय; एक भाषा बोलनेवाले; दोस्त, मित्र।

हमज़बानी (ہم زبانی) फा. स्त्री.—एकराय होना; एक भाषा बोलना; दोस्ती, मित्रता।

हमजमाअत (ہم جماعت) फा. अ. वि.—एक वर्गवाले, सहवर्गीय; एक कक्षा में साथ पढ़नेवाले, सहपाठी।

हमजल्सः (ہم جلسہ) फा. अ. वि.—साथ बैठने-उठनेवाले, मित्र, दोस्त।

हमज़ात (ہم ذات) फा. अ. वि.—एक ज़ातवाले, सहजाति।

हमज़ाद (ہم زاد) फा. वि.—साथ पैदा होनेवाला, सहजात; एक योनि-विशेष, बेताल।

हमज़ानू (ہم زانو) फा. वि.—साथ मिलकर बैठनेवाला, पहलू से पहलू या घुटने से घुटना मिलाकर बैठनेवाला।

हमजिंस (ہم جنس) फा. अ. वि.—सजातीय, एक ज़ात का व्यक्ति।

हमजिंसी (ہم جنسی) फा. अ. स्त्री.—एक जाति का होना।

हमजिवार (ہم جوار) फा. अ. वि.—पड़ोसी, प्रतिवासी, प्रतिवेशी।

हमज़ुल्फ़ (ہم زلف) फा. पुं.—साढ़ू, दो सगी बहनों के पति।

हमज़ोर (ہم زور) फा. वि.—शक्ति में बराबर।

हमज़ौक़ (ہم ذوق) फा. अ. वि.—एक-जैसा शौक़ रखनेवाले।

हमतंग (ہم تنگ) फा. वि.—अनुकूल, मुआफ़िक़; समान, बराबर।

हमतग (ہم تگ) फा. वि.—क़दम से क़दम मिलाकर चलनेवाला।

हमतराज़ू (ہم ترازو) फा. वि.—शक्ति में बराबर; प्रतिद्वंद्वी, मुक़ाबिल।

हमतरीक़ (ہم طریق) फा. अ. वि.—एक रास्ते पर चलनेवाले, एक रास्ते के मुसाफ़िर।

हमतर्ज़ (ہم طرز) फा. वि.—एक-जैसी तर्ज़वाले।

हमतर्ह (ہم طرح) फा. अ. वि.—एक-जैसे, यकसाँ, सदृश।

हमता (ہمتا) फा. वि.—समान, तुल्य, मिस्ल।

हमताई (ہمتائی) फा. स्त्री.—समानता, सदृशता, यकसानियत।

हमताले (ہم طالع) फा. अ. वि.—एक-जैसी तक़्दीरवाले।

हमदफ़्तर (ہم دفتر) फा. वि.—एक ही आफ़िस में काम करनेवाले।

हमदबिस्ताँ (ہم دبستاں) फा. वि.—एक पाठशाला में साथ पढ़े हुए, सहपाठी।

हमदम (ہمدم) फा. वि.—हर समय का साथी, मित्र, दोस्त।

हमदर्द (ہمدرد) फा. वि.—दुःख-दर्द का साथी, सहानुभूति करनेवाला।

हमदर्दी (ہمدردی) फा. स्त्री.—सहानुभूति, दुःख-दर्द की शिर्कत।

हमदर्स (ہم درس) फा. अ. वि.—साथ पढ़नेवाला, सहपाठी।

हमदस्त (ہمدست) फा. वि.—शरीक, साझी; एक-जैसा, तुल्य।

हमदस्ती (ہمدستی) फा. स्त्री.—साझा, शिर्कत; एक-जैसा होना।

हमदामाँ (ہم داماں) फा. पुं.—साढ़ू, हमज़ुल्फ़।

हमदास्ताँ (ہمداستاں) फा. वि.—वार्तालाप करनेवाला, हमकलाम।

हमदिगर (ہمدگر) फा. वि.—परस्पर, बाहम, आपस में।

हमदिल (ہمدل) फा. वि.—मित्र, दोस्त।

हमदिली (ہمدلی) फा. स्त्री.—मित्रता, दोस्ती।

हमदीवार (ہم دیوار) फा. वि.—पड़ोसी, प्रतिवेशी।

हमदोश (ہم دوش) फा. वि.—बराबर-बराबर, मिल-जुलकर।

हमनफ़स (ہم نفس) फा. अ. वि.—साथी, संगी; मित्र, दोस्त।

हमनफ़सी (ہم نفسی) फा. अ. स्त्री.—मित्रता, दोस्ती; साथ, संग।

हमनबर्द (ہم نبرد) फा. वि.—प्रतिद्वंद्वी, हरीफ़।

हमनवर्द (ہم نورد) फा. वि.—दे. 'हमनबर्द'; साथ-साथ चलनेवाला, हमराही।

हमनवा (ہم نوا) फा. वि.—सहमत, एकराय।

हमनवाई (ہم نوائی) फा. स्त्री.—मतैक्य, राय की एकता।

हमनशीं (ہم نشیں) फा. वि.—साथ बैठनेवाला, मित्र; सभासद, मुसाहिब।

हमनशीनी (ہم نشینی) फा. स्त्री.—साथ बैठना-उठना; मुसाहबत।

हमनसब (ہم نسب) फा. अ. वि.—एक वंशवाले, सहवंशीय।

हमनस्ल (ہم نسل) फा. अ. वि.—एक जातिवाले, एक गोत्रवाले, सजातीय।

हमनाम (ہم نام) फा. वि.—एक नामवाले, जिनके एक ही नाम हों, सगनाम।

हमनिवालः (ہم نوالہ) फा. वि.—साथ-साथ खानेवाले।

हमपंजः (ہم پنجہ) फा. वि.—समान, बराबर; शक्ति में बराबरवाले।

हमपंजगी (ہم پنجگی) फा. स्त्री.—समानता, बराबरी; शक्ति में बराबरी।

हमपल्लः (ہم پلہ) फा. वि.—तुल्य, समान, बराबर; पद और दर्जे में बराबर।

हमआहंगी (ہم آہنگی) फ़ा. स्त्री.–एक-सी आवाज़; एक-सा इरादा; एक-सी राय।

हमइनाँ (ہم عناں) फ़ा. अ. वि.–साथ चलनेवाला, सहचर; सदृश, समान।

हमइयार (ہم عیار) फ़ा. अ. वि.–सदृश, समान; सहपद, हमदर्ज:।

हमउम्र (ہم عمر) फ़ा. अ. वि.–एक-सी आयुवाले, समवयस्क, समसामयिक, वय:स्थ।

हमउम्री (ہم عمری) फ़ा. अ. स्त्री.–आयु में बराबरी, समवयस्कता, समावस्था, वयस्य भाव।

हमऔसाफ़ (ہم اوصاف) फ़ा. अ. वि.–गुणों में एक-जैसे व्यक्ति, एकगुण।

हमक़द (ہم قد) फ़ा. अ. वि.–एक-जैसे डीलवाला, समकाय।

हमक़दम (ہم قدم) फ़ा. अ. वि.–साथ-साथ चलनेवाले, सहचर।

हमक़दमी (ہم قدمی) फ़ा. अ. स्त्री.–साथ-साथ चलना।

हमक़दह (ہم قدح) फ़ा. अ. वि.–एक प्याले में शराब पीनेवाले, बहुत ही घनिष्ठ शराबी दोस्त।

हमक़द्र (ہم قدر) फ़ा. अ. वि.–एक-जैसी प्रतिष्ठावाले, एक-जैसी इज़्ज़तवाले।

हमक़रीं (ہم قرین) फ़ा. अ. वि.–दे. शुद्ध उच्चारण 'हमक़िरीं'

हमक़लम (ہم قلم) फ़ा. अ. वि.–एक दफ़्तर में काम करनेवाले, एक दफ़्तर के क्लर्क।

हमकलाम (ہم کلام) फ़ा. अ. वि.–किसी के साथ बात करनेवाला या बात करता हुआ।

हमकलामी (ہم کلامی) फ़ा. अ. स्त्री.–आपस की बातचीत, दो व्यक्तियों का परस्पर वार्तालाप।

हमकार (ہم کار) फ़ा. अ. वि.–एक-सा काम करनेवाले।

हमकास: (ہم کاسہ) फ़ा. वि.–एक प्याले में साथ-साथ खानेवाले अर्थात् घनिष्ठ मित्र।

हमक़ितार (ہم قطار) फ़ा. अ. वि.–एक ही पंक्ति में खड़े हुए; एक ही वर्गवाले।

हमकिनार (ہم کنار) फ़ा. वि.–दे. 'हमआग़ोश'।

हमकिनारी (ہم کناری) फ़ा. स्त्री.–दे. 'हमआग़ोशी'।

हमक़िराँ (ہم قراں) फ़ा. अ. वि.–साथ बैठनेवाला, मित्र, दोस्त; सभासद, मुसाहिब।

हमक़िरानी (ہم قرانی) फ़ा. अ. स्त्री.–साथ उठना-बैठना, मैत्री; मुसाहबत।

हमक़ीमत (ہم قیمت) फ़ा. अ. वि.–बराबर मूल्यवाले, एक-जैसे माल के।

हमकुफ़्व (ہم کفو) फ़ा. अ. वि.–एक गोत्रवाले, एक जातिवाले, समवर्ण, सहगोत्र, सजातीय।

हमक़ौम (ہم قوم) फ़ा. अ. वि.–एक जातिवाले, सजातीय; एक राष्ट्रवाले, सहराष्ट्र।

हमख़याल (ہم خیال) फ़ा. अ. वि.–एक रायवाले, सहमत; एक धर्म-विश्वासवाले।

हमख़याली (ہم خیالی) फ़ा. अ. स्त्री.–राय का एक होना; धर्म-विश्वास अर्थात् अक़ीदे की यकसानियत।

हमख़वास (ہم خواص) फ़ा. अ. वि.–एक-जैसी गुणवाली ओषधियाँ।

हमख़वासी (ہم خواصی) फ़ा. अ. स्त्री.–एक-जैसे गुण होना।

हमख़ान: (ہم خانہ) फ़ा. वि.–एक घर में रहनेवाले, सहनिवासी।

हमख़ानदान (ہم خاندان) फ़ा. वि.–एक वंशवाले, एकवंशीय।

हमख़ास्स: (ہم خاصہ) फ़ा. अ. वि.–दे. 'हमख़वास'।

हमख़ू (ہم خو) फ़ा. वि.–एक-से स्वभाववाले।

हमख़ूई (ہم خوئی) फ़ा. स्त्री.–स्वभाव का एक होना।

हमख़्वाब: (ہم خوابہ) फ़ा. स्त्री.–साथ सोनेवाली अर्थात् पत्नी, भार्या, बीवी।

हमख़्वाब (ہم خواب) फ़ा. वि.–साथ सोनेवाला, सहशायी, अंकशायी।

हमख़्वाबी (ہم خوابی) फ़ा. स्त्री.–साथ-साथ सोना, सहशय्या।

हमग़म (ہم غم) फ़ा. वि.–हमदर्द, सहानुभूति करनेवाला।

हमग़मी (ہم غمی) फ़ा. स्त्री.–सहानुभूति, हमदर्दी।

हमगाँ (ہمگاں) फ़ा. वि.–सर्व, सब।

हमगिनाँ (ہمگناں) फ़ा. वि.–सर्व, सब; सब आदमी।

हमगीं (ہمگین) फ़ा. वि.–सब, सर्व, तमाम।

हमगी (ہمگی) फ़ा. वि.–दे. 'हमगीं'।

हमगुरोह (ہم گروہ) फ़ा. वि.–एक दलवाले, यौथिक।

हमगोश: (ہم گوشہ) फ़ा. वि.–हमसाय:, पड़ोसी; हमजिंस, मित्र, दोस्त।

हमचश्म (ہم چشم) फ़ा. वि.–बराबरवाला, मित्र, दोस्त।

हमचश्मी (ہم چشمی) फ़ा. स्त्री.–मित्रता, दोस्ती, बराबरी।

हमचुनाँ (ہم چناں) फ़ा. वि.–इतना, उसी तरह, उसी क़दर।

हमचुनीं (ہم چنیں) फ़ा. वि.–इतना, इस क़दर।

हमचो (ہم چو) फ़ा. वि.–समान, सदृश, तुल्य, मिस्ल।

हमज़: (ہمزہ) अ. पुं.–पैशाचिक विचार, शैतानी वस्वसे।

हमजंब (همجنب) फा. अ. वि.—पास बैठनेवाला, साथी, हमपहलू।

हमज़बाँ (همزباں) फा. वि.—सहमत, एक राय; एक भाषा बोलनेवाले; दोस्त, मित्र।

हमज़बानी (همزبانی) फा. स्त्री.—एकराय होना; एक भाषा बोलना; दोस्ती, मित्रता।

हमजमाअत (همجماعت) फा. अ. वि.—एक वर्गवाले, सहवर्गीय; एक कक्षा में साथ पढ़नेवाले, सहपाठी।

हमजल्सः (همجلسه) फा. अ. वि.—साथ बैठने-उठनेवाले, मित्र, दोस्त।

हमज़ात (همذات) फा. अ. वि.—एक ज़ातवाले, सहजाति।

हमज़ाद (همزاد) फा. वि.—साथ पैदा होनेवाला, सहजात; एक योनि-विशेष, वेताल।

हमज़ानू (همزانو) फा. वि.—साथ मिलकर बैठनेवाला, पहलू से पहलू या घुटने से घुटना मिलाकर बैठनेवाला।

हमजिंस (همجنس) फा. अ. वि.—सजातीय, एक ज़ात का व्यक्ति।

हमजिंसी (همجنسی) फा. अ. स्त्री.—एक जाति का होना।

हम जिवार (همجوار) फा. अ. वि.—पड़ोसी, प्रतिवासी, प्रतिवेशी।

हमज़ुल्फ़ (همزلف) फा. पुं.—साढ़ू, दो सगी बहनों के पति।

हमज़ोर (همزور) फा. वि.—शक्ति में बराबर।

हमज़ौक़ (همذوق) फा. अ. वि.—एक-जैसा शौक़ रखनेवाले।

हमतंग (همتنگ) फा. वि.—अनुकूल, मुआफ़िक़; समान, बराबर।

हमतग (همتگ) फा. वि.—क़दम से क़दम मिलाकर चलनेवाला।

हमतराज़ू (همترازو) फा. वि.—शक्ति में बराबर; प्रतिद्वंद्वी, मुक़ाबिल।

हमतरीक़ (همطریق) फा. अ. वि.—एक रास्ते पर चलनेवाले, एक रास्ते के मुसाफ़िर।

हमतर्ज़ (همطرز) फा. वि.—एक-जैसी तर्ज़वाले।

हमतर्ह (همطرح) फा. अ. वि.—एक-जैसे, यकसाँ, सदृश।

हमता (همتا) फा. वि.—समान, तुल्य, मिस्ल।

हमताई (همتائی) फा. स्त्री.—समानता, सदृशता, यकसानियत।

हमताले (همطالع) फा. अ. वि.—एक-जैसी तक़्दीरवाले।

हमदफ़्तर (همدفتر) फा. वि.—एक ही आफ़िस में काम करनेवाले।

हमदबिस्ताँ (همدبستاں) फा. वि.—एक पाठशाला में साथ पढ़े हुए, सहपाठी।

हमदम (همدم) फा. वि.—हर समय का साथी, मित्र, दोस्त।

हमदर्द (همدرد) फा. वि.—दुःख-दर्द का साथी, सहानुभूति करनेवाला।

हमदर्दी (همدردی) फा. स्त्री.—सहानुभूति, दुःख-दर्द की शिर्कत।

हमदर्स (همدرس) फा. अ. वि.—साथ पढ़नेवाला, सहपाठी।

हमदस्त (همدست) फा. वि.—शरीक, साझी; एक-जैसा, तुल्य।

हमदस्ती (همدستی) फा. स्त्री.—साझा, शिर्कत; एक-जैसा होना।

हमदामाँ (همداماں) फा. पुं.—साढ़ू, हमज़ुल्फ़।

हमदास्ताँ (همداستاں) फा. वि.—वार्तालाप करनेवाला, हमकलाम।

हमदिगर (همدگر) फा. वि.—परस्पर, बाहम, आपस में।

हमदिल (همدل) फा. वि.—मित्र, दोस्त।

हमदिली (همدلی) फा. स्त्री.—मित्रता, दोस्ती।

हमदीवार (همدیوار) फा. वि.—पड़ोसी, प्रतिवेशी।

हमदोश (همدوش) फा. वि.—बराबर-बराबर, मिल-जुलकर।

हमनफ़स (همنفس) फा. अ. वि.—साथी, संगी; मित्र, दोस्त।

हमनफ़सी (همنفسی) फा. अ. स्त्री.—मित्रता, दोस्ती; साथ, संग।

हमनबर्द (همنبرد) फा. वि.—प्रतिद्वंद्वी, हरीफ़।

हमनवर्द (همنورد) फा. वि.—दे. 'हमनबर्द'; साथ-साथ चलनेवाला, हमराही।

हमनवा (همنوا) फा. वि.—सहमत, एकराय।

हमनवाई (همنوائی) फा. स्त्री.—मतैक्य, राय की एकता।

हमनशीं (همنشیں) फा. वि.—साथ बैठनेवाला, मित्र; सभासद, मुसाहिब।

हमनशीनी (همنشینی) फा. स्त्री.—साथ बैठना-उठना; मुसाहबत।

हमनसब (همنسب) फा. अ. वि.—एक वंशवाले, सहवंशीय।

हमनस्ल (همنسل) फा. अ. वि.—एक जातिवाले, एक गोत्रवाले, सजातीय।

हमनाम (همنام) फा. वि.—एक नामवाले, जिनके एक ही नाम हों, समनाम।

हमनिवालः (همنواله) फा. वि.—साथ-साथ खानेवाले।

हमपंजः (همپنجه) फा. वि.—समान, बराबर; शक्ति में बराबरवाले।

हमपंजगी (همپنجگی) फा. स्त्री.—समानता, बराबरी; शक्ति में बराबरी।

हमपल्लः (همپله) फा. वि.—तुल्य, समान, बराबर; पद और दर्जे में बराबर।

हमपहलू (همپہلو) फा. वि.–पार्श्ववर्ती, पहलू में बैठनेवाला।

हमपा (همپا) फा. वि.–साथी, हमराही।

हमपायः (همپایہ) फा. वि.–दे. 'हमपल्ल:'।

हमपियालः (همپیالہ) फा. वि.–एक प्याले में खाने-पीनेवाले।

हमपुश्त (همپشت) फा. वि.–सहायक, मददगार।

हमपेशः (همپیشہ) फा. वि.–एक ही व्यवसाय करनेवाले, सहवृत्ति, सहव्यवसायी।

हमपैमाँ (همپیماں) फा. वि.–एक प्रतिज्ञा में बँधे हुए।

हमपैमानः (همپیمانہ) फा. वि.–एक प्याले में शराब पीनेवाले, घनिष्ठ मित्र शराबी।

हमबग़ल (همبغل) फा. वि.–आलिंगित, बग़लगीर; पार्श्व में बैठनेवाला।

हमबज़्म (همبزم) फा. वि.–एक सभा में जाने-आनेवाले, एक सभा के सदस्य।

हमबाज़ (همباز) फा. वि.–शरीक, साझी, भागीदार।

हमबिस्तर (همبستر) फा. वि.–एक शय्या पर सोनेवाला (किसी के साथ); सहवास करनेवाला।

हमबिस्तरी (همبستری) फा. स्त्री.–किसी के साथ एक शय्या पर सोना; मैथुन करना, सहवास।

हममक्तब (هممکتب) फा. अ. वि.–जो एक मक्तब में साथ-साथ पढ़े हों, सहपाठी, सहाध्यायी।

हममज़हब (هممذهب) फा. अ. वि.–एक धर्म के माननेवाले, सहधर्मी।

हममज़हबीयत (هممذهبیت) फा. अ. स्त्री.–एक धर्मावलंबी होना।

हममर्कज़ (هممرکز) फा. अ. वि.–जिन सबका एक केन्द्र हो, सहकेंद्र।

हममर्कज़ीयत (هممرکزیت) फा. अ. स्त्री.–एक मर्कज़ी होना, एक केन्द्र से सम्बन्धित।

हममश्रब (هممشرب) फा. अ. वि.–एक पंथ के अनुयायी; एक आचार-विचारवाले।

हममश्रबीयत (هممشربیت) फा. अ. स्त्री.–एक पंथ का अनुकरण करना; एक आचार-विचार का होना।

हममा'ना (هممعنی) फा. अ. वि.–एक अर्थवाले शब्द, पर्यायवाची, समानार्थक, एकार्थी।

हममुर्शिद (هممرشد) फा. अ. वि.–एक धर्मगुरु के माननेवाले।

हममुल्क (هممُلک) फा. अ. वि.–एक देश के निवासी, सजनपद।

हमरंग (همرنگ) फा. वि.–एक-जैसे वर्णवाले, समवर्ण, एकवर्ण; एक-जैसे आचार-विचारवाले।

हमरंगी (همرنگی) फा. स्त्री.–एक-जैसे रंग का होना; एक-जैसे आचार-विचार का होना।

हमरहिम (همرحم) फा. अ. वि.–सगा, सहोदर, सोदरीय, हक़ीक़ी।

हमराए (همرائے) फा. वि.–जिनकी राय एक हो, सहमत।

हमराज़ (همراز) फा. वि.–जो किसी का गुप्त भेद जानता हो, मर्मज्ञ; मित्र, दोस्त।

हमराह (همراه) फा. वि.–रास्ते का साथी, साथ चलनेवाला, सहपंथी; साथ।

हमराही (همراهی) फा. पुं.–रास्ते में साथ चलनेवाला, सहपंथी; रस्ते में साथ चलना।

हमराहे रिकाब (همراهِ رکاب) फा. वि.–घुड़सवार के साथ चलनेवाला; साथ चलनेवाला।

हमरिकाब (همرکاب) फा. वि.–दे. 'हमराहे रिकाब'।

हमरकाबी (همرکابی) फा. स्त्री.–साथ चलना।

हमरिश्तः (همرشتہ) फा. वि.–एक डोरे में पिराई हुई चीज़ें; रिश्तेदार, स्वजन; सूत्रित, संलग्न, नत्थी, मुंसलिक।

हमरिश्तगी (همرشتگی) फा. स्त्री.–एक डोरे में पिरोया हुआ होना; रिश्तेदारी; नत्थी होना, संलग्न होना।

हमरुत्बः (همرتبہ) फा. अ. वि.–एक-जैसे पदवाले, एक श्रेणीवाले।

हमरोज़ः (همروزہ) फा. वि.–उसी दिन, उसी रोज़; उसी दिन का।

हमल (حمل) अ. पुं.–भेड़ या बकरी का बच्चा; मेष राशि, बुर्जे हमल।

हमवज़्न (همۡوزن) फा. अ. वि.–तौल में बराबर, समतुलित; छंद की मात्राओं के हिसाब से बराबर; समान, तुल्य, मिस्ल।

हमवतन (هموطن) फा. अ. वि.–एक नगर के रहनेवाले; एक देश के रहनेवाले।

हमवतनी (هموطنی) अ. फा. स्त्री.–एक नगर या देश का निवास।

हमवारः (همواره) फा. वि.–सदा, सर्वदा, हमेशा; निरंतर, लगातार।

हमवार (هموار) फा. वि.–समतल, चौरस; अंगीकृत, राज़ी।

हमशक्ल (همشکل) फा. अ. वि.–एक-जैसी शक्लवाले, एकरूप, अनुरूप, तद्रूप, समाकार।

हमशक्ली (همشکلی) फा. अ. स्त्री.–रूप की समानता, एक-जैसा होना, एकरूपता, तद्रूपता, रूप-सादृश्य।

हमशबीह (همشبیهہ) फा. अ. वि.–दे. 'हमशक्ल'।

हमशीरः (همشیرہ) फा. स्त्री.–भगिनी, सहोदरा, स्वसा, बहन।

हमशीर (همشیر) फा. स्त्री.–दे. 'हमशीरः'।

हमशीरज़ादः (همشیرزادہ) फा. पुं.–बहन का लड़का, भानजा, भगिनीसुत, भागिनेय।

हमशोए (همشوے) फा. स्त्री.–एक शौहरवाली स्त्रियाँ, वह स्त्रियाँ जिनका पति एक हो।

हमशौहर (همشوهر) फा. स्त्री.–दे. 'हमशोए'।

हमसंग (همسنگ) फा. वि.–हम वज़्न, बराबर, तुल्य, समान।

हमसफ़र (همسفر) फा. अ. वि.–यात्रा का साथी, सहपंथी, सहप्रयायी।

हमसफ़री (همسفری) फा. अ. स्त्री.–यात्रा में साथ होना, सफ़र का साथ।

हमसफ़ीर (همصفیر) फा. अ. वि.–बाग़ में साथ चहचहानेवाली चिड़ियाँ; मित्र, दोस्त।

हमसफ़ः (همسفرہ) फा. अ. वि.–एक ही दस्तरख़्वान् पर खाना खानेवाले, घनिष्ठ मित्र।

हमसबक़ (همسبق) फा. अ. वि.–साथ पढ़नेवाले, सहपाठी।

हमसर (همسر) फा. वि.–बराबर, समान।

हमसरी (همسری) फा. स्त्री.–समानता, बराबरी; उद्दंडता, अक्खड़पन।

हमसाज़ (همساز) फा. वि.–मित्र, दोस्त।

हमसायः (همسایہ) फा. पुं.–प्रतिवासी, पड़ोसी, प्रतिवेशी।

हमसायगी (همسایگی) फा. स्त्री.–पड़ोस, प्रतिवास।

हमसाल (همسال) फा. वि.–एक ही सन की पैदाइश, समसामयिक, हमउम्र।

हमसिन (همسن) फा. अ. वि.–समवयस्क, वयःस्थ, समसामयिक, एक उम्रवाले।

हमसिनी (همسنی) फा. अ. स्त्री.–उम्र की बराबरी, सवयस्कता।

हमसिल्क (همسلک) फा. अ. पुं.–समधी, दूल्हा और दुल्हन के बाप आपस में।

हमसुख़न (همسخن) फा. वि.–साथ-साथ बातें करनेवाले; साथ-साथ कविता करनेवाले।

हमसुख़नी (همسخنی) फा. स्त्री.–परस्पर वार्तालाप करना; साथ-साथ कविता करना।

हमसुहबत (همصحبت) फा. अ. वि.–सहवास करनेवाला, हमबिस्तर; पास बैठने-उठनेवाला, सभासद।

हमसूरत (همصورت) फा. अ. वि.–दे. 'हमशक्ल'।

हमसौत (همصوت) फा. अ. वि.–जिनकी आवाज़ एक-सी हो, हमआवाज़।

हमहमः (همهمہ) फा. पुं.–शेर की दहाड़, सिंह-गर्जन; आतंक, धाक; ज़ोर-शोर, धूमधाम।

हमाँ (همان) फा. वि.–वही; वह।

हमाँदम (هماندم) फा. अव्य.–उसी समय, तत्क्षण, उसी वक़्त।

हमाइद (حمائد) अ. पुं.–'हमीद:' का बहु., अच्छाइयाँ, ख़ूबियाँ।

हमाइल (حمائل) अ. स्त्री.–बग़ल में लटकाने की चीज़; छोटा क़ुरान; गरदन में पड़ा हुआ हाथ।

हमाक़त (حماقت) अ. स्त्री.–मूर्खता, मूढ़ता, निर्बुद्धता, बेवक़ूफ़ी; अज्ञान, जहालत।

हमाक़तआगीं (حماقت آگیں) अ. फा. वि.–मूर्खतापूर्ण, बेवक़ूफ़ी से भरा हुआ।

हमाक़तआमेज़ (حماقت آمیز) अ. फा. वि.–दे. 'हमाक़तआगीं'।

हमाक़तमआब (حماقت مآب) अ. वि.–बहुत बड़ा मूर्ख, जिसकी सारी बातें ही बेवक़ूफ़ी की होती हों।

हमाक़तशिआर (حماقت شعار) अ. वि.–महामूर्ख, बहुत बड़ा बेवक़ूफ़।

हमाना (همانا) फा. अव्य.–निश्चित, यक़ीनी; कदाचित्, शायद; मानो, गोया, जैसे।

हमामः (حمامہ) अ. पुं.–हर वह पक्षी जिसके गले में कंठी हो; कबूतर, कपोत।

हमाम (حمام) अ. पुं.–कपोत, पारावत, कबूतर।

हमारः (همارہ) फा. पुं.–अनुमान, अंदाज़ा; संतत, सदा, हमेशा।

हमासत (حماست) अ. स्त्री.–वीरता, शूरता, शौर्य, बहादुरी।

हमाल (همال) अ. वि.–सदृश, समान, तुल्य, मिस्ल।

हमीं (همیں) फा. वि.–यही; यह।

हमीदः (حمیدہ) अ. वि.–साध्वी, पुनीता, पवित्रा, पूज्या, श्रेष्ठा और उत्तमा स्त्री।

हमीद (حمید) अ. वि.–पुनीत, सदाचारी; प्रशंसित, सराहनीय।

हमीम (حمیم) अ. वि.–गर्म, उष्ण; गर्म पानी, उष्ण जल; स्वजन, रिश्तेदार; जिसे ज्वर हो।

हमीयत (حمیت) अ. स्त्री.–लज्जा, लाज, ग़ैरत; स्वाभिमान, ख़ुद्दारी।

हमीर (حمیر) अ. पुं.–'हिमार' का बहु., गधे।

हमेशः (همیشه) फा. वि.–सर्वदा, सदा; नित्य, हर वक़्त; निरंतर, लगातार; अधिकतर, प्रायः।

हमेशः पा (همیشه پا) फा. वि.–हमेशा रहनेवाला, बारहमासी।

हमेशगी (همیشگی) फा. स्त्री.–नित्यता; निरंतरता; सदवता।

हम्ज़ः (حمزه) अ. पुं.–शेर, सिंह, व्याघ्र।

हम्ज़ः (همزه) अ. स्त्री.–अरबी का अलिफ़ जिस पर ज़बर, ज़ेर या पेश हो।

हम्ज़ (همز) अ. पुं.–निचोड़ना; आँख मारना।

हम्द (حمد) अ. स्त्री.–प्रशंसा, तारीफ़; ईश्वर की स्तुति, खुदा की तारीफ़।

हम्दगो (حمدگو) अ. फा.–ईश्वर की वंदना और स्तुति करनेवाला।

हम्दसरा (حمدسرا) अ. फा. वि.–ईश्वर का गुणगान करनेवला, स्तुति-पाठक।

हम्दसराई (حمدسرائی) अ. फा. स्त्री.–ईश्वर की स्तुति करना।

हम्दूनः (حمدونه) फा. पुं.–कपि, मर्कट, वानर, बंदर।

हम्दून (حمدون) फा. पुं.–शिश्न, मेहन, लिंग, केर।

हम्माम (حمام) अ. पुं.–स्नागार, गुस्लखाना; वह गुस्लखाना जिसमें गर्म कमरे हों और नहलानेवाले शरीर मलते और मैल छुड़ाते हों।

हम्मामी (حمامی) अ. वि.–गर्म हम्माम के अन्दर नहलाने और देह मलनेवाला।

हम्माल (حمال) अ. पुं.–बोझ ढोनेवाला, भार-वाहक।

हम्माली (حمالی) अ. स्त्री.–बोझ ढोने का काम, मज़्दूरी।

हम्रा (حمرا) अ. वि.–लाल रंग की स्त्री, खूब गोरी स्त्री।

हम्लः (حمله) अ. पुं.–आघात, चोट, वार; आक्रमण, सेना का हम्ला; चढ़ाई, युद्धयात्रा।

हम्लःआवर (حمله آور) अ. फा. वि.–आक्रमणकारी, हम्ला करनेवाला, आक्रामक।

हम्लःआवरी (حمله آوری) अ. फा. स्त्री.–आक्रमण करना, चढ़ाई करना, धावा बोलना।

हम्लःगीरी (حمله گیری) अ. फा. स्त्री.–शत्रु के आक्रमण को सहन करना, हम्ला बरदाश्त करना।

हम्लःवर (حمله ور) अ. फा. वि.–दे. 'हम्लःआवर'।

हम्लःवरी (حمله وری) अ. फा. स्त्री.–दे. 'हम्लःआवरी'।

हम्ल (حمل) अ. पुं.–बोझ उठाना; बोझ, भार; विचार, खयाल; भारित, महमूल; गर्भ, पेट।

हम्स (همس) अ. स्त्री.–नर्म आवाज़, कोमल और मृदुल ध्वनि।

हया (حیا) अ. स्त्री.–लज्जा, व्रीड़ा, शर्म।

हयात (حیات) अ. स्त्री.–जीवन, ज़िंदगी।

हयातीन (حیاتین) अ. पुं.–विटैमिन, जीवति।

हयाते फ़ानी (حیات فانی) अ. स्त्री.–नष्ट होनेवाला जीवन, नश्वर प्राण।

हयाते मुस्तआर (حیات مستعار) अ. स्त्री.–थोड़े दिनों का जीवन, अस्थायी ज़िंदगी।

हयातोममात (حیات و ممات) अ. स्त्री.–जीवन-मरण, मौत और ज़िंदगी।

हयादार (حیادار) अ. फा. वि.–जिसमें लज्जा हो, लज्जाशील, लज्जाशालीन।

हयापर्वर (حیاپرور) अ. फा. वि.–लज्जावान्, लज्जाशील, हयादार।

हयारफ़्तः (حیارفته) अ. फा. वि.–विगतलज्ज, बेहया, जिसकी लज्जा चली गयी हो।

हयासोज़ (حیاسوز) अ. फा. वि.–लज्जाजनक, घृणित, घिनावना।

हर [र्र] (حر) अ. स्त्री.–गर्मी, उष्णता; ताप, हरारत।

हर (هر) फा. वि.–सब कोई, हरेक।

हर आँकि (هرآنکه) फा. अव्य.–जो कोई, जो व्यक्ति।

हर आँचे (هرآنچه) फा. अव्य.–जो चीज़।

हर आइनः (هرآئینه) फा. अव्य.–अवश्य, ज़रूर; विवशतापूर्वक, नाचार; निःसंदेह, बेशक।

हरक़ (حرق) अ. पुं.–अग्नि, आग, आतश।

हरकत (حرکت) अ. स्त्री.–गति, चाल; बुरा काम, बदमआशी।

हरकते मज़्बूही (حرکت مذبوحی) अ. स्त्री.–बुरी हरकत, नुक़्सान पहुँचानेवाली हरकत।

हरकात (حرکات) अ. स्त्री.–'हरकत' का बहु., हरकतें।

हरकारः (هرکاره) फा. पुं.–डाक ले जानेवाला, एक जगह से दूसरी जगह चिट्ठी आदि पहुँचानेवाला, धावक।

हर कसो नाकस (هرکس و ناکس) फा. वि.–हर कोई, छोटे-बड़े सब, अच्छे-बुरे सब।

हर कुजा (هرکجا) फा. वि.–हर जगह, हर स्थान पर; जिस जगह, जहाँ।

हरगह (هرگه) फा. वि.–'हरगाह' का लघु., दे. 'हरगाह'।

हरगाह (هرگاه) फा. वि.– हर समय; जिस समय।

हरगिज़ (هرگز) फा. अव्य.–कदापि, कभी नहीं।

हरचंद (هرچند) फा. अव्य.–जितना कुछ, जिस क़दर;

कितना ही, कितना भी; यद्यपि, अगरचे, उदा०—"है वह ग़ुरूरे हुस्न से बेगानए वफ़ा। हरचंद उसके पास दिले हक़शनास है।"—ग़ालिब।

हरचे (هرچه) फ़ा. अव्य.—जो कुछ।

हरचे बादाबाद (هرچه بادا باد) फ़ा. वा.—जो हो सो हो।

हरज (هرج) अ. पुं.—हानि, नुक़्सान; उपद्रव, गड़बड़।

हर जा (هر جا) फ़ा. वि.—हर जगह, हर स्थान पर।

हरजाई (هرجائی) फ़ा. वि.—हर जगह पहुँचनेवाला (वाली); हरेक के पास रहनेवाली स्त्री, कुलटा, व्यभिचारिणी।

हरदम (هردم) फ़ा. वि.—हर समय, हर वक़्त; निरंतर, लगातार; नित्य, हमेशा।

हरदमख़याल (هردم خیال) फ़ा.वि.—ऐसा आदमी जो समय-समय पर अपनी राय बदले, विषमशील, अनेकचित्त।

हरदिलअज़ीज़ (هردل عزیز) फ़ा. अ. वि.—जिसे सब पसंद करें, सर्वप्रिय, लोकप्रिय।

हरदो (هردو) फ़ा. वि.—दोनों, उभय।

हरदोसरा (هردوسرا) फ़ा. स्त्री.—उभयलोक, संसार और परलोक।

हरनफ़स (هرنفس) फ़ा. अ. वि.—हरदम, हरवक़्त।

हरनौई (هرنوعی) फ़ा. अ. वि.—हर प्रकार का, हर तरह का।

हरब (هرب) अ. पुं.—बहुत अधिक दुःख; पलायन, भागना।

हरबाबी (هربابی) फ़ा. वि.—सर्वज्ञ, सब कुछ जाननेवाला।

हरबार (هر بار) फ़ा. वि.—हर दफ़ा, हर मर्तबा।

हरम (حرم) अ. पुं.—का'बा, ख़ुदा का घर; मक्के के आसपास का क्षेत्र जिसके अंदर किसी प्राणी की हिंसा करना महापाप है; श्रेष्ठ जनों के घर की स्त्रियाँ; अंतःपुर, जनानख़ाना; वह बाँदी जिसे पत्नी बना लिया गया हो।

हरम (هرم) अ.पुं.—प्राचीन इमारत; गुंबद; बुढ़ापा, जरा।

हरमख़ानः (حرم خانه) अ. फ़ा. पुं.—दे. 'हरम सरा'।

हरमगाह (حرم گاه) अ. फ़ा. स्त्री.—दे. 'हरम सरा'।

हरम सरा (حرم سرا) अ.फ़ा. स्त्री.—बड़े आदमियों का ज़नानख़ाना, अंतःपुर।

हरमाहः (هرماهه) फ़ा. वि.—हर महीने होनेवाला।

हरमैन (حرمین) अ. पुं.—दोनों हरम अर्थात् मक्का और मदीना।

हरयक (هریک) फ़ा. वि.—हर एक, हर कोई।

हररोज़ः (هرروزه) फ़ा. वि.—हर दिन होनेवाला; हर दिन का।

हरलम्हः (هرلمحه) फ़ा. अ. वि.—हर क्षण, प्रति क्षण।

हरवक़्त (هروقت) फ़ा. अ. वि.—हर समय, हर दम; निरंतर, लगातार।

हरशबः (هرشبه) फ़ा. वि.—हर रात का; हर रात को होनेवाला।

हरस (حرس) अ. पुं.—शाही ज़नानख़ाने का संरक्षक, अंतःपुरिक; बहुत अधिक समय।

हरसालः (هرساله) फ़ा. वि.—हर वर्ष होने या पानेवाला; हर साल का।

हरसू (هرسو) फ़ा. वि.—हर तरफ़, चारों ओर, चहुँओर, चारों तरफ़।

हरहफ़्त (هرهفت) फ़ा. स्त्री.—औरतों के सिंगार की सात वस्तुएँ (ईरानी); वस्मः; मेंहदी; गूलगूनः; सफ़ेदाब; ज़रक; ग़ालियः; सुर्मः;—हिंदी; वस्त्र; आभूषण; मेंहदी; सुर्मा; पान; मिस्सी; बालों की सजावट।

हराज (حراج) अ. पुं.—नीलाम।

हराम (حرام) अ.पुं.—जिसका खान-पान धर्म में वर्जित हो, अविहित; व्यभिचार, परस्त्री अथवा परपुरुष गमन, ज़िना; प्रतिष्ठित, पूज्य, मुक़द्दस।

हरामकार (حرام کار) अ. फ़ा. वि.—व्यभिचारी, लंपट, परस्त्रीगामी, ज़ानी।

हरामकारी (حرام کاری) अ. फ़ा. स्त्री.—व्यभिचार, परस्त्रीगमन, ज़िना।

हरामख़ोर (حرام خور) अ. फ़ा. वि.—मेहनत न करके मुफ़्त का खानेवाला; कामचोर; कृतघ्न, नमकहराम।

हरामख़ोरी (حرام خوری) अ. फ़ा. स्त्री.—मुफ़्त का खाना; कामचोरी करना; कृतघ्नता, नमकहरामी।

हरामज़ादः (حرام زاده) अ. फ़ा. वि.—हराम का बच्चा, दोग़ला, जारज, वर्ण-संकर; धूर्त, ख़बीस।

हरामज़ादगी (حرام زادگی) अ. फ़ा. स्त्री.—दोग़लापन; धूर्तता, ख़बासत।

हरामतोशः (حرام توشه) अ. फ़ा. वि.—नमकहराम, कृतघ्न।

हराममग़्ज़ (حرام مغز) अ. पुं.—रीढ़ की हड्डी का गूदा।

हरामसूरत (حرام صورت) अ. वि.—सूरतहराम, जो कुछ करे धरे नहीं और मुफ़्त में खाना चाहे; पाजी, कमीना।

हरामी (حرامی) अ. वि.—दोग़ला, जारज, संकर।

हरामुद्दहर (حرام الدهر) अ. वि.—ख़बीस, दुष्टात्मा, बहुत ही पाजी, धूर्त, एक गाली।

हरारः (حراره) अ. पुं.—दे. 'हरारत'।

हरारत (حرارت) अ. स्त्री.—उष्णता, गर्मी; हलका ज्वर, हलका बुख़ार।

हरारते ग़रीज़ी (حرارت غریزی) अ. स्त्री.—शरीर के भीतर

की वह गर्मी जिससे शरीर के सारे कल-पुर्जे ठीक-ठीक काम करते हैं, प्राणाग्नि।

हरारते ग़रीबी (حرارت غریبی) अ. स्त्री.—दे. 'हरारते ग़ैरतबई'।

हरारते ग़ैरतबई (حرارت غیرطبعی) अ. स्त्री.—शरीर के भीतर की अप्राकृतिक गर्मी, जैसे—ज्वर आदि की गर्मी।

हरारते तबई (حرارت طبعی) अ. स्त्री.—दे. 'हरारते ग़रीज़ी' प्राकृतिक गर्मी।

हरिक़ (حرق) अ. वि.—दग्ध, जला हुआ; जलन, तपन।

हरिम (حرم) अ. पुं.—जरित, वृद्ध, बूढ़ा।

हरीक़ (حریق) अ. वि.—दग्ध, जला हुआ; ताप, जलन।

हरीफ़ (حریف) अ. पुं.—जिससे मुक़ाबला हो, प्रतिद्वंद्वी; शत्रु, दुश्मन; जिससे लाग-डाँट हो; रक़ीब एक नायिका के दो प्रेमी परस्पर, प्रतिनायक।

हरीफ़ानः (حریفانہ) अ. फा. वि.—हरीफ़ों-जैसा; प्रतिद्वंद्वियों-जैसा; शत्रुओं-जैसा; रक़ीबों-जैसा।

हरीफ़े मुक़ाबिल (حریف مقابل) अ. पुं.—जिससे मुक़ाबला हो, जिससे होड़ हो, जिससे लड़ाई हो।

हरीम (حریم) अ. पुं.—घर की चारदीवारी, प्राचीर; घर, मकान, भवन, प्रासाद।

हरीमे किब्रिया (حریم کبریا) अ. पुं.—अर्श, वह स्थान जहाँ ईश्वर का सिंहासन है।

हरीमे क़ुद्स (حریم قدس) अ. पुं.—अर्श।

हरीमे नाज़ (حریم ناز) अ. फा. पुं.—दे. 'हरीमे यार'।

हरीमे यार (حریم یار) अ. फा. पुं.—प्रेमिका का घर।

हरीरः (حریرہ) अ. पुं.—एक मीठा पेय, आटा, शकर, मेवा और घी से बना हुआ पतला लपटा।

हरीर (حریر) अ. पुं.—एक रेशमी और बारीक कपड़ा।

हरीश (حریش) अ. स्त्री.—एक पतला कीड़ा, कनसलाई।

हरीसः (هریسہ) अ. पुं.—एक प्रकार का पतला लपटा।

हरीस (حریص) अ. वि.—लोलुप, लोभी, लिप्सु, लालची।

हर्क़ (حرق) अ. पुं.—जलना।

हर्कत (حرکت) अ. स्त्री.—दे. 'हरकत' शुद्ध वही है, परंतु यह भी बोलते हैं।

हर्जः (هرجہ) फा. पुं.—तावान, क्षतिपूर्ति, हरजाना।

हर्ज़ः (هرزہ) फा. पुं.—व्यर्थ, अनर्गल, बेहूदा।

हर्ज़ःकार (هرزہ‌کار) फा. वि.—व्यर्थ के और फ़ुज़ूल के काम करनेवाला, व्यर्थकारी।

हर्ज़ःकारी (هرزہ‌کاری) फा. स्त्री.—व्यर्थ के काम करना।

हर्ज़ःगर्द (هرزہ‌گرد) फा. वि.—व्यर्थ में इधर-उधर मारा-मारा फिरनेवाला, व्यर्थ भ्रमी।

हर्ज़ःगर्दी (هرزہ‌گردی) फा. स्त्री.—व्यर्थ और बेकार में घूमना फिरना।

हर्ज़ःगो (هرزہ‌گو) फा. वि.—व्यर्थ की और निःसार बातें करनेवाला, अनर्गलवादी।

हर्ज़ःगोई (هرزہ‌گوئی) फा. स्त्री.—व्यर्थ की बातें करना।

हर्ज़ःगोश (هرزہ‌گوش) फा. वि.—व्यर्थ की बातें सुनने में समय गँवानेवाला।

हर्ज़ःचानः (هرزہ‌چانہ) फा. वि.—दे. 'हर्ज़ःगो'।

हर्ज़ःदवी (هرزہ‌دوی) फा. स्त्री.—व्यर्थ में इधर-उधर भागना, व्यर्थ का प्रयास करना।

हर्ज़ःदिरा (هرزہ‌درا) फा. वि.—दे. 'हर्ज़ःगो'।

हर्ज़ःदिराई (هرزہ‌درائی) फा. स्त्री.—दे. 'हर्ज़ःगोई'।

हर्ज़ःला (هرزہ‌لا) फा. वि.—दे. 'हर्ज़ःगो'।

हर्ज़ःसरा (هرزہ‌سرا) फा. वि.—दे. 'हर्ज़ःगो'।

हर्ज़ःसराई (هرزہ‌سرائی) फा. स्त्री.—दे. 'हर्ज़ःगोई'।

हर्जमर्ज (هرج مرج) फा. पुं.—उपद्रव, गड़बड़, दंगा।

हर्जानः (هرجانہ) फा. पुं.—वह धन जो किसी हानि की पूर्ति के लिए दिया जाय, तावान।

हर्फ़ (حرف) अ. पुं.—अक्षर, वर्ण; बात, शब्द; दोष, ऐब, बुराई; (व्या.) अव्यय।

हर्फ़अंदाज़ (حرف‌انداز) अ. फा. वि.—धूर्त, वंचक, चालाक।

हर्फ़अंदाज़ी (حرف‌اندازی) अ. फा. स्त्री.—धूर्तता, छल, चालाकी, फ़रेब।

हर्फ़आशना (حرف‌آشنا) अ. फा. वि.—बहुत कम पढ़ा-लिखा जो अटक-अटककर उलटा-सीधा पढ़नेवाला।

हर्फ़गीर (حرف‌گیر) अ. फा. वि.—आलोचना करनेवाला, ऐब निकालनेवाला, छिद्रान्वेषी।

हर्फ़गीरी (حرف‌گیری) अ. फा. स्त्री.—आलोचना, ऐब-जोई, छिद्रान्वेषण।

हर्फ़ज़न (حرف‌زن) अ. फा. वि.—बात करनेवाला, बातें करता हुआ।

हर्फ़ज़नी (حرف‌زنی) अ. फा. स्त्री.—बातें करना, वार्तालाप करना।

हर्फ़न हर्फ़न (حرفاً حرفاً) अ. वि.—अक्षरशः, एक-एक हर्फ़ करके, पूरा-पूरा, विस्तारपूर्वक।

हर्फ़नाआश्ना (حرف‌ناآشنا) अ. फा. वि.—अशिक्षित, बे पढ़ा-लिखा।

हर्फ़ बहर्फ़ (حرف بحرف) अ. फा. वि.—दे. 'हर्फ़न हर्फ़न'।

हर्फ़शनास (حرف‌شناس) अ. फा. वि.—केवल अक्षर जाननेवाला, बहुत कम पढ़ा-लिखा।

हर्फ़शनासी (حرف شناسی) अ. फा. स्त्री.–केवल अक्षरों का ज्ञान, बहुत कम पढ़ा होना।

हर्फ़ी (حرفی) अ. वि.–अक्षरवाला; अक्षर का; अक्षर-सम्बन्धी।

हर्फ़े अत्फ़ (حرف عطف) अ. पुं.–वह अक्षर जो दो शब्दों को परस्पर मिलाने के लिए उनके बीच में आये, जैसे—रोज़ोशब (रोज़ व शब) में 'वाव'।

हर्फ़े आख़िर (حرف آخر) अ. पुं.–आख़िरी बात, अंतिम निर्णय; अटल बात, पक्की बात।

हर्फ़े इज़ाफ़त (حرف اضافت) अ. पुं.–दो शब्दों के सम्बन्ध के लिए बीच में आनेवाला अव्यय, जैसे—'राम का घोड़ा' में 'का'।

हर्फ़े इल्लत (حرف علت) अ. पुं.–उर्दू में अलिफ़, वाव और ये, हिंदी में 'स्वर', इंगलिश में 'वावेल'।

हर्फ़े इस्तिफ़्हाम (حرف استفهام) अ. पुं.–वह अव्यय जो प्रश्नवाचक हो।

हर्फ़े इस्तिस्ना (حرف استثنا) अ. पुं.–वह अव्यय जिससे कोई मुस्तस्ना बनता हो, जैसे–"सब आ गए मगर राम" में मगर।

हर्फ़े क़मरी (حرف قمری) अ. पुं.–दे. 'हुरूफ़े क़मरी'।

हर्फ़े ग़लत (حرف غلط) अ.पुं.–वह अक्षर जो अशुद्ध हो और जिसका मिटाना अनिवार्य हो, जैसे—हर्फ़े-ग़लत की तरह मुझे क्यों मिटा दिया? झूठी बात।

हर्फ़े जर (حرف جر) अ. पुं.–इज़ाफ़त देनेवाला अव्यय।

हर्फ़े तंबीह (حرف تنبیہ) अ पुं.–चेतावनी देनेवाली बात।

हर्फ़े तर्दीद (حرف تردید) अ. पुं.–खंडन करनेवाला कथन।

हर्फ़े तश्बीह (حرف تشبیہ) अ. पुं.–वह शब्द जो उपमा के लिए आये, जैसे—समान, तुल्य, सदृश।

हर्फ़े ताकीद (حرف تاکید) अ. पुं.–दे. 'हर्फ़े तंबीह'।

हर्फ़े नफ़ी (حرف نفی) अ. पुं.–वह शब्द जो 'न' के अर्थ में आये।

हर्फ़े निदा (حرف ندا) अ. पुं.–वह शब्द जिससे सम्बोधन किया जाय।

हर्फ़े नुद्बः (حرف ندبہ) अ. पुं.–वह शब्द या अव्यय जो विलाप के लिए बोला जाय, जैसे—हाय, आह।

हर्फ़े मत्लब (حرف مطلب) अ. पुं.–मतलब की बात, उद्देश्य, आशय।

हर्फ़े मुकर्रर (حرف مکرر) अ. पुं.–दुबारा आया हुआ शब्द, दो बार कही हुई बात।

हर्फ़े वस्ल (حرف وصل) अ.पुं.–दो शब्दों को जोड़नेवाला अक्षर।

हर्फ़े शम्सी (حرف شمسی) अ. पुं.–दे. 'हुरूफ़े शम्सी'।

हर्फ़े सहीह (حرف صحیح) अ.पुं.–सच्ची बात; व्यंजन, वह अक्षर जो स्वर न हो, वह हर्फ़ जो हर्फ़े इल्लत न हो।

हर्फ़ोहिकायत (حرف وحکایت) अ. स्त्री.–कथोपकथन, वार्तालाप, बातचीत।

हर्बः (حربہ) अ. पुं.–अस्त्र, शस्त्र, हथियार; आक्रमण, आघात, वार; साँग, शक्ति।

हर्ब (حرب) अ. पुं.–युद्ध, संग्राम, समर, लड़ाई, जंग।

हर्बगाह (حربگاہ) अ. फा. स्त्री.–युद्धक्षेत्र, रणस्थल, मैदाने जंग।

हर्बी (حربی) अ. वि.–युद्ध सम्बन्धी; सैनिक, जंगी।

हर्बोज़र्ब (حرب و ضرب) अ. पुं.–मारकाट, लड़ाई-झगड़ा, ख़ून-ख़राबा।

हर्राफ़ः (حرافہ) अ. स्त्री.–बहुत अधिक बातूनी स्त्री; कुलटा, भ्रष्टा, असाध्वी, धूर्ता।

हर्राफ़ (حراف) अ. वि.–वाचाल, मुखर, बातूनी, लस्सान; धूर्त, चालाक।

हर्राम़ (حراث) अ. वि.–कृषक, किसान, काश्तकार।

हर्स (حرث) अ. पुं.–कृषि, खेती, काश्त।

हर्स (حرس) अ. पुं.–हिरासत, पकड़, निगरानी।

हल [ल्ल] (حل) अ.. पुं.–समाधान, सुलझाव; घुल जाना, विलयन; मुअम्मे के रिक्त स्थानों की पूर्ति; सुगमता, सरलता, आसानी।

हलकः (ہلکہ) हालिक का बहु., मरनेवाले, हत होनेवाले, हलाक होनेवाले।

हलक (حلک) अ. स्त्री.–गहरी कालिमा, गहरी सियाही।

हलब (حلب) अ. पुं.–ताज़ा दुहा हुआ दूध; एक प्रसिद्ध नगर जहाँ का दर्पण प्रसिद्ध है (शाम)।

हलबी (حلبی) अ. वि.–हलब का निवासी; हलब सम्बन्धी; हलब का बना हुआ।

हलमः (حلمہ) अ. स्त्री.–भिटनी, वृंत, स्तनवृंत, स्तनाग्र, पुरश्छद।

हलाइल (حلائل) अ. स्त्री.–'हलील:' का बहु., ब्याहता पत्नियाँ।

हलाक (ہلاک) फा. वि.–हत, मक़्तूल, वधित; किसी घटना में मरा हुआ, जैसे—रेल की टक्कर में या महामारी में।

हलाकख़ोर (ہلاک خور) फा. वि.–मृतपशु का मांस खानेवाला।

हलाकत (ہلاکت) फा. स्त्री.–किसी घटना में मरना; क़त्ल होना, वध।

हलाकू (ہلاکو) तु. पुं.–दे. 'हुलाकू', वही शुद्ध है।

हलालः (حلالہ) अ. पुं.–तलाक़ की एक क़िस्म जिसमें

की वह गर्मी जिससे शरीर के सारे कल-पुर्ज़े ठीक-ठीक काम करते हैं, प्राणाग्नि।

हरारते ग़रीबी (حرارت غریبی) अ. स्त्री.—दे. 'हरारते ग़ैरतबई'।

हरारते ग़ैरतबई (حرارت غیرطبعی) अ. स्त्री.—शरीर के भीतर की अप्राकृतिक गर्मी, जैसे—ज्वर आदि की गर्मी।

हरारते तबई (حرارت طبعی) अ. स्त्री.—दे. 'हरारते ग़रीजी' प्राकृतिक गर्मी।

हरिक़ (حرق) अ. वि.—दग्ध, जला हुआ; जलन, तपन।

हरिम (حرم) अ. पुं.—जरित, वृद्ध, बूढ़ा।

हरीक़ (حریق) अ. वि.—दग्ध, जला हुआ; ताप, जलन।

हरीफ़ (حریف) अ. पुं.—जिससे मुक़ाबला हो, प्रतिद्वंद्वी; शत्रु, दुश्मन; जिससे लाग-डाँट हो; रक़ीब एक नायिका के दो प्रेमी परस्पर, प्रतिनायक।

हरीफ़ानः (حریفانہ) अ. फ़ा. वि.—हरीफ़ों-जैसा; प्रतिद्वंद्वियों-जैसा; शत्रुओं-जैसा; रक़ीबों-जैसा।

हरीफ़े मुक़ाबिल (حریف مقابل) अ. पुं.—जिससे मुक़ाबला हो, जिससे होड़ हो, जिससे लड़ाई हो।

हरीम (حریم) अ. पुं.—घर की चारदीवारी, प्राचीर; घर, मकान, भवन, प्रासाद।

हरीमे किब्रिया (حریم کبریا) अ. पुं.—अर्श, वह स्थान जहाँ ईश्वर का सिंहासन है।

हरीमे क़ुद्स (حریم قدس) अ. पुं.—अर्श।

हरीमे नाज़ (حریم ناز) अ. फ़ा. पुं.—दे. 'हरीमे यार'।

हरीमे यार (حریم یار) अ. फ़ा. पुं.—प्रेमिका का घर।

हरीरः (حریرہ) अ. पुं.—एक मीठा पेय, आटा, शकर, मेवा और घी से बना हुआ पतला लपटा।

हरीर (حریر) अ. पुं.—एक रेशमी और बारीक कपड़ा।

हरीश (حریش) अ. स्त्री.—एक पतला कीड़ा, कनसलाई।

हरीसः (ہریسہ) अ. पुं.—एक प्रकार का पतला लपटा।

हरीस (حریص) अ. वि.—लोलुप, लोभी, लिप्सु, लालची।

हर्क़ (حرق) अ. पुं.—जलना।

हर्कत (حرکت) अ. स्त्री.—दे. 'हरकत' शुद्ध वही है, परंतु यह भी बोलते हैं।

हर्जः (ہرجہ) फ़ा. पुं.—तावान, क्षतिपूर्ति, हरजाना।

हर्ज़ः (ہرزہ) फ़ा. पुं.—व्यर्थ, अनर्गल, बेहूदा।

हर्ज़ःकार (ہرزہکار) फ़ा. वि.—व्यर्थ के और फ़ुज़ूल के काम करनेवाला, व्यर्थकारी।

हर्ज़ःकारी (ہرزہکاری) फ़ा. स्त्री.—व्यर्थ के काम करना।

हर्ज़ःगर्द (ہرزہگرد) फ़ा. वि.—व्यर्थ में इधर-उधर मारा-मारा फिरनेवाला, व्यर्थ भ्रमी।

हर्ज़ःगर्दी (ہرزہگردی) फ़ा. स्त्री.—व्यर्थ और बेकार में घूमना फिरना।

हर्ज़ःगो (ہرزہگو) फ़ा. वि.—व्यर्थ की और निःसार बातें करनेवाला, अनर्गलवादी।

हर्ज़ःगोई (ہرزہگوئی) फ़ा. स्त्री.—व्यर्थ की बातें करना।

हर्ज़ःगोश (ہرزہگوش) फ़ा. वि.—व्यर्थ की बातें सुनने में समय गँवानेवाला।

हर्ज़ःचानः (ہرزہچانہ) फ़ा. वि.—दे. 'हर्ज़ःगो'।

हर्ज़ःदवी (ہرزہدوی) फ़ा. स्त्री.—व्यर्थ में इधर-उधर भागना, व्यर्थ का प्रयास करना।

हर्ज़ःदिरा (ہرزہدرا) फ़ा. वि.—दे. 'हर्ज़ःगो'।

हर्ज़ःदिराई (ہرزہدرائی) फ़ा. स्त्री.—दे. 'हर्ज़ःगोई'।

हर्ज़ःला (ہرزہلا) फ़ा. वि.—दे. 'हर्ज़ःगो'।

हर्ज़ःसरा (ہرزہسرا) फ़ा. वि.—दे. 'हर्ज़ःगो'।

हर्ज़ःसराई (ہرزہسرائی) फ़ा. स्त्री.—दे. 'हर्ज़ःगोई'।

हर्जमर्ज (ہرج مرج) फ़ा. पुं.— उपद्रव, गड़बड़, दंगा।

हर्जानः (ہرجانہ) फ़ा. पुं.—वह धन जो किसी हानि की पूर्ति के लिए दिया जाय, तावान।

हर्फ़ (حرف) अ. पुं.—अक्षर, वर्ण; बात, शब्द; दोष, ऐब, बुराई; (व्या.) अव्यय।

हर्फ़अंदाज़ (حرف انداز) अ. फ़ा. वि.—धूर्त, वंचक, चालाक।

हर्फ़अंदाज़ी (حرف اندازی) अ. फ़ा. स्त्री.—धूर्तता, छल, चालाकी, फ़रेब।

हर्फ़आश्ना (حرف آشنا) अ. फ़ा. वि.—बहुत कम पढ़ा-लिखा जो अटक-अटककर उलटा-सीधा पढ़नेवाला।

हर्फ़गीर (حرف گیر) अ. फ़ा. वि.—आलोचना करनेवाला, ऐब निकालनेवाला, छिद्रान्वेषी।

हर्फ़गीरी (حرف گیری) अ. फ़ा. स्त्री.—आलोचना, ऐबजोई, छिद्रान्वेषण।

हर्फ़ज़न (حرف زن) अ. फ़ा. वि.—बात करनेवाला, बातें करता हुआ।

हर्फ़ज़नी (حرف زنی) अ. फ़ा. स्त्री.—बातें करना, वार्तालाप करना।

हर्फ़न हर्फ़न (حرفاً حرفاً) अ. वि.—अक्षरशः, एक-एक हर्फ़ करके, पूरा-पूरा, विस्तारपूर्वक।

हर्फ़नाआश्ना (حرف نا آشنا) अ. फ़ा. वि.—अशिक्षित, बे पढ़ा-लिखा।

हर्फ़ बहर्फ़ (حرف بحرف) अ. फ़ा. वि.—दे. 'हर्फ़न हर्फ़न'।

हर्फ़शनास (حرف شناس) अ. फ़ा. वि.—केवल अक्षर जाननेवाला, बहुत कम पढ़ा-लिखा।

हर्फ़शनासी (حرف شناسی) अ. फा. स्त्री.—केवल अक्षरों का ज्ञान, बहुत कम पढ़ा होना।

हर्फ़ी (حرفی) अ. वि.—अक्षरवाला; अक्षर का; अक्षर-सम्बन्धी।

हर्फ़े अत्फ़ (حرف عطف) अ. पुं.—वह अक्षर जो दो शब्दों को परस्पर मिलाने के लिए उनके बीच में आये, जैसे—रोज़ोशब (रोज़ व शब) में 'वाव'।

हर्फ़े आख़िर (حرف آخر) अ. पुं.—आख़िरी बात, अंतिम निर्णय; अटल बात, पक्की बात।

हर्फ़े इज़ाफ़त (حرف اضافت) अ. पुं.—दो शब्दों के सम्बन्ध के लिए बीच में आनेवाला अव्यय, जैसे—'राम का घोड़ा' में 'का'।

हर्फ़े इल्लत (حرف علت) अ. पुं.—उर्दू में अलिफ़, वाव और ये, हिंदी में 'स्वर', इंगलिश में 'वावेल'।

हर्फ़े इस्तिद्राक (حرف استدراک) अ. पुं.—वह अव्यय जो प्रश्नवाचक हो।

हर्फ़े इस्तिस्ना (حرف استثنا) अ. पुं.—वह अव्यय जिससे कोई मुस्तस्ना बनता हो, जैसे—"सब आ गए मगर राम" में मगर।

हर्फ़े क़मरी (حرف قمری) अ. पुं.—दे. 'हुरूफ़े क़मरी'।

हर्फ़े ग़लत (حرف غلط) अ. पुं.—वह अक्षर जो अशुद्ध हो और जिसका मिटाना अनिवार्य हो, जैसे—हर्फ़े-ग़लत की तरह मुझे क्यों मिटा दिया? झूठी बात।

हर्फ़े जर (حرف جر) अ. पुं.—इज़ाफ़त देनेवाला अव्यय।

हर्फ़े तंबीह (حرف تنبیه) अ पुं.—चेतावनी देनेवाली बात।

हर्फ़े तर्दीद (حرف تردید) अ. पुं.—खंडन करनेवाला कथन।

हर्फ़े तश्बीह (حرف تشبیه) अ. पुं.—वह शब्द जो उपमा के लिए आये, जैसे—समान, तुल्य, सदृश।

हर्फ़े ताकीद (حرف تاکید) अ. पुं.—दे. 'हर्फ़े तंबीह'।

हर्फ़े नफ़ी (حرف نفی) अ. पुं.—वह शब्द जो 'न' के अर्थ में आये।

हर्फ़े निदा (حرف ندا) अ. पुं.—वह शब्द जिससे सम्बोधन किया जाय।

हर्फ़े नुद्बः (حرف ندبه) अ. पुं.—वह शब्द या अव्यय जो विलाप के लिए बोला जाय, जैसे—हाय, आह।

हर्फ़े मत्लब (حرف مطلب) अ. पुं.—मतलब की बात, उद्देश्य, आशय।

हर्फ़े मुकर्रर (حرف مکرر) अ. पुं.—दुबारा आया हुआ शब्द, दो बार कही हुई बात।

हर्फ़े वस्ल (حرف وصل) अ. पुं.—दो शब्दों को जोड़नेवाला अक्षर।

हर्फ़े शम्सी (حرف شمسی) अ. पुं.—दे. 'हुरूफ़े शम्सी'।

हर्फ़े सहीह (حرف صحیح) अ. पुं.—सच्ची बात; व्यंजन, वह अक्षर जो स्वर न हो, वह हर्फ़ जो हर्फ़े इल्लत न हो।

हर्फ़ोहिकायत (حرف وحکایت) अ. स्त्री.—कथोपकथन, वार्तालाप, बातचीत।

हर्बः (حربه) अ. पुं.—अस्त्र, शस्त्र, हथियार; आक्रमण, आघात, वार; साँग, शक्ति।

हर्ब (حرب) अ. पुं.—युद्ध, संग्राम, समर, लड़ाई, जंग।

हर्बगाह (حربگاه) अ. फा. स्त्री.—युद्धक्षेत्र, रणस्थल, मैदाने जंग।

हर्बी (حربی) अ. वि.—युद्ध सम्बन्धी; सैनिक, जंगी।

हर्बोज़र्ब (حرب و ضرب) अ. पुं.—मारकाट, लड़ाई-झगड़ा, ख़ून-ख़राबा।

हर्राफ़ः (حرافه) अ. स्त्री.—बहुत अधिक बातूनी स्त्री; कुलटा, भ्रष्टा, असाध्वी, धूर्ता।

हर्राफ़ (حراف) अ. वि.—वाचाल, मुखर, बातूनी, लस्सान; धूर्त, चालाक।

हरास (حراث) अ. वि.—कृषक, किसान, काश्तकार।

हर्स (حرث) अ. पुं.—कृषि, खेती, काश्त।

हर्स (حرس) अ. पुं.—हिरासत, पकड़, निगरानी।

हल [ल्ल] (حل) अ. पुं.—समाधान, सुलझाव; घुल जाना, विलयन; मुअम्मे के रिक्त स्थानों की पूर्ति; सुगमता, सरलता, आसानी।

हलकः (هلكه) हालिक का बहु., मरनेवाले, हत होनेवाले, हलाक होनेवाले।

हलक (حلک) अ. स्त्री.—गहरी कालिमा, गहरी सियाही।

हलब (حلب) अ. पुं.—ताज़ा दुहा हुआ दूध; एक प्रसिद्ध नगर जहाँ का दर्पण प्रसिद्ध है (शाम)।

हलबी (حلبی) अ. वि.—हलब का निवासी; हलब सम्बन्धी; हलब का बना हुआ।

हलमः (حلمه) अ. स्त्री.—भिटनी, वृंत, स्तनवृंत, स्तनाग्र, पुरश्छद।

हलाइल (حلائل) अ. स्त्री.—'हलील:' का बहु., ब्याहता पत्नियाँ।

हलाक (هلاک) फा. वि.—हत, मक़्तूल, वधित; किसी घटना में मरा हुआ, जैसे—रेल की टक्कर में या महामारी में।

हलाकख़ोर (هلاک خور) फ़ा. वि.—मृतपशु का मांस खानेवाला।

हलाकत (هلاکت) फा. स्त्री.—किसी घटना में मरना; क़त्ल होना, वध।

हलाकू (هلاکو) तु. पुं.—दे. 'हुलाकू', वही शुद्ध है।

हलालः (حلاله) अ. पुं.—तलाक़ की एक क़िस्म जिसमें

स्त्री को दूसरे व्यक्ति से ब्याह करना पड़ता है और उसके तलाक़ देने पर पहले पति से ब्याह कर सकती है।

हलाल (حلال) अ. वि.–[illegible] जाइज़, जिसका खाना और पीना [illegible] में वर्जित न हो; ज़ब्ह किया हुआ, ज़बीहः।

हलालख़ोर (حلال خور) अ. फा. पुं.–मेहतर, भंगी।

हलालज़ादः (حلال زادہ) अ. फा. पुं.–जो शुद्ध औरस से हो, कुलीन।

हलावत (حلاوت) अ. स्त्री.–माधुर्य, मिठास, शीरीनी, "ज़ाहिरा बेरुख़ी है ख़्वाब में छुपकर मिलना—क्या हलावत से भरा तर्ज़ है तड़पाने का।"

हलावतचश (حلاوت چش) अ. फा. वि.–मिठास चखनेवाला, स्वाद लेनेवाला, आनन्द उठानेवाला।

हलावतपसंद (حلاوت پسند) अ. फा. वि.–जिसे मिठास प्रिय लगती हो, मिठाई अधिक खानेवाला।

हलावते ज़बाँ (حلاوت زباں) अ. फा. स्त्री.–बातों का रस; भाषा की मधुरता; कविता का रस और घुलावट।

हलावते सुख़न (حلاوت سخن) अ. फा. स्त्री.–बातों की मिठास, बतरस, वार्ता माधुर्य; काव्य-माधुर्य, शाइरी का रस।

हलाहिल (هلاهل) अ. वि.–कालकूट, हलाहल, बहुत ही तीव्र और प्रचंड विष।

हलीफ़ (حلیف) अ. वि.–जिसने किसी के साथ किसी बात की शपथ ली हो; मित्र, दोस्त।

हलीब (حلیب) अ. पुं.–ताज़ा दूध, कच्चा दूध।

हलीमः (حلیمہ) अ. स्त्री.–सहनशीला, गंभीर स्त्री; वह जिसने हज़्रत मुहम्मद साहब को दूध पिलाया था।

हलीम (حلیم) अ. वि.–सहनशील, गंभीर, मतीन, बुर्दबार; एक खाना, खिचड़ी।

हलीमुत्तब्अ (حلیم الطبع) अ. वि.–जो प्रकृति से सहिष्णु और गंभीर हो।

हलीलः (حلیلہ) अ. स्त्री.–विवाहिता, पत्नी, भार्या।

हलील (حلیل) अ. पुं.–पति, स्वामी, शौहर; प्रतिवासी, पड़ोसी; एक ही घर में रहनेवाला, सहनिवासी।

हलैलः (هلیلہ) अ. पुं.–हड़, हरीतकी, एक फल जो दवा में काम आता है।

हल्क़ः (حلقہ) अ. पुं.–परिधि, मंडल, घेरा; मंडली, समुदाय, जमाअत; क्षेत्र, प्रक्षेत्र, इलाक़ा।

हल्क़ःनुमा (حلقہ نما) अ. फा. वि.–गोलाकार, गोल।

हल्क़दरगोश (حلقہ در گوش) अ. फा. वि.–दे. 'हल्क़ःबगोश'

हल्क़ःबगोश (حلقہ بگوش) अ. फा. वि.–जिसके कान में दासता का कुंडल पड़ा हो, दास; भक्त, श्रद्धालु, अनुयायी, बहुत अधिक श्रद्धा रखनेवाला।

हल्क़ (حلق) अ. पुं.–कंठ, गला; बाल मुँडना, मुंडन।

हल्क़ए अइज़्ज़ः (حلقۂ اعزہ) अ. पुं.–रिश्तेदारों की जमाअत, बंधुवर्ग।

हल्क़ए अह्‌बाब (حلقۂ احباب) अ. पुं.–दोस्तों का हल्क़ा, मित्र-मंडली, मित्रवर्ग, मित्रगण।

हल्क़ए आग़ोश (حلقۂ آغوش) अ. फा. पुं.–हाथों से बनाया हुआ आलिंगन के लिए घेरा, भुज-बंधन।

हल्क़ए इरादत (حلقۂ ارادت) अ. पुं.–अनुयायियों की मंडली, भक्तगण।

हल्क़ए गिर्दाब (حلقۂ گرداب) अ. फा. पुं.–भँवर, जलावर्त।

हल्क़ए चश्म (حلقۂ چشم) अ. फा. पुं.–आँख का घेरा, नेत्र-मंडल, नेत्र-गोलक।

हल्क़ए ज़ंजीर (حلقۂ زنجیر) अ. फा. पुं.–ज़ंजीर की कड़ी, शृंखला का छल्ला।

हल्क़ए दर (حلقۂ در) अ. फा. पुं.–दरवाज़े की कुंडी, किवाड़ों की जंज़ीर।

हल्क़ए मक़्अद (حلقۂ مقعد) अ. पुं.–गुदावर्त, गुदाद्वार, मब्रज़ का मुँह।

हल्क़ए माह (حلقۂ ماہ) अ. फा. पुं.–चाँद के चारों ओर पड़नेवाला घेरा, चंद्रमंडल, परिवेष, तेजोमंडल।

हल्क़ए मेह्र (حلقۂ مہر) अ. फा. पुं.–सूरज के चारों ओर पड़नेवाला घेरा, रविमंडल, रविबिंब।

हल्क़ची (حلقچی) अ. फा. स्त्री.–जलेबी, एक प्रसिद्ध मिठाई।

हल्कान (هلکان) तु. वि.–परास्त, चूर-चूर, क्लांत, थांत, अधमुआ।

हल्क़ी (حلقی) अ. वि.–कंठ का; कंठ सम्बन्धी; कंठ से उच्चरित (अक्षर)।

हल्क़ूम (حلقوم) अ. पुं.–कंठ, गला, हल्क़।

हल्क़े रास (حلق راس) अ. पुं.–सर मुँडाना, मुंडन।

हल्ज़ून (حلزون) अ. पुं.–शंबुक, दर, शंख, संख।

हल्फ़ (حلف) अ. पुं.–शपथ, सौगंध, क़सम।

हल्फ़दरोग़ी (حلف دروغی) अ. फा. स्त्री.–अदालत में झूठा हल्फ़ लेना, झूठी शपथ उठाना।

हल्फ़न (حلفاً) अ. वि.–क़सम से, शपथपूर्वक।

हल्फ़नामः (حلف نامہ) अ. फा. पुं.–शपथपत्र, इस बात की तहरीर कि अमुक बात शपथपूर्वक कही गयी है।

हल्फ़ी (حلفی) अ. वि.–हल्फ़ के साथ, शपथपूर्वक।

हल्फ़े शरई (حلف شرعی) अ. पुं.–धर्मशास्त्र के अनुसार उठाई हुई शपथ।

हल्ब (حلب) अ. पुं.–दूध दुहना।

हल्लाक़ (حلاق) अ. वि.–मूँड़नेवाला, क्षौरिक, नापित, नाई।
हल्लाक़ी (حلاقی) अ. स्त्री.–क्षौरकर्म, मूँड़ने का काम।
हल्लाज (حلاج) अ. पुं.–रुई धुननेवाला, धुनिया।
हल्लाफ़ (حلاف) अ. वि.–वह व्यक्ति जो शपथ लेने का आदी हो।
हल्लाल (حلال) अ. वि.–ग्रंथि खोलनेवाला, समाधान करनेवाला।
हल्ले मुश्किल (حل مشکل) अ. पुं.–जटिल समस्याओं या कठिनाइयों को हल करना।
हल्लो अक़्द (حل و عقد) अ. पुं.–खोलना और बाँधना, प्रबंध, व्यवस्था।
हल्वा (حلوا) अ. पुं.–मीठी चीज़; घी शकर मेवा और आटा आदि से बना हुआ खाद्य पदार्थ, संयाब।
हल्वाई (حلوائی) अ. पुं.–हल्वा या मिठाई बनाने और बेचनेवाला।
हल्वाए तर (حلوائے تر) अ. फा. पुं.–घी में तरबतर हल्वा।
हल्वाए बेदूद (حلوائے بےدود) अ. फा. पुं.–वह हल्वा जो ऐसी आग पर पका हो जिसमें धुँआँ न हो, अर्थात् सूरज की गर्मी से पके हुए फल।
हल्वाख़ोर (حلواخور) अ. फा. वि.–हल्वा खानेवाला।
हल्वाफ़रोश (حلوافروش) अ. फा. वि.–हल्वा बेचनेवाला।
हवन्नक़ (ھونق) उ. वि.–बुद्धू, बौड़म, गावदी।
हवल (حول) अ. वि.–भेंगापन, ऐंचातानापन।
हवस (ھوس) अ. स्त्री.–उत्कंठा, लालसा, बढ़ा हुआ शौक़; लोभ, लालच।
हवसकार (ھوس‌کار) अ. फा. वि.–लोलुप, लोभी, लालची।
हवसकारी (ھوس‌کاری) अ. फा. स्त्री.–लालच करना, लोभ करना।
हवसनाक (ھوس‌ناک) अ. फा. वि.–दे. 'हवसपरस्त'।
हवसनाकी (ھوس‌ناکی) अ. फा. स्त्री.–दे. 'हवसपरस्ती'।
हवसपरस्त (ھوس‌پرست) फा. वि.–लोभी, लालची, जो बहुत बड़ा लोभी हो।
हवसपरस्ती (ھوس‌پرستی) फा. स्त्री.–लोभ, लालच।
हवसपेशः (ھوس‌پیشہ) फा. वि.–दे. 'हवसपरस्त'।
हवसपेशगी (ھوس‌پیشگی) फा. स्त्री.–दे. 'हवसपरस्ती'।
हवसराँ (ھوس‌راں) फा. वि.–दे. 'हवसपरस्त'।
हवसरानी (ھوس‌رانی) फा. स्त्री.–दे. 'हवसपरस्ती'।
हवा (ھوا) अ. स्त्री.–इच्छा, आकांक्षा, ख्वाहिश; लिप्सा, लोभ, लालच; धाक, रोब; वात, वायु, हवा।
हवाइज (حوائج) अ. पुं.–'हाजत' का बहु., आवश्यकताएँ।
हवाइजे ज़रूरी (حوائج ضروری) अ. पुं.–प्रातःकर्म, शौचादि-कर्म, पेशाब पाख़ाना वग़ैरः।
हवाइजे सित्तः (حوائج ستہ) अ. पुं.–जीवन के लिए छः मुख्य आवश्यकताएँ; पेशाब-पाख़ाना; खाना-पीना; सोना-जागना; चलना-फिरना; साँस लेना; ख़ुशी और ग़म।
हवाई (ھوائی) अ. वि.–वायु-सम्बन्धी; वायु का; एक आतशबाज़ी, बान।
हवाए गर्म (ھوائے گرم) अ. फा. स्त्री.–गर्म हवा, तप्त वायु, लपट, लू।
हवाए तुंद (ھوائے تند) अ. फा. स्त्री.–तेज़ हवा, झक्कड़।
हवाए समूम (ھوائے سموم) अ. स्त्री.–ज़हरीली हवा, विपाक्त वायु।
हवाए सर्द (ھوائے سرد) अ. फा. स्त्री.–ठंडी हवा, शीतल वायु।
हवाए सर्सर (ھوائے صرصر) अ. स्त्री.–झक्कड़, आँधी, तेज़ हवा।
हवाख़ेज़ी (ھواخیزی) अ. फा. स्त्री.–हवा उखड़ना, बँधी हुई बात बिगड़ना, जमी हुई धाक का उखड़ना।
हवाख़ोर (ھواخور) अ. फा. वि.–सवेरे तड़के खुली हवा में टहलनेवाला, वायु सेवन करनेवाला।
हवाख़ोरी (ھواخوری) अ. फा. स्त्री.–सवेरे तड़के खुली हवा में टहलना, वायु-सेवन।
हवाख़्वाह (ھواخواہ) अ. फा. वि.–शुभचिंतक, भलाई चाहनेवाला, ख़ैरख़्वाह।
हवाख़्वाही (ھواخواہی) अ. फा. स्त्री.–भलाई चाहना, ख़ैरख़्वाही।
हवादार (ھوادار) अ. फा. वि.–शुभचिंतक, बिहीख़्वाह; मित्र, दोस्त; एक खुली हुई पालकी।
हवादारी (ھواداری) अ. फा. स्त्री.–हितचिंतन, ख़ैरख़्वाही; मैत्री, दोस्ती।
हवादिज (ھوادج) अ. पुं.–'हौदज' का बहु., हाथी के हौदे।
हवादिस (حوادث) अ. पुं.–'हादिसः' का बहु., हादिसे, दुर्घटनाएँ।
हवादिसआश्ना (حوادث‌آشنا) अ. फा. वि.–जो दुर्घटनाएँ सहने का आदी हो।
हवादिसख़ेज़ (حوادث‌خیز) अ. फा. वि.–हादिसे और दुर्घटनाएँ उठानेवाला।
हवादिसे ज़मानः (حوادث زمانہ) अ. पुं.–दे. 'हवादिसे रोज़गार'।

हवादिसे रोज़गार (حوادث روزگار) अ. फा. पुं.–कालचक्र, =समय की उलट-पलट।

हवान (هوان) अ. स्त्री.–अपमान, तिरस्कार, बेइज़्ज़ती।

हवापरस्त (ہواپرست) अ. फा. वि.–मौक़ापरस्त, अवसरवादी, जिधर की हवा देखे उधर चलनेवाला।

हवापरस्ती (ہواپرستی) अ. फा. स्त्री.–मौक़ापरस्ती, अवसरवादिता, जिधर की हवा हो उधर चलना।

हवाबाज़ (ہواباز) अ. फा. वि.–हवाई जहाज़ उड़ानेवाला, वायुयान-चालक, पाइलेट।

हवाबाज़ी (ہوابازی) अ. फा. स्त्री.–हवाई जहाज़ चलाना; हवाबाज़ का पेशा या पद।

हवाम (ہوام) अ. पुं.–ज़मीन के भीतर रहनेवाले प्राणी, जैसे—साँप-बिच्छू और चूहे-च्यूंटी, कीड़े-मकोड़े आदि।

हवामिल (حوامل) अ. स्त्री.–'हामिलः' का बहु., गर्भवती स्त्रियाँ।

हवारफ़्तार (ہوارفتار) अ. फा. वि.–हवा की भाँति तेज़ चलनेवाला, वायुवेग।

हवारफ़्तारी (ہوارفتاری) अ. फा. स्त्री.–हवा की तरह तेज़ चलना।

हवारी (حواری) अ. पुं.–प्रतिष्ठित, मुख्य, बुज़ुर्ग; सहायक, मददगार; हज़रत ईसा का सहचर।

हवालः (حوالہ) अ. पुं.–सिपुर्दगी, हस्तांतरण; नज़ीर, अवतरण।

हवालःजात (حوالجات) अ. पुं.–'हवालः' का बहु., हवाले, अवतरण समूह, अनूकाश समूह।

हवालात (حوالات) अ. स्त्री.–'हवालः' का बहु., मुक़द्दमा तै होने से पहले अपराधियों को रखने का स्थान।

हवालाती (حوالاتی) अ. वि.–जो 'हवालात' में बंद हो।

हवालिए शह्र (حوالیٔ شہر) अ. फा. पुं.–नगर के आस-पास का इलाक़ा।

हवाली (حوالی) अ. पुं.–आस-पास, चहुँपास, चहुँओर।

हवाशी (حواشی) अ. पुं.–'हाशियः' का बहु., टिप्पणियाँ, फ़ुटनोट्स।

हवास [स्स] (حواس) अ. पुं.–'हास्सः' का बहु., इंद्रियाँ।

हवासगुम (حواس گم) अ. फा. वि.–दे. 'हवासबाख़्तः'।

हवास बरजा (حواس برجا) अ. फा. वि.–जिसके होशोहवास ठीक हों, दृढ़संज्ञ।

हवासबाख़्तः (حواس باختہ) अ. फा. वि.–जिसके होशोहवास ठीक न हों, हतसंज्ञ।

हवासिल (حواصل) अ. पुं.–'हौसलः' का बहु., पक्षियों के पोटे; एक जलपक्षी जिसका पोटा बड़ा होता है।

हवासे ख़म्सः (حواس خمسہ) अ. पुं.–पाँचों इंद्रियाँ, पंचेंद्रिय।

हवासे ज़ाहिरी (حواس ظاہری) अ. पुं.–बाहरी अर्थात् दिखाई देनेवाली इंद्रियाँ; स्पर्श; श्रवण; घ्राण; स्वाद; दृष्टि।

हवासे बातिनी (حواس باطنی) अ. पुं.–भीतरी इंद्रियाँ; स्मरण; विचार; कल्पना।

हवेली (حویلی) फा. स्त्री.–'हवाली' का इमालः, पक्का और बड़ा मकान, भवन।

हशफ़ः (حشفہ) अ. पुं.–लिंगेंद्रिय की सुपारी, लिंगाग्र, दे. 'हरफ़ः' दोनों शुद्ध हैं।

हशम (حشم) अ. पुं.–'हाशिम' का बहु., वह नौकर जो स्वामी के लिए लड़े; नौकर-चाकर।

हशमत (حشمت) अ. पुं.–नौकर-चाकर, दूसरे अर्थ के लिए दे. 'हिश्मत'।

हशमोख़दम (حشم و خدم) अ. पुं.–नौकर-चाकर, लाव लशकर, नौकरों की भीड़-भाड़।

हशरः (حشرہ) अ. पुं.–रेंगनेवाला कीड़ा।

हशरात (حشرات) अ. पुं.–'हशरः' का बहु., कीड़े-मकोड़े।

हशरातुलअर्ज़ (حشرات الارض) अ. पुं.–ज़मीन पर रेंगनेवाले कीड़े-मकोड़े।

हशा (حشا) अ. पुं.–जो कुछ पेट और सीने के भीतर है, आँतें पीतें आदि।

हशाइश (حشائش) अ. पुं.–'हशीश' का बहु., सूखी घासें; भाँगें।

हशाशत (ہشاشت) अ. स्त्री.–प्रफुल्लता, प्रसन्नता, ख़ुश तब्ई।

हशीश (حشیش) अ. पुं.–सूखी घास; भंग, विजया।

हश्तंगुश्त (ہشت انگشت) फा. वि.–आठ अंगुल लंबा; आठ अँगलियोंवाला।

हश्त (ہشت) फा. वि.–आठ, अष्ट।

हश्त अंगुश्त (ہشت انگشت) फा. वि.–दे. 'हश्तंगुश्त'।

हश्तगंज (ہشت گنج) फा. पुं.–ख़ुस्रो पर्वेज़ की आठ निधियाँ।

हश्तगोशः (ہشت گوشہ) फा. वि.–आठ कोनोंवाला, अष्टकोण।

हश्तनिकाती (ہشت نکاتی) फा. अ. वि.–आठ उसूलों वाला, अष्टसूत्री।

हश्तपहलू (ہشت پہلو) फा. वि.–आठ पार्श्ववाला; अष्टसूत्री, हश्तनिकाती।

हश्तबिहिश्त (ہشت بہشت) फा. स्त्री.–आठों स्वर्ग।

हश्तबुस्ताँ (هشت بستاں) फा. पुं.—आठों बाग़ अर्थात् आठों स्वर्ग।

हश्तमंज़र (هشت منظر) फा. अ. पुं.—आठों स्वर्ग।

हश्तमावा (هشت ماوی) फा. अ. पुं.—आठों स्वर्ग।

हश्तसद (هشت صد) फा. वि.—आठ सौ।

हश्ताद (هشتاد) फा. वि.—अस्सी, चालीस का दूना।

हश्तादसाल: (هشتاد سالہ) फा. वि.—अस्सी बरस का; अस्सी बरस में होनेवाला; अस्सी वर्ष का बूढ़ा।

हश्तुम (هشتم) फा. वि.—आठवाँ, अष्टम्।

हश्तुमीं (هشتمیں) फा. वि.—आठवाँ।

हश्फ़: (حشفہ) अ. पुं.—दे. 'हशफ़:' दोनों शुद्ध हैं।

हश्र (حشر) अ. पुं.—क़ियामत, महा प्रलय; क़ियामत में मरे हुए लोगों का उठना; आपत्ति, विपदा, मुसीबत।

हश्रअंगेज़ (حشر انگیز) अ. फा. वि.—क़ियामत उठानेवाला, हलचल और हंगामा मचा देनेवाला, उपद्रवकारी प्रलयंकर।

हश्रअंगेज़ी (حشر انگیزی) अ. फा. स्त्री.—उपद्रव और हलचल खड़ीकर देना, हंगामा मचाना।

हश्रक़ामत (حشر قامت) अ. वि.—प्रेयसी, प्रेमिका।

हश्रख़िराम (حشر خرام) अ. फा. वि.—अपनी चाल से क़ियामत उठानेवाला, ऐसी चाल चलनेवाला जिससे संसार उथल-पुथल हो जाय।

हश्र ख़िरामी (حشر خرامی) अ. फा. स्त्री.—चाल से संसार को उलट-पलट देना।

हश्रज़ा (حشرزا) अ. फा. वि.—दे. 'हश्रअंगेज़'।

हश्रज़ाई (حشرزائی) अ. फा. स्त्री.—दे. 'हश्रअंगेज़ी'।

हश्रतराज़ (حشر طراز) अ. फा. वि.—दे. 'हश्र अंगेज़'।

हश्रतराज़ी (حشر طرازی) अ. फा. स्त्री.—दे. 'हश्र अंगेज़ी'।

हश्रपर्वर (حشر پرور) अ. फा. वि.—उपद्रवों और हंगामों की पर्वरिश करनेवाला।

हश्रसामाँ (حشر ساماں) अ. फा. वि.—उथल-पुथल और हंगामों का सामान साथ रखनेवाला या सामान करनेवाला।

हश्रसामानी (حشر سامانی) अ. फा. स्त्री.—उथल-पुथल करना, क़ियामत उठाना, संसार को अस्त-व्यस्त करना।

हश्रोनश्र (حشر و نشر) अ. पुं.—महाप्रलय, क़ियामत, मुर्दों का जी उठना और हर तरफ़ फैल जाना।

हश्व (حشو) अ. पुं.—भरती की चीज़, अंदर भरी जानेवाली चीज़; साहित्य में वह शब्द या वाक्य जिसके बिना भी अर्थ में कमी न आये; उर्दू छंद में पद के आदि और गणों के अंत के अतिरिक्त बीच में आनेवाले गण।

हश्शाश (حشاش) अ. वि.—भंगड़, भंग पीनेवाला।

हश्शाश (هشاش) अ. वि.—हृष्ट, हर्षित, प्रसन्न, प्रफुल्ल, खुश।

हश्शाशोबश्शाश (هشاش و بشاش) अ. वि.—जो बहुत ही प्रसन्न और प्रफुल्ल हो; जो बहुत ही स्वस्थ हो।

हसक (هسک) फा. पुं.—सूप, छाज, नाज फटकने का यंत्र।

हसक (حسک) अ. पुं.—गुखरू, गोखरू, विकंटक; लोहे के गुखरूनुमा काँटे जो लड़ाई में शत्रु के रास्ते में बिछा दिये जाते थे।

हसद (حسد) अ. पुं.—ईर्ष्या, मत्सर, डाह, जलन।

हसन: (حسنہ) अ. पुं.—भली चीज़, सुंदर वस्तु; भलाई, नेकी।

हसन (حسن) अ. वि.—रूपवान्, सुंदर, खूबसूरत; प्रियदर्शन, खुशनुमा; उत्तम, श्रेष्ठ, बढ़िया; हज़रत अली के बड़े लड़के, इमाम हुसैन के बड़े भाई।

हसनात (حسنات) अ. पुं.—'हसन:' का बहु., भलाइयाँ, नेकियाँ, सुकृतियाँ।

हसनी (حسنی) अ. वि.—इमाम हसन से सम्बन्ध रखनेवाला; उनका अनुयायी; उनका वंशज।

हसनैन (حسنین) अ. पुं.—दो 'हसन' अर्थात् हसन और हुसैन।

हसब: (حصبہ) अ. पुं.—खस्र:, छोटे-छोटे लाल दाने जो बच्चों को निकल आते हैं, दे. 'हुस्ब:' दोनों शुद्ध हैं।

हसब (حسب) अ. पुं.—गणना, शुमार; अनुमान, अंदाज़; श्रेष्ठता, बड़ाई।

हसब (حصب) अ. स्त्री.—ईंधन, जलाने की लकड़ी आदि।

हसबोनसब (حسب و نسب) अ. पुं.—कुलीनता और श्रेष्ठता, वंश और प्रतिष्ठा, खानदानी हालत।

हसा (حصا) अ. पुं.—'हसात' का बहु., कंकरियाँ, संगरेज़े।

हसात (حصات) अ. स्त्री.—कंकर, पत्थर, कंकरी, ठीकरी; गुर्दे या मूत्राशय में बननेवाली पथरी, अश्मरी।

हसाफ़त (حصافت) अ. स्त्री.—बुद्धि परिपक्वता, अक़्ल की पुख्तगी; संवेदनशीलता, वजिबाकारी।

हसीद (حصید) अ. वि.—काटा हुआ खेत, काटी हुई खेती।

हसीन: (حسینہ) अ. स्त्री.—सुन्दर स्त्री, सुन्दरी, रूपवती, वरारोहा, शोभना, वरांगना।

हसीन: (حصینہ) अ. वि.—दृढ़ और मजबूत चीज़।

हसीन (حسین) अ. वि.—सुंदर, रूपवान्, सुरूप, खूबसूरत; प्रियदर्शन, शोभन, खुशनुमा।

हसीन (حصین) अ. वि.—सुदृढ़, सुस्थिर, अविचल, मुस्तहकम।

हसीनतरीन (حسین ترین) अ. फ़ा. वि.—बहुत अधिक रूपवान्, सुंदरतम।

हसीनुलवजह (حسین الوجه) अ. वि.—अच्छी सूरतवाला, रूपवान्, सुरूप।

हसीब (حسیب) अ. वि.—हिसाब करनेवाला; पूज्य, मान्य, बुज़ुर्ग; ईश्वर का एक नाम।

हसीर (حصیر) अ. स्त्री.—खजूर की चटाई।

हसीर (حسیر) अ. वि.—दुःखित, तप्त, क्लेशित, रंजीदा; श्रान्त, क्लांत, शिथिल, माँदा।

हसूक (حسوک) अ. वि.—काँटोंदार, सकंटक; निकृष्ट, उपद्रवी, शरीर।

हसूद (حسود) अ. वि.—बहुत अधिक डाह करनेवाला।

हसूर (حصور) अ. वि.—संयमी, इंद्रिय निग्रही, परहेज़गार, ज़ाहिद।

हसूर (حصور) अ. वि.—वह पुरुष जो स्त्री की ओर आकृष्ट न होता हो, यद्यपि वह नपुंसक न हो।

हस्त (هست) फ़ा. अव्य.—है, अस्ति (स्त्री.) अस्तित्व, वुजूद; उपस्थिति, मौजूदगी।

हस्तिए चंदरोज़ः (هستیِ چندروزه) फ़ा. स्त्री.—थोड़े दिनों का जीवन, अस्थायी और क्षणिक ज़िंदगी।

हस्तिए जाविदाँ (هستیِ جاوداں) फ़ा. स्त्री.—ऐसा जीवन जो कभी नाश न हो।

हस्तिए दुरोज़ः (هستیِ دوروزه) फ़ा. स्त्री.—दे. 'ह. चंदरोज़ः'।

हस्तिए नापाएदार (هستیِ ناپائدار) फ़ा. स्त्री.—वह जीवन जो स्थायी और दृढ़ न हो, नश्वर जीवन।

हस्तिए फ़ानी (هستیِ فانی) फ़ा. अ. स्त्री.—दे. 'ह. नापाएदार'।

हस्तिए मुस्तआर (هستیِ مستعار) फ़ा. अ. स्त्री.—थोड़े दिनों के लिए प्राप्त जीवन; थोड़े दिनों रहनेवाला संसार।

हस्तिए मौहूम (هستیِ موهوم) फ़ा. अ. स्त्री.—वह जीवन जो देखने में तो जीवन हो परंतु उसका कोई अस्तित्व न हो।

हस्ती (هستی) फ़ा. स्त्री.—अस्तित्व, वुजूद; जीवन, प्राण, ज़िंदगी; संसार, दुनिया; प्राणीवर्ग, मख़्लूक़ात; सामर्थ्य, मक़्दूर।

हस्तोनेस्त (هست و نیست) फ़ा. पुं.—उत्पत्ति और विनाश, पैदा होना और मरना, होना और न होना, पूर्ण, सर्व, सब, तमाम, जैसे—हस्तोनेस्त का इख़्तियार।

हस्तोबूद (هست و بود) फ़ा. स्त्री.—है और था।

हस्ना (حسنا) अ. स्त्री.—सुंदरी, रूपवती, ख़ूबसूरत स्त्री; हर सुंदर और प्रियदर्शन वस्तु जो स्त्रीलिंग हो।

हस्ब (حسب) अ. वि.—अनुसार, बमूजिब, मुआफ़िक़।

हस्बा (حصبا) अ. स्त्री.—कंकरी, ठीकरी, संगरेज़ः।

हस्बुत्तलब (حسب الطلب) अ. वि.—बुलाने के अनुसार, तलबी के बमूजिब; माँगने के अनुसार।

हस्बुत्तह्रीर (حسب التحریر) अ. वि.—लिखने के अनुसार; हुक्म के मुताबिक़, आज्ञानुसार।

हस्बुलअम्र (حسب الامر) अ. वि.—कहने के बमूजिब, कथानुसार; हुक्म के मुताबिक़, आदेशानुसार।

हस्बुलहुक्म (حسب الحکم) अ. वि.—हुक्म के बमूजिब, आज्ञानुसार, आदेशानुसार, यथानिर्दिष्ट।

हस्बे अक़्ल (حسب عقل) अ. वि.—बुद्धि के अनुसार, समझ के मुताबिक़, यथामति।

हस्बे आदत (حسب عادت) अ. वि.—स्वभाव के अनुसार, आदत के मुताबिक़; नित्य नियमानुसार, रोज़मर्रा के मुताबिक़।

हस्बे इंसाफ़ (حسب انصاف) अ. वि.—न्याय की रू से, यथा न्याय, न्यायानुसार, न्यायतः, न्यायानुकूल, यथानीति।

हस्बे इजाज़त (حسب اجازت) अ. वि.—आज्ञानुसार, अनुमति के बमूजिब, इजाज़त के मुताबिक़।

हस्बे इत्तिफ़ाक़ (حسب اتفاق) अ. वि.—इत्तिफ़ाक़ी तौर पर, इत्तिफ़ाक़िया, अकस्मात्, दैवयोगेन।

हस्बे इर्शाद (حسب ارشاد) अ. वि.—कहने के मुताबिक़, कथनानुसार, यथोक्त।

हस्बे इस्तिताअत (حسب استطاعت) अ. वि.—अपने मक़्दूर भर, यथासामर्थ्य, यथाशक्ति।

हस्बे ईमा (حسب ایما) अ. वि.—इशारे के मुताबिक़, संकेतानुसार; हुक्म के बमूजिब, आज्ञानुसार।

हस्बे एलान (حسب اعلان) अ. वि.—घोषणा के अनुसार, एलान के मुताबिक़।

हस्बे क़ाइदः (حسب قاعده) अ. वि.—नियमानुसार, क़ाइदे के मुताबिक़; विधि के अनुसार, क़ानून के मुताबिक़।

हस्बे क़ानून (حسب قانون) अ. वि.—विधि के अनुसार, क़ानून के मुताबिक़।

हस्बे ख़िदमत (حسب خدمت) अ. वि.—सेवा के अनुसार, जिसकी जितनी सेवा हो उसके हिसाब से।

हस्बे ख़्वाहिश (حسب خواهش) अ. फ़ा. वि.—इच्छानुसार, जितनी ज़रूरत हो उतना; जिसकी इच्छा हो वह।

हस्बे ज़र्फ़ (حسب ظرف) अ. फ़ा. वि.—हिम्मत के मुताबिक़; शक्ति के मुताबिक़; योग्यता के मुताबिक़।

हस्बे ज़ाबितः (حسب ضابطه) अ. वि.—दे. 'हस्बे क़ानून'; 'हस्बे क़ाइदः'।

हस्बे जुस्सः (حسب جثہ) अ. वि.—डील-डौल के मुताबिक़, यथाकाय।

हस्बे ज़ैल (حسب ذیل) अ. वि.—जो नीचे दिया गया हो, जिसका ब्योरा नीचे लिखा हो, निम्नलिखित।

हस्बे तंबीह (حسب تنبیہ) अ. वि.—चेतावनी के अनुसार; हिदायत के मुताबिक़।

हस्बे तज्वीज़ (حسب تجویز) अ. वि.—राय के मुताबिक़; निर्णय के मुताबिक़।

हस्बे तर्तीब (حسب ترتیب) अ. वि.—सिलसिले के मुताबिक़, क्रमानुसार, यथाक्रम।

हस्बे तलब (حسب طلب) अ. वि.—दे. 'हस्बुत्तलब' दोनों शुद्ध हैं।

हस्बे तह्रीर (حسب تحریر) अ. वि.—दे. 'हस्बुत्तह्रीर' दोनों शुद्ध हैं।

हस्बे तौफ़ीक़ (حسب توفیق) अ. वि.—दे. 'हस्बे इस्तिताअत'।

हस्बे दस्तूर (حسب دستور) अ. वि.—दस्तूर के मुताबिक़, यथाविधि, विधिपूर्वक; यथानियम, क़ाइदे के बमूजिब।

हस्बे दिलख्वाह (حسب دلخواہ) अ. फ़ा. वि.—मनोवांछित, मनमाना, जैसा चाहिए था वैसा, इच्छानुसार।

हस्बे फ़राइज़ (حسب فرائض) अ. वि.—ड्यूटी और फ़र्ज़ के मुताबिक़, यथाकर्तव्य।

हस्बे फ़र्माइश (حسب فرمائش) अ. फ़ा. वि.—कहने के मुताबिक़, कथनानुसार; आज्ञा के बमूजिब, आज्ञानुसार।

हस्बे फ़ह्माइश (حسب فہمائش) अ. फ़ा. वि.—दे. 'हस्बे तंबीह'।

हस्बे बरदाश्त (حسب برداشت) अ. फ़ा. वि.—जहाँ तक सहा जा सके, जितना उठ सके, सहनानुसार।

हस्बे बिसात (حسب بساط) अ. वि.—दे. 'हस्बे मक़्दूर'।

हस्बे मंशा (حسب منشا) अ. वि.—दे. 'हस्बे ख्वाहिश'।

हस्बे मक़्दूर (حسب مقدور) अ. वि.—बस भर, शक्ति भर; सामर्थ्य भर, इस्तिताअत भर।

हस्बे मज़्कूर (حسب مذکور) अ. वि.—कहे हुए के मुताबिक़; ऊपर लिखे हुए के अनुसार।

हस्बे मुराद (حسب مراد) अ. वि.—मंशा के मुताबिक़, यथेच्छ, यथेष्ट, यथाकाम।

हस्बे मौक़ा' (حسب موقعہ) अ. वि.—समय के मुताबिक़, यथा समय, कालानुसार; जगह के मुताबिक़, यथास्थान।

हस्बे रफ़्तार (حسب رفتار) अ. फ़ा. वि.—चाल के मुताबिक़, रवाज के मुताबिक़।

हस्बे रवाज (حسب رواج) अ. वि.—रवाज और रस्म के मुताबिक़, यथाप्रथा, यथारीति, यथानुपूर्वक।

हस्बे रिवायात (حسب روایات) अ. वि.—रिवायतों अर्थात् रवाजों और प्रथाओं के अनुसार; पुरा वंश परंपराओं के अनुसार, खानदान में होनेवाले तौर-तरीक़ों के अनुसार।

हस्बे साबिक़ (حسب سابق) अ. वि.—पहले की तरह, यथापूर्व।

हस्बे हाल (حسب حال) अ. वि.—हालत और दशा के अनुसार; जैसी दशा हो वैसा।

हस्बे हिसस (حسب حصص) अ. वि.—हिस्से और भाग के अनुसार, यथाभाग, विभागतः।

हस्बे हुक्म (حسب حکم) अ. वि.—दे. 'हस्बुल हुक्म' दोनों शुद्ध हैं।

हस्बे हैसियत (حسب حیثیت) अ. वि.—हैसियत के मुताबिक़; शक्ति के मुताबिक़; सामर्थ्य के मुताबिक़।

हस्बे हौसलः (حسب حوصلہ) अ. वि.—हिम्मत के मुआफ़िक़, उत्साह के अनुसार, जितनी हिम्मत हो उतना।

हस्म (حسم) अ. पुं.—विच्छेद, काटना।

हस्र (حصر) अ. पुं.—निर्भरता, इन्हिसार; अवलंबन, सहारा; वाद निर्णय के लिए किसी पर निर्भरता।

हस्रत (حسرت) अ. स्त्री.—निराशा, नाउम्मेदी; दुःख, कष्ट, मुसीबत; अभिलाषा, लालसा, इच्छा; पश्चात्ताप, अफ़्सोस उदा०—"दिल को नियाज़े हस्रते दीदार कर चुके। देखा तो हममें ताक़ते दीदार भी नहीं।"—ग़ालिब।

हस्रतअंगेज़ (حسرت انگیز) अ. फ़ा. वि.—निराशा बढ़ानेवाला, निराशा पैदा करनेवाला।

हस्रतअंजाम (حسرت انجام) अ. फ़ा. वि.—जिस कार्य का अंत निराशा हो, दुःखांत; जिस काम के करने से बाद को पश्चात्ताप हो।

हस्रत आगीं (حسرت آگیں) अ. फ़ा. वि.—नाउम्मेदी से भरा हुआ, निराशापूर्ण।

हस्रत आफ़्रीं (حسرت آفریں) अ. फ़ा. वि.—नाउम्मेदी पैदा करनेवाला, निराशाजनक।

हस्रत इंतिमा (حسرت انتما) अ. वि.—निराशा बढ़ानेवाला, दुःख बढ़ानेवाला।

हस्रत कदः (حسرت کدہ) अ. फ़ा. पुं.—निराशा का घर, दुःख का घर, अर्थात् नायक का घर।

हस्रत खेज़ (حسرت خیز) अ. फ़ा. वि.—दे. 'हस्रत अंगेज़'।

हस्रतगाह (حسرت گاہ) अ. फ़ा. स्त्री.—निराशा का स्थान, जहाँ निराशा ही निराशा हो।

हस्रतज़दः (حسرت زدہ) अ. फ़ा. वि.—निराशाग्रस्त, नाउम्मीदी का मारा हुआ।

हस्रतज़ा (حسرتزا) अ. फा. वि.–निराशा पैदा करनेवाला, दुःख बढ़ानेवाला।

हस्रततलब (حسرت‌طلب) अ.वि.–जो निराशा की कामना करता हो, जो आशान्वित न हो।

हस्रत दीद: (حسرت‌دیده) अ. फा. वि.–दे., हस्रतज़द:'।

हस्रत नसीब (حسرت‌نصیب) अ. वि.–जिसके भाग्य में निराशा ही निराशा और दुःख ही दुःख हो।

हस्रतनाक (حسرت‌ناک) अ. फा. वि.–दुःखान्वित, निराशान्वित, निराशापूर्ण, दुःखपूर्ण।

हस्रतपरस्त (حسرت‌پرست) अ. फ़. वि.–निराशा की पूजा करनेवाला, निराशावादी।

हस्रतपसंद (حسرت‌پسند) निराशा और दुःख को प्रिय जाननेवाला, निराशान्वित।

हस्रतमंद (حسرت‌مند) अ. फा. वि.–निराशान्वित, निराशावादी, निराश, हताश, मायूस; अभिलाषी, इच्छुक, ख्वाहिशमंद।

हस्रतमआब (حسرت‌معاب) अ. वि.–निराशावादी, जो निराशा ही को सब कुछ समझता हो, अर्थात् नायक।

हस्रतमानूस (حسرت‌مانوس) अ. वि.–जिसकी रुचि निराशा पर हो, जो निराशा को दोस्त रखता हो।

हस्रतरसीद: (حسرت‌رسیده) अ.फा. वि.–दे. 'हस्रतज़द:'।

हस्रतशिकार (حسرت‌شکار) अ. फा. वि.–जिसे निराशा ने मारा हो।

हस्रतसंज (حسرت‌سنج) अ. फा. वि.–दे. 'हस्रतपसंद'।

हस्रतसरा (حسرت‌سرا) अ. फा. स्त्री.–दे. 'हस्रतकद:'।

हस्रत सामाँ (حسرت‌ساماں) अ. फा. वि.–जिसके पास लेदेकर केवल निराशा ही निराशा हो।

हस्रती (حسرتی) अ. वि.–निराश, हताश, मायूस; अभिलाषी, इच्छुक, आर्ज़ूमंद।

हस्रते दीद (حسرت دید) अ.फा. स्त्री.–दे. 'हस्रते दीदार'।

हस्रते दीदार (حسرت دیدار) अ. फा. स्त्री.–दर्शनों की इच्छा, देखने की अभिलाषा।

हस्रते मुलाक़ात (حسرت ملاقات) अ. स्त्री.–देखने और मिलने की इच्छा।

हस्रते वस्ल (حسرت وصل) अ.स्त्री.–नायिका के मिलने की अभिलाषा।

हस्रतोअर्मां (حسرت و ارماں) अ. फा. पुं.–इच्छाएँ और अभिलाषाएँ।

हस्साद (حصاد) अ. वि.–खेती काटनेवाला।

हस्सान (حسان) अ.पुं.–बहुत सुंदर, बहुत ख़ूबसूरत; अतिउत्तम, बहुत अच्छा।

हस्सास (حساس) अ.वि.–स्वाभिमानी, ख़ुददार; संवेदनशील, हिसवाला।

हह्‌हस: (حصحصه) अ. पुं.–हिला-हिलाकर भरना।

हा

हाँ (هاں) फा. अव्य.–सावधान! ख़बरदार! देखो! होशयार!

हा (ها) फा. प्रत्य.–शब्द को अन्त में आकर बहुवचन बनाता है, जैसे–'दरख़्तहा' वृक्ष-समूह, प्रायः निष्प्राण वस्तुओं के लिए आता है; एक अक्षर, 'हे', हिंदी 'ह'।

हाइक (حائک) अ. पुं.–कपड़ा बुननेवाला, वायक, कुविंद।

हाइज़: (حائضه) अ. स्त्री.–वह स्त्री जो महीने से हो, पुष्पिणी, ऋतुमती, उदक्या, मलिष्ठा, आत्रेयी, रजवती, स्त्रीधर्मिणा, अंतर्वर्ती, रजस्वला।

हाइज़ (حائض) अ. स्त्री.–वह स्त्री जो बालिग़ हो गयी हो और हैज़ आने के क़ाबिल हो।

हाइत (حائط) अ. स्त्री.–भीत, भित्त, दीवार।

हाइब (هائب) अ. वि.–डरनेवाला।

हाइम (هائم) अ. वि.–आसक्त, प्रेम मग्न, बहुत प्यासा।

हाइर (حائر) अ. वि.–स्तब्ध, चकित, उद्विग्न, हैरान; दुर्बल, क्षीर्ण, दुबला-पतला; भँवर, वर्त, जलावर्त, गिर्दाब; वह स्थान जहाँ हज़्रत इमाम हुसैन शहीद हुए थे।

हाइल: (هائله) अ. वि.–दे. 'हाइल'।

हाइल (حائل) अ.वि.–बीच में आनेवाला, आड़ बननेवाला।

हाइल (هائل) अ. वि.–भयंकर, भीषण, भयानक, विकराल, ख़ौफ़नाक।

हाए (ہاے) फा.–कराह की आवाज़, आह, हा।

हाए मख़्लूत (ہاے مخلوط) अ. स्त्री.–वह 'हे' जो दूसरे शब्द में मिलाकर पढ़ी जाये, जैसे—'कुम्हार' की 'हे'।

हाए मुख़्तफ़ी (ہاے مختفی) अ. स्त्री.–वह हे जो लिखी जाय मगर पढ़ी न जाय और केवल यह ज़ाहिर करने के लिए आये कि अंतिम अक्षर हल् नहीं है, जैसे—'परवान:'।

हाए मुज़्हर (ہاے مظہر) अ. स्त्री.–वह 'हे' जो ज़ाहिर हो, जैसे—'जगह' की 'हे'।

हाए मुशफ़्फ़क़ (ہاے مشفق) अ. स्त्री.–दो चश्मी (ھ)।

हाए हव्वज़ (ہاے ہوز) अ. स्त्री.–छोटी 'हे' (ہ)।

हाए हुत्ती (ہاے حطی) अ. स्त्री.–बड़ी 'हे' (ح)।

हाक़ (حاق) अ. वि.–बीचोंबीच, मध्य, दरमियान।

हाकिम (حاکم) अ. वि.–पदाधिकारी, अफ़सर; स्वामी, मालिक; शासक, फर्मांरवा; नरेश, राजा, बादशाह; अध्यक्ष, सरदार।

हाकिमानः (حاکمانہ) अ. फा. वि.—अफ़सरों-जैसा।

हाकिमी (حاکمی) अ.वि.—पदाधिकार, अफ़्सरी; स्वामित्व, मालिकी; शासन, राज; राजशाही; अध्यक्षता, सरदारी।

हाकिमे आ'ला (حاکم اعلیٰ) अ. पुं.—उच्चाधिकारी, बड़ा अफ़्सर।

हाकिमे बाला (حاکم بالا) अ.फा. पुं.—दे. 'हाकिमे आला'; किसी अफ़्सर से ऊपर का अफ़्सर।

हाकिमे वक़्त (حاکم وقت) अ. पुं.—वर्तमान समय का शासक।

हाकिमे हक़ीक़ी (حاکم حقیقی) अ. पुं.—ईश्वर, परमात्मा।

हाकी (حاکی) अ. वि.—वार्तालाप करनेवाला, बातचीत करनेवाला; कहानी सुनानेवाला।

हाक़्क़ः (حاقہ) अ. स्त्री.—महाप्रलय, क़ियामत।

हाज [ज्ज] (حاج) अ. वि.—हज करनेवाला, हाजी।

हाज (حاج) अ. स्त्री.—'हाजत' का बहु, हाजतें, इच्छाएँ।

हाजत (حاجت) अ. स्त्री.—इच्छा, अभिलाषा, ख़्वाहिश; मनोकामना, मनोवांछा, दिली मक़्सद।

हाजतख़्वाह (حاجت خواہ) अ. फा. वि.—कामनापूर्ति चाहनेवाला।

हाजतगाह (حاجت گاہ) अ. फा. स्त्री.—वह स्थान जहाँ से कामनापूर्ति की इच्छा हो।

हाजतबरारी (حاجت براری) अ. फा. स्त्री.—इच्छा पूरी करना, कामना पूरी करना।

हाजतमंद (حاجتمند) अ. फा. वि.—इच्छुक, अभिलाषी, ख़्वाहिशमंद; निर्धन, मोहताज।

हाजतमंदी (حاجتمندی) अ. फा. स्त्री.—इच्छा, चाह, तलब; निर्धनता, मोहताजी।

हाजतरवा (حاجت روا) अ. फा. वि.—इच्छा और कामना पूरी करनेवाला।

हाजतरवाई (حاجت روائی) अ. फा. स्त्री.—इच्छा और कामना पूरी करना।

हाजती (حاجتی) अ.वि.—इच्छुक, अभिलाषी, (स्त्री.) वह चौकी जो रोगी के पलंग के पास लगा दी जाती है ताकि पेशाब-पाखाने में उसे कष्ट न हो।

हाजर (ہاجر) अ. स्त्री.—हज़्रत इस्माईल की माता का नाम।

हाज़िक़ (حاذق) अ. वि.—दक्ष, प्रवीण, कुशल, माहिर; वह चिकित्सक जो अपने फ़न में बहुत ही निपुण हो।

हाजिज़ (حاجز) अ. वि.—बीच में पर्दे की तरह आ जाने-वाला; वक्षःस्थल और उदर के बीच की एक झिल्ली।

हाजिब (حاجب) अ.वि.—द्वारपाल, प्रहरी, दरबान; चोब-दार, दंडधारी; भ्रू, भौं।

हाजिन (ہاجن) अ स्त्री.—वह नाबालिग़ स्त्री जिसका ब्याह हो गया हो; हर जानवर का मादा बच्चा।

हाज़िमः (ہاضمہ) अ. पुं.—पाचन शक्ति, क़ुव्वते हज़्म।

हाज़िम (حازم) अ. वि.—दूरदर्शी, अग्रशोची, दूरंदेश; बुद्धिमान्, मेधावी, अक़्लमंद।

हाज़िम (ہاضم) अ. वि.—पाचक, खाना हज़्म करने-वाला।

हाज़िमे तआम (ہاضم طعام) अ. पुं.—अन्नपाचक, खाना हज़्म करनेवाली दवा।

हाजिरः (ہاجرہ) अ. स्त्री.—हिज्रत करनेवाली स्त्री, घरबार छोड़कर परदेश में आनेवाली स्त्री, शरणार्थिनी; बहुत गर्म और तपनेवाली दोपहर।

हाजिर (ہاجر) अ. वि.—घर-बार छोड़नेवाला, मुहाजिर, परदेसी, शरणार्थी।

हाजिर (حاجر) अ. वि.—रोकनेवाला, मना करनेवाला, निषेधक; ऊँची भूमि; नदी की कगार।

हाज़िर (حاضر) अ. वि.—उपस्थित, मौजूद; विद्यमान; किसी न्यायालय में वारंट या सम्मन के द्वारा लाया गया या तारीख़ मुक़द्दमा में आया हुआ; स्कूल या कारख़ाने के रजिस्टर में हाज़िरी की प्रविष्टि के समय उपस्थित।

हाज़िर जवाब (حاضر جواب) अ. वि.—जो तुरंत ही किसी बात का उचित और चमत्कारपूर्ण उत्तर दे, प्रगल्भ, प्रत्युत्पन्न-मति।

हाज़िरजवाबी (حاضر جوابی) अ. स्त्री.—किसी बात का तुरंत ही उचित और मौजूँ जवाब देना, प्रगल्भता।

हाज़िरज़ामिन (حاضر ضامن) अ. वि.—किसी अभियुक्त की न्यायालय में उपस्थिति की ज़िम्मेदारी लेनेवाला।

हाज़िरज़ामिनी (حاضر ضامنی) अ. स्त्री.—किसी अभि-युक्त की न्यायालय में उपस्थिति की ज़मानत।

हाज़िरदिमाग़ (حاضر دماغ) अ. वि.—जो कोई बात फ़ौरन ही ठीक समझ ले और ठीक ही राय दे सके।

हाज़िरदिमाग़ी (حاضر دماغی) अ. स्त्री.—बात की तह को फ़ौरन ही पहुँचकर ठीक राय देना।

हाज़िरबाश (حاضر باش) अ. फा. वि.—किसी बड़े आदमी के पास हर वक़्त का बैठने-उठनेवाला।

हाज़िरबाशी (حاضر باشی) अ. फा. स्त्री.—किसी बड़े आदमी के पास हर वक़्त बैठना-उठना।

हाज़िरात (حاضرات) अ. स्त्री.—'हाज़िरः' का बहु., 'उपस्थित' स्त्रियाँ; जिनों अथवा भूतों को बुलाने का अमल, जिससे वे किसी पर बुलाये जाते हैं, और सवालों का जवाब देते हैं।

हाज़िराती (حاضراتی) अ. पुं.–जिनों भूतों को किसी पुरुष या स्त्री पर बुलानेवाला, आमिले जिन, ओझा।

हाज़िरी (حاضری) अ. स्त्री.–उपस्थिति, मौजूदगी; मज़दूरों या विद्यार्थियों की गिनती; विद्यमानता, वुजूद होना; न्यायालय में वारंट या सम्मन द्वारा प्रतिवादी तथा गवाहों आदि की उपस्थिति।

हाज़िरीन (حاضرین) अ. पुं.–'हाज़िर' का बहु., हाज़िर लोग, उपस्थित गण।

हाज़िरीने जल्सः (حاضرین جلسہ) अ. पुं.–किसी सभा में उपस्थित लोग।

हाज़िरीने मज्लिस (حاضرین مجلس) अ. पुं.–किसी गोष्ठी में सम्मिलित लोग।

हाज़िरोनाज़िर (حاضروناظر) अ. पुं.–जो किसी स्थान पर उपस्थित भी हो और सारी घटनाएँ देखता भी हो; ईश्वर, परमात्मा।

हाज़िल (هازل) अ. वि.–फक्कड़ बकनेवाला, अश्लील बोलनेवाला; हज़्ल की कविता करनेवाला।

हाजी (حاجی) उ. पुं.–हज करनेवाला, (अरबी शब्द 'हाज' है)।

हाजी (هاجی) अ. वि.–निंदा करनेवाला, हज्व करनेवाला; हिज्जे करनेवाला।

हाज़ूम (هاضوم) अ. वि.–अन्नपाचक औषधि, खाना हज़्म करनेवाली दवा।

हाज्जः (حاجہ) अ. स्त्री.–हज करनेवाली स्त्री, हज्जन।

हातम (حاتم) अ. पुं.–यमन का एक सरदार जो बड़ा उदार और दानशील था, 'बनीतय' के गोत्र में होने के कारण 'ताई' कहलाता है, दे. हातिमताई।

हातिन (هاتن) अ. पुं.–बरसनेवाला बादल।

हातिफ़ (هاتف) अ. वि.–पुकारनेवाला, बुलानेवाला।

हातिफ़े ग़ैब (هاتف غیب) अ. पुं.–वह देवता जो दिल में बात डालता या आकाशवाणी बोलता है।

हातिब (حاطب) अ. वि.–लकड़ी बेचनेवाला, लकड़ियाँ लानेवाला, लकड़हारा।

हातिम (حاتم) अ. पुं.–न्यायाधीश, जज, क़ाज़ी; एक बड़ा कव्वा, दे.—'हातम' दोनों शुद्ध हैं।

हातिमताई (حاتم طائی) अ. पुं.–दे. 'हातम'।

हातिमे वक़्त (حاتم وقت) अ. पुं.–अपने समय का बहुत ही दानशील और अतिथिपूजक व्यक्ति।

हातिल (هاطل) अ. वि.–वह घटा जो बहुत ज़ोर से बरसे, घनघोर घटा।

हाद [द] (هاد) अ. पुं.–वह ज़ोरदार आवाज़ जो नदी या समुद्र से उठती और कनारे पर सुनाई देती है।

हाद [द] (حاد) अ. वि.–तीव्र, प्रचंड, तेज़, सख़्त।

हादिए मुत्लक़ (هادئی مطلق) अ. वि.–सच्चा सन्मार्ग दर्शक अर्थात् ईश्वर।

हादिम (هادم) अ. वि.–नष्ट करनेवाला, ध्वंसकारी।

हादिमुल्लज़्ज़ात (هادم اللذات) अ. पुं.–यमराज, यमदूत, धर्मराज, मौत का फ़िरिश्ता।

हादिर (هادر) अ. पुं.–वह दूध जो ऊपर से जमकर दही बन गया हो और नीचे पतला पानी हो।

हादिसः (حادثہ) अ. पुं.–दुर्घटना; सानिहः; नया वाक़िअः, नयी घटना; विपत्ति, मुसीबत।

हादिस (حادث) अ. वि.–नयी पैदा होनेवाली वस्तु; जो सदा से न हो, जो क़दीम न हो, माद्दः भूत।

हादिसए फ़ाजिअः (حادثہ فاجعہ) अ. पुं.–बहुत ही भयानक दुर्घटना, मृत्यु आदि की घटना।

हादी (حادی) अ. पुं.–सारबान, ऊँटवाला, उष्ट्रपाल।

हादी (هادی) अ. वि.–पथप्रदर्शक, रास्ता दिखानेवाला; नेता, लीडर।

हादी अशर (حادی عشر) अ. वि.–ग्यारहवाँ।

हाद्दः (حادہ) अ. वि.–तीव्र, प्रचंड, तेज़ (स्त्रीलिंग शब्दों के साथ)।

हानम (هانم) तु. स्त्री.–खानम, खातून, महोदया, श्रीमती।

हानिस (حانث) अ. वि.–शपथ तोड़नेवाला।

हानूत (حانوت) अ. स्त्री.–दुकान, पण्यशाला; शराब की दुकान।

हाफ़िज़ः (حافظہ) अ. पुं.–याददाश्त की क़ुव्वत, स्मरण शक्ति।

हाफ़िज़ (حافظ) अ. पुं.–जिसकी याददाश्त अच्छी हो; जिसे क़ुरान कंठ हो; रक्षक, बचानेवाला।

हाफ़िज़े क़ुर्आन (حافظ قرآن) अ. पुं.–जिसे पूरा क़ुरान ज़बानी याद हो।

हाफ़िज़े हक़ीक़ी (حافظ حقیقی) अ. पुं.–सच्ची रक्षा करनेवाला, अर्थात् ईश्वर।

हाफ़िदः (حافدہ) अ. स्त्री.–पोती, लड़के की लड़की; नवासी, लड़की की लड़की।

हाफ़िद (حافد) अ. वि.–मित्र, दोस्त; सेवक, खिदमी; पोता, लड़के का लड़का; नवासा, लड़की का लड़का।

हाफ़िर (حافر) अ. वि.–गढ़ा खोदनेवाला; कुआँ खोदनेवाला; घोड़े की टाप।

हाफ़ी (حافی) अ. वि.–नंगे पाँव फिरनेवाला; न्यायकर्ता, क़ाज़ी।

हाबित (هابط) अ. वि.–नीचे उतरनेवाला, ऊपर से नीचे आनेवाला।

हाबिसः (حابسه) अ. स्त्री.–रोकनेवाली, रोधिका।

हाबिस (حابس) अ. वि.–रोकनेवाला, रोधक; शरीर से रक्त आदि को निकलने से रोकनेवाली ओषधि।

हाबिसात (حابسات) अ. स्त्री.–हाबिसः का बहु., वह ओषधियाँ जो शरीर से निकलनेवाली धातुओं को रोकें।

हाबिसे इस्हाल (حابس اسهال) अ. वि.–दस्तों को रोकनेवाली ओषधि।

हाबिसे ख़ून (حابس خون) अ. फा. वि.–रक्त-प्रवाह को रोकनेवाली दवा, रक्तावरोधक।

हाबिसे तम्स (حابس طمث) अ. वि.–रजःस्राव को रोकनेवाली ओषधि।

हाबिसे दम (حابس دم) अ. वि.–रक्तावरोधक, ख़ून को निकलने से रोकनेवाली दवा।

हाबी (هابی) अ. स्त्री.–क़ब्र की मिट्टी।

हाबील (هابیل) अ. पुं.–आदम का पुत्र, जिसे क़ाबील ने मार डाला था।

हाम्र: (هامه) अ. स्त्री.–कपाल, खोपड़ी; ललाट, माथा; अपने गोत्र या जाति का नायक।

हाम (حام) अ. पुं.–नूह का एक लड़का।

हामान (هامان) अं. पुं.–फ़िरऔन का वज़ीर जो बड़ा अत्याचारी था।

हामिज़ (حامض) अ. वि.–खट्टा, अम्ल, तुरुश।

हामिद (هامد) अ. पुं.–सूखी घास; पुराना वस्त्र।

हामिज़ (هامز) अ. वि.–निंदा करनेवाला, आँख से संकेत करनेवाला।

हामिद (حامد) अ. वि.–प्रशंसक, तारीफ़ करनेवाला।

हामिलः (حامله) अ. स्त्री.–वह स्त्री जिसके पेट में बच्चा हो, गर्भिणी, अंतर्वत्नी, गुर्विणी, सगर्भा, आपन्नसत्त्वा, अंतर्वती, अंतःसत्त्वा, द्विहृदया, गर्भगुर्वी, गर्भवती; बोझ उठानेवाली।

हामिल (هامل) अ. पुं.–वह ऊँट जो बिना रखवाले के चरागाह में छोड़ दिया गया हो।

हामिल (حامل) अ. वि.–बोझ उठानेवाला; धारण करनेवाला, रखनेवाला।

हामिले अरीज़ः (حامل عریضه) अ.पुं.–चिट्ठी अपने पास रखनेवाला, जो किसी के पास अपने काम के लिए या किसी के लिए चिट्ठी ले जाय।

हामिले मत्न (حامل متن) अ. वि.–वह पुस्तक जिसमें टीका के साथ उसका मूल भी हो।

हामिले वही (حامل وحی) अ. पुं.–ईश्वरादेश ग्रहण करनेवाला, ईशदूत, पैग़ंबर।

हामिश (هامش) अ. पुं.–हाशिया, किनारा।

हामी (هامی) अ. वि.–चकित, निस्तब्ध, हैरान; आतुर, व्याकुल, परीशान।

हामी (حامی) अ. वि.–पक्षपाती, सहायक, मददगार; मित्र, दोस्त; पृष्ठ-पोषक, हिम्मत बढ़ानेवाला।

हामुन (هامن) फा. अ. पुं.–'हामून' का लघु., दे. 'हामून'।

हामूँ (هاموں) फा. पुं.–'हामून' का लघु., दे. 'हामून'।

हामूँगर्द (هاموں گرد) फा. वि.–जंगलों में मारा-मारा फिरनेवाला, वनभ्रमी।

हामूँनवर्द (هاموں نورد) फा. वि.–दे. 'हामूँगर्द'।

हामून (هامون) फा. पुं.–बड़ा मैदान; वन, जंगल; मरुभूमि, रेगिस्तान।

हामूम (هاموم) अ. पुं.–पिघली हुई चर्बी; ऊँट का कोहान।

हारः (حاره) फा. पुं.–किसी नगर या क़स्बे का महल्ला, टोला।

हार [र्र] (حار) अ. वि.–उष्ण, तप्त, गर्म; गर्म खासियत रखनेवाला स्वभाव या औषधि, उष्णवीर्य।

हार (هار) फा. पुं.–माला, फूलों या मोतियों आदि की माला।

हार (هار) अ. वि.–गिरा हुआ, नष्ट, ध्वस्त।

हार्रिज (هارج) अ. वि.–उपद्रवकारी, गड़बड़ी फैलानेवाला।

हारिज (حارج) अ. वि.–हानिकर, नुक़सान करनेवाला।

हारिब (هارب) अ. वि.–भागनेवाला, पलायक।

हारिश (هارش) फा. स्त्री.–अपने को बना-ठना दिखाने का शौक़।

हारिस (حارث) अ. पुं.–व्याघ्र, शेर; कृषीवल, कृषक, किसान।

हारिस (حارس) अ. वि.–संरक्षक, देख-रेख करनेवाला, निगहबान।

हारिस (حارص) अ. वि.–लोलुप, लोभी, लालची।

हारूँ (هاروں) अ. पुं.–'हारून' का लघु., दे. 'हारून'।

हारूत (هاروت) अ. पुं.–एक फ़िरिश्तः जिसके लिए कहा जाता है कि 'मारूत' के साथ बाबिल के कुएँ में बंद है और लोगों को जादू सिखाता है।

हारूतफ़न (هاروت فن) अ. फा. वि.–जादूगर, इंद्रजाली, मायावी, इंद्रजालिक।

हारूती (هاروتی) अ. वि.–जादू का काम, मायाकर्म, इंद्रजाल।

हारून (هارون) अ. पुं.—दूत, क़ासिद; राजदूत, सफ़ीर; संरक्षक, पासबान।

हारूनी (هارونی) अ. वि.—दूतकर्म, क़ासिदी; राजदूत का काम या पद, सिफ़ारत; रक्षा, हिफ़ाज़त।

हार: (حارہ) अ. वि.—गर्म, तप्त (स्त्रीलिंग वस्तु); खेती की ज़मीन, बोये हुए खेत।

हाल: (ہالہ) फ़ा. पुं.—चाँद या सूरज के गिर्द पड़नेवाला घेरा, मंडल, परिवेष।

हाल (حال) अ. पुं.—दशा, हालत; वृत्तांत, कैफ़ियत; वज्द, झूमना।

हालए माह (ہالۂ ماہ) फ़ा. पुं.—चंद्रमंडल, चंद्रबिंब, शशिमंडल।

हालए मेह्र (ہالۂ مہر) अ. पुं.—रविमंडल, रविबिंब, सूर्यमंडल।

हालए शम्स (ہالۂ شمس) फ़ा. अ. पुं.—दे. 'हालए मेह्र'।

हाल (حال) अ. पुं.—वृत्तांत, बयान; दशा, हालत; वर्तमान काल, ज़मानए हाल; समाचार, ख़बर।

हाल (ہال) फ़ा. पुं.—सफ़ेद इलाइची; सुख, चैन; नर्त, नाच; चौगान की गेंद।

हालगाह (ہالگاہ) फ़ा. स्त्री.—चौगान खेलने का मैदान।

हालत (حالت) अ. स्त्री.—दशा, अवस्था; वृत्तांत, हाल; घटना, वाक़िअ:; समाचार, ख़बर।

हालते इंतिज़ार (حالت انتظار) अ. स्त्री.—प्रतीक्षा की अवस्था, किसी के राह देखने की बेचैनी।

हालते नज़अ (حالت نزع) अ. स्त्री.—मरते समय की दशा, जांकनी, चंद्रा।

हालते मौजूद: (حالت موجودہ) अ. स्त्री.—आधुनिक अवस्था; उपस्थित अवस्था।

हालाँकि (حالانکہ) अ. फ़ा. अव्य.—यद्यपि, अगरचे।

हालात (حالات) अ. पुं.—'हालत' का बहु., हालतें, दशाएँ।

हालाते मौजूद: (حالات موجودہ) अ. पुं.—आजकल के समाचार ताज़ा ख़बरें; मौजूद: समय की सियासी हलचलें; उपस्थित समय की उथल-पुथल।

हालिक (حالک) अ. वि.—बहुत अधिक काला।

हालिक (ہالک) अ. वि.—प्राण लेनेवाला, घातक।

हालिब (حالب) अ. वि.—दूध दुहनेवाला, दोहक; रान की एक रग।

हालिय: (حالیہ) अ. वि.—आधुनिक, उपस्थित समय का; ताज़ा, नया।

हाली (حالی) अ. वि.—हाल का, आधुनिक; आभूषित, शृंगारित, ज़ेवर से आरास्त:।

हावन (هاون) फ़ा. पुं.—लकड़ी की ओखली, उलूखल; लोहे का दवा आदि कूटने का ओखली-जैसा पात्र।

हावनदस्त: (هاون دستہ) फ़ा. पुं.—लोहे की ओखली और कूटने का मूसल।

हाविय: (هاویہ) अ. पुं.—नरक का सातवाँ तल।

हावी (حاوی) अ. वि.—छाया हुआ, आच्छादित, जिसने किसी चीज़ को ढाँक लिया हो; जो अपनी चतुराई, शक्ति या छल से किसी पर क़ाबू रखता हो।

हावून (هاوون) अ. पुं.—दे. 'हावन'।

हाशःलिल्लाह (حاش للہ) अ. वा.—ख़ुदा ऐसा न करे, ऐसा कभी न हो, इस शब्द को 'हाशालिल्लाह' पढ़ना ग़लत है, जैसा अक्सर कमइल्म लोग बोलते या लिखते हैं।

हाशा (حاشا) अ. वि.—कदापि, हरगिज़; त्राहि, पनाह; पवित्रता, पाकी, ऐसे समय बोलते हैं जब किसी बात से अपनी बिलकुल ही अज्ञानता या निष्पक्षता प्रकट करनी होती है।

हाशा व कल्ला (حاشاوکلا) अ. वि.—कदापि नहीं, ज़रा भी नहीं, जब किसी (विशेषतः बुरी) बात से अपनी निष्पक्षता और बे तअल्लुक़ी ज़ाहिर करनी होती है तो कहते हैं।

हाशा सुम्म: हाशा (حاشاثم حاشا) अ. वि.—दे. 'हाशा व कल्ला'।

हाशिम (هاشم) अ. वि.—हज़रत मुहम्मद साहब के वंश-प्रवर्तक; पियाले में रोटी मलनेवाला।

हाशिमी (هاشمی) अ. वि.—'हाशिम' के वंशज।

हाशिय: (حاشیہ) अ. पुं.—चादर या सारी आदि के किनारे की गोंट या बेलबूटे, किनारा; किसी पुस्तक के नीचे दी हुई टीका-टिप्पणी।

हाशिय: नशीन (حاشیہ نشین) अ. फ़ा. वि.—दरबार आदि में मंडलाकार बैठनेवाले सभासद; किसी बड़े आदमी के पास उठने-बैठनेवाले मुसाहिब।

हाशिय:नशीनी (حاشیہ نشینی) स्त्री॰ दरबारदारी, किसी बड़े आदमी की सेवा में प्रायः उपस्थिति।

हाशिर (حاشر) अ. पुं.—हज़रत मुहम्मद साहब का एक नाम।

हासिद (حاسد) अ. वि.—हसद करनेवाला, डाही, ईर्ष्यालु, मत्सरी।

हासिदीन (حاسدین) अ. पु.—'हासिद' का बहु., डाह करनेवाले लोग, जलने और हसद करनेवाले।

हासिब (حاصب) अ. पुं.—वह आँधी जिसमें कंकड़ पत्थर हों; वह बादल जो ओले बरसाये।

हासिर (حاصر) अ. वि.—गिननेवाला, शुमार करनेवाला; निर्भर रहनेवाला, हस्र करनेवाला।

हासिर (حاسر) अ. वि.–पश्चात्ताप करनेवाला, हस्रत करनेवाला, अफ़सोस करनेवाला।

हासिल (حاصل) अ. वि.–प्राप्त, वुसूल; उपलब्ध, दस्तयाब; आय, आमदनी; राजस्व, ज़मीन की आमदनी; निष्कर्ष, नतीजा।

हासिलखेज़ (حاصل خیز) अ. फा. वि.–उर्वरा, उपजाऊ, जरख़ेज़।

हासिलवुसूल (حاصل وصول) अ. पुं.–लाभ, नफ़ा; परिणाम, नतीजा।

हासिलात (حاصلات) अ. स्त्री.–'हासिल' का बहु., गाँव की आमदनी, ज़मीनों और खेतों का लगान।

हासिले कलाम (حاصل کلام) अ. पुं.–बात का निचोड़, गुफ़्तगू का सार या निष्कर्ष।

हासिले क़िस्मत (حاصل قسمت) अ. पुं.–दे. 'हासिले तक़्सीम'।

हासिले जम्अ (حاصل جمع) अ. पुं.–जोड़, योगफल, मीज़ान।

हासिले ज़र्ब (حاصل ضرب) अ. पुं.–दो संख्याओं को परस्पर गुणा करने से प्राप्त संख्या, घात, गुणनफल।

हासिले तक़्सीम (حاصل تقسیم) अ. पुं.–बड़ी संख्या को छोटी संख्या में भाग देने से प्राप्त संख्या, लब्धांक, भजनफल, भागफल, लब्धि।

हासिले तफ़्रीक़ (حاصل تفریق) अ. पुं.–बड़े अदद में से छोटे अदद को घटाने से प्राप्त अदद, शेष।

हासिले बाज़ार (حاصل بازار) अ. फा. पुं.–बाज़ार की आमदनी।

हासिले मत्लब (حاصل مطلب) अ. पुं.–सारांश, ख़ुलासा; निष्कर्ष, नतीजा।

हि

हिंत: (حنطہ) अ. पुं.–गेहूँ, गोधूम।

हिंद (ہند). फा. पुं.–भारत, हिंदुस्तान।

हिंदबा (ہندبا) फा. स्त्री.–कासनी, एक वनौषधि जो दवा के काम आती है।

हिंदस: (ہندسہ) अ. पुं.–संख्या, अदद; गणित, रियाज़ी।

हिंदस:दाँ (ہندسہ داں) अ. फा. वि.–रियाज़ी का माहिर, गणितज्ञ।

हिंदस:दानी (ہندسہ دانی) अ.फा. स्त्री.–रियाज़ी जानना, गणितज्ञता।

हिंदी (ہندی) फा. स्त्री.–देवनागरी भाषा, नागरी, (पुं.) भारत का निवासी, हिंदुस्तानी।

हिंदीज़बाँ (ہندی زباں) फा. वि.–हिंदीभाषा-भाषी, जिसकी मातृभाषा हिंदी हो।

हिंदीदाँ (ہندی داں) फा.वि.–हिंदी भाषा जाननेवाला, जो हिंदी लिखना-पढ़ना जानता हो।

हिंदीदानी (ہندی دانی) फा. स्त्री.–हिंदी लिखना-पढ़ना जानना।

हिंदी नज़ाद (ہندی نژاد) फा. वि.–जो व्यक्ति हिंदुस्तान में पैदा हुआ हो, हिंदी, भारतीय।

हिंदुआन: (ہندوانہ) फा. पुं.–तरबूज़, कलींदा, मांसफल, चित्रफल, फलराज।

हिंदुस्ताँ (ہندستاں) फा. पुं.–'हिंदुस्तान' का लघु., दे. 'हिंदुस्तान'।

हिंदुस्तान (ہندستان) फा. पुं.–भारत, भारतवर्ष, इंडिया, हिंद।

हिंदुस्तानी (ہندستانی) फा. पुं.–भारत का निवासी, भारतीय, (स्त्री.) हिंदुस्तान की भाषा, एक भाषा जो हिंदी-उर्दू के मिश्रण से बनी है।

हिंदू (ہندو) फा. पुं.–हिंदुस्तान का वह व्यक्ति जो मूर्ति-पूजा करता और वैदिक धर्मावलंबी है।

हिंदुए चर्ख़ (ہندوے چرخ) फा. पुं.–शनि ग्रह, ज़ुहल।

हिंदूए चश्म (ہندوے چشم) फा. पुं.–आँख की पुतली, कनीनी।

हिंदूए फ़लक (ہندوے فلک) फा. अ. पुं.–दे. 'हि. चर्ख़'।

हिंदू कश (ہندو کش) फा. पुं.–एक पहाड़।

हिंदूकोह (ہندو کوہ) फा. पुं.–दे. 'हिंदूकश'।

हिंदूज़न (ہندوزن) फा. स्त्री.–हिंदू स्त्री जो पतिव्रता और साध्वी होती और अपने धर्म कर्त्तव्य का पालन करने की चेष्टा करती है।

हिंदूज़ाद: (ہندو زادہ) फा. पुं.–हिंदू का लड़का।

हिंदूमज़्हब (ہندو مذہب) फा. अ. वि.–हिंदूधर्म रखनेवाला।

हिंदोस्ताँ (ہندوستاں) फा. पुं.–हिंदोस्तान का लघु., दे. 'हिंदोस्तान'।

हिंदोस्ताँज़ाद (ہندوستاں زادہ) फा. पुं.–हिंदुस्तान में पैदा होनेवाला, हिंदुस्तानी।

हिंदोस्तान (ہندوستان) फा. पुं.–भारत, हिंदुस्तान।

हिंदोस्तानी (ہندوستانی) फा. पुं.–भारतीय, हिंदुस्तानी, (स्त्री.) एक भाषा हिंदुस्तानी।

हिकम (حکم) अ. स्त्री.–'हिक्मत' का बहु., हिक्मतें, ज्ञान की बातें।

हिकायत (حکایت) अ. स्त्री.—कथा, कहानी; वार्ता, बात; वृत्तांत, हाल।

हिकायतगर (حکایت‌گر) अ. फा. वि.—कहानी कहनेवाला, क़िस्सा सुनानेवाला; वृत्तांत बतानेवाला, हाल कहनेवाला।

हिकायतन (حکایتاً) अ. वि.—कहानी के तौर पर, सुनी-सुनायी बात के रूप में।

हिक्कः (حکّہ) अ. स्त्री.—खुजली, खर्जू, कंडू।

हिक्द (حقد) अ. पुं.—द्वेष, कीना, गुबार; शत्रुता, वैर, दुश्मनी।

हिक्मत (حکمت) अ. स्त्री.—विज्ञान, साइंस; आयुर्वेद, तिब; बुद्धिमत्ता, दानाई; युक्ति, तर्कीब।

हिक्मतआईन (حکمت‌آئین) अ. फा. वि.—हिकमत और युक्ति से पूर्ण, बुद्धि और विवेक से पूर्ण।

हिक्मतआगीं (حکمت‌آگیں) अ. फा. वि.—दे. 'हिकमत-आईन'।

हिक्मतआमेज़ (حکمت‌آمیز) अ. फा. वि.—युक्तिपूर्ण, बुद्धिपूर्ण, दानाई और तदब्बुर से भरा हुआ।

हिक्मतआमोज़ (حکمت‌آموز) अ. फा. वि.—बुद्धि और मनीषा सिखानेवाला।

हिक्मतआरा (حکمت‌آرا) अ. फा. वि.—बुद्धिमान्, विवेकी, मनीषी, दाना।

हिक्मते अमली (حکمت عملی) अ. स्त्री.—कूटनीति, पालिसी।

हिक्मते इलाही (حکمت الٰہی) अ. स्त्री.—ईश्वरेच्छा, खुदा की मर्ज़ी।

हिक्मते बालिग़ः (حکمت بالغہ) अ. स्त्री.—बहुत बड़ी हिकमत, पूरी चतुराई और बुद्धिमत्ता।

हिकमते मुदनी (حکمت مدنی) अ. स्त्री.—नगर का प्रबंध, परस्पर रहन-सहन के उसूल।

हिज़ब्र (ہزبر) अ. पुं.—व्याघ्र, सिंह, शेर।

हिजा (ہجا) अ. स्त्री.—निंदा, अपवाद, अपकीर्ति, बुराई; अक्षरों का मात्राओं के साथ उच्चारण।

हिज़ाअ (ہزاع) अ. पुं.—दुर्बल और अशक्त व्यक्ति; उदासीन, खिन्न, बददिल।

हिजाज़ (حجاز) अ. पुं.—अरब का वह प्रदेश जिसमें मक्का और मदीना है।

हिजाब (حجاب) अ. पुं.—आड़, पर्दा, ओट; लज्जा, लाज, शर्म; संकोच, झिझक, हिचकिचाहट।

हिजाबत (حجابت) अ. स्त्री.—द्वारपाल का काम, ड्योढ़ीदारी।

हिजामत (حجامت) अ. स्त्री.—पछने या सिंघी लगवाना; पछने या सिंघी लगाना।

हिजारः (حجارہ) अ. पुं.—पत्थर, प्रस्तर, पाषाण।

हिज़ार (حذار) अ. पुं.—भय, त्रास, डर।

हिजाल (حجال) अ. पुं.—'हजलः' का बहु., दुल्हनों के कमरे, दुल्हनों की सेजें।

हिज्जः (حجّہ) अ. पुं.—वर्ष, साल; एक बार हज करना।

हिज्जीर (ہجّیر) अ. स्त्री.—स्वभाव, प्रकृति, आदत।

हिज़्ब (حزب) अ. पुं.—पक्ष, दल, पार्टी, जमाअत, गुरोह।

हिज़्बुल अह्रार (حزب الاحرار) अ. पुं.—आज़ाद मेम्बरों की पार्टी, लेबल पार्टी, स्वतंत्र दल।

हिज़्बुल इक्तिदार (حزب الاقتدار) अ. पुं.—शासन-पक्ष, हुकूमत की पार्टी।

हिज़्बुलइख़्तियार (حزب الاختیار) अ. पुं.—दे. 'हिज़्बुल-इक्तिदार'।

हिज़्बुलइख़्तिलाफ़ (حزب الاختلاف) अ. पुं.—मुख़ालिफ़ मेम्बरों की पार्टी, विरोधी दल।

हिज़्बुलउम्माल (حزب العمال) अ. पुं.—मज़दूरों की पार्टी, लेबरपार्टी, श्रमिकदल।

हिज़्बुलमुस्तबिद्दीन (حزب المستبدین) अ. पुं.—कंज़र-वेटिव पार्टी, अनुदार दल।

हिज़्बुल्लाह (حزب اللہ) अ. पुं.—महात्माओं की जमाअत।

हिज़्बे इक्तिदार (حزب اقتدار) अ. पुं.—दे. 'हिज़्बुल-इक्तिदार'।

हिज़्बे इख़्तिलाफ़ (حزب اختلاف) अ. पुं.—विरोधी पक्ष, ख़िलाफ़ पार्टी।

हिज़्बे मुवाफ़िक़ (حزب موافق) अ.पुं.—सहपक्ष, एकपक्षीय।

हिज़्बे मुख़ालिफ़ (حزب مخالف) अ. पुं.—विरोधी पक्ष, मुख़ालिफ़ पार्टी, विपक्ष।

हिज्र (ہجر) अ. पुं.—वियोग, विरह, जुदाई, फ़िराक़।

हिज्रत (ہجرت) अ. स्त्री.—देश की जुदाई, वतन छोड़ना, परदेस में बसना, प्रवास।

हिज्रनसीब (ہجرنصیب) अ. वि.—जिसकी क़िस्मत में वियोग ही वियोग हो।

हिज्राँ (ہجراں) अ. फा. पुं.—हिज्र, वियोग, जुदाई।

हिज्राँज़दः (ہجراں‌زدہ) अ. फा. वि.—वियोग का सताया हुआ, विरहग्रस्त।

हिज्राँदीदः (ہجراں‌دیدہ) अ. फा. वि.—जिसने विरह का दुःख देखा और सहा हो।

हिज्राँनसीब (ہجراں‌نصیب) अ. वि.—जिसके भाग्य में सदा ही विरहग्रस्त होना लिखा हो।

हिज्री (هجری) अ. वि.–हिज्रतवाला; इस्लामी संवत्सर जो हज्रत मुहम्मद साहिब की हिज्रत से प्रारंभ होता है।

हिज़्लाज (هزلاج) अ. पुं.–वृक, भेड़िया, (वि.) फुर्तीला, चुस्त।

हिदायत (ہدایت) अ. स्त्री.–शिक्षा, सीख; आदेश हुक्म; अमुक कार्य में ऐसा-ऐसा करना है, यह सूक्ष्म निदेश, अनुदेश; सन्मार्ग दिखाना, रहनुमाई करना; गुरुदीक्षा, पीर की तल्क़ीन।

हिदायतआमेज़ (ہدایت آمیز) अ. फा. वि.–हिदायतों से भरा हुआ, शिक्षापूर्ण।

हिदायतआमोज़ (ہدایت آموز) अ. फा. वि.–हिदायतें सिखानेवाला, सीख देनेवाला।

हिदायतकार (ہدایت کار) अ. फा. वि.–हिदायत देनेवाला, निर्देशक, अनुदेशक, निर्देष्टा।

हिदायतनामः (ہدایت نامہ) अ. फा. पुं.–वह पत्र जिसमें हिदायतों का विवरण हो, अनुदेशपत्र।

हिद्दत (حدت) अ. स्त्री.–तीव्रता, उग्रता, तेज़ी; उष्णता, गर्मी, हरारत; क्रोध, गुस्सा; प्रकोप, शरीर की धातु में तीव्रता।

हिद्दते मिज़ाज (حدت مزاج) अ. स्त्री.–स्वभाव में क्रोध होना, मिज़ाज में गुस्सा होना।

हिद्दते सफ़्रा (حدت صفرا) अ. स्त्री.–पित्त का प्रकोप, सफ़्रे की तेज़ी।

हिना (حنا) फा. स्त्री.–एक पत्ती जिससे हाथ-पाँव रँगे जाते हैं, रक्तगर्भा, रक्त रंगा, मेंहदी।

हिनाई (حنائی) अ. वि.–मेंहदी लगा हुआ, मेंहदी लगाकर लाल किया हुआ।

हिनाबंद (حنابند) फा. वि.–मेंहदी लगानेवाला।

हिनाबंदी (حنابندی) फा. स्त्री.–मेंहदी लगाना।

हिनाबस्तः (حنابستہ) फा. वि.–मेंहदी लगा हुआ, हाथ या पाँव जिसमें मेंहदी लगी हो।

हिफ़ाज़त (حفاظت) अ. स्त्री.–रक्षा, बचाव; देख-रेख, निरीक्षण; सतर्कता, होशियारी, सावधानी।

हिफ़ाज़ती (حفاظتی) अ. वि.–जो रक्षा के लिए हो, जैसे—'हिफ़ाज़ती दस्तः'।

हिफ़ाज़ते ख़ुदइख़्तियारी (حفاظت خوداختیاری) अ. फा. स्त्री.–आत्मरक्षा।

हिफ़ाज़ते जानोमाल (حفاظت جان ومال) अ. फा. स्त्री.–प्राण अथवा धन की रक्षा, पूरी रक्षा।

हिफ़ावत (حفاوت) अ. स्त्री.–अनुकंपा, दया, मेहरबानी; हर्ष, प्रसन्नता, ख़ुशी, दे. 'ह़फ़ावत' दोनों शुद्ध हैं।

हिफ़्ज़ (حفظ) अ. पुं.–रक्षा, हिफाज़त; कंठ, मुखाग्र, बरज़बाँ।

हिफ़्ज़ान (حفظان) अ. पुं.–रक्षा, हिफाज़त, संरक्षण।

हिफ़्ज़ाने सेहत (حفظان صحت) अ. पुं.–तन्दुरुस्ती की हिफाज़त, स्वास्थ्य-रक्षा; सेहत का महकमा, स्वास्थ्य-विभाग।

हिफ़्ज़े अम्न (حفظ امن) अ. पुं.–अम्न की हिफ़ाज़त, शान्तिरक्षा।

हिफ़्ज़े मरातिब (حفظ مراتب) अ. पुं.–हैसियत और दर्ज का लिहाज़।

हिफ़्ज़े मातक़द्दुम (حفظ ماتقدم) अ. पुं.–अनिष्ट से बचने के लिए पहले से किया जानेवाला उपाय।

हिफ़्ज़े शबाब (حفظ شباب) अ. पुं.–जवानी की हिफ़ाज़त, यौवनरक्षा।

हिबः (ہبہ) अ. पुं.–दान, अनुदान, बख़्शिश; पुरस्कार, पारितोषिक, इनआम।

हिबःकुनिंदः (ہبہ کنندہ) अ. फा. वि.–दान करनेवाला, अनुदाता; पुरस्कारदाता, इनआम में कोई चीज़ लिखनेवाला।

हिबःनामः (ہبہ نامہ) अ. फा. पुं.–दानपत्र, बख़्शिशनामा।

हिमम (ہمم) अ. स्त्री.–'हिम्मत' का बहु., हिम्मतें, उदारताएँ।

हिमायत (حمایت) अ. स्त्री.–पक्षपात, तरफ़दारी; सहायता, मदद; पृष्ठ पोषण, थपकी, पीठ ठोंककर हिम्मत बढ़ाना; मैत्री, दोस्ती।

हिमायतगर (حمایت گر) अ. फा. वि.–पक्षपाती, तरफ़दार; सहायक, मददगार; पृष्ठपोषक, थपकी देनेवाला।

हिमायती (حمایتی) अ. वि.–पक्षपाती; सहायक; पृष्ठपोषक; मित्र।

हिमारः (حمارہ) अ. स्त्री.–गर्दभी, रासभी, गधी, मादा ख़र।

हिमार (حمار) अ. पुं.–गर्दभ, रासभ, वासत, गधा, ख़र।

हिम्मत (ہمت) अ. स्त्री.–साहस, जुर्अत; उत्साह, हौसला; धृष्टता, ढीठपन।

हिम्मतअफ़्ज़ा (ہمت افزا) अ. फा. वि.–हौसला बढ़ानेवाला, प्रोत्साहन देनेवाला।

हिम्मतअफ़्ज़ाई (ہمت افزائی) अ. फा.—हौसला बढ़ाना, प्रोत्साहन देना।

हिम्मतवर (ہمت ور) अ. फा. स्त्री.–हिम्मतवाला, साहसी, उत्साही।

हिम्मतवरी (ہمت وری) अ. फा. स्त्री.–हिम्मती होना, साहसी होना।

हिम्मतशिकन (ہمت شکن) अ. फा. वि.–हौसला तोड़नेवाला, उत्साह भंग करनेवाला।

हिम्मतशिकनी (ہمت‌شکنی) अ. फ़ा. स्त्री.—हौसला तोड़ना, उत्साहभेदन।

हिम्मिस (حمص) अ. पुं.—चना, चणक, एक प्रसिद्ध अन्न।

हियल (حیل) अ. पुं.—'हील:' का बहु. हीले, बहाने, छल।

हियातत (حیاطت) अ. स्त्री.—संरक्षण, निगहबानी, चौकसी; सावधानी, सतर्कता, एहतियात।

हिरक़्ल (ہرقل) अ. पुं.—प्राचीन रोम के शासकों की उपाधि।

हिरा (حرا) अ. पुं.—मक्के के पास एक पहाड़ जिसमें हज़्रत मुहम्मद साहब ईश्वर का ध्यान किया करते थे।

हिरात (ہرات) फ़ा. पुं.—अफ़ग़ानिस्तान का एक नगर।

हिरावल (ہراول) तु. पुं.—सेना का वह भाग जो आगे चलता है, सेनाग्र।

हिरास: (ہراسہ) फ़ा. पुं.—वह कृत्रिम मनुष्य जो खेत आदि में जंगली जानवरों को डराने के लिए बना देते हैं।

हिरास (ہراس) फ़ा. पुं.—भय, त्रास, डर; शंका, आशंका, खता; निराशा, नाउम्मेदी।

हिरास आमेज़ (ہراس آمیز) फ़ा. वि.—निराशापूर्ण, नाउम्मीदान:; भयपूर्ण, ख़ौफ़ से भरा हुआ।

हिरासत (حراست) अ. स्त्री.—निरीक्षण, निगरानी; ऐसी निगरानी जिसमें आदमी कहीं जा-आ न सके, न किसी से बात कर सके, न खुला रह सके, हवालात।

हिरासत (حراثت) अ. स्त्री.—खेतीबाड़ी कृषिकर्म, काश्तकारी।

हिरासती (حراستی) अ. वि.—हिरासत में लिया हुआ।

हिरासाँ (ہراساں) फ़ा. वि.—भयभीत, डरा हुआ, ख़ाइफ़; निराश, हताश, नाउम्मेद।

हिरासिंद: (ہراسندہ) फ़ा. वि.—डरानेवाला, ख़ौफ़ दिलानेवाला।

हिरासीद: (ہراسیدہ) फ़ा. वि.—डराया हुआ, भयभीत किया हुआ।

हिरिक़्ल (ہرقل) अ. पुं.—दे. 'हिरक़्ल' दोनों शुद्ध हैं।

हिर्ज़ (حرز) अ. पुं.—ता'वीज़, रक्षा-कवच; दृढ़ स्थान, मज़्बूत जगह।

हिर्ज़ून (حرزون) अ. स्त्री.—छिपकली, गोधिका, गृहगोधा, अजरा।

हिर्ज़े जाँ (حرزجاں) अ.फ़ा. पुं.—प्राणों की रक्षा का कवच; बहुत ही प्रिय वस्तु।

हिर्दी (ہردی) फ़ा. स्त्री.—हल्दी, हरिद्रा, ज़र्दचोब:।

हिर्फ़: (حرفہ) अ. पुं.—उद्यम, रोज़गार; व्यवसाय, पेशा।

हिर्फ़त (حرفت) अ. स्त्री.—उद्यम, रोज़गार; व्यवसाय, पेशा; शिल्प, दस्तकारी; धूर्तता, चालाकी; छल, फ़रेब।

हिर्फ़ती (حرفتی) उ. वि.—उद्यम सम्बन्धी; धूर्त, वंचक, ठग।

हिर्बा (حربا) फ़ा. पुं.—गिरगिट, कृकलास, सरट, कुलाहक।

हिर्म (حرم) अ. वि.—वह पदार्थ जिसका खान-पान धर्म में वर्जित हो।

हिर्माँ (حرماں) अ. पुं.—निराशा, नैराश्य, नाउम्मेदी; दुर्भाग्य, बदक़िस्मती।

हिर्मांज़द: (حرماں زدہ) अ. फ़ा. वि.—निराशाग्रस्त, नाउम्मीद; अभागा, बदनसीब।

हिर्मांनसीब (حرماں نصیب) अ. वि.—जिसके भाग्य में निराशा ही निराशा हो।

हिर्मांपसन्द (حرماں پسند) अ. फ़ा. वि.—जिसको निराशा ही जीवन हो, निराशावादी।

हिर्मास (ہرماس) अ. पुं.—व्याघ्र, केसरी, सिंह, शेर।

हिर्र: (ہرہ) अ. स्त्री.—मार्जारी, बिल्ली।

हिरीफ़ (حریف) अ. वि.—जिसका स्वाद चरपरा हो।

हिर्स (حرص) अ. स्त्री.—लोभ, लिप्सा, लालच, हवस।

हिर्सो आज़ (حرص وآز) अ. फ़ा. स्त्री.—लोभ और लालच, लालच की प्यास।

हिर्सो हवस (حرص وہوس) अ. फ़ा. स्त्री.—दे. 'हिर्सो आज़'।

हिर्सो हवा (حرص وہوا) अ. फ़ा. स्त्री.—लोभ और लालच, बढ़ी हुई हिर्स।

हिलाल (ہلال) अ. पुं.—नवचन्द्र, नया चाँद, बालेंदु, बालचंद्र।

हिलालनुमा (ہلال نما) अ. फ़ा. वि.—नये चाँद के आकार का।

हिलाली (ہلالی) अ. वि.—नये चाँद-जैसा, नव चंद्राकार; टेढ़ा, वक्र, ख़मीद:।

हिलाले ईद (ہلال عید) अ. पुं.—ईद का चाँद।

हिलाले नौ (ہلال نو) अ. फ़ा. पुं.—नया चाँद, नवचंद्र, बालेंदु।

हिल्तीत (حلتیت) अ. स्त्री.—हींग, एक प्रसिद्ध गोंद, हिंगु।

हिल्म (حلم) अ. पुं.—गंभीरता, धीरता, शान्ति, मतानत; सहिष्णुता, सहनशीलता, तहम्मुल।

हिल्मशिआर (حلم شعار) अ. वि.—गंभीर, धीर, शान्त, मतीन; सहिष्णु, सहनशील, बुर्दबार।

हिल्य: (حلیہ) अ. पुं.—मुखाकृति, चेहरा; नखशिख, सरापा; आभूषण, ज़ेवर।

हिल्यून (ہلیون) अ. पुं.—एक दाने जो दवा में काम आते हैं।

हिल्ल: (حلہ) अ. पुं.—स्थान, जगह; गंतव्य, मंज़िल; सभा, मज्लिस।

हिल्लत (حلت) अ. स्त्री.—खान-पान का धर्म के अनुसार ठीक होना, विहित होना, हलाल होना।

हिल्लतो हुर्मत (حلت و حرمت) अ. स्त्री.–धर्म के अनुकूल या धर्म के प्रतिकूल होना, विहित या वर्जित होना, हरामो हलाल।

हिल्स (حلس) अ. पुं.–मोटी कमली, मोटा धुस्सा।

हिश्तः (هشته) फा. वि.–छोड़ा हुआ।

हिश्तनी (هشتنی) फा. वि.–छोड़ने योग्य।

हिश्फ़ (حشف) अ. स्त्री.–आहट, सुक सुक।

हिश्मत (حشمت) अ. स्त्री.–आतंक, रोब; तेज, प्रताप, इक़्बाल; लज्जा, शर्म; श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी; क्रोध।

हिस [स्स] (حس) अ. स्त्री.–संवेदन, अनुभव, एहसास; संवेदन शक्ति, क़ुव्वते हिस।

हिसस (حصص) अ. पुं.–'हिस्सः' का बहु, हिस्से, टुकड़े, खंड, अंश।

हिसान (حصان) अ. पुं.–अश्व, घोड़ा; साँड़ घोड़ा।

हिसानत (حصانت) अ. स्त्री.–दृढ़ता, पुष्टि, पाइदारी, मज़बूती।

हिसाब (حساب) अ. पुं.–गणना, शुमार; गणित, रियाज़ी; लेन-देन, व्यवहार; दर, शर्ह, निर्ख़; दी जाने या ली जानेवाली रक़म; क़ियामत के दिन नेकी-बदी का हिसाब।

हिसाबदाँ (حساب‌داں) अ. फा. वि.–गणितज्ञ, रियाज़ीदाँ, हिसाब जाननेवाला।

हिसाबदानी (حساب‌دانی) अ. फा. स्त्री.–गणितज्ञता, रियाज़ी जानना।

हिसाबफ़ह्मी (حساب‌فہمی) अ. फा. स्त्री.–लेन-देन का परस्पर हिसाब समझना।

हिसाबी (حسابی) अ. वि.–हिसाब सम्बन्धी; हिसाब का अच्छा जाननेवाला।

हिसाबे दोस्ताँ (حساب دوستاں) अ. फा. पुं.–मित्रों का हिसाब, जिसमें कमी-बढ़ी का सवाल नहीं होता।

हिसाबो किताब (حساب و کتاب) अ. पुं.–लेन-देन का हिसाब, बहीखाते का हिसाब।

हिसार (حصار) अ. पुं.–परिधि, घेरा, इहाता; दुर्ग, गढ़, क़िला; मंत्र द्वारा बनाया हुआ वह घेरा जिसमें कोई आपत्ति प्रवेश नहीं कर सकती, कुंडली, चक्र।

हिसारबन्द (حصاربند) अ. फा. वि.–जो क़िले में बंद होकर बैठ जाय; वह व्यक्ति जो मंत्र द्वारा बनाये हुए कुंडल में आपत्तियों से सुरक्षित बैठा हो।

हिसारबंदी (حصاربندی) अ. फा. स्त्री.–क़िले में बंद होकर बैठ जाना; कुंडली में बैठना।

हिसारे आफ़ियत (حصار عافیت) अ. पुं.–रक्षा का स्थान, जहाँ कोई जान जोखिम न हो।

हिसेब (حسیب) फा. पुं.–'हिसाब' का इमालः, दे. 'हिसाब'।

हिस्न (حصن) अ. पुं.–रक्षास्थान, बचाव की जगह; दुर्ग, गढ़, क़िला।

हिस्ने मुअल्लक़ (حصن معلق) अ. पुं.–आकाश, अंबर, आस्मान।

हिस्ने हसीन (حصن حصین) अ. पुं.–ऐसा दुर्ग जो न तो जीता जा सके, न टूट सके, न उसमें शत्रु प्रवेश कर सके, बहुत ही दृढ़ और मज़्बूत क़िला या रक्षास्थान।

हिस्रिम (حصرم) अ. पुं.–कच्चे अंगूरों का गुच्छा।

हिस्सः (حصه) अ. पुं.–खंड, भाग, टुकड़ा; व्यवसाय में साझे का भाग, अंश; बाँट में आनेवाला भाग; कथा, मीलाद या ब्याह-शादी के अवसर पर मिलनेवाली मिठाई आदि।

हिस्सःकशी (حصه‌کشی) अ. फा. स्त्री.–हिस्से लगाना, भाग करना; हिस्सों के हिसाब से बाँटना।

हिस्सःख़्वाह (حصه‌خواه) अ. फा. वि.–अपना भाग चाहनेवाला।

हिस्सःदार (حصه‌دار) अ. फा. वि.–जो हिस्सा पाने का अधिकारी हो; जो हिस्से का मालिक हो, अंशी, साझी।

हिस्सःदारी (حصه‌داری) अ. फा. स्त्री.–साझा, भागीदारी।

हिस्सःबख़्रः (حصه‌بخره) अ. पुं.–टुकड़बाँट, टुकड़े-टुकड़े करके बाँटना।

हिस्सए मुसावी (حصۂ مساوی) अ. पुं.–बराबर का भाग, समानांश, समांश।

हिस्सए रसदी (حصۂ رسدی) अ. पुं.–जिसको जितना चाहिए उसके हिसाब से हिस्सा, यथांश।

हिस्सी (حسی) अ. वि.–इंद्रिय-सम्बन्धी।

हिस्सीयात (حسیات) अ. स्त्री.–इंद्रिय से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तुएँ।

हिस्से ज़ाहिरी (حس ظاهری) अ. स्त्री.–बाह्येंद्रिय।

हिस्से बातिनी (حس باطنی) अ. स्त्री.–अंतरिंद्रिय।

हिस्से मुश्तरक (حس مشترک) अ. स्त्री.–वह शक्ति जिसके द्वारा सारी इंद्रियाँ (बाहरी इंद्रियाँ) अपना अपना काम करतीं और उससे शक्ति प्राप्त करती हैं।

हिस्सोहरकत (حس و حرکت) अ. स्त्री.–गति और संवदन, एहसास और हरकत, चलना-फिरना, हिलना-डुलना।

ही

हीज़ (هیز) फा. वि.–क्लीब, नपुंसक, नामर्द।

हीतः (حیطه) अ. पुं.–परिधि, घेरा, इहाता; सीमा, हद।

हीतए इक़्तिदार (حيطۂ اقتدار) अ. पुं.—सत्ता और प्रभुत्व की सीमा।

हीतए इख़्तियार (حيطۂ اختيار) अ. पुं.—अधिकार की सीमा।

हीतए क़ुद्रत (حيطۂ قدرت) अ. पुं.—सामर्थ्य और शक्ति की सीमा।

हीतान (حيطان) अ. पुं.—'हाइत' का बहु., दीवारें।

हीतान (حيتان) अ. स्त्री.—'हूत' का बहु., मछलियाँ।

हीन (حين) अ. अव्य.—समय, काल, वक़्त।

हीनहयात (حين حيات) अ. वि.—आजीवन, यावज्जीवन, आजन्म, ज़िंदगीभर, जीतेजी।

हीमिया (هيميا) अ. स्त्री.—इंद्रजाल, मायाकर्म, तिलिस्म, जादू।

हीमियागर (هيمياگر) अ. फा वि.—दे. 'हीमियादाँ'।

हीमियादाँ (هيميادان) अ. फा. वि.—इल्मे तिलिस्म जाननेवाला, ऐंद्रजालिक, मायावी।

हीरियः (هيريه) अ. स्त्री.—बफा, सर की भूसी।

हील: (حيله) अ. पुं.—छल, कपट, मक्र, फ़रेब; मिष, व्याज, बहाना; मिथ्या, अनर्थ, झूठ; टरकाना, आजकल करना।

हील:कार (حيله‌كار) अ. फा. वि.—दे. 'हील:गर'।

हील:कारी (حيله‌كارى) अ. फा. स्त्री.—दे. 'हील:गरी'।

हील:गर (حيله‌گر) अ. फा. वि.—बहाने बनानेवाला, चालबाज़; धोखेबाज़, छली।

हील:गरी (حيله‌گرى) अ. फा. स्त्री.—चालबाज़ी, बहानेबनाना; धोखाबाज़ी, छल।

हील:तराश (حيله‌تراش) अ. फा. वि.—नये-नये बहाने गढ़नेवाला।

हील:तराशी (حيله‌تراشى) अ. फा. स्त्री.—नये-नये बहाने गढ़ना।

हील:पर्वर (حيله‌پرور) अ. फा. वि.—दे. 'हील:गर'।

हील:पर्वरी (حيله‌پرورى) अ. फा. स्त्री.—दे. 'हील:गरी'।

हील:पसंद (حيله‌پسند) अ. फा. वि.—जिसे बहानाबाज़ी अच्छी लगती हो।

हील:पसंदी (حيله‌پسندى) अ. फा. स्त्री.—बहानाबाज़ी अच्छी लगना।

हील:बाज़ (حيله‌باز) अ. फा. वि.—दे. 'हील:गर'।

हील:बाज़ी (حيله‌بازى) अ. फा. स्त्री.—दे. 'हील:गरी'।

हील:शिआर (حيله‌شعار) अ. वि.—जिसका काम ही बहाने बनाना हो।

हील:शिआरी (حيله‌شعارى) अ. स्त्री.—बहाने बनाने की प्रकृति।

हील:साज़ (حيله‌ساز) अ. फा. वि.—दे. 'हील:गर'।

हील:साज़ी (حيله‌سازى) अ. फा. स्त्री.—दे. 'हील:गरी'।

हील:सामाँ (حيله‌سامان) अ. फा. वि.—दे. 'हील:गर'।

हील: सामानी (حيله‌سامانى) अ. फा. स्त्री.—दे. 'हील:गरी'।

हील (هيل) फा. स्त्री.—इलाइची।

हीलाज (هيلاج) अ. पुं.—जन्मपत्री, जन्मकुंडली, ज़ाइचा।

हीले कलाँ (هيل كلاں) फा. स्त्री.—बड़ी इलाइची।

हीले ख़ुर्द (هيل خرد) फा. स्त्री.—छोटी इलाइची।

हीले सफ़ेद (هيل سفيد) फा. स्त्री.—छोटी इलाइची।

हु

हुकमा (حكما) अ. पुं.—'हकीम' का बहु., वैज्ञानिकजन, फ़लसफ़ी; हकीम लोग, वैद्य लोग।

हुकमाए वक़्त (حكماۓ وقت) अ. पुं.—किसी समय में उस समय के वैज्ञानिक लोग या वैद्य लोग।

हुक़ूक़ (حقوق) अ. पुं.—'हक़' का बहु., अधिकार समूह।

हुक़ूक़े इंसानियत (حقوق انسانيت) अ. पुं.—वह अधिकार जो मानवजाति को प्राप्त हैं; वह अधिकार जो दूसरे जीवधारियों के मानवजाति पर हैं।

हुक़ूक़े ज़ौजीयत (حقوق زوجيت) अ. पुं.—वह अधिकार जो पत्नी को पति पर प्राप्त हैं।

हुक़ूक़े निस्वानी (حقوق نسوانى) अ. पुं.—वह अधिकार जो स्त्री वर्ग को मनुष्यों पर प्राप्त हैं।

हुक़ूक़े शह्रीयत (حقوق شهريت) अ. फा. पुं.—वह अधिकार जो नगरवासियों को प्राप्त हैं, नागरिकता।

हुक़ूक़े शौहरीयत (حقوق شوهريت) अ. फा. पुं.—वह अधिकार जो पति को पत्नी पर प्राप्त हैं।

हुकूमत (حكومت) अ. स्त्री.—शासन, सत्ता, राज; राज्य, राष्ट्र, सल्तनत; अत्याचार, ज़ुल्म, ज़बरदस्ती; सरकार, राज।

हुकूमते आईनी (حكومت آئينى) अ. स्त्री.—वह राज जो विधान द्वारा चलाया जाय।

हुकूमते इलाही (حكومت الهى) अ. स्त्री.—ईश्वरीय सत्ता, मशीयत।

हुकूमते ख़ुदइख़्तियारी (حكومت خوداختيارى) अ. फा. स्त्री.—वह राज जिसमें किसी की पराधीनता न हो, स्वायत्त शासन।

हुकूमते ग़ैरआईनी (حكومت غير آئينى) अ. फा. स्त्री.—वह राज जिसमें कोई विधान न हो।

हुकूमते जुम्हूरी (حكومت جمهورى) अ. स्त्री.—वह राज जो जनता के प्रतिनिधियों द्वारा चले, जनतंत्र, गणतंत्र।

हुकूमते शख़्सी (حکومت شخصی) अ. स्त्री.—वह राज जिसमें व्यक्ति अपनी राय से राज्य करे।

हुकूमते शैतानी (حکومت شیطانی) अ. स्त्री.—अनीति, अत्याचार और अन्याय की हुकूमत।

हुक्कः (ھکّہ) फ़ा. स्त्री.—हिचकी, हिक्का।

हुक़्क़ः (حقّہ) अ. पुं.—पिटारी, टोकरी; इत्र या आभूषण रखने का डब्बा; गुड़गुड़ी, चिलम पीने का हुक़्क़ा।

हुक़्क़ःबाज़ (حقّہ باز) अ. फ़ा. वि.—मदारी, पिटारी में से शाबदे दिखानेवाला; छली, ठग, मक्कार।

हुक़्क़ःबाज़ी (حقّہ بازی) अ. फ़ा. स्त्री.—मदारीपन, खेल तमाशे दिखाना; छल करना, ठगई, फ़रेबकारी।

हुक्काम (حکّام) अ. पुं.—'हाकिम' का बहु., हाकिम लोग, पदाधिकारी वर्ग।

हुक्कामरस (حکّام رس) अ. फ़ा. वि.—जो हाकिमों से मेल-जोल रखता और उन पर अपना प्रभाव डाल सकता हो।

हुक्कामरसी (حکّام رسی) अ. फ़ा. स्त्री.—हाकिमों से मेल-जोल।

हुक्कामे बाला (حکّام بالا) अ. फ़ा. पुं.—किसी पदाधिकारी के ऊपरी अफ़सरान।

हुक्कामे वक़्त (حکّام وقت) अ. पुं.—वर्तमानकाल के पदाधिकारी लोग।

हुक्चः (ھکچہ) फ़ा. स्त्री.—हिचकी, हिक्का।

हुक़्नः (حقنہ) अ. पुं.—स्नेह वस्ति, अनीमा, डूश।

हुक्म (حکم) अ. पुं.—आज्ञा, इजाज़त; आदेश, फ़रमान; राजादेश, हुक्मनामा।

हुक्मअंदाज़ (حکم انداز) अ. फ़ा. वि.—निशाने पर ठीक गोली लगानेवाला, लक्ष्य-भेदी।

हुक्मअंदाज़ी (حکم اندازی) अ. फ़ा. स्त्री.—ठीक निशाना मारना, लक्ष्य-भेद।

हुक्मउदूल (حکم عدول) अ. वि.—अवज्ञाकारी, आज्ञापालन न करनेवाला, उद्दंड, सरकश, अवज्ञ।

हुक्मउदूली (حکم عدولی) अ. स्त्री.—आज्ञापालन न करना, उद्दंडता, सरकशी।

हुक्मन (حکماً) अ. वि.—हुक्म से, आदेश द्वारा।

हुक्मनामः (حکم نامہ) अ. फ़ा. पुं.—आदेशपत्र, वह काग़ज़ जिस पर कोई हुक्म हो।

हुक्मबरदार (حکم بردار) अ. फ़ा. वि.—दे. 'हुक्म रां'।

हुक्मबरदारी (حکم برداری) अ. फ़ा. वि.—दे. 'हुक्मरानी'।

हुक्मराँ (حکمراں) अ. फ़ा. वि.—शासन चलानेवाला, शासक, हाकिम।

हुक्मरानी (حکمرانی) अ. फ़ा. स्त्री.—शासन चलाना, हुकूमत करना।

हुक्मी (حکمی) अ. वि.—निश्चित, यक़ीनी; अचूक, अमोघ, ख़ता न करनेवाला, (दवा या निशाना)।

हुक्मे आख़िर (حکم آخر) अ. पुं.—दे. हुक्मे क़त्ई।

हुक्मे इम्तिनाई (حکم امتناعی) अ. पुं.—वह हुक्म जो मुक़द्दमे के बीच में किसी कार्य विशेष को रोकने के लिए दिया जाय, निषेधादेश।

हुक्मे क़ज़ा (حکم قضا) अ. पुं.—ईश्वरीय आदेश, ख़ुदा का हुक्म; होनहार, भावी, शुदनी।

हुक्मे क़ज़ाओक़दर (حکم قضاوقدر) अ. पुं.—भावी और होनहार; ईश्वरेच्छा, मशीयत।

हुक्मे क़त्ई (حکم قطعی) अ. पुं.—आख़िरी और अटल हुक्म, अंतिम निर्णय, अंतिमादेश।

हुक्मे गश्ती (حکم گشتی) अ. फ़ा. पुं.—विभागों में भेजा जानेवाला हुक्म, परिपत्र, सरकुलर।

हुक्मे ज़ह्री (حکم ظہری) अ. पुं.—वह आदेश जो प्रार्थनापत्र की पुश्त पर लिखा जाता है।

हुक्मे नातिक़ (حکم ناطق) अ. पुं.—दे. 'हुक्मे क़त्ई'।

हुक्मे मशीयत (حکم مشیت) अ. पुं.—दे. 'हुक्मे क़ज़ा'।

हुक्मे रब्बी (حکم ربی) अ. पुं.—ईश्वरादेश, ख़ुदा का हुक्म, अवश्यंभावी, मशीयत, शुदनी।

हुक्मे हाकिम (حکم حاکم) अ. पुं.—हाकिम का हुक्म, राज्यादेश।

हुकहुक (ھکھک) फ़ा. स्त्री.—हिक्का, हिचकी।

हुजज (حجج) अ. स्त्री.—हुज्जत का बहु., हुज्जतें।

हुज़ाल (ہزال) अ. पुं.—दुबलापन, कमज़ोरी; तपेदिक़ का एक दरजा।

हुज़ुज़ (حضض) अ. स्त्री.—रसौत, एक प्रसिद्ध औषधि।

हुजुब (حجب) अ. पुं.—'हिजाब' का बहु., पर्दे, आड़ें।

हुजूअ (ھجوع) अ. पुं.—निद्रा, नींद; स्वाप, ख़्वाब; शांति, सुकून; सुख, आराम।

हुजूद (ھجود) अ. पुं.—रात को जागना।

हुजूम (ھجوم) अ. पुं.—जन-समूह, भीड़, मज्मा; किसी चीज़ की भीड़, उदा०—"बस हुजूमे ना उमीदी ख़ाक में मिल जायगी। यह जो एक लज़्ज़त हमारी सईए ला हासिल में है।"—ग़ालिब।

हुज़ूर (حضور) अ. पुं.—उपस्थिति, हाज़िरी; विद्यमानता, मौजूदगी; साक्षात्, आमना-सामना; सम्बोधन के लिए एक आदरसूचक शब्द।

हुज़ूरी (حضوری) अ. स्त्री.—उपस्थिति, हाज़िरी; विद्यमानता, मौजूदगी; संमुखता, सामना।

हुज़ूरे यार (حضور یار) अ. फ़ा. पुं.—नायिका के सामने, मा'शूक़ के समक्ष।

हुज़ूरेवाला (حضور والا) अ. फ़ा. पुं.—बड़े आदमी के लिए प्रतिष्ठासूचक सम्बोधन का शब्द।

हुज़ूरोग़ैब (حضوروغیب) अ. पुं.—प्रत्यक्ष और परोक्ष, सामना और पीठ पीछा।

हुज़ैफ़ः (حذیفہ) अ. पुं.—पैग़ंबर साहिब के एक सिहाबी।

हुज्जत (حجت) अ. स्त्री.—तर्क, दलील; प्रमाण, सुबूत; कलह, झगड़ा; वादविवाद, बहस; तू-तू, मैं-मैं।

हुज्जती (حجتی) अ. वि.—हुज्जत करनेवाला; तू-तू, मैं-मैं करनेवाला; वाद-विवाद करनेवाला।

हुज्जतुल्लाह (حجتہ اللہ) अ. स्त्री.—ईश्वर के सत्य होने का प्रमाण।

हुज्जतेक़ाते' (حجت قاطع) अ. स्त्री.—युक्ति युक्त दलील, अटल प्रमाण।

हुज्जते गोया (حجت گویا) अ. फ़ा. स्त्री.—बोलती हुई दलील, तर्क संगत प्रमाण।

हुज्जते मुवज्जहः (حجت موجہہ) अ. स्त्री.—दे. 'हुज्जते क़ाते''।

हुज्जते मोह्कम (حجت محکم) अ. पुं.—मजबूत दलील, मख़मल का वह लिंगरूपी यंत्र जिसे एक स्त्री अपनी कमर में बाँधकर दूसरी स्त्री से चपटी लड़ाती है।

हुज्जाज (حجاج) अ. पुं.—'हाज' का बहु., हाजी लोग।

हुज्जाब (حجاب) अ. पुं.—'हाजिब' का बहु., ड्यूढ़ीदार लोग।

हुज़्ज़ार (حضار) अ. पुं.—'हाज़िर' का बहु., उपस्थितजन, हाज़िरीन।

हुज़्न (حزن) अ. पु.—दुःख, खेद, शोक, संताप, ग़म, रंज।

हुज़्नीयः (حزنیہ) अ. पुं.—वह खेल या ड्रामा जिसका अंत दुःख पर हो, दुःखांत।

हुज़्मः (حزمہ) अ. पुं.—मुट्ठा, पूला।

हुतमः (حطمہ) अ. स्त्री.—प्रचंडाग्नि, बहुत ही तेज आग; नरक का तीसरा तल।

हुताम (حطام) अ. पुं.—थोड़ा अंश, जरा सा।

हुत्ती (حطی) अ. स्त्री.—अब्जद के हिसाब से हे, तो और ये जिनके अंक क्रमशः ८, ९, १० हैं।

हुदः (ہدہ) फ़ा. पुं.—सत्य, ठीक; लाभ, फ़ाइदा।

हुदा (حدی) अ. पुं.—अरब के ऊँटवालों का विशेष गाना, जो वह ऊँट चलाते समय गाते हैं।

हुदा (ہدی) अ. पुं.—सरल मार्ग, सीधा रास्ता; सत्यता, सच्चाई।

हुदात (ہداۃ) अ. पुं.—'हादी' का बहु., हिदायत करनेवाले, सच्चा मार्ग दिखानेवाले।

हुदूद (حدود) अ. उभ.—'हद' का बहु., सीमाएँ, हदें।

हुदूदे अर्बअः (حدود اربعہ) अ. पुं.—चौहद्दी, किसी स्थान या मकान से मिले हुए चारों ओर के मकान या जमीन।

हुदूदे शर्ई (حدود شرعی) अ. पुं.—धर्मशास्त्र की सीमाएँ; धर्मानुसार दिये जानेवाले दंड।

हुदूस (حدوث) अ. पुं.—नवीनता, नयापन; किसी वस्तु का नया पैदा होना।

हुदूसो क़िदम (حدوث وقدم) अ. पुं.—नयापन और पुरानापन; नित्यता और नश्वरता।

हुदैबियः (حدیبیہ) अ. स्त्री.—अरब का एक स्थान।

हुदहुद (ہدہد) अ. पुं.—एक कलग़ीदार पक्षी।

हुनर (ہنر) फ़ा. पुं.—शिल्प, दस्तकारी; कला, फ़न्न; गुण, ख़ूबी; हाथ की सफ़ाई, चालाकी; विद्या, इल्म।

हुनरआश्ना (ہنرآشنا) फ़ा. वि.—हुनर जाननेवाला, गुणी।

हुनरनाआश्ना (ہنرناآشنا) फ़ा. वि.—जो कोई हुनर न जानता हो, गुणहीन, कलाहीन।

हुनर नाशनास (ہنرناشناس) फ़ा. वि.—जो हुनर न जानता हो; जो हुनर की क़द्र न पहचानता हो।

हुनरमंद (ہنرمند) फ़ा. वि.—हुनर जाननेवाला, गुणवान, कलाकार, शिल्पकार, गुनी।

हुनरमंदी (ہنرمندی) फ़ा. स्त्री.—हुनर जानना, गुनी होना।

हुनरवर (ہنرور) फ़ा. वि.—दे. 'हुनरमंद'।

हुनरशनास (ہنرشناس) फ़ा. वि.—हुनर जाननेवाला; हुनर की क़द्र पहचाननेवाला।

हुनरशनासी (ہنرشناسی) फ़ा. स्त्री.—हुनर जानना; हुनर की क़द्र पहचानना।

हुफ़्नः (حفنہ) अ. पुं.—अंजलि, करपुट, लप।

हुफ़्फ़ाज़ (حفاظ) अ. पुं.—'हाफ़िज़' का बहु., वह लोग जिन्हें क़ुरान कंठ हो।

हुफ़्रः (حفرہ) अ. पुं.—गर्त, गढ़ा; छिद्र, सूराख़।

हुब [**ब्ब**] (حب) अ. स्त्री.—प्रेम, स्नेह, महब्बत।

हुबल (ہبل) अ. पुं.—अरब की एक मूर्ति, जो इस्लाम से पूर्व का'बे में थी।

हुबाब (حباب) अ. पुं.—मित्रता, दोस्ती; अहि, साँप; पिशाच, देव।

हुबाला (حبالی) अ. स्त्री.—'हुब्ला' का बहु., गर्भवती स्त्रियाँ।

हुबाहिब (حباحب) अ. पुं.—जुगनू, खद्योत।

हुबूत (ہبوط) अ. पुं.—नीचे उतरना; मूल्य गिरना; निचली भूमि; दुबलापन।

हुबूत (حبوط) अ. पुं.—पुण्यों और सत्कर्मों का विनाश।

हुबूब (حبوب) अ. स्त्री.–'हब' का बहु., गोलियाँ।
हुबूब (هبوب) अ. पुं.–वायु का बहना, हवा का चलना।
हुबूर (حبور) अ. पुं.–'हिब्र' का बहु., बुद्धिमान् लोग। हर्ष, प्रसन्नता, खुशी।
हुब्बुलवतन (حب الوطن) अ. पुं.–स्वदेशप्रेम, देशभक्ति, इश्क़े वतन।
हुब्ला (حبلى) अ. स्त्री.–गर्भवती, अंतर्वत्नी, हामिला।
हुमक़ा (حمقا) अ. पुं.–'अहमक़' का बहु., मूर्ख लोग।
हुमा (هما) फा. पुं.–उर्दू और फ़ारसी साहित्य का एक कल्पित पक्षी, जिसकी छाया पड़ जाने से मनुष्य राजा हो जाता है, वह पक्षी केवल हड्डियाँ खाता है।
हुमायूँ (همايوں) फा. वि.–शुभ, मंगलमय, मुबारक, (पुं.) एक मुग़ल शासक जो 'अकबर' का पिता था।
हुमायूँबख़्त (همايوں بخت) फा. वि.–सौभाग्यशाली, बलंद इक़बाल।
हुमुक़ (حمق) अ. पुं.–मूर्खता, अज्ञानता, नादानी, जहालत।
हुमुर (حمر) अ. पुं.–'हिमार' का बहु., गधे।
हुमूज़त (حموضت) अ. स्त्री.–खट्टापन, खटास, अम्लता।
हुमूल (حمول) अ. पुं.–योनि के भीतर रखने की ओषधि।
हुमैक़ा (حميقا) अ. स्त्री.–मूर्ख स्त्री, बेवकूफ़ औरत।
हुमैरा (حميرا) अ. स्त्री.–लाल रंग की स्त्री, गोरी चिट्टी स्त्री।
हुम्क़ (حمق) अ. पुं.–मूर्खता, नादानी, अज्ञान, हुमुक़।
हुम्मस (حمص) अ. पुं.–चना, चणक, एक प्रसिद्ध अन्न।
हुम्मा (حمى) अ. पुं.–ज्वर, ताप, बुखार।
हुम्माए दमवी (حماے دموی) अ. पुं.–वह ज्वर जो रक्त के कोप से आये।
हुम्माए नाइबः (حماے نائبه) अ. पुं.–वह ज्वर जो बारी से आये।
हुम्माए बलग़मी (حماے بلغمی) अ. पुं.–कफ़ के प्रकोप से आनेवाला ज्वर, कफ़ ज्वर।
हुम्माए मुज़्मिनः (حماے مزمنه) अ. पुं.–बसा हुआ बुखार, सतत ज्वर।
हुम्माए मोहरिक़ः (حماے محرقه) अ. पुं.–टाइ फ़ाइड बुखार।
हुम्माएराबिअः (حماے رابعه) अ. पुं.–चौथिया बुखार, चतुर्थक।
हुम्माए सफ़रावी (حماے صفراوی) अ. पुं.–पित्त के कोप से आनेवाला ज्वर, पित्तज्वर।
हुम्माए सौदावी (حماے سوداوی) अ. पुं.–वात के कोप से आनेवाला वर, वातज्वर।
हुम्माज़ (حماض) अ. पुं.–एक खट्टी घास, चूका साग।
हुम्रः (حمره) अ. पुं.–शरीर में लाल रंग के दाने निकलने का रोग, सुर्ख़ बादा।
हुम्रत (حمرت) अ. स्त्री.–रक्तता, लालिमा, सुर्ख़ी।
हुम्री (حمری) अ. वि.–सुर्ख़, रंग का।
हुर [र्र] (حر) अ. वि.–स्वतंत्र, आज़ाद; प्रतिष्ठित, मुअज़्ज़ज़; वह दास जो सेवा-मुक्त हो गया हो।
हुरसा (حرصا) अ. पुं.–'हरीस' का बहु., लालची लोग।
हुरुम (حرم) अ. पुं.–एहराम बाँधे हुए लोग।
हुरूफ़ (حروف) अ. पुं.–'हर्फ़' का बहु., अक्षर माला।
हुरूफ़ शनास (حروف شناس) अ. फा. वि.–केवल अक्षर ज्ञान रखनेवाला, कम पढ़ा-लिखा।
हुरूफ़े क़मरी (حروف قمری) अ. पुं.–अरबी में वे अक्षर जिनमें 'ल' मिलता नहीं है, जैसे—'अल क़मर' और वे अक्षर हैं —
ی و م ک ق ف غ ع خ ح ج ب ا
हुरूफ़े शम्सी (حروف شمسی) अ. पुं.–अरबी के वे अक्षर जिनमें 'ल' मिलकर वही अक्षर बन जाता है जिससे वह मिलता है, जैसे–अश्शम्स (अल शम्स) वे अक्षर हैं—
ن ل ظ ط ض ص ش س ز ر ذ د ث ت
हुरूब (حروب) अ. पुं.–'हर्ब' का बहु., लड़ाइयाँ, जंगें।
हुरूबे सलीबी (حروب صليبى) अ. पुं.–वह प्राचीन लड़ाइयाँ जो तुर्कों और ईसाइयों में हुईं।
हुरूर (حرور) अ. पुं.–गर्मी, उष्णता।
हुरैरः (هريره) अ. स्त्री.–छोटी और खूबसूरत बिल्ली।
हुर्क़त (حرقت) अ. स्त्री.–जलन, रोज़िश, (विशेषतः पेशाब की)।
हुर्क़ते बौल (حرقت بول) अ. स्त्री.–पेशाब की जलन।
हुर्फ़ (حرف) अ. पुं.–एक दाने जो दवा में चलते हैं, चंसुर, हालीन।
हुर्मत (حرمت) अ. स्त्री.–प्रतिष्ठा, संमान, इज़्ज़त; मर्यादा, नामूस; सतीत्व, इस्मत; किसी वस्तु के खान-पान का धर्म में वर्जित होना, निषेध, मनाही।
हुर्मत बहा (حرمت بها) अ. फा. पुं.–वह धन जो किसी की मानहानि के बदले में दिलाया जाय।
हुर्मान (حرمان) अ. पुं.–बुद्धि, मेधा, अक़्ल।
हुर्मास (هرماس) फा. पुं.–पार्सियों का बुराई का खुदा, अहरमन, शैतान।
हुर्मुज़ (هرمز) फा. पुं.–'हुर्मुज़्द' का लघु., दे. 'हुर्मुज़्द'; एक द्वीप; खलीज फ़ारिस।

हुर्मुज़्द (هرمزد) फा. पुं.—बृहस्पति, मुशतरी, दे. 'होरमुज़्द' दोनों शुद्ध हैं।

हुर्रः (حرہ) अ. स्त्री.—स्वतंत्र स्त्री; वह दासी जो सेवा मुक्त कर दी गई हो।

हुर्रा (ہرا) फा. पुं.—कोलाहल, शोर; भयानक शब्द, डरावनी आवाज़।

हुर्रास (حراث) अ. पुं.—'हारिस' का बहु., किसान लोग, कृषक वर्ग।

हुर्रीयत (حریت) अ. स्त्री.—स्वतंत्रता, स्वाधीनता, आज़ादी।

हुर्रीयतपरस्त (حریت پرست) अ. फा. वि.—जो पराधीनता के बंधनों से मुक्ति चाहता हो, और इसके लिए हर क़ुर्बानी को तैयार हो।

हुलफ़ा (حلفا) अ. पुं.—'हलीफ़' का बहु., वह लोग या राष्ट्र जिन्होंने परस्पर मित्र रहने की संधि की हो।

हुलल (حلل) अ. पुं.—'हुल्लः' का बहु., स्वर्ग के वस्त्राभूषण।

हुलाकू (ہلاکو) तु. पुं.—एक बहुत ही अत्याचारी तुर्की नरेश जो चिंगेज़ ख़ाँ का पोता था।

हुलुम (حلم) अ. पुं.—स्वप्न, ख़्वाब, दे. 'हुल्म' दोनों शुद्ध हैं।

हुलूक (ہلوک) अ. पुं.—विनाश, बरबादी; हनन, वध, क़त्ल।

हुलूल (حلول) अ. पुं.—भीतर समाना, प्रवेश; एक आत्मा का दूसरे शरीर में प्रवेश।

हुल्क (ہلک) अ. पुं.—विनाश, बरबादी; बध, क़त्ल, हत्या।

हुल्बः (حلبہ) अ. पुं.—मेथी, एक प्रसिद्ध शाक।

हुल्म (حلم) अ. पुं.—स्वप्न, ख़्वाब, दे. 'हुलुम', दोनों शुद्ध हैं।

हुल्यः (حلیہ) अ. पुं.—आभूषण, ज़ेवर; किसी आदमी या पशु की तलाश के लिए दिये जानेवाले शरीर के चिह्न।

हुल्लः (حلہ) अ. पुं.—वह कपड़े जो स्वर्ग में दिये जाते हैं।

हुल्लान (حلان) अ. पुं.—भेड़ या बकरी का छोटा बच्चा, हल्वान।

हुल्लाम (حلام) अ. पुं.—भेड़ या बकरी का बच्चा।

हुल्व (حلو) अ. वि.—मधुर, मीठा।

हुवः हुवः (ہوہو) अ. अव्य.—अक्षरशः, हर्फ़ ब हर्फ़; जूँ का तूँ, जैसा था वैसा ही।

हुवल्लाह (ہواللہ) अ. वा.—वही ईश्वर है।

हुवैदा (ہویدا) फा. वि.—प्रकट, व्यक्त, ज़ाहिर।

हुशयार (ہشیار) फा. वि.—'होशयार' का लघु., दे. होशयार।

हुशयारी (ہشیاری) फा. स्त्री.—'होशयारी' का लघु. दे. 'होशयारी'।

हुशवार (ہشوار) फा. वि.—दे. 'हुशयार'।

हुशाशः (حشاشہ) अ. पुं.—बचे हुए ज़रा-से प्राण।

हुसान (حسان) अ. वि.—रूपवान्, सुंदर, हसीन व्यक्ति।

हुसाम (حسام) अ. पुं.—खड्ग, कृपाण, तलवार।

हुसूद (حسود) अ. पुं.—'हासिद' का बहु., ईर्षालु व्यक्तियाँ, डाही लोग।

हुसून (حصون) अ. पुं.—'हिस्न' का बहु., क़िले, दुर्ग; रक्षा के स्थान।

हुसूल (حصول) अ. पुं.—प्राप्ति, लब्धि, मिलना; लाभ, नफ़ा; आय, आमदनी; परिणाम, फल; निष्कर्ष, नतीजा।

हुसूले इक़्तिदार (حصول اقتدار) अ. पुं.—सत्ता की प्राप्ति।

हुसूले इल्म (حصول علم) अ. पुं.—इल्म की प्राप्ति, विद्यालाभ।

हुसूले कामयाबी (حصول کامیابی) अ. फा. पुं.—सफलता प्राप्ति, किसी काम में सफल होना।

हुसूले ता'लीम (حصول تعلیم) अ. पुं.—विद्योपार्जन, शिक्षा लाभ, पढ़ाई हासिल करना।

हुसूले नजात (حصول نجات) अ. पुं.—मुक्ति लाभ, बख़्शिश हासिल होना।

हुसूले नियाज़ (حصول نیاز) अ. फा. पुं.—मुलाक़ात होना, भेंट होना।

हुसूले फ़ैज़ (حصول فیض) अ. पुं.—कीर्तिलाभ, यशलाभ; अर्थलाभ।

हुसूले बरकत (حصول برکت) अ. पुं.—प्रसादलाभ।

हुसूले बिहिश्त (حصول بہشت) अ. फा. पुं.—स्वर्गलाभ, बिहिश्त मिलना।

हुसूले मक़सद (حصول مقصد) अ. पुं.—आशा की प्राप्ति, मनोकामना की प्राप्ति।

हुसूले मत्लब (حصول مطلب) अ. पुं.—अर्थसिद्धि, मत्लब की प्राप्ति।

हुसूले मुद्दआ (حصول مدعا) अ. पुं.—दे. 'हु. मत्लब'।

हुसूले मुराद (حصول مراد) अ. पुं.—मक़सद और मनोकामना में सफलता, मनोवांछित वस्तु की प्राप्ति।

हुसूले मे'राज (حصول معراج) अ. पुं.—उन्नति की अंतिम सीमा पर पहुँच जाना।

हुसूले शिफ़ा (حصول شفا) अ. पुं.—रोगमुक्ति, स्वास्थ्य-प्राप्ति।

हुसूले शुहरत (حصول شہرت) शुहरत और ख्याति का प्राप्त होना, किसी कार्य या कलाविशेष में प्रसिद्धि।

हुसूले सआदत (حصول سعادت) अ. पुं.—किसी पूज्य व्यक्ति

की सेवा का सौभाग्य प्राप्त होना, किसी उपकार का यश मिलना।

हुसूले सेहत (حصول صحت) अ. पुं.–स्वास्थ्य प्राप्ति, रोग मुक्ति, मरज़ से शिफ़ा।

हुसैन (حسین) अ. पुं.–हज़रतअली के छोटे सुपुत्र का नाम जिन्होंने यज़ीद का शासन स्वीकार नहीं किया था और इसके कारण उनको शहीद किया गया।

हुस्न (حسن) अ. पुं.–सौंदर्य, सुंदरता, खूबसूरती; शोभा, छटा, रौनक़, उदा०—"हुस्न ग़मज़ा की कशाकश से छुटा मेरे बाद, बारे आराम से हैं अहले जफ़ा मेरे बाद।"–ग़ालिब

हुस्न (حصن) अ. स्त्री.–सतीत्व, इफ़्फ़त।

हुस्नअफ़्ज़ा (حسن افزا) अ. फा. वि.–सुंदरता बढ़ानेवाला, रूपवर्द्धक।

हुस्नआरा (حسن آرا) अ. फा. वि.–सुंदर, रूपवान्, अच्छी शक्लवाला (वाली), सुंदरता का शृंगारित करनेवाला।

हुस्नआराई (حسن آرائی) अ.फा.स्त्री.–सुंदरता को आभूषित और शृंगारित करना अर्थात् बहुत सुंदर होना।

हुस्नख़ेज़ (حسن خیز) अ. फा.वि.–वह स्थान जहाँ के लोग सुंदर होते हों, सुंदरता की उत्पत्ति करनेवाला।

हुस्नख़ेज़ी (حسن خیزی) अ.फा.स्त्री.–सुंदरता की उत्पत्ति, सौंदर्य की बहुतात।

हुस्नपरस्त (حسن پرست) अ. फा. वि.–सौंदर्य की पूजा करनेवाला; सुंदर स्त्रियों को चाहनेवाला; सुंदर वस्तुओं पर लट्टू रहनेवाला।

हुस्नपरस्ती (حسن پرستی) अ. फा. स्त्री.–सुंदर स्त्रियों की क़द्रदानी; सुंदर चीज़ों पर मुग्धता।

हुस्नपसंद (حسن پسند) अ. फा. वि.–अच्छी चीज़ें पसंद करनेवाला; अच्छी स्त्रियों से मेल-जोल रखने और उन्हें चाहनेवाला।

हुस्नपसंदी (حسن پسندی) अ. फा. स्त्री.–सुंदर वस्तुओं को पसंद करना; अच्छी शक्लवालों को चाहना।

हुस्नफ़रोश (حسن فروش) अ. फा. स्त्री.–गणिका, वेश्या, तवाइफ़, रूप बेचनेवाली।

हुस्नबख़्श (حسن بخش) अ. फा. वि.–सुंदरता प्रदान करनेवाला अर्थात् रूप देनेवाला, सुंदर बनानेवाला।

हुस्ना (حسنا) अ. स्त्री.–अति सुंदर स्त्री, बहुत ही हसीन औरत, रूपवती, लावण्यप्रभा।

हुस्नियात (حسنیات) अ. स्त्री.–'हुस्ना' का बहु., सुंदर और रूपवती स्त्रियाँ।

हुस्ने अंजाम (حسن انجام) अ. फा. पुं.–किसी कार्य का फल और परिणाम अच्छा होना।

हुस्ने अक़ीदत (حسن عقیدت) अ. पुं.–किसी की ओर अत्यधिक श्रद्धा।

हुस्ने अख़्लाक़ (حسن اخلاق) अ. पुं.–सुशीलता, आचार व्यवहार में सद्वृत्ति।

हुस्ने अदा (حسن ادا) अ. फा. पुं.–बात कहने का अच्छा ढंग, लिखने की अच्छी शैली।

हुस्ने आग़ाज़ (حسن آغاز) अ. फा. पुं.–कार्यारंभ में अच्छे शगुन और सुविधाओं की प्राप्ति।

हुस्ने इंतिज़ाम (حسن انتظام) अ. पुं.–कार्य विशेष के प्रबन्ध की सुंदरता, सुप्रबंध।

हुस्ने इंसिराम (حسن انصرام) अ. पुं.–दे. 'हु. इंतिज़ाम'।

हुस्ने इत्तिफ़ाक़ (حسن اتفاق) अ. पुं.–किसी बात का अचानक तौर पर अच्छा हो जाना, दैवयोग।

हुस्ने एतिक़ाद (حسن اعتقاد) अ. पुं.–दे. 'हु. अक़ीदत'।

हुस्ने एतिमाद (حسن اعتماد) अ. पुं.–किसी पर अत्यधिक विश्वास।

हुस्ने क़बूल (حسن قبول) अ. पुं.–किसी मिली हुई चीज़ को अच्छे प्रकार से क़बूल करना; किसी दी जानेवाली वस्तु का भली-भाँति स्वीकार किया जाना।

हुस्ने ख़िताब (حسن خطاب) अ. पुं.–अच्छे प्रकार से सम्बोधित करना।

हुस्ने ख़ुदादाद (حسن خداداد) अ. फा. पुं.–ईश्वर का दिया हुआ सौंदर्य, अर्थात् प्राकृतिक सुंदरता, ईश्वरदत्त सौंदर्य।

हुस्ने ख़ुल्क़ (حسن خلق) अ. पुं.–दे. 'हु. अख़्लाक़'।

हुस्ने गंदुमगूँ (حسن گندم گوں) अ. फा. पुं.–गेहुएँ रंग का सौंदर्य।

हुस्ने गंदुमीं (حسن گندمیں) अ. फा. पुं.–दे. 'हु. गंदुमगूँ'।

हुस्ने गुफ़्तार (حسن گفتار) अ. फा. पुं.–बोल-चाल की शिष्टता और माधुर्य।

हुस्ने गुलूसोज़ (حسن گلوسوز) अ. फा. पुं.–साँवलापन, मलाहत।

हुस्ने ज़न (حسن ظن) अ. पुं.–किसी की ओर से अच्छा ख़याल, सुधारणा।

हुस्ने तक़रीर (حسن تقریر) अ. पुं.–भाषण या बातचीत की सुंदरता और मधुरता।

हुस्ने तदबीर (حسن تدبیر) अ. पुं.–प्रयत्न की पटुता, युक्ति-चातुर्य; प्रबंध की कुशलता; कूटनीति, पालीसी।

हुस्ने तलब (حسن طلب) अ. पुं.–माँगने का अच्छा ढंग, ऐसे ढंग से चीज़ माँगना कि देनेवाला देते हुए खुशी महसूस करे।

हुस्ने ता'लील (حسن تعلیل) अ. पुं.–एक अर्थालंकार।

हुस्ने नज़र (حسن نظر) अ. पुं.–दृष्टि की अच्छे बुरे की परख,

दृष्टि का केवल अच्छी चीजों को छाँटना और उन्हीं की ओर जाना।

हुस्ने नमकीं (حسن نمکیں) अ. फा. पुं.–साँवला हुस्न, नमकीनी, मलाहत।

हुस्ने फ़िरंग (حسن فرنگ) अ. फा. पुं.–इंगलिस्तान का सौंदर्य, जिसमें दिखाऊपन ज्यादा होता है।

हुस्ने बिरिश्तः (حسن برشتہ) अ. फा. पुं.–साँवला हुस्न, मलाहत।

हुस्ने मत्ला (حسن مطلع) अ. पुं.–ग़ज़ल में पहले शे'र (मत्ला) के बादवाला शे'र।

हुस्ने मलीह (حسن ملیح) अ. पुं.–साँवलापन, मलाहत, नमकीनी।

हुस्ने महफ़िल (حسن محفل) अ. पुं.–जिससे सभा की रौनक़ हो, ऐसा व्यक्ति।

हुस्ने मुक़य्यद (حسن مقید) अ. वि.–सांसारिक सौंदर्य, परिमित सुंदरता।

हुस्ने मुजस्सम (حسن مجسم) अ. पुं.–जो सर से पाँव तक हुस्न ही हुस्न हो, बहुत अधिक सुंदर।

हुस्ने मुत्लक़ (حسن مطلق) अ. पुं.–ईश्वरीय सौंदर्य, जमाले ख़ुदावंदी।

हुस्ने यूसुफ़ (حسن یوسف) अ. पुं.–'यूसुफ़' का सौंदर्य जो सांसारिक रूपों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

हुस्ने लाज़वाल (حسن لازوال) अ. पुं.–दे. 'हुस्ने मुत्लक़'।

हुस्ने सबीह (حسن صبیح) अ. पुं.–गोरापन, शुभ्रता।

हुस्ने सब्ज़ (حسن سبز) अ. फा. पुं.–दे. 'हुस्ने मलीह'।

हुस्ने समाअत (حسن سماعت) अ. पुं.–बात अच्छे प्रकार से ध्यानपूर्वक सुनना; अच्छी आवाज और अच्छी बातें सुनना।

हुस्ने साख़्तः (حسن ساختہ) अ. फा. पुं.–अप्राकृतिक रूप, बनावटी हुस्न; अलंकार और आभूषण द्वारा सजाया हुआ हुस्न।

हुस्ने सादः (حسن سادہ) अ. फा. पुं.–बिलकुल साधारण और सरल रूप जिसमें बनावट को तनिक भी दख़ल न हो।

हुस्ने सादगी (حسن سادگی) अ. फा. पुं.–स्वभाव की सरलता और भोलापन।

हुस्ने सिमाअ (حسن سماع) अ. पुं.–गाने का सौंदर्य, श्रवण रस।

हुस्ने सुलूक (حسن سلوک) अ. पुं.–व्यवहार की शिष्टता; दीन-दुखियों की आर्थिक सहायता।

हुस्नोइश्क़ (حسن وعشق) अ. पुं.–सुंदरता और प्रेम; नायक और नायिका।

हुस्नोजमाल (حسن وجمال) अ. पुं.–रूप और सौंदर्य।

हुस्बः (حصبہ) अ. पुं.–ख़सः, हल्की चेचक, दे. 'हस्बः', दोनों शुद्ध हैं।

हुस्बान (حسبان) अ. पुं.–गणना, शुमार; अनुमान, अंदाजा; गिनती, गिनना।

हुस्साद (حساد) अ. पुं.–'हासिद' का बहु., ईर्ष्या करनेवाले लोग, डाह करनेवाले व्यक्ति।

हू

हूँ (ہوں) फा. अव्य.–सावधानी सूचक शब्द, 'हाँ'; घृणा, सूचक शब्द, नहीं।

हू (ہو) फा. उभ.–ब्रह्म, ईश्वर; शून्य, ख़ला; सुन्सान, ख़ाली।

हूत (حوت) अ. स्त्री.–मत्स्य, मछली; मीन राशि, बारहवाँ बुर्ज, बुर्जे हूत।

हून (ہون) अ. पुं.–तिरस्कार, अपमान, बेइज़्ज़ती।

हूबः (حوبہ) अ. पुं.–वह व्यक्ति जो न भलाई कर सके न बुराई; दरिद्र बाल-बच्चे।

हूब (حوب) अ. पुं.–पाप, गुनाह; हत्या, हलाकत।

हूबहू (ہوبہو) फा. वि.–एक-जैसा, बिलकुल एक-सा; सदृश, समान, तुल्य, मिस्ल।

हूर (حور) अ. स्त्री.–'हौरा' का बहु., परंतु उर्दू और फ़ारसी में एक वचन बोलते हैं; वह स्त्री जिसके बाल और आँखें बहुत स्याह हों और शरीर बहुत गोरा हो; स्वर्ग में रहने वाली सुंदर स्त्री, स्वर्गांगना, स्वर्ग वधू।

हूर (حور) अ. पुं.–हत्या, हलाकत; हानि, नुक़सान।

हूर जमाल (حورجمال) अ. वि.–जिसका रूप स्वर्गांगनाओं जैसा हो, अर्थात् बहुत ही सुंदर स्त्री।

हूर तलअत (حورطلعت) अ. वि.–दे. 'हूर जमाल'।

हूर शमाइल (حورشمائل) अ. वि.–स्वर्गांगनाओं-जैसे हाव-भाववाली स्त्री।

हूराने बिहिश्त (حوران بہشت) अ. फा. स्त्री.–स्वर्ग में रहनेवाली स्त्रियाँ, स्वर्गांगनाएँ।

हूरुलईन (حورالعین) अ. स्त्री.–सुंदर आँखोंवाली हूर।

हूरेईं (حورعیں) अ. फा. स्त्री.–दे. 'हूरुलईन'।

हूरोक़ुसूर (حوروقصور) अ. पुं.–स्वर्ग और स्वर्गांगना, बिहिश्त और हूर।

हूश (ہوش) फा. वि.–जंगली जानवर, उजड्ड, गँवार।

हूहक़ (ہوحق) अ. स्त्री.–हा-हा, हू-हू, शोरोग़ुल; चहल-पहल, अबादानी।

हे

हेच (هیچ) फा. वि.—तुच्छ, पोच; व्यर्थ, बेकार; कोई, कश्चित्।

हेचकस (هیچ کس) फा. वि.—अधम, नीच कमीना; कोई व्यक्ति।

हेचकार: (هیچ کارہ) फा. वि.—निकम्मा, काहिल, जिसके किये-धरे कुछ न हो।

हेचगून: (هیچ گونہ) फा. वि.—किसी तरह, कैसे भी।

हेचमदाँ (هیچ مداں) फा. वि.—कुछ न जाननेवाला, निपट मूर्ख।

हेचमदानी (هیچ مدانی) फा. स्त्री.—कुछ न जानना, मूर्खता, अज्ञान।

हेचमयर्ज़ (هیچ میرز) फा. वि.—जिसका कोई मूल्य न हो, बेक़द्र, तुच्छ।

हेच मर्द (هیچ مرد) फा. वि.—दीन और दुःखी व्यक्ति।

हेम (هیم) फा. स्त्री.—'हेमियः' का लघु., जलाने की लकड़ी, ईंधन।

हेमियः (هیمیہ) फा. स्त्री.—ईंधन, जलाने की लकड़ी।

हेलः (هیلہ) फा. पुं.—'हलैलः' का लघु., हड़, हरीतकी।

है

हैअत (هیئت) अ. स्त्री.—रूप, आकृति, शक्ल; ज्योतिर्विद्या, नुजूम; आकाशीय पदार्थों की विद्या, खगोल विद्या।

हैयतदाँ (هیئت داں) अ. फा. वि.—खगोल विद्या का जाननेवाला; ज्योतिषी।

हैअते कज़ाई (هیئت کذائی) अ. स्त्री.—वेषभूषा, सूरत शक्ल, ऐसी धज जिसमें कोई हँसी का पहलू हो।

हैअते मज्मूई (هیئت مجموعی) अ. स्त्री.—कोई वस्तु अपने सारे अंगों के साथ।

हैकल (هیکل) अ. स्त्री.—प्रसाद, भवन, बड़ी इमारत; हार, गले की माला; आकृति, रूप; वेशभूषा, सजधज; मूर्तिगृह, मंदिर; कवच, ता'वीज़।

हैज़ः (ہیضہ) अ. पुं.—क़ै दस्त का घातक रोग, विसूचिका।

हैज़ (حیض) अ. पुं. -आर्तव, पुष्प, रज, ऋतु, कुसुम, स्त्री का मासिक धर्म का ख़ून।

हैज़ए वबाई (ہیضۂ وبائی) अ. पुं.—वह हैज़ा जो महामारी की शक्ल में फैला हो।

हैज़ा (حیضا) अ. स्त्री.—रजस्वला, पुष्पवती, जिस औरत को मासिक धर्म हो रहा हो।

हैजा (ہیجا) अ. पुं.—युद्ध, समर, जंग, लड़ाई।

हैजान (ہیجان) अ. पुं.—अशांति, गड़बड़ी; आवेश, जोश; कोलाहल, शोर; बेचैनी, इज़्तिराब।

हैजानअंगेज़ (ہیجان انگیز) अ. फा. वि.—गड़बड़ी मचानेवाला, अशांति फैलानेवाला; बेचैनी फ़ैलानेवाला।

हैजान ख़ेज़ (ہیجان خیز) अ. फा. वि.—दे. 'हैजानअंगेज़'।

हैजानी (ہیجانی) अ. वि.—अशांति और बेचैनी से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु।

हैज़ुम (ہیزم) फा. स्त्री.—जलाने की लकड़ी, ईंधन।

हैज़ुमकश (ہیزم کش) फा. वि.—लकड़हारा; लगाई-बुझाई करनेवाला।

हैज़ुमकशी (ہیزم کشی) फा. स्त्री.—लकड़हारे का काम; लगाई-बुझाई।

हैज़ुमफ़रोश (ہیزم فروش) अ. फा. वि.—ईंधन बेचनेवाला, जलाने की लकड़ी का व्यापारी।

हैज़ुमफ़रोशी (ہیزم فروشی) फा. स्त्री.—ईंधन बेचने का पेशा।

हैज़ुर्रिजाल (حیض الرجال) अ. पुं.—ग़ीबत, चुग़ली, पिशुनता, निंदा।

हैतान (ہیتان) अ. पुं.—अक़्त, असत्य, झूठ।

हैदर (حیدر) अ. पुं.—शेर, सिंह, व्याघ्र; हज़रत अली की उपाधि।

हैदरे कर्रार (حیدر کرار) अ. पुं.—हज़रत अली की उपाधि, बारंबार शत्रु की सेना पर टूटनेवाला।

हैफ़ (حیف) अ. पुं.—हा, आह, हाय-हाय, अफ़सोस।

हैफ़ा (ہیفا) अ. स्त्री.—कृशोदरी, पतली कमरवाली।

हैबत (ہیبت) अ. स्त्री.—आतंक, रो'ब, धाक; भय, त्रास, डर; तेज, जलाल; प्रताप, इक़्बाल।

हैबतअंगेज़ (ہیبت انگیز) अ. फा. वि.—भय उत्पन्न करनेवाला, भयकारक, त्रासजनक।

हैबतअंगेज़ी (ہیبت انگیزی) अ. फा. स्त्री.—भय उत्पन्न करना, त्रासजनक होना।

हैबतज़दः (ہیبت زدہ) अ. फा. वि.—त्रस्त, भयभीत, डरा हुआ।

हैबतज़दगी (ہیبت زدگی) अ. फा. स्त्री.—त्रास, भयभीत होना।

हैबतज़ा (ہیبت زا) अ. फा. वि.—दे. 'हैबतअंगेज़'।

हैबतनाक (ہیبت ناک) अ. फा. वि.—भयंकर, रौद्र, भयानक, ख़ौफ़नाक।

हैबतनाकी (ہیبت ناکی) अ. फा. स्त्री.—भयानक होना, ख़ौफ़नाकी।

हैमा (ہیما) अ. पुं.—बे पानी का जंगल, वियावान।

हैमीयः (هيميه) फा. स्त्री.–जलाने की सूखी लकड़ी।
हैयः (حيه) अ. पुं.–अहि, सर्प, साँप।
हैयात (حيات) अ. पुं.–'हैयः' का बहु., बहुत से साँप।
हैयाल (حيال) अ. वि.–बहुत बड़ा छली, बहुत बड़ा धूर्त, बहुत बड़ा मक्कार।
हैयिज (حيز) अ. पुं.–स्थान, जगह; छोर, किनारा।
हैयिज़े ख़ाकी (حيزخاكى) अ. फा. पुं.–मर्त्यलोक, संसार, दुनिया।
हैयुलआलम (حيى العالم) अ. पुं.–एक बूटी जो सदा हरी भरी रहती है।
हैरत (حيرت) अ. स्त्री.–आश्चर्य, विस्मय, तअज्जुब, अचंभा; निस्तब्धता, चकितता, भौचक्कापन।
हैरतअंगेज़ (حيرت انگيز) अ. फा. वि.–आश्चर्यजनक, अजूबा, अजीबोग़रीब।
हैरतअंगेज़ी (حيرت انگيزى) अ. फा. स्त्री.–अजूबापन, आश्चर्यजनकता।
हैरतअफ़्ज़ा (حيرت افزا) अ.फा.वि.–आश्चर्यवर्द्धक, अचंभा बढ़ानेवाला।
हैरतकदः (حيرت كده) अ.फा.पुं.–जहाँ हर बात आश्चर्यजनक हो, जहाँ हर तरफ़ अचंभेवाली बातें हों।
हैरतख़ानः (حيرت خانه) अ. फा. पुं.–दे. 'है. कद:'।
हैरतख़ेज़ (حيرت خيز) अ. फा. वि.–दे. 'है. अफ़्ज़ा'।
हैरतज़दः (حيرت زده) अ. फा. वि.–चकित, विस्मित, निस्तब्ध, अचंभे में पड़ा हुआ।
हैरतज़दगी (حيرت زدگى) अ. फा. स्त्री.–अचंभे में पड़ा हुआ होना।
हैरतज़ा (حيرت زا) अ. फा. पुं.–दे. 'हैरतअफ़्ज़ा'।
हैरतनाक (حيرت ناک) अ. फा. वि.–दे. 'है. अंगेज़'।
हैरत फ़ज़ा (حيرت فزا) अ. फा. वि.–'हैरतअफ़्ज़ा' का लघु., दे. 'हैरत अफ़्ज़ा'।
हैरतसरा (حيرت سرا) अ. फा. स्त्री.–दे. 'है. कद:'।
हैरतसामाँ (حيرت ساماں) अ. फा. वि.–'दे. 'है. अंगेज़'।
हैरती (حيرتى) अ. वि.–आश्चर्य में पड़ा हुआ, चकित, निस्तब्ध।
हैरत जल्व (حيرت جلوه) अ. स्त्री.–प्रेमिका के दर्शन से उत्पन्न निस्तब्धता।
हैरते हुस्न (حيرت حسن) अ. स्त्री.–सुंदरता के अनुभव से उत्पन्न होनेवाली हैरत।
हैरान (حيران) अ. वि.–चकित, निस्तब्ध, हक्का-बक्का।
हैरानी (حيرانى) अ. स्त्री.–विस्मय, आश्चर्य, तअज्जुब, हैरत।
हैल (حيل) अ. स्त्री.–शक्ति, बल, ज़ोर, ताक़त।
हैलूलः (حيلوله) अ. पुं.–आड़, ओट, आवरण, पर्दा।
हैवान (حيوان) अ. पुं.–पशु, चौपाया; वन-पशु, जंतु, जंगली जानवर; हर वह चीज़ जो प्राण रखती हो, जीवधारी।
हैवानात (حيوانات) अ. पुं.–'हैवान' का बहु., पशुगण, चौपाए, मवेशी।
हैवानी (حيوانى) अ. वि.–पशु-सम्बन्धी; पशुओं का; पशुओं-जैसा।
हैवानीयत (حيوانيت) अ. स्त्री.–पशुता, पाशव, अमानवता, निर्दयता, कठोरता।
हैवाने ज़ाहिक (حيوان ضاحک) अ. पुं.–हँसनेवाला प्राणी, अर्थात् बंदर।
हैवाने नातिक़ (حيوان ناطق) अ. पुं.–बोलनेवाला प्राणी, अर्थात् मनुष्य।
हैवाने मुत्लक़ (حيوان مطلق) अ. पुं.–निरा पशु, बिलकुल जानवर।
हैस (حيص) अ. स्त्री.–युद्ध, कलह, लड़ाई; कुमार्ग गति, बेराही।
हैसबैस (حيص بيص) अ. स्त्री.–वाक्कलह, वादविवाद, तू-तू, मैं-मैं।
हैसियत (حيثيت) अ. स्त्री.–प्रतिष्ठित, इज़्ज़त; आर्थिक अवस्था, माली हालत।
हैसियतदार (حيثيت دار) अ. फा. वि.–प्रतिष्ठित, ज़ी-इज़्ज़त; धनवान्, मालदार।
हैसियतमंद (حيثيت مند) अ. फा. वि.–दे. 'है. दार'।
हैसियते उर्फ़ी (حيثيت عرفى) अ. स्त्री.–सबमें मानी हुई प्रतिष्ठा।
हैहात (هيهات) अ. स्त्री.–हा हंत, हाय अफ़सोस, हाय-हाय।

हो

होज़ (هوز) फा. वि.–चकित, हैरान; त्रस्त, ख़ौफ़ज़द:।
होज़ाँ (هوزاں) फा. वि.–प्रफुल्ल, विकसित, शिगुफ़्त:, (स्त्री.) नर्गिस का फूल।
होर (هور) फा. पुं.–रवि, सूर्य, सूरज।
होरख़श (هورخش) फा. पुं.–सूर्य, रवि, सूरज।
होरमुज़्द (هورمزد) फा. पुं.–बृहस्पति, मुश्तरी, एक प्रसिद्ध ग्रह।
होशंग (هوشنگ) फा. पुं.–ईरान का एक प्राचीन नरेश।
होश (هوش) फा. पुं.–बुद्धि, समझ, अक़्ल; संज्ञा, चेतना, ख़बरदारी; विवेक, तमीज़, अच्छे-बुरे के फ़र्क़ की बुद्धि; नशे के उतार की अवस्था।

होशबाख़्तः (هوش باختہ) फा. वि.—जिसका दिमाग़ ठिकाने न हो, हतसंज्ञ।

होशमंद (هوش مند) फा. वि.—बुद्धिमान्, अक़्लमंद; सचेत, होशियार।

होशमंदी (هوش مندی) फा. स्त्री.—बुद्धिमत्ता, अक़्लमंदी; चेतना, होशियारी।

होशयार (هوش یار) फा. वि.—बुद्धिमान्, अक़्लमंद; चतुर, चालाक; सचेत, हवास में; छली, ठग; दक्ष, कुशल, माहिर।

होशयारी (هوش یاری) फा. स्त्री.—बुद्धिमत्ता; चातुर्य; चेतना; छल; धूर्तता; कुशलता।

होशरुबा (هوش ربا) फा. वि.—होश उड़ा देनेवाला, संज्ञाहीन कर देनेवाला।

होशोख़िरद (هوش وخرد) फा. पुं.—संज्ञा और बुद्धि, अक़्ल और तमीज़।

होशोहवास (هوش وحواس) फा. अ. पुं.—दे. 'होशोख़िरद'।

हौ

हौज़ः (حوضہ) अ. पुं.—छोटा हौज़।

हौज़ः (حوزہ) अ. पुं.—राज का केंद्र, राजधानी; छोर क़नारा; भग, योनि।

हौज (هوج) अ. स्त्री.—अज्ञानता, नासमझी; आतुरता, अधीरता, जल्दबाज़ी।

हौज़ (حوض) अ. पुं.—पानी का पक्का कुंड जो मस्जिदों या बग़ीचों में होता है।

हौदज (هودج) अ. पुं.—ऊँट या हाथी की पीठ पर रखी जानेवाली अम्वारी, हौदा।

हौन (هون) फा. पुं.—खेत की ज़मीन जिसमें ढेले बहुत हों।

हौन (هون) अ. पुं.—सुख, शान्ति; प्रतिष्ठा, वक़ार; विनय, नम्रता; हलकापन।

हौबः (حوبہ) अ. पुं.—ननिहाल।

हौब (حوب) अ. पुं.—पाप करना, गुनाह करना; इच्छा, ख़्वाहिश; घबराहट; दुःख, रंज।

हौबत (حوبت) अ. स्त्री.—पाप-कर्म, गुनाहगारी।

हौबा (حوبا) अ. स्त्री.—सुखेच्छा, आरामतलबी; आलस्य, काहिली।

हौमः (حومہ) अ. पुं.—महायुद्ध, बहुत बड़ा जंग; हर बड़ी वस्तु।

हौरा (حورا) अ. स्त्री.—गोरी स्त्री जिसके बाल और आँखें स्याह हों।

हौल (حول) अ. पुं.—आसपास, चौगिर्द; शक्ति, तुवानाई।

हौल (هول) अ. पुं.—भय, त्रास, डर, ख़ौफ़।

हौलअंगेज़ (هول انگیز) अ. फा. वि.—भय उत्पन्न करनेवाला, भयजनक।

हौलअफ़्ज़ा (هول افزا) अ. फा. वि.—भय बढ़ानेवाला, भयवर्द्धक।

हौलज़दः (هول زدہ) अ. फा. वि.—भयभीत, भयाकुल, त्रस्त, डरा हुआ।

हौलज़ा (حول زا) अ. फा. वि.—दे. 'हौलअंगेज़'।

हौलनाक (هول ناک) अ. फा. वि.—भयंकर, भयानक, भीषण, डरावना, ख़ौफ़नाक।

हौलिगी (هولگی) अ. फा. वि.—त्रस्त, भयभीत, ख़ाइफ़; उद्विग्न, व्याकुल, परीशान।

हौश (حوش) अ. पुं.—घर, गृह, मकान; स्थान, जगह।

हौसलः (حوصلہ) अ पुं.—उत्साह, हिम्मत; धृष्टता, ढीठपन; साहस, जुर्अत; उद्दंडता, गुस्ताख़ी; आवेग, जोश, वल्वला।

हौसिलः अफ़्ज़ा (حوصلہ افزا) अ. फा. वि.—उत्साहवर्द्धक, उत्साह बढ़ानेवाला; प्रोत्साहन देनेवाला।

हौसलः अफ़्ज़ाई (حوصلہ افزائی) अ. फा. स्त्री.—प्रोत्साहन, हिम्मत बढ़ाना।

हौसलःमंद (حوصلہ مند) अ. फा. वि.—साहसी, उत्साही, हिम्मती।

हौसलःमंदी (حوصلہ مندی) अ. फा. स्त्री.—उत्साह होना, जोश और वलवला होना।

हौसलःशिकन (حوصلہ شکن) अ. फा. वि.—हिम्मत तोड़नेवाला, उत्साह भेदी, दिल तोड़ देनेवाला।

हौसलःशिकनी (حوصلہ شکنی) अ. फा. स्त्री.—हिम्मत तोड़ना, प्रोत्साहन न देना, दिल तोड़ना।

उर्दू हिन्दी शब्दकोश

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के हिन्दी समिति प्रभाग द्वारा प्रकाशित यह ग्रन्थ प्रमाणिकता और उपयोगिता की दृष्टि से अप्रतिम माना गया है। विद्वानों द्वारा मुक्त कंठ से प्रशंसित इस स्तरीय ग्रन्थ का अब यह सप्तम संस्करण जिज्ञासु पाठकों के सम्मुख प्रस्तुत है।